SELECTIONS FROM THE SATARA RAJAS'

AND

THE PESHWAS' DIARIES.

# IX.

# PESHWA MADHAVRAO I.

## VOL. I.

BY

THE LATE R. B. GANESH CHIMNAJI VAD, B. A.

Native Assistant to the Commissioner, C. D.

Edited by

KASHINATH NARAYAN SANE, B. A.

AND

Published by

The Deccan Vernacular Translation Society, Poona,
with the permission of the Government
of Bombay.

—S—

1911

—*—

Price $2\frac{1}{2}$ Rupees.

Printed at the " Chitra Shala Steam Press, Poona. "
by S. N. Joshi

सातारकर महाराज व त्यांचे पेशवे ह्यांच्या रोजनिशींतील उतारे.

# ९.

# माधवराव बल्लाळ

ऊर्फ

# थोरले माधवराव पेशवे.

यांच्या कारकीर्दींतील.

भाग १ ला.

कै० रावबहादूर गणेश चिमणाजी वाड, बी. ए.
माजी नेटिव्ह असिस्टंट निसबत कमिशनर मध्यभाग—
यांनीं निवड करून काढिले ते
काशिनाथ नारायण साने, बी. ए.
यांनीं

छापण्यासाठीं तयार केले

व

डेक्कन व्हर्न्याक्युलर ट्रान्सलेशन् सोसायटी, पुणें,
हिनें
मुंबई सरकारच्या परवानगीनें छापून प्रसिद्ध केले.

—*—

इ० स० १९११.

किंमत २॥ रुपये.

हें पुस्तक रा० रा० शंकर नरहर जोशी यांनीं पुणें
येथें " चित्रशाळा "छापखान्यांत छापिलें

# अनुक्रमणिका. CONTENTS.

☞ पुढें मराठी व इंग्रजी मजकुराचीं शुद्धिपत्रें दिलीं आहेत त्याप्रमाणें शुद्ध करून नंतर हा ग्रंथ वाचावा.

——S*S——

# शुद्धिपत्र.

| पृष्ठ | लेखांक | ओळ | अशुद्ध | शुद्ध |
|---|---|---|---|---|
| ६ | १० | समास | आर्व | अर्वा |
| १० | १४ | ६ | बसवापट्टण, | बसवापट्टण |
| ,, | ,, | ८ | गोविद | गोविंद |
| ११ | १६ | ३ | तुम्हीं मया व | तुम्हीं किल्ला घेऊन |
| ,, | १७ | १४ | दातसतिमया | दातस तिमया |
| ,, | ,, | १६ उजवीकडची | काभोलणें | काभोळणें |
| १२ | ,, | १ डावीकडची | देनापूरपैकीं | वैजापूरपैकीं |
| ,, | ,, | १६ ,, | ( कामकवण ? ) | कोकमठाण |
| ,, | ,, | २१ ,, | कोरोळपैकीं | कोराळेंपैकीं |
| ,, | ,, | २२ ,, | निंबणें | निंबोणें |
| ,, | ,, | २३ ,, | मरढोण | मरढाणें |
| ,, | ,, | २६ ,, | अंजनापूर | आजनापूर |
| ,, | ,, | २७ ,, | हिंगणाबेढें | हिंगणवेढें |
| ,, | ,, | २८ ,, | कालगाटे ( गोट ? ) | कोळगांव |
| ,, | ,, | २ उजवीकडची | हजारी | पिंपरी |
| ,, | ,, | ९ ,, | चिचाडी | चिचोंडी |
| ,, | ,, | २१ ,, | देहेच्या | गांवचा |
| ,, | ,, | २४ते२८ ,, | एकूण दोन गांवचा जागिरीचा पूर्ववत प्रमाणें करार करून———सनद १<br>१ मौजे अडिसेरें<br>१ मौजे संगमनेर धर्मादाव.<br>———<br>२<br>बाबूराव गणेश पेठे यांजकडे कमीनसबतओह त्याजकडे. | १ मौजे अडिसेरे<br>१ मौजे संगमनेर धर्मादाव.<br>बाबूराव गणेश पेठे यांजकडे किल्ला निसबत आहे त्याजकडे<br>———<br>२<br>एकूण दोन गांवचा जागिरीचा पूर्ववत्प्रमाणें करार करून—<br>सनद १ |
| १४ | १९ | २७ डावीकडची | तुरकणेपैकीं | तुटकणेपैकीं. |
| १६ | २१ | २२ ,, | मुतालिक घोडा. | मुतालिक, घोडा. |
| ,, | ,, | २३ ,, | पवार घोडी. | पवार, घोडी. |
| ,, | ,, | २४ ,, | काळ्यांपैकीं घोडी. | काल्यापैकीं, घोडी. |
| ,, | ,, | ७ उजवीकडची | गुजर घोडा | गुजर, घोडा. |

| पृष्ठ | लेखांक | ओळ | अशुद्ध | शुद्ध |
|---|---|---|---|---|
| १६ | २१ | ८ ,, | शिंदे घोडी | शिंदे, घोंडी. |
| ,, | ,, | ९ ,, | साखरे घोब्या. | साखरे, घोब्या. |
| ,, | ,, | १० ,, | विठ्ठल घोडी | विठ्ठल, घोडी. |
| १७ | २१ | ७।८ | परभारें दफातें यास व | परभारें यास दफाते |
| ,, | ,, | १८ डावीकडची | मौजेखान | मौनेखान |
| १८ | २२ | ५ ,, | ते | तें |
| ,, | ,, | १४ | ताकीद. | ताकीदपत्रें. |
| १९ | २३ | १ डावीकडची | मुगसापूर, | मुंगसापूर, |
| ,, | ,, | २ ,, | लक्षाचे | लक्षांचे |
| ,, | ,, | १३ ,, | गुजारत ( गुदस्त ? ) | गुदस्त |
| ,, | ,, | २१ ,, | यासि गुजारत | यासि गुदस्त |
| ,, | ,, | १।२ उजवीकडची | गुजारत | गुदस्त |
| २० | ,, | १२ डावीकडची | येविशीं, बिघे १००, | बिघे १००, येविशीं, |
| ,, | ,, | २७ ,, | लक्षाचे | लक्षांचे |
| ,, | ,, | १ उजवीकडची | वळूज, | वाळूज, |
| ,, | ,, | १५ ,, | आहे | आहेत. |
| २१ | ,, | ९ डावीकडची | खरीजे | खेरीज |
| ,, | ,, | ८ उजवीकडची | लक्षाचे | लक्षांचे |
| २१ | २४ | १६ | उडणगांवपैकीं | उंडणगांवपैकीं |
| २३ | २६ | २ | किल्ले ह्रायचे | किल्लेह्रायचे |
| ,, | २८ | १६व१७ | नांवें सनदा. | नांवें सनदा |
| ,, | ,, | १८व१९ | व पाहून (हरएक शह राखोन ?) शहर | व रोखानें शहर |
| २५ | ३० | ४ | बद्दल | ब॥ |
| २७ | ३२ | ३ डावीकडची | १५००१, | १५००, |
| ,, | ,, | ६ ,, | कडसांगवी | लाडसांगवी |
| ,, | ,, | १ उजवीकडची | परगणे | कसबे |
| ३० | ३८ | १३ डावीकडची | असडाक | असडीक |
| ३१ | ३९ | १० | सनद ( ? ) | सनद |
| ,, | ४० | १७ | यांच | यांचे |
| ३२ | ,, | ९ | जाणे, | जाणें, |
| ,, | ४१ | १४ | मळेबिदमु (नु?) रा विशीं | मळेबिदनुराविशीं |
| ३५ | ४४ | १५ | बा सा रा ग णी चा डाग | बारागणी साडाग |
| ३६ | ४५ | १९ डावी बाजू | बाबाजी | बावजी |
| ३८ | ४५ | ६ ,, | आसब बेग | आसबबेग |
| ३९ | ४६ | १६ | त्याजकडे | त्यांजकडे |
| ४१ | ५० | १९ डावी बाजू | सा जी | साजी |
| ४३ | ५२ | १ | गढेमांडले | गढेमांडळ |
| ,, | ,, | ३ | गढेमांडल | गढेमांडळ |

| पृष्ठ | लेखांक | ओळ | अशुद्ध | शुद्ध |
|---|---|---|---|---|
| ४५ | ५९ | १७ | ओखरोज | ओखराजी |
| ४६ | ६० | ११ | बाबाजी | बावजी |
| ५५ | ७८ | १० | कलवंतीणीच | कलवंतिणीचे |
| ,, | ,, | १६ | रोज दर ( ? ) | रोजमरे |
| ५८ | ८४ | १७ | बलेगांव | बेलगांव |
| ६३ | ९० | १व२ | गोग्रासवगैरे.।१ ०=॥ ० ० | राघोजी आंगर वजारतमहा.।१०=॥०० |
| ६४ | ,, | ६ | हुनतसुद्र ( द ? ) | हुजतसुद्र |
| ,, | ,, | १२ डावी बाजू | चौशेरी ३०१०= | चौशेरी ३०१०।= |
| ,, | ,, | ३१ उजवी बाजू | बाजाराशिराई | बनारशी गवई |
| ६५ | ९२ | समास | समासितैन | समान सितैन |
| ,, | ,, | १३ | याकुदखान | याकुपखान |
| ६६ | ,, | ६ | ताो | तपें |
| ,, | ,, | ८ | ताो | तपें |
| ,, | ,, | ११ | मअरूज | मआरूज |
| ,, | ,, | १६ | ताो | तपें |
| ,, | ,, | १७ | ताो | तपें |
| ,, | ,, | २२ | ताो | तपें |
| ६७ | ,, | १ | ताो | तपें |
| ६७ | ९४ | ९ डावी बाजू | १५३।।।≡ | १५३।।।. |
| ६८ | ,, | २६ उजवी बाजू | रु ·।।· | रु. ·।।·।।· |
| ७० | ९७ | १–१० ,, | ३ हस्तें बाजी गंगाधर इ० | ३ हस्तें बाजी गंगाधर इ० ७ गांवगन्नापैकीं<br>———<br>१० |
| ७० | ,, | उजवी बाजू ओळी १० व ११ यांच्या दरम्यान | | ६० छ. २५ व २६ इसजान |
| ,, | ,, | १२ ,, | मोहर हवड शिका | मोहर हली शिका |
| ८० | १०४ | ९।१० डावी बाजू | उरूसकर ( गौंवडी रुस-कर ? ) यांस. | उरूसकर यांस. |
| ८१ | ,, | १८ उजवी बाजू | मथलकर | मंथनकर |
| ८४ | ,, | १३ ,, | कटोरो ( रे ? ) कर | कटारेकर |
| ,, | ,, | १४ ,, | बलची | बळीचा |
| ,, | ,, | २६ ,, | मोरगीकर | मोरगीरकर |
| ८५ | ,, | २१ ,, | शंकरगंधपाणी (शारंगपाणी ? ) | शारंगपाणी |
| ८९ | ,, | ७ ,, | एक | ऐलारी |
| ,, | ,, | ३१ ,, | ( १ यवोदकांत ) | १ यवोदकांत |
| ९० | ,, | ५ डावी बाजू | वेसगलकर | वसगडेकर |
| ९५ | १०६ | समास | खमज | खमस |
| ९६ | १०७ | १८ डावी बाजू | पोतसीस | पोतनीस |
| ,, | ,, | २९ ,, | काईम व अजमेरी दत्रासि | काईम व अजमेरी दमासी |
| ९८ | ,, | १० ,, | परिखन | पीरखान |

| पृष्ठ | लेखांक | ओळ | अशुद्ध | शुद्ध |
|---|---|---|---|---|
| १०२ | ११२ | १६ ,, | पारग | पोरगे |
| १०३ | ,, | ३२ उजवी बाजू | करावयासि सुतार | करावयासि मिठू सुतार |
| १०४ | ,, | ७ डावी बाजू | पुजेची | पूजेची |
| ,, | ११३ | समास | १६६७--६८ | १७६७–६८ |
| १०७ | ११९ | २० डावी बाजू | खंडोदीक्षीत | खंडदीक्षित |
| १०८ | ,, | १० ,, | वादक | वैदिक |
| ११२ | १२५ | ३ | र ज त ल बें त | रजातलबेंत |
| ११४ | १२८ | ११ डावी बाजू | ८=॥ | ८२॥ |
| ,, | ,, | ११ उजवी बाजू | ८।=८≡ | ८।२८≡ |
| ,, | ,, | १३ ,, | ८।=॥।= | ८।२॥।= |
| ११७ | १३३ | समास | रविलाखर २३ | रविलाखर २७ |
| ११९ | १३५ | ६ उजवी बाजू | ८११'। | ८११·॥ |
| १२० | १३६ | २१ | रवा ( सा ? ) नगी यादी | रसानगी यांदी |
| १२६ | १४३ | १६ उजवी बाजू | नंदुर ( बार ) | नंदुरबार |
| १२७ | ,, | ४ ,, | वावाजी | वाबजी |
| १२८ | ,, | १ ,, | नसरदपूर | नसरापूर |
| १२९ | १४५ | ४ | छ. ५ ( ९ ? ) | छ. ९ |
| १३० | १४७ | २४ | भावनी | भवानी |
| १३१ | ,, | ३ | पोहे पेडगांव | पांडेपेडगांव |
| १४२ | १५६ | ९ उजवी बाजू | वाबाजी | बाबजी |
| १९९ | २०९ | १९ | नवाळकर | निंबाळकर |

---

# ERRATA.

| Page | No. | Line | Incorrect | Correct |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 1 | 4 | Addali | Abdali |
| 7 | 11 | 4 | werc | were |
| 10 | 13 | 3 | fort | forts |
| 11 | 17 | 3 | fort | forts |
| 13 | 19 | 6 | contribution | tribute |
| 15 | 20 | 1 | Pargana | The Pargana |
| ,, | ,, | 2 | retaken | taken back |
| 18 | 23 | 4 | released | released:-- |
| 21 | 24 | 1 | Pargana | Parganas |
| ,, | ,, | ,, | Udangaon | Undangaon |
| 23 | 28 | 3 | of Taluka | at Taluka |
| ,, | ,, | 4 | sueccessfully | successfully |
| 25 | 30 | 1 | Sons | sons |
| 26 | 32 | 8 | Kadsangwi | Ladsangwi |
| ,, | ,, | 11 | Kujadabad | Khujdabad |
| 29 | 36 | 6 | refrence | reference |
| 31 | 40 | 11 | haviug | having |
| 32 | 42 | 3 | in favour of | in concert with |
| 33 | ,, | 1 | Government | The Government |
| ,, | ,, | 3 & 4 | were received from | had been paid by |
| 42 | 51 | 2 | fort | Tarf |
| 43 | 53 | 3 | Arrangent | Arrangement |
| 48 | 65 | 7 | lying between | extending from |
| 49 | 67 | 7 | ganted | granted |
| 50 | 68 | 2 | officr | officer |
| 53 | 74 | 4 | satara | Satara |
| 54 | 77 | 13 | Makarndpur | Makarandpur |
| 55 | 78 | 1 | Month | months |
| ,, | ,, | 3 | allovance to | allowance for the food of |
| 56 | 80 | 8 | Ssinhagarh | Sinhagarh |
| 57 | 81 | 1 | date fruits | dates, |
| 57 | 82 | 4 | Peshwa's | the Peshwa's |
| 58 | 82 | 5 | 3 Karkuns | Three Karkuns |
| ,, | ,, | ,, | inspecton | inspection |

| Page | No. | Line | Incorrect | Correct. |
|---|---|---|---|---|
| 58 | 85 | 9 | Lady Gopikabai | Matushri Gopikabai |
| 59 | 86 | 1 | to draw | to paint |
| " | " | " | Mankoji Painter | Mankoji, a picture-painter |
| " | " | 2 | month & a half | $1\frac{1}{2}$ months |
| " | " | " | & | and |
| " | " | " | issused | issued |
| " | " | 3 | colouring | painting |
| " | " | 4 | & | and |
| 61 | 88 | 2 | Presents | Presents of small sums of money |
| " | " | Margin | 1764 fi 65 | 1764–65 |
| 62 | 89 | " | 1765–65 | 1764–65 |
| " | " | 3 | 4or 5 thousand rupees | Rs. 4000 or Rs. 5000 |
| " | " | 5 | wirh | with |
| " | " | 6 | Goviod | Govind |

62 for No 90 substitute the following:—The debit of expenses in this month includes ( a ) expenditure incurred on account of Saubhagyavati Parvatibai's visit to Pen, ( b ) a feast given at Pen to Raghoji Angria, Wajarat Maha and ( c ) a grant of grain to a Padri ( Missionary ) doctor.

| Page | No. | Line | Incorrect | Correct. |
|---|---|---|---|---|
| 65 | 91 | Margin | 1765–65 | 1765–66 |
| " | 92 | " | 1767–60 | 1767–68 |
| 67 | 93 | 3 | ( Peshwa's | ( the Peshwa's |
| " | 94 | 5 | for | on |
| " | " | 6 | Nanasaheb's death | the death of Nanasaheb |
| 69 | 96 | 4 | driver | coachman |
| " | " | " | Nagar | Ahmednagar |
| " | " | 6 | disposial | disposal |
| " | " | " | place | to place |
| 78 | 102 | 2 | for supplying | to supply |
| 79 | 104 | 3 | Rs. 220,384 | Rs. 22,084 |
| 94 | 105 | 5 | village | villages |
| 95 | 106 | 2 | of the the bright | of the bright |
| 110 | 121 | 2 | to surrendered | to be surrendered |
| 112 | 125 | Margin | 1764–65 | 1765–66 |
| 119 | 136 | 4 | All | Half |

| Page | No. | Line | Incorrect | Correct. |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| 123 | Heading | 3 | The sumant | Sumant |
| " | 141 | 5 | Conferred | conferred |
| 124 | Heading | 3 | the Gaikwad | Gaikwad |
| 128 | 144 | 4 | Salary | salary |
| 136 | 152 | 19 | Rupees 500000 | Rupees 5,00,001. |
| " | " | 31 & 32 | would be paid | would be fixed and paid. |
| 139 | Heading | 8 | The Pawars | Pawars |
| 144 | 158 | 8 | Malwa | Khandesh |
| " | " | 5 | Malwa Tarf Depur | Pargana Suronj in Prant Malwa, Tarf Depur |
| 145 | 160 | 4 | Nar | Naro |
| " | " | 5 & 6 | R.. chandra | Ramchandra |
| 152 | 166 | 1 | ove | over |
| 153 | 169 | 6 | serwice | service |
| 160 | 113 | 6 | 113 | 173 |
| " | 113 | 8 | to her and | to her, |
| 163 | 174 | 1 | & to carry out | and carry out |
| 165 | 176 | 1 | lkahs | lakhs |
| 171 | 182 | 1 | had been imprisoned | was imprisoned |
| 178 | 190 | 11 | alienation | alienations |
| 190 | 196 | Margin | A. E. | A. D. |
| 191 | 197 | 1 | Govid | Govind |
| " | 199 | Margin | A. D. 1763-65 | A. D. 1763-64 |
| 192 | 200 | 2 | an | and |
| 194 | 202 | 2 | Baswapattan was conferred | Baswapattan &c was conferred |
| 195 | 203 | 3 | with the troops | with their troops |
| 197 | 206 | Margin | A. D. 1762-65 | 1765-66. |
| 198 | 207 | 2 | Mamlakatmadar | Mamlakat-Madar |
| 199 | 208 | 5 | Modhol | Mudhol |
| " | 209 | Margin | A. D. 1768-64 | A. D. 1763-64 |
| 201 | 210 | " | A. D. 1763-64 | A. D. 1765-66 |
| 204 | 213 | 1 | Nimdalkar's | Nimbalkar's |
| 209 | 220 | 6 | Governmennt | Government |
| 212 | 225 | Margin | A. D. 1788-79 | A. D. 1768-69 |
| 216 | 228 | 4 | Shyama | Shyamal |
| 217 | 229 | 3 | Shamal | Shyamal |
| " | " | 4 | Shamal | Shyamal |

| Page | No. | Line | Incorrect | Correct· |
|---|---|---|---|---|
| 218 | 231 | 1 | drawn by | drawn up by |
| ,, | ,, | 8 | the fort to | the fort of Janjira to |
| 222 | 234 | 14 | equivalént | equivalent |
| 224 | 235 | 1 | fulfillment | ulfilment |
| 251 | 275 | 5 | arə | are |
| ,, | 276 | Margin | A. D. 1794-65 | A. D. 1764-65 |
| 253 | 278 | 3 | Rs. 25,003 | Rs. 25,001 |
| 254 | 279 | 3 | Rs 50,000 | Rs. 50,001 |
| 256 | 281 | 4 | Governmet | Government |
| 259 | 284 | Margin | A. D. 1765-65 | A. D. 1765-66 |
| 261 | 287 | 6 | tronble | trouble |
| 262 | 288 | Margin | A. D. 766-67 | A. D. 1766-67 |
| ,, | ,, | 5 | Rs. 100 and cash to the men | Rs. 100, two daggers worth Rs. 75 and cash Rs. 25 to the men. |
| 263 | 289 | Margin | A. D. 1766-62 | A. D. 1766-67 |
| ,, | ,, | 8 | was, however | however, was |
| 273 | 298 | 9 | Gouda | Gauda |
| 277 | 300 | 10 | seige | siege |
| ,, | ,, | 16 | Gajsing | Gajesing |
| 280 | 303 | 1 | Rs. 40,000 | Rs. 40,001 |
| ,, | ,, | 4 | powers | Powers |
| 285 | 307 | Margin | A. D. 1799-70 | A. D. 1769-70 |
| 286 | 308 | ,, | A. D. 1799-70 | A. D. 1769-70 |
| ,, | ,, | 6 & 7 | thrown in the whole amount. | thrown in and the whole amount. |
| 288 | 310 | 12 | be to restored | to be restored |

# थोरले माधवराव पेशवे
## ह्यांची रोजनिशी.

भाग १ ला.

## १ राजकीय.
### ( अ ) महत्त्वाच्या गोष्टी.

१-( ४७ )—केदारजी शिंदे व महादजी शिंदे यांचे नांवें सनद कीं, गुलराज व आनंदराम वकील दिमत अबदाली हे हुजूर आले होते, त्यास यांचा

इ० स० १७६२।६३. सलास सितैन मया व अलफ साबान २२.

करारमदार जाहला आहे कीं, सरकारचा अमल तीर्थरूप कैलासवासी नानासाहेब व भाऊसाहेब होते त्यांच्या वेळेस ज्याप्रमाणें अमल होता त्याप्रमाणें परगणियांत अमल शहांनीं व आसफुल उजरा यांनीं ताकीद करून देवावा; याप्रमाणें जाल्यास गुलराज व आनंदराम वकील यांसि जागीर रुपये ४०,००० चाळीस हजार द्यावयाचा करार करून तुम्हांस पत्र लिहिलें असे, तरि सदरहूप्रमाणें वकिलांनीं करारींत आणून दिल्यास सदरहू जागीर अंतर्वेदींत नेमून देणें म्हणून सनद १. रसानगी यादी.

---

## *POLITICAL MATTERS.*

*Events of Importance.*

1. In an agreement entered into with the Peshwa by Gulraj and Anandram, Ambassadors of Addali, it was stipulated by

A. D. 1762—63.

the latter, that the Emperor and Asful Ujara would assist in establishing the authority of the Peshwa over certain Parganas which were under the sway of the late Nanasaheb ( Peshwa's father ) and Bhau Saheb. Kedarji Sindia and Mahadaji Sindia were directed that if the stipulation was fulfilled, a Jahagir of Rs 40,000 should be granted in the Antarvedi to the ambassadors in question as settled.

इ० स० १७६२।६३.
सलास सितैन
मया व अलफ
जिल्काद १५.

२-( ४ )—परगणे अथणी वगैरे महाल, तालुका राजश्री उदाजी चव्हाण, येथील मामलत तुम्हांकडे सांगितली आहे; त्यास महालीं ठाणेयांत शिबंदी आहेत, त्यांजपैकीं साल मजकुरापासून प्यादे असामी करार.

१२५ परगणे कोल्हार.
३०० परगणे महमदापूर.
१ कसवा.
१ जैनापूर.

२

२५ कसबे बेलोती [ बेलवटी. ]
२५ कसबे सिदनाथ.
५० कसबे बेसूर.
१२६ परगणे चिमलगी.
६० मौजे मसुती परगणे मालेवाड.
६० परगणे बिदरी.
१ पडसळगी खुर्द.
१ पडसळगी बुदरुक.

२

६० परगणे गोटें.
१०० परगणे बेजवाड.
१ कलामरी.
१ कसबा.
१ बाबनगर.
१ बिजरगी.

४

५० ठाणें सिदगी ( शिंदगी ? )
१५० परगणे बागेवाडी.
१ कसबा.
१ मुतकी.
१ यमनहाल.

३

१६० अथणी.
१ पेठ.
१ कसबा.
१ देशमुखिणीचा वाडा.
१ थोरला बुरूज.

४

७५ गढी काकटपूर.
१ रडरहट्टी.
१ नंदगांव.

२

७५ परगणे उकळी.
१ कसबा.
१ कुमठें.

२

A. D 1762—63.

2. The Parganas of Kolhar, Mahamadapur, Chimalgi, Bidari, Gote, Bejwad, Kokatnur, Bagewadi, Athni, Ukali &c. belonging to Udaji Chavan were entrusted to Nago Ram and sanction w: s accorded to the entertainment of an establishment of 2100 men at a cost of Rs. 1,28,633 a year.

२०० परगणे कोकटनूर जालवद.
१ हडगिनहाल.
१ यमकंची.
१ वडवडगी.
१ कसबा.

४

२५ मौजे कजबडे परगणे जत.
९० चौथाईचे महाल.
१ विजापूर हवेली.
१ इंडी.
१ तांबें.
१ हालसंगी.
१ होर्ती.
१ जत.
१ करजगी.

७

९० चांदकोटें.
१ कसबा.
१ आहिरी.

२

२९ कर्यात ऐनापूर.
२९ मौजे कोटलगी परगणे हालेवाड.
१०महंकाळ कौठें,परगणे मिरज.
१०० परगणे हिपरगी.
४५ कारकून असामी.
१७० जाजती असामी स्वारी-समागमें वगैरे ठाणेजात कोठें कोठें कमी घातले आहेत सबब जरूर.

२१००

एकूण एकवीसशें असामी यांस सालीना तैनात रुपये:—

५५००० देशचे लोक याच वळणाचे ठेवावे; अजमासें असामी १०००; एकूण दरमाहे रुपये पांच हजार ५००० आकरमाही.

६९६३० हेटकरी व आपले वळणाचे माणूस इतबारी ठेवावे; त्यास असामी १०५५; एकूण एकमाही रुपये ६३३० एकूण आकरमाही रुपये.

४००० कारकून तरफदार असामी ४५, एकूण सालीना दर असामीस रुपये एकशें प्रमाणें रुपये ४५००. पैकीं सरासरी रजा पुरसदगी रुपये ५००. बाकी.

१,२८,६३० २,१००

एकूण एकवीसशें असामींस एक लक्ष अठ्ठावीस हजार सहाशें तीस रुपये, कुल मामलतीचीं ठाणीं वगैरे स्वारीशिकारी देखील मिळोन कारकून तरफदार सुभा तैनात करार करून दिल्ही असे. सदरहूप्रमाणें द्यावयाची. हजीरी गैरहजेरी मनास आणून चौकशीनें सरसालें खर्च करणें ह्मणून, नागो राम यांचे नांवें सनद १.

३-( २२ )— विसाजी केशव प्रांत वसई यांसि सनद कीं, कुडाळ प्रांतीचे सरदार नाजुक कामाचे राजकारणाचे हुजूर आले आहेत; त्यास साल मजकुरीं पैरवी होत नाहीं; पेस्तर कार्य करावयाचें आहे; सबब तूर्त येणेंप्रमाणें करार नांवनिशी.

इ०स० १७६२।६३.
**सलास सितैन मया व अलफ**
रजब १४.

कित्ता.

१ कृष्ण प्रभु देसाई.
१ विठ सांवत.
१ नार सांवत.
१ कृष्णाजी भास्कर.
१ विसाजी राम.
१ बाले प्रभु.
१ बावले प्रभु.
१ राम प्रभु हेरलेकर.

८

कित्ता.

१ वाटजी नाईक.
१ हरदे प्रभु.
१ गोपाळ प्रभु.
१ जगन्नाथ बाबजी.
१ गणेश केशव.
१ गोविंद नरसिंह.
१ सोयरो राम.
१ नारो कृष्ण.

८

१६

एकूण सोळा सरदार मिळोन लोक शंभर माणूस चाकर ठेवून माणूस पाहून तैनाता करार करणें आणि चाकरी घेणें ह्मणून, सनद १.

रसानगी यादी.

४-( ३१ )—जावजी जाधव हवालदार व कारकून किल्ले कोपल यांचे नांवें सनद कीं, किल्ले मजकूर तुम्हांकडून दूर करून राजश्री रामचंद्र जाधवराव सेनापति यांस साल मजकुरापासून दिल्हा असे, तरि मशारनिलेचे हवालदार येतील त्यांचे हवालां किल्ला करून पावलियाचें कबज घेणं, आणि तुह्मीं जमावसुद्धा हुजूर येणें ह्मणोन पाठविले. रूबरू, सनद. १.

इ० स० १७६२।६३.
**सलास सितैन मया व अलफ.**
साबान ३.

---

3. 16 sardars of Prant Kudal came to the Huzur on some political mission. The execution of the mission was postponed till the following year, and Visaji Keshav of Prant Bassein was directed to employ them and their men numbering 100 in all.

A. D. 1762—63.

4. The fort of Kopal was ordered to be handed over to Ramchandra Jadhavrao Senapati.

A. D. 1762—63.

५-( ३९ )—जमीदार महालानिहाय यांचे नांवें सनदा कीं, परगणे मजकूर पेशजी नबाब निजामअल्लीखान बहादर यांजकडे जागिरीचा अमल होता, तो दूर करून साल मजकुरीं राजश्री अवधूतराव येशवंत पागा यांस जप्ती सांगोन पाठविले आहेत, तरि मशारनिलेशीं रुजू होऊन अमल सुरळीत देणें ह्मणून, सनदा.

इ० स० १७६२।६३.
**सलास सितैन मया व अलफ**
साबान ४.

१ परगणे लोणार. १ परगणे बीड पैकीं दिगर जागीर.

---

२ रसानगी यादी.

६-( ४४ )—गणेश विठ्ठल यांचे नांवें सनद कीं, गुलराज व आनंदराव वकील दिमत अबदाली यांजकडील उंटें व घोडीं व बैल किल्ले अमदानगर येथें ठेविले आहेत, त्यांस दररोज लाकडें वजन पक्के ८॥०, गवत पुले सुमार २००, एकूण वजन पक्के अदमण व गवत पुले दोनशें याप्रमाणें दररोज सनद पैवस्तगिरीपासून दहा पंधरा रोज पर्यंत देणें ह्मणोन, सनद १. रसानगी यादी.

इ० स० १७६२।६३.
**सलास सितैन मया व अलफ**
साबान १७.

७-( ४९ )—गणेश विठ्ठल यांचे नांवें सनद कीं, किल्ले अमदानगर येथें भद्रगज हत्ती आहे, तो अबदालीशाहास देविला असे; तरि राजश्री पुरुषोत्तम महादेव वकील यांजकडील कारकून येईल त्याचे स्वाधीन करून पावलियाचें कबज घेणें ह्मणून, सनद १. रसानगी यादी.

इ० स० १७६२।६३.
**सलास सितैन मया व अलफ**
साबान २९.

---

5. The Jahagir Amal of Parganas Lonar and Bid, belonging to Nawab Nizam Ali Bahadur, was ordered to be attached

A. D. 1762—63.

6. Orders were issued to Ganesh Vithal to feed camels, horses and bullocks of Gulraj and Anandrao, ambassadors of Abdali, which were sent to Ahmednagar.

A. D. 1762—63.

7. An elephant named Bhadragaj was presented to Emperor Abdali.

A. D. 1762—63.

८-( ५० )—नारो कृष्ण यांचें नांवें सनद कीं, किल्ले पिसोळ प्रांत खानदेश मोगलांकडे आहे, येथील सूत्र तुम्हांकडे आलें आहे; त्यास किल्ला सरकारांत घेऊन किल्ले मजकूरची जागीरपैकीं, तीन हजार रुपयेयांची जागीर किल्लेदारास देऊन किल्ला हस्तगत करून, बाकी जागीर राहील त्यांतच किल्ले मजकूरचा खर्च शिबंदी वगैरे करीत जाणें, जाजती न करणें ह्मणोन, सनद १.

इ० स० १७६२।६३. सलास सितैन मया व अलफ साबान ३०.

रसानगी यादी.

९-( ६३ )—मीरखान ठोके यांचे नांवें सनद कीं, सरकार संगमनेर व सरकार दौलताबाद येथील मोगलाई अमलाच्या जप्तीस तुम्हांबरोबर फौज देऊन रवाना केलें आहे, त्यास पेशजी सरकारांतून कमाविसदार जप्तीस महालास रवाना केले आहेत, तरि तुह्मीं ज्या महालाची कमाविसदार सरकारांतून नितम असेल त्या महालाची जप्ती तुह्मीं न करणें; सरकारच्या कमाविसदाराखेरीज महाल दुसरे मोगलाई अमलाचे गांव, खेडीं वगैरे असतील, ते कुल जप्त करून, ऐवज वसूल करून सरकारांत पावता करणें. जप्तीची कमावीस इमानें इतबारें चौकशीनें करून शिबंदीचा खर्च वगैरे गैरवाजवी न करितां, स्वारांस नेमणूक करून, अलाहिदा सनद सादर केली आहे, त्याप्रमाणें जप्तीचें कामकाज स्वारांपासून घेऊन मोगलाई अमलाचा ऐवज जमा करून सरकारांत पावता करणें म्हणून, सनद १.

इ० स० १७६२।६३. सलास सितैन मया व अलफ रमजान १३.

रसानगी यादी.

१०-( ८९ )—रामचंद्र जाधवराव यांस सोडून राजश्री महादाजी नाईक निंबाळकर यांचे हवालीं करावयाचा करार जाहला; यास्तव तुम्हांस पत्रें सादर केलीं असे [ त ]; तरि जाधवराव व श्रीपतराव या उभयतांस मशारनिलेकडील राऊत व भला माणूस व सरकारचा खिजमतगार पाठविला आहे, यांचे विद्यमानें उभयतांस त्यांचे हवालीं करून कबज घेणें म्हणून, पत्रें:—

इ० स० १७६३।६४ आर्बा सितैन मया व अलफ जिल्हेज १९.

---

8. Overtures having been made to Naro Krishna regarding the surrender of the fort of Pisol in Khandesh, which was in possession of the Moguls, he (Naro Krishna) was directed to arrange for its surrender and to grant the officer of the fort, a Jahagir of Rs. 3,000.

A. D. 1762—63.

9. Mirkhan Thoke was sent with an army to attack the Mogalai Amal in Samat Sangamner and Sirkar Davlatabad.

A. D. 1762—63.

10. It being decided to surrender Ramchandra Jadhavrao to Mahadaji Naik Nimbalkar orders were issued to Uddho Vishwar and to the Fort officer to hand over Jadhavrao and Shripatrao to men deputed by Nimbalkar for the purpose.

A. D. 1762—63.

२ उधो विरेश्वर यास. ३ किल्लेदार यास.

---

६

परवानगी राजश्री दादा, रसानगी कृष्णराव बापूजी पारसनीस, पत्रें चिटणिशी.

११–( ८६ )—हणमंतराव बाबाजी व बापूजी महादेव यांचे नांवें सनद कीं, ठाणें माचनूर वगैरे नांवें बितपशील.

इ० स० १७६३।६४.
अर्बा सितैन
मया व अलफ
जिल्हेज २९.

| किता. | किता. |
|---|---|
| १ ठाणें माचनूर. | १ मौजे उचेठाण. |
| १ मौजे तांब दुरडी. | १ मौजे बटाण. |
| १ मौजे रहाटेवाडी. | १ मौजे ब्रह्मपुरी. |
| १ मौजे वाजेवाडी. | |
| ४ | ३ |

---

७

एकूण सात गांवें येथील कमाविस तुम्हांकडे तिगस्तां होती, त्यास सालगुदस्तां सन सलासांत ठाणें मोगलानें घेऊन राजश्री गोपाळराव गोविंद यांचे स्वाधीन केलें आहे, तें त्यांजकडून दूर करून सालमजकुरीं तुम्हांस ठाणें घ्यावयासि आज्ञा केली आहे; तरि तुम्हीं शिबंदी ठेवून ठाणें घेऊन बंदोबस्ती करणें. शिबंदी खर्च वगैरे कलमें बितपशील.

तुम्हीं शिबंदी खर्च करून ठाणीं घ्यावीं, आणि नेहमीं ठाण्यांत शिबंदी कार्याकारण ठेवावी; गांवचा कच्चा वसूल सरकारांत समजावावा. त्यापैकीं शिबंदी वजा होऊन बाकी ऐवज राहील तो सरकारांत सरसाल पावता करावा. मामलत स्वराज्य व मोगलाई व चौथाई तुम्हांकडे दिली असे.

कलम १.

तिगस्तां तुम्हांकडे मामलत सरकारांतून सांगितली होती, त्यास करार न पुरतां तुम्हांकडून मामलत दूर केली. तेव्हां सरकारांत फाजील ऐवज तुमचा जाहला,

11. The Thana and village of Machnur, the village of Brahmapuri and 5 other villages were in the preceding year taken by the Mogul and entrusted to Gopalrao Govind. Hanmantrao Babaji and Bapuji Mahdeo were directed to entertain troops and to capture the Thana and the villages on the follwing conditions:—

A. D. 1763—64.

त्याचा फडशा जाहला नाहीं. त्यास हल्लीं सरकारांतून कारकून देऊन गांवचा कच्चा हिशेब मनास आणून हिशेबामुळें तुमचें फाजील सरकारांत जाहलें; तरि तीन वर्षांत सदरील महालपैकीं दिलें जाईल. कलम १.

मामलत दोन वर्षें तुम्हांकडे क्षेपनिक्षेप ठेवावी. कलम १.

शिबंदीस खर्च करून ठाणीं न आलीं तरि शिबंदीचा खर्च सरकारांतून देऊं नये; तुम्हीं आपले पदरीचे [ चा ] खर्च करावा. ठाणीं घेतलीं तरि इमानेंइतबारें सांगावें. त्याप्रमाणें शिबंदीचा खर्च सरकारांतून मजुरा दिला जाईल. कलम १.

सालमजकुरीं तुम्हांस मामलत सांगितली आहे, त्यास तुम्हीं मेहनत करून जलद ठाणीं घ्यावीं. रसद सालमजकुरीं सरकारांत देऊं नये. कमाविशीनें मामलत करून कच्चा हिशेब समजवावा. सरकारचा पैका जो होईल तो द्यावा. कलम १.

महालचा कच्चा हिशेब पाहून फारच शिबंदीचा आकार जाहला तरि सरकारांत समजावणें; आज्ञा करणें ते केली जाईल. कलम १.

पेस्तरसालीं सरकारांत रसद द्यावी. त्याचें व्याज सर्वांबरावर शिरस्तेप्रमाणें दिलें जाईल. कलम. १

एकूण सात कलमें करार करून दिल्हीं असे [ त ] तरि सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करून अमल बसवणें म्हणोन, रसानगी यादी. सनद १.

मोकदम सात गांव यांस, जमीनदार यांस. चिटणीस २.

---

३

१२-( ८७ )—हणमंतराव बाबाजी व बापूजी महादेव यांचे नांवें सनद कीं, पेठ बेगमपूर उर्फ घोडेश्वर, व मौजे अर्धनारी, व मौजे चिंचोली परगणे मोहळ गांव चार येथील मोगलाई अमल सरकारांत जप्त करून सालमजकुरीं तुम्हांस कमावीस सांगितली असे; तरि तुम्हीं शिबंदी ठेवून ठाणें घेऊन बंदोबस्त करणें. शिबंदीखर्च वगैरे कलमें बितपशील.

इ. स. १७६३।६४.
**अर्बा सितैन**
**मया व अलफ**
जिल्हेज २९.

---

1. The expense of the troops to be paid by Government only in case of the above persons succeeding in capturing the villages.

1. The Mamlat of the villages to be continued to the above persons for at least 2 years.

1. The above persons to surrender detailed accounts and to remit the revenue to Government deducting therefrom the expenses of the troops.

1. No advance money to be required from the said persons on account of the Mamlat for the first year. An advance to be, however, taken for the 2nd year, at the usual rate of interest,

तुम्हीं शिबंदीखर्च करून ठाणीं घ्यावीं, आणि नेहमीं ठाण्यांत शिबंदी कार्याकारण ठेवावी. गांवचा कच्चा हिशेब सरकारांत समजवावा; त्यापैकीं शिबंदी वजा होऊन बाकी ऐवज राहील तो सरकारांत सरसाल पावता करावा. मामलत, स्वराज्य व मोगलाई व चौथाई तुम्हांकडे दिल्ही असे. कलम १.

तिगस्तां तुम्हांकडे मामलत सरकारांतून सांगितली होती, त्यास करार न पुरतां तुम्हांकडून मामलत निघाली. तेव्हां सरकारांत फाजील ऐवज तुमचा जाहला, त्याचा फडशा जाहला नाहीं. त्यास हल्लीं सरकारांतून कारकून देऊन, गांवचा कच्चा हिशेब मनास आणून हिशेबामुळें तुमचें फाजील सरकारांत जाहलें, तरि तीन वर्षांत सदरहू महालपैकीं ऐवज दिला जाईल. कलम १.

मामलत तुम्हांकडे दोन वर्षें क्षेपनिक्षेप ठेवावी. कलम १.

शिबंदी खर्च करून ठाणीं न आलीं तरि शिबंदीचा खर्च सरकारांतून देऊं नये, तुम्हीं आपले पदरचा खर्च करावा; ठाणीं घेतलीं तरि इमानें इतबारें सांगावें, त्याप्रमाणें शिबंदीचा खर्च सरकारांतून मजुरा दिला जाईल. कलम १.

सालमजकुरीं तुम्हांस मामलत सांगितली आहे, त्यास तुम्हीं मेहनत करून जलद ठाणीं घ्यावीं; रसद सालमजकुरीं सरकारांत देऊं नये. कमाविशीनें मामलत करून कच्चा हिशेब समजावून सरकारचा पैका जो होईल तो द्यावा. कलम १.

महालचा कच्चा हिशेब पाहून फारच शिबंदीचा आकार जाहला तरि सरकारांत समजवावा. जे आज्ञा करणें ते केली जाईल. कलम १.

पेस्तर सालीं सरकारांत रसद द्यावी. त्याचें व्याज मुलुखशिरस्तेप्रमाणें दिल्हें जाईल. कलम १.

एकूण सात कलमें करार करून दिल्हीं असोत, तरि सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करून अमल चौकशीनें करणें म्हणोन. सनद १.

मोकदम व शेटे महाजन कसबे बेगमपूर यांस सनद कीं, रुजू होऊन अमल देणें. १.

मौजे अर्धनारी व मौजे चिंचोली येथील मोकदमास सनद कीं, रुजू होऊन अमल देणें. १.

---

३.

रसानगी यादी.

---

12. Similar orders issued to Hanmantrao Babaji and Bapuji Mahadeo for the attachment of the Mogalai Amal of Peth Begampur alias Ghodeshwar, Ardhanari, and Chincholi in Pargana Mohol.

A. D. 1763-64.

नारो आपाजीच्या रोजकीर्दीपैकीं,

१३-( ८८ )—रूपसिंग दिमत दारकोजी भालेराव याजकडून धांदरफळ येथून किल्ले आवंढा व पट्टा वगैरे किल्ले चार सरकारांत फत्ते जालियाचें वर्तमान व पत्रें घेऊन आला, सबब इनाम पाठविलें, रूबरू चिठी छ १ जिल्हेज. कापड आंख ८.

इ० स० १७६३।६४
अर्बासितैन
मया व अलफ
जिल्हेज ३०.

१४-(९१)—रामचंद्र बाबाजी यांचे नांवें सनद कीं, परगणे हरिहर व बसवापट्टण, व बुकापट्टण येथील कमावीस सालमजकुरापासून तुम्हांस सांगितली असे, तरि सदरील महालचीं ठाणीं हैदर नाईक व गोपाळराव गोविंद यांजकडे आहेत तीं राजकारणानें घेऊन सरकाराचा अमल करणें. शिबंदी परभारें मेळवून खर्च करणें. सरकारांतून मजुरा पडणार नाहीं. शिबंदी फेडून सरकारांत ऐवज जमा करणें म्हणोन, राजश्री यांसि सनद १

इ० स० १७६३।६४
अर्बासितैन
मया व अलफ.
मोहरम ९.

जमीनदार तीन महालचे यांस पत्रें ३
चिटणिशी मशारनिलेशीं रुजू होऊन अमल सुरळीत देणें. १

----
४

१५-(९७)—मुरसन अर्बासितैन मया व अलफ मोहरम २९. छ मजकुरीं निजामअलीची लढाई जाहली. विठ्ठल सुंदर याचें शीर कापून आणिलें. ह्या दिवशीं पेशव्यांची छावणी मौजे धोंडराई तर्फ देवराई परगणा बीड येथें होती.

इ० स० १७६३।६४
अर्बासितैन
मया व अलफ
मोहरम २९.

---

From Naro Apaji's diary.

13. Clothes worth Rs. 8 were given to a messenger who brought the news of the capture of the fort Awadha, Patta and 2 others, by Government.

A. D. 1763-64.

14. Ramchandra Bawaji was directed to raise an army and to conquer the Parganas of Harihar, Baswa Pattan, Buka Pattan, held by Haider Naik and Gopalrao Govind. The Kamavis of the Parganas was entrusted to him. The expenses of the army were ordered to be defrayed out of the revenue of the province, the surplus being remitted to Government.

A. D. 1763-64.

15. A battle was fought with Nizam Ali on this date. Vithal Sundar was killed and his head was brought ( to the Peshwa). The Peshwa's camp on this day was at Dhondrai in Tarf Devarai in Pargana Bid.

A. D. 1763-64.

१६–( १०९ )—आपाजी हरी तालुके धोडप यांचे नांवें सनद कीं, किल्ले कात्रा नबाब निजामअलीखान यांजकडे आहे, तो तुम्हांस द्यावयाविशीं आज्ञा केली असे, तरि तुम्हीं मया व किल्ला घेऊन बंदोबस्त करणें. किल्ले मजकुराकडे जागिरीचा ऐवज आहे, त्यास एकसाला ऐवज खर्च पडिल्यास देऊन किल्ला घेणें. जागिरीच्या ऐवजास जाजती खर्च न करणें, म्हणोन सनद १.

इ० स० १७६३।६४
अर्बासितैन
मया व अलफ
सफर २५.

परवानगी राजश्री दादा. रूबरू.

१७–( ११२ )—किल्ले पट्टा वगैरे किल्ले पेशजी सोभागसिंग यांजकडे मोंगलाईतून होते, त्यास सालमजकुरीं सदरील किल्ले सरकारांत घेतले. ऐशास पेशजीपासून किल्लेयाकडे सरंजाम होता त्याप्रमाणें सालमजकुरीं किल्ल्याकडे सरंजाम करार करून आज्ञापत्र सादर केलें असे, तरि तुम्हीं किल्याकडे रुजू होऊन अमल वसूल सुरळीत देणें म्हणून सनदा. रसानगी यादी.

इ० स० १७६३।१७६४
अर्बासितैन
मया व अलफ
रबिलावल १०.

परगणे वणपैकीं गांव.

१ मौजे दातसतिमया गोसावी यांजकडे किल्ला निसबतीनें आहे त्याप्रमाणें.
१ मौजे जांब निमे.
———
२

एकूण दोन गांव पैकीं निमे एक व दरोबस्त एक एकूण गांव दोनचा अमल पेशजीप्रमाणें करार असे, म्हणून सनदा.

तर्फ हवेली संगमनेरपैकीं देहे.

१ मौजे निंबगांव जाळीचें.
१ मौजे मालेगांव.
———
२

एकूण दोन गांवचा जागिरी अमल करार असे म्हणून सनद १

प्रांत अकोलेपैकीं देहे.

१ मौजे समशेरपूर.
१ मौजे सावरगांव.
१ मौजे खिरविरे.
१ मौजे काभोलणें.
१ मौजे वाबकारी.
१ मौजे केळी.
१ मौजे सांगवी.
१ मौजे सोनारी.
१ मौजे पाडोसी.
१ मौजे बिती गावडी.
१ मौजे अडवाडी.
१ मजरे अगर.
———
१२ एकूण बारा गांवचा जागिरीचा अमल करार असे म्हणून, सनद १.

---

16. Apaji Hari of Dhodap was directed to capture the fort of Katra held by Nizam Ali Khan.

A. D, 1763-64.

17. The fort of Patta and others which in the preceding year were managed by Sobhagsing on behalf of the Mogal were in the current year taken by Government.

A. D. 1763-64.

परगणे देनापूरपैकीं देहे.

१ कसबे मजकूर.
१ मौजे पुरणगांव.
१ मौजे सावखेडें.
१ मौजे आणगांव.
१ मौजे बावठाण.
१ मौजे हनलीवगांव ( हभुवगांव ? )
१ मौजे चांदेगांव.

७

एकूण सात गांवचा जागिरीचा अमल वसूल देणें म्हणून, सनद १.

परगणे कुंभारीपैकीं.

१ मौजे सिंगवे वारी हिसा.
१ मौजे धरणगांव हिसा.
१ मौजे कोकमठाण ( कामकवण ? )

३

एकूण तीन गांवीं जागिरीचा हिसा लिहिलेप्रमाणें करार असे म्हणून, १.

तर्फ कोरोळपैकीं देहे.

१ कसबे निंबणें.
१ मौजे मरढोण.
१ मौजे मढी बुद्रुक.
१ मौजे मढी खुर्द.
१ मौजे अंजनापूर.
१ मौजे हिंगणाबेढे.
१ मौजे कालगाटे( गोट ? )

७

एकूण सातगांवचा अमल दरोबस्त किल्ल्याकडे करार असे म्हणून, सनद १.

प्रांत अकोटपैकीं देहे.

१ मौजे दिसोज हजारी.
१ मौजे वलतगांव.
१ मौजे लोहखेडें.

३

एकूण तीन गांवच्या जागिरीचा अमल देणें म्हणून.

मौजे चिचाडी ( चिचोंडी ? ) परगणे कडेवलीत येथील पेशजीप्रमाणें अमल करार करून ताकीद, पत्र १.

मौजे पिंपळगांव बसवंताचें, परगणे चांदवड, हा गांव जागिरीचा अमल दरोबस्त करार असे म्हणून, सनद १.

परगणे चांभारगोंदेपैकीं.

१ मौजे टाकळी खाडेश्वर.
१ मौजे कामणगांव.
१ मौजे गायेगांव.

३

एकूण तीन देहेच्या जागिरीचा अमल पूर्ववत्प्रमाणें करार असे म्हणून, सनद १.

परगणे नासीकपैकीं देहे.

एकूण दोन गांवचा जागिरीचा पूर्ववत्प्रमाणें करार करून, सनद १.

१ मौजे अडिसेरे
१ मौजे संगमनेर धर्मादाव. बाबूराव गणेश पेठे यांजकडे कमनिसबत आहे त्यांजकडे

२

एकूण ———— सनदा ११

१८–( ११९ )—त्रिंबकराव लक्ष्मण यांचे नांवें सनद कीं, परगणे गांडापूर येथील मजमूची असामी राजश्री त्रिंबकराव आबाजी यांजकडे पेशजीपासून आहे, त्यास सालगुदस्तांपासून मशारनिलेचा अमल मोगलाकडे दिला, त्याचेमुळें असामीची घालमेल जाहली. सालमजकुरीं परगणा सरकारांत आला. सबब मशारनिलेची असामी करार करून हें पत्र तुम्हांस सादर केलें असे; तरि तुम्ही पूर्ववत्प्रमाणें मशारनिलेचे हातून परगणे मजकुरीं मजमूचें कामकाज घेऊन वेतन पेशजीप्रमाणें करार असे, याप्रमाणें देत जाणें, म्हणोन सनद १. रसानगी यादी.

इ. स, १७६३।६४.
अर्बा सितैन मया व अलफ
रविलावल १३.

नारो आपाजीच्या रोजकीर्दीपैकीं.

१९–( १३० )—निजामअली यांची स्वारी पुणें प्रांतीं आली. विनायकदास यांनीं सिंहीगडाखालीं मुक्काम केला. तेव्हां त्यांस ऐवज द्यावयाचा करार करून कूच करविलें. त्याचा ऐवज सालगुदस्त सिंहीगडचे मुक्कामीं गोपाळराव गोविंद यांचे विद्यमानें करार करून ऐवजाचा भरणा सिंहीगडचे मुक्कामींच मोरो बल्लाळ पटवर्धन यांचे गुजारतीनें केला; त्याचा जमाखर्च जाला नवता, तो हल्लीं सालमजकुरीं उगविला. सदरहूप्रमाणें ऐवज जिकडील तिकडे खर्च उगवला. परंतु दखलबादीकरितां दफातेयास जमाखर्च उगविला रुपये:—

इ. स. १७६३।६४
आर्बा सितैन मया व अलफ
रबिलाखर.

१२५००० ऐन ऐवज निजामअली यांस.
५००० दरबार खर्चाबद्दल.

१३००००

४४०९ ऐवज रवाना केला त्यास तोटा आला त्याचा तपशील वसुली लिहिला आहे; सबब खर्चामुळें जमातोटा-

---

18. The Pargana of Gandapur which was in the preceding year given to the Mogal came under the sway of the Peshwa in the current year.

A. D. 1763–64.

From Naro Appaji's Diary.

19. Nizam Ali came into Prant Poona last year and encamped below the fort of Sinhagarh. A contribution was agreed to be paid to him for his leaving the country and the amount was fixed, through Gopalrao Govind, at Rs. 125000 for Nizam Ali and Rs. 5000 for Darbar expenses. The amount was paid partly in cash and in bills and mostly in jewelry.

A. D. 1763–64.

परगणे देनापूरपैकीं देहे.

१ कसबे मजकूर.
१ मौजे पुरणगांव.
१ मौजे सावखेडें.
१ मौजे आणगांव.
१ मौजे बावठाण.
१ मौजे हनलीवगांव ( हभुवगांव ? )
१ मौजे चांदेगांव.

———

७

एकूण सात गांवचा जागिरीचा अमल वसूल देणें म्हणून, सनद १.

परगणे कुंभारीपैकीं.

१ मौजे सिंगवे वारी हिसा.
१ मौजे धरणगांव हिसा.
१ मौजे कोकमठाण ( कामकवण ? )

———

३

एकूण तीन गांवीं जागिरीचा हिसा लिहिलेप्रमाणें करार असे म्हणून, १.

तर्फ कोरोळपैकीं देहे.

१ कसबे निंबणें.
१ मौजे मरढोण.
१ मौजे मढी बुद्रुक.
१ मौजे मढी खुर्द.
१ मौजे अंजनापूर.
१ मौजे हिंगणाबेढे.
१ मौजे कालगाटे( गोट ? )

———

७

एकूण सातगांवचा अमल दरोबस्त किल्ल्याकडे करार असे म्हणून, सनद १.

प्रांत अकोटपैकीं देहे.

१ मौजे दिसोज हजारी.
१ मौजे वलतगांव.
१ मौजे लोहखेडें.

———

३

एकूण तीन गांवच्या जागिरीचा अमल देणें म्हणून.

मौजे चिचाडी ( चिचोंडी ? ) परगणे कडेवलीत येथील पेशजीप्रमाणें अमल करार करून ताकीद, पत्र १.

मौजे पिंपळगांव बसवंताचें, परगणे चांदवड, हा गांव जागिरीचा अमल दरोबस्त करार असे म्हणून, सनद १.

परगणे चांभारगोंदेपैकीं.

१ मौजे टाकळी खाडेश्वर.
१ मौजे कामणगांव.
१ मौजे गायेगांव.

———

३

एकूण तीन देहेच्या जागिरीचा अमल पूर्ववत्प्रमाणें करार असे म्हणून, सनद १.

परगणे नासीकपैकीं देहे.

एकूण दोन गांवचा जागिरीचा पूर्ववत्प्रमाणें करार करून, सनद १.

१ मौजे अडिसेरे
१ मौजे संगमनेर धर्मादाव. बाबूराव गणेश पेठे यांजकडे कमनिसबत आहे त्यांजकडे

———

२

एकूण ———————— सनदा ११

१८-( ११९ )—त्रिंबकराव लक्ष्मण यांचे नांवें सनद कीं, परगणे गांडापूर येथील मजमूची असामी राजश्री त्रिंबकराव आबाजी यांजकडे पेशजीपासून आहे, त्यास सालगुदस्तांपासून मशारनिलेचा अमल मोगलाकडे दिला, त्याचेमुळें असामीची घालमेल जाहली. सालमजकुरीं परगणा सरकारांत आला. सबब मशारनिलेची असामी करार करून हें पत्र तुम्हांस सादर केलें असे; तरि तुम्ही पूर्ववत्प्रमाणें मशारनिलेचे हातून परगणे मजकुरीं मजमूचें कामकाज घेऊन वेतन पेशजीप्रमाणें करार असे, याप्रमाणें देत जाणें, म्हणोन सनद १.

इ. स, १७६३।६४.
अर्बा सितैन
मया व अलफ
राबिलावल १३.

रसानगी यादी.

नारो आपाजीच्या रोजकीर्दीपैकीं.

१९-( १३० )—निजामअली यांची स्वारी पुणें प्रांतीं आली. विनायकदास यांनीं सिंहीगडाखालीं मुक्काम केला. तेव्हां त्यांस ऐवज द्यावयाचा करार करून कूच करविलें. त्याचा ऐवज सालगुदस्त सिंहीगडचे मुक्कामीं गोपाळराव गोविंद यांचे विद्यमानें करार करून ऐवजाचा भरणा सिंहीगडचे मुक्कामींच मोरो बल्लाळ पटवर्धन यांचे गुजारतीनें केला; त्याचा जमाखर्च जाला नवता, तो हल्लीं सालमजकुरीं उगविला. सदरहूप्रमाणें ऐवज जिकडील तिकडे खर्च उगवला. परंतु दखलबादीकरितां दफातेयास जमाखर्च उगविला रुपये:—

इ. स. १७६३।६४
आर्बा सितैन
मया व अलफ
रबिलाखर.

१२९००० ऐन ऐवज निजामअली यांस.
५००० दरबार खर्चाबद्दल.

———

१३००००
४४०९ ऐवज रवाना केला त्यास तोटा आला त्याचा तपशील वसुली लिहिला आहे; सबब खर्चामुळें जमातोटा-

---

18. The Pargana of Gandapur which was in the preceding year given to the Mogal came under the sway of the Peshwa in the current year.

A. D. 1763-64.

From Naro Appaji's Diary.

19. Nizam Ali came into Prant Poona last year and encamped below the fort of Sinhagarh. A contribution was agreed to be paid to him for his leaving the country and the amount was fixed, through Gopalrao Govind, at Rs. 125000 for Nizam Ali and Rs. 5000 for Darbar expenses. The amount was paid partly in cash and in bills and mostly in jewelry.

A. D. 1763-64.

सुद्धां ऐवजाचा भरणा जाजती जाला तो जमा धरिला.

१३४४०९

पैकीं वजा शिवपट्टगाबाबत ऐवज मशारनिलेनीं परभारें वसूल घेतला तो ऐवज सदरहू करारपैकीं, सबब रुपये १५०००. बाकी रुपये ११९४०९ यांसि भरणा येणेंप्रमाणें:—

जवाहीरखान्यापैकीं जवाहीर दागिने व जडावदागिने दिले त्याची किंमत

दागिने ३५. रुपये ९३४५९.

परभारे जमाखर्च करून देविले रुपये:—

११००० खंडो बाबूराव यांजकडून पवाराचे दिवाणगिरीबद्दल ऐवज येणें त्यापैकीं मशारनिलेनीं औरंगाबादेच्या हुंड्या दोन पाठविल्या त्या परभारें दिल्या.

१०२६० कर्ज गुजारत वल्लभ सुंदर रुजू तर्फ (?) रामाजी उमाजी कारकून सुभा पुणें याचे तसलमात ऐवज जवाहीरखान्यापैकीं पडला त्यापैकीं देविले. येणेंप्रमाणें हवाले:—

३२६० त्र्यंबक सदाशिव पुरंधरेपैकीं.

३००० जनार्दनभट शालग्रामपैकीं.

१००० सदाशिव रघुनाथ खाडिलकर.

२००० रामचंद्र कृष्ण लिमये यांस.

३०००

४००० गोविंद चिंतामण तुरकणेपैकीं.

१०२६०

२१२६०

पोतापैकीं रुपये

२६४९० नक्त.

१४१५४ बागलकोटी.

९००० निळकंठशाई.

३३३६ तुटकुरी.

२६४९०

१५४०९॥। होन, नाणें ४३१९

४१८९९॥।

२७९०। बाणदार व इतमामी स्वार रखवालीस आणिले त्यांस [ खर्च ] जाला तो.

एकूण —— ११९४०९ रुपये.

सदरहू ऐवजपैकीं तोटा आला त्याची बेरीजबद्दल तेरीज विद्यमान गोपाळराव, रुपये.
५७०२ नक्ताबद्दल बट्टा रुपये.
१९३५ निलकंठशाई.
रवानगी. ९०००
एकूण
७०३ तुटकुरी रवानगी पैकीं ३३३६
३०६४ बागलकोट रवानगी.
१४१९४ पैकीं

५७०२
८४९४ जवाहीर रवानगी रुपये ९३४९९ पैकीं
रुपये.
१३८६ होन नाणे ४३१५ रुपये रवानगी
१९४०९।।। पैकीं

१९९४७

यासि तपसील कलमें. सदरील ऐवज गोपाळराव यांनीं ऐवज मोगलाजवळून सोडविला. रुपये
१०००० खंडपैकीं
४८३७।। दरबार खर्च पैकीं

१४८३७।।
तोट्यापैकीं सोडविला ऐवज वजा होऊन बाकी निवाडा जाजती तोटा पडला त्याची बेरीज दखलबादीकरितां रुपये७०९।।

सदरहू प्रमाणें जाबसाल खंडणीचे व ऐवजाची पुरवणी करून दिल्हीं त्याचा बयान येणें प्रमाणें असे.

इ० स० १७६३।६४
**अर्बासितैन**
**मया व अलफ**
जमादिलावल ३.

२०–( १३७ )—मौजे वडाळें परगणे काटी हा गांव पागा दिमत मानसिंग खलाटे यांजकडे पागेचे बेगमीस होता, त्यास सालगुदस्तां परगणे मजकूरचा अमल मोगलाईंत दिला; यास्तव पागेकडून गांव दूर जाहला; सालमजकुरीं परगणे मजकूरचा अमल सरकारांत आला; सबब सदरहू गांव पागा मजकुराकडे दरोबस्त पेशजीप्रमाणें करार करून दिल्हा असे; तरि मशारनिलेशीं रूजू होऊन अमल सुरळीत देणें म्हणोन, मोकदमास सनद १.

बाबूराव सदाशिव यांचे नांवें सनद कीं, मौजे मजकूर पागेचे बेगमीस करार करून दिल्हा असे; तरि मौजे मजकूर ठाणेंसुद्धां मशारनिलेचे हवालीं करणें म्हणोन, सनद १.
येविशीं चिटणीशी पत्रें २.

---

A. D. 1763-64.

20. Pargana of Kati which was in the preceding year given to the Mogals was in this year retaken by Government.

१ देशमूख देशपांडे परगणे मजकूर.
१ पिराजी नाईक निंबाळकर यास.

---

२

४

रसानगी यादी.

२१-( १९० )—गुजारत अवचितराव गणेश व नरसीगराव उद्धव कराडप्रांतें स्वारीस गेले, तेथें सदाशिव यमाजी यांशीं लढाई करून त्यांचीं घोडीं, उंटें वगैरे लोकांचीं आणलीं ते जमा बरहुकूम हिसेब रास.

इ० स० १७६३।६४
**अर्बासितैन**
**मया व अलफ**
जमादिलावल १९.

३४२ घोडीं रास.
३२७ सदाशिव यमाजी यांकडील पाडाव आणलीं ८४ नर.
१६१ मादवाना.
८२ तट्टें.

---

३२७

१३ परभारें लोकांचीं आणलीं, सबब कीं, गमाजीकडे मिळाले असें निर्मित्य ठेवून.
२ शंकरराव कलेढोणकर.
१ कराडपैकीं, घोडी.
१ रामाजी गोविंद, घोडी.
१ गोविंदपंत बेले, घोडा.
१ आनंदराव मुतालिक घोडा.
१ नाइकजी पवार घोडी.
१ काळ्यांपैकीं घोडी.
१ जानराव गुजर घोडा.
१ डोंगरोजी शिंदे घोडी.
२ बाबूराव साखरे घोड्या.
१ गुरुनाथ विठ्ठल घोडी.

---

१३

तपशील
१ घोडा.
११ माद्या.
१ तटाणी.

---

१३

२ शिलेदाराची जुंजांत जखमी जालीं त्यास मुबदला देऊन घेतलीं. पथक अली बहादर पैकीं.
१ घोडा.
१ घोडी.

---

२

---

21. Awachitrao Ganesh and Narsingrao Udhav attacked Sadashiv Yamaji in Prant Karad and captured 342 horses and 15 camels. These were credited in the accounts of Government.

A. D. 1763-64.

१९ उंट नफर.

१४ सदाशिव यमाजी याकडील पाडाव.

१ बाबूराव साखरे.

———

१९

———

३५७ एकूण तीनशें सत्तावन जमा. याचा खर्च परभारें दफातें यास व पत्रीं उगवला असे.

२२–( १९१ )–गुजारत अवचितराव गणेश व नरसिंगराव उद्धव कराड प्रांतें स्वारीस गेले. तेथें सदाशिव यमाजी यांणीं लोकांचीं घोडीं उंटें पाडून नेलीं होतीं. त्यास त्यांजवळ लढाई करून त्यांचा मोड जाहला, सबब त्यांकडील घोडीं, उंटें पाडाव करून आणलीं, त्यापैकीं पहिलीं लोकांचीं नेलीं होतीं ते ज्याचीं त्यास दिलीं व मेलीं वगैरे पळालीं ते दखलबाज लिहिलीं आहेत. रसानगी यादी.

इ० स० १७६३।६४.
**अर्बासितैन मया व अलफ**
जमादिलावल १९.

घोडीं रास.

३३ ज्याचीं त्यास दिल्हीं घोडीं.

२ निळकंठराव जगदळे.

१ मौजेखान प्यादा.

१ आनंदराव सूर्यवंशी.

५ आपाजीराम.

४ घोडीं.

१ उंट.

———

५

२ नारो अनंत.

१ राजश्रीचे पागेस.

१ सैदखान.

१ बाबूराव नरसी.

४ मेरुराव श्रोत्री.

३ सदाशिव रंगनाथ.

१ गरीबखानाचा लेक.

१ उमरखान चोपदार.

१ लखजी बोधे.

१ गोपाळ गणेश.

६ महिपतराव चिटणीस.

१ रमजानखान बारगीर.

१ भगवंत खीरसागर रुपये ५०.

———

३३

---

22. Some of these horses, which were forcibly obtained by Sadashiv Yamaji from other persons, were ordered to be restored to the owners.

A. D. 1763-64.

८ चुकोन गेलीं. तट्टें, घोडीं फार जमा जालीं त्या गलबलेंत चुकलीं.

११ बारगिरांस निरोप दिला ते समयीं ओझ्यास एक प्रमाणें तट्टू बक्षीस दिल्हें. ते दिमत सदाशिव यमाजी यास.

४ उंट नफर मयत जाहाले.

---

९६

तपशील

९१ घोडीं लहानथोर रास.

५ उंट नफर.

---

९६

२३–( १९९ )–दिमत नबाब निजामअलीखान यांजकडील मुत्सद्दी वगैरे यांजकडे जागीर गांवाचा अमल मोगलाईतून, व सरकारांतून, व जमीन वगैरे करार करून दिल्हें आहे. त्याची जप्ती, मोगलाचे दंगेयामुळें, सरकारांत केली होती; ते हल्लीं मोकळी करून येविशीं मोकळीकेविशीं चिटणिशी ताकीद.

इ० स० १७६३।६४
**अर्बासितैन**
**मया व अलफ**
जमादिलावल ३.

५ राजे सदाशिवराव यांजकडील.

१ कसबे शाहागड येथील जागीर मोगलाईतून पेशजीपासून आहे येविशीं मोकादमास.

१ मौजे भोगलेगांव परगणे बीड, व कसबे शाहागड, परगणे मजकूर, दोन्ही गांवची जागीर मोगलाईतून आहे येविशीं जमीदारांस.

१ परगणे देहरे येथील जागीर मोगलाईतून आहे येविशीं जमीदारांस.

१ परगणे चाळीसगांव येथील जागीर मोगलाईतून आहे येविशीं जमीदारांस.

१ मौजे हसनापूर, परगणे अंबड, हा गांव इनाम, साठी लक्षांचे तहाखेरीज, वेदमूर्ती रंगभट पुराणिक यांसि मोगलाईतून आहे. येविशीं मल्हारजी होळकर यांस.

---

५

23. The jahagir villages and lands, granted by the Mogal and the Peshwa to the following officers of Nizam Ali Khan, which were attached by the Peshwa in consequence of the Mogal invasion, were now released. Raje Sadashivrao, Sivarao Harkare, Muradkhan, Khanamji wife of Syed Laskar Khan &c.

A. D. 1763-64.

१ शिवराव हरकारे यांजकडे मौजे मुगसापूर, परगणे कंनड, हा गांव साठी लक्षाचे तहाखेरीज मोगलाईतून आहे; येविशीं चिंतामण बाबूराव कमाविसदार यांचे नांवें पत्र.

७ मुरादखान यांजकडील.

१ दस्तक सागवानी लाकडें इमारतीचे कामाचीं पुणतांब्याहून गाडे सुमारें २५ पंचवीस नगरास एक खेप आणतील येविशीं हासिलाचें दस्तक.

२ मौजे थेरेगांव, परगणे जालनापूर, हा गांव बापूजी बाबूराव यांजकडे साल गुजारत ( गुदस्त ? ) जागीर करार करून देऊन सनद सादर केली आहे, त्याप्रमाणें येविशीं.

१ नारायणराव लक्ष्मण कमाविसदार
१ जमीदारांस
—
२

२ मौजे धोंडगांव, परगणे जालनापूर, हा गांव निंबाजी यासि गुजारत, सरकारांतून करार करून दिल्हा आहे, त्याप्रमाणें येविशीं.

१ कमाविसदारास.
१ जमीदारांस.
—
२

२ मौजे मुरमखेड, परगणे जालनापूर, येथील जागीर हरिभक्तिपरायण गोसावीनंदन, श्रीगणपति-उपासक, यांसि इनाम गुजारत सरकारांतून करार करून दिल्हा आहे, त्याप्रमाणें येविशीं.

१ कमाविसदारास.
१ जमीदार.
—
२
—
७

७ सैदलष्करखान याची बायको खानमजीहीस जागीर इनाम पेशजीपासून मोगलाईतून आहे त्याविशीं.

२ मौजे लासूर, परगणे गांडापूर, हा गांव जागीर दरोबस्त इनाम येविशीं

१ त्रिंबकराव लक्ष्मण कमाविसदार
१ जमीदार.
—
२

२ मौजे सैदवाडे, परगणे मुलदाबाद, हा गांव जागीर इनाम येविशीं.

१ उधो विरेश्वर.
१ त्रिंबकराव लक्ष्मण कमाविसदार.
—
२

२ मौजे मोटेगांव धर्मवाडी, परगणे वेरूळ हा गांव जागीर इनाम येविशीं.

१ मल्हारजी होळकर.
१ उधो विरेश्वर.
—
२

१ मौजे गोकुळपूर, परगणे हरसूल, जागीर इनाम येविशीं सटवोजी जाधवराव यास.

—

७

२ परगणे पैठणपैकीं जमीन इनाम मौजे बाभुळगांव पैकीं मोगलाईतून पेशजी-पासून आहे, त्याप्रमाणें;येविशीं अवधूत-राव रघुनाथ कमाविसदार यांचे नांवें पत्र.

१ मौजे मजकूर पैकीं अछी बीबी सैदानी ईस जमीन बिघे ८५० येविशीं.

१ हाफीज कमाल यास जमीन येविशीं, बिघे १००, पत्र.

१ मुरादबिबी ईस जमीन चावर १ एक येविशीं.

—

३

१ मौजे पिंपळनेर वगैरे गांव परगणे बीड येथील जागीर सुजायतखान याजकडे मोगलाईतून आहे, येविशी धोंडो गणेश कमाविसदार तर्फ मानूर याचे नांवें.

१ मौजे आगर, परगणे अकोले, तनखा रुपये ९७ आहे. ते मोगलाईतून जागीर इनाम मल्हार यशवंत यासि आहे येविशीं. राजा-राम गोविंद जागीर किल्ले आवंढा व पट्टा.

१ राजे रेणकादास याचे स्त्रीस मौजे टाकळी भांड, परगणे वैजापूर हा गांव, साठी लक्षाचे तहाखेरीज, मोगलाईतून इनाम आहे. येविशीं मल्हारजी होळकर यांस.

२ शहा आरफ पीरजादे यांसि मौजे तांदूळ-वाडी, परगणे वळूज, येथील मोगलाई अमल मोगलाईतून स्वराज्यापैकीं मोका-शाचा अमल आहे, येविशीं

१ त्रिंबकराव लक्ष्मण कमाविसदार यांचे नांवें.

१ खंडेराव जाधव याचे नांवें मोकाशी यांचे अमलाविशीं.

१ जमीदार यांचे नांवें.

—

३

४ मौजे आकोली व पेठ बेगमपूर, परगणे मो-होळ, हे दोन्ही गांव हजरत इशाचे दरगाहास खर्चाबद्दल दरगाहाचे मुतवली याजकडे इनाम दरोबस्त मोगलाईतून आहे. त्याजप्रमाणें येविशीं.

१ मालोजी नाईक निंबाळकर यांस.

२ पेठ बेगमपूर येविशीं.

१ विसाजी कृष्ण यांस.

१ हणमंतराव बाबाजी, व बापूराव महादाजी यांचे नांवें.

१ शेट महाजन.

—

३

—

४

१ कसबे संगमनेर परगणे मजकूरपैकीं जमीन पावणे दोनशें रुपयांची राजाराम बाबूराव यांसि पेशजीपासून सरकारांतून करार करून देऊन, सनद करून दिली

आहे. त्याप्रमाणें येविशीं चिमणाजी हरी कमाविसदार यांचे नांवें पत्र.

---

३४

१ कित्ता राजे सदाशिवराव यांजकडे तर्फ हवेली संगमनेर पैकीं गांव जागीर बाबती सरदेशमुखीसुद्धां सरकारांतून करार करून दिल्हे, बितपशील.

१ मौजे समनापूर खरीजे बाबूराव हरी दीक्षित याचें कुरण.

१ मौजे रांजणगांव गाढव.

१ मौजे दाढ खुर्द.

१ मौजे शिरापूर.

१ मौजे मानची.

१ मौजे धानोरे.

---

६

सहा गांव जमीदारांस पत्र.

१ मौजे देवळाली, परगणे रांजणी, हा गांव, साठी लक्षाचे तहाखेरीज, शिवराव हरकारे याजकडे जागीर मोगलाईतून आहे येविशीं कमाविसदारास.

---

३६

२४-(१९६)—दरगा कुलीखान बहादर सालारजंग दिमत निजामअली यांचे नांवें पत्र कीं, तुम्ही हुजूर पुण्याचे मुक्कामीं विदित केलें कीं आपणास मोगलाईतून जागीर बहाल आहे. बितपशील तनखा रुपये.

इ० स० १७६३।६४.
अर्बासितैन
मयाव अलफ.
जमादिलाखर ८.

| | | |
|---|---|---|
| १९७११।= | परगणे उडणगांवपैकीं देहे | १५ एकूण रुपये |
| ४९७६॥ | परगणे वेताळवाडीपैकीं देहे | २१ एकूण |
| ९७४७८= | परगणे धावडेपैकीं देहे | ६ एकूण |
| ८१९४॥=॥ | परगणे नेवासेपैकीं देहे | १३ |
| ९९३४॥= | परगणे हरसूलपैकीं देहे | १ एकूण |
| ४८१६४।-॥ | | ५६ |

एकूण अठ्ठेचाळीस हजार एकशे सवाचौसष्ट रुपये दीड आणा, छप्पन्न गांवचा तनखा जागीर आहे ते सरकारांत आली नाहीं, आपणाकडे चालत आहे, त्याप्रमाणें पेशजी कैलास-

---

24. A Jahagir of Rs. 48,000 in Pargana Newase, Harsul, Udangaon &c held from the Mogal Government by Darga Kuli Khan Bahadar Salarjang in the service of Nizam Ali, was continued to him by the Peshwa for his loyalty.

A. D. 1763-64.

वासी श्रीमंत नानासाहेब यांणीं सनदा करून देऊन चालविलें, त्या बमोजीब साहेबीं हलीं भोगवटियास पत्र करून दिल्हें पाहिजे, म्हणून; त्याजवरून कैलासवासी तीर्थरूपांनीं सनदा करून दिल्या त्या मनास आणून व सरकारकामास तुम्ही एकनिष्ठेनें राहतां हें जाणून, सदरहू जागीर तुम्हांस व तुमच्या लेकास बमय-इनाम पूर्वीं कैलासवासी तीर्थरूपांनीं करार करून देऊन पत्रें करून दिलीं आहेत, त्याप्रमाणें करार असे; तरि सदरहू जागीर खाऊन सर्वप्रकारें सरकारकामास एकनिष्ठपणें राहून सुखरूप राहणें, म्हणोन नांवाचें पत्र १

सदरहूविशीं मामलेदारांस ताकीदपत्रें ५

१ त्र्यंबकराव लक्ष्मण कमाविसदार परगणे नेवासे वगैरे महाल यांस.
१ माणकोराम कमाविसदार परगणे उडणगांव दिमत आवजी सोनवणी यांस.
१ रामचंद्र दामोदर परगणे वेताळवाडी.
१ तुकोजी आटोळे व रखमाजी आटोळे यांस परगणे धावडें याविशीं.
१ भिकाजी कृष्ण कमाविसदार परगणे हरसूल यांस
५

येणेंप्रमाणें सहा पत्रें चिटणिशी दिल्हीं असेत. ६

इ० स० १७६३।६४
अर्बासितैन
मया व अलफ.
जमादिलाखर २०.

२५-( १५९ )—तालुके सुवर्णदुर्गपैकीं हशमी लोक हुजूर आणून, किल्ले जिवधनचे स्वारीस पाठविले होते; त्यास किल्ला सरकारांत सर जाहला, हलीं लोक माघारे तुम्हांकडे पाठविले असेत. याचा आदा पावती तालुके शिवनेर पैकीं जाहली असेल ते राजश्री रामचंद्र नारायण लेहून पाठवितील त्याप्रमाणें त्यांचे हिशेबीं धरणें म्हणोन, रामाजी महादेव यांस.

सनद. १

इ० स० १७६३।६४
अर्बासितैन
मया व अलफ
जमादिलाखर २४.

२६-( १६० )—राजाराम गोविंद यांचे नांवें सनद कीं, मोगलाईंत किल्ले होते ते सालमजकुरीं सरकारांत घेतले.

किल्ले.

| | |
|---|---|
| १ किल्ले पट्टा. | १ किल्ले बितिमगड. |
| १ किल्ले आवढा. | — |
| १ किल्ले आडगड. | ४ |

A. D. 1763-64. 25. The fort of Jiwadhan was taken by the Peshwa.

26. The Mogal forts of Patta, Awadha, Adgad, Bitimgad, were in this year taken by the Peshwa.
A. D. 1763-64.

एकूण चार किल्ले सरकारांत घेतले, ते जागीरसुद्धां अमल तुम्हांकडे दिला असे, तरि इमानें इतबारें वर्तोन अमल चौकशीनें करणें. सदरहू किल्ले हायचे जमाखर्चाचा बेहेडा अलाहिदा करून दिला आहे, त्याप्रमाणें चौकशीनें खर्चवेंच करून किल्लेहायचा चौकी पाहऱ्याचा वगैरे बंदोबस्त यथास्थित करणें म्हणोन, सनद १. रसानगी यादी.

२७-( १६३ )—सदाशिव सखदेव दिमत घनशेट करंजे यांणीं हुजूरविदित केलें कीं, शहर अमदाबाद येथील कोटापारची व मण्यारी व मोह तसदी छापायाची कमावीस पेशजीपासून आपणाकडे चालत आहे; त्यास शहरमजकूर खंबाईतकर मोगलानें घेतलें, त्या समयीं आपली बहुत खराबी झाली; प्रस्तुत राजश्री आपाजी गणेश यांणीं दोन महिने मामलत आम्हांकडे दिली. त्या नंतर दुसारियास इजारा सांगितला. त्याजला तोटा आला यास्तव आपणाकडे मामलत द्यावयाविशीं आज्ञा करून सुदामत वेतन देत तें करावें म्हणोन; त्यावरोन हें पत्र लिहिलें असे; तरि सदरहू मामलतीविशीं पेशजी सरकारांतून सनदा सादर आहेत त्याप्रमाणें सालमजकूर सन अर्बात मशारनिलेपासून कमाविशीचें कामकाज घेऊन वेतन पेशजीपासून पावत आल्याप्रमाणें पाववीत जाणें म्हणोन, आपाजी गणेश यांचे नांवें चिटणिशी पत्र १.

इ० स० १७६३।६४
अर्बासितैन
मया व अलफ
रजब ११.

२८-( १६७ )—आनंदराव धुळप सुभा आरमार तालुके विजेदुर्ग यांचे नांवें

१ अरमार संबंधें कलमें सनदा.

१ कर्नाटकप्रांतीं बंदर किनारे, हरएक शहरचीं, व पाहून ( हरएक शह राखोन ? ) शहर मारून आणावयाची आज्ञा तुम्हांस केली असे; तरि शहाखालीं न पडतां काम साधेसें असल्यास सक्ती पोहोचावून खंडणी करणें, अगर शहर मारून वस्तवानी सुतळीचा तोडासहीत

इ० स० १७६३।६४
अर्बासितैन
मया व अलफ,
रजब १५.

---

27. There is a reference to the capture on a former occasion of the city of Ahamedabad by the Mogal of Cambay.

A. D. 1763-64.

28. Anandrao Dhulap in charge of the fleet of Taluka Vijaydurg was directed, if he could sueccessfully do so, to attack each and every city on the seacoast in the Karnatic and to levy tributes or to plunder the villages and send everything so obtained to Government. He was also ordered to obtain either by force or by amicable settlement from the Feringies the fort of Mardangad, taken by them in the preceding year and to manage the territory under the protection of the fort.

A. D. 1763-64.

तसनस न होतां दरोबस्त सरकारांत आणून समजावणें, कलम.

१ राजकारणी कामाचे माणूस सरदार वगैरे कांहीं ठेवावयाचे असतील ते कदीम लोकांपैकीं गयाळी असतील ते दूर करून त्या ऐवजीं बेहड्यास जाजती न होतां उपयोगी असतील ते ठेवणें, कलम.

---

२

दोन कलमें करार केलीं असेत. सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें म्हणून, सनद.

१ साल गुदस्तां मर्दनगड फिरंग्यानें घेतला आहे तो हल्लीं तुम्हांकडे आरमाराच्या बेगमीस सालमजकुरापासून करार करून दिला असे; तरि शहास न पडतां फिरंग्यास सक्ती पोहोचावून अगर सईभानें मुलुख जप्त करून प्रांत मजकूरचा अमल करणें; आणि तेथील आकार होईल त्याचा हिशेब आणून समजावणें म्हणोन, सनद १.

२९-( १९८ )—वेंकटराव नारायण यांस सनद कीं, तोफखान्याकडील तोफा तुम्हां समागमें नवलगुंदचीं ठाणीं घ्यावयाकरितां दिल्या आहेत, त्या समागमें कारखान्याकडील कामाची व दर्यावर्दी व सुतार, लोहार यांस अडसेरी व तोफांच्या बैलांस दाणा देविला असे, तरि माणसांची व बैलांची हजिरी घेऊन दररोज बेगमी करून देत जाणें म्हणोन, सनद.

इ० स० १७६३।६४
अर्बासितैन
मया व अलफ
सवाल ५.

रसानगी, कानोजी नाईक जासूद, जथे मजकूर, निसबत तोफखाना.

३०–( १९९ ) कसबे रायर हुबळी, परगणे मजकूर, ठाणें हैदरनाइकांनीं घेतलें

---

29. Some cannon were sent with Vyankatrao Narayan who was deputed to conquer Thanas of Navalgund.

A. D. 1763-64.

30. Kasbe Rayar Hubli, which was formerly taken by Haidar Naik, was attacked and retaken by Government. The following amount was ordered to be levied:—

A. D. 1763-64.

Rs. 17001 From Deshmukh, Deshpande, Patil, Kulkarni, and the ryots. They were permitted to pay in the amount till 22nd Sawal

Rs. 14000 From Mahamed Said Khan Tarin the former Killedar of Hubli who was displaced by Haidar Ali, as Nazar for his restoration to office. He was permitted to pay in the amount within one month from 11th Sawal.

---

Rs. 31001

इ० स० १७६३।६४ अर्बासितैन मया व अलफ सवाल २५.

होतें, तें हल्ला करून सरकारांत घेतलें, सबब कसबे मजकुराकडे ऐवज करार केला रुपये.

१७००१ देशमुख व देशपांडे व पाटीलकुळकर्णी वगैरे गांवकरी यांजकडे करार केले, गुजारत विसाजी कृष्ण, बहुल, कतबा छ. २२ सवालपर्यंत ऐवज सरकारांत पावता करावा, याप्रमाणें करार.

१४००० महंमद सैदखान तरीन पहिला हुबळींत किल्लेदार होता, हैदरनाइकानें ठाणें घेतल्यावर दुसरा किल्लेदार झाला. हल्लीं सरकारांत ठाणें घेतल्यावर किल्लेदारी पहिल्याप्रमाणें करार केली, सबब नजर करार छ. ११ सवालापासून एक महिनियानें सरकारांत द्यावे.

रसानगी यादी.

---

३१००१

एकतीस हजार एक रुपया करार. सदरहू ऐवज वसूल होय तोंपर्यंत किल्लेदाराचे दोन लेक गोपाळराव गोविंद यांजवळ ओलीस ठेविले असेत.

दादासाहेब यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

३१—( २०९ )—परगणे पाटोदेपैकीं किल्ले कातरा याजकडे जागीरगांव बितपसील.

इ० स० १७६३।६४. अर्बासितैन मया व अलफ जिल्हेज २.

| किता. | किता. |
|---|---|
| १ मौजे कातारवाडी. | १ मौजे कारई. |
| १ मौजे निंबोणें. | १ मौजे सटाणें. |
| १ मौजे कातरणी. | १ मौजे इच्छापूर. |
| १ मौजे वाकी. | १ मौजे जाइदरें. |
| १ मौजे अनकोटें. | १ मौजे हिसवल. |
| ५ | ५ |

---

Two Sons of the Killedar were kept as hostages with Gopalrao Govind pending the recovery of the amount agreed upon.

From Dadasaheb's Diary.

A. D 1763-64.

31. The fort of Katra in Pargana Patode came under the sway of Government.

एकूण दहा गांव जागीर पेशजी पासून किल्ल्याकडे चालत आहेत, त्यास किल्ला सरकारांत आला, सबब पेशजीप्रमाणें किल्ल्याकडे करार करून राजाराम गोविंद यांजकडे कमावीस सांगितली असे, तरि तुम्हीं यांजकडे रुजू होऊन देहाये मजकूरचा अमल वसूल किल्ल्याकडे सुरळीत देणें म्हणून, मोकदमाचे नांवें, छ २९ साबान, सनद १

येविशीं चिटणिशी पत्रें ४

१ विठ्ठल शिवदेव यांस.

२ जमीदारांस.

१ मल्हारजी होळकर यांस.

१ रामचंद्र दामोदर यांस बाबती सरदेशमुखीचा ऐवज हिस्सेरसीदीप्रमाणें घेणें म्हणोन.

—

५

पांच पत्रें. रसानगीयाद.

३२–( २१३ )–नबाब निजामअलीखान बहादर यांसि सालमजकुरापासून जागीर तनखा महाल, बितपसील रुपये.

इ० स० १७६३।६४ अर्बासितैन मया व अलफ जिल्हेज २.

६३७२६८। साठ लक्षाचे तहापैकीं महाल.

१०३००० परगणे पिंपरी.

८८००० परगणे रोशनगांव.

---

32. A jahagir of Rs. 9,99,242 as detailed below was given this year to Nawab Nizam Ali KhanBahadoor.

A. D. 1763-64.

Rs. 637268 Mahals, specified in the treat y of sixty lacs

| | | |
|---|---|---|
| 103000 | Pargana | Pimpri |
| 88000 | Do | Roshangaon |
| 55500 | Do | Rajni |
| 49247 | Do | Bhokardan |
| 10000 | Do | Kad sangwi |
| II5087 | Do | Antur |
| 146664 | Do | Walunj |
| 21579 | Do | Khujadabad |
| 15342 | Kasbe | Pangaum |
| 13720 | Pargana | Sultanpur |
| 10000 | Do | Krishnapur |
| 9136 | Kasbe | Jategaum |
| 6,37,268 | | |

९९५०० परगणे रांजणी रुपये ९७००० पैकीं वजा मौजे पुनेगांव गणेश तुकदेव यांजकडे १५००१, बाकी.

४९२४७॥ परगणे भोकर्दन.

१०००० परगणे कडसांगवी.

११९०८७॥ परगणे अंतुर तनखा ११९४८७॥ पैकीं वजा मौजे रांजणगांव रामचंद्र गणेश यांजकडे रुपये ४४०० रुपये, बाकी.

१४६६६४८≡ परगणे वाळुंज तनखा १६५०३०८= पैकीं वजा गांव निसबत मुरादखान, ११३६९॥≡ हालीं दिली ७००० पेशजीचे

---

१८३६९॥≡ बाकी तनखा रुपये.

२१५७० परगणे खुजदाबाद

१९३४२।=॥ कसबे पानगांव बारा बिदींचें भापकरांकडून दूर करून.

१३७२० परगणे सुलतानपूर.

१०००० परगणे कृष्णापूर परगणे बालकोंडा.

९१३६।=॥ कसबे जातेगांव सिद्दी फरोखीकडून दूर करून.

---

६३७२६८८।.

२१७५३९ जाधवरावैपकीं महाल.

१८३००० परगणें नारायणखेड.

३४५३९ परगणे निरगुपें.

---

२१७५३९

१४४४३५।- पंचवीस लक्षापैकीं माहाल.

६१९२९८॥ परगणे शेलगांव नरसिंहराव धायगुडे यांजकडून दूर करून.

८२५०६।०॥ परगणे लोहगांवपैकीं तनखियाचे गांव लावून द्यावे.

---

१४४४३५।-

---

९९९२४२।-।

---

217539 Mahals of Jadhavrao

183000 Pargana Narayankhed

34539 Do Nirgupe

---

217539

1,44,435 Mahals out of the territory of 25 lacs.

61,929 Pargana Shelgaum

82,506 Do Lohagaum

---

1,44,435

एकूण नऊ लक्ष नव्याणव हजार दोनशें सवा बेचाळीस सवा आणा तनखा जागिरीचा अमल करार करून देऊन सनद बितपशील

१३ जमीदारांस महाल १३ एकूण
३ मोकदम कसबे देहे ३ एकूण.

१६

१६ चिटणिशी कमाविसदाराचें नांवें कीं, तुम्ही जागिरीच्या अमलाची दखलगिरी न करणें म्हणोन.

३२

बत्तीस पत्रें छ. २ रमजान. रसानगी याद.

३३-( २४६ )—देशमुख व देशपांडे परगणे हल्याळ यांसि पत्र कीं, हल्याळचें ठाणें सालगुदस्तां हैदरनाइकानें घेतलें आहे, त्यास हल्लीं रामचंद्र बाबाजी यांजकडे ठाणें दिलें असे, तरि तुम्ही मशारनिलेशीं रुजू होऊन ठाणें यांचे स्वाधीन करणें म्हणोन. सनद १.

इ. सं० १७६४।६५ खमस सितैन मया व अलफ रबिलावल १२.

रसानगी यादी.

३४-( २४७ )—मोकदम व नाईकवाडी कसबे सिदनूर परगणे रोहिडकुंदा यांचे नांवें कौल कीं, खासा स्वारी ह्या प्रांतें जाहली, तेव्हां तुम्हीं हुजूर येऊन आपली खंडणी करून रुजू व्हावें, तें न केलें; सबब गांवास मोर्चे लावून ठाणें सरकारांत घेतलें. त्यास तुम्हीं रुजू होऊन, जीवनमाफिक खंडणी करार करून दिलिया उगवणी करून देऊं, म्हणोन अर्ज केला; त्यावरून तुमचें जीवन पाहून साल मजकूरची खंडणी.

इ० स० १७६४।६५ खमस सितैन मया व अलफ रबिलावल १२.

२५००१ ऐन रुपये
दरबारखर्च रुपये ५०००.

---

33. The Thana of Halyal was last year captured by Haidar Naik. Ramachandra Babaji was ordered to take it back, and the District officers, Deshmukh and Deshpande, were ordered to assist him.

A. D. 1664-65.

34. The village of Kasbe Sidnur in Pargana Rohidkunda did not tender allegiance to Peshwa when he went to that province. The village was, therefore, stormed and taken and a tribute of Rs. 30001 ( Rs. 25001 tribute proper and Rs. 5000 Darbar Kharch ) was imposed. It was

A. D. 1764—65.

एकूण तीस हजार एक रुपया करार करून दिला, त्यास, गांवास मोर्चेबंदीमुळें गांवची वस्तभाव, दाणावैरण वगैरे लुटलीं गेलीं, बहूत खराबी जाहाली, यामुळें कांहीं सोड द्यावी म्हणोन महादाजी बल्लाळ व रंगापा नाईक कनकगिरीकर व राणोजी गाईकवाड खिजमतगार यांणीं तुमचेविशीं विनंती केली, त्यावरून लष्करामुळें गांवचा तसनस जाहाला तें जाणोन, व तुम्ही एकनिष्ठपणें रुजू जाहलां याजमुळें तुम्हांवर कृपाळू होऊन सदरहू करारपैकीं सोड रुपये ६००० देऊन बाकी करार रुपये

२२००१ ऐन.

२००० दरबार खर्च.

---

२४००१

एकूण चौवीस हजार एक रुपया करार करून दिला असे. सदरहू प्रमाणें सरकारांत पावते करून पावल्याचा जाब घेणें. तेणेंप्रमाणें खंडणीचे ऐवजीं मजुरा पडेल; गांवची कीर्द महामुरी करून सरकारांत एकनिष्ठपणें रुजू राहाणें. जाजती कोणेविशीं आजार लागणार नाहीं, म्हणोन कौलपत्र १. परवानगी रूबरू.

**३५–( २७० )** इ० स० १७६४।६५ **खमस सितैन मया व अलफ** जमादिलावल १०. —छ. मजकुरीं धारवाड सरकारांत सर जाहालें.

दादासाहेब यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

**३६–( २७४ )**—जिवाजी रघुनाथ यांणीं किल्ले राजदेहेर सरकारांत घेतला, ते समयीं मेहनत केली, सबब तालुके धोडप व तालुके पट्टा येथील जाहगीर वराड प्रांतीं आहे त्याचे बंदोबस्तास पाठविले आहेत, तरि अमल बसल्यास जागिरीची मजमू मशारनिले यांस सालमजकुरापासून करार केली असे; तरि मजमूचे कामकाज घेऊन तालुके धोडप येथें पेशजी वेतन आहे त्याप्रमाणें पावतें करणें म्हणोन, सनद १.

इ० स० १७६४।६५ **खमस सितैन मया अलफ** जमादिलावल १२.

आपाजी हरी यांचे नांवें

---

represented that villages had been plundered and had lost much property and that the amount of the tribute might, therefore, be reduced. The tribute was reduced to Rs. 24001.

A. D. 1764-65. 35. Dharwar was taken by Government on this Date.

From Dadasaheb's Diary.

36. This is a refrence to the acquisition by Government of the fort

A. D. 1764-65. of Raj Dehar.

रसानगी याद.

३७-( २७५ )—मकडाईचे राजकारणाचा मजकूर ठीक जाहला आहे; कांहीं स्वारप्यादे हुजूरचे पाठवावे, कार्य क्षेपनिक्षेप होत असे, व स्थळ हस्तगत जाल्यावर मुलुखही मिळेल, व किल्यांत कांहीं ऐवजही सापडेल म्हणून विस्तारें लिहिलें, तें सविस्तर कळलें; ऐसियास फार उत्तम गोष्ट आहे. हुजूरची शिबंदी पाठविणें सोईस नाहीं, स्थळ हस्तगत जाल्यावर तेथें कांहीं ऐवज सांपडेल, व मुलुखही प्राप्त आहेच, त्यास राजकारण क्षेपनिक्षेपच साध्य असल्यास शिबंदी तुम्हींच कार्याकारण ठेवून, काम फत्ते करून, तेथीलच ऐवज शिबंदी फेडून टाकणें म्हणोन शेट्याजी ऐतोळे यांचे नांवें चिटणिशी पत्र १.

इ० स० १७६४।६५ खमस सितैन मया व अलफ जमादिलावल १९.

३८- ( २८६ )—नारायणराव व योगींद्रराव दिमत हैदरनाईक लढाईत पाडाव जाहाले, त्यांस तुम्हांकडे ठाणें लक्ष्मेश्वर येथें पाठविले आहेत यांस शिधा दररोज

इ० स० १७६४।६५. खमस सितैन मया व अलफ जमादिलाखर २०

वजन पक्कें

| | |
|---|---|
| ०००१ तांदूळ बारीक असड ाक. | ००००४॥ मीठ. |
| ००१ कणीक. | ०००९ साखर. |
| ००। तूप. | |
| ००। दाळ. | |
| ०००४॥ सुपारी. | ००२॥। |

पानें पिकलीं दररोज सुमारें ५०.

एकूण वजन पक्कें पावणे तीन शेर, पान सुमारी पन्नास देविलें असे. यांस ठाणें यांत बंदोबस्तानें ठेवून, चौकी पाहरा उत्तम रितीनें करून शिधा लिहिल्याप्रमाणें देत जाणें म्हणोन, गोपाळराव गोविंद यांस सनद १.

रसानगी, सदाशिव मल्हार, जबानी गणेश अनंत कारकून निसबत बाळोजी पलांडे

37. Shetyaji Aitole wrote that a plan for the capture of Makdai was ready, that on the acquisition of the fort, some treasure would be found therein, and that some territory would also fall into the hands of G0vernment, and that some sowars and infantry should be sent for the purpose from the Huzur. He was informed that no force at the Huzur could be spared and that he should carry out the plan by entertaining himself such additional troops as might be required.

A. D. 1764-65.

38. Narayanrao and Yogindrarao serving under Haidar Naik, were taken in battle. They were sent to Gopalrao Govind at Thana Laxmeshwar to be kept in custody.

A. D. 1764-65.

३९-( २९३ )—बाबाजीराव खानविलकर किल्ले मर्दनगड येथें सुभाहून नामजाद होते, त्यास किल्ल्याची घालमेल फिरंगी यानें केली, ते समयीं आपण कस्त मेहनत बहूत केली, परंतु उपाय न चाले, तेव्हां अबरूनें निघोन सुभा आलों, त्यास राजश्री दादो कृष्ण यांनीं किल्ला गेल्याचा दोष ठेवून दूर केलें म्हणोन हुजूर विदित केलें; त्यास यें गोष्टीची चौकशी हुजूर तिकडील माहितगारांकडे करितां यांजकडे किल्ल्याचा दोष किमपि नाहीं, सबब मशारानिले असामी पेशजीप्रमाणें अंगारक-शिरस्ता करार करून हे सनद तुह्मांस सादर केली असे; तरि यांजपासून किल्ले जयगड येथें सेवा घेऊन तैनात दरमहा देखील पोरगा दिवट्या मिळोन रुपये ३२ बत्तीस व अडीसेरी खासा-व कबिला व दिवट्या, पोरगा येणेंप्रमाणें, व सनद (?) पांच मण अंगारकाशिरस्ता पेशजी-प्रमाणें तालुके मजकूर येथील ऐवजीं पावीत जाणें. याखेरीज रामजी नलवडा मर्दन-गडच्या नामजादपैकीं दूर केला होता तो हल्लीं करार केला असे, तरि याजपासून सुभा सेवा घेऊन अंगारकशिरस्ता पेशजीप्रमाणें तैनात दरमहा रुपये १५ पंधरा व अडीसेरी खुद व कबिला व पोरगा पेशजीच्या नेमणुकेप्रमाणें पावीत जाणें म्हणोन, मोराजी शिंदे नामजाद तालुके रत्नागिरी यांस सनद १.

इ० स० १७६४।६५
खमस सितैन
मया व अलफ
रजब ४.

रसानगी यादी.

४०-( ३१० )—देशमुख व देशपांडे नाडगौडा परगणे हारिहर यांचे नांवें कौल कीं तुम्ही हैदरनाइकाकडे होतां ते हुजूर येऊन रुजू जाहलां, सबब तुम्हांकडे सरकारची नजर रुपये.

इ० स० १७६४।६५
खमस सितैन
मया व अलफ
रमजान १३.

---

39. Babajirao Khanvilkar, an officer appointed to the charge of fort Mardangad from the Subha was, for his surrender of the fort to the Feringee, dismissed from service. He represented that at the time of the Feringee's attack, he did his best to save the fort, and it was only when he found that he could not succeed that he left it and honorably escaped to the Subha. This being proved, he was re-instated and waa appointed to the fort of Jaygad on a mouthly salary of Rs. 32 ( including the wages of a boy servant and a torch bearer ) and 5 maunds of grain.

A. D. 1764-65.

40. The Deshmukh and Deshpande Nadgouda of Pargana Harihar haviug left Haidar Naik and surrendered to Government, their watans were ordered to be continued to them. A nazar of Rs. 5000 was levied.

A. D. 1766-65,

४५०० ऐन.
९०० कारकुनी.

५०००

एकूण पांच हजार रुपये देखील शेट्या महाजन तेली वगैरे मिळोन करार केले असेत. सरकारांत वसूल देऊन तुम्हीं आपलें वतन सुदामत प्रमाणें अनुभवून एकसाल सरकारांत रुजू राहणें. सदरहू पांच हजार रुपये लक्ष्मण हरी यांचे गुजारतीनें सरकारांत पावले, म्हणोन
कौल १.

रसानगी यादी.

येविशीं गोपाळराव गोविंद यांस कीं, जमीदारांचे हातून कामकाज घेऊन सुदामतप्रमाणें हक्क रुसूम देत जाणे, म्हणोन
१

२

इ० स० १७६४।६५
खमस सितैन
मया व अलफ
सवाल ९.

४१– (३१९)––हैदर अलीखान यांजकडील ठाणीं तुमचे हवालीं केलीं आहेत, तीं हल्लीं माघारी देविलीं असेत; तरि मशारनिलेकडील प्यादे व कारकून येतील त्यांचे हवालीं ठाणीं करून पावलियाचें कबज घेणें म्हणोन, परगणे बसवापट्टण
सनदा.
१ ठाणें मळेबिद गु ( नु ? ) रा विशीं गोपाळराव गोविंद यांस.
१ ठाणें सोसेहल्लीविशीं रामचंद्र बाबाजी यांस.

२

परवानगी रूबरू.

इ० स० १७६४।६५
खमस सितैन
मया व अलफ
जिल्हेज १३.

४२–(३२७)—मल्हारजी होळकर यांणीं सन इसन्नैत माधवसिंग याची मसलत केली, त्यास मशारनिलेचे कुमकेस सरकारची फौज त्रिंबकराव शिवदेव यांचें पथक होतें, त्यास मशारनिले यांजकडून आदा रुपये ३५०००० साडेतीन लक्ष जाहाले. त्यापैकीं सरकारांतून मजुरा दिले रुपये १५०००० दीड लक्ष बाकी दोन लक्ष हिसेरसिदीप्रमाणें सरदार यांचे हिश्शाचे ऐवजीं देविले; देऊन पावलियाचे कबज घेणें म्हणोन, वराता छ. २० जिल्हेज, वांटणी रुपये

---

41. The Thannas of Male-Bidnoor and Sosehalli taken from Haidar Alikhan, were ordered to be restored to him.
A. D. 1764–65.

42. Malharji Holkar carried out a plan in A. D. 1761–62 in favour

७७००० मल्हारजी होळकर यांजवर.
७७००० केदारजी शिंदे यांजकडून.
४६००० खंडेराव वगैरे पवार.

१५०००० ( २००००० ) एकूण दीड (दोन) लक्षाच्या वराता लेहून दिल्या.

४३–( ३३० )—प्रांत खानदेश व गुजराथ येथील मामलत आहे त्यास मामलतसंबंधें कलमें.

इ० स० १७६४।६५
खमस सितैन
मया व अलफ
जिल्हेज १३.

शहर बऱ्हाणपूर येथील किल्ल्याची पडझड जाहली आहे, त्या मरामतीस एकसाला ५०००रुपये पांच हजार देविले असेत. तर शहर मजकूरचा मक्ता करून दिला आहे, त्याखेरीज कमावीस खंड फुरोई वगैरे साधणूक वारून त्याचे ऐवजीं खर्च करणें, मजुरा पडतील. कलम.

किल्ले देहर सरकारांत हस्तगत जाहाली, त्याचे चौकशीस हुजुरून कारकून पाठविला आहे; चौकशी होऊन आल्यावर आज्ञा करणें ते केली जाईल. तूर्त किल्ल्याचे जाहगिरीचा बंदोबस्त करणें. कलम १.

शहर बऱ्हाणपूर येथील सालमजकूरचा ऐवज तुम्हांकडे करार जाला, त्यांत शहरची शिबंदी नेमणुकेप्रमाणें वजा होऊन बाकीचा ऐवज पैकीं किल्ले देहरचे मसलतीस वगैरे हुजुरचीं पथकें होतीं, त्यांस नालबंदी व रोजमुरा पावला आहे, व सरकारच्या फरमासीं तुम्हांवर जाल्या आहेत, त्यांचा खर्च ऐवज होईल तो सरकारचे सनदेप्रमाणें मजुरा पडेल. कलम १.

तुमचे खास पथकाचे स्वार १०० शंभर साल गुदस्त करार करून सरसुभाकडे महालचे बंदोबस्तास दिले आहेत; त्याप्रमाणें सालमजकुरीं करार असेत. कलम १.

परगणे मजकुरीं वतनसंबंधी काजिये व कोट वतनाच्या मनसुबीमुळें वतनें सरकारांत जप्त असतील त्यांची चौकशी सरंजामी महाल व सरकारचे महालांत असतील त्यांची चौकशी मनास आणून, जप्त वगैरे वतनसंबंधिक असेल त्याचा ऐवज वसूल करून सरकारांत जमा करणें. कलम १.

---

A. D. 1764–65. of Madhavsing. Government army under Trimbakrav Sivdev was sent to Holkar's assistance. The expenses of the army amounting to Rs. $3\frac{1}{2}$ lacs, which were received from Madhavsing, were divided among the following officers:—

Malharji Holkar, Kedarji Shinde,
Khanderav and other Powars.

43. There is a reference to the capture of fort Dehar by Govern-

एकूण पांच कलमें करार करून दिलीं असेत. सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करीत जाणें म्हणून, छ. १४ जमादिलाखर, नारो कृष्ण यांचे नांवें सनद. रसानगी यादी.

४४-( ३६२ ) —त्र्यंबक हरी व विसाजी हरी व केसो हरी, उपनाम परचुरे, गोत्र शांडिल्य, सूत्र आश्वलायन, यांणीं हुजूर कसबे पुणें येथील मुक्कामीं येऊन विनंती [ केली ] कीं, आपले तीर्थरूप हरी रघुनाथ परचुरे यांस मौजे नेरें, तर्फ हवेली, प्रांत पुणें, येथें शेतमळा पिंपळपाटी मुंज्याची व मळ्यावरील माळजमीन एकूण बिघे सत्तर श्रीमंत कैलासवासी—रावसाहेब यांणीं इनाम देऊन, सन खमस सलासिनांत इनामपत्रें करून दिलीं, त्याप्रमाणें जमिनीचा भोगवटा आपल्याकडे चालत आला; तीं पत्रें मूषकानें खाऊन जर्जर केलीं, याकरितां सन अर्बा खमसेनांत श्रीमंत कैलासवासी—नानास्वामींस विनंती करून, जुनीं पत्रें दाखवून त्या अन्वयें नवीन पत्रें भोगवटियास करून घेतलीं; इनाम चालत आल्याप्रमाणें चालत होता. त्यास अलीकडे मौजे मजकूर हा गांव वेदमूर्ति राजश्री पांडुरंगभट बिन चिंतामणभट वैद्य आठवरे कसबे पुणें यांस सरकारांतून इनाम दिला, त्याजवर वैद्यांनीं दोन वर्षें गांवकरियांस दरसाल साठ रुपये प्रमाणें मजुरा देऊन शेत आम्हांकडे चालविलें. तिसरे सालीं सन अर्बात वैशाखमासीं म्हणों लागले कीं, तुमची शेतसनद आहे, आम्हांस इनाम गांव दिला आहे, आम्ही चालवीत नाहीं. ऐसें म्हणोन अडथळा केला. इनामपत्रें आम्हीं दाखवावीं, तर सन सलासांत निजामअली व विठ्ठल सुंदर पुण्यास आले आणि पुणें खराब केलें, त्या दंग्यांत आपण लोहगडचे माचीस पळोन गेलों, तेथें कागद लुटींत गेले. वैद्य म्हणतात कीं, तुमचें इनाम नव्हे, कागदींपत्रीं शेतसनद साठ रुपये जिल्हेकडून दरसाल खर्च पडत आले आहेत, त्याप्रमाणें दोन सालें आम्हीं शेत सनद चालविली, पुढें चालवीत नाहीं. ऐशास स्वामींनीं कृपाळू होऊन, दप्तरीं इनामपत्रें बार आहेत त्यांचा दाखला पाहून, व जिल्हेकडे आम्हीं जुनीं नवीं पत्रें दाखविलीं होतीं त्यांचा मोझ्या मनास आणून, हल्लीं पेशजीचे पत्राप्रमाणें भोगवटियास पत्रें करून देऊन, पूर्ववत्प्रमाणें सदरहू सत्तर

इ० स० १७६५।६६
सितासितैन
मया व अलफ
रबिलावल १.

---

A. D. 1764-65. ment. The Mamlatdar of Prant Khandesh and Gujarath was directed to manage the Jahagir attached to the fort.

He was further directed to repair the fort of Barhanpur and was authorised to spend for the purpose Rs. 5000 out of the amount of fines &ca realized by him.

44. There is an allusion in this sanad to the invasion of Poona by Nizam Ali and Vithal Sundar in A. D. 1762-63 and to the plunder of Lohagad.

A. D. 1765-66.

बिघे शेत इनाम चालवावें म्हणून; त्याजवरून मनास आणितां गांवकरी यांस पुसतां त्यांणीं सांगितलें कीं, हरी रघुनाथ यांणीं मौजे मजकुरीं शेत पिंपळपाटी मुंज्याची देखील माळ कास रुके बारा आम्हांपासून साठ रुपये सारा करार करून कुणबावियानें केलें; त्याप्रमाणें दोन वर्षें दरसाल रुपये साठप्रमाणें देत आले, तिसरे सालीं श्रीमंत कैलासवासी राव स्वामी यांजपाशीं विनंती करून शेतसनद साठ रुपयांची सदरील शेताची करून घेतली, त्याप्रमाणें साठ रुपये हा कालवरि दरसाल गांवास मजुरा पडत आहेत, इनामपत्रें आम्हांस ठावकीं नाहींत, म्हणून निवेदन केलें. त्याजवरून दप्तरीं पाहतां शेतसनदेस दोन वर्षें जाहल्यावरि मागतीं हरी रघुनाथ यांणीं तीर्थरूप कैलासवासी—राव यांस विनंती करून इनामपत्रें करून घेतलीं तीं दप्तरीं बार आहेत, व तीं इनामपत्रें मूषकानें खादलीं सबब तीर्थरूप कैलासवासी नानासाहेब यांसि विनंती करून नवीं पत्रें करून घेतली. तीं व जुनीं एकवेळ जिल्हेकडे दाखविलीं, असा दाखला पुरला. तेव्हां जमीन तुम्हांकडे चालवावी, परंतु सरकारांतून इनामपत्रें जाहलीं त्या अन्वयें जिल्हेकडील ताकीदपत्र व जमीदारांस पत्रें दाखवून त्यांचे दस्कतानिशी गांवकरी यांजपासून सत्तर बिघे जमिनीचा चकनामा चतुःसीमापूर्वक करून घ्यावा ती गोष्ट न केली; पेशजी सारा देऊन बा सा रा ग णी चा डाग वाहात होता तोच वाहात आला. याजमुळें इनाम जमीन दिल्ह्याचा मजकूर कोणासच ठाऊक नाहीं, व इनामाचे रितीचा वहिवाट न जाहाला, शेतसनदेप्रमाणें साठ रुपये दरसाल सुभाचे हिशेब करून दप्तरीं खर्च पडत आला; यास्तव सदरहू जमीन वैद्याकडे देऊन त्याचे मोबदला मौजे सागवडें, तर्फ हवेली, प्रांत पुणें येथील बाभूळशेत सांडस—दक्षिणेस ओढा राउतराव, उत्तरेस नदी पवना, पूर्वेस दोहींचा संगम पैकीं पाटस्थळसुद्धां जमीन चावर -॥- निमे; एकूण बिघे साठ इनाम तुह्मांस करार करून देऊन हीं इनामपत्रें करून दिलीं असेत. तरि सदरहू जमीन बिघे साठ चतुःसीमापूर्वक लिहिली आहे, याप्रमाणें जल-तरु-तृण-काष्ठ-पाषण-निधि-निक्षेपादि करून स्वराज्य व मोगलाई व सरदेशमुखी व साहोत्रा व हल्लींपट्टी पेस्तर पट्टी देखील इनाम तिजाई कुलबाब कुलकानू खेरीज हक्कदार करून इनाम तुम्ही आपले दुमाला करून घेऊन पुत्रपौत्रादि वंशपरंपरेनें इनाम अनुभवून सुखरूप राहणें म्हणोन. पत्रें.

| | |
|---|---|
| २ फडणिसी. | २ चिटणिशी, |
| १ नांवचें. | १ देशाधिकारी व लेखक वर्तमान भावी. |
| १ गांवास. | १ देशमुख व देशपांडे. |
| —— | —— |
| २ | २ |

एकूण ४

रसानगी यादी.

४५-( ४१२ )—दिमत नवाब निजामअलीखान यांजकडील महाल वगैरे सरकारांत जप्त होते त्यांचीं मोकळीची वगैरे चिटणिशी पत्रें.

इ० स० १७६५।६६.
सितसितैन
मया व अलफ
जमादिलाखर १.

५ नवाब निजामअलीखान यांजकडील महाल जप्त आहेत त्यांची मोकळीचीं पत्रें

१ परगणे अंतूर येथील तनखा १२४०८७॥ रुपये पैकीं वजा सरकारचा अमल रुपये.
४४०० रांजणी पागा रामचंद्र गणेश
४६०० कित्ता एक गांव घेणें.
———
९०००
बाकी तनखा रुपये ११५०८७॥ एक लक्ष पंधरा हजार साडेसत्यांयशी रुपयांचे गांव नबाबाकडे लावून देणें; व नव हजारपैकीं चवेचाळीसशें पागेकडे, बाकी शेचाळीसशें रुपयांचे गांव तुम्हीं लावून घेऊन जप्ती मोकळी करणें म्हणोन, नारो बाबाजी यांस.

१ परगणे रांजणीपैकीं गांव तनखा रुपये ३१०० एकतीसशें रुपयांची जप्ती तुम्हीं केली आहे, ते मोकळी करून सुदामत चालत आल्याप्रमाणें गांव चालवणें म्हणून, सखाराम भगवंत यांस पत्र.

१ परगणे भोकर्दन येथील जागिरीचा अमल दहा लक्षांपैकीं आहे, त्याची जप्ती केली आहे ती मोकळी करणें म्हणोन, भिवराव यशवंत यांस पत्र.

१ सोयर खुलदाबाद रोजें येथील जप्ती केली आहे म्हणून वकिलांनीं विदित केलें, तरि पेशजीपासून आहे त्याची जप्ती तुम्हीं केली आहे, ती मोकळी करणें म्हणून, त्रिंबकराव लक्ष्मण कमाविसदार परगणे नेवासें वगैरे महाल यांस पत्र.

१ परगणे सुलतानपूर व कसबे गणोरी परगणे मजकूर हे दहा लक्ष सरंजाम दिल्हा आहे, त्यांत आहेत; त्यांची जप्ती केली आहे, ती मोकळी करणें म्हणून, नारो बाबाजी नामजाद परगणे अंतूर वगैरे यांस पत्र.
———
५

२ गालदजंग याजकडे परगणे बलकुडा पैकीं जागीर गांव.
१ मौजे दलकेल.
१ मौजे उंबरें.
१ मौजे किसनापूर.
१ मौजे येलूर.
———
४
चार गांव आहेत तरि तुम्हीं ताकीद करून सुदामतप्रमाणें जागिरी अमल देवणें म्हणून पत्रें.

---

45. Some portions of the Mahals belonging to Nawab Nizam Ali Khan, which were under attachment were ordered to be restored.
A. D. 1765-66.

१ जमीदार.
१ कमाविसदार.

---

२

१ मौजे ताजनापूर, परगणे टाकळी हा गांव नासरजंग यांचे मकरब्याचे खर्चाबद्दल जागीर पेशजीपासून आहे; त्याची जप्ती केली आहे ती मोकळी करून सुदामत चालत आल्याप्रमाणें चालवणें [म्हणून] देवराव महादेव यांस पत्र.

२ मीर लालाखान वगैरे यांजकडील महालाविशीं पत्रें जप्ती मोकळी करणें म्हणोन.

१ परगणे करयेतुंब व कसबे नदवरगी येथील जप्ती मोकळी करून सुदामतप्रमाणें मोगलाई अमल देणें म्हणून आनंदराव भिकाजी यांस पत्र.

१ कसबे कोष्टगी परगणे कुलापूर व लखिहाळ वगैरे जागीर, किल्ला मुदगल, येथील जप्ती मोकळी केली असे, तरि सुदामतप्रमाणें मोगलाई अमल देणें म्हणून, दौलतराव घोरपडे यांस पत्र.

---

२

१ दरगे कुलीखान यास परगणे नेवासें पैकीं जागीर पेशजीपासून आहे, ते नारो बाबाजी यांचे अमलांत चालत आल्याप्रमाणें चालवणें, व हवालदार गांवगन्ना पीहल्यापासून बसतात, त्याप्रमाणें बसों देणें म्हणोन, त्रिंबकराव लक्ष्मण यांस पत्र.

१ आसाराम यांस परगणे भोकर्दन येथील गांव जागीर आहे, त्याची जप्ती मोकळी करणें म्हणून, भिवराव यशवंत यांस पत्र.

८ राघो धोंडाजी यांजकडील महालाविशीं वगैरे पत्रें.

२ परगणे राज देहर बमय वणी नसरतपूर वगैरे जागीर याची जप्ती मोकळी करणें म्हणोन पत्रें.

१ जमीदारांस.
१ नीलकंठ महादेव.

---

२

४ किल्ले आणकई, व किल्ले टणकई, व किल्ले गिरागिरा पेशजी मुरादखानाकडे होतीं, ते हल्लीं मशारनिलेकडे दिलीं, तरि याचा अमल सुरळीत देणें म्हणून पत्रें.

१ जमीदार परगणे पाटोदें.
१ रामचंद्र दामोदर.
१ विठ्ठल शिवदेव यांस.
१ बाळाजी महादेव यांस कीं, जागीर परगणे पाटोदेंपैकीं देहे व परगणे वण व कुंभारीविशीं.

---

४

१ जागीर परगणे कुंभारीपैकीं महालसरकार वगैरे.

१ महालसरकार.
१ दिगर जागीर परगणे मजकुरीं होती, ते दूर करून मशारनिलेकडे दिल्ही. दिगर जागीरदारांचीं नांवें.
१ इसाफ बेग.

१ करमली वगैरे.
१ दिसराम कामगार बेग.
१ हाजी नजमुदी [ न ].
१ खाजे अबदूल कासम.
१ बहादूरसिंग वगैरे अमरब संभूसिंग.
१ आसब बेग.
१ मीरइमाम.
१ अलीरजा.
१ मीरहिदादुला.
१ लिंगोजी थोरात.
१ सुभानजी थोरात.
१ हिरोजी पाटेकर.
१ महमद काजम.
१ खाजे अबदुल सबरखान.
१ मीर.

---

१६
१ आहशम किल्ले अणकई वगैरे.

---

३
सदरहूप्रमाणें पेशजीपासून मोगलाईतून चालत आहे त्याप्रमाणें चालवणें म्हणोन.
१ इमारतीस सागवानी लाकडें गाडे सुमार ५० पन्नास घाटन नासी माहाने येथून कसबे शिऊर, परगणे गांडापूर, येथें आणितील त्याविशीं एकसाला दस्तक.

---

८
१ विठ्ठल सुंदर यांचे पुतण्यास परगणे टाकळीपैकीं गांव मौजे दरेगांव व मौजे पाडळी नवाब निजामअलीखान यांजकडून आहे, त्याची जप्ती मोकळी करून सुदामत चालत आल्याप्रमाणें चालवणें म्हणोन, देवराव महादेव यांचे नांवें पत्र.
१ सरजंग यांजकडे मौजे कचनेर परगणे मजकूर हा गांव निजामअलीखान यांजकडून जागीर पेशजीपासून चालत आहे; त्यास मौजे मजकूरचा तनखा रुपये तेतीसशें आहे, आणि वसूल अठ्ठेचाळसिशें रुपये होतात, सबब सरकारचे कमाविसदारांनीं गैरवाका समजावून सांगितलें कीं,मशारनिलेस तनखाबाबद पैका देऊन बाकी सरकारांत ऐवज घ्यावा. ऐशास तनख्यास जाजती आकार होतो तो वसूल घेऊं म्हणून तुम्ही दिकत करतां, त्यास मौजे मजकूरचा स्वराज्यांतील अमल पेशजीप्रमाणें जिकडील तिकडे चालवणें म्हणून, रामकृष्ण नागनाथ कसबे पैठणकर यास पत्र.
२ कसबे टोकन मुरादखानाकडील जागीर सरकारांत जप्त होती, ते हल्लीं मोकळी केली असे, तरि नबाबाचे अमिलाशीं रुजू होऊन जागिरीचा अमल सुरळीत देणें ह्मणोन पत्रें.
१ जमीदारांस.
१ त्रिंबकराव लक्ष्मण.

---

२
५ सय्यद अबूबकर आलवी पीरजादे यांस मौजे माणकेश्वर, परगणे भूम,हा गांव मोगलाईतून इनाम आहे; व महाराजांनीं चौथाई व बाबती वगैरे स्वराज्याकडून इनाम दिलें असतां बाबूराव त्र्यंबक यांणीं गैरवाका समजावून चौथाईयाचे वगैरे कागदपत्र करून घेऊन जबरदस्तीनें गांव अनभवीत होते

त्याविशीं सरकारचीं पत्रें असतां सुदामत चालत नाहीं, तरि महाराजांचे पत्राप्रमाणें पीरजादे यांजकडे चालवणें, व मौजे मजकूरचा ऐवज घेतला असेल तो माघारा देणें म्हणून पत्रें.

१ मोकदमास.
१ जमीदार.
१ निंबाजी नाईक निंबाळकर सरलष्कर
१ त्र्यंबक खंडेराव.
१ जगजीवन बाबूराव.

———

९

———

२९

तपशील.

२८ ऐनपत्रें.
१ दस्तक.

———

२९ एकूण एकुणतीस पत्रें.

बाळाजी जनार्दन यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

४६–( ४१५ )—जंजीरकराचा व सरकारचा तह हुजूर जाहला; यामुळें सन इसन्ने सितैनपासून राजपुरी सुभ्याचे महालचे जमाबंदीचे रुजुवातीचा ऐवज जंजीरकराचा द्यावयाचा ठरला; त्यास सालमजकुरीं इसन्ने तागायत खमस ऐवज द्यावा त्याचा हिशेब तुम्हीं करून त्यापैकीं हुजुरून पाऊणलक्ष रुपये देविले आहेत, ते देऊन बाकी ऐवजपैकीं त्याजकडे रुजवातमुळें कांहीं कसर असेल ते वजा करून बाकी राहिला ऐवज प्रांत राजपुरी सुभे दोन पैकीं गल्ला वगैरे व हरएक कोंकण प्रांतीचे ऐवजीं हिशेबाप्रमाणें ऐवज तरतूद करून जंजीरकरास देणें म्हणोन, शंकराजी केशव यांचे नांवें सनद.

इ. स. १७६५।६६.
**सितासितैन**
**मया व अलफ**
जमादिलाखर ३०.

रसानगी यादी लष्कर छ. १९ रोज.

बाळाजी जनार्दन यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

४७–( ४१६ अ )—जंजीरकरांकडील बंदिवान किल्लोंकिल्लां होते ते तुम्हांकडे देविले असेत, व कोंकणप्रांतीं जागांजागां बंदिवान त्यांजकडील असतील तेही आपले जवळ आणून शामलाचा तह ठरल्यानंतर सदरहू बंदिवान त्यांचे त्यांजकडे देऊन पोहोंच घेणें म्हणोन, विसाजी केशव यांचे नांवें चिटाणिशी पत्र १.

इ०स० १७६५।६६
**सितासितैन**
**मया व अलफ**
जमादिलाखर ३०.

---

From Balaji Janardan's Diary.

46. A treaty having been effected between the Peshwa and the Janjirkar, the revenue realised from Soobha Rajpuri since A. D. 1761–62 was ordered to be restored to the latter.

A. D. 1765–66.

From Balaji Jrnardan's Diary.

47. The subjects of the Janjirkar under imprisonment by Government were also according to the treaty ordered to be restored.

A, D. 1765–66.

नारो त्रिंबक यांचे नांवें पत्र कीं, किल्ले विसापूर व लोहगड येथें जंजीरकरांकडील बंदिवान आहेत, तरि दोहीं किल्ल्यांवरील बंदिवान त्यांजकडील जे असतील ते बरोबर किल्ल्यापैकीं माणसें देऊन बहूत खबरदारीनें विसाजी केशव यांजकडे पोंचते करून पावलियाचें कबज घेणें म्हणोन. पत्र. १

दोन पत्रें छ. २१ रोज. २

दादासाहेब यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

४८-( ४२० )—प्रांत सुरगाण व सातपुडा येथील मुलूक सोडवावयाचा बंदोबस्त तुम्हांस सांगितला असे, तर तुम्हीं बंदोबस्त करून मुलूक सोडवणें येविशीं सरकारचा करार करून बितपशील कलमें

इ० स० १७६५।६६.
सितसितैन
मया व अलफ.
जमादिलाखर १२.

१ प्रांत मजकूर व सातपुडा येथील मुलूक नवा सोडवावा, त्यास पहिला अमल कैलासवासी—नानासाहेबांचे वेळेस चालत असेल तो खेरीज करून नवा मुलूख सोडवाल त्या निमे सरकारांत व निमे तुम्हांकडे द्यावा खेरीज मकडाई करून. येणें प्रमाणें कलम.

१ सरकारांतून तुमचे कुमकेस असामी.

२००० प्यादे दोन हजार.
१००० राऊत एक हजार

३०००

एकूण तीन हजार जदीद हजीरी घेऊन दरमाह हुजुरून करून द्यावा. हुजूरचे लोकांपैकीं हजार पांचशें माणूस दिलें जाईल, त्याचा रोजमुरा छ. १ जमादिलाखरचा जाला आहे तो तुम्हीं द्यावा. राऊत सरकारांतून बोल्या करून दिले जातील, त्यास नालबंदी रोजमुरे वगैरे तुम्हीं द्यावे म्हणजे तेच हुजरात सरकारची. येणेंप्रमाणें कलम.

१ आसपास लगते सरकारचे महाल व सरंजामी सरदारांचे आहेत त्यांस [उपद्रव केल्यास] कार्यास येणार नाहीं. येणेंप्रमाणें कलम.

३

48. Dongarkhan was entrusted with the duty of bringing under subjection the Province of Surgan and Satpuda and was promised the grant of half the new territory that he might conquer.

A. D. 1765-66.

येणेंप्रमाणें तीन कलमें करार करून दिलीं असे [ त ], तरि सदरहू प्रमाणें वर्तणूक करणें, म्हणोन डोंगरखान यांस सनद १.

रसानगी याद.

बाळाजी जनार्दन यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

**४९–( ४२४ )** — गोविंदराव माणकर व चिमाजी माणकर प्रांत राजपुरी यांचे नांवें सनद कीं, शामल जंजिरेकर यांचा तह सालमजकुरीं सरकारांत निखालस जाहला, सबब पेशजीच्या तहनाम्याप्रमाणें अकरा महाल दुतर्फा रुजुवातीस आणून निमेनिम वांटणी करून ऐवज कमपेशाजिकडील तिकडे पुरवून द्यावा घ्यावा. तरि पाहणी प्रांत राजपुरी येथील अकरा महालची दुतर्फा वाजवी करून, मक्ते बांधोन देऊन त्याचप्रमाणें उगवणी करणें, म्हणोन, छ. ११ रोज, सनद.

इ० स० १७६५।६६
**सितसितैन मया व अलफ**
रजब २९.

रसानगी यादी.

दादासाहेब यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

**५०–( ४३१ )**—बाजीराव आपाजी तालुके धोडप यांचे नांवें सनद कीं, तुम्हाकडील कारकुनांनीं सालगुदस्त मेहनत करून किल्ले माणिकपुंजचें कामकाज करून किल्ला सरकारांत घेतला, सबब दरकी असाम्या करार करून दिल्या असेत, येणेंप्रमाणें.

इ० स० १७६५।६६
**सितसितैन मया व अलफ**
रमजान २४.

| | |
|---|---|
| बाळाजी जनार्दन यांस किल्ले देहर साजी येथील सबनिशीकडील फडणिशी सांगितली असे. | महादाजी बाबूराव यांस किल्ले अहिवंता येथील सबनिशीकडील फडणिशी सांगितली असे. |

सदरहू प्रमाणें हरदू किल्ल्यांच्या फडणिशा करार करून दिल्या असेत. पेशजीच्या तैनाता हरदू असाम्यांच्या तालुके मजकुराकडे आहेत, त्याप्रमाणें वेतन पावतें करून लिहिण्याचें प्रयोजन घेत जाणें, म्हणोन सनद १.

रसानगी यादी.

---

49. A treaty being concluded with the Shamal of Janjira, during the current year, half the revenue of 11 Mahals of Prant Rajpuri was ordered to be given to him.

A. D. 7165-66.

From Dadasaheb's diary.

50. The fort of Manik-Punj was taken for Government by Balaji Janardan and Mahadaji Baburav, Karkuns under Baburao Appaji of Taluka Dhodap, and offices of Fadnis in the two forts were, therefore, conferred on them.

A. D. 1765-66.

दादासाहेब यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

५१-( ४४८ )—राजा निजामसा संस्थान गढेमांडलें यांचे नांवें सनद कीं, परगणे देवरी व तर्फ बरा येथील खंडणी इस्तकबील सन इसन्ने

इ० स० १७६५।६६ सितसितैन मया व अलफ जिल्हेज ९.

तागाईत सन मजकूर पावेतों पांचसालां सरकार अमल उठला, त्याचा ऐवज तुम्हांकडे गेला. त्याची बेरीज उदंडच जाली. तींत कांहीं ऐवज तुम्हांपासून भरून घ्यावा, परंतु संस्थान मजकूर हें सरकारचे थापीत, सबब तुम्हांवर रयात करून तुमचे जीवनमाफिक सालमजकूरची खंडणी करार रुपये

७५००० यांसि हप्ते.

४०००० श्रावण शुद्ध १

३५००० अश्विन शुद्ध १

७५०००

एकूण पाऊणलाख रुपये करार केले असेत; तरि सदरहू मुदतीप्रमाणें ऐवज बाळाजी गोविंद यांजकडे दिल्ली, आगरा, सुरत व बनारस, अरकट सिक्याचे रुपये आगरांत सरकारचा कमाविसदार देवरीस आहे, त्याचे मार्फतीनें पावता करून कबज घेणें. सालमजकुरीं सरकारचा कमाविसदार सनद घेऊन येईल त्याचे हवालीं परगणे मजकूरचा अमल देखील ठाणीं पेशजी कवड्यांचे अमलाप्रमाणें हवाला करणें. पुढें सर्व प्रकारें सरकारचे लक्षानें चालावें. सरकार अमलास बलकुबल पडल्यास कुमक करीत जाणें, ह्मणोन सनद १. रसानगी यादी.

दादासाहेब यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

५२-( ४४९ )—बाळाजी गोविंद यांचे नांवें सनद कीं, तुम्हांकडील तालुके

---

From Dadasaheb's Diary.

51. The revenue of Pargana Devari and fort Bara belonging to Government was taken from A. D. 1761–62 by Raja-Nizamsa of Sansthan Gadhe Mandale. The Raja was told to pay Rs. 75000 as a tribute in lieu of the revenues received by him, and to hand over the territory in question.

A. D. 1765–66.

From Dadasaheb's Diary.

52. Taluka Tejgad in Sansthan Gadhe Mandale belonging to Government having been taken by Lodhas, Balaji Govind was directed with the assistance of the Raja Nizamsa to recover the territory and to hand it over to the Raja.

A. D. 1765–66.

इ० स० १७६५।६६ सितासितैन मया व अलफ जिल्हेज १०.

तेजगड संस्थान गढेमांडले लोधांनीं घेतला, आणि सरकार-अमलास खलेल करितात. यास्तव सदरहू तालुका राजे निजा-मसा संस्थान गढेमांडले यांस देविला असे; तरि तुम्हीं व राजे उभयतां मिळोन, लोध्यांचें पारिपत्य करून, ठाणें घेऊन राजे यांचे हवालीं करणें; आणखी तुमच्या मामलतींतील ठाणीं लोध्यांनीं घेतलीं असतील तीं घेऊन बंदोबस्त करणें, म्हणोन सनद १.

येविशीं राजे निजामसा यांस ठाणें बसवणें, आणि सरकारचे कमाविसदाराचे हरएकविशीं कुमका करणें, ह्मणोन १.

---

रसानगी यादी.

२

इ० स० १७६६।६७ सबासितैन मया व अलफ रबिलाखर ९.

५३–( ४६२ )—हसनजी तांडेल व पीरभाई व बापूजी तांडेल यांस पत्र कीं, तुम्ही खंबाईतकरास तंबी पोहोंचवून घोग्याचें ठाणें घेतलें, तें सरकारांत देऊन बंदरचीं व रयतेची आबादी करावी, येविशींचा मजकूर तुम्हीं विसाजी केशव यांस लिहिला; त्याजवरून मशार-निलेनीं तुम्हांविशीं विनंती केली, त्याजवरून घोगें तालुकासुद्धां विसाजी केशव यांचे स्वाधीन करून, आरमारची स्वारी रवाना केली असे. दाखल होतांच ठाणें विसाजी कृष्ण व नारो शिवदेव यांचे हवालीं करणें. तुम्हीं आपला हिशेब ठाणें घेतल्यापासून असेल तो यांचे हवालीं करणें. मशारनिले समजोन फैसल करून देतील, ह्मणोन चिटणिशी पत्र १.

इ० स० १७६६।६७ सबासितैन मया व अलफ रबिलाखर ९.

५४–( ४६३ )—विसाजी कृष्ण यांचे नांवें सनद कीं, तुम्हांस सोरट प्रांतें रवाना केलें; त्यास त्या प्रांतीं जाऊन ठाणीं व मवासी तालुका हस्तगत होईल, त्यास त्या प्रांतींचे अगर गुजराथ प्रांतींचे संस्थानिक व जमीदार सरकारकामास फौज व सरंजाम घेऊन कुमक करतील; त्यास खर्च लागेल तो तुम्हीं पैदास्त करून

---

A. D. 1766-67.

53. Hasanaji Tandel, Pirbhai and Bapuji Tandel, attacked the Khambayatkar and took the post of Ghoga. They offered it to the Peshwa and prayed that arrangent might be made for protecting the port and the ryots. A fleet was therefore sent to the place and Hasanaji and others were directed to hand it over to Visaji Keshav.

54. Visaji Krishna was sent to the province of Sorat with directions

लावणें. कुमकेस येतील त्यांची सर्फराजी करणें ती तुमचे विद्यमानें त्यांचे चाकरीचे व सरकारकामास निखालसतेचे अन्वयें केली जाईल. शिबंदी नवी वगैरे वरचेवर करणें. ठाणीं व मुलूख घ्याल त्याचा बंदोबस्त हुजुरून करून दिल्हा जाईल. ह्मणोन,

रसानगी याद, सनद १.

दादासाहेब याच्या रोजकीर्दीपैकीं.

५५–( ४७४ )—प्रांत अंतरवेद येथील जवाहीरमल्ल जाट यांजकडील महालची जप्ती नबाव गाजुदीखान वजीर यांजकडे सांगितली असे; तरि यांजकडील अमलदार येईल त्याशीं रुजू होऊन अमल वसूल सुरळीत देणें, ह्मणोन जमीदारांचे नांवें पारसी पत्रें.

इ० स० १७६६।६७
सबासितैन
मया व अलफ
जमादिलावल १.

१ परगणे मोट.
१ परगणे महाबन.
१ परगणे साताबाद.
१ संस्थान जलेसर.
१ परगणे फेरोजाबाद.
१ संस्थान कालें.
१ परगणे खुरजा.
१ संस्थान शिकंदराबाद.

८

रसानगी याद.

५६–( ४७९ )—छ. मजकुरीं खासा स्वारी मुहूर्तेंकरून डेरे दाखल जाहली.

इ. स. १७६६।६७
सबासितैन
मया व अलफ
जमादिलाखल १७.

५७–(५१३)—नबाब बसालतजंग यांजकडील किल्ले व महाल सरकारांत घेतले होते;

---

to subjugate the posts and Mawashis and was ordered to pay the expenses of the Sansthanics and Jamidars of Gujarath who might come to his assistance

A. D. 1766–67.

From Dadasaheb's Diary.

55. The Mahals of Javahir Mal Jat in Prant Antarved were attached and assigned to Nabab Gaziudinkhan Vazir for management.

A. D. 1766–67.

A. D. 1766–67.

56. The Peshwa set out this day on a campaign.

इ. स. १७६६।६७
सबासितैन
मया व अलफ
जिल्हेज ६.

हल्लीं गाघारे द्यावयाचा करार करून हे सनद तुम्हांस सादर केली असे; तरि किल्ले व महाल नबाब बसालतजंग यांजकडील कमाविसदारांचे हवालीं करून पावलियाचें कबज घेणें, म्हणोन सनदा

१ हरी राम व आबाजी विश्वनाथ यांचे नांवें. ठाणीं

१ ज र नु
१ सिदनूर.
१ रेवडकुंदा

---

३

१ गोपाळराव गोविंद यांचे नांवें किल्ले कवताल येविशीं सनद.

एकूण दोन सनदा दिल्या असेत.

इ० स० १७६६।६७
सबासितैन
मया व अलफ
जिल्हेज ६.

५८–( ५१४ )—परगणे मुशकी ठाणें सुद्धां नबाब निजामअलीखान यांणीं आपली बहीण कालीमबेगम यांस दिल्हा आहे, त्याची जप्ती सरकारांत केली होती. ते हल्लीं मोकळी करून हें पत्र सादर केलें असे; तरि जप्ती मोकळी करणें, म्हणोन गोपाळराव गोविंद यांचें नांवें चिटाणिशी पत्र १.

इ० स० १७६७।६८
समानसितैन
मया व अलफ
रजब २६.

५९–( ५४० )—ओखरोज रावळजी यांणीं सन सितांत कस्त मेहनत करून घोगें किल्ला सरकारांत सर केला; तेव्हां मशारनिलेस भावनगर येथील जकात मंडईचा आकार तीन चार हजारपर्यंत आहे, तो इनाम देऊन, व मशारनिलेकडील गांवचा ऐवज सालाबाद सरकारांत येतो, त्यापैकीं कार्याकारण रयात करणें व बहुमान करणें, म्हणोन सन सितांत तुम्हांस सनद सादर जाहली आहे; त्यास

---

A. D. 1756-67.

57. The Thannas of Jarnu, Sidnur and Rewadkunda & the fort of Kawatal belonging to Basalatjang, which were attached, were ordered to be released.

A. D. 1766-67.

58. The Paragana of Mushki which was granted by Nawab Nizam Ali Khan to his sister Kalim Begam was attached by the Peshwa. Its release was ordered.

A. D. 1767-68.

59. Okheraj Rawalji captured the fort of Ghoge for Government in A. D 1765-66. An annual allowance of Rs. 4000 was conferred upon him in recognition of his services.

सदरहू प्रमाणें दिल्यास उत्तम नाहीं; याजकरितां हालीं सदरहू जकात मंडई व मौजे वर्तेज वगैरे गांव येथील ऐवजीं रुपये ४००० चार हजार रुपये मात्र दरसाल द्यावयाचा करार करून दिल्हा असे; तरि साल दरसाल सदरहू ऐवजीं ऐवज पावता करीत जाणें, ह्मणोन आपाजी गणेश यांस सनद १. रसानगीयादी.

६०-( ९८० )—किल्ले आवसें महालसुद्धां नबाव निजामअली यांजकडून सदाशिव रामचंद्र यांजकडे होता, त्यास मशारनिले हुजूर येऊन भेटले, त्यांणीं किल्ला सरकारांत द्यावयाचा करून आलाहिदा पत्र तुम्हांस लिहिलें आहे; त्यास किल्ल्याच्या बंदोबस्तास हुजुरून शंकराजी राम कारकून वगैरे लोक रवाना केले आहेत; त्यांचे हवालां करून किल्ला जकीरा सुद्धां पावल्याचें कबज घेणें, ह्मणोन शेषराव श्रीनिवास व महादाजी बाबाजी दिमत सदाशिव रामचंद्र यांस सनद १.

इ० स० १७६८।६९
तिसासितैन
मया व अलफ
रबिलावल ३.

परगणें आवसें येथील जमीदारांस रुजू होऊन अमल सुरळीत देणें ह्मणून पत्र.

६१-( ९९० )—रुस्तुम अलीखान, किल्लेदार माजी, किल्ले बदामी, यांजपासून सालगुदस्त आनंदराव भिकाजी यांणीं किल्ले बदामी सरकारांत घेऊन खानमजकूर यांस संसाराचे बेगमीस परगणे बदामीपैकीं आनंदराव भिकाजी यांणीं सरंजाम लावून दिल्हा देहे तनखा रुपये.

इ० स० १७६८।६९
तिसासितैन
मया व अलफ
रजब ३.

७००० कसबे खुडी.
२८०० मौजे चिकलाणूर.
३९०० मौजे कातेहाळ.
१४०० मौजे कुरहट्टी.
२०० जाजती बेरीज.
―――
१५०००

---

60. Sadasiva Ramchandra who held the fort of Awase together with the Mahal from Nawab Nizam Ali having agreed to surrender the fort to the Peshwa, orders were issued for taking possession of the same.
A. D. 1768-69.

61. Anandrav Bhikaji took the fort of Badami from the fort-officer. Rustum Ali Khan and gave him a Saramjam of Rs 15000. The grant was ratified.
A. D. 1768-69.

एकूण पंधरा हजार तनख्याचे चार गांव लावून दिले त्याप्रमाणें हल्लीं सरकारांतून सरंजाम करार करून दिला असे; तरि मशारनिलेशीं रुजू होऊन देहाय मजकूरचा अमल खुरळीत देणें, ह्मणोन मोकदम देहाय मजकूर यांस सनद १.

आनंदराव भिकाजी यांस कीं, तुम्हीं दिल्याप्रमाणें सरंजाम करार करून दिला असे, मशारनिलेकडे चालवणें ह्मणून १.

किल्लेदार खान मजकूर याचे नांवें कीं, सदरहू सरंजामाचा उपभोग करून सरकारचें लक्ष राखून सुखरूप रहाणें म्हणून १.

३

येविशीं जमीदारांस चिटणीशी पत्र १

४

रसानगी यादी.

इ० स० १७६८।६९
तिसासितैन
मया व अलफ
सावान २२.

६२–( ५९६ )—कमाविसदार महालनिहाय यांचे नांवें पत्रें कीं, भडोजकर मोगलांनीं बदफैली आरंभिली आहे, सबब त्यांचे पारपत्य करावयाची आज्ञा सरसुभा प्रांत गुजराथ दिमत चिंतामण हरी यांस करून समागमें फौज दिली आहे; तरि भडोजकरांचा सालाबादचा ऐवज आहे तो सालमजकुरीं त्यांजकडे न देणें, फौजेचे बेगमीबद्दल सरसुभाकडे वसूल देणें, ह्मणून चिटणीशी पत्रें.

२ सरकारचे कमाविसदारांस.

१ परगणे आमोद निसबत यादवराव रघुनाथ भागवत.

१ परगणे देहनेबर निसबत विठ्ठल नारायण यांस.

२

४ सरंजामी सरदाराकडील कमाविसदारांस.

२ महाल निसबत महादाजी नीलकंठ.

१ परगणे अंकलेश्वर निसबत महादाजी धुंडिराज.

१ परगणे हसोट निसबत धोंडो मल्हार.

२

१ परगणे उरपाड निसबत रुद्राजी गिरमाजी दिमत शिवाजी विठ्ठल.

१ परगणे जंबूसर निसबत माधव नानाशेट व तुलसीदास नानाशेट दिमत नारोशंकर.

४

६

---

A. D. 1768–69.

62. The Mogal of Broach having raised an insurrection, an army was sent under the Sirsoobha of Prant Gujarath to punish him.

६३-( ६६७ )—तुम्हांस मनोळी घ्यावयास पाठविलें आहे, वगैरे ठाणीं चिकोडी तालुका घ्याल, त्यास मनोळी चिकोडी कुल ठाणीं घ्याल तीं रामचंद्र महादेव यांचे स्वाधीन करणें, म्हणोन भिवराव यशवंत यांचे नांवें सनद १.

इ० स० १७७०।७१
इहिदे सबैन
मया व अलफ
रजब २.

परवानगी रूबरू.

६४-( ६७३ )—किल्ले मतगड सरकारांत होता तो हलीं सिद्दी अबदुल रहीम खानजादे जंजीरकर यांस देविला असे, तरि जकीरासुद्धां किल्ला मशारनिलेच्या हवालीं करून पावल्याचें कबज घेणें, म्हणोन विसाजी केशव सरसुभा प्रांत कोंकण यांस सनद, रसानगी यादी, सनदा ३.

इं० स० १७७०।७१
इहिदे सबैन
मया व अलफ
साबान ११.

६५-( ६७५ )—त्रिंबक सूर्याजी यांसि प्रांत सोंधे येथील बंदोबस्तास व मुलूख काबीज करावयाची आज्ञा केली आहे, त्याजविशीं कलमें.

इ० स० १७७०।७१
इहिदे सबैन
मया व अलफ
साबान २६.

सोंदें वरघाट अहद सारबणी बंधारी कोंकणपटी किल्ले मर्दनगडापासून गोकर्णमहाबळेश्वर होनावरपर्यंत किल्ले व ठाणीं मुलुक हैदरनाईकाचा असेल, त्यांत स्वारीशिकारी करोन किल्ले व मुलुक काबीज करावा. मसलतीस खर्च होईल तो सरकारचा व हैदरखानाचा बिघाड आहे तोंपावेतों सदरहू मुलकावर फेडावा. सरकारांत मागों नये. कलम १.

हैदरखानाचा सलूक जाहाला, तहांत किल्लेजात वगैरे तालुका सोडणें जाहालियास सोडावा लागेल; कदाचित् सलूक होऊन तालुके व किल्ले सरकारांत राहिले तर किल्लेखेरीज करून तालुका तुम्हांकडे कमाविशीनें ठेविला जाईल. कलम १.

सदरहू मुलुकापैकीं किल्ले ठाणीं व महाल सुटतील, त्यास किल्ले व ठाण्यांत लोक घा-

---

63. Bhivrav Yashvant was sent to capture the Thanas of Chikodi &c. He was directed to hand over Chikodi & Manoli to Ramachandra Mahadeo.
A. D. 1770-71.

64. Fort Matgad was ordered to be surrendered to Siddhi Abdul Rahim Khanjade of Janjira.
A. D. 1770-71.

65. Trimbak Suryaji was sent to Prant Sondha to conquer territory belonging to Haidar, lying between Sarbani Bandhari to Gokarn Mahabaleshwar & Honavar.
A. D. 1770-71.

रून बंदोबस्त राखावा. ठाणीं व किल्ले व महाल सरकारांत घ्यावा. कलम १.

तुम्हीं श्रम साहस करून सरकार नक्षा राखून मसलत शेवटास नेल्यास तुमच्या स्वरूपानुसार ऊर्जित केलें जाईल. येणें-प्रमाणें कलम १.

तुम्हांसमागमें मसलतीस कित्येक लोक चाकरमाने व कुमकी मिळतील, त्यांस कांहीं बक्षीस द्यावें लागेल, त्यास मनस्वी वचन कोणास न देणें. सरकारांतून चाकरी पाहून कार्याकारण रदबदल ऐकिली जाईल. येणें-प्रमाणें कलम १.

येणेंप्रमाणें पांच कलमें करार करून दिल्हीं असेत. सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें, म्हणोन मशारनिलेचे नांवें सनद १. रसानगी यादी.

इ० स० १७७०।७१
इहिदेसबैन
मया व अलफ
सवाल १६.

६६–( ६८१ )—रघुनाथ हरी तालुके झांशी यांचे नांवें पत्र कीं, तुम्हीं विनंतीपत्र पाठविलें तें पावलें. कन्हेरा किल्ला शिबंदीच्या हंगाम्याकरितां स्वाधीन जाहला नव्हता तेव्हां तोडमोड करून साडेसात हजार रुपये देऊन किल्ला हवालीं करून घेतला. विश्वासराव लक्ष्मण यांजकडील यादवराव हरी येथें आहेत. त्यांणीं सदरहू ऐवजीं घोडीं २९ एकूणतीस दिल्हीं. ते त्यांची सरकारांत पागा करून ठेविली म्हणोन लिहिलें, ऐशास किल्लयाचे शिबंदीचे रुपये विश्वासराव लक्ष्मण यांणीं द्यावे, त्याचे ऐवजी त्यांणीं घोडीं दिल्हीं. तुम्हीं घेतलीं. त्यापक्षीं किफायत सर्फेवार घेतलीं असाल. सदरहू घोडियांची पागा केली म्हणोन लिहिलें, तर घोड्यावर बारगीर ठेविलेच असाल. तुम्हांकडे रावतांची नेमणूक करून दिल्ही आहे, त्यांत एकूणतीस बारगीर पागा केली ते त्यांत करार करून चाकरी घेणें, म्हणोन चिटणिशी पत्र १.

इ० स० १७७०।७१
इहिदेसबैन.
मया व अलफ.
जिल्हेज १५.

६७–( ६८७ )—खंबाईतचे राजकारणाचा प्रकार तूर्त दहा हजार रुपये द्यावे लागतात व शिबंदी जाजती ठेवणें लागते, येविशींची आज्ञा करावी म्हणोन तुम्हीं विनंतीपत्र लिहिलें; त्यास राजकारण खरेंखुरें, किल्ला हस्तगत होतो, असें असल्यास दहा हजार रुपये देणें, व शिबंदी जाजती कार्याकारण लागेल ती चौकशीनें ठेवणें, म्हणून त्रिंबक नारायण तालुके अमदाबाद यांचे नांवें सनद.
रसानगी यादी.

---

66. Raghunath Hari of Zansi reported that he had obtained the fort of Karera by payment of Rs. 7500.
A. D. 1670–71.

67. Trimbak Narayan, officer of Taluka Ahmedabad, asked permission to the expenditure of Rs. 10000. & to the entertainment of some additional force in connection with the capture of fort Khambayat. The permission was ganted.
A. D. 1770–71.

६८-( ७२१ )—किल्ले खंबाईत येथील राजकारण रामाजी महादेव यांचे विद्यमानें वल्लभराम व अस्कारबेग यांणीं हुजूर विदित केलें, त्याजवरून राजकारण करण्याची आज्ञा करून बंदोबस्ताविशीं कलमें.

इ० स० १७७१।७२
**इसन्नेसबैन**
**मया व अलफ**
जिल्हेज २३.

वल्लभराम, अस्कारबेग हे राजकारण ठीक करून तुम्हांस समजावितील, त्यासि पक्का बंदोबस्त होऊन किल्यांतील जमातदार व लोक फार फुटले आहेत हें तुमचे ध्यानास आल्यास, तुम्हांकडील लोक जातील त्यांस काम मसलतीवर न पडतां कार्य साधतें याची पक्की बळकटी पाहून, तुमची खातरजमा जाहलियावरि मुदत करतील त्याचें लक्ष राखोन, तुह्मीं फौजेसुद्धां जाऊन कार्य करणें. मुदतीस जावयासि आळस करून किल्ला हस्तगत न जाहला, तरि याचा जाबसाल तुह्मांस करावा लागेल.

राजकारणामुळें लोकांसि द्यावयास ऐवज पाहिजे, यास्तव तुह्मांकडून तालुके अमदाबादपैकीं रुपये ७००० सात हजार देविले असत. लोक व जमातदार फुटोन कार्य साधतें याची सुरत ध्यानास आणून, कार्य न जाल्यास पैका न बुडे अशी पक्की बळकटी सावकारी निशेची करून घेऊन, जसजसा ऐवज लागेल तसतसा निशा घेऊन देत जाणें.

अस्कारबेग यांचे काबिले व घरचीं मुलें माणसें किल्ले बोरशेत येथें राहण्यासि येतील, तीं किल्यांत बंदोबस्तानें ठेवणें.

येणेंप्रमाणें तीन कलमें करार केलीं असेत, तरि सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें, ह्मणोन त्रिंबकराव नारायण तालुके अमदाबाद यांचे नांवें सनद १. रसानगी यादी.

६९-( ७३९ )—वेंकोजी गणेश कमाविसदार परगणे बीड व परगणे पाथरी यांस सनद कीं, राजश्री बाळाजी गोविंद व वेंकाजी गोविंद वकील निसबत तहवारजंग हे उभयतां तहवारजंगाकडून परगणे मजकूरचे स्वराज्याचा तह करावयासि हुजूर येऊन यांचे विद्यमानें

इ. स. १७७२।७३
**सलासस्सबैन**
**मया व अलफ**
जमादिलाखर ९.

---

68. Vallabram & Askarbeg having suggested a plan for obtaining the fort of Khambayat, Trimbak Narayan, the officr of Taluka Ahmedabad was directed to ascertain whether the men at the fort were really disaffected and if they were, to fix an early day for attacking the fort and to obtain it withont fail. He was allowed Rs. 7000 for payment to the people in connection with the matter.

A. D. 1771-76.

69. Balaji Govind and Venkaji Govind having concluded a treaty in regard to the Swarajya Amal of Pargana Bid and Pathari, on behalf of Tahwar Jung, were given a reward of Rs. 3000.

A. D. 1772-73.

तह करार जाहला; सबब यांस एक साला बक्षीस रुपये ३००० तीन हजार तुम्हांकडून परगणे मजकूर येथील बाकीचे ऐवजीं देविले असेत, तरि सदरहू ऐवज मशारनिलेस पावता करून पावलियाचें कबज घेणें. हिस्सेदाराचे बाकीच्या ऐवजांत तुम्हांस मजुरा पडतील, म्हणोन सनद १.

रसानगी यादी.

७०—( ७४७ )—नबाब गाजुदीखान यांसि जाहागीर प्रांत बुंदेलखंड येथें यमुनेचे अलीकडे सरकार तालुका पैकीं २००००० रुपये दोन लक्षांचे तनख्याचे महाल तुम्हांकडून देविले असत, तरि ज्यांत दोन लक्ष रुपये वसूल होत, असे महाल नबाबांस नेमून देणें, म्हणोन बाळाजी गोविंद यांसि सनद १.

इ० स० १७७२।७३
**सलाससबैन**
**मया व अलफ**
जिल्काद २२.

विसाजी कृष्ण यांसि सनद कीं, सदरहूप्रमाणें जाहागीर बाळाजी गोविंद यांजकडून नेमून देवणें, म्हणोन १.

२.

रसानगी यादी दोन.

---

# १. राजकीय.

## ( ब ) इतर माहिती.

### १. सातारकर महाराज.

७१—( ३३ )—वेंकोजी माणकेश्वर व विष्णू नरहर यांस पत्र कीं, राजश्री स्वामींचे पागेचे घोडियांच्या दाण्याची चिठी दररोज पागेची जरुरात पाहोन, गेले आले घोडे वजा करून करावी; तें न करितां आठा दिवसांची चिठी एक करून प्रतिनिधींकडून दाणे नेतां म्हणून हुजूर विदित जालें. ऐशास पेशजीपासून दररोज चिठी होते ते न करितां आठा दिवसांची चिठी एक करून दाणा नेतां, हे गोष्ट

इ० स० १७६२।६३
**सलाससितैन**
**मया व अलफ**
साबान ३.

---

70. A Jahagir of 2 lacs was granted to Nabab Gaziudinkhan on this side of the Yamuna in Prant Bundelkhand.

A. D. 1772–73.

# POLITICAL MATTERS.

## (b) MATTERS RELATING TO

### *1. The Satara Raja.*

71. Venkaji Mankeshwar and Vishnu Narhar were directed to send a requisition for the grain required for the horses belonging to the Raja every day, according to the old practice, and not every week as was now done by him,

A. D. 1772–73.

कार्याची नाहीं; हल्लीं पत्र सादर केलें असे तरि पेशजीपासून रोजची चिठी होत आहे तेणेंप्रमाणें जरुरातीबरहुकूम, गेले आले घोडे वजा करून चिठी करीत जाणें, म्हणून चिटणिशी पत्र १.

७२-( ३३४ )—वेदमूर्ती राजश्री कृष्णंभट बिन वीरेश्वरभट उपनाम चिपळोणकर, गोत्र अत्रि, सूत्र आश्वलायन, वास्तव्य माहुलीसंगम कृष्णातीर, यांणीं हुजूर येऊन निवेदन केलें कीं, महाराज राजश्री स्वामी यांची धाकटी स्त्री सौभाग्यवती जानकीबाई यांस देवाज्ञा जाहाली ते समयीं आपणास भूमिदान संकल्प करून जमीन चावर १ एक देविली ते आपले दुमाला जाहली नाहीं, ते हल्लीं नेमून देऊन चालविली पाहिजे म्हणोन; व येविशीं महाराज राजश्री स्वामींचें पत्र पाठविलें त्यावरून धारादत्तपूर्वक दिली ते चालवणें जरूर जाणून, यांजवर कृपाळू होऊन मौजे कोडोली, तर्फ सातारा, येथें पांढरवाडीनजीक अवल, दुम, सीम तीन प्रतीची वहीत जमीन चावर एक इनाम करार करून दिल्ही असे; तर सदरहू जमीनीचे चतुःसीमापूर्वक यांचे दुमाला करून देऊन जमीनींचीं इनामपत्रें सरकारचीं व राजपत्रें वंशपरंपरेचीं भोगवटियास करून देणें; आणि सदरहू जमीन यांजकडे साल दरसाल साल मजकुरापासून इनाम चालवणें, म्हणोन वेंकोजी माणकेश्वर यांचे नांवें, छ. १८ जमादिलाखर, सनद १.

इ० स० १७६४।६५
खमससितैन
मया व अलफ
जिल्हेज १२.

येविशीं शामराव आबाजी यांस, सदरहू जमीन एक चावर चतुःसीमापूर्वक भटजींचे दुमाला करून जमीनीची राजपत्रें व सरकारचीं पत्रें सातरियाहून करून देतील, त्याप्रमाणें जमीन यांजकडे सालमजकुरापासून इनाम चालवून, आकार होईल तो यांचे नांवें साल दरसाल खर्च लिहीत जाणें, म्हणोन पत्र १.

---

२

रसानगी यादी छ. १८.

७३-( ४८६ )—गणेश विठ्ठल यांचे नांवें सनद कीं, किल्ले सातारा येथील किल्ल्यावरचीं सरकारचीं घरें व शहरांतील राजवाडा मोडकळीस आलीं आहेत, त्यास सालमजकुरीं राजश्री व दोन्ही राण्यांचे वाडे यांचे मरामतीस रुपये २००० दोन हजार पर्यंत लावून घरें नीट करून देणें. पुढें हंगामशीर हुजूर समजावून बंदोबस्त करून घेणें, म्हणून मशारनिले यांचे नांवें सनद १. रसानगी याद.

इ० स० १७६६।६७
सबासितैन
मया व अलफ
साबान ५.

---

72. The Satara Raja's younger wife was named Jankibai. Land was given in Inam at the time of the performance of her obsequies.
A. D. 1764–65.

23. Government buildings in the fort of Satara & the royal Palace

७४–( ५४४ )— किल्ले सातारा येथें श्रीमंत महाराजांकडे चाकरीस खिजमतगार हुजुरून पाठविले आहेत. यांस रोजमुरा दीडमाहीचा दुमाही रुपये.

इ० स० १७६७।६८
समानसितैन
मया व अलफ
साबान १७.

५ धावजी शिंदा.
५ बगाजी काळभर.
५॥ निंबाजी गाईकवाड पाडळीकर.
५ शिवाजी घाडगा.
५ जानोजी शिवाजी पवार.

२५॥ ५

एकूण साडेपंचविस रुपये पांच असामींस रोजमुरा हुजूर छ. १ साबानचा दिल्हा आहे, पुढें दोहों महिन्यांनीं हजिरी गैरहजिरी मनास आणून सदरहू साडेपंचविस रुपये देत जाणें, म्हणोन बाबूराव कृष्ण यांस सनद १. रसानगी याद.

७५—( ९८२ )—मुक्काम सातारा येथील राजमंडळची फडणिशी सखाराम भगवंत यांजकडे होती, ते दूर करून राजश्री बाबूराव राम व बाळाजी जनार्दन यांजकडे पूर्ववत्प्रमाणें करार करून देऊन हें सनद तुम्हांस सादर केली असे, तरि मशारनिलेकडील कारकून येईल त्याचे हातें फडणिशीचें कामकाज घेत जाणें, म्हणोन महिपतराव त्रिंबक यांस सनद १. रसानगी यादी.

इ० स० १७६८।६९
तिसासितैन
मया व अलफ
रबिलावल १९

७६–( ६४४ )— श्रीमंत महाराज राजश्री छत्रपती स्वामी यांजकडील कलमें. महाराज यांजकडे बाग अगदीं नाहीं, याजकरितां भाजीफुलांचे उपयोगी एक बाग नेमून देणें. कलम १. पंडितराव यांस पंडितरायीचीं वस्त्रें महाराजांनीं धोंडोपंडित पंडितराव यांच्या पुत्रास दिल्हीं, त्यास सालमजकुरीं दसरियाचा पोषाख आपणाकडून गेला तो पंडितराव यांस पावला नाहीं; बळवंतराव यांस पावला. त्यास पेस्तर सालापासून धोंडो पंडित पंडितराव यांचे मुलास पावीत जावा. कलम १.

इ० स० १७६९।७०
सबैन
मया व अलफ
साबान ९.

in the city being out of repairs, Ganesh Vithal was directed to repair them, and was allowed Rs. 2000. for the purpose.

A. D. 1766–67.

74. Five Khismatgars were sent to fort satara for service with the Maharaja.

A. D. 1767–68.

75 The office of Fadnis under the Satara Raja which was held by Sakharam Bhagwant was taken from him and conferred on Baburav Ram and Balaji Janardan.

A. D. 1768–69.

76. The following order was issued to Mahipatrav Trimbak:—

किल्ल्यावर घोडीं आहेत, त्यांस गवताचे बेगमीस कुरण नाहीं, याजकरितां एक कुरण खर्चापुरतें नेमून देणें. कलम १. श्रीशंभुमहादेवाची पाटिलकी वतनी स्वामींची आहे, तेथील हकदक सुदामतप्रमाणें बंदोबस्त करून देणें. कलम १. गोंधळी व डौरी गोसांवी एकूण तीन ताफे नेहमीं चाकरी करितात, त्यांस पोटास व आंख पावत नाहींत, सबब दोन ताफे गोंधळ्याचे व एक भांड यांचा जुने नवे मिळून तीन ठेवावे. कलम १.

एकूण पांच कलमें करार करून दिल्हीं असेत, तरि सदरहूप्रमाणें करणें, म्हणोन राजश्री महिपतराव त्रिंबक यांस सनद १. रसानगी यादी.

इ० स० १७७१।७२
इसन्नेसबैन
मया व अलफ
सवाल १.

७७–( ७१० )—पेठ मकरंदपूर, तर्फ चांभारगोंदें, येथील शेटेपणाचें वेतन श्रीमंत महाराज छत्रपती स्वामींचें आहे, त्याचे गुमास्तगिरीचे कामावर सालगुदस्त चिमणाजी गोविंद पाठविले होते, त्यांस हल्लीं त्यांजकडून गुमास्तगिरी दूर करून तुम्हांस गुमास्तगिरी सांगितली असे; तरि इमानेंइतबारें वर्तोन, अमल चौकशीनें करोन, पेठमजकूरचें शेटेपणाचें वतन संबंधें जें उत्पन्न होईल तें सरकारांत पावतें करून पावल्याचे जाब घेत जाणें, तेणेंप्रमाणें मजुरा पडेल, म्हणून मोरो दामोदर दिमत विष्णु नरहर यांचे नांवें सनद १.

महाजन व महानाड पेठ मजकूर यांचे नांवें सनद कीं, रुजू होऊन शेटेपणाचें वतनसंबंधें जें असेल तें सुरळीत देणें, म्हणोन सनद १.
चिटणिशी पत्रें ३.

---

A. D. 1769–70.

1 The Raja has no garden; one garden shotld be assigned to him.

1 A Kuran should be given for the use of the horses at the fort.

1 Clothes of honor in regard to the office of Panditrav should be given to the son of Dhondo Pandit Panditrav.

1 Patil Watan of Shambhu Mahadeo belongs to the Raja. The Haks of the watan should be continued to him as before.

1 Two parties of Gondhali, Doure ( डौरे ) and one of Bharadi should be kept for service with the Raja.

77. The Watan of Shete in Peth Makarndpur in Tarf Chambhargonde belonged to the Raja of Satara.
A. D. 1771–72.

१ सखूबाई शिंदी यांस.
१ जमीदार यांस.
१ चिमणाजी गोविंद यांस.

३

५

येणेंप्रमाणें पांच पत्रें दिल्हीं असेत.

रसानगी यादी.

७८-( ७६३ )—महाराज राजश्री स्वामी यांजकडील कलवंतीणीचे रोजमरियाविशीं वगैरे कलमें

इ० स० १७७२।७३
सलाससबैन
मया व अलफ
रबिलावल ६

कलवंतिणी-ताफे.

१ हिरा कलवंतीण.
१ आछी कलवंतीण.

एकूण दोहो ताफयांत रोजमरा दुमाही दर ४० प्रमाणें रुपये ८० ऐशी रुपये करार केले असत, तरि सालीना सहा रोज दर ( ? ) पेस्तर साल सन अर्बा सबैनापासून पावीत जाणें. कलम १.

चित्ता जनावर आहे, त्याजला रतीब पाहिजे, त्यास पेशजीचा चित्ता आहे त्यास रतीब पावत असेल त्याप्रमाणें हल्लींच्या चित्त्यास रतीबाची नेमणूक करून चालवणें. कलम १.

एकूण दोन कलमें. सदरहू लिहिल्याप्रमाणें वर्तणूक करणें ह्मणोन माहिपतराव त्रिंबक यांस सनद १.

रसानगी चिठी व कलवंतिणींचा रोजमरा पेस्तर सालापासून देत जावा असें सनदेंत लिहून द्यावें म्हणून परवानगी सखाराम भगवंत. रसानगी नागो शिंदे.

---

78. Sanction was given to the payment of Rs 80 every two month on account of singing establishment with the Raja of Satara, and to the payment of the usual allowance to a panther with the Raja.

A. D. 1772-73.

# १. राजकीय.

## ( ब ) इतर माहिती.

### २. पेशवे.

### ( अ ) माधवराव.

इ० स० १७६२।६३
**सलाससितैन**
**मया व अलफ**
साबान.

७९-( ५७ )—किल्ले सिंहीगड येथें धामधुमीमुळें जामदारखाना रवाना केला, त्यास तेल दिव्यास दररोज वजन पक्के ४४।९ दीडपाव व कारकून असामी २ दोन, पैकीं फडणिशीकडील [एक] व पोतनिशीकडील एक व ब्राह्मण चाकरीचा असामी एक, एकूण तीन असामींचा शिधा शिरस्तेप्रमाणें जों पावेतों राहतील तों पावेतों तेल देखील दिव्यास देत जाणें म्हणोन, जिवाजी गणेश यांस सनद दिली. किल्ले सिंहीगडचे कोठीपैकीं देत जाणें, म्हणून सनदेंत लिहिलें असे. परवानगी रूबरू. छ. २८ साबान. १.

इ० स० १७६२।६३
**सलाससितैन**
**मया व अलफ**
रमजान.

८०-( ६९ )—रामचंद्र नारायण कमाविसदार कसबे खेड व शिवापूर यांचे नांवें सनद कीं, चिरंजीव नारायणराव धामधुमीमुळें किल्ले सिंहीगडास गेले आहेत, त्यांस शाकभाजी दररोज लागेल ती कसबे मजकुरीं शाहाबाग आहे त्यापैकीं देत जाणें. वाजवी पैका आकारेल तो मजुरा दिला जाईल, ह्मणून छ. २७ रोज सनद १. परवानगी रूबरू .

---

# POLITICAL MATTERS.

## (*b*) MATTERS RELATING TO

### *2. The Peshwa.*

### ( a. )Madhavrav I.

A. D. 1762-63.

79. Owing to a disturbance, the cash and oranaments of the Peshwa were sent to fort Sinhagarh.

A. D. 1762-63.

80. Owing to a disturbance, Narayanrav ( Peshwa's younger brother ) was sent to Ssinhagarh, and thə Kamavisdar of Khed and Shiwapur was directed to supply him with vegetables from the garden called Shahabag.

८१–( ७४ )—कृष्णाजी महादेव यांणीं प्रांत राजपुरीपैकीं जिन्नस पाठविला, गुजारत संताप्पा भोसला मुसारी निजामपूरकर. चिरंजीव राजश्री नारायणराव यांचे लग्नास जिन्नस पाठविला तो जमा.

इ० स० १७६२।६३
**सलासासितैन**
**मया व अलफ**
सवाल.

| | |
|---|---|
| वजन पक्कें. | सुमारी. |
| ८॥१॥ खारीक कच्चें वजन ८१॥ पैकीं. | १९९ नारळ रवानगी २०० पैकीं जमा |
| ८॥७॥ सुपारी पांढरी कच्चें वजन ८२ पैकीं | १०००० पानें काळीं नागवेलीचीं. |
| ८१८९ | १०१९९ |

एकूण वजन पक्कें एक मण नव शेर व सुमारी दहा हजार एकशें नव्याणव सरकारांत किल्ले सिंहीगड येथील कोठीस जमा करून जाब लेहून दिला मशारनिलेचे नांवें. बरहुकूम जमा व खर्च कोठी छ. १४ रोज. १.

नारो आपाजींच्या रोजकीर्दीपैकीं.

८२–( ९८ )—जवाहीरखान्याकडील मोजदाद करावी लागते, सबब किल्ले सिंहगड येथें कारकून रवाना केले आहेत. असामी.

इ० स० १७६३।६४
**अर्बासितैन**
**मया व अलफ**
मोहरम २९.

१ धोंडो विश्वनाथ.
१ त्रिंबक शंकर.
१ गोविंद महादेव.

३

एकूण तीन असामींस मोजदाद होईतों राहतील, त्यांस शिधा शिरस्तेप्रमाणें लाकूडफाटें पानपत्रावळी बेगमी करून देणें, याखेरीज कामाठी असामी २ दोन सिंहगड पावेतों ओझें न्यावयास देणें, म्हणोन जिवाजी गणेश यांस छ. १ मोहरम पत्र १.
रसानगी यादी.

---

81 A quantity of dried date fruits, betelnuts, cocoanuts, & leaves were received on this date from Krishnaji Mahadev of Prant Rajpuri for the marriage ceremony of Narayanrav ( Peshwa's younger brother.)
A. D. 1762-63.

82. 3 Karkuns were sent to Sinhagarh to make an inspecton of the Government store of jewels and other valuable articles.
A. D. 1763-64.

बाळाजी जनार्दन यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

८३-( २२९ )— १७५ रेवा कलवंतीण. रुपये.

इ० स० १७६४।६५ खमससितैन मया व अलफ मोहरम.

२५ छ. ७ रोज मोहरमचे इदीबद्दल सालगुदस्तांप्रमाणें साल-मजकुरीं रसानगी चिठी रुपये.

१५० छ. १७ रोज दीडमाही रोजमरा एकमाहीच द्यावा तो. रसानगी यादी रुपये.

---

१७५

दादासाहेबांच्या रोजकीर्दीपैकीं लेखांक ८४ ते ८७.

८४-( २५० )—केसो गोविंद यांचे नांवें सनद कीं, एणेंप्रमाणें.

इ० स० १७६४।६५ खमससितैन मया व अलफ रबिलाखर २२.

१ मातोश्री गोपिकाबाई यांजकडे खर्चास नेमणूक रुपये.

१८००० इमारत वाडा गंगापूर.

७००० नेहमीं खर्च बारमाहीपैकीं.

---

२५०००

एकूण पंचवीस हजार नेमणूक करून तुम्हांकडे बेहड्यास ऐवज नेमून दिला आहे, त्यास तुम्ही सदरहू ऐवजपैकीं मौजे बलेगांव व गंगापूर हे दोन गांव बाईकडे दिले आहेत, सबब त्यांचा ऐवज रुपये १९०० एकुणीसशें वजा करून बाकी तेवीस हजार एकशें रुपये पावते करणें, म्हणोन सनद १.

८५-( २५१ )—केसो गोविंद यांच्या नांवें सनद कीं, मातोश्री गोपिकाबाईचे खर्चास अजमासे बारा हजार रुपये तुमचे बेहड्यांत नेमणूक करून, त्यांपैकीं पेशजी पांच हजार पावले, बाकी सात हजार हलीं देविले, त्याची वरात तुम्हांवर दिल्ही आहे, त्यावर प्रमाण नाहीं. मातुश्रीकडे खर्चास ऐवज लागेल तो तुम्हांजवळ माग-

इ० स० १७६४।६५ खमससितैन मया व अलफ रबिलाखर २४.

---

From Balaji Janardan's Diary.

83. Rupees 175 are debited on this date as paid to Rewa, a dancing girl. Rs 25 on account of the Id festival and Rs. 150 as monthly salary.

A. D. 1764-65.

From Dadasaheb's Diary—papers 84-87.

84. Rupees 7000 were assigned to Matushri Gopikabai for her annual expenses and Rs. 18000 for the construction of a building for her at Gangapur.

A. D. 1764-65.

85. Keso Govind was directed to pay to Lady Gopikabai any sum which might be required for her expenses, even though exceeding the amount previously sanctioned.

A. D. 1764-65.

तील त्याप्रमाणें सदरहू वरातेखेरीज ऐवज लागेल तो देत जाणें, म्हणून सनद १. रसानगी याद.

८६–( २९१ )—केसो गोविंद यांचें नांवें सनद कीं, माणकोजी चितारी याजला चित्रें तसबिरा कागदावर काढण्यास सांगोन तुम्हांकडे पाठविला आहे, तरि यास रंग हरजिनसी जो लागेल तो चौकशी करून देत जाणें, आणि चित्रें काढून तयार करणें. यासि रोजमरा दीढमाही रुपये तीस ३० करार करून देविले असत सनद-पैवस्तागिरीपासून दीढमाहींचा दीढमाही रोजमरा हजिरी प्रमाणें देत जाणें, व सामान घडोंची वगैरे जो सरंजाम लागेल तो चौकशी करून देत जाणें, म्हणोन सनद १.

इ० स० १७६४।६५
**खमससितैन**
**मया व अलफ**
जमादिलाखर ३०.

परवानगी रूबरू. रसानगी हरी रघुनाथ भिडे. छ. ३ जमादिलाखर.

८७–( २९२ )—केसो गोविंद यांचे नांवें सनद कीं, तुम्हांस चावडसेस कारभारास ठेविलें आहे, त्याचा कारारमदार येणेंप्रमाणें कलमें बितपशील.

इ० स० १७६४।६५
**खमससितैन**
**मया व अलफ**
जमादिलाखर ३०.

तुम्हांस बरोबर स्वार पन्नास ठेवण्यास आज्ञा केली आहे, त्यास शेरा दर स्वारास २५० रुपये प्रमाणें करार केले असेत; सनदपैवस्तगिरी पासून राऊत ठेवून चाकरी घेणें. मुदतमाफक आकरमाही कबजप्रमाणें मजुरा पडेल. कलम. १

मातुश्री गोपिकाबाई नेहमीं जगदीशपुरीं राहिलीं आहेत, ते तुम्हांस हरएक कामकाजाविशीं आज्ञा करतील त्याप्रमाणें मान्य करून सरबराई जेथील तेथें करीत जाणें. कलम १.

कारखाने इमारतीचे वगैरे आहेत, त्यांची नेमणूक ऐवजाची अलाहिदा करून दिल्ही आहे, त्याप्रमाणें जिकडील तिकडे ऐवज पावता करून कामाची चौकशी करीत जाणें. कलम १.

प्यादी ( दे ) चौकीपाहाऱ्यास वगैरे असामी पन्नास नेमणूक करून दिली असे, त्यास दरमाहे:दरअसामीस रुपये ६ प्रमाणें सनद पैवस्तगिरीपासून आकरमाही वजा करून मुदत कबज माफिकप्रमाणें मजुरा पडेल. कलम १.

---

86. Mankoji Painter was engaged to draw pictures on a salary of Rs. 30 per month & a half & orders were issused to supply him with all materials for coloring that he might require.

A. D. 1664-65.

87. Keso Gevind was appointed manager at Chawadas & was directed to look after the comfort of Matushri Gopikabai who was residing permanently at Jagadishpur.

A. D. 1766-65.

तुम्हांस सरकारच्या कामकाजास फडफर्मास लागत जाईल त्याची चिठी शिवाजी बल्लाळ यांजवर करीत जाणें, ते देत जातील. तुह्मीं निराळी फडफर्मास एकंदर चिठी महालावर अगर हरकोठें करीत न जाणें. कलम १.

गाईकडे नेमणूक पांच हजार रुपयांची करून दिल्ही आहे, त्याप्रमाणें खर्चवेंच कुल करावा. कलम १.

दोन येडके सरकारचे आहेत, त्यांस चंदी व कामाठी नेमणूक करून चौकशी करून खर्च सनदपैवस्तरगिरीपासून करीत जाणें. कलम १.

लबेच्या कामास लोक १० जासूद असामी, २ ढलाईत, एकूण बारा असामींस तैनात दरमाहे असामींस रुपयेप्रमाणें करार करून दिल्हे असत; सदरहूप्रमाणें असामींस सनदपैववस्त-गिरीपासून ठेवणें. मुदतमाफक आकरमाही वजा होऊन बाकी कबज मजुरा पडेल. कलम १.

तुह्मी त्या प्रांतीं राहिलां आहां. त्यास कामकाजें कोणतीं करावीं न करावीं याची यादी अलाहिदा आहे त्याप्रमाणें वर्तणूक करणें. यादीखेरीज एकंदर न करणें. कलम १.

तुह्मांकडे पागेची घोडी एक व तटू एक; त्यांस दाणाचंदी दररोजप्रमाणें एकादशी वजा करून बाकी चंदी नेमणूकप्रमाणें व पोरगे याची नेमणूक दोन असामींची रोजमरा दीढमाही नेमणूकप्रमाणें किरकोळ खर्चास ऐवज नेमणूक करून दिल्हा आहे, [त्या] ऐवजीं सदरहू खर्च करणें, मजुरा पडेल. कलम १.

तुम्हांजवळ ऐवज वगैरे सरकारचा जिन्नस असेल, त्यास गुलगलबला जाल्यास त्रिंबकच्या किल्यावर नेऊन ठेवणें. कलम १.

देवघर व इमारत, बाग वगैरे कारखाने यांसि ऐवज नेमणूक करून दिल्हा आहे; त्यास चौकशी करून चवकशीमुळें कमी जाल्यास कमी करावें. जाजती लागल्यास आठरा बाविशीच्या अंतऱ्यानें जाजती देत जावें. दोन महिन्यानें चौकशी करीत जावी. कलम १.

गडबडीमुळें तुह्मीं शिबंदी एकंदर नवी न ठेवणें. भातखळ्यास त्रिंबकच्या जाऊन राहणें. कलम १.

चावडसेस शिषे (ष्ये) राहतात, त्यांनीं कांहीं गडबड करूं नये, गडबड केल्यास हुजूर लिहून पाठवणें, आज्ञा होईल त्या प्रमाणें करावें. तुम्हांस पारिपत्य करण्यास प्रयोजन नाहीं. कलम. १

येणेंप्रमाणें चौदा कलमें करार करून दिलीं असत. सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें, म्हणोन सनद १. रसानगी याद, छ. ४ जमादिलाखर.

बाळाजी जनार्दन यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

८८–( ३०६ )—५१॥ कमाविस भेट

इ० स० १७६४।६५ खमससितैन मया व अलफ साबान ३०.

४९॥ छ. ५ रोज राजश्री नारायणराव स्वारीहून पुण्यास आले, सबब लोकांनीं नजरा केल्या, गुजारत भानजी मोऱ्या खिजमतगार, रुपये.

१५॥ बदल बाळाजी जनार्दन फडणीस मोहर नाणें १.
२ बदल नारो अनंत परचुरे.
२ धोंडो हरी दिमत तोफखाना.
२ खंडो शिवदेव पानसी.
१ कसबे पुणें येथील पाटील.
१ मौजे थेऊर येथील पाटील.
१ मौजे हडपसर येथील पाटील.
१० सर्वोत्तम शंकर हशमनीस.
१० देशमुख प्रांत पुणें.
५ नरसिंग.
५ त्रिंबकराव.

१०
५ बदल बाळाजी नारायण केतकर.

४९॥

तपशील
१५॥ मोहर नाणे
३४ नक्त.
२३ इतर प्रत.
४ खंदार.
३ बागड ( ल ) कोटी.
४ हिणाचे.

३४

From Balaji Janardan's Diary.

88. Presents were made to Narayanrav on his return from camp by Balaji Janarden Fadnis, Naro Anant Parchure, Khando Sivadev Pansi, Dhondo Hari of the artillery &c.

A. D. 1764f65.

४९॥

२ छ. ६ रोज राजश्री नारायणराव यांस
बदल गोपाळराम देशपांडे, गुजारत
जिवाजी कटका खिजमतगार, रुपये.

९१॥

दादासाहेबांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

८९-( ३१३ )—केसो गोविंद यांचें नांवें सनद कीं, तीर्थरूप मातुःश्रीबाई गंगापुरीं आहेत, त्यांची खर्चाची नेमणूक पेशजीची आहे, त्याशिवाय जाजती चार पांच हजार रुपयें लागल्यास देणें; व चिरंजीव राजश्री नारायणरावही तेथें बाईजवळ राहण्यास आले असतील; त्यांचीही खर्चाची नेमणूक रोजमरा मेळास वगैरे लागेल ते बाईंस समजावून देत जाणें; खर्चाची ओढ एकंदर त्यांजकडील न करणें, म्हणून सनद.

इ. स. १७६४।६५
**खमससितैन**
**मया व अलफ**
रमजान १.

छ. २९ रमजान.

बाळाजी जनार्दन यांच्या रोजकीर्दीपैकीं लेखांक ९० व ९१.

९०-( ३४५ )—स्वारी पेण, विद्यमान सौभाग्यवती पार्वतीबाई. पेणेचे मुक्कामीं खर्च झाला तो गल्ला साडेतिसेरी मापें कैली खंडी.

इ. स. १७६४।६५
**खमससितैन**
**मया व अलफ**
जिल्हेज

| | तांदुळ मोठे सडीक | तांदुळ बारीक सडीक | तांदुळ मोठे असडीक | दाळ |
|---|---|---|---|---|
| धर्मादाय देवपूजेचे गाईस | ० | ८१।॥२। | ० | ८८।॥. |

From Dadasaheb's Diary

89. Keso Govind was informed that Matushri Bai was at Gangapur & that he should pay her 4 or 5 thousand rupees over ond above the fixed allowance, if required. Narayanrav was to go to reside wirh the lady, and Keso Goviod was ordered to pay him the amount required for his expenses.

A. D. 1065-65.

From Balaji Janardan's Diary—papers 90 & 91.

90. There is in this month a dcbit of expenses incurred on account

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| गोग्रास वगैरे | ०।१ | ८२।। | ० | ० |
| राघोजी आंग्रे वजारतमहा यांस मेजवानीबद्दल. | | | | |
| बाजे खर्च रखमाजी परीट | | | ० | |
| याजकडे सनगास मसाल्यास. | ० | ८८२८२ | ० | ० |
| किल्ले लोहगडकरी यांस अडशेरी | ०।।३८। | ० | ० | ८१।।२।। |
| किल्ले सरसगडकरी अडशेरी | ८।।। | ० | ० | ८८१ |
| तालुके बिरवाडी निसबत रामचंद्र कृष्ण लोकांस अडशेरी. | ० | ० | ।।१।। | ० |
| प्रांत राजपुरी निसबत राणोजी बलकवडे लोकांस अडशेरी. | ० | ० | ८१।।। | ० |
| दिमत हुजूर हशम अडशेरी | ० | ० | १।।३।।। | ० |
| ।।।१।। दिमत माधवराव हरी. | | | | |
| ।।।२। दिमत माधवराव नारायण. | | | | |
| १।।३।।। | | | | |
| मुदपाक खर्च | ८३ | ८३।।१ | ० | ० |
| देहनगी देणें पादरी वैद्य व बनारसी गवई | ८।।२।। | ८।२ | ० | ८८।।। |
| पोटखर्च वेठ्यांस व जागा जागांहून शाकभाजी वगैरे घेऊन आले त्यांस | ।।=।।१ | ० | ० | ० |
| दिमत पागा हुजूर | ८।१।। | ० | ० | ८८।। |
| दिमत थटी गाईम्हशींस | ० | ० | ।।=।। | ० |
| कामाठी दिमत हाय असामी ११ यांस अडशेरी. | ।।३८१। | ० | ० | ८८१।। |
| दिमत पीलखाना हत्तीण लक्ष्मी हरपनहल्ली ईस रतीब. | ० | १।२८१ | ० | ० |

A. D. 1764-65. of ( सौभाग्यवती पार्वतीबाई ) Soubhagyawati Parwatibai's visit to Pen. A feast was given at Pen to Raghoji Angria Wajarat Maha. The expenditure includes a grain allowance to a Padri ( missionary ) Doctor.

बाळाजीराम घाटे कारकून
शिलेदार यास बरहुकूम मुशाहिरा ० ० १ ०

२।४।।।·।।। १।।।·।।=।= ३।।।४।। ८२८१

तालुके पेण पंचमहाल निसबत बाबूराव कृष्ण हवालदार यांजकडून ऐनजिन्नस देविला तो सवाआठ खंडी दोन मण एक पायली निठवे कैली हु न त सु द्र (द?) बद्दल देणें पेणचे मुक्कामीं खर्च जाला तो इस्तकबील छ. २९ रमजान तागाईत छ. १७ जिल्काद. गुजारत बाबूराव कृष्ण कोलटकर.

हरभरे साडेतिशेरी मापें.
कैली खंडी.
३।४।।।८= दिमतपागा हुजूर.
चौशेरी ३८१८=
।।।·।।।=।।। दिमत उष्टरखाना
·।२।।।·।≡ निसबत जमाल मजकूर नफर ३
चौशेरी·।१।।।·।।।
·।३८=।– निसबत ताजमजकूर नफर ३
एकूण चौशेरी·।२८२८–

·।।।·।।।=।।।
·।।३।।१।।।= दिमत अली बहादर उंटास दाणा चौशेरी ·।।१।।।=।≡
८४८।· मेजवान उंटें पांडुरंग कृष्ण यांचीं वगैरे ओझ्यास आणिलीं त्यांस चौशेरी ८३।।·। एकूण.
·।४।।।१ थटी गाईम्हशींस
८१।१।। नवलोजी वागमारा खिजमतगार याचे घोड्यास बरहुकूम मुशाहिरा.

८।।१।। मेहमान खर्च देणें. त्रिंबक नारायण मेहेंदळे यांचे घोड्यास.

९।।।·।
तूप रवानगी गुजारत सावरोळकर गवळी वजन कच्चे ·।।· एकूण वजन पक्के.
८८९।।। दिमत पागा हुजूर.
८८४।।। दिमत उष्टरखाना
८८३।९ निसबत जमालमजकूर.
८८१।९ निसबत ताजमजकूर

८८४।।।
८८८।। दिमत अली बहादर उंटास
८१।।३। दिमत पीलखाना लक्ष्मी हत्तीण हरपनहल्ली ईस रतीब वगैरे.
८।।।१।। धर्मादाय देवपुजेकडे दिव्यास.
८८८ साबाजी तुकाजी चिटणीस दिमत राघोजी आंगरे यांस मेजवानी बद्दल.
८८१।।।९ देहनगी खर्च देणें पादरी वैद्य बाजार शि रा ई यांस.

८८१। मेजवान उंटें लोकांचीं आणिलीं त्यांस.
८८४॥ मुदपाक खर्च.

---

८३।८३।९

पावणे सा खंडी तीन पायली कैली, सवातीन मण सवातीन शेर आदपाव वजन पक्कें प्रांत कल्याण भिवंडी निसबत रामाजी महादेव यांणीं पाठविले, ते सदरहू प्रमाणें देविले, हु ज त सू द.

९१–( ४०१ )—मेहमान खर्च बाळाजी नाईक भिडे, सगुणाबाई यांचे बंधु, यांचे स्त्रीस रजोदर्शन प्राप्त जाहलें सबब चतुर्थ दिवशीं हळदकुंकूं नेलें त्यास रसानगी व तसलमात हरी विश्वनाथ भावे खण पैकीं १. एकूण आंख २॥

इ. स. १७६५।६६
**सितसितैन**
**मया व अलफ**
जमादिलावल २९.

९२–( ५३४ )—दंडाराजपूर येथील देशमुखीचे वतनाच्या सनदा सिदी याकूदखान यांणीं गणेश राम दातार यांजबरोबर पाठविल्या छ. ४ मोहरम सन सबासितैन. सनदा बितपशील.

इ. स. १७६७।६८
**समासितैन**
**मया व अलफ**
जमादिलाखर

१ शेख अबदुल कादीर हवालदार व कारकून प्रांत दिवें यांचे नांवें पत्र कीं, आंकेसरकारीहून बुजरुगापासून पंडित अजम बाजीराव पंडित प्रधान यांसि परगणे मजकूरची वतन देशमुखी अज कदीम इनायत असे. ते जारी असतां, दरम्यान नौदिगर सुरत ते तर्फेनें अमलांत आली. अजि सबब वतन चालवणें मोकुफ राहिलें होतें. तें जारी व्हावया बाबें पंडित अजम माधवराव बल्लाळ पंडित प्रधान यांजकडून हुजूर ( ? ) मअरूज हुजूर पोहंचला. त्यावरून इस्तकबिल सन इसन्ने सितैन देशमुखी वतन बहाल व जारी फर्मावून तुम्हांस हुकूम सादर केला जात असे; तर सुदामत वतन देशमुखी पंडित अजम प्रधान यांजकडे चालत आली असे, ते मोजीब सनद असनाद पेशीन मुकरर जाणोन हक-लवाजमे चालवीत जाणें, कोणेविशीं माने-मुजाईम ना होणें.

---

91. It is stated that Sagunabai, a lady of the Peshwa's family, was Balaji Naik Bhide's sister.
A. D. 1765-65.

92. At the request of the Peshwa the Deshmukhi watan of certain Mahals of Danda Rajapuri which belonged to the Peshwa's family, was ordered by Sidi Yakoodkhan to be continued to the Peshwa.
A. D. 1767-60.

परवानगी हुजूर, रसानगी अबदुल गफर, जबानी गोंदजी रघूजी नाईक अफराद. सद-रहू प्रमाणें पत्र.

१ शेख इसमाईल हवालदार व कारकून परगणे नांदगांव मरूड यांस पत्र वरील-प्रमाणें.

१ शेख ऐनुदीन झिमे हवालदार व कारकून परगणे श्रीवर्धन यांस वरीलप्रमाणें.

१ सैदमीर सैदअबदुल रहिमान हवालदार व कारकून तो मांडलें यांचे नांवें पत्र कीं, आंके जानतनिशान सिदी अबदुल रहिमानखान साहेबीं पंडित अजम बाजी-राव बल्लाळ प्रधान यांसि तो मजकूरचें वतन देशमुखी इनायत केली असे. ते जारी असतां दरम्यान रखने-सुरत ते तर्फेनें अमलांत आली. याजकरितां वतन चालविणें मोकूब राहिलें होतें. तें जारी व्हावयाविशीं पंडित अजम माधवराव बल्लाळ प्रधान यांज-कडून हुजूर मअरूज पोहंचला. त्यावरून इस्तकबिल सन इसन्ने सितैन देश-मुखी बहाल व जारी फर्माऊन तुम्हांस हुकूम सादर केला जात असे; तरि सुदामत वतन देशमुखी पंडित प्रधान यांजकडे चालत आली असे, तेमोजीब मुकरर जाणोन हक-लवाजिमा चालवीत जाणें. परवानगी हुजूर, रसानगी अबदुल गफर दिलावर, जबा-नी गोविंद रघूजी नाईक बोरकर, सदरहूप्रमाणें पत्र.

१ सैदमीर सैदअबदुल रहिमान हवालदार व कारकून तो मांडलें यांचे नांवें पत्र कीं, तो मजकूरचें वतन देशकुलकर्ण सरकारी अमानत होतें, तें दर अमल सिदी अबदुल रहिमानखान [साहेबीं] पंडित अजम बाजीराव बल्लाळ प्रधान यांस इनायत केलें असे. तें जारी असतां दरम्यान त्यांकडून नौदिगर सुरत अमलांत आली. आजि सबब देशकुलकर्ण चाल-वणें मोकूफ राहिलें होतें. तें बहाल व जारी व्हावया भावें पंडित अजम माधवराव बल्लाळ पंडित प्रधान यांजकडून मअरूज पोहोंचला, त्याजवरून तो मजकूरचें वतन देशकुल-कर्ण इस्तकबिल सन इसन्ने सितैन बहाल व जारी फर्माऊन तुम्हांस हुकूम सादर केला जात असे; तर साबीक सनद ना ती क बमोजीब देशकुलकर्ण मुकरर जाणोन चालत आले मामूलमोजीब हक-लवाजिमा चालवीत जाणें. परवानगी हुजूर, रसानगी अबदुल गफर, जबानी खुद्द. पत्र.

१ अबदुल गफर अबदुल अजीज हवालदार व कारकून परगणे ह्मसळें यांस पत्र कीं, आंके जानतानिशान सिदी अबदुल रहिमानखान साहेबीं पंडित अजम बाजीराव बल्लाळ प्रधान यांस परगणे मजकूरचें वतन देशमुखी इनायत केली असे. ते जारी असतां दरम्यान रखनेसुरत ते तर्फेनें अमलांत आली. याजकरितां वतन चालविणें मोकूफ राहिलें होतें तें, वगैरे वरप्रमाणें.

१ अबदुल गफर अबदुल अजीज हवालदार व कारकून ताो गोवालें यांस पत्र वरप्रमाणें.

सदरहू सनदा शामलाकडून गणेश राम दातार यांणीं जंजिऱ्याहून आणिल्या; त्या हवालीं नारो त्रिंबक देशमुख, हस्तें रामचंद्र कृष्ण भातखंडे, यांच्या केल्या असेत.

नारायण बल्लाळ यांच्या रोजकीर्दीपैकीं. लेखांक ९३ व ९४.

९३–( ९६९ )

| | |
|---|---|
| इ. स. १७६८–६९<br>तिसासितैन<br>मया व अलफ<br>मोहरम. | –विद्यमान राजश्री नारयणराव बल्लाळ इस्तकबिल छ. १८ मोहरम अवल साल तागाईत छ. मिनहू. |

९४–( ५७३ )

| | |
|---|---|
| इ. स. १७६८–६९<br>तिसासितैन<br>मया व अल्लफ<br>मोहरम ३०. | –१८७२॥= श्राद्धखर्च कैलासवासी नानासाहेबांचें श्राद्ध केलें त्यास रुपये. |

१५३॥|= छ. २० विद्यमान राजेश्री नारायणराव गुजारत रामाजी काशी वाकनीस रुपये.

१ तिलोदकांत.
१ यवोदकांत
९५ दक्षिणा.
१९ पिंडांस.

८० ब्राम्हणांस.
३० देवस्थानीं मोहरा.
१ बाळंभट
१ ——
——
२

दर १५ पंधराप्रमाणें

---

From Narayanrao Ballal's Diary.

93. It appears that from this date which was the beginning of the year 1768-69, Narayanrav Ballal ( Peshwa's younger brother ) was in charge of the Daftar at Poona.

A. D. 1768-69.

94. A sum of Rupees 1872-10 was spent for the anniversary of Nanasaheb's death (the late Peshwa) on the 20th Moharam that is 6th. (dark half) of Jeshtha of Shake 1690. (Milk was then sold at 13 seers per Rupee and butter at $1\frac{3}{4}$ seers per Rupee ).

A. D. 1768-69.

६० पितृस्थानीं
२० मुख्य स्थानीं केशव-
भट पाळंदे.
१९ नारायभट पाळंदे
१५ भिकंभट पंचनदी-
कर.

५०

८०

९९

२९ अभिश्रवणाची दक्षिणा.
२० थोर शिष्ट ब्राह्मण
वगैरे असामी ४० दर
·॥· प्रमाणें.
९ आचारी असामी १०
दर ·॥· प्रमाणें

२५

३१॥। खेरीज जिन्नस
·।· जानवी जोड एकूण
२४॥= दूध वजन पक्कें
८३ क्षीरीस
·।· विरजावयास

·।३

दर ८।३ प्रमाणें
६॥= लोणी वजन
पक्कें ८।२ दर
८१॥.

३१॥।

१५३॥।

१७१८॥= छ. २२ रोज ज्येष्ठ वद्य
षष्ठीस श्राद्ध केलें त्यास
ब्राह्मणांस दक्षिणा रुपये.
१६३३ विद्यमान रघुनाथभट कर्वे,
हुजूर पागेंत दक्षिणा वाटली.
१५३८ ब्राम्हण असामी ३०७६
दर असामीस -॥- प्र-
माणें रुपये.
९९ बायका असामी ३८०
दर असामीस टक्का १
प्रमाणें खुर्दा टक्के ३८०
दर ४ प्रमाणें रुपये.

१६३३

६२।. वाड्यांतील असामी एकूण रुपये.
५७॥ ब्राह्मण असामी.
३४ आश्रित.
३१ शागीर्द.
३८ हरकारे.
७ आचारी.
२ रक्तवान्.
३ लेखक.

११५

दर असामीस
रु. ।॥. प्रमाणें.
४॥। बायका असामी १९
दर -।- प्रमाणें रुपये.

६२।

२३॥= वाड्यांतील ब्राह्मणांस भोजन-
दक्षिणा असामी १५१० दर अस-
मीस रुके ८३ प्रमाणें. खुर्दा

टक्के ९४१६ दर ४ प्रमाणें रुपये.

१७१८।।।=

१८७२।।=

९५-( ५९३ )—तालुके धारवाड वगैरे महाल देखील किल्ले हाय येथील मामलत वेंकटराव नारायण यांजकडे होती ते, व तालुके गदक कोपल व किल्ले बंकापूर येथील मामलत चिंतो हरी व आबाजी विश्वनाथ यांजकडे होती, ते दूर करून सालमजकुरापासून सरसुभा तुम्हांकडे सांगितला असे, तरि महालनिहायचा व किल्ले हायचा बंदोबस्त यथास्थित करणें, म्हणून चिरंजीव राजश्री नारायणराव बल्लाळ यांचे नांवें सनद. रसानगी यादी.

इ० स० १७६८।६९
तिसासितैन
मया व अलफ
साबान ३.

९६-( ७०२ )—सरकारांत आठ घोड्यांचा रथ करणार यास्तव हुजुरून शिवराम गाडीवान यास अहमदनगरास पाठविला आहे. तरि सुतार, लोहार, लांकडें वगैरे साहित्य लागेल तें देऊन गाडीवान मजकूर सांगेल त्याप्रमाणें रथ तयार करवणें, म्हणोन महादाजी नारायण यांस सनद १. परवानगी रूबरू.

इ० स० १७७१।७२
इसन्नेसबैन
मया व अलफ
रजब २६.

९७-( ७२४ )—

इ० स० १७७१।७२
इसन्नेसबैन
मया व अलफ
जिल्हेज ३०.

स्वारी सौभाग्यवती रमाबाई, यात्रा श्रीहरेश्वर, इस्तकबिल छ. २२ रमजान तागाईत छ. १ जिल्काद. जमा रुपये.

---

95. Narayanrav Ballal ( Peshwa's younger brother ) was appointed Sir Soobha of Taluka Dharwar, and Taluka Gadag, Kopal and certain forts.
A. D. 1768-69.

96. Shivaram, a driver, was sent to Nagar, and the authorities of the place were directed to supply him with wood &c, and place at his disposial the services of carpenters for constructing, for the use of the Peshwa, a chariot to be drawn by 8 horses.
A. D. 1771-72.

97. Lady Ramabai ( रमाबाई ) went on a pilgrimage to Hareshwar. She was accompanied by ladies Gangabai & Rakmabai. On the way presents were received by them from the village officers, the district hereditary offiicers, from the fort and naval officers, from the son of the Habshi and others.
A. D. 1771-72.

१८३९।= तसलमांत जानोजी चव्हाण खिजमतगार लष्करांत स्वारी-समागमें ऐवज घेतला तो जमा रुपये.

१४२॥ मोहरा १० हल्लीं सिक्का पुणें दर १४।

९६।॥= होन येलोरी नाणें २९ दर ३।॥=

१०० होन धारवाडी नाणें २५ दर ४

१६०० नक्त रुपये.

१८३९।=

३९९ कमाविस भेट गुजारत जानोजी चव्हाण खिजमतगार रुपये.

२७॥ छ. २२ रमजान बदल महादाजी नारायण कमाविसदार तर्फ नगर मोहरा जयनगरी

४ छ. २३ रमजान.

१ मौजे अरणगांव.

१ मौजे भोरवाडी.

१ मौजे खुपें.

१ मौजे काहारीगांव.

---

४

५२ छ. २४ रमजान.

४५ पुतळ्या तांटें.

७ हस्तें विसाजी केशव.

९ सौभाग्यवती रमाबाई यांस

२ सौभाग्यवती गंगाबाई यांस

---

७

३ हस्तें बाजी गंगाधर.

२ सौभाग्यवती रखमाबाई ( रमाबाई? ) यांस.

१ सौभाग्यवती गंगाबाई यांस.

---

३

---

१०

वजन तोळे २।॥-।॥

दर १६ प्रमाणें

१४। छ. २७ रमजान हस्तें केशवराव कोतवाल मोहर ह व ड शिका १ पुणें

१९ छ. ४ सवाल.

१७ हस्तें जमीदार तर्फ सी महाल.

१ मौजे आवळें.

१ मौजे पाली.

---

१९

१० छ. ९ सवाल.

५ हस्तें जमीदार तर्फ पाल.

५ हस्ते जनीदार तर्फ अष्टमी.

---

१०

१२॥ छ. ६ सवाल हस्तें राघो बहिरव सुरगडकरी.

मोहर नवी औरंगाबादी १

३८ छ. सवाल हस्तें जमीदार तर्फे गोविंदराव चिमाजी माणकर. रुपये.

१० मामले तळें.

१० तर्फ निजामपूर.
७ तर्फ गोरेगांव.
९ तर्फ गोवलें.
९ तर्फ घोसाळें.
१ हस्तें पाटील मौजे वडवली, तर्फ गोवलें.

---

३८

१४ छ. ८ सवाल.
१० हस्तें खानजादा हबसी याचा पुत्र.
२ हस्तें कारकून दिमत देशमुखी.
१ हस्तें हरबाजी केशव कुळकर्णी कसबे दिवें.
१ हस्तें शिवशेट पोतदार मौजे बारली, परगणे दिवें.

---

१४

१३ छ. ११ सवाल हस्तें राघोजी आंगरे मोहर नादर शाई १
१४।. छ. १४ सवाल हस्तें कृष्णाजी धुळप मोहर हलीं सिक्का पुणें नाणें १ एकूण.
२ छ. १९ सवाल हस्तें दाद सावंत मुकासी असोपकर परगणे दिवें.
२२॥. छ. १२ सवाल हस्तें दुर्गाजी शिंदे. पुतळ्या तांटें ९ एकूण वजन तोळे १।१॥।१ दर १६ प्रमाणें रुपये.
१० छ. २४ सवाल हस्तें जमीदार परगणे पेण.
९ छ. २७ सवाल हस्तें जमीदार तर्फे वनखल, प्रांत कल्याण.

१३ छ. २९ सवाल.
१ मौजे वा (खा?) लवडें.
१२ हस्तें रामभट कर्वे करंजगांवीं स्वारी गेली तेथें लुगड्याबद्दल

---

१३

१ छ. ३० सवाल कसबे तळेगांव.
१ छ. १ जिल्कादबद्दल मौजे बाणेरे

---

३९९

१५० कमावीस मेजमानीबद्दल विठ्ठल यशवंतराव पोतनीस दिमत हुजुरात, तालुके महाडपैकीं, गुजारत जानोजी चव्हाण खिजमतगार छ. १४ सवाल.
६९ तर्फ सुवर्णदुर्ग निसबत रामाजी महादेव यांजपैकीं जमा गुजारत बाबूराव मोरेश्वर कारकून दिमत आरमार अधेल्या सुमार १३८ एकूण जाबसूद रुपये.
९० प्रांत राजपुरी निसबत गोविंदराव चिमाजी माणकरपैकीं जमा रुपये.
४० अधेल्या सुमार ८०
छ. १३ सवाल रुपये.
१० खुर्दा. रुपये.
४ प्रमाणें टक्के १५ दर ३॥
६ प्रमाणें २४ दर ४

| | |
|---|---|
| १० | ३९ |

५० छ. १९ सवाल.

---

२५२६।.

तपशील.

| | |
|---|---|
| २३८ मोहरा नाणें एकूण. | २०२३॥= नक्त रुपये. |
| ४१। प्रत नाणें ३ दर १३॥ | ७८ भेट पैकीं वाईट. |
| १७१ प्रत नाणें १२ दर १४। | ६२ इटाव. |
| १२॥ प्रत नाणें १ | १४ जरीकडा तळेगांव. |
| १३ प्रत नाणें १ | २ तांब्याचे. |
| २३८ १७ | ७८ |
| | १९४५॥= चांगले. |

६७॥ पुतळ्या तारें १९ एकूण. २०२३॥=

वजन तोळे ४८२॥१ दर १६

९६॥= होन एलोरी नाणें २९ दर ३॥= २९२६।

१०० होन धारवाडी नाणें २५ दर ४

९८-( ७४२ )—छ.

इ० स० १७७२।७३ सलाससबैन मया व अलफ रजमान १७. — मजकुरीं अवशीच्या दोन घटका रात्रींस राजश्री नारायणराव यांस प्रधानकीचीं वस्त्रें जहालीं असेत.

९९—( ७४५ )—कमाविस भेट सनगें एकूण रुपये.

इ० स० १७७२।७३ सलासैन मया व अलफ रजमान २५. — १९२१॥ राजश्री राव यांस गुजारत आपाजी भोंसला खिजमतगार सनगें. एकूण.

१८६१॥ महाराज छत्रपति स्वामी यांचे निरोपास गेले तें समयीं वस्त्रें आलीं तीं जमा सनगें एकूण रुपये.

१३९१॥ महाराज स्वामी.

| | | |
|---|---|---|
| २५० | मंदील जरी | १ |
| ६१८॥ | चादर बादली | १ |
| २१३ | झगा बादली | १ |
| २९० | किनखाप | १ |
| ६० | पटका | १ |
| १३९१॥. | | ५ |

98. On this date, Narayanrav was invested with the clothes of Peshwa-ship, about an hour after sunset.
A. D. 1772-73.

99. There is a credit of clothes worth Rupees 1921 received by the new Peshwa at the time of his farewell visit to the Raja of Satara and his Ranis.
A. D. 1772-73.

२१९ थोरले धनिणीकडील

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ३९ मंदील | १ | | | |
| १०० चादर | १ | १८६१।।।· | | |
| ९० जामेवार बादली | १ | | ६० आपाजी राम पळशीकर दिमत होळकर | |
| ३० किनखाप | ·।।· | | २५ तिवट | १ |
| | | | ३५ जाफरखानी | १ |
| २१९ | ३।। | | ६० | २ |

२५५ धाकटे धनिणीकडील

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ८० मंदील | १ | | | |
| १०० चादर | १ | १९२१।।।· | | १४ |
| ४० जामेवार जरी | १ | ० | लंग. | |
| ३९ किनखाप | ·।।· | १९२१।।।· | | १४ |
| २९९ | ३।। | | | |

१००–( ७४६ )—कमाविस भेट राजश्री राव यांस, मुहूर्तेकरून स्वारी वाड्यांत दाखल जाहली सबब, लोकांनीं नजरा केल्या तो ऐवज गुजारत जिवाजी काटकर खिजमतगार. रुपये.

इ. स. १७७२।७३
**सलाससबैन मया व अलफ**
सवाल.

२८०।। मोहरा नाणें.

१ विष्णु महादेव गद्रे.
१ बाळाजी हरी.
१ कृष्णाजी भैरव.
१ लक्ष्मण आपाजी एकबोटे.
१ नारो त्रिंबक देशमुख.
२ रघुनाथ हरी कमाविसदार परगणे जालनापूर.
१ कमलाकर भास्कर कमाविसदार शहर बऱ्हाणपूर.
१ मल्हारराव सोमवंशी.
१ आनंदराव गणपत.
१ गोपाळ महादेव.
१ भवानराव शामराव.
१ गोविंद रुजू रघुनाथ सदाशिव गद्रे.

१३
८ नांवानिशी लागत नाहीं सबब मोघम.

२१ रुपये.

100. The new Peshwa having on an auspicious day entered the palace, nazars were made to him. A list of the persons making the nazars is given.

A. D. 1772–73.

१२६ पंचमेळ ९ दर १४
६६। हल्लीं शिक्का पुणें ९ दर १३।
३७॥ प्रत. नाणें.
२ औरंगाबादी. नव्या जयनगरी.
१ गैरसाल.
३
दर १२॥ प्रमाणें.
१४॥। महमदशाई दिल्लीची. १
२२ तळेगांवीं दोन दर ११ प्रमाणें
१४ बऱ्हाणपुरी नवी. १
२८०॥ २१
१३८॥ पुतळ्या तांटें.
१ आनंदराव गोपाळ.
१ सदाशिव शामराव.
१ नांवनिशी नाहीं.
३
वजन तोळे. ·।॥·।॥ दर तोळा रुपये
१६८१
३॥। काशिनाथ नाईक थोरात

होन एलोरी १ एकूण.
९८ नक्त नांवनिशी नाहीं रुपये.
९ बाळाजी नारायण गोरे.
९ कृष्णाजी लक्ष्मण.
१० कारकून पागा दिमत महिमाजी मुंढे.
९ बापूशेट वेताळपेठकर.
२ हुसेनखान सदर बारगीर.
७१ नांवनिशी लागली नाहीं सबब मोघम.
९८
तपशील.
४९ इटावा प्रांत. १ वेलपुरी.
१० औरंगाबादी. ९ हिणाचे.
२ उखळ्ये. २ तांब्याचे.
२ कचेचे. १३ गंजीकोट.
१७ भिकडा.
१ बागलकोटी. ९८
३९९।.

१०१-( ७५० )—खतावणी इसमवार उत्तरकार्यखर्च.

इ० स० १७७२।७३ उत्तरकार्यखर्च कैलासवासी रावसाहेब.

**सलाससैबन.**
**मया व अलफ.**
रमजान.

१५५३०।= माहे रमजान
१९४२९।= छ. ४ रोज कैलासवासी. रावसाहेब यांचें उत्तरकार्यानिमित्त तेरावे दिवशीं खर्च परवानगी रूबरू

राजश्री नारायणराव साहेब.
१०१ छ. ८ रोज कैलासवासी रावसाहेब यांचे उत्तरकार्याची भूयसी दक्षिणा नव्या पागेंत वाटली, ते समयीं

101. The total cash expenses incurred on account of the obsequies of Peshwa Madhavrav, and on account of the self-immolation of his wife Ramabai, amounted to Rs. 1,58,613.
A. D. 1772-73.
Besides this amount grain, clothes, ornaments, elephants and other animals were also gifted away on the occasion. Madhavrao died on the 22nd Saban of A. D. 1772-73.

वाड्यांतील आचारी वगैरे यांस पाव-
ली नाहीं सबब देविली.

१५९३०।=

२० माहे सफर छ. २२ रोज कैलास-
वासी रावसाहेब यांसि थेऊरचे मुक्का-
मीं देवाज्ञा जहाली ते समयीं प्या-
रजी तांबोळी याणें पानें विड्याचीं
आणलीं सबब तांबोळी यास रुपये.

४२९५६ माहे रविलावल अखेर.
छ. ११ रोज उत्तरकार्य कैलासवासी
तीर्थरूप राव यांचें उत्तरकार्य केलें विद्य-
मान राजश्री नारायणराव, इस्तकबिल
छ. २२ साबान तागाईत छ. ४
रमजान. मुक्काम मौजे थेऊर, प्रांत पुणें.
१०४०५।= विद्यमान सौभाग्यवती
रमाबाई छ. २२ साबान सह-
गमन समयीं.
९९॥≡ छ. २२ साबान प्रथम
दिवशीं.
४१। दहावे दिवशीं वायनें दिलीं
यास विद्यमान सौभाग्यवती पार्वती-
बाई. वायनें १००, दर रुपये १॥
प्रमाणें (?)
२२६०४।‑ छ. २ रमजान अक-
रावे दिवशीं.
६९४८ छ. ३ रमजान बारावे दिवशीं.
२९८४॥= छ. ४ रमजान त्रयोदश
दिवशीं.
२१५॥। खरीदी जिन्नस
५७ मजूरी खर्च. रक्षा देऊन ब्राह्मण
गोंदेस नाशिकास पाठविले होते
त्यांस रोज १२ एकूण.

४२९५६

५८९१६।=

छ. २४ सवाल. तीर्थस्वरूप रावसाहेब यांचे उत्तरकार्यनिमित्त गजदान दिलें. हत्ती भवानी खुदस्वारी राजश्री दादांपैकीं नग १ सुमारी अंबारी सामाना सुद्धां १

छ. ११ रबिलावल. सौभाग्यवती रमाबाई यांणीं सहगमनसमयीं धर्मादाय वगैरे बद्दल ऐवज देविला त्याच्या यादी आहेत.

धर्मादाय —— रुपये.

६०६९० धर्मादाय
२१९९० बक्षीस.
१६७८० इनाम व देहनगी.

९९३८०

६२० धर्मादाय इनाम वगैरे.

१०००००

९७।= खर्च उत्तरकार्य राजश्री माधवराव खाजगीपैकीं.

उत्तरकार्यखर्च जामदारखान्यापैकीं.

छ. ११ माहे रविलावल अखेर मुक्काम मौजे थेऊर, तीर्थस्वरूप कैलासवासी राव यांचें उत्तरकार्य केलें, त्यास विद्यमान राजश्री नारायणराव इस्तकबिल छ. २२ साबान तागाईत छ. ४ रमजान, एकूण आंख.

छ. २२ साबान प्रथम दिवशीं विद्यमान सौभाग्यवती रमाबाई सहगमन जाते समयीं आंख ९७५।. रुपये १२४९४।।।= नग ४२६।।-

तेरीज खर्च खेरीज मुशाहिरा उत्तरकार्य.—

| | ऐन रुपये | ऐन नक्त रुपये. | किंमत. | सनगें. |
|---|---|---|---|---|
| पोतांपैकी | ५८५१६।= | ५८५१६।= | ० | ० |
| जामदारखान्यापैकीं | १२५२४।।।= | ० | १२५२४।।।= | ४२६।।- |
| झडती खाजगी पैकीं | ९७।= | ९७।= | ० | ० |
| परभारे | १००००० | १००००० | ० | ० |
| | १७११३८।।= | १५८६१३।।। | १२५२४।।।= | ४२६।।- |

| | नक्त | कापड. | सनगें |
|---|---|---|---|

ताळेबंद खर्च खेरीज मुशाहिरा उत्तरकार्यखर्च सन सलाससबैन बेरीज.

ऐन १७११३८।।= रुपये.

ऐन नक्त १५८६१३।।।.

५८५१६।।= पोतें.

९७।= खाजगी.

१००००० परभारें.

१५८६१३।।।.

किंमत १२५२४।।।=

तपशील.

१२५०३।।।= सनगें ४२८४≡ एकूण.

| | | |
|---|---|---|
| १००४ | लुगडीं | ५१ |
| १२६।।. | खण | ३३ |
| २८६।= | गजन्या | ७।।. |
| ६० | किनखाब | ।= |
| ९ | महमुदी | ।. |
| २५४।= | शेले जोड | २२।. |
| २४६९।।. | धोतर जोडे | २०९ |
| ९ | खारवे | २ |
| ३५३।। | पातळें | ३।। |
| ६७६।। | तिवटें | १७ |
| ११।। | छिटें बंदरी | ।।≡ |
| १२१४।।. | जाफरखानी | ८ |
| २८२ | पटके | |
| ४९।।= | ताबतें | १८= |
| १२९ | जाफरखानी गुलजार | १ |
| १२५० | तुंबे | ७ |
| २२८८ | शाला फर्द | १४ |
| ८६। | झगे निमे ५ दर | १७। |
| ३ | खाद्या पा।। | १ |
| १६० | तिवट चवकडी | १ |
| ३७६ | जाफरखानी चवकडी | १ |
| २२२ | गोलदार | ३।। |

२ सनगें
३४०॥। झगे
२३ तिवट कळस १

---

४२७॥।

---

१२९०३॥।=
२१ गजवार गजसंख्या २

---

१२५२४॥।=
ऐन जिन्नस.
गल्ला कैली झडती तहवेल खंडी
४८८।२॥।
सुमारी सुमारी
८८९॥=

तपशील
२३८॥= कापडी.
१२६ रेशमी.
१६ चरमी.
१३ लागडी.
६० पितळी.
३७ तांबें.
२६६ हरजिनसी.
९ लोखंडी.
१२० हत्यारें
१ काचेचा.
४ तरटी.
३ सुती.

---

८८९॥=

तोळेवार तहवेल तोळे.
१८८९।-।

हत्ती तहवेलपैकीं नग १
रुपें वजन तहवेलपैकीं तोळे
२४२३॥।=।
दागिने. ९४
गुरें तहवेलपैकीं सर ८.
वजनी वजन झग्यास ( झाड्यांस ? )
१॥।=।१॥७
वजंनी तोळेवार तोळे
३०२॥१
गजवार तहवेल गज.
४३॥ दाल.
५८१॥ सकलाद.
२॥।१॥ मखमल.

---

५१।३
जडाव तहवेलपैकीं दागिने ८.
मोकळ जवाहीर ६४६.
६०५ तहवेलपैकीं.
४१ पागानिहाय.

---

६४६
सोनें सुमारी दागिने ६.
सोनें वजन तहवेलपैकीं तोळे
७०८=
रुपें सुमार दागिने ४
घोडीं रास ५.
तपशील
३ पागानिहाय.
२ तहवेल.

---

५

१०२—( ७९८ )—अंताजी त्रिंबक कमाविसदार परगणे चांदवड, दिमत तुकोजी होळकर, यांस सनद कीं, सुमेरसिंग गाडदी हे आपलें लग्न करावयास परगणे मजकुरीं गेले आहेत, त्यांस लग्नाचें साहित्य तुम्हांकडून येणें प्रमाणें.

इ० स० १७७२–७३
सलाससबैन
मया व अलफ
मोहरम १४.

बरूडकाम व कुंभारकाम.

८५ बरूडकाम.
२९ सुपें.
९ तटये.
५० पाट्या लहान.
५ दुरड्या.
———
८९

६५ कुंभार काम
२९ घागरी.
१० माठ.
९ रांजण
२५ मडकीं लहान
———
६९

———
१९०
वैरण व पत्रावळी वगैरे
१५०० वैरण.
५०० कडबा.
१००० गवत.
———
१५००
१००० पत्रावळी.
१० लाकडें गाडे.
५०० केळीचीं पानें.
———
३०१०
बेगारी दहा असामी पांच दिवस देणें, कलम १

एकूण एकतीसशें साठ सुमारी व बेगारी दहा असामी पांच दिवस, येणेंप्रमाणें देविले असे, तरि सदरहू लिहिलेप्रमाणें पावते करणें, म्हणोन सनद १. रसानगी यादी.

१०३–( ७७० )—बदल देणें गाडदी दिमत हाय वगैरे यास जे बरहुकूम सालगुदस्त सन सलास सबैन रसानगी पत्रकें दोन—रुपये.

इ. स. १७७३।७४
अर्बासबैन
मया व अलफ
जमादिलाखर ८.

३९७६॥।= दिमत सुमेरसिंग रुपये ५९३०।—
पैकीं वजा. रुपये.

---

102. Sumersing Gardi having gone to Pargana Chandwad for his marriage, orders were issued for supplying him with fuel, grass &c.
A. D. 1772-73.

103. Gardi Sumersing was payed Rupees 3576 on account of the year A. D. 1772-73.
A. D. 1773-74.

१ सूट.
१९५२।≡ पोतांपैकीं होनांचा ऐवज
———
१९९३।≡

१०४–( ७७१ )—उत्तरकार्यखर्च कैलासवासी नारायणराव यांचें उत्तरकार्य केलें त्याजविशीं बापूभट कर्वे उपाध्ये इस्तकबिल छ. ११ जमादिलाखर तागायत छ. २३ मिनहू गुदस्त ( गुजारत ? ) रामाजी काशी वाकनीस बरहुकूम यादी रुपये.

इ. स. १७७३।७४
अर्बासबैन
मया व अलफ.
रजब ५.

१२८⁄ छ. ११ जमादिलाखर प्रथम दिवशीं
  ९८⁄ पुतळ्या ताटें एकूण तुकडे
    २ मुखांत घातले.
    ३ भूमिउल्लेखनास.
    ६ दहनसमयीं रंध्रस्थानीं ठेविले.
    ——
    ११
  पुतळ्या ताटें २ एकूण वजन तोळे ·॥·॥। दर १६⁄ प्रमाणें
  १ पदरीं बांधावयासि नक्त
  २ पानें विड्याचीं दोन रुपयांचीं.
  ——
  १२८⁄
·।≡ छ. जमादिलाखर, खरेदी मडकीं व झांकणीं मिळोन खुर्दा टके १॥।
  एकूण.
१८०·१ छ. २१ जमादिलाखर
२०७॥।≡ नारायणबळ केली त्यास.
  ११ देवता स्थापण्यास.
  ९ प्रतिमा ९ दर १ प्रमाणें दक्षणा-
  १ कलशास दक्षणा.
  ९ पिंडास दक्षणा. दर एकप्रमाणें.
  ——
  ११
२९६ श्राद्ध केलें त्यास.
  १ तिलोदकांत
  ५ सर्व अलंकारार्थ ब्राह्मणपूजनार्थ असामी ५, दर एक प्रमाणें
  १० पिंडांस दक्षणा.
  २४० ब्राह्मणांस दक्षणा
    ८० प्रेतस्थानीं नारायण जोशी न( ने ? ) वरेकर
    ४० ब्रह्मस्थानीं गंगाधर भट जोगळेकर
    ४० विष्णुस्थानीं कृष्णभट लिमये
    ४० शिवस्थानीं लक्ष्मण जोशी न ( ने ? ) वरेकर
    ४० यमस्थानीं बचंभट दातार
    ——
    २४०

---

104. Narayanrav Peshwa was murdered on the 11th Jamadilakhar The total cash expenses incurred on account of his obsequies amounted to Rs. 2,20,384.

A. D. 1773-74.

---

२५६

४०॥≡ प्रायश्चित्त कृच्छें ३ दर कृच्छ्रास मोहर नाणें १ प्रमाणें रुपये. दर १३॥– प्रमाणें रुपये.

---

३०७॥≡

१०४ दुर्मरणार्थ निमित्य ह्मसी दोन बाळंभट गोरे उरूसकर ( गौंवडी रुसकर ? ) यांस दिले त्यास रुपये

४ पूजेस व अर्घ्यास

२ ब्राह्मणास.

१ अर्घ्यास.

१ पूजेस दाक्षिणा.

---

२

२ ह्मशीस

१ अर्घ्यास

१ पूजेस दक्षणा

---

२

---

४

१०० दक्षणा.

---

१०४

१६७४८– प्रथम दिवशीं प्रायश्चिताचा संकल्प दहन समयीं केला कृच्छ्रें.

९० प्रायश्चित्त शुध्यर्थ

१५ उर्ध्वोच्छिष्टादि प्रायश्चित्त.

१५ अधिकार सिध्यर्थ

---

१२०

दर कृच्छ्रास मोहर नाणें एक प्रमाणें.　　नाणें १२०

१२८ अंतर्दशा विषम श्राद्धें आमान्यद्वारा केलीं त्यास रुपये

८ पिंडास दाक्षिणा.

१२० श्राद्धाचे ब्राह्मणांस दक्षिणा.

---

१२८

१० अवयव पिंड दिले त्यास १० दर एक प्रमाणें दक्षिणा.

१०४॥– वृषोत्सर्ग सोडिला त्यास. रुपये.

१ अग्नीस दक्षणा.

९३॥– अंगत्वें दानें दिलीं त्यास.

१० उदकुंभे तांबे तांब्यादान देणें, बाळंभट गोखले मणचेकर.

१० वस्त्रें शेले साधे ३ देणें आबा जोशी खेडकर, दक्षणा.

१५ तीळदान देणें बाळंभट गोखले मीठबावीकर, दक्षणा.

९ सुवर्णदान देणें गणेशभट अग्निहोत्री शहागडकर, सुवर्ण जव्हाहीरखाना, दक्षणा.

३६ आमान्य दानें दिलीं त्यास दक्षणा दानें ३, दर बारा प्रमाणें रुपये.

१७॥– गोप्रदान देणें खंड जोशी फुलकारी, आकार रुपये.

२ अर्घ्यास.

२ पूजेस.
१३॥ दक्षणा मोहर नाणें १

१७॥

९३॥
१० अर्घ्यास व पूजेस
१ वृष
४ वत्सतऱ्या.

५
९ अर्घ्यास दर १ एकप्रमाणें
९ पूजेस दर एकप्रमाणें

१०

१०४॥
२२२।॥≡ दहावे दिवशीं दशदानें द्यावयाचीं तीं दिलीं त्यास रुपये.
३१८= गोप्रदान देणें, कृष्णंभट गडबोले अग्निहोत्री.
२ अर्घ्यास.
१ गाईस.
१ ब्राह्मणास.

२
२ पूजेस दक्षणा.
१ गाईस.
१ ब्राह्मणास.

२
२७८= दक्षणा मोहरा नाणें २ दर १३॥ प्रमाणें.

३१८=
४०॥≡ भूमिदान देणें, गोविंदभट शिंत्रे दक्षिणा मोहरा नाणें ३ दर १३॥ प्रमाणे.
१५ तीळदान देणें, नारायणभट रामेश्वरकर, दक्षिणा.
३२८= सुवर्णदान देणें, गोविंदभट हयग्रीव.
२८८= सुवर्ण मोहरा नाणें २ दर १३॥ प्रमाणें.
९ दक्षिणा.

३२८=
१२ तूपदान देणें. रामभट अवधानी म थ ल कर, दक्षिणा.
१० वस्त्रदान देणें, शामभट द्राविड, दक्षिणा
१२ गहूंदान देणें, रामभट भागानगरकर, दक्षणा.
३० गूळदान देणें, बाजीभट पटवर्धन, दक्षिणा.
२० रुपेंदान देणें, रामभट शेवणेकर
१५ दक्षिणा
५ रुप्याबद्दल

२०
२० मीठदान देणें सदाशिवभट कुंभकोणकर दक्षिणा.

२२२।॥≡

८०४८८= दानें दिलीं त्यास रुपये.

१५०७॥ शय्यादान देणें, रामचंद्राचार्य सावनूरकर अग्निहोत्री.

२ ब्राह्मणास.
१ अर्घ्यास.
१ पूजेस.

---

२

५॥ प्रतिमेस दक्षिणा.
४॥ पुतळी ताट १ एकूण वजन तोळे ।.॥ दर १६८ प्रमाणें.
१ नक्त.

---

५॥

१५०० दक्षिणा.

---

१५०७॥

१००६॥ शिबिकादान देणें, वैजनाथभट कर्वे काशीकर, रुपये.

२ ब्राह्मण.
१ अर्घ्यास.
१ पूजेची दक्षिणा.

---

२

४॥ प्रतिमेस दक्षिणा पुतळी ताट १ वजन तोळे ।.॥१ दर १६८१ प्रमाणें.

१००० दक्षिणा.

---

१००६॥

७०४ अश्वदान देणें, कोटेश्वरशास्त्री महाराजपूरकर.

२ पूजेस दक्षिणा.
१ ब्राह्मणास.
१ अश्वास.

---

२

२ अर्घ्यासि.
१ ब्राह्मणास.
१ अश्वास.

---

२

७०० सांगता दक्षिणा.

---

७०४

३५०४ गजदान देणें, बाळशास्त्री चंदावरकर.

२ पूजेस दक्षणा.
१ ब्राह्मणास.
१ गजास.

---

२

२ अर्घ्यास.
१ ब्राह्मणास.
१ गजास.

---

२

३५०० सांगता दक्षिणा.

---

३५०४

४०४ रथ चोहो बैलांचा देणें, सुभाशास्त्री नंदपालकर.

२ ब्राह्मणास.
१ अर्घ्यास.

१ पूजेस.
—
२
२ रथास.
१ ब्राह्मणास.
१ पूजेस.
—
२
४०० दक्षिणा.

---

४०४
४४० गाडी दान दोन बैलांची देणें, बापूभट खरे रुपये.
२ ब्राह्मणास.
१ अर्घ्यास.
१ पूजेस दक्षणा.
--
२
२ गाडीस.
१ अर्घ्यास.
१ पूजेस.
--
२
४०० दक्षिणा.

---

४०४
२०२ दासीदान देणें, बाळंभट कर्वे काशीकर.
२ ब्राह्मणास.
१ अर्घ्यास.
१ पूजेस.
--
२
२०० सांगता दक्षिणा.

---

२०२
१०४ म्हैस दान देणें, गणेश भट नातू.
२ ब्राह्मणास
१ अर्घ्यास.
१ पूजेस.
--
२
२ म्हशीस.
१ अर्घ्यास.
१ पूजेस.
--
२
१०० सांगता दक्षिणा.

---

१०४
१०४ महाकपिलादान देणें, सुब्रह्मण्य सोमयाजी चितळपंतळी.
२ ब्राह्मणास.
१ अर्घ्यास.
१ पूजेस.
--
२
२ कपिलेस.
१ अर्घ्यास.
१ पूजेस.
--
२
१०० दक्षिणा.

---

१०४
१०८ वृषभदान देणें, नरसिंह

सोमयाजी चितळपंतळी, रुपये.
२ ब्राह्मणास.
१ अर्घ्यास.
१ पूजेस
—
२
२ वृषभास.
१ अर्घ्यास.
१ पूजेस.
—
२
४ वृषभाचे पुच्छास रौप्या-बद्दल.
१०० दक्षणा
—
१०८
२०१६ महीकोतिष्ट (महैकोद्दिष्ट ?) श्राद्ध केलें त्यास रुपये
१ तिलोदकांत.
१५ पिंडांस दक्षणा.
२००० ब्राम्हणांस दक्षणा.
—
२०१६
२८९ रुद्रगण वसुगण श्राद्धें आमान्य द्वारा केलीं त्यास दक्षणा रुपये.
१२० वसुगण श्राद्धास असामी ८ एकूण रुपये.
१६९ रुद्रगण श्राद्धास असामी ११ एकूण रुपये.
१४५ पद दानें दिलीं त्यास रुपये.
१३० प्रेतदानें दर दानास १३ साहित्य प्रमाणें सुमारी
१३ घोंगड्या आसनास.
१३ पायपोस जोडे.
१३ छत्र्या.
१३ आंगठ्या रामनामाच्या
१३ तांबे.
१३ तिवया लागडी १३
१३ धोत्र जोडे.
१३ ताटें कासें.
१३ आमान्ये
—
११७
१३० ब्राह्मणांस दक्षणा रुपये.
१५ कित्ता पददान देणें, रामभट कटोरो (रे ?) कर साहित्य
१ गाडीदान बलांची.
१ म्हैस.
१ गाय.
१ जिन्नस तेरा दानाप्रमाणें दक्षणा.
—
१४५
४६९८८/- उपदानें दिल्हीं त्यास दक्षणा रुपये.
१० आसन सकलादी दान देणें, वासुदेव भट गोरे, दक्षणा.
२५ अफ्तागीर दान देणें, विश्वनाथ जोशी मोरगीकर, दक्षणा.
१५ आंगठी हिऱ्याची दान देणें, गोविंदभट भायणे, दक्षणा.
२५ पंचायतन दान देणें, गणेश भट खरे, दक्षणा.
२१ काश्मिरीलिंग दान देणें, आबा दीक्षित पंचधारी.

१५ दक्षणा.
६ सफेत लिंग काश्मीरी.

---

२?

१५ बाण लिंग दान देणें, अच्युत भट तेलंग ऋग्वेदी, दक्षणा.
१९ शाळग्राम दान देणें, दिवाकर भट पुराणिक रामतीर्थकर, दक्षणा.
२१ सूर्यकांत दान देणें, गणेश भट आठवले.
२० दक्षणा.
१ सूर्यकांत.

---

२१

१९ छत्र मखमली दान देणें, गणेश भट फडके, दक्षणा.
१० गंध दान देणें, नारायण भट केळकर, दक्षणा.
१५ जटामांसी दान देणें, काशीनाथ भट द्रवीड, दक्षणा.
१५ जानवी जोड दान देणें, नारायणभट जोशी, अनगोलकर दक्षणा.
४० वस्त्रदानें दिलीं त्यास दक्षणा.
१० तिवट देणें, लिंगणभट अयाचित
१० आरक्त वस्त्रें देणें, शंकर दीक्षित कर्णवार, सनगें सुमार.
१ तिवट
१ झगा
१ शेला जाफरखानी.

---

३

दक्षणा रुपये.
१० शेला धुवट देणें, कृष्णंभट थत्ते, दक्षणा.
१० शालजोडी देणें, वासुदेवभट हर्षे, दक्षणा.

---

४०

१९ अगस्ती फुलें दान देणें, यादव भट अकनूरकर, दक्षणा.
१५ नाना प्रकारचीं फुलें दान देणें, बाळंभट पानशे, दक्षणा.
१९ तुळशी दान देणें, गोपाळभट गडबोले, दक्षणा.
१९ नवका दान देणें, नागो अवधानी द्रवीड, दक्षणा.
१० कमंडलु चंबू रुप्याचा दान देणें, त्रिंबकभट अयाचित, दक्षणा.
१५ चंदन दान देणें, फुलंभट द्रवीड, दक्षणा.
१५ सुंगधद्रव्यें दान देणें, विष्णुभट शंकरगंधपाणी, ( शारंगपाणी ? )
द्रव्यें
१ जटामांसी.
१ कस्तुरी.
१ चंदन.
१ कापूर.
१ केशर.

---

५

दक्षणा रुपये.
१० कुडक्यांची जोडी दान देणें, बाळंभट उपाध्ये, मुरूडकर.

१९ पादुका खडावा जोड दान देणें, भिकंभट भातखंडे.

२० पायपोस जोडा दान देणें, नारायणभट चितळे, दक्षणा.

१० उदकुंभ घागर तांबे दान देणें, कृष्णंभट करंदीकर.

१५ वेळूची काठी दंड दान देणें, नारायणभट नांदेडकर.

१५ शेगडी रुप्याची दान देणें, बाळंभट महाजनी, दक्षणा.

१० दीपिका समई रुपें दान देणें, धोंडभट दामले, दक्षणा.

१९ दीपदान लांबणदिवा दान देणें, कृष्णभट देवधर, दक्षणा.

२० लोहदंड दान देणें, कृष्णंभट वैद्य शेडाणीकर, दक्षणा.

६५ आयुधें दानास दक्षणा.

२० तरवार देणें, मनभट गोखले.

१९ तीरकमटा देणें, परशरामभट दातार.

२० ढाल दान देणें, बाजीभट लिमये.

१० कटार दान देणें, कृष्णंभट द्रवीड.

---

६९

१९ रुद्राक्षमाला दान देणें, काशीनाथ भट खरे, दक्षणा.

१९ पायसान्न क्षीर दान देणें, कृष्णंभट बिवलकर, दक्षणा,

१० सिद्धान्नस्थाली भात भरून देणें, कृष्णंभट भांडारी, दक्षणा.

१५ अपूपादि पक्वान्नें दान देणें, सदाशिवभट खेडकर, दक्षणा.

१९ कृसरान्न तिळांची खिचडी दान देणें, कृष्णंभट गोरे, दक्षणा.

१५ मांडे दान देणें, कामेश्वरभट तेलंग, दक्षणा.

३२० पुस्तकें.

२० पंचरत्नाची पोथी देणें, बाळंभट फणसे काशीकर, दक्षणा.

३०० भागवताचें पुस्तक देणें, गोविंदभट वैशंपायन, दक्षणा,

---

३२०

१९ दूध दान देणें, लिंग व ( ण ? ) भट सुसाल, दक्षणा.

२० तूपदान देणें, कृष्णंभट केळकर, दक्षणा.

१९ लोणी दान देणें, जनार्दनभट वैद्य, दक्षणा.

१५ चामर दांडी रुप्याची सुद्धां देणें, व्यंकणभट तेलंग, दक्षणा.

१५ कस्तुरीदान देणें, कृष्णभट पित्रे, दक्षणा.

२० शंखदान देणें, मीनाक्षीभट तेलंग.

१९ गोपीचंदनदान देणें, बाळंभट साठे नेवरेकर, दक्षणा.

२० सुगंधतेल दान देणें, बाळकृष्णभट शेंबेकर, दक्षणा.

१५ साळीदान देणें, बाबूभट परांजपे, दक्षणा.

१९ यवदान देणें, शंकरभट तेलंग, दक्षणा.

२० उडीददान देणें, नरसीभट तेलंग, मुडिवरू दक्षणा

१९ तांदूळदान देणें, वेंकणभट तनगूळ, दक्षणा.

१९ मूगदान देणें, राजेश्वरभट बालेपत्री, दक्षणा.

२० हरभरे दान देणें, वेंकणभट तेलंग कर्णवरू, दक्षणा.

२० कुळीथदान देणें, लिंगणभट तेलंग दिलिवरू, दक्षणा.

१९ साखरदान देणें, रामभट अभ्यंकर, दक्षणा.

२० खडीसाखर दान देणें, रामभट धामणगांवकर, दक्षणा.

२० गूळदान देणें, कृष्ण जोशी कुतवडेकर, दक्षणा.

२० ऊंसदान देणें, धोंडभट मोडक, दक्षणा.

२० मधदान देणें, हरभट परांजपे, दक्षणा.

१९। सुवर्णदान देणें, शंकर जोशी गांठणकर रुपये.

१४। सुवर्ण मोहर नाणें.

५ दक्षणा

---

१९।

३० काष्टें दान देणें, सुभाभट तेलंग, दक्षणा.

४२।।। भूमिदान बाजीभट बापये यांस दक्षणा, मोहर नाणें ३, दर १४। प्रमाणें रुपये.

२० त्रिशूल रुप्याचा दान देणें, विनायकभट वोगले, दक्षणा.

१० फलें नाना प्रकारचीं पिकलीं दान देणें, नारायणभट धारप, दक्षणा.

१० पोवळयाची माळ दान देणें, आनंदभट लेले, दक्षणा.

१५ जिरेंदान देणें, वासुदेवभट म्हसकर, दक्षणा.

२० हरिद्रा हळद दान देणें, नारायणभवाडीकर

१९।। कूष्मांडदान देणें, कोनेरभट, दक्षणा.

४।। सुवर्ण पुतळी

ताट १ वजन तोळे ।।। दर १६८ प्रमाणें

१९ दक्षणा

---

१९।।

५० कृष्णाजिन दान देणें, चिंतामणभट अवळसकर, दक्षणा.

१९ अत्तरदान देणें, रघुनाथभट गोरे, दक्षणा.

२० कंबळदान देणें, नारायणभट तेलंग, दक्षणा.

१९ व्यजनदान पंखा वाळयाचा देणें, सदाशिवभट पटवर्धन, दक्षणा.

१९ वाळादान देणें, शंकर जोशी अडिवरेकर, दक्षणा.

१० भोजनपात्र ताट रुपें भरून सोपस्कर देणें, विश्वनाथभट साधले, दक्षणा.

१० तांबूल रुप्याचें पानदान देणें, हरभट दांडेकर यांस दक्षणा.

१४॥– तिळपात्रदान देणें पांडुरंगभट केळकर रुपये.

१० दक्षणा

४॥– तिळपात्रांत पुतळी ताट तोळे ।·। १ दर १६८–

१४॥–

३००० घरदान देणें, महादेवभट काळे नाशिककर.

२०० दक्षणा

२००० घर बांधावयास.

८०० एक वर्षाची संवत्सराची बेगमी.

१९ आरसादान देणें, शिवरामभट महावर्त, दक्षणा.

१९ कापूरदान देणें, बाबदेवभट काळे, दक्षणा.

२० तांबूल झोळणा दान देणें, त्रिंबक भट पाटणकर खेडकर. दक्षणा.

४६९८८–

२६७॥– गोप्रदानें दिलीं त्यास दक्षणा.

१०४ वैतरणीदान देणें, दिनकर जोशी व्यवहारे पुणेंकर, रुपये.

२ अर्घ्यास

१ ब्राह्मणास

१ गाईस

—

२

२ पूजेची दक्षणा.

१ ब्राम्हणास

१ गाईस

—

२

१०० सांगता दक्षणा

१०४

३४ पादधेनु देणें, अपाभट दामले, रुपये.

२ अर्घ्यास

१ ब्राम्हणास

१ गाईस

—

२

२ पुजेची दक्षणा

१ ब्राह्मणास

१ गाईस

—

२

३० दक्षणा.

३४

१७॥– पापक्षयार्थ देणें, रामचंद्रभट बापट.

२ अर्घ्यास

१ ब्राम्हणास.

१ गाईस.

—

२

२ पूजेस

१ ब्राम्हणास

१ गाईस.

—

२

३० दक्षणा.

३४

३४ उत्क्रांत धेनु देणें, महादेव भट द्रवीड, रुपये.

२ अर्घ्यास.

१ ब्राह्मणास.

१ गाईस.

२

२ पूजेस दक्षणा.

१ ब्राह्मणास.

१ गाईस.

२

३० दक्षणा.

३४

२९७॥-

१८००१

१७१४॥।= छ. २२ जमादिलाखर.

बारावे दिवशीं————रुपये.

२८८ आद्य मासिकादि मासिक श्राद्धं सपिंडी अधिकारार्थ आमान्य ( न्न ) द्वारा केलीं त्यास रुपये.

१८ पिंडास दक्षणा.

२७० ब्राह्मणांस दक्षणा असामी १८ दर १५ प्रमाणें

८४८॥।= सपिंडी श्राद्ध केलें त्यास.

१ तिलोदकांत यवोदकांत हिरण्य.

१०२ पिंडास.

१०० रुपये दक्षणा.

२ मोक्षधेनु गोप्रदानास.

पूजेस अर्घ्यास गाईस.

१०२

६८९॥।= ब्राम्हणांस दक्षणा रुपये.

१८९॥।= देवस्थानीं असामी २

एक मोहरा नाणें.

७ गणेशभट फडके शृंगेरीकर.

७ रामभट देवधर.

१४

दर १३॥` प्रमाणें.

९०० पितृस्थानीं असामी ४

२०० प्रेतस्थानीं रामभट महादेव खेडकर.

१०० नारायण भट जोशी.

१०० बापू जोशी वेतवडीकर.

१०० महादेव जोशी पावसकर.

९००

६८९॥।=

५६ भूयसी दक्षणा असामी ५६, दर १ प्रमाणें, लक्ष्मणभट कर्वे उपाध्ये.

८४८॥।=

७८ पंथाश्राद्ध आमान्नद्वारा केलें त्यास रुपये.

१ तिलोदकांत.

( १ यवोदकांत. )

१ पिंडास दक्षणा.

७५ श्राद्धाचे ब्राह्मणांस दक्षणा, रुपये.

१५ देवस्थानी धोंडभट भिडे
६० पितृस्थानीं
१५ नरसिंहभट तेलंग.
१५ महादेवभट बापट.
१५ वीरेश्वरभट वेसगलकर.
१५ त्रिंबकभट सप्तगोदावरी.

६०

७५

७८

५०० क्रिया सांगत होते त्यास वगैरे ब्राह्मणांस दक्षणा———रुपये.
१०० गोपाळभट गाडगीळ दर्भ देत होते त्यांस.
२०० त्रिंबकभट मेहेंदळे सांगत होते त्यांस.
२०० नारायण दीक्षित मालवणकर.

५००

१७१४॥=
२२५०।≡ छ. २३ जमादिलाखर. तेरावे दिवशीं पुण्यहवाचन केलें त्यास.
॥ गणपती पूजनास.
३ कलशास कलश ३ एकूण.
१॥ कलशांत दर ॥ प्रमाणें.
१॥ दक्षणा दर ॥ प्रमाणें

३

१० शिवा आपःसन्तु, असामी १०, दर एक प्रमाणें.
६३ भूयसी दक्षणा, असामी ६३, एक प्रमाणें.
॥ अमृतेश्वरास दर्शनास गेले त्यास देवापुढें.
२१९८=  लक्ष होम केला त्यास बाळंभट कर्वे वसईकर.
५ प्रतिमांस दक्षणा. देवता,
९ नवग्रह प्रतिमा
१ गरुड प्रतिमा.

१०

दर ॥ प्रमाणें.
२ पीठींचे कलशांस कलश २
१ हिरण्य कलशांत दर ॥
१ दक्षणा ॥ प्रमाणें.

२

॥ मंडलदेवतांस दक्षणा.
॥ अग्नीस.
८= बळिदान केलें त्यास बळीस दक्षणा.
२९० ब्राह्मणांस दक्षणा.
५० मुख्य असामीस.
१२ पीठीं जपास दर ४ प्रमाणें असामी ३.
२८ शांतिसूक्त जपास.
२०० होमास ब्राह्मण असामी ५०, दर ४ प्रमाणें रुपये.

२९०

२९८८=

१६१॥। वास्तुशांत वाड्याची केली त्यास, रघुनाथभट कर्वे, रुपये.
२ कलश २ एकूण.
१ कलशांत हिरण्य दर ·॥·
१ दक्षणा दर ·॥· प्रमाणें

२

१ प्रतिमेस दक्षणा.
-॥- बळीस दक्षणा.
१ अग्नीस दक्षणा.
१ वास्तुपुरुष निक्षेपण केले तेथें ठेविला हिरण्यब॥
१३८ ( ९८ ? ) ब्राह्मणांस दक्षणा रुपये.
९० मुख्य असामीस.
८ पीठीं जपास असामी २ दर ४ प्रमाणें.
४० शांतिसूक्त जपास असामी १०, दर ४ प्रमाणें.
१८। गोप्रदान गाय वाड्यांत फिरवून दान दिली त्यास देणें, गोविंदभट सोवनी, रुपये.
४ नक्त रुपये.
२ ब्राह्मणास.
१ अध्र्यास.
१ पूजेस.

२

२ गाईस.
१ अध्र्यास.
१ पूजेस.

२

४

१४। मोहर दक्षणा नाणें १

१८।

१६१॥। ( १२१॥ ? )
७०० उपाध्ये यांस. रुपये.
३०० बापूभट कर्वे यांनीं क्रिया केली त्यांस.
४०० समस्त उपाध्ये यांस.

७००

२६९॥- मासिकनिवृत्ती केली त्यास रुपये.
२ तिलोदकांत यवोदकांत
१७ सर्व अलंकारार्थ, असामी १७.
१३ पिंडांस दक्षणा.
२३७॥- श्राद्धाचे ब्राह्मणांस दक्षणा.
१३॥- देवस्थानी महादेवभट गाडगीळ सायगांवकर मोहर नाणें १ प्रमाणें.
२२४ पितृस्थानीं.

२३७॥-

२६९॥-

७४४ वर्षाचीं दीपदानें व उदकुंभ ब्राह्मणांस दिल्हे त्यास रुपये.
३७२ दीपदानें समया वर्षाचे रोज.
३९५ बारा महिने.
२९ आधिक मासाचे.

३८४
पैकीं रद्द रोज १२ बरहुकूम असामी ३७२ दर एक प्रमाणें दक्षणा.

३७२ उदकुंभ तांबे अधिकमास सुद्धां ऐन रोज ३७२ एकूण असामी ३७२ दर एक प्रमाणें दक्षणा.

-------

७४४

----------

२२१०।≡

८३।। खेरीज जिन्नस.

७२।।= खेरीज पायपोस जोडे.

५७ श्राद्धाचे ब्राह्मणांस

५ नारायणबळीस

८ अंतर्दशाह श्राद्धास

६ सापिंडी श्राद्धास

१९ रुद्रगण श्राद्धास.

१८ आद्य मासिक श्राद्धास

१ एकोद्दिष्टास.

---

५७

३८ पिंडांस.

८ अंतर्दशाह

१० अवयव

१ सपिंडी.

१८ आद्यमासिकादि सपिंडी अधिकारार्थ

१ मही ( है )कोति-( द्दि ? ) ष्ट.

---

३८

१४ पददानांस

१२ दानांस.

| कित्ता | कित्ता |
|---|---|
| १ शय्या. | १ दासी. |
| १ शिबिका. | १ वृषभ. |
| १ रथ. | १ उपाहन (नह?) |
| १ गाडी. | १ गज. |
| २ म्हैसी. | १ अश्व. |
| | १ महाकापिला. |
| --- | --- |
| ६ | ६ |

१ वैतरणी गोप्रदानाचे ब्राह्मणांस.

---

१२२

५०।।=प्रत ८१ दर ·।।= प्रमाणें.

३ प्रत ४ दर -।।।.

१६ प्रत ३२ दर ·।।.

३ प्रत ५ एकूण

---

७२।।=

१।।।= जानवी जोडे २२ एकूण

५ खरेदी मिठाई वजन ८।. दर ८८२ प्रमाणें.

४ अडाकित्ते.

१ शय्यादानास.

१ तांबूलपर्णदानास.

१ झोळणा दानास.

---

३

किंमत खंडित रुपये.

---

८३।।

२२।। मजुरी खर्च रामकुंडांत नासिकास पुण्याहून राख टाकावयास पाठविले त्यांजबरोबर ब्राह्मण

रोजमुरेकरी दिल्हे त्यांस इस्त-
कबील छ. १४ जमादिलाखर
तागाईत छ. २४ मिनहू रोज
११ एकूण रुपये.
१६॥ मजूरकर रोज दर असामीस
॥ प्रमाणें.
५॥ जगन्नाथ देशस्त
५॥ आपा अवधान्या
५॥ गणेश वेव्हान्या.

१६॥ ३
६ पोटास भोजनखर्च
असामी ३ एकूण अकरा
रोज दर असामीस रुपये
२ प्रमाणें.

२२॥

२२०८४॥।-

तपशील.
२१११॥ मोहरा नाणें
९२ प्रत नाणे ४ दर १३
९७६॥ प्रत नाणें ७२ दर १३॥-
१०८३ प्रत ७६ दर १४।
प्रमाणें

२१११॥ १९२
२७।- पुतळ्या तांटें ६ ए-
कूण वजन तोळे
१॥२।
दर १६८- प्रमाणें.
१९९४६ नक्त.

२२०८४॥।-

# राजकीय.

## ( ब ) इतर माहिती.

### २ पेशवे.

### ( ब ) राघोबा दादा.

१०५—( १२९ )—
इ. स. १७६३।६४.
अर्बा सितैन मया व अलफ.
रविलाखर २७.

तीर्थरूप राजेश्री दादासाहेब यांजकडे खाजगी खर्चास महाल धर्मादाव व दुमाले व इनाम गांव व जमीनी वजा करून हाल वसूल बेरजा अजमासें रुपये.

# POLITICAL MATTERS.

## ( b ) MATTERS RELATING TO

### 2. The Peshwa.

### ( b ) Raghoba Dada.

105. The following territory worth Rs 5,63,200 was assigned to Dadasaheb ( Raghunathrav, Peshwa's uncle ) for his private expenses, and Chinto Vithal was appointed Sir

A. D. 1763-64.

३०५००० गोदातीर.

| | |
|---|---|
| ३५००० | परगणे नासिक. |
| ५०००० | परगणे वण दिंडोरी. |
| ४०००० | परगणे सिन्नर. |
| ३०००० | परगणे कुंभारी. |
| २५००० | परगणे त्रिंबक. |
| २५००० | संवत्सर कोकमठाण कचेश्वर वगैरे. |
| १००००० | प्रांत बागलाण. |
| ३०५००० | |

२३०००० नर्मदातीरीं.

| | |
|---|---|
| १२०००० | सरकार हंडे. |
| १०००० | परगणे कान्हापूर. |
| १००००० | परगणे खांडवे. |
| २३०००० | |

२८२०० भीमातीरीं.

| | |
|---|---|
| १२००० | कसबे खेड |
| ९००० | कडूस. |
| १२०० | मौजे अपटी फरवाल तुळापुराजळ. |
| ३००० | मौजे पारगद सालोमालाचे. |
| ७००० | कसबे केंदूर. |
| २८२०० | |

५६३२००

येणें प्रमाणें पांच लक्ष त्रेसष्ट हजार दोनशें सदरहू महालची बेरीज अजमासें देखील किल्ले त्रिंबक येथील कबज व खाजगी खर्च मिळोन दिल्हे असेत. सदरहू महालचा सरसुभा चिंतो विठ्ठल यांस सांगितला असे. येणें प्रमाणें करार. रसानगी यादी खास दस्तुर राजेश्री रावसाहेब.

Soobhedar of the territory:—

| | |
|---|---|
| Rs. 305000 | On the banks of the Godavari, Parganas Nasik, Dindori, Sinnar, Baglan &c. |
| 230000 | On the Banks of the Narbada, Parganas Khanapur, Khandwe, and Sirkar Handa. |
| 28200 | On the banks of the Bhima, the village of Khed, Kadus &c. |

दादासाहेबांच्या रोजकीर्दीपैकीं, लेखांक १०६ व १०७.

१०६–( २३५ )–
इ. स. १७६४।६५
खमज सितैन
मया व अलफ
सफर १७.

छ. मजकुरीं बुधवारचे रात्रीस उजाडण्यापूर्वीं गुरुवारीं पुत्र जाहला.

१०७–( २३६ )–
इ. स. १७६४।६५.
खमस सितैन
मया व अलफ
सफर २२.

कमाविस नजर जमा, सबब कीं सौभाग्यवती आनंदीबाईस पुत्र जाहला सबब लोकांनीं नजरा केल्या, त्या जमा बरहुकूम यादी.

| | नक्त रुपये. | मोहरा. | पुतळी. | होन. |
|---|---|---|---|---|
| बाळाजी बापूराव | ० | १ | ० | ० |
| बाळाजी परशराम | २ | ० | ० | ० |
| राजाराम गोविंद | ० | १ | ० | ० |
| बक्तवारसिंग चौकीदार | २ | ० | ० | ० |
| त्र्यंबक खंडेराव | ० | १ | ० | ० |
| धोंडो महादेव निसबत | | | | |
| नारो बाबाजी | ५ | ० | ० | ० |
| बाळाजी वामन दामले | ५ | ० | ० | ० |
| रामचंद्र नरसी तुळपुळे | ० | ० | १ | ० |
| गोविंद लक्ष्मण | २ | ० | ० | ० |
| महिपतराव लक्ष्मण पानसी | ५ | ० | ० | ० |
| गोविंद विठल जोशी | ० | ० | १ | ० |
| आबाजी महादेव सोहनी | ५ | ० | ० | ० |

From Dadasaheb's Diary—papers 106 & 107.

106. A son was born to Dada on this date--the 5th day of the bright half of Shravan, Thursday, at Chawadas in Pargana Nasik.
A. D. 1764–65.

107. In this day's account, there is a credit of Mohors, Putalis Hons and Rupees, worth in all Rupees 921, received as a present on account of the birth of a son to Anandibai. This includes 2 Mohors received from Balaji Janardan Fadnis on the 17th of Safar. Rupees 256 were spent on ceremonies performed in honour of the birth.
A. D. 1764–65.

| | रु. | मो. | पु. | हो. |
|---|---|---|---|---|
| जयवंतराव यशवंत पानसी | ५ | ० | ० | ० |
| नारो बालसिंग मोल्हेरकर | २ | ० | ० | ० |
| अंताजीपंत दिमत नारो शंकर | २ | २ | ० | ० |
| लाला मानसिंग मुनसी | २ | ० | ० | ० |
| महिपतराव जगन्नाथ कमाविसदार | ० | २ | ० | ० |
| बाबूराव देशमुख नाशिक | १ | ० | ० | ० |
| भगवंतराव देशमुख | १ | ० | ० | ० |
| रामचंद्र विठ्ठल चिटणीस | ५ | ० | ० | ० |
| देवजी देशपांडे नाशिक | १ | ० | ० | ० |
| खंडोपंत देशपांडे नाशिक | १ | ० | ० | ० |
| बाबूराव देशपांडे नाशिक | १ | ० | ० | ० |
| काजी नाशिककर | २ | ० | ० | ० |
| शेख्याजी ऐतोळे | ० | १ | ० | ० |
| बाळशेट सोनार | १ | ० | ० | ० |
| मलुजी गाईकवाड सरनौबद, किल्ले अशर | २ | ० | ० | ० |
| चिंतो अनंत सातारकर | ३० | ० | ० | ० |
| गोविंद नारायण पोतसीस | ५ | ० | ० | ० |
| कारकून निसबत शिवाजी बल्लाळ | ५ | ० | ० | ० |
| लक्ष्मण हरी दिमत खासबारदार | २ | ० | ० | ० |
| अंताजीपंत दिमत लक्ष्मण कोन्हेरे | ० | २ | ० | ० |
| परसाद चौकीदार | २ | ० | ० | ० |
| कारकून दिमत मुरार गुंडाजी | २ | ० | ० | ० |
| मदन सिंग सिगदे | २ | ० | ० | ० |
| सुमेरसिंग गाडदी | १ | १ | ० | ० |
| उत्तमसिंग चौकीदार | २ | ० | ० | ० |
| कुसाजी पाटील खातरकर | ५ | ० | ० | ० |
| रामचंद्र नरसी घोरपडे | ० | १ | ० | ० |
| काईम व अ ज मे री द त्रा सी, दिमत उष्टर खाना | २ | ० | ० | ० |
| त्रिंबकराव विश्वनाथ | ० | १ | ० | ० |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| विश्वासराव त्रिंबक | ० | १ | ० | ० |
| मोरो माधवराव | ० | १ | ० | ० |
| गोविंद शिवराम | ० | १ | ० | ० |
| बाळाजी जनार्दन फडणीस | ० | २ | ० | ० |
| गुणाजी भैरव जासूदार | ६ | ० | ० | ० |
| माधवराव शिवदेव | ० | १ | ० | ० |
| लक्ष्मण आपाजी फरासखाना | ५ | ० | ० | ० |
| लेकराजी शिंदे खासबारदार | २ | ० | ० | ० |
| मयाराम जमातदार | २ | ० | ० | ० |
| हरी सयाजी कारकून शिलेदार | २ | ० | ० | ० |
| गोविंदराव मोरेश्वर गोळे | ० | ० | २ | ० |
| रघुनाथ हरी दिमत कवडे | ० | २ | ० | ० |
| गणपतराव हिंगणे | ० | १ | ० | ० |
| गंगाधर गोविंद बुंधेले | ० | १ | ० | ० |
| गोपाळ संभाजी | ० | १ | ० | ० |
| कृष्णाजी अनंत तांबे | ५ | ० | ० | ० |
| मोरो शंकर खांडेकर | ५ | ० | ० | ० |
| बाबूराव नरसी बुंधेले | ५ | ० | ० | ० |
| देवराव महादेव हिंगणे | ० | २ | ० | ० |
| गणपतराव हिंगणे ह्यांचा भाचा विश्वासराव. | १ | ० | ० | ० |
| सदाशिव रघुनाथ घाणेकर | ० | ० | ६ | ० |
| अंताजी नारायण शागीर्दपेशा | ० | ० | १ | ० |
| माधवराव विश्वनाथ | ० | १ | ० | ० |
| दरवेश महमद अरब | ६ | ० | ० | ० |
| कृष्णाजी जिवाजी सरसुभा | १६ | ० | ० | ० |
| नारो कृष्ण बरवे | ० | १ | ० | ० |
| त्रिंबक गणेश भट | ६ | ० | ० | ० |
| गोविंद हरी कमाविसदार बागलाण | ० | १ | ० | ० |
| विष्णु महादेव पद्ये | ० | ० | ० | ० |
| विश्वेश्वर दीक्षित मनोहर | ० | ० | १ | ० |

तारिख १८ सफर.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| बाबूराव दीक्षित मजमदार | ० | १ | ० | ० |
| त्रिंबक नाईक कमाविसदार परगणे कुंभारी | ० | १ | ० | ० |
| शिदप्पा शेट्या बाजार | ० | १ | ० | ० |
| त्रिंबकराव जोशी | ९ | ० | ० | ० |
| गोविंदपंत हिंमत पिराजी नाईक निंबाळकर | ० | १ | ० | ० |
| नरसिंगराव विठ्ठल | ० | २ | ० | ० |
| परिखान जमातदार | ० | १ | ० | ० |
| भिकनखान जमातदार | ० | १ | ० | ० |
| त्रिंबक विनायक | ० | ० | १ | ० |
| राघो शंकर वकील | २ | ० | ० | ० |
| सदाशिवपंत निंबगीरकर | २ | ० | ० | ० |
| सदाशिवभट दाते | ० | ० | १ | ० |
| अवधूतराव रघुनाथ | ० | २ | ० | ० |
| बाजी परशराम रुजू जिवाजी नरहरी | ९ | ० | ० | ० |

छ. १९ सफर.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| मिश्र वैद्य दिल्लीकर | १ | ० | ० | ० |
| यादवराव रघुनाथ कमाविसदार वण दिंडोरी | ० | १ | ० | ० |
| कुकाजी शिवराम | ० | ० | ० | १ |
| | १८२ | ४० | १३ | १ |
| अपाजी हरी तालुके धोडप | ० | १ | ० | ० |
| मोघम, नांवनिशी लागली नाहीं. | ६५ | ० | ० | ० |
| | २४७ | ४१ | १३ | १ |

एकूण रुपये.

९१९ मोहरा, नाणें ४?, दर १५

६२।- पुतळ्या तांटें सुमार १२, एकूण वजन तोळे
३॥- दर १७

३।= होन धारवाडी १ दर ३।=

२४? नक्त २४७ पैकीं वजा
५ हिणाचे.
१ शिशाचे.
---
६

बाकीचे रुपये
८ वागड कोटी.
२३३ ऐन नक्त अरकाट गंजी कोट

---

२४१

---

९२१॥≡

२६९॥ धर्मादाव सौभाग्यवती आमंदीबाईस पुत्र जहाला, सबब पुत्रावण केलें त्यास खर्च.

*बाळाजी जनार्दन यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.*

१०८—( २३८ ) पुत्र उत्साह खर्च-राजश्री दादांस पुत्र जाहला सबब. पुण्यांत साखरा वांटिल्या, त्याबरावर बाजंत्री व कर्णेकरी होते त्यांस रुपये.

इ० स० १७६४।६५. खमस सितैन मया व अलफ सफर.

इनाम.

१२. छ. २२ रोज बाजंत्री ताफे १२ यांस, रसानगी त्रिंबक हरी कारकून दिमत वाकनीस. दर १.

---

From Balaji Janardan's Diary,

108. Rupees 15 are debited as paid to musicians employed on the occasion of distributing sugar in Poona in honour of the birth of a son to Dada and Rupees 5 to Mahars in honour of the same event.

A. D. 1764-65

३. छ. २९ रोज कर्णेकरी असामी १२, दर ।-। प्रमाणें, रसानगी त्रिंवक हरी कारकून.

१५

इनाम खर्च.

५. छ. २१ रोज देणें महार कसबे पुणे यांस राजश्री दादांस पुत्र झाला, सबब गुढ्या घेऊन आले त्यांस इनाम.

*दादासाहेबांच्या रोजकीर्दीपैकीं. लेखांक १०९-११२*

-१०९( २०९ )—केसो गोविंद याचे नांवें सनद कीं, रुप्याचा देव्हारा साधा सरकारांत करावा लागतो, तरि तुम्ही दहा हजार रुपयांत देव्हारा साधा तयार करून मुस्तेद उत्तम करवणें. ऐवज तुम्हांस नेमणूक करून बेहडा करून दिला आहे, त्याऐवजीं सदरहू दहा हजार रुपये देव्हारियास खर्च करून तयार करणें; लाकडी देव्हारा लहान बाबू भागवत यांजकडे आहे, त्या मासल्याप्रमाणें सदरहू दहा हजार रुपयांचें रुपें गाळून चांगले चांदीचें रुपें करून साधा देव्हारा लौकर मासला पाहून त्याप्रमाणें तयार करणें. देवाचें तीर्थ पाहिजे त्यास दहा कावडी भरून तीर्थ लष्करास रवाना करणें; कावड्यास अधिक उणा खर्च पडला तरी कबूल करून तीर्थ पाठवून देणें. तीर्थ घालावयास काशीच्या उदकाच्या कुप्या रिकाम्या असतील त्यांत भरून पाठवून देणें, कुप्या रिकाम्या नसल्या तरि दुसऱ्या कुप्या खरेदी करून पत्र पावतांच कावड्यांची तरतूद करून तीर्थ कुप्यांत भरून पाठवून देणें, विलंब न लावणें. वेलाच्या झाडाची वगैरे तरतुदेविशीं अलाहिदा पत्र सादर केलें आहे. त्याप्रमाणें कामाची तरतूद करून सदरहू कामास दोन हजार रुपये पर्यंत तुम्हीं खर्च करणें; हिशेबीं मजुरा पडतील. तुम्हांस बेहडा नेमणूक करून दिली आहे, त्या ऐवजीं सदरहू ऐवज खर्च करणें, म्हणोन. सनद १.

इ० स० १७६४।६५ खमस सितैन मया व अलफ साबान.

-११०( ३१६ )— केसो गोविंद यांचे नांवें सनद कीं, खासा स्वारीचा मुकाम पर्जन्यकाळीं चावंडसेस होणार आहे, त्यास खासीं घोडीं मोठीं रहाण्याकरितां छपरें पाहिजेत. तरि शंभर घोडीं मोठीं रहात इतकीं छपरें घालणें. निपाण जागा सालगुदस्तां कुकाजी शिवराम व तोफखाना होता, त्या जागियावर छपरें लिहिल्याप्रमाणें घालून

इ० स० १७६४।६५. खमस सितैन मया व अलफ सवाल १.

---

From Dadasaheb's Diary, Papers 109-112.

109. Keso Govind was directed to get a silver stand for idols at a cost of Rs. 10,000 & to send sacred water to camp.
A. D. 1764-65

110. Raghoba Dada wished to encamp at Chawdas during the monsoon, and orders were issued for the construction of sheds for 100 horses.
A. D. 1764-65

जागा तयार करून ठेवणें. छपरास ऐवज जो लागेल तो तुम्हांकडे तसलमातीस ऐवज येणें त्यापैकीं सदरहू ऐवज खर्च करणें, म्हणोन सनद. १

१११-( ४०९ )—जामदारखान्यापैकीं खासगत खर्च सौभाग्यवती आनंदीबाई-कडील कलमदानास रुमाल जुना आहे, त्याप्रमाणें नवा वेतून गुजारत नागू सिंपी, सनगें एकूण. आंख.

इ० स० १७६५।६६.
सित सितैन
मया व अलफ
जमादिलावल ३.

२२ किनखाप गज १।
सनंग ८≡
७॥ अस्तरास गजनी
सनंग ।-

२९॥-

११२-( ४१४ )—केसो गोविंद यांचे नांवें सनद कीं, आनंदवल्ली एथें तुम्हांस नेहमीं ठेवलें आहे, त्यास तेथील बंदोबस्ताचीं कलमें. बितपसील.

इ० स० १७६५।६६.
सित सितैन
मया व अलफ
जमादिलाखर १.

स्वार असामी.

२९ कदीम सालगुदस्ताची नेमणूक असामी पन्नास होते, त्यापैकीं सालमजकुरीं दर रावतां सालीना रुपये २५० प्रमाणें ठेवावे, असामी.

१२९ जाजती सरंजामी निसबतीस सोमवंशी व ठोके वगैरे लावून द्यावे.

१५०

एकूण दीडशें स्वार नेमणुकेप्रमाणें ठेवणें इतलाखी हुजरून ठेवून दिल्हे जातील, त्याप्रमाणें नालबंदी रोजमुरा देत जाणें. कलम १.

लेखच्या कामास असामी:—

१२ बरहुकूम गुदस्त.
१० जासूद.
२ दलाईत.

१२

111. There is a debit of Rs. 29-8 on account of a piece of embroidered cloth for keeping pens & stationery &c for Anandibai, wife of Raghoba Dada.
A.D. 1765—66.

112. Keso Govind was placed in charge of the house at Anandwali & 150 sowars with other establishment were placed under him. Raghoba Dada was about to proceed at this time to northern India.
A. D. 1765-66.

१२ जाजती सालमजकुरीं.
१० जासूद.
२ ढलाईत.
———
१२
———
२४

एकूण चोवीस असामीस शेरा साडेपांच निदान सहा रुपयेपर्यंत दरमहा अकरमाही कबज बारमाही चाकरी येणेंप्रमाणें ठेवणें. कलम १.

मुक्कामीं राहिल्यास हरएकविशींचें कामकाज लागतें व ब न खा तें, त्यास तुम्हीं व शिवाजी वल्लाळ उभयतां मिळोन एक विचारें करावें. कलम १.

पागेचीं घोडीं व तट्टू व पारग २ दोन तुम्हांकडे आहेत, त्यांचा खर्च वाजवी होईल तो करावा; मजुरा पडेल. कलम १.

वेठवेगार फडफर्मास कामकाजामुळें लागेल त्यास शिवाजी वल्लाळ यांजकडून कार्याकारण आणवीत जावी. कलम १.

गाईचीं खिल्लारें आहेत, त्यांची चौकशी करून अखेर सालीं हिशेब घेत जावा. कलम १.

शिप्ये वगैरे तेथें राहतील, परस्परें चिठीचपाटी करून कजिया कफावत करतील, त्यांस ताकीद तोंडानें मात्र करीत जावी. कलम १.

भोजनखर्च दरमहा रुपये ३० तीस करार करून दिले असेत, मजुरा पडतील. कलम १

ऐवज पारखावयासि पोतदार असामी २ येकूण सालिना दर असामीस रुपये १०० प्रमाणें दोन असामींस दोनशें सालीना करार करून ठेवणें. कलम १.

इमारतीचे कारखाने व बाग वगैरे सरकार कामें आहेत, त्यांच्या ऐवजाची नेमणूक अलाहिदा होईल त्याप्रमाणें ऐवज देऊन चौकशी यथास्थित करीत जावी. कलम १

प्यादे रखवालीस असाम्या.
९० बरहुकूम गुदस्त.
१० जाजती सालमजकुरीं ठेवावे.
———
१००

एकूण शंभर प्यादे साडे सात रुपये शेरा दरमहा दरअसामीस प्रमाणें बारमाही चाकरी अकरमाही कबज येणेंप्रमाणें ठेवणें. कलम १.

आनंदवल्लीचे किल्ल्यास तेल दिवाबत्तीस व दप्तरदाराकडे वगैरे मिळून दररोज वजन पक्के ८८२ दोन शेर करार करून दिले असेत, तरि थोडें वहूत कमज्यास्ती झाल्यास चिंता नाहीं, परंतु बंदोबस्तानें खर्च करावा. कलम १.

दप्तरखर्चाची नेमणूक कार्याकारण लागेल ती खर्च करावी. कलम १.

भालदार असामी एक हुजुरून तैनात करून दिली आहे. त्या प्रमाणें रोजमुरा देऊन चाकरी घेत जावी.

कलम १.

कारकुनांची नेमणूक.

२५० बाबूराव रामचंद्र
निसबत चिंतो विठ्ठल.
१५० यशवंतराव गोपाळ दप्तरदार.

४००

एकूण दोन असामींस सालीं चारशें रुपये करार केले असेत; देत जाणें. कलम १.

तोफा व जेजाला तेथें आहेत त्यांस असामी.

५ जेजाला बारदार दर
५ प्रमाणें रुपये २५
१ गोलंदाज दरमहा ७

६ ३२

एकूण दरमहा बत्तीस रुपये करार केले असेत सदरहूप्रमाणें करार करून ठेवणें. कलम १.

शिलखाना, भाले वगैरे जिन्नस तेथें आहे, तो तूर्त सात घरें आहेत त्यांत ठेवावा. कलम १.

जामदारखान्याकडे सरकारचे खिजमतगार दोन आहेत, त्यांवा रोजमरा शागिर्दपेशाकडील कारकुनाकडून लिहून आणून त्याप्रमाणें देत जाणें. कलम १.

तोफा आहेत त्यास गाडे करावयासि बाभळीचीं लांकडें वगैरे लागतील, त्यास कार्याकारण रयतेस तसदी न देतां मिळेल तें मेळवावें; नाहीं तर विकत घेऊन उपयोगी मात्र करावें. कलम १.

हिंदुस्थानांत स्वारी गेल्यास कागदपत्र पाठवावयासि कासिदांच्या जोड्या दोन जरूरीस ठेवाव्या. कलम १.

बागांकडे व गाईकडे कुरण पाहिजे, त्यास शिवाजी बल्लाळ यांचे विचारें नेमून द्यावें. कलम १.

श्रीनिवास गोसावी नेहमी गंगेजवळ आहे, त्यास रोजमरा सालगुदस्ता प्रमाणें हजिरी गैरहजिरी पाहून देत जावा. कलम १.

स्वारी हिंदुस्थान प्रांतें गेलिया आनंदवल्ली येथें खर्चास ऐवज लागेल त्यास हुजरून रवानगी होईल, त्याप्रमाणें खर्च करावा. कलम १.

नागोजी खिजमतगार निसबत दारूखाना निसबत हकीम निहदअल्लीखान यास रोजमरा कदीम असेल तो देत जाणें. कलम १.

कामाठी वाडा झाडावयासि वगैरे कानास असामी ५ पांच एकूण तैनात दरमहा दर असामीस रुपये ५ प्रमाणें रुपये २५ पंचवीस बारमाही चाकरी अकरमाही कबज येणेंप्रमाणें करार करून ठेवणें. कलम १.

रक्कवान असामी एक नेमणूक सालीना रुपये ५० करार करून ठेवणें. कलम १.

जरूरीस कामकाज लागलें तरि कार्याकारण राउत ठेवावे, काम जाल्यास दूर करावे. कलम १.

दारू ठेवण्याचे घर निकालस सातांघराजवळ पांचशें रुपयेपर्यंत खर्च करून तयार करणें, दारू ठेवणें. कलम १.

चितारी असामी २ आहेत त्यांस रोजमऱ्याची व कामकाजाची सनद हुजूरून येईल त्याप्रमाणें करावें. कलम १.

आनंदवल्लीस वज्राळी मोडकी आहे ती नीट करावयासि सुतार आल्यास ठेवावा.

तो नवा आला तर चांगला कसबी पाहून ठेवावा. नाहीं तर मध्यम ठेवूं नये. कलम १.

गस्तीस वगैरे चाकरीस दिवड्या असामी एक ठेवावा, पांच रुपये दरमहा द्यावे. कलम १.

श्री कपालेश्वर क्षेत्र नाशिक येथील पुजेची नेमणूक साल गुदस्तां सनद सादर जाली आहे, त्याप्रमाणें देत जावी. कलम १.

मातुश्री गोपिकाबाई गंगापुरीं राहिलीं आहेत, त्यांस हुजुरून आज्ञा होईल त्याप्रमाणें देत जावें. कलम १.

किल्लेहाय येथें खर्चास ऐवज लागेल त्याविशीं अलाहिदा सनद सादर जाली आहे, त्याप्रमाणें वर्तणूक करणें. कलम १.

[ असल कागदांत फाटून गेल्यामुळें एक कलम कमी आहे. ]

एकूण पस्तीस कलमें करार करून दिलीं आहेत; सदरहू प्रमाणें वर्तणूक करणें ह्मणोन. सनद १.

छ २१ जमादिलाखर

इ. स. १७६७–६८
समान सितैन
मया व अलफ
जमादिलावल १६.

११३–( ९७९ ) किल्ले जकीरासुद्धां तीर्थस्वरूप राजश्री दादासाहेबांकडे देविले असेत, तरि तीर्थस्वरूपांकडील लोक येतील त्यांचे हवाली किल्ले जकीरासुद्धां करून पावलियाचें कबज घेणें. म्हणोन. सनदा.

१८ तालुके कावनई; किल्ले.
- १ कावनई.
- १ त्रिंगलवाडी.
- १ आलंग.
- १ मदनगड.
- १ गडगडा.

५

सनदा.

१५ पांचा किल्यास दर किल्यास सनदा ३ प्रमाणें.

३ बहिरजी बलकवडे यांस.

१८

६ किल्ले भास्करगड तालुके वसई.
- ३ किल्लेदारास.
- ३ बिसाजी केशव यांस.

६

६ किल्ले पिसोळा.
- ३ किल्लेदारास.
- ३ दादो उद्धव यांस.

६

६ किल्ले रतनगड ऊर्फ न्हावा.
- ३ किल्लेदारास.
- ३ दादो उद्धव यांस.

६

३६

113. The following forts were orderd to be made over to Dadasaheb (Raghoba Dada). In Taluka Kawanai;—
A. D. 1767-68
Kawanai, Tringalwadi, Alang, Madangad, and Gadagada. In Taluka Wasai—Bhaskar Gad, Pisola and Ratangad alias Nhava.

छत्तीस सनदा–रसानगी यादी.

११४-(५६८)—तीर्थस्वरूप राजश्री दादासाहेबांकडे खाजगी सरंजामास महाल व गांव होते ते सरकारांत ठेवून कमावीस सांगितली असे. तरि इमानें इतबारें वर्तन अमल चौकशीनें करून ऐवज आकारेल तो सरकारांत पावता करून पावलियाचे जाब घेत जाणें, तेणेंप्रमाणें मजुरा पडेल म्हणून सनदा.

इ० स० १७६८-६९.
तिसा सितैन
मया व अलफ
मोहरम ३०.

७ निसबत खंडो गणेश.
१ परगणे नाशिक.
१ परगणे वण दिंडोरी.
१ तालुके कावनई.
४ गांव.
१ कसबे कडूस प्रांत जुन्नर.
२ संवत्सर, कोकमठाण परगणें कुंभारी.
१ मौजे मरकळ प्रांत जुन्नर.
—
४
—
७
——— पत्रें.

१ खंडो गणेश यांस कीं, महाल मजकूर शिबंदीखर्च कार्याकारण खर्च करणें; मजुरा पडेल,

६ जमीदार व मोकदम यांस कीं, रुजू होऊन अमल देणें, व गुदस्तांची बाकी असेल ते रुजू करून देणें म्हणोन.——पत्रें
३ जमीदारांस.
३ मोकदमांस.

१ कडूस.
१ संवत्सर कोकमठाण.
१ मौजे मरकळ.
—
३
—
६
—
७

२ परगणे पिंपळनेर निसबत हरी बल्लाळ.
१ मशारनिलेचे नांवें
१ जमीदार.
—
२

२ मौजे आपटी, प्रांत जुन्नर निसबत बाजी गोविंद.
कमावीस कुरण सुद्धां.
१ मशारनिलेचे नांवें.
१ मोकदम मौजे मजकूर यांस.
—
२
—
११

येकूण सनदा–रसानगी यादी.

---

114. The saramjam enjoyed by Dadasaheb in paragana Nasik &c
A.D. 1768-69. was attached.

११५-( ५७४ )—सैयद वली पंचभाई हे तीर्थस्वरूप राजश्री दादासाहेबांकडे
इ० स० १७६८-६९ चाकरीस गेले होते, याजकरितां त्यांचें घर कसबे जुन्नर येथें आहे,
तिसा सितैन त्याची जप्ती सरकारांतून करविली होती; त्यास हल्लीं हे हुजूर
मया व अलफ आले, याजकरितां जप्ती मोकळी करून हें पत्र तुम्हांस सादर केलें
सफर २.
असे, तरि सैयद वली यांचे घरची जप्ती उठवणें म्हणून उद्धो विरेश्वर यांचे नांवें चिटणिशी पत्र १.

११६-( ५७७ )—मौजे चावंडस ऊर्फ आनंदवल्ली येथील ठाणें तीर्थस्वरूप राजश्री दादासाहेब यांजकडे दिलें असे; तरि यांजकडील कारकून व माणसें
इ० स० १७६८-६९. येतील त्यांचे स्वाधीन ठाणें करणें; ठाण्यांतील वस्तभाव आहे, तिचे
तिसा सितैन रखवालीस सात आठ माणूस तुम्हीं आपले ठेवणें. ठाण्यांत लोक
मया व अलफ तीर्थस्वरूप यांचे राहतील, म्हणून जनार्दन मुकुंद दामले
सफर १३. यांचे नांवें सनद १. रसानगी याद.

११७-( ५७८ )—सिदाप्पा शेट वीरकर यांनीं तीर्थस्वरूपाकडे पैका कर्ज दिला,
इ० स० १७६८-६९. बखेडा केला, पुढें कृपा करावी, सबब नजर बरहुकूम करारी
तिसा सितैन याद रुपये.
मया व अलफ
सफर १७.
१२५०० आषाढ अखेर.
१२५०० अधिक श्रावण अखेर.

एकूण पंचवीस हजार रुपये सदरहू मुदतीनें सरकारांत द्यावे, येणें प्रमाणें करार.

---

115. Sayadwali Panchbhai having accepted service under Dadasaheb, his house at Junnar was attached. He came and
A. D. 1768-69 saw the Peshwa, and orders were issued to restore the house to him.

116. The Thana of Chavandas, otherwise called Anandavalli, was
A. D. 1768-66 ordered to be made over to Dadasaheb.

117. Sidapa Shet Virkar advanced money to Dadasaheb and so caused trouble. A nazar of Rs.25000, was levied from him
A. D, 1768-69 to condone it.

११८-( ७२९ )—तीर्थस्वरूप राजश्री दादासाहेब अमृतराव यांचें लग्न टोक्यास करणार, त्यास तुम्हीं आपल्याकडील शहाणा कारकून तेथें पाठवून लग्नाचें साहित्य पानपत्रावळ व लांकूडफाटें व शाकभाजी व कुंभारकाम, बुरूडकाम व मंडपाचें साहित्य वगैरे किरकोळ लागेल तें पत्र पावतांच पोहोंचवून देणें, म्हणून सनदा.

इ० स० १७७१-७२
इसन्ने सबैन
मया व अलफ
मोहरम २९.

१ परगणे नेवासे वगैरे महाल निसबत चिरंजीव राजश्री नारायण बल्लाळ यांस.
१ परगणे गांडापूर निसबत नारो बाबजी यांस.
१ परगणे पैठण निसबत मल्हारराव रामकृष्ण यांस.
१ किल्ले दौलताबाद निसबत धोंडो महादेव यांस
— कीं तुम्हींच जाऊन साहित्य करणें म्हणून.

४

परवानगी रूबरू.

११९-( ७६९ )–आश्रित वगैरे स्वारी राजश्री दादा यांस रोजमुरा एकमाही रसानगी यादी

इ० स० १७७३-७४.
अर्बा सबैन
मया व अलफ
जमादिलावल १.

छ १ रविलाखरचा.

५२० आश्रित रुपये.

१४५ पंडित. रुपये. १२० पुराणिक. रु.

| | |
|---|---|
| ३० त्रिमंगलाचार्य | ३० हरी पंडित. |
| ३० चतुर्भुज देव. | ३० वासुदेवभट गाडगीळ. |
| २५ खंडोदीक्षित नरगुंदकर. | ३० दिवाकरभट गडबोले. |
| ३० आपा शास्त्री. | ३० श्रीधराचार्य. |
| ३० कुटुंब शास्त्री. | |
| —— — | —— — |
| १४५ ५ | १२० ४ |

---

118. Dadasaheb being about to celebrate the marriage of Amritrao at Toke, the officers of the neighbouring districts were directed to supply him with the necessary provisions.
A. D. 1768-69

119. This is a list of the domestic establishment of RaghobaDada and their pay. There were with him 5 Pandits, 4 Puraniks, 1 Physician, 4 astrologers, 3 reciters of the Ved, 4 Gosavis (Haradas), 10 singers, 3 Guravs, 3 actors, 8 dancing girls, 6 water carriers, 15 attendants. The total monthly cost of the estblishment was Rs. 1514.
A. D. 1771-72

५० दयारामभट वैद्य. ——— रुपये.

११५ जोशी. ——— रुपये.

२५ धोंड जोशी तळेकर.
३० नर जोशी संगमेश्वरकर.
३० नारायण जोशी बारामती-
कर.
३० जीव जोशी कोल्हापूरकर.

———

११५ ४

९० वादक. ——— रुपये.

३० भवानीशंकर दीक्षित
सामक.
३० सदाशिवभट नामजोशी.
३० कृष्णंभट नानल.

———

९० ३

———

९२० १७

१६५ गोसावी. ——— रुपये.

५० सुखदेव गोसावी.
५० रामचंद्र गोसावी.
३० वासुदेव गोसावी.
३५ वेंकण रामभट वीणवाद्य.

———

१६५ ५

१९२॥ गवई. ——— रुपये.

१५ लक्ष्मणदास बैरागी.
१५ गरीबदास बैरागी.
१० थानसिंग वलद परमानंद.
२५ चत्रसिंग.
१७॥ भोज्या वलद पातीराम
रोजमरा रुपये २५ प्रमाणें
वजा गैर हजिरी रोज ९

एकूण रुपये ७॥ बाकी रुपये
२५ कृपाराम.
१० खंडूसिंग.
२५ खेमचंद सारंगीवाला.
२५ नवलसिंग.
२५ मयाराम सारमंडळी.

———

१९२॥ १०

६७ गुरव. ——— रुपये.

२५ सदाशिव वल्लद शहाजी.
१७ शिदोजी वल्लद सजणाजी.
२५ कुसाजी येसाजी.

———

६७ ३

८० नटवे. ——— रुपये.

३० नागू वल्लद बसंत.
३० विठु वल्लद बहादरजी.
२० सुभानजी मकाजी.

———

८० ३

९२ किरकोळी. ——— रुपये.

१२ जगन्नाथभट लेखक.
२० मल्लु लोहार.
६० निलम घड्याळाचा कारीगार

———

९२ ३

१५७ नाटकशाळा. ——— रुपये.

१५ मैना.
६ उमेदा.
३० यमुनी हेमंतेची आई
४० लाडू बसंतेची आई.
४५ केसरी चंदनेची आई.
७ रत्ना रूपकुंवरेची आई.

७ स्वरूपा चंद्रसेनेची आई.
७ शामा नैनेची आई.

१९७ ८

२४ कावडे ब्राह्मण.—रुपये.

४ बादल वल्लद पना.
४ इदर्हे [ ई ? ] वल्लद कंठीराम.
४ वैज वल्लद मानसिंग.
४ प्रसाद वल्लद श्रीराम.
४ उदेराम वल्लद हणीराम.
४ झाला वल्लद धरणीधर.

२४ ६

२१७ शागीर्द.—रुपये.

२२ मोरो राम रानडे.
१८ रामचंद्र महादेव दामले.
१६ बाबाजी भगवंत गडबोले.
१९ राघो नारायण अंबडेकर.
१३ रामचंद्र त्रिंबक जोशी.
१३ महादाजी कृष्ण जोशी.
१३ त्रिंबक धोंडदेव थावरे.
१० सखाराम बेल्या.
१० सदाशिव आगाशा.
१३ गोविंद विठ्ठल फडका.
१३ काशी दिघा.
१३ सदाशिव बल्लाळ रानडे.
१८ भास्कर महादेव सहस्रबुद्धे.
१० बाबूजी महादेव कानेट-कर.
२० बाबूजी जिवाजी केळकर

२१७ १९

१५१४॥ ६९

# १ राजकीय.

## ( ब ) इतर माहिती.

### ३ प्रतिनिधी.

३० स० १७६३।६३. सलास सितैन मया व अलफ साबान १.

१२०-( २६ )—हवालदार व कारकून किल्ले मजकूर यांस पत्रें कीं, किल्ले मजकुरीं तुम्हांस पाठविलें होतें, त्यास हल्लीं किल्ले राजश्री नारो पंडित प्रतिनिधी यांजकडे देविले असेत, तरि यांचे लोक येतील त्यांस किल्ल्यावरि घेऊन किल्ले त्यांचे हवाली करून तुम्हीं खालीं उतरणें, म्हणोन चिटणिशी पत्रें.

# POLITICAL MATTERS.

## (b) MATTERS RELATING TO

### (3) The Pratinidhi.

A. D. 1763-64

120. The forts of Machindragad and Sadashivagad were ordered to be surrendered to Naro Pandit Pratinidhi.

१ किल्ले मचींद्रगड.
२ किल्ले सदाशिवगड.
१ किल्लेदारास.
१ कारकून यांस.
२
३

१२१-( २९ )—हवालदार व लोक किल्ले मजकूर यांस पत्रें कीं, तुम्हांस किल्ले मजकुरीं पाठविलें होतें, त्यास हल्लीं किल्ले राजश्री नारो पंडित प्रतिनिधी यांजकडे दिविले असेत, तरि यांचे लोक येतील त्यांस किल्ल्यावरी घेऊन किल्ले त्यांचे हवाली करून तुम्हीं खालीं उतरणें म्हणून चिटणिशीं पत्रें.

इ० स० १७६२।६३.
**सलास सितैन मया व अलफ**
साबान २.

१ किल्ले वरूडगड.
१ किल्ले वर्धनगड
१ किल्ले महिमानगड.
१ किल्ले भूषणगड.
४

१२२-( ११४ )-अच्युतराव गणेश यांसि पत्र कीं राजश्री श्रीनिवास पंडित प्रतिनिधी यांसी पूर्ववत् प्रमाणें प्रतिनिधी करार केली, आणि राजश्री स्वामींकडे रवाना केले; विजयादशमीस हुजूरचीं वस्त्रें बहुमान होणें तो होईल; त्यास त्यांजकडील ठाणीं व किल्ले व मुलूख पहिल्या प्रमाणें त्यांचा त्यांजकडे चालावयाचा करार आहे.

इ. स. १७६३-६४
**अर्बा सितैन मया व अलफ**
रबिलावल १३.

---

121. The forts of Warudgad, Wardhangad, Mahimangad, and Bhushangad were ordered to surrendered to Naro Pandit Pratinidhi.

A, D, 1762-63

122. It was decided to restore Shriniwas Pandit Pratinidhi to the office of Pratinidhi which he held before, and he was accordinly sent to the Raja to receive clothes of honour on the Dasara holiday. Achutrao Ganesh was directed to hand over all the forts and Thanas of the Pratinidhi which had been taken by him in the preceding year.

A. D. 1762-63

गुदस्तां कांहीं किल्ले व ठाणीं तुम्हीं घेतलीं तेही त्यांजकडे द्यावीं. याजकरितां तुम्हांस पत्र लिहिलें असे, तरि प्रतिनिधींकडील किल्ले व ठाणीं जे तुम्हां घेतलीं असतील तीं यांचीं यांजकडे स्वाधीन करून तुम्हीं हुजूर येणें म्हणोन चिटणीशी पत्र १.

इ० स. १७६३-६४
**अर्बा सितैन मया व अलफ**
रबिलाबल १६.

१२३-( ११९ ) राजेश्री श्रीनिवास पंडित प्रतिनिधी यांसि पूर्ववत् प्रमाणें प्रतिनिधी करार जहाली, त्यास किल्ले व ठाणीं व महाल त्यांचे त्यांजकडे करार करून दिल्हे असेत, तरि पूर्ववत् प्रमाणें यांचे यांजकडे किल्ले व ठाणीं देणें, म्हणोन———पत्रें.

१ किल्ले मंगलगड कांगोरी.
१ किल्ले वर्धनगड.
१ किल्ले भूषणगड.
१ किल्ले वारूगड.
१ किल्ले महिमानगड.
१ किल्ले मचंद्रगड.
१ किल्ले सदाशिवगड.
१ किल्ले भूपाळगड.
१ किल्ले मकरंदगड.
——
९

एकूण नऊ किल्ले येथें सरकारचे हवालदार व सरनौबत होते त्यांचे नांवें सनदा कीं, किल्ले मशारनिलेचे हवालां करून तुम्हीं हुजूर येणें, म्हणोन सनदा ९. रसानगी याद़ी.

इ. स. १७६३-६४
**अर्बा सितैन मया व अलफ**
रबिलाबल १६.

१२४-( १२० ) राजेश्री श्रीनिवास पंडित प्रतिनिधी यांसि बक्षीस हत्ती द्यावा लागतो, तरि मल्हारजी होळकर यांजबरोबर खंडेराव हत्ती आहे तो पंडित मशारनिले यांस देविला असे, तरि पावता करणें, म्हणोन रामाजी महादेव यांसि.———सनद १. रसानगी याद़ी.

---

123. Shriniwas Pandit having been restored to the office of Pratinidhi, the forts of Mangalgad Kangori, Wardhangad, Bhushangad, Warugad, Mahimangad, Machandragad, Sadashivgad, Bhupalgad and Makarandagad were ordered to be given back to him.
A, D, 1763-64

124. An elephant, named Khanderao, which was with Malharji Holkar was ordered to be presented to Shriniwas Pandit Pratinidhi.
A, D, 1763-64

१२५–( ३८१ ) हवालदार व कारकुन किल्ले हाय यांस कीं, राजेश्री भगवंतराव पंडित प्रतिनिधी यांसि रुजू होऊन मशारनिले बंदोबस्त करून देतील त्या प्रमाणें वर्तणूक करून र ज त ल बे त वर्तत जाणें म्हणोन चिटणिशी———————————पत्रें.

इ० स. १७६५–६६
सित सितैन
मया व अलफ
रविलाखर ७.

| | |
|---|---|
| १ किल्ले सुंदरगड. | १ किल्ले वर्धनगड. |
| १ किल्ले गुणवंतगड. | १ किल्ले भूषणगड |
| १ किल्ले जयगड. | १ किल्ले कमलगड. |
| १ किल्ले शाहूगड. | १ किल्ले महिमानगड. |
| १ किल्ले महीमंडणगड. | १ किल्ले भूपाळगड. |
| १ किल्ले महीपतगड. | १ किल्ले वारूगड. |
| १ किल्ले मंगलगड. | १ किल्ले चंद्रगड. |
| १ किल्ले मकरंदगड. | — |
| १ किल्ले माचिंद्रगड. | १७ |
| १ किल्ले सदाशिवगड. | |

एकूण सतरा पत्रें.

१२६–( ५०७ )—रामाजी महादेव यांस सनद कीं, राजश्री भवानराव यांजकडील तुम्हीं किल्ले घेतले एणें प्रमाणें.

इ० स० १७६६–६७
सबा सितैन
मया व अलफ
सवाल ९.

---

125. The officers of Sundargad and 16 other forts were directed to act under the orders of Bhagwantrao Pandit Pratinidhi and to submit to his authority.

A. D. 1764-65

126 Ramaji Mahadev had taken the following forts from Bhavanrao—Mahimandangad, Makarandgad, Kamalgad, Mangalgad, and Jayagad; he was directed to restore them to Bhagavantrao Pandit Pratinidhi.

A, D, 1766-67

१ किल्ले महिमंडणगड.
१ किल्ले मकरंदगड.
१ किल्ले कमळगड
१ किल्ले मंगळगड.
१ किल्ले जयगड.
—–
५

एकूण पांच किल्ले तुम्हीं घेतले, ते राजश्री भगवंतराव पंडित प्रतिनिधी यांजकडे धावयाचा करार करून, नावजी आवारी व फकीरजी फडतरे खिजमतगार तुम्हांकडे पाठविले आहेत. यांच्या गुजारतीनें पंडित मशारनिलेकडील कारकून तुम्हांकडे येतील, त्यांच्या हवाली करून पावल्याचें कबज घेऊन हुजूर पाठवून देणें म्हणोन सनद १.

## बाळाजी जनार्दन यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

१२७–( ५२६ ) गणेश विठ्ठल यांचे नांवें सनद कीं, भवानराव यांजपासून ठाणें कोळें व किल्ले जयगड हीं दोन्हीं ठिकाणें घेणें म्हणोन पेशजी तुम्हांस सनद सादर जहाली होती; त्यावरून तुम्हीं मशारनिलेपासून सदरहू ठिकाणें घेतलीं, तीं हल्लीं राजश्री भगवंतराव पंडित प्रतिनिधी यांजकडे देविलीं असत, तरि मशारनिलेकडील कारकून येतील त्यांचे स्वाधीन सदरहू ठिकाणें करून पावल्याचें कबज घेऊन हुजूर पाठवणें. दोन्ही ठिकाणें घेते समयीं शिबंदीखर्च पांच हजार रुपयेपर्यंत जाहला आहे; म्हणोन तुम्हांकडील सदाशिव कृष्ण यांणीं हुजूर विनंती केली; त्याजवरून पांच हजार रुपयांची साहुकारी निशा पंडित मशारनिले यांणीं हुजूर केली आहे, तरि दोन्ही ठिकाणें हवालीं जाल्याचें कबज, मशारनिलेकडील कारकुनाचे हातचें, हुजूर पाठवणें; म्हणजे पांच हजार रुपये शिबंदी खर्चाबाबत तुम्हांकडील कारकुनाजवळ दिले जातील, म्हणोन.

इ० स० १७६७–६८
समान सितैन मया व अलफ
रविलाखर.

छ. २ रबिलाखर. सनद १. परवानगी रूबरू.

---

127. Ganesh Vithal took the Thanna of Kole and the Fort of Jaygad from Bhavanrao under Government orders. He was now directed to restore them to Bhagavantrao Pandit Pratinidhi on receipt from him of Rs. 5000 on account of expenses.

A. D. 1767-68

# १ राजकीय.

## ( ब ) इतर माहिती.

### ४ आंगरे.

१२८–( ५२ ) तुळाजी आंगरे यास किल्ले विसापूर येथें रवाना केला, त्यास अडसेरी एकमाही सनद पैवस्तगिरी देत जाणें म्हणून सनद जावजी बांडे हवालदार व कारकून किल्ले मजकूर यांस येणेंप्रमाणें.

इ० स० १७६३–६४
सलास सितैन
मया व अलफ
साबान.

अडसेरी बितपशील

| खासा तुळाजी आंगरे कैली. | बजाजी अवघडराव याचे स्त्रीस कैली —— मापें |
|---|---|
| ·।१ जोरी. | |
| -।४।ऽ= बाजरी. | ऽ१॥ बाजरी. |
| ऽ=॥ हरभेर. | ऽ।=ऽ≡ हरभरे. |
| ऽ।.।॥= दाळ मूग. | ऽऽ।॥≡ दाळ मूग. |
| ऽ३। तांदूळ बारीक सडीक. | ऽ।=।॥= तांदूळ मोठे सडीक. |
| १ऽ१।१ | ऽ२॥- |
| तूप वजन पक्के | तूप वजन पक्के. |
| ऽ॥३ | ऽऽ३॥१३॥ |

एकूण गल्ला कैली मापें एक खंडी पावणे चार मण एक पायली, व वजन पक्के साडे सव्वीस शेर साडेतेरा टांक एकमाही बेगमी याप्रमाणें जोंपर्यंत तेथें राहातील तों पावेतों

# POLITICAL MATTERS.

## ( b ) MATTERS RELATING TO

### (4) Angria.

128. Tulaji Angria was sent to be imprisoned in fort Visapur, and the following ration was ordered to be given to him monthly;—

A. D. 1763–64

| | Maunds. | | Maunds. | Seers. |
|---|---|---|---|---|
| Jowari | 6 | Bajari | $9\frac{1}{4}$ | $\frac{1}{2}$ |
| Gram | $2\frac{1}{2}$ | Pulse | 0 | $15\frac{1}{2}$ |
| Rice | $3\frac{1}{4}$ | Ghee (By weight) | 0 | 23 |

किल्ले मजकूर पैकीं देत जाणें; याखेरीज पत्रावळी व लाकडें व गवत जें लागेल तें चौकशी करून देणें. छ. ११ रोज. सनद १.

१२९-( २८० )—तुळाजी आंगरे यांचे लेंक किल्ले मजकुरीं रवाना केले आहेत. यांस आंगरे यांचे कबिल्याजवळ ठेवणें, आणि उभयतां लेंकांस उलफा दररोज पेशजीचे शिरस्तेप्रमाणें देत जाणें. यांचें हांडेंभांडें पाठविलें आहे, त्याची याद अलाहिदा पाठविली आहे; त्याप्रमाणें मोजदाद करून घेऊन यांजवळ ठेवणें. दागिने यांची तजावजा होईल त्याची खबरदारी वरचेवर करीत जाणें, म्हणोन मकाजीराव येरूणकर हवालदार व कारकून किल्ले विसापूर. छ. १९ रोज, यांस सनद १.

इ० स० १७६४-६५
खमस सितैन
मया व अलफ
जमादिलावल.

रसानगी सर्वोत्तम शंकर.

१३०-( २९९ ) तुळाजी आंगरे यांस तुम्हांकडे किल्ले अमदानगरास रवाना करून शिध्याची नेमणूक बितपशील.

इ० स० १७६४-६५
खमस सितैन
मया व अलफ
रजब.

गल्ला कैली चौशेरी बारुळे मापें

৬।।। ·।= खासा असामी एक

एकूण.

৬।·।।। तांदुळ सडीक बारीक दररोज कैली ৬৬२

৬৬१।।।= दाळ तुरी दररोज ৬৬-

৬।.।।। कणीक दररोज कैली ৬৬=

৬।।।·।=

वजनी वजन खाशास देणें.

৬৬३।।। तूप दररोज ৬৬৬९

৬৬३।।। गूळ दररोज ৬৬৬९

·।२।। लाकडें रोज ৬।·

·।२।।७।।

नक्त पान, सुपारी, तमाखू, हिंग, जिरें व मिरें, शाखभाजी वगैरे मिळोन दरमाहे

129. Two sons of Tulaji Angria were sent to be imprisoned at fort Visapur.
A, D, 1764-65

130. Tulaji Angria was sent in custody to fort Ahmednagar. The officer in charge of the fort was directed not to remove his fetters.
A, D, 1764-65

| | |
|---|---|
| ८१॥।=। चाकरीचीं माणसें. | पांच रुपये प्रमाणें छ. २६ |
| २ कुणबिणी. | जमादिलाखरीं हुजुरून |
| १ पोरगा. | पावले आहेत पुढें छ.२५ |
| —— | रजबपासून दरमहा देत |
| ३ | जाणें. कलम १. |

येकूण एकमाही कैली.
८१॥।· जोरी बाजरी दर
असामीस
दर माहे ८॥१
८८१॥ दाळ दरमहा दर असामीस ८८॥·
८८।॥. मीठ दर असामीस
दर माहे ८८।·
———
८१॥।=।·
———
८२॥२॥=

एकूण दरमाहे गला कैली बारुळे चौशेरी अडीच मण अडीच पायली निंठवें, वजन पक्के साडे सात मण साडे सात शेर पैवस्तगिरीपासून देत जाणें; व चाकरीचे माणसांस लांकडें शिरस्तेप्रमाणें देत जाणें; व पांच रुपये दरमहा खर्चास नेमणूक करून हुजूर पावले ती तारीख लेहून पुढें छ. २५ रजबपासून देत जाणें म्हणोन कलम लिहिलें आहे, त्या प्रमाणें देत जाणें; व मशारनिलेस किल्ल्यामध्यें ठेवून चौकीपहारे यांचा बंदोबस्त चांगला करून वरचेवरि खबरदारी करीत जाणें; पायांतील बिडी न काढतां बंदोबस्त चांगला करणें, म्हणोन गणेश विठ्ठल यांस छ. ४ रजब. सनद १.

परवानगी रूबरू

१३१-( ४६७ ) तुळाजी आंगरे यांची वस्तभाव जिवाजी मनाजी यांणीं जप्त करून किल्ले विसापुरास कोठडींत घालून ठेविली आहे, त्याचा जाबता किल्ले मजकुरीं आहे; त्यास तो वस्तभाव दरोबस्त तुळाजी आंगरे यांचे बायकोचे हवालीं करणें. नारो गंगाधर यांचे गुजरातीनें बायकोचे हवालीं वस्तभाव करणें. सदरहू वस्तभावपैकीं भांडीं व सनगें नारो गंगाधर कारकून दिमत तुळाजी आंगरे हे घेऊन जातील त्यांस घेऊं देणें, अडथळा न करणें, म्हणोन नारो त्रिंबक यांस सनद १.

इ० स० १७६६-६७
सबा सितैन
मया व अलफ
रविलाखर २३.

131. The property of Tulaji Angria under attachment at fort Visapur was ordered to be restored to his wife.

A, D, 1766-67

१३२-( ४६८ ) आप्पा भट दामले व अंतोबा दामले हे तुळाजी आंगरे यांचे फितुरांत होते, सबब तुम्हांकडे अटकेस ठेविले होते; त्यांस हल्लीं सर्व अन्याय माफ करून सोडावयाचा करार करून हे सनद तुम्हांस सादर केली असे, तरि उभयतांस अटकेंतून सोडून देणें, म्हणोन रामाजी महादेव यांस——सनद १.

इ० स० १७६६-६७
सबा सितैन
मया व अलफ
रबिलाखर २३.

१३३-( ४७० ) नारायणराव कृष्ण यांचे नांवें सनद कीं, तुळाजी आंगरे यांस तुम्हांकडे किल्ले चाकणेस पाठविले आहेत, त्यास शिध्याची नेमणूक दरमहा बितपशील.

इ० स० १७६६-६७
सबा सितैन
मया व अलफ
रबिलाखर २३.

गल्ला कैली चौशेरी मापें.

८।।।·।= खासा असामी १

८।०।।। तांदुळ बारीक सडीक
दररोज कैली ८८= निठवें प्रमाणें.

८८१।।।= दाळ तुरीची रोज ८८-

८।·।।। कणीक दर
रोज ८८= निठवें
प्रमाणें.

८।।।-।=

८१।।।=। चाकरीचीं माणसें
२ कुणबिणी.
१ पोरगा.

२

वजनी वजन दरमहा पक्के.

·।२।।७।। खाशास.

८८३।।। तूप दररोज ८८८९

८८३।।। गूळ दररोज. ८८८९

·।२।। लाकडें जळाऊ.
दररोज ८।· प्रमाणें.

·।२।।७।।·

८८७।। तेल दिवाबत्तीस
दररोज ८८।· प्रमाणें.

·।२।।।५

नक्त पान, सुपारी व तमाखू व हिंग, जिरें, मिरें व शाकभाजी वगैरे मिळोन दरमहा रुपये ५.

132. Appabhat Damle and Antoba Damle, who were under imprisonment for their complicity in the rebellion of Tulaji Angria were granted a free pardon and released.

A. D. 1766-67

133. Tulaji Angria was sent to fort Chakan for imprisonment

A. D. 1766-67

| | |
|---|---|
| एकूण एकमाही कैली. | ८८॥। मीठ दर ८८। |
| ८१॥। जोरी बाजरी दर. | |
| ८॥१ प्रमाणें. | ८१॥।=। |
| ८८१॥ दाळ दर असामी. | |
| ८८॥ प्रमाणें. | ८२॥२॥= |

एकूण गल्ला कैली चौशेरी अडीच मण अडीच पायली निठवें, व वजन पक्के पावणे-आठ मण पांच शेर, व नक्त पांच रुपये दरमहा नेमणूक करार करून दिली असे, तरि मशारनिले किल्ले मजकुरीं पैवस्ता जहाले असतील त्या तारखेपासून देत जाणें. चौकी-पहारा पक्या बंदोबस्तानें करीत जाणें, म्हणोन सनद १. परवानगी रूबरू.

१३४–( ४९२ ) तुळाजी आंगरे किल्ले चाकणेस होते ते हल्लीं किल्ले अमदानगर येथें पाठविले आहेत, त्यांस पोटास वगैरे पेशजी पावत होतें, त्याप्रमाणें हल्लीं देत जाणें; आणि पेशजीप्रमाणें चौकीपहारा बंदोबस्त यथास्थित करणें, म्हणोन राघो विठ्ठल यांचे नांवें सनद १.

इ० स० १७६६।६७.
**सबा सितैन मया व अलफ**
साबान २३.

रसानगी, नारो अनंत परचुरे.

## बाळाजी जनार्दन यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

१३५–( ९२७ )—तुळाजी आंगरे यांस अटकेंत ठेवण्यास किल्ले दौलताबाद येथें पाठविले आहेत, तरि तेथें पोंहचलियावर बहूत माफजतीनें चौकी पाहऱ्याचा बंदोबस्त करून अटकेंत ठेवणें. बेडी पायांत आहे त्याप्रमाणें असो देणें; व मशारनिलेचे पोटास दरमहा बेगमी देखील कुणबिणी.

इ० स० १७६७।६८.
**समान सितैन मया व अलफ**
रविलाखर ३०.

गल्ला ——————कैली.

---

134. Tulaji Angria was sent from fort Chakan to fort Ahamednagar.
A. D. 1766-67

135. Tulaji Angria was sent for imprisonment to fort Daulatabad.
A, D, 1767-68

८।।।०।।= खुद्द जातीस.
८।०।।। गहूं दर ८८=
८।०।।। तांदुळ बारीक
सडीक दर ८८=
८८१।।।= दाळ तुरीची ८८-
८८।- मीठ.

८।।।·।।=

८१।·।। कुणबिणी २
८१८१८- बाजरी दर८८।=
८८१।।।= दाळ दर८८-
८८।।०मीठ.

८१।-।

वजनी वजन———————पक्कें. ८२८१८=
८८३।।। गूळ दर ८८८९
८८३।।। तूप दर ८८८९

८८७।।
शाखभाजीस व पानसुपारीस
दरमहा नक्त ——————— रुपये ५.

एकूण दोन मण एक पायली निठवे कैली, व साडेसात शेर वजन व पांच रुपये नक्त येणें प्रमाणें दरमहा देत जावें, म्हणोन धोंडो महादेव किल्ले दौलताबाद यांस छ. ८ रबिलाखर. सनद १. परवानगी रूबरू.

१३६-( ५८९ )—राघोजी आंगरे वजारतमहा सरखेल यांणीं हुजूर येऊन विनंती केली कीं, मौजे हरणई, तर्फ केळशी, तालुके सुवर्णदुर्ग येथें कैलासवासी कानोजी आंगरे सरखेल यांणीं आपले मातुश्रींचें थडें बांधिलें तेथें बागेची नेमावणी करून बाग केली, व शेत पांच पाट्या दिलें; त्याजपासून तुळाजी आंगरे यांचे कारकीर्दी पावेतों बागेचा व शेताचा महसूल थड्याकडे खर्च पडत होता. अलीकडे तालुके मजकूरचा अंमल सरकारांत आल्यावर सदरहूचा महसूल रामाजी महादेव सरकारांत घेत होते. त्यास आपण सन सलास सितैनांत हुजूर विनंती करून बाग व शेत थड्याकडे पूर्ववत् प्रमाणें करून घेतलें. परंतु आकार थड्याचे नांवें खर्च लिहावयाची आज्ञा होऊन अंमलदारास सनद सादर जाहाली नाहीं, यामुळें सन सलासापासून बाकी ओढत आहे, ती खर्च घालावयाची आज्ञा होऊन पुढें साल मज-

इ० स० १७६८।६९
तिसा सितैन
मया व अलफ
जमादिलाखर १२.

136. Some land at Harnai in Fort Kelshi of Tal. Suvarnadurga had been assigned for the purpose of a garden attached to a monument raised in memory of Kanoji Angria's mother. All the assessment on it was now remitted at the request of Raghoji Angria Wajarat Maha Sarkhel.

A. D. 1768-69

कुरीं दरसाल आकार थळ्याचे नांवें खर्च घालावयाची आज्ञा जाहली पाहिजे म्हणोन; त्याजवरून कानोजी आंगरे यांचे मातुश्रीचे थळ्याकडे बाग व शेत यांचा महसूल पेशजी तुळाजी आंगरे यांचे कारकीर्दीपावेतों खर्च पडत आला हें जाणोन, व मशारनिलें यांजवर नजर देऊन बागेचा व शेताचा आकार बाकीस ओढत आहे, तो इस्तकबिल सन सलास सितैन तागाईत सन समान सितैन सहा सालांबद्दल पाहाणी सन सलास सितैन आकार सहा सालां.

| | नक्त रुपये. | भात कैली खंडी. |
|---|---|---|
| बागेचा | ९॥। | ० |
| शेताचा | ५।= | १॥।४। |
| | १५८= | १॥।४। |

एकूण पंधरा रुपये तीन आणे नक्त व पावणे दोन खंडी सवाचार मण कैली बाकी ओढत आहे, ते थळ्याचे नांवें खर्च घालावयाची आज्ञा केली असे, तरि थळ्याचे नांवें खर्च घालणें; वसुलाचा तगादा न लावणें; पुढें सालमजकुरापासून दरसाल आकार.

| | नक्त रुपये | भात कैली मापें. |
|---|---|---|
| बागेचा | १॥= | ० |
| शेताचा | ॥।=॥ | ·।१॥·॥ |
| | २॥·॥ | ·।१॥·॥ |

येणेंप्रमाणें अडीच रुपये अर्धाआणा नक्त, व साडे सहा मण अधोली गल्ला कैली दरसाल थळ्याचे नांवें खर्च लिहीत जाणें, म्हणोन रामाजी महादेव यांचे नांवें सनद १.

रवा ( सा? ) नगी यादी.

१३७–( ६१४ ) तुळाजी आंगरे यांस किल्ले दौलताबाद येथें अटकेस ठेवण्यास पाठविले आहेत, याबद्दल पोरगा एक व कुणबिणी दोन एकूण तीन असामी चाकरीच्या आहेत; त्यांस किल्ल्यावर घेऊन नगराहून पेशजी गृहस्थ पाठविला आहे तो किल्ल्याचे माथ्यावरील बारादारींत ठेविला असेल, त्याप्रमाणें त्यांसही तेच जागां पक्के बंदोबस्तानें पायांत बेडी

तिसा सितैन
मया व अलफ
मोहरम ११.

137. Tulaji Angria was sent for confinement to fort Daulatabad.

घालून ठेऊन खाशास व बरोबर तीन असामी आहेत त्यांस अडिशेरी पेशजीचे शिरस्ते-प्रमाणें देत जाणें म्हणोन धोंडो महादेव यांस सनद १. परवानगी रूबरू.

१३८–( ६१५ ) बाबाजी कृष्ण बेडेकर याणें तुळाजी आंगरे यांचा लेंक किल्ले विसापुराहून पळविला, आणि तोही गेला, सबब त्याचीं माणसें किल्ले पुरंदर येथें अटकेंत ठेविलीं आहेत, त्यास त्यांचें प्रयोजन आहे, तरि हुजूर पुण्यास रवाना करणें बितपशील.

इ० स० १७६८–६९ तिसा सितैन मया व अलफ मोहरम ११.

| | |
|---|---|
| मशारनिलेच्या बायका दोघी व कुणबीण एक. | भास्कर त्रिंबक लवाद्या किल्ले वज्रगड येथें आहे तो असामी १ |

एकूण———————असामी ३

एकूण चार असामी यांजबरोबर प्यादे देऊन सरकारांत रुजू करणें, म्हणोन नारो आप्पाजी यांस सनद १. परवानगी रूबरू.

१३९–( ६१९ ) तालुकेहाय यांचे नांवें सनदा कीं, मुंबईहून तुळाजी आंगरे यांचे लेंकांकडून चोर मुलखांत चोऱ्या करावयाबद्दल आले ते उरणाचे बंदरीं धरले गेले, त्यांचीं मुलें माणसें धरून अटकेंत ठेवून घरांत जे वस्तवानी असेल ते जप्त करून हुजूर लेहून पाठवणें,

इ० स० १७६९–७० सबैन मया व अलफ सफर ८.

म्हणोन———————————————सनदा.

१ रामाजी महादेव यांचे नांवें सनद कीं, जंजिरे उंदेरी येथें चोरांचे कबिले आहेत त्यांची नांवनिशी.

१ राम म्हात्रा बिन गोवर म्हात्रा.

१ येस सावंत बिन राम सावंत.

१ रामजी साबळा.

--

३

---

138. Tulaji Angria's son who was a prisoner in fort Visapur, escaped with the assistance of Babaji Krishna Bedekar the latter's family were therefore imprisoned in fort Purandhar.

A. D. 1768–69

139 Certain thieves, sent by Tulaji Angria's son from Bombay, to infest the country were arrested at Uran. Their property was ordered to be attached & their families to be imprisoned.

A. D. 1769–70

१ नारो त्रिंबक यांचे नांवें सनद कीं, येसू वल्लद लाला रजपूत याचें घर मौजे दहिवली ता० नसरापूर येथें आहे त्याची जप्ती करणें म्हणोन सनद.

१ कृष्णाजी हरी यांचे नांवें सनद कीं, भिकशेट बिन बाबशेट याचें घर कसबे संगमेश्वर, तालुके रत्नागिरी येथें आहे.

१ आनंदराव राम यांचे नांवें सनद कीं, जान्या बिन महादजी राणा याचें घर मौजे सागांव, तर्फ तळोजें, प्रांत कल्याण येथें आहे म्हणोन सनद.

—

४

रसानगी, सर्वोत्तम शंकर हशमनीस.

# १ राजकीय.

## ( ब ) इतर माहिती.

### ५ सचिव.

१४०—( ४४१ )—राणोजी बलकवडे यांस पत्र कीं, राजश्री सदाशिव पंडित सचिव यांजकडील किल्ले सुधागडचे तालुकियाची जप्ती सरकारांत करून ऐवज किल्ले मजकूरचे महालोमहालचे महालकरी यांजकडे अमानत ठेवविला होता; त्यास त्याची जप्ती हल्लीं सरकारांतून मोकळी करून सदरहू मामलत पंडित मशारनिलेनीं सदाशिव रघुनाथ यांचे विद्यमानें आत्माराम रघुनाथ सबनीस किल्ले मजकूर यांस सांगोन पाठविले आहेत; तारि ज्याजकडे ऐवज अमानत ठेविला असेल त्यांस ताकीद करून ऐवज झाड्यानसीं मशारनिलेकडे देवणें, व पूर्ववत् प्रमाणें सुधागड तालुकियाचे मामलतीचा बंदोबस्त यांचा हे करतील; तुम्हीं अडथळा न करणें, म्हणोन चिटणिशी——पत्र १.

इ० स० १७६५।६६.
**सित सितैन**
**मया वअलफ**
जिल्काद १२.

---

# POLITICAL MATTERS.

## (b) MATTERS RALATING TO

### ( 5 ) The Sachiv.

140 The taluka of fort Sudhagad, belonging to Sadashiv Pandit Sachiv had been attached in this year. Its restoration to the Sachiv was now ordered.

A- D. 1765–66

जमीदार पंचमहाल यांस पत्रें कीं, राजश्री सदाशिव पंडित सचिव यांजकडील तालुके मजकूर येथील सुधागडतर्फेचे अमलाची जप्ती साल मजकुरीं सरकारांतून केली होती, ते हल्लीं मोकळी केली असे; व सदरहू मामलत पंडित मशारनिलेंनीं सदाशिव रघुनाथ यांचे विद्यमानें आत्माराम रघुनाथ सबनीस किल्ले मजकूर यांस सांगितली असे, तरि तुम्हीं यांशीं रुजू होऊन तर्फ मजकूर येथील सुधागड तर्फेचा अंमल सुदामतप्रमाणें सुरळीत देणें, म्हणोन चिटणिशी. ——————————पत्रें ३.

१ तर्फ अष्टमी यास. —— ४

१ तर्फ नागोठणें यास.

१ तर्फ सी माहाल यास.

——

३

# १ राजकीय

## ( ब ) इतर माहिती.

### ६ सुमंत.

१४१-( ४८७ )—मल्हारराव कृष्ण यांजकडील सुमंती दूर करून कृष्णाजी महिपतराव यांस सांगोन नजर सरकारचा ऐवज करार केला; त्याचा भरणा सरकारांत मशारनिलेंनीं केला नाहीं, सबब त्यांचे सरंजामाची जप्ती करून तुम्हांस कमावीस सांगितली. गांव बितपशील.

इ० स० १७६६।६७. सबा सितैन मया व अलफ साबान ११.

१ कसबे वाकळे सरकार दौलताबाद.

२३ परगणे हरसूल पैकीं गांव.

१ मौजे वरूड. १ मौजे असरफपूर.

---

# POLITICAL MATTERS.

## (b) MATTERS RELATING TO

### 6 The Sumant.

141 The office of Sumant was taken away from Malhararav Krishna and Conferred on Krishnaji Mahipatrao. The latter having failed to pay the nazar agreed upon, his saranjam was attached.

A. D. 1766-67

१ मौजे पोखरी.
१ मौजे देलसी.
१ मौजे साताळें.
१ मौजे भिकापूर.
१ मौजे वडखें.
१ मौजे साहेबपूर.
१ मौजे चौकें.
१ मौजे सांगवी.
१ मौजे तुळजापूर.
१ मौजे वाहोरें.
१ मौजे दहरें.
१ मौजे हिरापूर.
१ मौजे काणापूर.
१ मौजे पिंपरी.
१ मौजे सातेलें.
१ मौजे वलछगांव.
१ मौजे गंगापूर.
१ मौजे वडगांव [ठाणें.]
१ मौजे आइना चिखल-
१ मौजे रामपूर.
१ मौजे पसरपूर.

२३

२४

एकूण चोवीस गांव येथील मोकासा देखील जकातीचा अंमल मशारनिलेकडील आहे, तो जप्त करून तुम्हांस सांगितला असे; तरि इमानेंइतबारें चौकशीनें अंमल करून कच्चे आकारामुळें ऐवज होईल तो सरकारांत हुजूर पावता करून पावल्याचे जाब घेत जाणें; तेणेंप्रमाणें मजुरा पडेल, म्हणोन धोंडो महादेव यांचे नांवें सनद १.

# १ राजकीय

## (ब) इतर माहिती.

### ७ दाभाडे आणि गाईकवाड.

१४२-(९८)—दमाजी गायकवाड सेनाखासखेल समशेरबहादूर यांचे नांवें सनद कीं, प्रांत गुजराथपैकीं महाल कमालुदीखान बाबी याजकडे होते, ते दूर करून साल मजकुरापासोन तुम्हांकडे फौजेचे सरंजामास दिले असत. महाल बितपशील

इ० स० १७६२-६३
सलास सितैन
मया व अलफ
रमजान ५.

# POLITICAL MATTERS.

## (b) MATTERS RELATING TO

### (7) Dabhade and the Gaikwad.

A- D. 1762-63

142 The Parganas of Patan, Badnagar, Bisanagar, Sitpur, Khirali, Ranjanpur, Vijapur, Shami and Munjpur in Prant Gujarath which were under the jurisdiction of Kamaludikhan Babi and the Village of Khede in the possession of Khan Dowra, were conferred as a Military Saranjam on Damaji Gaikwad Sena Khaskhel Samsher Bahadur.

१ परगणे पटण.
१ परगणे बडनगर.
१ परगणे बिसानगर.
१ परगणे सितपूर.
१ परगणे खिराली.
१ परगणे रांजणपूर.
१ परगणे विजापूर.
१ परगणे शमी.
१ परगणे मुंजपूर.

९

१ मौजे खेडें निसबत खानडौरा.

१०

एकूण महाल नऊ व फुटगांव खेडें ठाणें सरंजामास दिले असेत, तरि सदरहू महालचा अमल करून फौजेची उस्तवारी करणें म्हणऊन सनद १.

जमीदार महालनिहाय यांचे नांवें सनदा कीं, कमालुदीखान यांजकडून महाल दूर करून मशारनिलेकडे दिले असेत, तरि यांजकडील कमाविसदाराशीं रुजू होऊन अंमल सुरळीत देणें म्हणोन सनदा ९.

मोकदम मौजे खेडें यांस सनद सदरहू मजकुराप्रमाणें —— १

चिटणिसी पत्रें —— २

१ कमालुदीखान बाबी यांस पत्र जे तुम्हांकडील महाल गांव एक तालुके व ठाणें सुद्धां दूर करून मशारनिलेकडे फौजेचे सरंजामास दिले असत; तरि तुम्हीं सदरहू परगणे व खेडें व ठाणें सुद्धां दरोबस्त अमल मशारनिलेकडे देणें. तुम्हीं दखलगिरी न करणें म्हणोन.

१ खान गौडा बाबी यास पत्र जे ठाणें खेडें परगणें मातर तालुके सुद्धां तुम्हांकडून दूर करून दरोबस्त अंमल ठाणे सुद्धां मशारनिलेकडे दिला असे; तरि तुम्हीं ठाणें व अंमल तालुक्याचा दरोबस्त मशारनिलेकडे देणें म्हणोन पत्र.

२ १३

रसानगी यादी.

१४३–( ११७ ) त्रिंबकराव दाभाडे यांजकडे गांवगंनाच्या मोकदम्या व वतनें व इसाफतगांव व इनामगांव आहेत, त्यांस ते मोगलाईत गेले सबब सरकारांत जप्ती केली होती; त्यास हल्लीं सेनाखासखेली राजश्री दमाजी गायकवाड सेनाखासखेल समशेरबहादूर यांस सांगितली, सबब वतनें व गांव यांचे तसलमातीस देऊन

इ. स. १७६३–६४
अर्बा सितैन मया व अलफ
रबिलावल. १६

143 Trimbakrao Dabhade having gone over to the Mogals, his Vatans and Inams were attached. The office of Sena Khaskhel having been conferred on Damaji Gaikwad Sena Khaskhel Sumsher Bahadur, the Vatans and Inams under attachment were entrusted to him.

A. D. 1763-64

जप्ती मोकळी केली असे; तरि सुदामत दाभाड्याकडे चालत आल्या प्रमाणें वतनाचा हकदक, मानपान, कानूकायदे जें असेल त्याप्रमाणें यांजकडे चालवणें, म्हणोन —— पत्रें.

४ परगणे लोहनेर वगैरे येथील मोकदमीविशीं पत्रें.

३ गांवांस.
 १ मौजे रामसेर, परगणे लोहनेर.
 १ मौजे देवळें, परगणे लोहनेर.
 १ कसबे बेज, प्रांत बागलाण.
 ——
 ३

१ नारो कृष्ण यांस सदरहू तीन गांवाविशीं पत्र.
——
४

३ तर्फ चाकण व जुन्नर येथील वतनाविशीं पत्रें.

१ हरी दामोदर यांस पत्र जे वतनाचे जप्ती मोकळी करणें.
 १ प्रांत जुन्नर येथील सरपाटिलकी.
 १ तर्फ चाकण येथील सरदेशमुखी.
 १ मौजे चऱ्होली, तर्फ चाकण येथील मुकदमी.
 १ उंबरें नवलाखांचें तर्फ चाकण येथील मुकदमी.
 ——
 ४

२ मोकदमांस पत्रें.
 १ मौजे चऱ्होली.
 १ उंबरे नवलाखांचें.
 ——
 २
——
३

एकूण —— पत्रें.

६ परगणे चांदवड वगैरे येथील मोकदमीविशीं पत्रें.

५ मोकदम यांस.
 ३ परगणे चांदवड.
 १ मौजे सुकेणें.
 १ कसबे ओझर.
 १ मौजे कोंकणगांव.
 ——
 ३

२ परगणे नंदुर ( बार )
 १ मौजे चौपाले.
 १ मौजे शिंदे गऱ्हाण.
 ——
 २
——
५

१ मल्हारजी होळकर यांस पत्र जे जप्ती मोकळी करणें.
——
६

२ मौजे गार, तर्फ कर्डें येथील मोकदमीविशीं पत्रें.

१ मोकदम यांस.
१ बाबूराव माणकेश्वर सुभेदार यांस.

२

२ मौजे सिरडें, परगणे पिंपळनेर येथील मोकदमीविशीं पत्रें.

१ मोकदमांस.
१ बाळाजी बाबूराव यांस.

२

२ मौजे उरसें, तर्फ पौनमावळ येथील मोकदमीविशीं पत्रें.

१ मोकदमांस.
१ नारो त्रिंबक यांस.

२

२ मौजे कटापूर, संमत कोरेगांव, प्रांत वाई येथील मोकदमीविशीं,

१ मोकदम यांस.
१ कृष्णाजी महादेव यांस.

२

२ कसबे कडूस येथील मोकदमीविशीं पत्रें.

१ मोकदम यांस.
१ धोंडो विश्वनाथ कमाविसदार यांस.

२

२ कसबे पारनेर येथलि मोकदमीविशीं पत्रें.

१ मोकदम यांस.
१ नारो बाबाजी कमाविसदार यांस.

२

४ परगणे त्रिंबक पैकीं मोकदमी गांव येविशीं

३ मोकदमांस.
१ मौजे गोंडेगांव.
१ मौजे नांदूर.
१ मौजे लाखल.

३

१ केसो गोविंद यांस.

४

४ मौजे तळेगांव येथील मोकदमीविशीं.

१ गांवास मोकदमीविशीं व इनाम सानक.
१ केसो त्रिंबक यांस ठाणें इंदुरी येविशीं.
१ सदाशिव रघुनाथ यांस मौजे तळेगांव व कसबे इंदुरी येथील मोकदमी इनाम सानक जकात येविशीं.

३

१ मोकदम कसबे इंदुरी यांस.

४

२ मौजे भादवणें येथील मोकदमीविशीं
१ मोकदम यांस.
१ गोविंद हरी यांस.
—
२

२ मौजे नसरदपूर तर्फ खेडबारें येथील मोकदमीविसीं.
१ गांवास.
१ रयात यांस.
—
२

एकूण ३७ चिटणिशी.

१४४—( १९० ) लक्ष्मणराव गोविंद यांस तुम्हांकडील सरकारतर्फेचे कामकाजास पाठविले आहेत; यांजवळ कितेक मजकूर सांगणें ते सांगितले आहेत, हे तुम्हांस सांगतील, त्याजवरून कळेल. हे तुम्हांजवळ नेहमीं रहातील, यांस सरकारतर्फेचें कामकाज असेल तें सांगत जाणें; हे हुजूर लिहून पाठवतील. यांस रोजमरा दीडमाही रुपये.

इ. स. १७६३–६४
अर्बासितैन
मया व अलफ
रमजान ७.

१२५ खुद मशारनिलेस
३६ जासूद जोड्या ३ एकूण.
—
१६१

एकूण एकशें एकसष्ट रुपये देविले असेत, सदरहू प्रमाणें दीडमाही देत जाणें, म्हणोन दमाजी गायकवाड यांस सनद १. रसानगी यादी.

१४५–( ६१० ) कमाविस नजरेबदल गोविंदराव गायकवाड, सेनाखासखेल समशेरबहाद्दर यांजकडे सांगितली कीं, सन समानांत फौज चाकरीस न आली, व मागील अन्याय माफ करून सालमजकुरीं नजरेचा ऐवज करार केला आहे, त्यापैकीं सालमजकुरीं ऐवज द्यावयाचा करार आहे. त्याऐवजीं नारो आपाजी व नारो

इ. स. १७६८–६९
तिसासितैन
मया व अलफ
मोहरम २७

---

144 Laxman Govind was sent as an agent of Government to Damaji Gaikwad, and the latter was requested to give him any information which he wished to be communicated to Government. Laxmanrao's Salary was fixed at Rs 125 for himself and Rs. 36 for 3 pairs of messengers, for every month and a half and it was ordered to be paid by Damaji.

A. D. 1763-64

145 The failure of Govindrao Gaikwad Sena Khaskhel Samsher Bahadur to send troops for service in the year and his former offences were condoned on payment of a Nazar of Rupees 52, 216.

A. D. 1768-69

बाबाजी यांणीं हवाला घेतला, त्या ऐवजीं वैशाख अखेरचे हस्यापैकीं जमा, गुजारत गोपाळ नाईक तांबेकर —— रुपये.

१४३९९ छ. ८ मोहरम हस्तें हरिभक्त.
१७६४२।. छ. ५ (९ ?) मोहरम गुजारत भुकणजी हरिदत्त
१०००० छ. ११ मोहरम हस्तें हरिभक्त.
२८०० छ. १२ मोहरम हस्तें आबाजी विठ्ठल अनगळ.
४९०० छ. २१ मोहरम.
४००० हस्तें गुलाब दलाल.
९०० हस्तें त्रिंबक नाईक पोतदार.

४९००
१००० छ. २३ मोहरम हस्तें गुलाब दलाल.
१९१९॥ हस्तें गुलाब दलाल. —— रुपये.
९२९ छ. २४ मोहरम.
९९४॥ छ. २५ मोहरम.

१९१९॥

५२२१६।॥

# १ राजकीय

## ( ब ) इतर माहिती.

### ८ नागपूरकर भोसले.

१४६–( ७० ) हैबतराव बंडगर अमीर(रु)ल उमराव दिमत शाहाजी भोसले याजकडे सरंजाम मुकासे पेशजीपासून आहेत, त्याप्रमाणें करार असे; तरि मशारनिलेकडील कमाविसदारांशीं रुजू होऊन मुकासबाबेचा अमल सुदामत प्रमाणें सुरळीत देणें म्हणून पत्रें:–

इ. स. १७६२–६३
सलास सितैन मया व अलफ
सवाल १५.

---

# POLITICAL MATTERS.

## ( b ) MATTERS RELATING TO

### ( 8 ) The Bhoslas of Nagpur.

146 A Saranjam was continued to Haibatrav Bandgar Amir-ul-umrao under Shahaji Bhosle.

A. D. 1762-63

जमीदार माहालां निहाय यांस पत्रें.
१ परगणे चितापूर.
१ परगणे येदगीर.
१ परगणे कोटूर.
१ परगणे कलबर्गें पैकीं तर्फा
१ कडगंची.
१ कमळापूर.

---

२
१ परगणे अबदलपूर.
१ परगणे मेहेंदरगी.
१ परगणे नळदुर्गपैकीं देहे ४९.
१ परगणे आवसेंपैकीं देहे ७५.
१ परगणे अहिरवाडी.
१ परगणे मदरूळ.
१ परगणे अलमेलें.
१ परगणे प्रतापपूर निमें.
१ परगणे येरगोल.
१ परगणे ढौकीपैकीं देहे ११.

---

१४
मोकदम यांस पत्रें.
१ कसबे उडचल.
१ कसबे हिपरगे.
१ कसबे मनूर.
१ कसबे माशाल.

---

४
जानोजी निंबाळकर यांस परगणे आवसें विशीं साहित्यपत्र. १

पत्रें १९ चिटणिशी.

इ० स० १७६३–६४
आर्बा सितैन.
मया व अलफ
रबिलावल १४.

१४७–( ११६ ) जानोजी भोसले सेनासाहेब सुभा हे परराज्यांत गेले होते, याजकरितां यांचीं वतनें वगैरे गांव जप्त केले होते; त्यास मशारनिले सरकारांत येऊन भेटले, याजकरितां यांचीं वतनें वगैरे मोकळीं करून सुदामत प्रमाणें चालवणें म्हणोन पत्रें.

३ परळीचे देशमुखीविशीं पत्रें.
१ अवचितराव गणेश.
१ व्यंकाजी माणकेश्वर व विष्णु नरहर यांस.
१ भावनी जाधव व कारकून किल्ले सजणगड.

---

३

---

A. D. 1763-64

147 Janoji Bhosle Sena Saheb Subha having gone over to a foreign state, his watans &c had been attached; on his visiting the Peshwa, the attachment was removed.

१ मौजे पाडळी तर्फ भोजापूर परगणे अकोलें येथील पाटिलकी सुरपसिंग हजारी निसबत मशारनिले याजविशीं कृष्णाजी शिवाजी यांस पत्र.

१ तर्फ अकोळनेर व पोहे पेडगांव व नगर हवेली गांव त्रिसष्ट येथील देशमुखीचे वतनाविशीं गणेश विठ्ठल यांस पत्र.

१ कसबे वाई प्रांत मजकूर येथील मोकासबावेचे ऐवजीं रुपये ११३ एकशें तेरा गोपाळ अनंत निसबत मशारनिले यांस सालाबाद नेमणूक आहे; सदरहू रुपये पावते करीत जाणें म्हणोन शामराव अंबाजी यांस —————— पत्र.

---

६

चिटणिशी.

१४८–( १२४ ) राजश्री जानोजी भोसले सेनासाहेब सुभा यांसि फौजेचे बेगमीस सरंजाम सालमजकुरापासोन जागिरीचा अमल पेशजीच्या अमलदाराकडून दूर करून, परगणे मजकुरीं इनाम गांव व धर्मादाय व रोजिनदार वगैरे सुदामत चालत आले आहेत ते खेरीज करून, बाकी जागिरीचा अमल देणें, म्हणोन

इ. स. १७६३–६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
रबिलाखर ४.

जमीदारांस —————— सनदा.

१ परगणे मेहकर.
१ परगणे भोकर.
१ परगणे मुगूटमुखेड
१ परगणे साखरखेडलें.
१ परगणे बासर.
१ परगणे कलमजुरी.
१ परगणे बरड.
१ परगणे चारठाणें.
१ परगणे पडदूर.
१ परगणे आंबें जोगाईचें.
१ परगणे म्हसें.
१ परगणे निंदूर.
१ परगणे परबाणी.

१ परगणे लोणर.
१ परगणे टाकळी नीलवर्ण.
१ परगणे बरदापूर.
१ परगणे मुधोलें.
१ परगणे उदगीर.
१ परगणे निटूर.
१ परगणे कडेचूर.
१ परगणे वडमान.
१ परगणे अमरचित्ता.
१ परगणे उटकूर.
१ परगणे मगथळ.
१ परगणे कालंगी.
१ परगणे कोंडोलगी.

१ परगणे अर्धापूर.
१ परगणे मंगलगी.
१ परगणे कानकुडती.
१ परगणे रेवा मुकुंदपूर.
१ परगणे वसमंत.
१ परगणे बोधन.
१ परगणे जळगांव, प्रांत खानदेश.

---

३३

एकूण तनखा.
३२०६६३५॥=।·

---

148. The Jahagir Amal of 33 Paraganas valued at Rs. 3206635. was conferred as a military Saranjam on Janoji Bhosle Sena Saheb Subha.

A. D. 1763–64.

एकूण तेहतीस महालांच्या सनदा जागिरीच्या अमलाच्या दिल्या असेत. रसानगी यादी.

१४९-( १४२ ) जानोजी भोसले सेनासाहेब सुभा यांस सनद कीं, तुम्हांस पेशजी बत्तीस लक्षांची जागीर दिली, त्याजवर सतसष्टशें रुपये तनख्याची जहागीर जाजती गेली आहे; ते हल्लीं राजेश्री गणेश तुकदेव वकील तुम्हांकडील यांस करार करून दिली असे, तरि सदरहू सहा हजार सातशें रुपये तनख्याचे गांव मशारनिलेस नेमून देणें म्हणोन

इ. स. १७६३-६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
साबान १२.

सनद १. रसानगी यादी.

१५०-( ३८२ ) माधवराव केशव व हरी विश्वनाथ यांचे नांवें सनद कीं, परगणे कडेचूर व परगणे अमरचित्ता राजश्री जानोजी भोसले सेनासाहेब सुभा यांणीं सरकारचे मुत्सद्दी यांस दरबारखर्चाबद्दल दिले ते सरकारांत ठेवून कमावीस सांगितली. महालः—

इ. स. १७६५-६६
सित सितैन
मया व अलफ
रबिलाखर ७.

| | |
|---|---|
| १ परगणे कडेचूर | ७८७५० |
| १ परगणे अमरचित्ता | ३३७५० |
| २ | ११२५०० |

एकूण सदरहू प्रमाणें दोन महालची मामलत तुम्हांस सांगितली असे; तरि इमानें इतबारें वर्तोन अमल चौकशीनें करून आकार होईल तो ऐवज सरकारांत पावता करून पावल्याचे जाब घेत जाणें. सदरहू मामलत संबंधें कलमें बितपशीलः—

महाल मजकूरची नेमणूक रुपये.

५००० माधवराव केशव यांस पेशजी मैराळ केशव यांचे नांवें तैनात होती, त्या- प्रमाणें हल्लीं मशारनिलेचे नांवें करार रुपये.

२००० खासा रुपये.

---

149. A Saranjam of 32 lacs had been assigned to Janoji Bhosle Sena Saheb Subha, but he had actually received territory worth Rs 3206700: he was directed to make over villages valued at Rs. 6700 to the Government's agent with him named Ganesh Tukdev.

A. D. 1763-64

150 The Parganas of Kadechur and Amarchitta were received from Janoji Bhosle, Sena Saheb Subha, on account of Darbar Kharch and were made over for management to Madhavrav Keshav and Hari Vishwanath.

A. D. 1765-66.

१८०० खुद्द.
२०० शागीर्दपेशा.

२०००

९०० कापड.
३००० स्वार. १९
दर प्रमाणें.
२००

५०००

२००० हरी विश्वनाथ.
१००० खासा रुपये.
९०० खुद्द.
१०० दिवट्या अफतागिरा.

१०००

१००० स्वार ५ दर २००
प्रमाणें रुपये.

२०००

६०० कारकून.
३५० राघो त्रिंबक फडनीस.
२५० गणेश केशव मजमदार.

६००

५०० रावजी केशव.

३०० कित्ता कारकून असामी २ दर
१५० प्रमाणें.

८४००

एकूण आठ हजार चारशें रुपये नेमणूक सदरहू प्रमाणें करार केली असे; परगणे मजकूरचे ऐवजीं घेत जाणें. येणेंप्रमाणें कलम १.

मुकासा बाबती सरदेशमुखी यांच्या ऐवजाची हुजूरून नेमणूक होईल त्याप्रमाणें ऐवज पावता करावा. येणेंप्रमाणें कलम १.

प्यादे, स्वार, शिबंदी वगैरे खर्च पेशजी नेमणुका सरकारांतून करार करून दिल्या होत्या, त्या मनास आणून त्या अजमासें खर्च करावा. येणेंप्रमाणें कलम १.

सरकारचे कारकुनाचे हातें कामकाज घेत जाणे. येणेंप्रमाणें कलम १.

परगणे मजकूरची लावणी उत्तम प्रकारें करावी येणेंप्रमाणें कलम १.

सदरहू महालचा आकार चौकशीनें मेहनतीनें करावा. त्यांपैकीं नेमणुकेप्रमाणें खर्च वजा होऊन बाकी ऐवज राहील तो तुम्हीं उभयतांनीं आपले रद कर्जांत ध्यावा. पेस्तर मामल्याचा हिशेब आलियावर पेस्तर सालीं सर्व बंदोबस्त करून दिला जाईल. सदरहू मामलेचा कच्चा हिशेब हुजूर आणून समजावा. येणेंप्रमाणें कलम १.

एकूण साहा कलमें करार केलीं असेत; सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें म्हणोन सनद १.
येविशीं चिटाणिशी —— पत्रें १३.

२ परगणे मजकूरचे माजी कमाविसदारांस पत्रें कीं, परगणे मजकूर अमल मशारनिले करतील, तुम्हीं दखलगिरी न करणें, ठाणे जकीरासुद्धां यांचे हवालीं करून कबज घेणें म्हणोन पत्रें:-

१ परगणे अमरचित्ता निसबत.
१ परगणे कडेचूर निसबत.

———

२

११ साहित्यपत्रें चिटणिशी
२ जमीदारांस.
१ माधवराव रत्नाकर.
१ विठोजी चव्हाण.
१ शहाजी भोसले.
१ धोंडो रामचंद्र.

———

१३

१ रामचंद्र जाधवराव.
१ गुडमटकलकर जमीदारास.
१ गदवालकर जमीदारास.
१ आनंदराव भिकाजी रास्ते यांस.
१ बाबूराव सदाशिव.

———

११

———

१४

सदरहू महाल अमरचित्ता व कडेचूर दरबारखर्चाबद्दल राजेश्री जानोजी भोसले सेनासाहेब सुभा यांनीं सरकारांत मुत्सद्दी यांस दिले, तनखा रुपये.

८३७५० परगणे कडेचूर.
३८७५० परगणे अमरचिता.

———

१२२५००

तपशील
८३५०० सखारामपंत.
६०००० खासा.
२३५०० सकरोबा

———

८३५००

१०००० चिंतो अनंत.
१०००० रामाजी बल्लाळ.
७००० गंगाधर यशवंत दिमत होळकर.
५००० चिंतो विठ्ठल,
५००० निळो गोपाळ.
२००० बाळाजी शंकर.

———

१२२५००

एकूण एक लक्ष बेवीस हजार पांचशें रुपये तनखा सदरहू महाल सरकारांत दिले असेत; अमल सुरळीत देणें म्हणोन हरदू महालचे जमीदारांस भोसले यांणीं पत्रें देऊन हुजूर पाठविलीं, तीं सरकारचे कमाविसदारांचे स्वाधीन केलीं असेत; माधवराव केशव यांचे नांवें खत लिहोन दिलें कीं तुमचा ऐवज सरकारांतून देणें——————रुपये.

७४३९८॥। बदल परगणे अमरचित्ता व परगणे वडमान येथील मामलत आनंदराव केशव व कृष्णाजी जिवाजी यांस सन सितैनांत सांगोन रसद घेतली ते परगणे मजकुरीं उगवली नाहीं; सबब फाजील सरकारांतून हिशोबाची मखलासी होऊन करार मित्या शके १६८६ तारण नाम संवत्सरे रुपये.

४९७१९॥= छ. ३ जिल्हेज जेष्ठ शुद्ध ५ सन खमस ऐन मुद्दल रुपये.
२४६७८॥= व्याजाबद्दल चार महिने वजा होऊन करार मित्ती छ. ३ रविलाखर आश्विन शुद्ध पंचमी सन खमस

७४३९८॥·
२०००० कित्ता मित्ती आश्विन शुद्ध १ छ. २९ रविलावल सन सित सितैन देणें रद कर्ज केसो महादेव फडके बद्दल फाजील सावळी सरभुवन वगैरे महालचे ऐवजीं सदरहू मित्ती शके १६८७ पार्थिवनाम संवत्सरे. रुपये.

९४३९८॥·

एकूण चवऱ्याणव हजार तीनशें पावणे नव्याणव रुपये सदरहू प्रमाणें तुमचा ऐवज सरकारांतून देणें तो कर्ज सरकारांत ठेविला असे; यासि व्याज दरमाहे दरसदे १ एकोत्रा शिरस्तेप्रमाणें करार केलें असे; जाले मुदतींचें व्याज व मुद्दल हिशेब करून देऊं, रसानगी हिशेब —— खतें १.
सदरहू खतांत लिहिलें आहे, परगणे वडमान व अमरचित्ता येथील हिशेबजमाखर्चाचा हुजूर दिल्हा आहे, त्यांत तफावत पडल्यास तफावत निघेल तो ऐवज सदरहू ऐवजांत वजा होईल, येणेंप्रमाणें लिहिलें असे.

इ. स. १७६८-६९
**तिसा सितैन**
**मया व अलफ**
सवाल ८.

१५१-( ६०३ ) चिंतामण हरी यांचें नांवें सनद कीं, तुम्हीं पत्र पाठविलें तें पावलें; भोसल्यांनीं नरहर बल्लाळ यांसि तीन हजार फौजेनिशीं खानदेश प्रांतीं लबाडी करावयासि पाठविले आहेत. परगणे जळगांव नजीक येऊन राहिले आहेत. त्याप्रमाणें विश्वासराव रामचंद्र कमाविसदार परगणे बोदवड यांणीं बातमी लिहिल्यावरून तीनशें राऊत ठेऊन तिकडील बंदोबस्तास गेलां म्हणोन लिहिलें तें कळलें. त्यास तीनशें स्वार जदीद ठेवून गेलां, उत्तम केलें. चौकशीनें खर्च करून उत्तम रितीनें बंदोबस्त करणें. त्या फौजेचा शह वारल्यावर नवे लोक दूर करणें, म्हणोन सनद १. परवानगी रूबरू.

इ स० १७६८-६९
**तिसा सितैन**
**मया व अलफ**
मोहरम ३.

१५२-( ६१८ ) राजेश्री जानोजी भोसले सेनासाहेब सुभा यांजकडील करार मदार विद्यमान दिवाकर पुरुषोत्तम दिमत मशारनिले बरहुकूम करारी याद छ. १४ जिल्काद मुकाम मौजे कनकापूर सन्निध ब्रह्मेश्वर गंगा उत्तरतीर —— कलमें.

---

A. D. 1768-69.

151. The Bhosle sent Narahar Ballal at the head of an army to invade Khandesh. While the army was near Pargana Jalgaon, Vishwasrav Ramchandra, the Kamavisdar of Bodwad informed Chintaman Hari of their approach. Chintaman Hari enlisted 300 Men and marched against the Bhosle's army. His action was praised.

152 The following are the terms of an agreement entered into by

सरकारांत जहागीर द्यावी
१ जुनी जाहागीर सरकारांतून माहाल दिले आहेत ते माघारे द्यावे.
१ रेवा मुकुंदपूर.
१ चारठाणें.
१ जितूर.
१ साखरखेडलें.
१ मेहेकर.
१ मोहबा.
६

---

A. D. 1768-69 Divakar Purushottam on be-half of Janoji Bhosle on 14th Jilkad at Kanakapur near Brahmeshwar, to the north of the Godavari:—

( 1 ) The Bhosla should surrender the mahals of Rewa Mukundpur, Char Thane, Jitur, Sakharkhedle, Mehekar and Mohoba;

( 2 ) He should also surrender, either Fatesing Bhosle's share in Berar or three other Mahals ( in lieu of the above, Pargana Balapur was at last agreed to be surrendered. )

( 3 ) He should make no levies of Ghasdana in the Mahals of Jalnapur, Paithan and 9 others; in regard to the Ghasdana due from other Mahals of Government, a fixed amount would be paid by Government and no direct levy should be made;

( 4 ) He should not enter into alliance with the Emperor of Delhi, the English, Narjibkhan, Sujatdowla and other Sirdars of Hindustan, or hold communication with them;

( 5 ) He should behave honestly and loyally towards Government and should be ready to bring troops for service in person, or to send them with his brother or with Divakar Purshottam, when called upon to do so;

( 6 ) He should pay to Government a Nazar of Rupees 500000.

( 7 ) He should not enlist any Silledar or other person under the displeasure of Government;

( 8 ) The Bhosla should keep one agent with the English in connection with the affairs of Cuttack and oue with the Nizam in regard to Berar, but they should negotiate in regard to revenue matters only;

( 9 ) Cloth worth Rupees 5000 should every year be sent from Wasim and Balapur;

( 10 ) No more troops than are necessary ( for the recovery of the revenue ) should be entertained;

( 11 ) The amount of Ghasdana due from the Nawab's territory would be paid by the Nawab: in case the amount be not paid, it may be levied direct.

१ फत्तेसिंग भोसले यांचा हिस्सा वऱ्हाड प्रांतीं आहे तो द्यावा; अगर परगणे जामोद व परगणे अकोट व परगणे आडगांव हे तिन्ही महाल, यांत सरकारचे मर्जीस येईल ते द्यावे.

---

२

येणें प्रमाणें करार जाहालियावर मोबदला बाळापूर मागितलें, तरि करार केला असे, पुढें घालमेल करूं नये. घालमेल जहालियासि घडणार नाहीं.

किता कलमें.

१ हिंदुस्थानांत पातशाहा, इंग्रेज व नजीबखान व सुज्यात दौला वगैरे हिंदुस्थानचे सरदार, यांजकडे खतपत्र पाठवूं नये व राजकारण राखूं नये

१ मशारनिलेंनीं सरकारांत अकृत्रिमपणें चालावें.कोणाशीं राजकारण राखूं नये व फितवा-फापडा करूं नये. निष्ठेनें सेवा करावी. ज्या गोष्टीनें सरकारांत विरुद्ध ती गोष्ट करूं नये. चाकरीस बोलावूं तेव्हां आपण यावें, अगर भावास पाठवावें, अगर दिवाकर पुरुषोत्तम यांणीं यावें.

१ कटकाविशीं जाबसालास इंग्रजाकडे वकील असावा; त्याणें मामलत संबंधें मात्र जाबसाल करावा व कागदपत्र जाणें तोहि मामलत संबंधें जावा; दुसरे प्रकारें कांहीं नसावें.

१ नबाब निजाम अलीखान यांजकडे पूर्ववत् प्रमाणें वकील असावा; त्यांणीं वऱ्हाडचे मामलत संबंधें जाबसाल करावा व तुम्हीं लिहिणें तो [ तें ] ही याच जाबसालाचें लिहावें. वरकड कोणेविशीं शिलशिला राखूं नये. वकील सरकारचे वकिलाचे इतल्यानें असावा.

नबाबाचे महालांत घासदाणा घेतां त्याचा मुकरर करून ऐवज नबाब देतील; न दिल्यास घासदाणा मात्र घ्यावा. वरकड कोणेविशीं त्यांचे महालास तसदी देऊं नये.

---

९

येणें प्रमाणें पांच कलमें करार.

सरकारचे माहालांत घासदाणा घेऊं नये व उपद्रव लावूं नये.

१ परगणे जालनापूर.
१ परगणे पैठण.
१ परगणे अंबाड.
१ परगणे गांडापूर.
१ वैजापूर.
१ वाळुंज.
१ अंबडापूर.
१ रांजणी.
१ रोशनागांव.
१ आंवढें.
१ आंबें जोगाईचें.

---

११

अकरा महाल लिहिले आहेत. यांशिवाय पेशजी करारांत घासदाणा घेऊं नये असा महाल असेल तेथील घेऊं नये. वरकड सरकारचे महालीं सालाबादी घासदाणा द्यावयाचा असेल त्याप्रमाणें करार करून ऐवज सरकारांतून देवविला जाईल.

महालास उपद्रव काडीभर लागूं नये. येणें प्रमाणें करार. कलम १.

सरकारांत नजर रुपये ५०००० १ पांच लक्ष एक रुपया द्यावा. यासि किस्तबंदी साल मजकूर सन तिसापासून दरसाल एक लक्ष देत जावें. सालमजकूरचा ऐवज अखेर सालीं द्यावा. पेस्तर दरसाल दसरियास देत जावा. येणें प्रमाणें करार. कलम १.

कोणी शिलेदार अथवा जो कोणी सरकारांत रुजू नसेल त्यास तुम्हीं ठेवूं नये व आश्रा देऊं नये. येणें प्रमाणें करार. कलम १.

वासीमचें कापड दोन हजारांचें व बाळापूरचें तीन हजारांचें याप्रमाणें दरसाल चांगलें फर्मासी पाठवीत जावें. येणें प्रमाणें करार. कलम १.

फौज तुम्हीं ठेवणें ते आपले ऐवजापुरती ठेवावी, अधिक ठेवूं नये. येणें प्रमाणें करार. कलम १.

फत्तेसिंग भोसले यांचा हिस्सा वऱ्हाड प्रांतीं आहे, तो द्यावा; अगर अकोट, आडगांव, जामोद हे तिन्ही महाल सरकारांत द्यावे; असें कलम लिहिलें आहे. त्यास हल्लीं दोन्ही मजकुराचे ऐवजीं बाळापूर परगणियांत तुमचा अंमल सरदेशमुखीसुद्धां दरोबस्त असेल, तो सरकारांत द्यावा. सनदा द्याव्या. येणें प्रमाणें. वरचे प्रमाणें रद्द असे. बाळापूर करार असे. कलम १.

इ० स० १७६८–६९
तिसा सितैन
मया व अलफ
मोहरम.

१५३-( ६१२ ) लक्ष्मण खंडेराव यांचे नांवें सनद कीं, परगणे बाळापूर, प्रांत वऱ्हाड, येथील राजश्री जानोजी भोसले सेनासाहेब सुभा यांजकडील अमल सरकारांत घेतला, त्याची कमावीस तुम्हांस सांगितली असे; तरि इमानें इतबारें वर्तोन, अमल चौकशीनें करून, आकार होईल तो सरकारांत पावता करून पावलियाचा जाब घेणें. परगणे मजकूरचे बंदोबस्तास स्वार व प्यादे हुजुरून दिले आहेत, त्यांची बेगमी हुजूर केली असे, त्याची यादी अलाहिदा आहे, त्याप्रमाणें पुढें घेत जाणें म्हणोन सनद १.

येविशीं चिटणिशी —— पत्रें २

१ विठ्ठल बल्लाळ दिमत सेनासाहेब सुभा यांस कीं, परगणे मजकूरचा अमल यांचे हवालीं करणें म्हणोन.

१ जमीदाराचे नांवें कीं, रुजू राहून अंमल सुरळीत देणें म्हणोन.

—
२ ——— ३

रसानगी यादी.

153. Pargana Balapur in Prant Berar was taken from Janoji Bhosle Sena Saheb Subha, and made over for management to Laxman Khanderav.

A. D, 1768–69.

१५४-( ६१३ ) पिराजी कोंडे व गोविंदराव कोंडे शिवापूरकर, दिमत जानोजी भोसले सेनासाहेब सुभा, यांचे घरीं चौकी बसवून वस्तभाव सर्व जप्ती करून मुलें माणसें किल्ले सिंहगड येथें नेलीं आहेत. त्यास मशारनिलेचा व सरकारचा तह जाला, सबब जप्ती मोकळी असे; तरि कोंडे मजकूरची वस्तभाव मुलें माणसें सोडून देणें, यांचे घरीं चौकी बसविली असेल ते उठवणें, म्हणोन शिवराम रघुनाथ यांस चिटणिसी पत्र १.

इ० स० १७६८-६९
तिसा सितैन
मया व अलफ
मोहरम १०.

# १ राजकीय.

## ( ब ) इतर माहिती.

### ९. पवार.

१५५-( ५५१ ) कृष्णाजी पवार व जिवाजी पवार यांचे नांवें सनद कीं, तुम्हीं व खंडेराव पवार यांणीं हुजूर कसबे पुणें येथील मुकामीं येऊन विनंती केली कीं, आपल्यास हिंदुस्थानचे खंडणीचा हिस्सा दर सद्दे तेवीस रुपये प्रमाणें पेशजी पावत होता, त्यास अलीकडे हुजूर चाकरीस ठेविल्यामुळें हिस्सा पावला नाहीं म्हणोन; त्याजवरून पेशजी तेवीस रुपये हिस्सा दर सद्दे खंडणीपैकीं पावत होता तो दूर करून, व पूर्वी अंतरवेद मुलूख सुटला आहे त्याची वांटणी देऊं नये याप्रमाणें करार करून, हल्लीं तुम्हांस

इ० स० १७६७-६८
समान सितैन
मया व अलफ
जिलकाद ५.

---

154. The houses of Piraji Konde and Govindrav Konde Siwapurkar in the service of Janoji Bhosle, had been attached and their families had been kept in confinement in Sinhagad; a treaty having been concluded with Janoji, the attachment was ordered to be removed and the families confined were ordered to be set at liberty.

A. D. 1768-69.

# POLITICAL MATTERS.

## (b) MATTERS RELATING TO

### (9) The Pawars.

155. Krishnaji Pawar and Jiwaji Pawar and Khanderav Pawar represented that they used formerly to receive Rs. 23 out of every 100 Rupees levied as tribute in Hindusthan, but that the practice had been discontinued, since they had been kept for service at the Huzur; they were now sent to serve in Upper India and were allowed Rs. 12 out of every 100 Rupees of the revenue of newly conquered provinces, excepting Antarved which had already been brought under

A. D. 1767-68.

हिंदुस्थानांत चाकरीस रवाना केलें, सबब वांटणी द्यावयाचा करार हिंदुस्थानांतील पेशजीचे संस्थानिकांकडे साल मजकूर सन समान सितैनापासून खंडण्या करार होतील, त्या पैकीं व नूतन मुलूख सुटेल त्यापैकीं दर सद्दे वांटणी द्यावयाचा करार———रुपये.

११॥ बरहुकूम पेशजी रुपये २३ पैकीं निमे दूर करून निमे द्यावयाचा करार.

।॥। जाजती.

---

१२

यासी तपशील.

७।= सरकारचे हिश्शापैकीं.

४॥= शिंदे होळकर पैकीं.

२।- शिंद्यांचे हिश्शापैकीं.

२।- होळकरांचे हिश्शापैकीं.

---

४॥=

---

१२

एकूण बारा रुपये दर सद्दे द्यावयाचा करार करून तुम्हांकडे व खंडेराव पवार यांजकडे कदीम सरंजाम फौजेस आहे, त्याशिवाय जाजती स्वार २००० दोन हजार राऊत सदरहू वांटणीचे ऐवजावर चाकरीस आणावे, याप्रमाणें करार केला असे; तरि यापैकीं दोन हिस्से खंडेराव पवार यांचे, त्यांणीं दोन हजार राऊत पैकीं तेराशें चौतीस राऊत चाकरीस आणावे, त्यांस हिस्सा दर सद्दे रुपये ८ आठ प्रमाणें वजा करून बाकी तिजाई रुपये ४ चार रुपये दर सद्दे तुम्हांस द्यावयाचे करार करून राऊत असामी ६६६ साहाशें साहासष्ट स्वार जाजती चाकरीस आणावे, याप्रमाणें करार केला असे; तरि सदरहू चार रुपये वांटणी दर सद्दे घेत जाऊन साहाशें साहासष्ट राऊत जाजती व याशिवाय कदीम राउतांची मिळोन गणती राजश्री महादजी शिंदे यांजकडे देत जाऊन सरकार चाकरी एकनिष्ठेनें करीत जाणें, म्हणोन

सनद १.

---

subjection. The amount granted was to be made up in the following proportions:—

| | |
|---|---|
| Rs. 7–6 | out of the share of Government. |
| 2–5 | out of the share of Sindia. |
| 2–5 | out of the share of Holkar. |
| Rs. 12–0 | |

They were in return directed to keep up 2000 additional sowars.

महादजी शिंदे यांस कीं, बारा रुपये दर सद्दे द्यावयाचे करार करून पवार याजकडे कदीम सरंजाम फौजेस आहे, त्याशिवाय जाजती स्वार २००० दोन हजार राऊत सदरहू वांटणीचे ऐवजावर चाकरीस आणावे, याप्रमाणें करार केला असे; तरि यापैकीं होळकरांकडील वांटणीचे दर सद्दे सवादोन रुपये एक आणा त्यांजकडून देविला असे, बाकी तुम्हांकडून —— रुपये.

७।= सरकारचे हिश्शापैकीं.
२।- तुमचे हिश्शापैकीं.

———

९॥≡

एकूण साडे नऊ रुपये तीन आणे देविले असेत, तरि यांपैकीं खंडेराव पवार यांचे दोन हिस्से, त्यांणीं दोन हजार राऊत पैकीं तेराशें चौतिस राऊत चाकरीस आणावे, त्याची सनद आलाहिदा तुम्हांस सादर होईल त्याप्रमाणें दोन हिस्से त्यांस देत जाणें; बाकी एक हिस्सा तिजाई कृष्णाजी व जिवाजी पवार यांचा; यांणीं दोन हजार राऊत पैकीं तिजाई स्वार ६६६ साहाशें साहासष्ट राऊत जाजती यांची व कदीम सरंजामाचे राउतांची हजिरी गणती घेऊन चाकरी घेत जाऊन सदरहू साडे नऊ रुपये तीन आणे दर सद्दे यापैकीं एक हिस्सा तिजाई वांटणी यास देत जाणें म्हणोन —— सनद १.

तुकोजी होळकर यांचे नांवें सनद कीं, पवार यांस हिस्सा दर सद्दे बारा रुपये द्यावयाचा करार करून सदरहूचे वांटणीवर जाजती दोन हजार राऊत चाकरीस आणावे. याप्रमाणें करार करून पैकीं महादजी शिंदे यांजकडून देविले रुपये

७।= सरकारचे हिश्शापैकीं.
२।- शिंद्यांचे हिश्शापैकीं.

———

९॥≡

बाकी तुमचे हिश्शापैकीं २।- सवा दोन रुपये एक आणा देविला असे; तरि सदरहू पैकीं दोन हिस्से खंडेराव पवार यांचे, याची सनद आलाहिदा सादर होईल त्याप्रमाणें दोन हिस्से त्यांस देत जाणें. बाकी एक हिस्सा तिजाई कृष्णाजी व जिवाजी पवार यांस देविला असे, तरि देत जाणें, म्हणोन सनद १.

रसानगी याद. ———
२.

# राजकीय.

## ( ब ) इतर माहिती

### १० शिंदे आणि होळकर.

१५६–( ६ ) राजश्री मल्हारजी होळकर शिलेदार यांस महाल व किल्ले व गांव वगैरे करार करून दिले त्याजविशीं—————————सनदा.

इ स० १७६२–६३
**सलास सितैन मया व अलफ**
रबिलावल ३.

मौजे बिबवी, तर्फ खेड, प्रांत जुन्नर, हा गांव दुमाला राजश्री होळकर यांजकडे आहे; त्यास मौजे मजकुरीं सरकारची खेरीज हुजूर पागेकडे घ्यावयाची नेमणूक गल्ला व कडबा आहे, ते न घ्यावी म्हणोन हुजूर विनंती केली; त्याजवरून हे सनद तुम्हांस सादर केली असे, तरि तुम्हीं मौजे मजकुरास खेरीज गल्ल्याचा तगादा नवीन न करणें, म्हणोन नरसिंगराव उद्धव यांस सनद १.

मौजे डोहोगांव, परगणे नेवासें हा गांव राजश्री मल्हारजी होळकर यांजकडे इजारा दिला असे; तरि मौजे मजकूर येथील मक्ता मशारनिलेकडेस करार करून देऊन, आपले कुल ऐवजाची निशा करून घेऊन गांव यांजकडे चालवणें, म्हणोन नारो बाबाजी नामजाद परगणें.नेवासे वगैरे महाल यांस सनद १.

---

# POLITICAL MATTERS.

## ( b ) MATTERS RELATING TO

### ( 10 ) Sindia and Holkar.

156 Mouje Bibawi in tarf Khed of Prant Junnar having been alienated to Malharji Holkar Silledar, Narsingrav Udhav was directed not to make any demand upon the village for the supply of grain required for the Huzur cavalry. The village of Dohogaum in Pargana Newase having been farmed out to Malharji Holkar, Naro Babaji was directed to take proper security for the payment of the amount agreed upon and to hand over the village to Holkar.

A. D. 1762–63.

The Pargana of Nandurbar in Prant Khandesh, excepting the Mokasa share of the revenne, and the village of Manchar in Prant Junnar were given as military Saranjam to Malharji Holkar. The forts of Galna ( with a Saranjam of Rs. 15000 ) and the fort of Chandwad were entrusted to the management of Malharji Holkar.

परगणे नंदुरबार, सरकार मजकूर, प्रांत खानदेश, येथील मोकासा खेरीज करून जहागीर व बाबती व सरदेशमुखी सुद्धां दरोबस्त अमल पेशजीचे अमलदाराकडून दूर करून सालमजकुरापासोन राजश्री मल्हारजी होळकर यांजकडे फौजेच्या सरंजामास करार करून दिला असे; तरि परगणे मजकूर येथील मुकासाखेरीज करून बाकी दरोबस्त अमल सदरीं लिहिल्याप्रमाणें मशारनिलेकडे देणें. तुम्ही दखलगिरी एकंदर न करणें, म्हणोन कृष्णाजी विश्वनाथ यांस सनद १.

येविशीं परगणे मजकूरचे जमीदारांस कीं, अमल सुरळीत देणें, म्हणोन सनद १.

मौजे मनचर, तर्फ महाळुंगे, प्रांत जुन्नर, येथील दरोबस्त अमल राजश्री मल्हारजी होळकर यांजकडे फौजेचे सरंजामास सालमजकुरापासून दिला असे; तरि मौजे मजकूरचा आकार होईल तो दरोबस्त मशारनिलेचे नांवें खर्च लिहीत जाणें, म्हणोन हरी दामोदर यांस सनद १.

मौजे मजकूरचे मोकदमास पत्र कीं अमल सुरळीत देणें, म्हणोन सनद १.

२

मौजे पिसोरें, परगणे कर्डे, येथील जहागीर सरदेशमुखीचा अमल तुम्हांकडून दूर करून सालमजकुरापासून राजेश्री सुलतानजी लांबहाते दिमत होळकर यांस मोकासा दिला असे; तरि सदरहू बाबेचे अंमलाची दखलगिरी तुम्हीं न करणें, म्हणोन बाबूराव माणकेश्वर यांस सनद १.

मौजे मजकुरचे मोकदमास कीं, अमल देणें म्हणोन १.

२.

मशारनिलेचें नांवें सनद कीं, तुमचे निसबतीस किल्ले:—

१ किल्ले गाळणा पहिलेपासून तुमचे निसबतीस आहे, त्याप्रमाणें हल्लींकरार केला असे.

१ किल्ले चांदवड सालमजकुरापासून —दिला असे.

२

एकूण दोन किल्ले तुमचे निसबतीस दिले असेत; तरि सदरहूप्रमाणें दोन्ही किल्ले तुम्हीं आपले हवालां करून घेऊन चौकी पहारा अलंग नौबद करून किल्ले जतन करणें, म्हणोन सनद १.

किल्ले गाळणा राजश्री मल्हारजी होळकर यांचे निसबतीस आहे, त्याप्रमाणें यांजकडे करार केला असे; तरि किल्ले मजकूरचे सरंजामाचीं गांव खेडीं आहेत, त्यासुद्धां किल्लेमजकुरास सरंजाम रुपये १५००० पंधरा हजारचा करार केला असे; तरि पंधरा हजारांचीं खेडीं पहिल्या सरंजामासुद्धां परगणे गाळणा येथें नेमून देऊन किल्ले मजकुराकडे चालवणें, म्हणोन कृष्णाजी विश्वनाथ यांस सनद १.

किल्ले चांदवड सालमजकुरापासून राजश्री मल्हारजी होळकर यांचे निसबतीस दिला असे, तरि किल्ला जकीरासुद्धां मशारनिलेचे हवाला करून पावल्याचें कबज घेणें, म्हणोन आपाजी हरी यांस सनद १.

एकूण सनदा ११. रसानगी यादी चार.

१५७-( ७३ ) जमीदार परगणे खरगोण यांसी सनद कीं, परगणे मजकूरचा अमल दरोबस्त पेशजीच्या अमलदाराकडून दूर करून राजश्री मल्हारजी होळकर यांस फौजेच्या सरंजामास पेस्तर सालापासून द्यावयाचा करार करून सनद सादर केली असे; तरि परगणे मजकूरचा अमल खेरीज मुकासा करून पेस्तर सालापासून मशारनिलेकडील कमाविसदाराकडे वसूल सुरळीत देणें, म्हणोन सनद १.

इ स. १७६२-६३
सलास सितैन
मया व अलफ
सवाल २७.

परवानगी राजश्री दादो रसानगी निळकंठ महादेव.

१५८-( ७७ ) मल्हारजी होळकर यांचे नांवें सनद कीं, तुह्मांस फौजेस सरंजाम पेस्तर सालापासून पेशजीच्या अमलदाराकडून महाल दूर करून करार करून दिले महाल व गांव बितपशील:—

इ. स. १७६२-६३
सलास सितैन
मया व अलफ
जिल्काद ९.

१ परगणे रावेर, प्रांत खानदेश, खेरीज मुकासा व बाबती व सरदेशमुखी व दुमालेगांव व इनामगांव वजा करून बाकी दरोबस्त अमल.

१ परगणे सावेर, प्रांत माळवा, दरोबस्त खेरीज दुमालेगांव व इनामगांव वजा करून बाकी अमल दरोबस्त.

१ परगणे सुरोंज, प्रांत माळवा, दरोबस्त अमल खेरीज दुमालेगांव व इनामगांव वगैरे वजा करून बाकी दरोबस्त अमल.

१ तर्फ देपूर, परगणे संगमनेर, खेरीज मुकासा व बाबती व सरदेशमुखी व दुमालेगांव व इनामगांव व बाबूराव हरी व मोरो विनायक यांजकडे हुजुरून गांव आहेत ते खेरीज करून, बाकी जाहागिरीचा अमल दरोबस्त.

१ मौजे पांडें, परगणे दिंडोरी, येथील जाहागिरीचा अमल दरोबस्त.

१ मौजे कोरेगांव, तर्फ पाबळ, प्रांत जुन्नर, येथील जहागिरीचा अमल दरोबस्त.

१ सरकार बिज्यागड येथील अमल जाहागीर व बाबती व सरदेशमुखी खेरीज दुमालेगांव व महाल व इनामगांव व महाल मुकासा व हुजुरून कमाविशीनें

---

157 The Pargana of Khargon was conferred as a Military Saranjam on Malharji Holkar.

A. D. 1762-63.

158 The following military Saranjam was conferred on Malharji Holkar; Pargana Raver in Prant Malwa, Pargana Sawer in Prant Malwa, Tarf Depur in Pargana Sangamner, Sirkar Bijagad, Pargana Vaijapur, Pargana Galna in Prant Khandesh and the villages of Pande in Dindori and Koregaum in Tarf Pabal.

A. D. 1762-63.

गांव व महाल निसबतवार असतील ते वजा करून, बाकी दरोबस्त अमल ता। नारो बल्लाळ.

१ परगणे वैजापूर खेरीज मुकासा व बाबती व सरदेशमुखी व दुमालेगांव व इनामगांव वजा करून बाकी दरोबस्त अमल.

१ परगणे गाळणा, प्रांत खानदेश, येथील अमलपैकीं दादूखान ठोके यांसि सरंजाम सालमजकुरीं दहा गांव दिले ते व दुमालेगांव व इनामगांव खेरीजकरून मुकासा वजा करून, बाकी दरोबस्त अमल.

---
९

एकूण नऊ पैकीं दोन गांव व महाल सात सरंजाम करार करून दिला असे; तरि सदरहूप्रमाणें तुम्हीं सरंजाम महालचा व गांवचा लिहिल्याप्रमाणें अमल करून सेवा एकनिष्ठपणें करीत जाणें, म्हणून सनद १. रसानगी यादी.

१५९-( १४७ ) केदारजी शिंदे यांजकडील सालमजकुरीं नजरेचा ऐवज करार केला, बरहुकूम पत्र मशारनिले. मुदती रुपये.

इ० स० १७६३-६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
जमादिलावल १७.

४००००० इस्तकबील कार्तिक शुद्ध १३ तागाईत पौष शुद्ध १३ मुदत माहे २.

४००००० इस्तकबील पौष शुद्ध १३ तागाईत वैशाख शुद्ध १ मुदत माहे ४, उज्जनीस गेल्यावर द्यावे.

---
८०००००

एणेंप्रमाणें आठ लक्ष करार केले असेत.

१६०-( १५२ ) केदारजी शिंदे व महादजी शिंदे यांचे नांवें सनद कीं, जयाजी शिंदे व दत्ताजी शिंदे व जनकोजी शिंदे यांचे कारकीर्दीस जो सरंजाम त्यांकडे चालत होता, त्याप्रमाणें हल्लीं तुमचे नांवें करार करून दिला असे; तर कुल मामलतीचा वगैरे दौलतीचा बंदोबस्त राजश्री अच्युतराव गणेश यांचे विद्यमानें करून पूर्वींपासून स्वामिसेवा एकनिष्ठपणें करीत आलां, त्याप्रमाणें करीत जाणें, म्हणोन सनद १. रसानगी यादी.

इ० स० १७६३-६४.
अर्बा सितैन
मया व अलफ
जमादिलावल १९.

---

159 The Nazar from Kedarji Sinde was fixed at Rs. 8 lakhs.

A. D. 1763-64.

160 The Saranjam enjoyed by Jayaji Sinde, Dattaji Sinde and Jankoji Sinde was continued to Kedarji Sinde & Mahadji Sinde, and Atchutrav Ganesh in the employ of Naro Shankar Raje Bahadur was appointed their Diwan in place of Ramchandra Malhar [ Note-This entry is in Nana Fadnis hand ]

A. D. 1763-64.

केदारजी शिंदे व महादजी शिंदे यांचे नांवें सनद कीं, तुमच्या कुल डौलाची दिवाणगिरी राजश्री अच्युतराव गणेश दिमत राजेश्री नारो शंकर राजेबहादर यांस सांगितली असे; तर पेशजी रामचंद्र मल्हार यांजपासून दिवाणगिरीचा कारभार कुल डौलाचा घेत होते, त्याप्रमाणें यांजपासून घेऊन तुम्ही व हे एकविचारें राहून कुल बंदोबस्त करणें, म्हणोन सनद १. रसानगी यादी.

( या सनदा नाना फडणिसांच्या हातच्या आहेत. )

१६१-( १८१ ) तीर्थस्वरूप राजश्री भाऊसाहेबीं पेशजी गोविंद शामराज यांजवळून कर्ज रुपये घेऊन खत लेहून दिलें आहे, म्हणोन मशारनिलेनीं विनंती केली, त्यावरून तुम्हांस लिहिलें आहे; तरि मशारनिलेचें खत पाहून खताप्रमाणें ऐवज तुम्हांकडील स्वारीचे ऐवजीं देविला असे; तरि खताप्रमाणें ऐवज पावता करून कब्रज घेणें, आणि खतें हुजूर पाठवणें. हिंदुस्थान प्रांतें तुमची स्वारी जाईल तेव्हां ग्वाल्हेर किल्ल्याचा बंदोबस्त करून देणें. किल्ल्याचे बेगमीस पेशजी वराता दिल्या आहेत, त्यांचा ऐवज आदागैरादा मनास आणून गैरादा ऐवज असेल तो स्वारींत पावता करणें. खतें व गैराद्याच्या वराता पाहून वाजवी असल्यास पावता करणें, म्हणोन सनदा. २

इ० स० १७६३-६४.
**अर्बा सितैन मया व अलफ.**
साबान १२.

१ मल्हारजी होळकर यांस.
१ केदारजी शिंदे व महादजी शिंदे यांस.
२

दादासाहेबांच्या रोजकीर्दीपैकीं. लेखांक १६२-१६३

१६२-( २१४ ) मल्हारजी बिन खंडोजी होळकर यांचें नांवें सनद कीं, तुम्हांस फौजेच्या सरंजामास सालमजकुरापासोन पेशजीचे अमलदारापासून दूर करून करार करून दिले महाल व गांव बितपशील:—

इ० स० १७६३-६४
**अर्बा सितैन मया व अलफ**
जिल्हेज २.

१ परगणे सावेर, प्रांत माळवा, दरोबस्त खेरीज इनाम व दुमालेगांव करून बाकी दरोबस्त.

---

161 Govind Shamrav having petitioned for the repayment of a loan made by him on a bond to the late Bhausaheb ( Sadashivrao Bhau ), Malharji Holkar and Kedarji & Mahadji Sinde were directed to pay the amount due according to the bond; they were further instucted on their return to Hindustan to make arrangements in regard to the fort of Gwalior.

A. D. 1763-64.

162 A Military Saranjam was conferred on Malharaji bin Khandoji Holkar from the current year.

A. D. 1763-64.

१ परगणे सिरोंज, प्रांत माळवा, दरोबस्त खेरीज दुमालेगांव व इनाम वजा करून बाकी दरोबस्त अमल.

१ तर्फ देपूर, परगणे संगमनेर, अजदेहेपैकीं वजा दुमालेगांव.

१ मौजे पांगरी ( वगैरे गांव साहा. )

एकूण देहे साहा, बाकी देहे ३९.

एकूणचाळीस गांव येथील जागिरीचा अमल.

१ मौजे पांडें, परगणे दिंडोरी, येथील जागिरीचा अमल दरोबस्त.

१ सरकार बिज्यागड पैकीं दुमाले महाल वजा

१ परगणे कसरावद निसबत व्यंकटराम शास्त्री.

१ परगणे कानापूर कैलासवासी तीर्थरूप राव यांजकडील अन्नछत्राकडे.

२ निसबत खंडेराव पवार.

१ परगणे सुलतानाबाद.

१ परगणे बडखळ.

---

२

१ परगणे बरडे निसबत बाहिरजी बाबर.

२ तुम्हांकडे पेशजीपासोन आहेत.

१ परगणे सेंधवें.

१ परगणे नागलवाडा.

---

२

---

७

सात महाल खेरीजकरून बाकी सरकार मजकूर खेरीज मोकासा व धोंडो मल्हार यांचे गांव [ वजा ] करून बाकी दरोबस्त अंमल.

१ परगणे गाळणा, प्रांत खानदेश, अजदेहे ६४ पैकीं वजा दुमालेगांव.

१० निसबत दादूखान ठोके पहिले सनदे प्रमाणें.

१ कसबे दाभाडी.

१ कसबे पिंपळगांव.

१ [ नांव नाहीं ]

---

१३

एकूण तेरा गांव वजा करून बाकी दरोबस्त परगणे मजकूर जागीर व बाबती सरदेशमुखी खेरीज मोकासा दरोबस्त.

---

६

एकूण सहा पैकीं महाल चार व सरकार व देहे दोन येणेंप्रमाणें सरंजाम करार करून दिले असे; तरि सदरहू प्रमाणें महाल व गांवचा लिहिल्याप्रमाणें अमल करून सेवा एकनिष्ठ करीत जाणें, म्हणोन मशारनिलेचे नांवें सनद १.

याविशीं जमीदाराचे नांवें, रुजू होऊन अमल सुरळीत देणें म्हणोन ३.

१ तर्फ देपूर.
१ सरकार बिज्यागड.
१ परगणे गाळणा.
३ छ. २९ जिल्काद. ४

१६३—( २६६ ) मानाजी शिंदे यांस सरदारी सांगोन बहुमान सदरेस विद्यमान खासा छ. १ मोहरमीं दिला तो खर्च पडिला नाहीं; सबब हल्लीं शिरपेंच घाट साधा, खरेदी बाबू नाईक भिडे, किंमत रुपये ५१६७॥ एकूण.

इ० स० १७६४–६५
**खमस सितैन मया व अलफ**
रबिलाखर २९.

१ पाच मदनाईक.
२२ हिरे व हिरकण्या.
६ माणकें.
२९

एकूण शिरपेंच दागिना १.

१६४—( ३२६ ) मल्हारजी बिन खंडोजी होळकर यांणीं हुजूर येऊन विनंती केली कीं, आपण राज्यांतील एकनिष्ठ सेवक, स्वामिसेवा एकनिष्ठेनें केली; त्यास कृपाळू होऊन परगणे अंबाड, सरकार जालनापूर व मौजे कोरेगांव, तर्फ पाबळ, प्रांत जुन्नर, नूतन इनाम करून देऊन चालविलें पाहिजे म्हणोन; त्यावरून मनास आणून, यांजवर

इ० स० १७६४–६५
**खमस सितैन मया व अलफ**
जिल्हेज १३.

---

163 Manaji Sinde was publicly honoured on the 1st of Moharam and a head-ornament of rubies & diamonds, worth Rs. 5,167 was presented to him.

A. D. 1764-65.

164 The Parganas of Ambad in Sirkar Jalnapur & Koregaum in Tarf Pabal were granted in Inam to Malharji bin Khandoji Holkar for his loyal service.

A. D. 1764-65.

कृपाळू होऊन सदरहूप्रमाणें इनाम नूतन पुत्रपौत्रादी वंशपरंपरेनें करार करून देऊन भोगवटियास सनदा:—

४ परगणे अंबाड सरकार जालनापूर अजदेहे

२३७ पैकीं वजा देहे निसबतवारीकडे

९ निसबत जनकोजी शिंदे.

१ कसबे घनसांगवी.

१ मौजे पानारवाले बुदरूक.

१ मौजे कुंभार पिंपळगांव.

१ मौजे राणी उटेगांव.

१ मौजे मेंडाळें.

—

५

३ निसबत गंगाधर येशवंत.

१ मौजे गोंदी.

१ मौजे व्याह मांडवें.

१ मौजे हिवरें चौंढाळ.

—

३

१ मौजे नऊगांव निसबत रामाजी अनंत

१ मौजे हसनापूर, रंग जोशी गोंदीकर.

१ मौजे गंगाचिंचोली, शेषभट.

१ मौजे महाले दयाळबावा.

५ हकीम महमद अली वैद्य यांजकडे.

१ मौजे सिंदखेड.

१ मौजे अर्धे आडगांव.

१ मौजे राहीर खुर्द.

१ मौजे वाडी पिरगयेब.

१ मौजे ब्रह्मगांव.

—

५

१ मौजे साष्टपिंपळगांव.

—

१८

एकूण देहे अठरा बाकी देहे सुमार २१९ दोनशें एकोणीस येथील जागिरीचा अमल नूतन इनाम करार करून देऊन भोगवटियास सनदा:—

१ मशारनिले यांचे नांवें.

१ मोकादम देहाय परगणे मजकूर यांचे नांवें.

१ देशाधिकारी व लेखक वर्तमान भावी.

१ जमीदारास.

—

४

४ मौजे कोरेगांव, तर्फ पाबळ, सरकार जुन्नर, हा गांव स्वराज्य व मोगलाई दुतर्फा देखील मोकासा खेरीज हक्कदार व इनामदार करून कुलबाब कुलकानू हल्लीं पट्टी पेस्तर पट्टी जल तरु तृण काष्ठ पाषाण निधि निक्षेप सहित नूतन इनाम करार करून भोगवटियास सनदा.

१ मशारनिलेचे नांवें.

१ मोकादमास.

१ कमावीसदार.

१ जमीदार.

—

४

—

८

रसानगीयाद छ. २० जिल्हेज.

१६५-( ३४७ ) शिंदे यांजकडील महालची जप्ती सरकारांत करून जप्तीची कमावीस अंताजी महादेव यांस सांगितली असे, तरि मशारनिलेशीं रुजू होऊन शिंदे यांजकडील अमलाचा वसूल सुरळीत देणें, व सालगुदस्तांचा कच्चा हिशेब मशारनिलेस समजावणें, म्हणोन सनदा.

इ० स० १७६५-६६
सित सितैन
मया व अलफ
मोहरम २.

११ कित्ता महालचा अमल शिंदे यांजकडे आहे त्याविशीं जमीदारांचे नांवें सनदा.

१ परगणे चांभारगोंदें.
१ परगणे सिंदखेड.
१ परगणे पैठण.
१ परगणे एदलाबाद.
१ परगणे शेवगांव.
१ परगणे अंबाडपैकीं गांवचा अमल.
१ परगणे नेवासेंपैकीं गांवचा अमल.
१ तर्फ कर्डेपैकीं गांवचा अमल.
१ परगणे कडेवलीतपैकीं गांवचा अमल.
१ तर्फ पेडगांवपैकीं गांवचा अमल.
१ तर्फ पाटसपैकीं गांव.

---

११

१६ बाबती सरदेशमुखीचे अमलाविशीं जमीदारांचे नांवें सनदा.

१ परगणे पैठण बाबती सरदेशमुखी.
१ परगणे दाऊरवाडी बाबती सरदेशमुखी.
१ परगणें अंबाड सरदेशमुखी तिसरे तक्षिमेचा अमल.
१ परगणे रोशनगांव ऊर्फ परगणे आधेगांव सरदेशमुखी.
१ परगणे एकदुणी सरदेशमुखी.
१ परगणे जालनापूर सरदेशमुखी.
१ परगणे साखरखेडलें सरदेशमुखी
१ परगणे चिखली सरदेशमुखी.
१ परगणे सोवली सरदेशमुखी.
१ परगणे पडदूर सरदेशमुखी.
१ परगणे रांजणी सरदेशमुखी.
१ परगणे शेंदूरवदें सरदेशमुखी.
१ परगणे सिंदखेड सरदेशमुखी.
१ परगणे देऊळघांट सरदेशमुखी.
१ परगणे भोकर्दन सरदेशमुखी.
१ परगणे जाफराबाद सरदेशमुखी.

---

१६

---

165 Certain Mahals of Sindia were ordered to be attached.

A. D. 1765–66.

१ परगणे दाभाडी येथील जकाती अमलविसीं जमीदाराचे नांवें.

३ मोकदमांचे नांवें सनदा.

१ मौजे कण्हेरखेड, प्रांत वाई. संस्थान कोरेगांव मोगलाई व स्वराज्य एकूण दुतर्फा देखील सरदेशमुखी कुलबाब.

१ मौजे अळमंदें तर्फ दिंगरज प्रांत कागल येथील मोगलाई अमल व स्वराज्य एकूण दुतर्फा देखील सरदेशमुखी.

१ मौजे खंडाळें परगणे शिरवळ, येथील मोगलाई अमल व स्वराज्य मोकासा व बाबती सरदेशमुखी व साहोत्रा निम चौथाई एकूण दरोबस्त दुतर्फा.

---

३

१ तर्फ मानूर पैकीं फूटगांवांचा अमल जमीदाराचे नांवें सनद.

---

३२

११ येविशीं शिंदे यांजकडील कमाविसदारांस चिटणिशी पत्रें कीं, जमीचा अमल अंताजी महादेव सरकारचे आज्ञेप्रमाणें करतील, तुम्हीं दरम्यान दखलगिरी न करणें, गुदस्तांचा कच्चा हिशेब मशारनिले मागतील त्याप्रमाणें समजावणें, म्हणोन पत्रें.

१ नारो बल्लाळ व बाजी विश्वासराव यांस बाबती सरदेशमुखीचे महालाविशीं महाल वगैरे.

१ परगणे साखरखेडलें.
१ परगणे सोवली.
१ परगणे चिखली.
१ परगणे शेंदुरवदें.
१ परगणे पैठण.
१ परगणे दाऊरवाडी.
१ परगणे दाभाडी जकात.
१ परगणे अंबाड.
१ परगणे भोकर्दन.
१ परगणे एकदुणी.
१ परगणे पडदूर.
१ परगणे सिंदखेड.
१ परगणे जालनापूर.
१ परगणे रांजणी.
१ परगणे रोशनगांव.
१ परगणे जाफराबाद.
१ परगणे देऊळघाट.

---

१७

एकूण —— पत्रें.

१ बळवंतराव गोपाळ यांस परगणे कडेवलीत व तर्फ पेडगांव व पाटस व परगणे चांभारगोंदें येथील अमलाविशीं पत्र.

१ मोत्याजी सांगळा खिजमतगार दिमत शिंदे यांस तर्फ मानूर येथील सरदेशमुखीविशीं व तर्फ मजकूर पैकीं फुटगांवचे अमलाविशीं मिळोन पत्र.

१ विनायक केशव यास कण्हेरखेड वगैरे गांव येथील अमलाविशीं पत्र.

१ बाबूराव विश्वनाथ यांस परगणे एदलाबाद येथील अमलाविशीं पत्र.

१ रामकृष्ण गोविंद यास परगणे पैठण येथील अमलाविशीं पत्र.
१ नारो बल्लाळ व बाजी विश्वासराव यांस परगणे शेवगांवचे अमलाविशीं पत्र.
१ बाबूराव राजाराम यास तर्फ कर्डे पैकीं गांवचे अमलाविशीं पत्र.
१ रामकृष्ण गोविंद यास परगणे अंबाड पैकीं गांवचे अमलाविशीं पत्र.
२ केसो राम यांस परगणे नेवासें पैकीं गांवचे अमलाविशीं पत्र.
१ माधवराव यांस परगणे सिंदखेड येथील अमलाविशीं पत्र.
——
११
——
४३

एकूण त्रेचाळीस, पैकीं फडनिशी सनदा बत्तीस व चिटणिशी पत्रें अकरा, एणें प्रमाणें दिलीं असेत. रसानगी याद.

१६६–( ३९३ ) गणेश विठ्ठल यांचे नांवें पत्र कीं, राघो केशव दिमत अली बहाद्दर हे शिंदे यांजबरोबर गेले, सबब त्यांचें घर कसबे निंब येथें आहे. तें ( त्याची ) व्यंकाजी माणकेश्वर यांजकडून जप्ती करविली. त्यास त्यांचीं माणसें पहिलींच घरांतून गेलीं होतीं, सबब घर मात्र जप्त जहालें. त्यास चौमहिन्यांनीं राघो केशव यांस आणोन हजीर करतों म्हणून कानो धोंडदेव जामीन होऊन मुलें माणसें घरांत रहावयासि विनंती केली; त्याजवरून जप्ती उठवून तुम्हांस पत्र सादर केलें असे; तरि तुम्हीं घर मोकळें करून राघो केशव यांचीं मुलें माणसें घरांत येऊन राहतील त्यांस राहूं देणें. कोणे गोष्टींचा उपसर्ग न लावणें, म्हणोन चिटणिशी पत्र.

इ० स० १७६५–६६
सित सितैन
मया व अलफ
रबिलावल १३.

दादासाहेब यांच्या कीर्दीपैकीं. लेखांक १६७–१७०

१६७–( ४१० ) महादजी शिंदे यांचे नांवें सनद कीं, नारो शंकर राजे बहादर यांणीं तुम्हाविशीं विनंती केली, त्याजवरून मशारनिलेची रवानगी तुम्हाकडे केली आहे; तरि सरकारचे आज्ञेप्रमाणें हे तुम्हांस सांगतील त्याप्रमाणें तुम्हीं हुजूर येऊन मर्जीप्रमाणें वर्तल्यास तकसीर माफ केली जाईल. नजरेचा ऐवज करार केला आहे त्याप्रमाणें मशारनिलेची निशा करून देणें, म्हणोन सनद १. रसानगी याद.

इ० स० १७६५–६६
सित सितैन
मया व अलफ
जमादिलावल. २०

---

166 Ragho Keshav in the service of Ali Bahadur having gone ove to Sindia, his house at Nimb was attached.
A. D. 1765-66

167 Naro Shankar RajeBahadur was sent to Mahadaji Sindia to communicate to him the wishes of Govrt. Mahadji was informed that if he came to the Huzur and acted as desired by Government, his offence would be condoned.
A. D. 1765 66.

शिंद्यांकडील डौलाची दिवाणगिरी तुम्हांकडे बहाल करून सरंजाम पूर्ववत् प्रमाणें करार केला असे, तरि इमानें इतबारें वर्तोन कुल डौलाचे दिवाणगिरीचें कामकाज एखत्यारीनें करीत जाणें, म्हणोन नारो शंकर राजेबहादर यांचे नांवें सनद १. रसानगी याद.

१६८-( ४१८ ) तुम्हांकडे शिंद्यांकडील नजरेचा ऐवज येणें त्यापैकीं कार्तिक वद्य द्वितीयेचे हप्तेयाचे रुपये येणें ते भरणा जमा पोतां गुजारत आनंदराव यादव ———— रुपये.

इ० स १७६५-६६
सित सितैन
मया व अलफ
जमादिलावल २.

४९२९४॥৴ नक्त
४९४१९८= तोळे, पुतळ्या २८८५।॥৹॥ दर १७८=प्रमाणें रुपये
५१२८६।. मोहरा नाणें ३३२५ एकूण.

———

१५००००

एकूण दीड लक्ष रुपये सदरहू प्रमाणें सरकारांत जमा झाले असेत, म्हणोन नारो शंकर राजेबहादर यांचे नांवें जाब १.

१६९-( ४३६ ) करारनामा भागीरथीबाई व सगुणाबाई शिंदी पेशजी इनाम गांव शिंद्याकडे चालत आहेत, त्याप्रमाणें यांजकडे पेस्तर साल सन सबा सितैनापासून तनखा बितपशील ———— रुपये.

इ० स० १७६५-६६
सित सितैन
मया व अलफ
सवाल २८.

२३७८९८=॥. परगण श्रीगोंदे पैकीं देहे ११

२१६४३।. कसबे श्रीगोंदें.
३२०० मौजे देऊळगांव.
३२०० मौजे पारगांव.
३०० मौजे बेलू.
२१२०।= मौजे टाकळी खंडेश्वरी
८०० मौजे घुगल वडगांव.
१२८६ मौजे भिगाण.
३८६७॥. मौजे भोकरें.
१२४० मौजे कोंकणगांव.
३९५३।= मौजे सिंदें.

---

168. An amount of Rs. 1, 50, 000 was received from Naro Shankar Raje Bahadur on account of Nazar due from Sindia.

A.D 1765-66

169. An agreement was entered into with Bhagirathi-bai & Saguna-bai Sindia granting them the Inam villages, formerly enjoyed by Sindia, of the yearly revenue of Rs. 122293 for their support & for keeping up a body of 200 sawars for serwice with the Peshwa

A. D. 1765 66.

२२४८।= मौजे बेलवंडी.

४३८९९८=

पैकीं वजा रुपये.

७७९७८-॥. सरकारांत जागिरीचा अमल

४०० मौजे घुगल वडगांवपैकीं.

९४३ मौजे भिगाण पैकीं.

१९३३॥. मौजे भोकरपैकीं.

१९७६ मौजे सिंदें.

११२४८= मौजे बेलवंडीपैकीं.

१६८०८=॥ किल्ले आंवढा व पट्याकडे.

६२० मौजे कोंकणगांवपैकीं.

१०६०८=॥. मौजे टाकळी खंडेश्वरी.

१६८०८=॥

७७९७८-॥.

९९० अवबा गोसावी यांजकडे मोकासा मौजे बेलवंडीपैकीं.

१७६६॥।= भोसले यांजकडे मोकासा.

९६६॥।= मौजे भोकरपैकीं.

८०० मौजे देऊळगांव.

१७६६॥।=.

१००७३॥।=॥.

बाकी रुपये.

६१८९ तर्फ पेडगांव पैकीं देहे ९, रुपये

६५७ मौजे बांबुर्डी.

१६०२ मौजे चांडगांव.

४०९ मौजे बेलवंडी.

६०२ मौजे तानू

१९२४ मौजे सडेगांव.

१९९३॥. मौजे कवठें.

२७९३ मौजे टाकळी.

१९७२ मौजे वाकदरी.

९६१ मौजे बेरडी.

१२४७३॥.

पैकीं वजा रुपये.

४९०५॥. सरकारांत जागिरीचा अमल रुपये.

३२८॥ मौजे बांबुर्डी.

३०१ मौजे तानू.

९६२ मौजे सडेगांव.

१३७६ मौजे टाकळी.

१००० मौजे कवठें.

६९८ मौजे वाकदरी.

२८० मौजे बेरडी.

४९०५॥.

२०४ निंबाळकरांकडे जागीर मौजे बेलवंडीपैकीं.

८०१ वीरेश्वर दीक्षित यांजकडे मौजे चांडगांव.

३२८ पातशाही हरकारे यांजकडे मौजे वाकरीपैकीं.

५० भोसले यांजकडे मौजे सडेगांवपैकीं निमे चवथाई.

६२८८॥.

बाकी रुपये.

९९७७॥. तर्फ कर्डेपैकीं देहे ९ एकूण.

४४०० मौजे बेलवंडी.

१८०० मौजे लोणार टाकळी.

१८९० मौजे हिंवरें.
३७९० मौजे लिंपणगांव.
८९५ मौजे पिसारें.

१२६९९
पैकीं वजा —— रुपये.
२२०० रामदास स्वामींकडे मौजे बेलवंडी निमे अमल.
४५० किल्ले चंदनगड याजकडे मौजे लोणार टाकळी मोकासा.
४२७॥ निंबाळकरांकडे मौजे पिसारें निमे अमल

३०७७॥.
बाकी —— रुपये.
२८५० मौजे काष्टी तर्फे रांजणगांव तनखा रुपये ३८०० पैकीं खंडेराव आबाजी यांजकडे मोकासा रुपये ९५० बाकी रुपये पैकीं.
१८९०९॥. तर्फ पेडगांव पैकीं देहे ७ रुपये.
३९०० मौजे वाळुंज मजरे विसापूर.
४९१० मौजे चास.
१२५० मौजे सोलवंडी.
२८२५ मौजे अरणगांव.
१२०० मौजे टाकळी कपडगांव.
५१२४॥. मौजे पिंपळगाव माळवी.
४४०० मौजे वाकोडी.

२३६०९॥.
पैकीं वजा —— रुपये.
७०० रामगीर गोसावी यांजकडे मोकासा मौजे अरणगांव.
६०० काजीकडे मौजे टाकळी कपडगांव
१२०० प्रतिनिधींकडे मौजे पिंपळगांव व सरदेशमुखी
२२०० सरकारांत जागिरीचा अमल मौजे वाकोडी

४७००
बाकी —— रुपये.
११७५ तर्फ बेल्हें पैकीं देहे २
एकूण रुपये.
५७५ मौजे डोळस कोळगांव
६०० मौजे सिदोडी

११७५
१२११९॥ परगणे शेवगांव पैकीं देहे ५ —— रुपये.
२००० मौजे लाड जळगांव
९८०१ मौजे पाथरडी
२६८६ मौजे खरवंडी.
६५५१ मौजे हातगांव.
५२०१ मौजे बोधेगांव.

२२२३९
पैकीं वजा सरकारांत वगैरे मिळोन निमे अमल १०११९॥-
बाकी —— रुपये.
११०५० परगणे नेवासें पैकीं देहे ५ रुपये.
२९०० मौजे करंजी.
३६०० मौजे वाघोली.
५९०० मौजे देडगांव.

२९०० मौजे माकें.
३०० मौजे आन्हाड चिंचोली.

१५६००
पैकीं वजा ———— रुपये.
१६०० सरकारांत अमल.
१४५० मौजे माकें.
१५० मौजे आन्हाड चिंचोली.

१६००
२९५० निंबाळकरांकडे मौजे पेडगांव

४५५०
बाकी ———— रुपये.
१५५१५॥· परगणें पैठण पैकीं देहे ५
———— रुपये.
१८९३१ मौजे बीडकिणगांव.
२००० मौजे करकिणगांव.
३४०० मौजे ढोरकिणगांव
१७०० मौजे वाहेगांव.
४००० मौजे रहाटगांव.

३१०३१
पैकीं वजा चौथाई वगैरे १५५१५॥·
बाकी ———— रुपये.
९१२५ परगणे अंबाड पैकीं गांव ५
———— रुपये.
४५०० मौजे घनसांगवी.
४००० मौजे रावडे उचेगांव.
४००० मौजे पाथरवालें.
३००० मौजे भेंडालें.
२७५० मौजे कुंभार पिंपळगांव.

१८२५०
पैकीं स्वराज्याचा अमल निमे
रुपये ९१२५
बाकी ———— रुपये.
२००१ मौजे कण्हेरखेड प्रांत वांई तनखा खेरीज सरदेशमुखी रुपये.

१२२२९३८=॥·

एकूण देहे छपन्न, तनखा एक लाख बेवीस हजार दोनशें ब्याण्णव रुपये अडीच आणे, याचे उभयतांकडे करार करून देऊन, सदरहू ऐवजाची नेमणूक सालीना रुपये

९०००० भागीरथीबाई व सगुणाबाई या उभयतांचे संसारांचे बेगमीस.
७२९३ ८=॥· शिंबदी व महाल मजकूर खर्च गांवगन्नाचा.
५००० ठाणें पेडगांव येथील खर्चास सदरहू तनखियाचे गांव किल्ल्याकडे उपयोगीं पाहून नेमून दिले जातील ते सरकारांत द्यावे.
६०००० स्वार २०० दोनशें यांणीं हुजूर चाकरी करावी त्यास तैनात दर राऊतीं येणें प्रमाणें ———— रुपये.
४०००० सवार पागेचे करोल १०० दर रावतीं रुपये ४०० चारशें प्रमाणें. सामान चांगलें बाळगावें.

२०००० शिलेदार स्वार १०० दर २०० दोनशें प्रमाणें एकूण रुपये.

६००००

दोनशें स्वारांस सदरहू तैनात साठ हजार रुपये, खेरीज राऊत चाकरीस आलियावर शिरस्तेप्रमाणें फौज बेगार आठवडा सरकारांतून पावेल.

१२२२९३८=॥·

येणेंप्रमाणें एक लाख बेवीस हजार दोनशें ब्याणव रुपये अडीच आणे नेमणूक करून दिली असे; तरि सदरहू गांव आपले निसबतीस लाऊन घेऊन गांवचा अमल पेस्तर साल सन सबा सितैनापासून करून ऐवज नेमणुकेप्रमाणें खर्च करीत जाणें, म्हणोन करारनामा रसानगी याद १.

येविशीं चिटणिशी साहित्यपत्रें वगैरे मिळोन अमल सुरळीत देणें म्हणोन २६.

११ मोकदम देहे ५६ एकूण पत्रें अकरा.

११ जमीदारांस.

४ कमाविसदारांस.

१ रामकृष्ण गोविंद परगणे पैठण व अंबाड.

१ रघुनाथ सदाशिव व गोपाळराव बळवंत परगणे श्रीगोंदें.

१ उधो भगवंत परगणे शेवगांव.

१ मोरो हरी परगणे नेवासें.

४

२६ २७

१७०-(४५४) केदारजी शिंदे यांस सरदारीचीं वस्त्रें सदरेस विद्यमान खासा रूबरू पाहून दिलीं सणगें एकूण. आंख

इ०स० १७६६-६७
**सबा सितैन मया व अलफ,**
मोहरम २२.

३९६ खासा केदारजी शिंदे.

| | |
|---|---|
| १०० तिवट. | १ |
| १७६ जाफरखानी. | १ |
| ४० महमुदी. | १ |
| ८० किनखाप | १ |
| ३९६ | ४ |

170. Clothes of honour and jewelry were given by the Peshwa to Kedarji Sindia, Mahadji Sindia, Trimbakrav Diwan, Sakhubai Sinde and Jogilal envoy of Sujat Doula.

A. D. 1766-67.

४९८ महादजी शिंदे

| | |
|---|---|
| ७९ तिवट. | १ |
| १९२ जाफरखानी. | १ |
| ४८ महमुदी. | १ |
| १७९ किनखाप. | १ |
| ४९८ | ४ |

१९५॥ त्रिंबकराव महादेव, दिवाण.

| | |
|---|---|
| ४६ तिवट. | १ |
| ८६॥· जाफरखानी. | १ |
| ३० छीट मुलतानी. | १ |
| ३३ किनखाप. | ·॥· |
| १९५॥· | ३॥ |

९७ बाजी नरसी.

| | |
|---|---|
| २७ तिवट. | १ |
| ७० जाफरखानी | १ |
| ९७ | २ |

१०९ राघो मल्हार.

| | |
|---|---|
| ४८ तिवट. | १ |
| ६१ जाफरखानी | १ |
| १०९ | २ |

७४ बाबूराव राम, मुनशी.

| | |
|---|---|
| ३४ तिवट. | १ |
| ४० जाफरखानी. | १ |
| ७४ | २ |

७९३॥ कित्ता भले लोक असामी

१३ आंख

३९६॥ तिवटें.

| | | | |
|---|---|---|---|
| ३२ | २६ | २७ | ३६॥ |
| १० | २८ | ३७ | ३५ |
| ३० | ३५ | २७ | २८ |
| ३९ | ० | ० | ० |

३९६॥· १३

३९७ शेले जाफरखानी.

| | | | |
|---|---|---|---|
| ३२ | २१ | ३२ | ३०॥· |
| ३९ | १६ | २९ | २१ |
| ३२॥ | ३० | २६ | ३२ |
| ४१ | ० | ० | ० |

| | |
|---|---|
| ३९७ | १३ |
| ७९३॥ | २६ |
| २१६३ | ४३॥ |

सखूबाई शिंदी यांस निरोपसमयीं सदरेस विद्यमान खासा तसलमात शेटी मोमाणा खिजमतगार सनगें एकूण

| | आंख |
|---|---|
| १४६ पातळ पैठणी जरी | १ |
| २२। खण पैठणी पितांबराचा | १ |
| १३९ जाफरखानी | १ |
| १५० किनखाप | १ |
| ४५३। | ४ |

जोगीलाल वकील दिमत सुजातदौला यास सदरेस विद्यमान खासा तसलमात सेकू चौधरी खिजमतगार सनगें एकूण आंख

| | | | |
|---|---|---|---|
| ९ | तिवट | १ |
| २२ | जाफरखानी | १ |
| ३१ | | २ |

केदारजी शिंदे यांस सरदारी सांगितली, सबब सदरेस विद्यमान खासा रूबरू पाहून दिले दागिने सुमार

२ खासा.

१ फुलघाट मिनेगार बा॥ मल्हारजी होळकर हिरे शहत

३६ पाकळ्या ६ दर ६ प्रमाणें.

५ कळे दर १ प्रमाणें.

४१

एकूण दागिना.

१ पदक बा। मल्हारजी होळकर घाट साधा शहत.

२७ हिरे.

१ मदनाईक बदामी.

२६ घेऱ्यास.

२७

३ मोतीं लोलक

२ माणकें.

३२

एकूण दागिना.

२

२ महादजी शिंदे.

१ जगो बाबत माधोसिंग संस्थान जयनगर घाट मिनेगार शहत सुमार.

४१ माणकें

१ मदनाईक.

५ थोर.

३५ लहान

४१

३२ पाचा.

६ थोर.

११ मध्यम.

१५ किर्डे बारीक.

३२

११ हिरे १ व हिरकण्या १०

१ मोतीं लोलक.

८५

एकूण दागिना

१ पदक हुजूर खाजगी पैकीं किंमत रुपये ८५१ घाट साधा शहत सुमार

९ हिरे.

१ मदनाईक गोल.

७ वर्तुळ.

१ पानघाट.

९

१ मोतीं लोलक.

८ चुणी बारीक.

१८

एकूण दागिना. सुमार

४ त्रिंबकराव महादेव दिवाण यांस चौकडा बाबत आबाजी महादेव समेत सोनें मोत्यें दाणें सुमारें ४ एकूण किंमत १२०० बाराशें मोत्यें दाणें सुमार.

८

१७१–( ४५६ ) चिमाबाई शिंदी महादजी शिंदे यांची आई यांस खर्चास रुपये १०००० दहा हजार रुपये देविले असेत, तरि तुम्हांकडे मशारनिलेची मामलत आहे त्या ऐवजीं देऊन कबज घेणें, तुम्हांस मजुरा पडतील, म्हणोन नरहर लक्ष्मणराव यांचे नांवें सनद १.

इ० स० १७६६–६७
सबा सितैन
मया व अलफ
सफर १५.

रसानगी याद.

## दादासाहेबांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

१७२–(४६१) माल्हराव होळकर यांचे नांवें सनद कीं, तुम्हांकडील मागील हिशेब स्वारीचा व बाबती सरदेशमुखी प्रांत माळवा व स्वदेशचे गांवचे इजारे यांचा, खेरीज बुंदी सन खमस व सन सित सितैन दुसाला हिशेब, कारकीर्द कैलासवासी मल्हारजी होळकर, सरकारचा फडशा जाहला, तुम्हांकडे कांहीं लांझा राहिला नाहीं; तरि कैलासवासी मल्हारजी होळकर यांप्रमाणें सरंजाम महाल, गांव, खेडीं सुदामत प्रमाणें बरहुकूम सरदारीचा बंदोबस्त करून फौज सरंजामानसीं सेवा एकनिष्ठेनें करीत जाणें, म्हणोन मशारनिलेचे नांवें

इ० स० १७६६–६७
सबा सितैन
मया व अलफ
रबिलावल १६.

सनद १. रसानगी यादी.

१७३–( ४७९ ) सखूबाई शिंदी यांचे नांवें सनद कीं, तुम्हांस संसाराचे बेगमीस नेमणूक —————————— रुपये.

इ० स० १७६६–६७
सबा सितैन
मया व अलफ
जमादिलावल १०.

---

171. Narhar Laxmanrao, a Mamledar of Mahadji Sindia was directed to pay Rs. 10000 to Mahadji's mother Chimabai for her expenses.

A. D. 1766-67.

172. Malharji Holkar having died, his Saranjam was continued to Malrao Holkar.

A. D. 1766-67.

173. Villages of the value of 1, 50226 Rupees were assigned to Sakhubai Sinde for her maintenance & Sanads to that effect were issued to her and to Kedarji Sinde and Mahadji Sinde.

A. D. 1766-67.

६००३७। पाहिले इनामी गांव शिंद्यांचे तनखा १२२२९३८=॥ रुपये.

पैकीं वजा रुपये.

५०००० भागीरथीबाई व सगुणाबाई शिंदे यांचे संसाराचे बेगमीस.

५००० किल्ले पेडगांव येथील खर्चास सरकारांत घ्यावे रुपये.

७२५९॥।=॥ शिबंदी व महाल मजकूर खर्च गांवगन्नाचा अदमासें बेरीज रुपये ७२९३८=॥.

पैकीं. रुपये.

६२२९९॥।=॥

बाकी बेरीज तुम्हांस इनाम बरहुकूम नेमणूक जाबता गांवगन्ना

बितपशील रुपये.

२७९४३। परगणे श्रीगोंदे पैकीं देहे ९ एकूण रुपये.

१३५० मौजे लोणार टाकळी तर्फेकडे तनखा रुपये १८०० पैकीं वजा मुकासा चंदनगड रुपये ४५० बाकी रुपये.

९९४९॥ परगणे पांडेपेडगांव ऊर्फ नगर हवेली पैकीं देहे ३

३७९० परगणे नेवासें पैकीं देहे २

५२०० परगणे पैठण पैकीं देहे ३

६८४४ परगणे शेवगांब पैकीं देहे ३ एकूण रुपये.

१०००॥ मौजे कण्हेरखेड परगणे वाई तनखा रुपये २००१ पैकीं भागीरथी बाई व सगुणाबाई शिंदी यांजकडे देहे निमे एकूण रुपये १०००॥ बाकी रुपये.

६००३७।

९०१८९ हल्लीं नेमणूक सालमजकुरापासोन इनाम रुपये.

६५००० परगणे एदलाबाद तनखा पाहतां फारच आहे, परंतु परगणा खराब आहे, तनख्याप्रमाणें वसूल होत नाहीं, व मुकासी हिश्शाचा ऐवज मोकासदारास द्यावा लागतो, सबब बारा हजारांचे तनख्याचे गांव सरदारीकडे ठेवून बाकी दरोबस्त परगणा इनाम दुमालेगांव असतील ते वजा करून वरकड गांवचा खेरीज मुकासा दरोबस्त अमल दिला असे. रुपये.

२५१८९ परगणे शेवगांव पैकीं खेरीज बावती सरदेशमुखी व मोकासा करून बाकी वसुली बेरीज जागिरीचा अमल तनखा रुपये.

येकूण अठ्ठावीस गांवचा तनखा पंचवीस हजार एकशें एकूणनव्वद यास हाल वसूल छत्तीस हजार साहाशें एकेताळीस याचे गांवचा जागिरीचा अमल.

९०१८९

१५०२२६।

सगुणाबाई व भागीरथीबाई शिंदी यांजकडे पहिले इनामी गांव शिंद्यांचे तनखा रुपये.

१२२२९३८=॥-

पैकीं वजा सखूबाई यांजकडे नेमणूक बरहुकूम जाबता रुपये ६००३७. बाकी तुम्हांकडे नेमणूक रुपये.

८२२७॥ तर्फ कडेपैकीं देहे ४

२८९० मौजे काष्टी, तर्फ रांजणगांव तनखा रुपये ३८०० पैकीं वजा मुकासा खंडेराव आबाजी यांजकडे ९५० रुपये.
बाकी. ——— रुपये.

५८४१॥=॥ श्रीगोंदे पैकीं देहे.

६१८५ परगणे पेडगांव देहे ९

९२७९॥ परगणे शेवगांव पैकीं देहे २

११७९ तर्फ बेल्हें देहे २
एकूण रुपये.

८९६० परगणे पांडेपेडगांव पैकीं देहे ४ एकूण रुपये.

७३०० परगणे नेवासे पैकीं देहे ३
एकूण रुपये.

१०३१९॥ परगणे पैठण पैकीं देहे २

९१२५ परगणे अंबाड पैकीं देहे ३
एकूण रुपये.

१००८॥ मौजे कण्हेरखेड निमे अमल सखूबाई शिंदी यांजकडे रुपये १०००॥ बाकी
बाकी ——— रुपये.

६२२९५॥=॥

एकूण ——— रुपये.

९०००० भागीरथीबाई व सगुणाबाई शिंदी यांचे संसाराचे बेगमीस

५००० किल्ले पेडगांव येथील खर्चास सरकारांत घ्यावे रुपये.

७२५५॥=॥ शिबंदी व महाल मजकूरचा खर्च गांवगन्नाचा अदमासें बेरीज रुपये

७२९३८=॥

पैकीं ——— रुपये.

६२२५९॥=॥-

एकूण बासष्ट हजार दोनशें पावणे छपन्न रुपये २॥ आणे याची नेमणूक जाबता आलाहिदा करून १ ला दखलबाज कलम सबब.

१९०२२६।.

एकूण दीड लक्ष दोनशें सवा सवीस, पैकीं कदीम इनाम साठ हजार सवासततीस व नवीन पैकीं परगणे एदलाबाद पासष्ट हजार व परगणे शेवगांव पैकी पंचवीस हजार एकशें एकूणनवद, एकूण सदरहू दीड लक्ष दोनशें सवासवीस रुपयाचे महाल व गांव साल मजकुरापासून इनाम संसाराचे बेगमीस करार करून दिले असत; तरि सदरहूचा अमल पुत्रपौत्रादि वंशपरंपरेनें इनाम अनुभवून सुखरूप राहणें. सदरहू नेमणूक करून

दिली आहे, याखेरीज उजनेची वगैरे कुल खेडीं पाडीं असतील ते सरदारीकडे लावावीं, तुम्हीं आपणाकडे ठेवूं नयेत, म्हणोन ———————————————— सनद १.

भागीरथीबाई व सगुणाबाई यांचें नांवें सनद कीं पहिले शिंदे यांचे इनामाची बेरीज १२२२९३८॥ एक लक्ष बेवीस हजार दोनशें ब्याण्णव रुपये अडीच आणे पैकीं तुम्हांकडे नेमणूक रुपये ६२२५५॥।॥ बाकी बेरीज रुपये ६००३७। साठ हजार सवा सततीस तुम्हांकडून दूर करून सालमजकुरापासून सखूबाई शिंदी यांजकडे करार करून दिले असे; तरि सदरहू एक लक्ष बावीस हजार दोनशें ब्याण्णव रुपये अडीच आणे गांवची बेरीज याची वांटणी आलाहिदा करून दिली आहे, तरि वांटणीप्रमाणें आपलाले सदरहू गांव आपले दुमाला करून घेणें, म्हणोन ———————————————— १.

केदारजी शिंदे व महादजी शिंदे यांचे नांवें सनद कीं, एक लक्ष पन्नास हजार दोनशें सवासवीस रुपये यांचे गांव सखूबाई शिंदी यांजकडे संसाराचे बेगमीस करार करून दिले असत, चालवीत जाणें; उजेनीचीं वगैरे कुल खेडीं पाडीं असतील ते सरदारीकडे ठेवणें, म्हणोन ———————————————— १.

——

३

येविशीं चिटणिसी पत्रें जमीदाराचे नांवें कीं अमल सुरळीत चालवणें म्हणोन —— २

१ परगणे एदलाबाद.

१ परगणे शेवगांव येथील अठ्ठावीस देहे यांजविशीं.

——

२

——

५

रसानगी याद.

## दादासाहेब यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

१७४-( ५१८ ) केदारजी शिंदे यांचे नांवें सनद कीं, गुमानसिंग व खुमानसिंग बुंदेले यांचें कार्य सरकारांतून करून द्यावें, आणि सरकारांत नजर सवासहा लक्ष रुपये घ्यावें; त्यास तुम्हीं बुंदेलखंडांत जाऊन त्यांचें कार्य करून देणें, आणि नजरेचे सवासहा लक्ष रुपये उगवून घ्यावे त्याचा तपशील:—

इ० स० १७६६-६७
सबा सितैन
मया व अलफ
मोहरम ५.

---

174. Kedarji Sindia was directed to proceed to Bundelkhand & to carry out the mission which Government had undertaken on behalf of Gumansing and Khumansing Bundele for the collection of R. $6\frac{1}{4}$ lakhs. The money was to be recovered by Kedarji and he was to receive 2 lakhs as a gift and 3 lakhs as a loan, remitting the rest to Government.

A. D. 1766-67

५०००००  तुम्हीं घेणें.
२०००००  सरदारी वोढगस्त सबब फौजेचे खर्चास दिले ते.
३०००००  उसनवार द्यावयाचे करार ते घेणें, फिरोन सरकारांत माघारे देणें.

५०००००
१२५०००  सरकारांत ऐवज पावता करणें.

६२५०००

एणेंप्रमाणें सवासहा लक्ष रुपये वसूल करून घेऊन तुम्हांस ऐवज देविला आहे ता तुम्हीं घेणें, आणि सरकारचा ऐवज सरकारांत पावताकरणें, म्हणोन सनद १.

एविशीं गुमानसिंग व खुमानसिंग यास सनदा कीं, सदरहू सवासहा लक्ष रुपयाचा वसूल शिंदे यांजकडे देणें, म्हणोन २.

रसानगी यादी. ३.

इ० स० १७६६-६७
**सबा सितैन मया व अलफ**
मोहरम ५.

१७५-(५१९) मालराव होळकर मृत्यु पावले, त्यास सरदारीचा बंदोबस्त पूर्ववत प्रमाणें तुमचा तुम्हांकडे सांगून पेशजी कैलासवासी मल्हारजी होळकर यांजकडे सरंजाम जुना व नवा स्वदेशीं व खानदेश व प्रांत माळवा व अंतर्वेद वगैरे हिंदुस्थानांत सरंजामी व इनामी वतनीं दरोबस्त चालत आला त्याप्रमाणें महाल.

१ परगणे शिरोंज प्रांत माळवा.
१ सरकार बिजागड खेरीज परगणे सेंदवें व नागलवाडी व ऊन, तीन महाल वजा करून बाकी.
१ तर्फ देपूर परगणे संगमनेर.

३

एकूण तीन महाल सरकारांत घेऊन बाकी दरोबस्त सरंजामी व इनामी वतनी व मक्ते सरकारांतून चालत आले ते व प्रांत हिंदुस्थान परमुलखी स्वारीचा तह वगैरे सुदामत

A. D. 1766-67.
Tukoji Holkar.

175. Malrav Holkar having died, his Saranjam, excepting the Pargana of Sironj in Prant Malwa, a portion of Sirkar Bijagad & Tarf Depur in Pargana Sangamner, was continued to

चालत आल्याप्रमाणें तुमचे तुम्हांकडे करार असे; तरि सर्व आपला बंदोबस्त करून सेवा एकनिष्ठेनें करीत जाणें, म्हणोन तुकोजी होळकर यांचे नांवें ———— सनद.

रसानगी यादी.

## दादासाहेब यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

१७६–( ९२० ) तुकोजी होळकर यांचे नांवें जाब कीं, तुम्हांस मालराव होळकर मृत्यु पावले त्यांचे सरदारीचा बंदोबस्त सांगोन ऐवज करार रुपये.

इ० स० १७६७–६८
समान सितैन
मया व अलफ
मोहरम १२.

१६३०००० नजरे बाबद.

१५००००० ऐन.

३०००० परगणे गाळण्याबद्दल.

———

१५३००००

१३२००० कित्ता ऐवज खाजगीकडे भरणा करून द्यावा.

१००००० किल्ल्याबद्दल आनंदवल्लीचे इमारतीस.

३२००० खरगोणचे मोकाशाबद्दल सन अर्बा तागाईत सन सित तीसालांपैकीं करार.

———

१३२०००

———

१६६२०००

एकूण सोळा लक्ष बासष्ट हजार रुपये करार केले त्यापैकीं भरणा रुपयेः—

२५०००० रोख भरणा गुजारत विष्णु महादेव. इस्तक बील वैशाख वद्य पंचमी तागाईत ज्येष्ठ शुद्ध पौर्णिमा.

२००००० जमा पोतां.

५०००० जमा परभारें रदकर्ज सेट्या बाजार.

———

२५००००

---

176 A Nazar of Rs 16 lkahs was ordered to be paid by Tukaji Holkar on his succession to Malrav Holkar.

A. D. 1767-68

७५०००० सावकारी निशा आषाढ शुद्ध प्रतिपदेचे मुदतीनें
३००००० गुजारत विष्णु महादेव.
२५०००० गुजारत सिदापा शेट वीरकर.
२००००० गुजारत गोपाळ संभाजी.

७५००००

१००००००

एणेंप्रमाणें दहा लक्ष रुपये नजरेपैकीं सरकारांत जमा जाहले असेत, म्हणोन——जाब १.

१७७–(९९५) तुकोजी होळकर यांचे नांवें सनद कीं, तुम्हीं हुजूर कसबे पुणें येथील मुक्कामीं येऊन विनंती केली कीं, आपल्याकडे सरकारचा ऐवज खेरीज बुंदी मागील सालेसालचा खंडण्यांचा व कर्जपट्टीचा वगैरे तपशील सन सबा अखेरपर्यंत बाकी ओढत आहे; त्यास मल्हारजी होळकर यांचा काळ जाहला, सरदारी ओढगस्त जहाली, याजकरितां मागील फडशा करावा म्हणोन; त्याजवरून तुम्ही थोर सरदार व मल्हारजी होळकर मृत्यु पावले याजकरितां खेरीज बुंदी मागील सालेसालची बाकी खंडण्या व कर्जपट्टी वगैरे तागाईत सन सबा सितैन अखेरपर्यंत देणें ते तुम्हांस माफ केली असे. या उपरी तुम्हांकडे गुंता नाहीं. बुंदीचा हिशेब सरकारांत विल्हेस लागला असेल त्या अलीकडे हिशेब व ऐवज येणें तो तुम्हीं सरकारांत द्यावा व पुढें बुंदीचा ऐवज सरकारांत देत जाणें, म्हणोन मशारनिले यांचे नांवें——सनद १.

इ० स० १७६७–६८
समान सितैन
मया व अलफ
जिल्काद २४.

परवानगी रूबरू. रुजू रसानगी यादी.

---

177 Tukoji Holkar having represented that since the demise of Malharji Holkar he was in very straitened circumstances, the amounts due from him on account of Bundi & other items were remitted.

A. D. 1767–68,

१७८-(५६१) केदारजी शिंदे यांची बायको व कुणबिणी असामी २ दोन एकूण तीन असामी किल्ले लोहगड येथें अटकेस ठेवावयास पाठविल्या आहेत, त्यास पोटास दररोज बायकोस शिधा उत्तम प्रतीचा व कुणबिणीस अडसेरी देत जाणें व चिरगूटपांघरुणाची बेगमी करीत जाऊन पक्कया बंदोबस्तानें अटकेस ठेवणें म्हणोन, नारो त्रिंबक याचे नांवें —— सनद १.

इ० स० १७६७-६८
समान सितैन
मया व अलफ
जिल्हेज १०.

रसानगी इच्छाराम शंकर, जबानी मनसाराम.

१७९-(५६४) राघो राम व राघो मल्हार व बाजी नरसी यांस महादजी शिंदे यांचा कारभार सांगितला, त्यास मशारनिले यांणीं पांच लक्ष रुपये सरकारांत नजर द्यावयाचे केले ते सदाशिव नाईक भावे व केशव नाईक सोरटी यांजकडून भरणा केला. त्यास सरकारांतून एक मुलुकगिरीपर्यंत कारभारांत घालमेल जहालियास सरकारांतून द्यावे. येणेप्रमाणें देणें यादीवर करार जहाला असे. सदरहू करारी यादी नाईक मशारनिले यांजला दिल्ही असे.

इ० स० १७६७-६८
समान सितैन
मया व अलफ
मोहरम ६.

## नारायणराव बल्लाळ यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

१८०(५७०) तुकोजी होळकर शिलेदार यांजकडे गांवचा अमल सरंजाम व कमाविशीनें व इनाम होता त्याची जप्ती सरकारांत करून जप्तीची कमावीस सांगितली येविशीं —— सनदा.

इ० स० १७६८-६९
तिसा सितैन
मया व अलफ
मोहरम.

२ परगणे वैजापूर पैकीं देहे बितपशीलः—

---

178 Kedarji Sindia's wife & her two female servants were sent to be imprisoned in fort Lohagad.
A. D. 1767-68,

179 Ragho Ram, Ragho Malhar & Baji Narsi were appointed to serve as Karbharis under Mahadji Sindia & a Nazar of of R. 5 lakhs was levied from them. They were promised that in case they were deprived of their office before they could go out on a campaign, the Nazar would be returned.
A. D. 1767-68,

180 The villages held in Saranjam, in Inam, and in farm by Tukoji Holkar were attached.
A. D. 1768--69,

१ मौजे कांगोणी.
१ मौजे दहिगांव.
१ मौजे मालेवाडी.
१ मौजे कमलापूर ऊर्फ डाकेगांव.
१ मौजे कापूस वडगांव.
१ मौजे जानेफळ.

---

६

एकूण सहा देहे येथील जागिरीचा अमल सरंजाम आहे, त्याचा इमानें इतबारें वर्तोन अमल चौकशीनें करून ऐवज सरकारांत पावता करून कबज घेत जाणें, म्हणोन त्रिंबकराव लक्ष्मण कमाविसदार परगणे नेवासें वगैरे माहाल. याचे नांवें —— सनद १.

येविशीं मोकदम यांस रुजू होऊन अमल सुरळीत देणें म्हणोन सनद १.

---

२

१ कसबे आळें तर्फ मजकूर प्रांत जुन्नर येथील जागिरीचा व फौजदारीचा अमल सरंजाम व स्वराज्यापैकीं जिल्हेबाब व सरदेशमुखीचा अमल कमाविशीनें होता, त्याची जप्ती करून कमावीस चिरंजीव राजश्री नारायणराव यांजकडे सांगितलीं असे, तरि रूजू होऊन अमल वसूल सुरळीत देणें, म्हणोन मोकदमांचे नांवें सनदा.

२ परगणे गांडापूर पैकीं गांव आहेत बीतपशील.

१ मौजे सिऊर.
१ मौजे अलीपूर.
१ मौजे बाजीपूर.
१ मौजे फाजीलपूर.
१ मौजे सफीयाबाद.
१ मौजे रघुनाथपूर.
१ मौजे अमानतपूर.
१ मौजे अबदलापूर.
१ मौजे माजुलापूर.
१ मौजे अमानतपूर खुर्द.
१ मौजे धापलेगांव.
१ मौजे चंदनापूर.
१ मौजे जालनापूर.
१ मौजे जामगांव.
१ मजरे वाडी बडेमिया.
१ मौजे सजरपूर.
१ मौजे सफीपूर.

---

१७

एकूण सत्रा देहे येथील सरदेशमुखीचा अमल कमाविशीनें व जागिरीचा अमल सरंजाम होता त्याजविशीं —— सनदा.

१ नारो बाबाजी कमाविसदार यांस कीं, तुम्हांस कमाविस सांगितली असे, तरि इमानें इतबारें अमल चौकशीनें करून कच्चे आकारामुळें ऐवज होईल तो सरकारांत पावता करून जाब घेत जाणें, तेणें प्रमाणें मजुरा पडेल, म्हणोन.

१ मोकदमाचे नांवें कीं, रुजू होऊन अमल वसूल सुरळीत देणें, म्हणोन.

---

२

३ परगणे कडेवलीत पैकीं व परगणे कर्डे पैकीं गांव आहेत. बितपशील.

१ मौजे निंबगांव परगणे कर्डे येथील जागीर इनाम मुकासा व सरदेशमुखीचा अमल होता तो.

४ परगणे कडेवलीत पैकीं.

१ मौजे सिद्धटेक.

१ मौजे गणेगांव.

१ मौजे लोणी.

१ मौजे मांडोगण.

---

४

चार गांवीं मशारनिलेकडील अमल असेल तो चौकशी करून जप्त करणें.

पांच गांव होते ते सरकारांत जप्त करून ———————— सनदा.

१ बाबूराव माणकेश्वर कमाविसदार परगणे कर्डे रांजणगांव यांस कीं तुम्हांस कमावीस सांगितली असे, तरि इमानें इतबारें वर्तोन अमल चौकशीनें करून कच्चे आकारामुळें ऐवज होईल तो सरकारांत पावता करून जाब घेत जाणें, तेणें-प्रमाणें मजुरा पडेल, म्हणोन ———————— सनद.

२ मोकदमांचे नांवें सनदा कीं रुजू होऊन अमल वसूल सुरळीत देणें, म्हणोन सनदा.

१ मौजे निंबगांव परगणे कर्डे.

१ परगणे कडेवलींत पैकीं देहे.

१ मौजे सिद्धटेक.

१ मौजे गणेगांव.

१ मौजे लोणी.

१ मौजे मांडोगण.

---

४

---

२

---

३

५ प्रांत जुन्नर पैकीं गांव.

१ मौजे वाफगांव तर्फ खेड येथील खेरीज मोकासा करून अमल सरंजाम आहे तो.

१ मौजे लाखणगांव तर्फ पाबळ येथील खेरीज मोकासा करून अमल सरंजाम आहे तो.

१ मौजे कोरेगांव तर्फ पाबळ दरोबस्त इनाम आहे तो.

१ मौजे मणचर तर्फ महाळुंगें मजरे सुद्धां खेरीज मोकासा करून अमल सरंजाम होता तो.

---

४

चार गांवचा अमल होता तो जप्त करून सनदा.

१ चिरंजीव राजश्री नारायण बल्लाळ यांचे नांवें कीं, सदरहू चार गांवांचा अमल करून आकार होईल तो सरकारांत पावता करीत जाणें म्हणोन ——— सनद.

४ मोकदमांचे नांवें कीं रुजू होऊन अमल वसूल सुरळीत देणें म्हणोन.

---

५

---

१३

तेरा सनदा छ. २२ मोहरम.

इ० स० १७६८–६९
तिसा सितैन
मया व अलफ
सफर २.

१८१–(५७५) तुकोजी होळकर यांजकडील सरंजामाचे गांव परगणे गांडापूर वगैरे तुमचे तालुकियांत आहेत, तेथील जप्ती पेशजी केली होती, त्यास मशारनिलेचे गांवची जप्ती हल्लीं मोकळी करून हें पत्र तुम्हांस सादर केलें असे, तरि मशारनिलेचे गांवची जप्ती उठवणें. जप्तीमुळें यांचे अमलाचा वसूल घेतला असेल तो माघारा देणें, व गंगाधर यशवंत यांचे गांव जप्त केले आहेत तेथील जप्तीच राहूं देणें म्हणोन चिटणिशी पत्रें.

१ नारो बाबजी कमाविसदार परगणे गांडापूर यांचे नांवें.

१ त्रिंबकराव लक्ष्मण कमाविसदार परगणे नेवासें वगैरे महाल यांचे नांवें.

---

२

---

181 The Saranjam of Tukoji Holkar, consisting of the villages in Pargana Gandapur and others, which was under attachment, was ordered to be restored to him.

A, D, 1668–69,

१८२–(५७६) नारो त्रिंबक यांस सनद कीं, केदारजी शिंदे याची बायको किल्ले लोहगड येथें अटकेस ठेविली आहे, त्यास महादजी शिंदे यांणीं विनंती केली त्याजवरून हे सनद सादर केली असे; तरि महादजी शिंदे यांजकडील कारकून किल्ले मजकुरीं येतील त्यांस बायको त्यांचे कुणबिणीसुद्धां हवाली करणें म्हणोन ——— सनद १.

इ० स० १७६८-६९
तिसा सितैन
मया व अलफ
सफर ७.

रसानगी रंगो गोपाळ कारकून शिलेदार.

१८३—(६११) तुळजाबाई शिंदे यांजकडे परगणे जितूर पैकीं देहे गांव.

इ०स०१७६८-६९
तिसा सितैन
मया व अलफ
मोहरम २१.

| | |
|---|---|
| १ मौजे वरूड. | १ मौजे डोंगरतळें. |
| १ मौजे भील. | १ मौजे माथळें. |
| १ मौजे सुमली. | १ मौजे दिगरस. |
| १ मौजे गडदगव्हाण. | १ मौजे भोसी. |

८

एकूण आठ गांव येथील जागीर व सरदेशमुखी पेशजी पासून सरकारांतून आहे, त्यास सालमजकुरीं अमलदार यांणीं गांवचे पाटील धरून नेऊन वसुलाचा तगादा लाविला आहे म्हणोन हुजूर विदित जहालें, त्याजवरून हें पत्र सादर केलें असे; तरि आठ गांवचा अमल जागीर सरदेशमुखीसुद्धां पेशजी सरकारांतून तुळजाबाई शिंदे यांजकडे दिला आहे त्याप्रमाणें करार असे; तरि पेशजीप्रमाणे यांजकडे चालवणें. सालमजकुरीं सदरहू गांवचा वसूल घेतला असेल तो गिरमाजी शामराव निसबत शिंदे यांजकडे माघारा देणें; फिरोन बोभाट येऊं न देणें; म्हणोन महिपतराव प्रल्हाद कमाविसदार परगणे जितूर यांस पत्र १.

येविशीं जमीनदार परगणे मजकूर यांस पत्र कीं, गिरमाजी शामराज निसबत शिंदे यांशीं रूजू होऊन आठ गांवचे सदरहू अमलाचा वसूल सुरळीत देणें, म्हणोन पत्र १.

२

दोन पत्रें चिटाणिशी दिल्हीं असेत.

182 Kedarji Sindia's wife, who had been imprisoned at fort Lohagad, was at Mahadji Sindia's request, ordered to be released and made over to him.

A, D, 1768–69,

183 Eight villages in Pargana Jitur were assigned to Tuljabai Sinde.

A, D, 1768--69

१८४-(६३०) सखूबाई शिंदे यांणीं हुजूर कसबे पुणें येथील मुक्कामीं येऊन
इ० स० १७६९-७० विनंती केली कीं, जयाजी बिन राणोजी शिंदे यांणीं स्वामींच्या
सबैन राज्यांत श्रमसाहस करून एकनिष्ठपणें बहुत दिवस सेवा केली,
मया व अलफ
जमादिलाखर १५. आणि साहेबकामावरि कार्यास आले आहेत व आपला योगक्षेम चालिला पाहिजे, यास्तव स्वामींनीं कृपाळू होऊन आपले संसाराचे बेगमीस नूतन इनामगांव करार करून दिले पाहिजे म्हणोन; त्याजवरून मनास आणितां तुमचे भ्रतार जयाजी शिंदे पुरातन राज्यांतील सेवक, श्रमसाहस बहूत प्रकारें करून स्वामिसेवा एकनिष्ठपणें केली व सरकारकामास आले, यास्तव तुमचें चालवणें जरूर जाणोन तुम्हांवरि कृपाळू होऊन इनामगांव करार बितपशील गांव.

× × × × × × × × × ×

एकूण ऐशीं गांवचे सदरहू लिहिल्याप्रमाणें अमल व मौजे चास तर्फ पांडे पेडगांव व प्रांत कडेवलीत येथील दरोबस्त अमल पैकीं निमे अमल तुम्हांकडे व सगुणाबाई व भागीरथी बाई शिंदे यांजकडे समाईक आहे, त्यास तुमचे वांटणी बमोजीब हिस्सा होईल तो याप्रमाणें तुम्हांस नूतन इनाम गांव करार करून दिले असेत. तरि सदरहू लिहिल्याप्रमाणें गांवचे अमल तुम्हीं आपले दुमाला करून घेऊन तुम्हीं तुमचे पुत्रपौत्रादि वंशपरंपरेनें इनाम अनुभवून सुखरूप रहाणें म्हणोन. रसानगी यादी सनदा व पत्रें. ××××

सदरहू गांवचे अमलास तनख्याची बेरीज लाऊन दिली रुपये ××××××××××

एक लक्ष सवा सततीस रुपये तनखा लाऊन दिला असे, व तनखे जाबता लिहून दिला असे; सबब दादांचे स्वारींत पत्र करून दिलें, तें माघारें घेतलें असे. सखूबाई व सगुणाबाई व भागीरथीबाई शिंदे यांणीं हुजूर विदित केले कीं, जयाजी व जोत्याजी व दत्ताजी बिन राणोजी शिंदे यांणीं स्वामींचे राज्यांत श्रमसाहस करून एकनिष्ठपणें बहुत दिवस सेवा केली, आणि साहेबकामावरि कामास आले, आपला योगक्षेम चालिला पाहिजे. यास्तव संसाराचे बेगमीस नूतन गांव इनाम करार करून दिल्हे पाहिजे म्हणून; त्याजवरून तुमचे भ्रतार जयाजी शिंदे व जोत्याजी शिंदे व दत्ताजी शिंदे पुरातन राज्यांतील सेवक, श्रमसाहस करून स्वामिसेवा केली व सरकारकामास आले, यास्तव तुमचें

---

184 In recognition of the loyalty and faithful services of Jayaji
A, D, 1769--70, Sindia, some villages were granted in Inam to his widow Sakhubai.

चालवणें जरूर जाणोन मौजे चास तर्फ पांडेपेडगांव प्रांत कडेवलीत येथील दरोबस्त अमल पैकीं निमे अमल यांजकडे समाईक इनाम करार करून दिला असे, तरि मौजे मजकूरचा निमे अमल यांचे दुमाला करून यांस याचे पुत्रपौत्रादि वंशपरंपरेनें अमल सुरळीत देत जाणें. दरसाल ताजे सनदेचा उजूर न करणें. या सनदेची नक्कल लेहून घेऊन हे सनद भोगवटियास परतोन देणें, म्हणोन मोकदम मौजे मजकूर यांस —— सनद १.

चिटणिशी —————— पत्रें २.

१ जमीदार.

१ देशाधिकारी.

—

२

रसानगी यादी.

१८५—( ६३१ ) सगुणाबाई शिंदे यांणीं हुजूर कसबे पुणें येथील मुक्कामीं येऊन विनंती केली कीं, जोत्याजी बिन राणोजी शिंदे यांणीं स्वामीचे राज्यांत श्रमसाहस करून एकनिष्ठपणें बहूत दिवस सेवा केली आणि साहेबकामावरि कार्यास आले आहेत व आपला योगक्षेम चालिला पाहिजे, यास्तव स्वामींनीं कृपाळू होऊन आपले संसाराचे बेगमीस नूतन इनाम गांव करार करून दिलें पाहिजे म्हणोन; त्याजवरून मनास आणितां तुमचे भ्रतार जोत्याजी शिंदे पुरातन राज्यांतील सेवक, श्रमसाहस बहूत प्रकारें करून स्वामिसेवा एकनिष्ठपणें केली व सरकारकामास आले, यास्तव तुमचें चालवणें जरूर जाणोन तुम्हांवरि कृपाळू होऊन इनाम करार बितपशील.

इ० स० १७६९-७०
सबैन मया व अलफ.
जमादिलाखर १५.

× × × × × × × × × × ×

एकूण चवदा गांवचे सदरहू लिहिल्या प्रमाणें अमल व मौजे चास तर्फ पांडेपेडगांव प्रांत कडेवलीत येथील दरोबस्त अमल पैकीं निमे अमल तुम्हांकडे व सखूबाई व भागीरथीबाई यांजकडे समाईक आहे. त्यास तुमचे वांटणी बमोजीब हिसा होईल तो याप्रमाणें तुम्हांस नूतन इनाम गांव करार करून देऊन हे सनद करून दिली असे, तरि सदरहू लिहिल्याप्रमाणें गांवचे अमल तुम्हीं आपले दुमाला करून घेऊन तुम्हीं व तुमचे पुत्रपौत्रादि वंशपरंपरेनें इनाम अनुभवून सुखरूप राहणें म्हणोन, सनदा पत्रें. रसानगी याद.

× × × × × × × × × × ×

सदरहू गांवचे अमलास तनख्याची बेरीज लाऊन दिली तेxxxxxx रुपये. वीस हजार रुपये तनखा लाऊन दिला असे व तनखेजाबता लिहून दिला असे.

---

185 A Similar grant was made to Sagunabai, widow of Jotyaji Ranoji Sindia.

A. D. 1769--70.

१८६—( ६३२ ) भागीरथी बाई शिंदे यांणीं हुजूर कसबे पुणें येथील मुकामीं येऊन विनंती केली कीं दत्ताजी बिन राणोजी शिंदे यांणीं स्वामीच्या राज्यांत श्रमसाहस करून एकनिष्ठपणें बहूत दिवस सेवा केली आणि साहेबकामावर कार्यास आले आहेत व आपला योगक्षेम चालिला पाहिजे, यास्तव स्वामींनीं कृपाळू होऊन आपले संसाराचे बेगमीस इनाम गांव करार करून दिले पाहिजे म्हणोन; त्याजवरून मनास आणितां यांचे भ्रतार दत्ताजी शिंदे पुरातन राज्यांतील सेवक, श्रमसाहस बहूत प्रकारें करून स्वामिसेवा एकनिष्ठपणें केली, व सरकारकामास आले यास्तव यांचें चालवणें जरूर जाणोन यांजवरि कृपाळू होऊन गांव करार बितपशील.

इ० स० १७६९-७० सबैन मया व अलफ जमादिलाखर. १५

× × × × × × × × × × × ×

एकूण सत्तावीस गांवचे सदरहू लिहिल्याप्रमाणें अमल व मौजे चास तर्फ पांडेपेडगांव प्रांत कडेवलीत येथील दरोबस्त अमल पैकीं निमे अमल तुम्हांकडे व सखूबाई व भागीरथीबाई यांजकडे समाईक आहे, त्यास तुमचे वांटणी बमोजीब हिस्सा होईल तो याप्रमाणें यांस नूतन इनाम गांव करार करून देऊन हे सनद करून दिली असे. तरि सदरहू लिहिल्याप्रमाणें तुम्हीं गावचे अमल आपले दुमाला करून घेऊन तुम्हीं व तुमचे पुत्रपौत्रादि वंशपरंपरेनें इनाम अनुभवून सुखरूप राहणें, म्हणोन नांवाची——— सनद १.

दरसाल ताजे सनदेचा उजूर न करणें, या सनदेची नक्कल लेहून घेऊन हे सनद यांजजवळ भोगवटियास परतोन देणें, म्हणोन मोकदमास सनदा १०

——
११

१८७—( ६७० ) परगणे धरणगांव व परगणे बढवे हे दोन्हीं महाल तुम्हांकडे देऊन त्यांचे मोबदला परगणे शिंदखेड हा महाल दरोबस्त सरदेशमुखी सुद्धां सरकारांत घेतले असतां सालगुदस्तां तुम्हांकडील कारकुनांनीं गैरवाका समजावून सरदेशमुखीविशीं पत्र घेतलें म्हणून हुजूर विदित जाहलें, त्याजवरून हें पत्र लिहिलें असे; तरि तुम्हीं परगणे मजकूरचे सर-

इ० स० १७६९-७० सबैन मया व अलफ रजब २५.

---

186 A similar grant was made to Bhagirthibai, widow of Dattaji bin Ranoji Sindia.
A, D, 1769--70,

187 Parganas Dharangaum & Badhave were given to Mahadji Sindia in exchange for Pargana Sindkhed.
A, D, 1769--70

देशमुखीचे अमलाविशीं दिकत न करणें. महालची कमावीस मल्हार खंडेराव यांस सांगितली असे, तरि मशारनिले अमल करितील, म्हणून महादजी शिंदे यांस चिटणिशी पत्र १

येविशीं नरहर लक्ष्मणराव यांस कीं, तुम्हीं परगणे मजकूरचे सरदेशमुखीचा अमल न घेणें म्हणून पत्र १.

२

---

# १ राजकीय.

—:S:—

## ( ब ) इतर माहिती.

### ११ विंचूरकर.

*
१८८–( १९ ) नारो शंकर यांचे नांवें सनद कीं, किल्ले सोनगीर सालमजकुरीं राजश्री राजे विठ्ठलराव शिवदेव उमदे-तुलमुल्क बहादूर यांजकडे दिला असे, त्यास किल्ले मजकुरीं जंगी सामान दारूगोळा वगैरे सामान किल्ल्यावर ठेऊन ऐन जिन्नस गल्ला वगैरे असेल तो शिबंदीच्या कबजांत देणें आणि किल्ला मशारनिलेच्या स्वाधीन पेशजीच्या सनदेप्रमाणें करून जंगी सामानसुद्धां किल्ल्याचें कबज घेणें, म्हणून सनद १.

इ० स० १७६२–६३
**सलास सितैन मया व अलफ**
रजब १४.

रसानगी यादी.

---

# POLITICAL MATTERS.

MATTERS RELATING TO

Vinchurkar.

188. The fort of Songir was ordered to be handed over to Raje Vithalrav Siwadev Umdetulmuluk Bahadar, together with the ammunition it contained.

A. D. 1762-63

---

* येथपासून रावबहादूर वाड यांच्या दुसऱ्या भागास म्हणजे फैलीस आरंभ होतो.

१८९—( २७ ) राजश्री राजे विठ्ठलराव शिवदेव उमदे तुलमुलूख बहाद्दर यांस साल-

इ० स० १७६२-६३
सलास सितैन
मया व अलफ
साबान १.

मजकुरीं फौज ठेवण्यास आज्ञा केली, त्यास सरंजाम महाल दिले त्याजविशीं जमीदार महालनिहाय यांसि सनदा कीं, मशारनिलेशीं रुजू होऊन परगणे मजकूरचा अमल वसूल सुरळीत देणें, म्हणून सनदा जमीदारांचे नांवें.

३ प्रांत माळवा पैकीं महाल दरोबस्त अमल वसूल देणें म्हणून सनदा.

१ परगणे भेलसें निमें.
१ परगणें शेऊर.
१ परगणे दुराहा.

---

३

१ परगणे संबळगड, प्रांत अहीरवाडा.
१ परगणे आथईखेड, प्रांत अहीरवाडा.
१ परगणे शाहाबद, प्रांत अहीरवाडा.
१ परगणे बेटावद, प्रांत खानदेश, जागीर व बाबती व सरदेशमुखी खेरीज मुकासा करून दरोबस्त अमल.
१ परगणे सावदें, प्रांत खानदेश, जागीर व बाबती व सरदेशमुखी खेरीज मुकासा करून दरोबस्त.
१ परगणे उरपाड, प्रांत गुजराथ, दरोबस्त.
१ परगणे इंदूर, प्रांत अहीरवाडा.
१ चौधरी व कानगो, सरकार ग्वाल्हेर, निमे अमल.
१ परगणे सोनगीर, प्रांत खानदेश, जागीर व बाबती व सरदेशमुखी खेरीज मुकासा करून अमल.
१ परगणे धुळें, प्रांत खानदेश, जागीर व बाबती व सरदेशमुखी खेरीज मुकासा करून दरोबस्त.
१ परगणे जामनेर, प्रांत खानदेश जागीर व बाबती व सरदेशमुखी खेरीज मुकासा करून दरोबस्त.

---

189. Raje Vithalrav Siwadev Umdetulmulukh was directed to

A. D. 1762-63

maintain an army, and a Saranjam in prants Malwa, Ahirwada & Khandesh was given to him for the purpose.

१ परगणे चांदवड पैकीं गांव.

१ मौजे टांकळी.

१ मौजे घोडांबें.

१ मौजे पिंपळगांव.

१ मौजे कोटमगांव खेरीज मुकासा.

४

एकुण चार गांवचा अमल जातीस सरंजाम जागीर व मोकासा व सरदेशमुखी कुल बाब खेरीज धर्मादाव व वर्षासन करून दरोबस्त अमलाविशीं सनद.

१ परगणे लोह्नेर, प्रांत खानदेश, पैकीं देहे

१ मौजे शेरी.

१ मौजे वारसी.

२

एकूण दोन गांवचा अमल जागीर व बाबती व सरदेशमुखी खेरीज मुकासा करून किल्ले राजदेहर किल्ल्यास सरंजाम दिला असे म्हणून सनद.

७ गावगंनाच्या मोकदमांस सनदा.

१ मौजे चावरी, परगणे नाशिक, येथील अमल जागीर व बाबती व सरदेशमुखी खेरीज मुकासा करून.

१ कसबे नांदगांव, परगणे माणिकपुंज, येथील जागीर व बाबती व देशमुखी खेरीज मुकासा करून किल्ले राजदेहर यास सरंजाम रसानगी यादी.

२३

१९०-( ३७ ) राजश्री राजे विठ्ठल शिवदेव उमदे-तुल-मुल्ख बहादर यांचे नांवें सनद कीं, तुम्हांस सालमजकुरापासून फौज ठेवण्यास आज्ञा केली आहे, त्यास फौजेचा आकार वगैरे.

इ० स० १७६२-६३
सलास सितैन मया व अलफ
साबान ७.

६०००० खुद्द जातीस सरंजाम शागीर्दपेशा, कुल संसार मिळोन सालीना खर्च नेमणूक कुल मिळोन.

---

190. Raje Vithalrav Siwadev was given the following Saranjam:—

A. D. 1762-63.

Rs. 5,0,000 for personal expenses.

१५००००० स्वार नेमणूक ५००० दर स्वारास इतलाख कुल पाडिलें पान बारमाही चाकरी करावी, हुजूर हजीरी द्यावी, याप्रमाणें करार जुंजांत स्वाराचे घोडे पडिले तर माणूस पाडेले तर सर्द इतलाख दर स्वारास रुपये ३०० तीनशें नेमणूक केली असे, यांत समजोन ध्यावें. हजिरीस स्वार कमी जाले तरि त्याचा पैका सरकारांत द्यावा, याप्रमाणें करार केला असे, आकार कुल स्वारांचा———————— रुपये.

१२५००० किल्ले ग्वाल्हेर तुम्हांकडे दिला आहे. त्यास सरंजाम सदरहू नेमून दिला आहे; किल्ले मजकुरीं शिबंदी वगैरे चौकशी करून ठेवावी, यांत कमी खर्च होतां होईल तितका करावा, जाजती करूं नये. अखेर सालीं किल्ल्याचा हिशेब शिबंदीचा आदीकरून किल्ल्याची मरामत वगैरे कुल खर्च सदरहू ऐवजांत नेमिला असे———————— रुपये.

१०००० किल्ले राजदेहर तुम्हांकडे दिला आहे, त्यास सरंजाम सदरहू नेमून दिला आहे. किल्ले मजकुरीं शिबंदी वगैरे चौकशी करून ठेवावी कमी खर्च होतां होईल तितका करावा. जाजता करूं नये. अखेरसालीं किल्ल्याचा हिशेब शिबंदीचा आदीकरून सरकारांत आणून समजावा. किल्ल्याची मरामत वगैरे कुल खर्च सदरहू ऐवजांत नेमिला असे, समजून करावें.———————— रुपये.

———

१६८५०००

Rs. 15,00,000 for keeping up a detachment of 5000 horse. The detachment was liable to be inspected by the Hujur, and was to be on duty throughout the year. The amount sanctioned was to cover all expenses including those incurred in replacing horses killed in action &c.

Rs. 1,25,000 In connection with the fort of Gwalior which was entrusted to the Saranjamdar.

Rs. 10,000 In connection with the fort of Rajdehar which was entrusted to the Saranjamdar.

The Saranjamdar was directed to render detailed accounts of the territory assigned to him in Saranjam, to continue the alienation of land and cash existing therein to make inquiries about its revenues and try to increase the revenue as far as possible. With regard to the keeping up of the detachment, the instructions were that the horses and men to be entertained should be fit and strong, each horse being of a value of Rs 300 or 400 and that they should be produced for inspection whenever required by the Hujur.

एकूण सोळा लक्ष पंच्यांशी हजार रुपये सदरहूप्रमाणें करार केले असेत, यासि सरंजाम माहाल एकूण आकार ———————— रुपये.

९०००० खासा जातीस सरंजाम माहाल एकूण आकार बरहुकूम यादी — रुपये.

१०००० सरंजाम किल्ले राजदेहर.

१२५००० किल्ले ग्वालेरीस सरंजाम सरकार ग्वालेर कुल आकार रुपये २३०००० पैकीं किल्ल्याकडे सरंजाम नेमणुकी प्रमाणें.

१५००००० फौज सरंजाम.

३३०९६७ ८≡

प्रांत खानदेशपैकीं महालचा आकार जागीर बाबती व सरदेशमुखी व जकात खेरीज मुकासा करून दरोबस्त अमल आकार ———— रुपये.

६८६०८॥ परगणे धुळें, बेरीज रुपये ९४२०७।॥≡॥ पैकीं वजा निसबत मल्हारजी होळकर देखील सरदेशमुखी.
१ मौजे मुगटी.
१ मौजे वडजाई.
—
२

आकार तनखा रुपये ४५०७।॥≡॥
बाकी तनखा रुपये ८९७००
यासि आकार रुपये.
१००००० ऐन आकार.
४००० जकात.
१३०० सुभेदारी ऐवज.
———
१०५३००
पैकीं वजा.
२०००० मोकासी पंचम हिसा.
६३९३॥ दुमाले.
२५०१ मौजे नदोल.
३२७१॥ निसबत हरी दामोदर.
१ मौजे निरूर
१ मौजे कुंभ.
—
२
६२१ मौजे आरवी निसबत कृष्णाजी नाईक काळे.
———
६३९३॥
३०० वर्षासन वगैरे.
———
२६६९३॥
बाकी बेरीज रुपये ७८६०६॥
पैकीं वजा सूट रुपये १००००
बाकी ———— रुपये.

८६५०० परगणे सावर्दे, तनखा रुपये १०३८५०
यासि आकार ———— रुपये.
१०६५०० ऐन आकार.
५००० सुभेदारी.
———
१११५००

पैकीं वजा मोकासी पंचम हिसा
२०००० बाकी रुपये ९१५००
पैकीं वजा सूट रुपये ५०००
बाकी.
४९१५० परगणे बेटावद, तनखा
रुपये ९३०४४।।।-
पैकीं वजा मोकाशी याची बेरीज
रुपये ४४०००
बाकी रुपये.
४९०४४।।।-
जाजती देणें १०५८≡
यादीस जाले त्या-
प्रमाणें जमा.

४९१५०
९६००० परगणे जामनेर, तनखा
रुपये १००००१
यासि मक्ता रुपये.
१३२०००
पैकीं वजा मुकासी रुपये
२६०००
बाकी आकार रुपये
१०६०००
पैकीं वजा सूट रुपये
१००००
बाकी रुपये.
३०३०८।।≡ परगणे सोनगीर
तनखा रुपये
७२३१४।.
पैकीं वजा.
३३६६। किल्ल्यास जागीर.
१०८७६।।। निसबत वारगांव.
७२२८≡ मुगटी गंगाधर
यशवंत.
२४२७८≡। मौजे नादी निसबत चिमणाजी दामोदर.
२१८७।-।।। मौजे कवटलें निसबत राघो लक्ष्मण
१५५० कापडणें निसबत मल्हारजी होळकर

१०८७६।।।

१४२४३
बाकी तनखा रुपये.
५८०७१।.
यासि आकार रुपये
४६८०८।।≡ ऐन आकार
३००० किल्ले जातगांव.
६०० सुभेदारी.

५०३०८।।≡
पैकीं वजा मोकासी सोमवंशी
रुपये
१५०००
बाकी रुपये
३५३०८।।≡
पैकीं वजा सूट रुपये.
५०००
बाकी रुपये.
३६०७१३ परगणे उरपाड, प्रांत
गुजराथ, बेरीज रुपये
३६५७१३
पैकीं वजा सूट
रुपये ५०००

बाकी —————— रुपये.

२१८००५ प्रांत हिंदुस्थान पैकीं महालचा आकार रुपये

१०५००० सरकार ग्वाल्हेर कुल आकार रुपये

२३००००

पैकीं किल्याकडे सरंजाम वजा रुपये १२५०००

बाकी फौजेचे बेगमीस.

२४५४४ परगणे संबलगड वगैरा.

१९९३३ परगणे शहाबाद.

६८५२८ परगणे इंदूर व अनाईखेड प्रांत अहिरवाडा येथील मक्ता.

———

२१८००५

५३१९९५ प्रांत माळव्या पैकीं महाल

१२५९९५ परगणे सेउरदुराब रुपये

१२९५०१

पैकीं वजा सूट रुपये ३५०६—बाकी.

१४८००० परगणे अष्टइच्छावर व नागरदेव देवीपूर

२५८००० परगणे भेलसें देखील जकात

———

५३१९९५

८२०१ मौजे चावेरी, परगणे नाशिक, मक्ता दरोबस्त १०००१

पैकीं वजा सूट मोकासा रुपये ११००

बाकी जागीर बाबती व सरदेशमुखी सुद्धां देखील नजर मिळोन.

९०५०१८-। परगणे पाटोदें

१७॥≡॥। किचा सरंजामास नुकसान बेरीज आली ती भरतीस.

———

१५०००००

———

१६८५०००

एकूण सोळा लक्ष पंच्याशी हजार सदरहूप्रमाणें सरंजाम करार करून दिला असे तर सदरहूप्रमाणें सरंजामाचा वसूल घेणें. महाल निसबत कलमें येणेंप्रमाणें बितपशील—

तुम्हांकडे महाल सरंजाम दिले आहेत, तेथें दुमाले गांव निसबतवार ज्याजकडे असतील त्याची चौकशी मागील अमलदार यांणीं करून चालवीत आले असतील, त्याप्रमाणें तुम्हीं सरकारचे सनदेचा उजूर न धरितां दुमाला निसबतवार चालवीत जाणें. तुम्हांस सालमजकूर फौजेस सरंजाम महाल दिल्हे त्याचा आकार वर जमेस लिहिला आहे. तर तुम्हीं इमानें इतबारें महालची चौकशी करून अखेर सालीं महालचा कचा हिशेब हुजूर आणून समजावीत जाणें. महालची बेरीज लिहिली आहे यांत चौकशी करून जाजती साधणूक होतां होईल तेथपर्यंत करावी, कमी करूं नये. कलम १.

धर्मादाव व रोजनदार वगैरा वर्षासनें ब्राह्मणास वगैरे पेशजी पासून आहेत, त्यांची चौकशी महालांत गेल्यावर जुने मामलेदार ज्याप्रमाणें चालवीत आले असतील त्याप्रमाणें चौकशी करून सनदेचा उजूर न धरितां चालवीत जाणें. कलम १.

महाल मजकूरची नेमणूक तुम्हांस सरंजाम स्वारांस महाल दिले आहेत तेथील कुल पडिलें पान खर्च मिळोन तीनशें रुपये स्वाराची नेमणूक करून दिली आहे. त्यांत सर्व समजून घ्यावें. आलाहिदा महाल मजकूर सरकारांतून मजुरा पडणार नाहीं. कलम १.

घोडेमाणूस चांगलें धडधडीत बाळगावें हजिरी हुजूर जे समयीं आज्ञा होईल ते समयीं द्यावी. हजिरीस स्वार कमी आले तर त्याचा पैका सरकारांत द्यावा व घोडें तीन चारशें रुपये किमतीचें, माणूस चांगला, याप्रमाणें बाळगावें. माणूस वाईट अगर घोडे वाईट आणूं नये. येणेंप्रमाणें कलम १. करार.

येणेंप्रमाणें पांच कलमें करार करून दिलीं असेत. सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करून फौज चांगली बाळगून कोट, किल्ले, हुशार राखून सेवा एकनिष्ठपणें करीत जाणें, म्हणोन सनद

१.

रसानगी यादी.

१९१–( ४८ ) त्र्यंबकराव शिवदेव यांचे नांवें सनद कीं, तुम्हांस सालमजकुरीं दोन हजार फौज ठेवावयास आज्ञा केली आहे, त्यास दर राउतास कुल पडलें पान सरसाल मोईन रुपये ३०० तीनशें करार केली असे, त्यास दोन हजार फौजेचा ऐवज तुम्हांस सरकारांतून द्यावयाचा करार रुपये ६००००० सा लक्ष करार केला असे, त्यास संरजाम माहाल एकूण आकार अजमासें

इ० स० १७६२–६३
सलास सितैन
मया व अलफ
साबान २३.

रुपये.

३३३००० परगणें भोवरसें. गोपाळराव बापूजी यांजकडे होतें तें त्यांजकडून दूर करून तुम्हांकडे दिलें, त्याचा आकार रुपये.

१४०००० सरकार हांडें, नारो बल्लाळ भुसकुटे यांजकडे होतें तें त्यांजकडून दूर करून तुम्हांकडे दिले त्याचा आकार रुपये.

---

191. Trimbakrao Siwadev was directed to keep up a datachment of 2,000 horse and was granted a Saranjam worth Rs 602000 in Pargana Bhowarase, Sirkar Bande and Parganas Patan and Kambag. Sirkar Bande was formerly in the management of Naro Ballal Bhuskute, and was ordered to be taken back from him. The conditions attached to the grant were the same as in the preceding Sanad.

A. D 1762-63.

५४००० परगणे पाटण केशवरायाचें, सरकार हिया केदारजी शिंदे यांजकडे कमावीस होती ती दूर करून तुम्हांकडे सरंजाम दिली त्यांचा आकार रुपये.
७९००० परगणे काळाबाग पैकीं तूर्त अंक हिशेबी, सबब कीं परगणे मजकूरचा हिशेब यथास्थित समजला नाहीं, सबब भरतीस तूर्त ऐवज लाऊन दिला असे.

६०२०००

एकूण सहा लक्ष दोन हजार रुपयांचे चार महाल सालमजकुरीं सरंजाम तुम्हांस दिला असे. सदरहू प्रमाणें सरंजामाचा ऐवज तुम्हीं घेऊन फौज चांगली ठेवणें. सरंजामाचे व महाल निसबतीचीं कलमें येणें प्रमाणें करार.

सालमजकुरीं दोन हजार फौज तुम्हांस ठेवावयास सांगितली आहे, त्यास राउतास तीनशें रुपये निवळ करार केले आहेत, त्यास बारमाही चाकरी नेहमीं करावी, जिकडे चाकरीस पाठवूं तिकडे जावें, घोडे चार पांचशें रुपये किंमतीचे व माणूस चांगलें याप्रमाणें बाळगावें. कलम १.

राउतास रोजमरा वगैरे ऐवज हुजरून पावेल, तो एकंदर हिशेबीं धरावा, सरंजामाचा ऐवज हुजरून पावेल तो एकंदर जमा धरून त्यांत राउतांचा ऐवज हजिरीप्रमाणें वजा करून बाकी ऐवज राहील तो सरकारांत द्यावा. कलम १.

दोन हजार फौजेची हजिरी जे समयीं आज्ञा होईल ते समयीं द्यावी. हजिरीस राऊत कमी जाहले तरि अखेर सालीं कबजांत कमी करावे. राउतांचा ऐवज राहील तो सरकारांत द्यावा. कलम १.

चार महाल तुम्हांस सरंजाम सरकारांतून पेस्तर सालापासून द्यावयाचा करार करून सनदा आलाहिदा दिल्या आहेत, त्यास महाल मजकूर वगैरे शिबंदीचा ऐवज सरकारांतून मजुरा पडणार नाहीं. तीनशें रुपये स्वारांस नेमणूक दिली आहे. यांतच सर्व महाल निसबतचा खर्च समजून घ्यावा. कलम १.

परगणे पाटण येथील सरकार हिशाचा ऐवज सालमजकुरीं तुम्हांस दिला आहे. त्यास अखेर सालीं हिशेब समयीं परगणे मजकूरचा ऐवज हिशेबीं जमा धरावा. कलम १.

तुम्हांस देशीं सरंजाम गांव, खेडीं वगैरे आहेत, यांचा ऐवज अखेर सालीं हिशेब होते समयीं तुम्हीं इमानें इतबारें गांव, खेडीं यांचा ऐवज आणून समजवावा. कलम १.

पेस्तर सालापासून तुम्हांस सरंजाम चार महाल दिले आहेत, यापैकीं परगणे भोंवरासें येथें तुमचा अमल बसला नाहीं, तरि तुम्हांस दुसरे ठाईं भोंवराशाचा मुबदला दिला जाईल. साल मजकुरीं दोन हजार फौजेस साडे तीन लाख रुपये पर्यंत अजमासें लागतील. त्यापैकीं तुम्हांस नालबंदीस सवा लक्ष [रक्कम] दिली आहे. याखेरीज रोजमरा वगैरे हुजरून पावेल तो

ऐवज व गांवखेडीं व पाटणचा ऐवज वजा होऊन बाकी ऐवज फौजेचा हाजिरी बरहुकूम कबूल होऊन त्यांत सदरहू ऐवज वजा होऊन बाकी ऐवज राहील ते पेस्तर सालीं महालांत वसूल होईल त्यांत घेणें. सरकारांतून दिला जाईल.
कलम १.

चार महालांत धर्मादाव व वर्षासनें व रोजिनदार वगैरे सालाबाद माजी अमलदार चालवीत आले असतील, त्यांची चौकशी करून सरकार सनदेचा उजूर न धरितां धर्मादाव, वर्षासनें व रोज वगैरे चालवीत जाणें. कलम १.

चार महालचा आकार तूर्त अजमासें जमा धरून दिला असे. इमानें इतबारें चौकशीनें चार महालचा अमल करून ऐवज जाजती साधतां होईल तेथपर्यंत करावा, कमी करूं नये. कलम १.

सरकारचे मजमदार व फडणीस महालोमहालीं आहेत. त्यांचे हातें कामकाज लिहिण्याचें माजी अमलदार घेत आहेत, त्याप्रमाणें तुम्हीं लिहिण्याचें कामकाज घेत जाणें. कलम १

येणेंप्रमाणें दहा कलमें करार केलीं असेत. सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करून फौज चांगली बाळगून चाकरी एकनिष्ठपणें करीत जाणें. महालचा कच्चा हिशेब अखेर सालीं हुजूर आणून समजवीत जाणें. म्हणून
सनद १.
रसानगी यादी.

१९२--(७१) त्र्यंबकराव शिवदेव यांचे नांवें सनद कीं, तुम्हांस सालमजकुरीं फौज ठेवण्यास आज्ञा केली, त्याचा करार येणेंप्रमाणें. स्वार एकूण

इ० स० १७६२।६३
सलास सितैन
मया व अलफ
सवाल १५.

आकार रुपये.

६००००० प्रत स्वार २००० एकूण दर स्वारास रुपये ३०० प्रमाणें कुलबाब करार रुपये.

९८००० प्रत स्वार ३२७ एकूण दर स्वारास रुपये ३०० प्रमाणें आकार ९८००० प्रमाणें खास दस्तकची बेरीज करार

---

२३२७

---

192. A Military Saranjam worth Rs 698000 in Parganas Bhowarase and Jainabad and Sirkar Bande was conferred on Trimbakrao Siwadev, and he was directed to maintain a force of

A. D. 1762 63.
2327 Sowars.

एकूण दोन हजार तीनशें सत्तावीस स्वारांस मोईन सहा लक्ष अठ्याणव हजार रुपये करार केली असे, यासि सरंजाम महाल बितपशील एकूण आकार रुपये.

३३३००० परगणे भोवराशें, गोपाळराव बापूजी यांजकडे होतें तें त्यांचेकडून दूर करून तुम्हांकडे दिलें त्याचा आकार रुपये.

१४०००० सरकार हांडें, नारो बल्लाळ भुसकुटे यांजकडे होतें तें त्यांजकडून दूर करून तुम्हांकडे दिलें त्याचा आकार रुपये.

२२५००० परगणे जैनाबाद, नारो शंकर यांजकडे होतें तें त्यांजकडून दूर करून तुम्हांकडे दिलें त्याचा आकार.

६९८०००

एकूण सा लक्ष अठ्याणव हजार रुपये याचे तीन महाल पेस्तर सालापासून तुम्हांस नेमून दिले असेत, सदरहू प्रमाणें सरंजामाचा ऐवज तुम्हीं घेऊन फौज चांगली ठेवणें. सरंजामाचे बदलचीं व फौज निसबतीचीं कलमें येणेंप्रमाणें करार.

साल मजकुरीं दोन हजार तीनशें सत्तावीस स्वार तुम्हांस ठेवण्यास सांगितलें आहे, त्यास राउतास तीनशें रुपये निवळ करार केले आहेत. त्यास बारमाही चाकरी नेहमीं करावी. जिकडे चाकरीस पाठऊं तिकडे जावें. घोडें चार पांचशें रुपये किमतीचें व माणूस चांगलें बाळगावें. याप्रमाणें करार कलम १.

राउतांस रोजमरा वगैरे ऐवज हुजुरून पावेल तो एकंदर हिशेबीं धरावा. सरंजामाचा ऐवज व हुजुरून ऐवज पावेल तो एकंदर जमा धरून त्यांत राउतांचा ऐवज हजिरीप्रमाणें कबज वजा करून बाकी ऐवज राहील तो सरकारांत द्यावा. कलम १.

तीन महालांत धर्मादाव व वर्षासन व रोजीनदार वगैरे सालाबाद माजी अमलदार चालवीत आले असतील त्याची चौकशी करून सरकार सनदेचा उजूर न धरितां, धर्मादाव व वर्षासनें व रोजीनदार वगैरे चालवीत जाणें. कलम १.

तुम्हांस देशीं सरंजाम गांव खेडीं वगैरे आहेत याचा ऐवज अखेर सालीं हिशेब होते समयीं तुम्हीं इमानें इतबारें गांव खेडीं यांचा ऐवज आणून समजवावा. कलम १.

पेस्तर सालापासोन तुम्हांस सरंजाम तीन महाल दिले आहेत, त्यापैकीं परगणें भोवरासें येथें तुमचा अमल बसला नाहीं तरि तुम्हांस दुसरे ठाईं भोवराशाचा मुबदला दिला जाईल. सालमजकुरीं दोन हजार तीनशें सत्तावीस स्वारांस साडे तीन लक्ष रुपयेपर्यंत अजमासें लागतील, त्यापैकीं तुम्हांस नालबंदी सवा लक्ष दिली आहे. याखेरीज रोजमरा वगैरे हुजरून पावेल तो ऐवज व गांव, खेडीं वगैरे सरंजाम असेल तो ऐवज वजा करून बाकी ऐवज राहील तो पेस्तर सालीं महालांत वसूल होईल त्यापैकीं सरकारांतून दिला जाईल. कलम १.

दोन हजार तीनशें सत्तावीस फौजेची जे समयीं हजिरीची आज्ञा होईल ते समयीं द्यावी. हजिरीस राऊत कमी जाहले तरि अखेर सालीं कबजांत कमी करावे. राउतांचा ऐवज राहील तो सरकारांत द्यावा. कलम १.

तीन महाल तुम्हांस फौजेस सरंजाम सरकारांतून पेस्तर सालापासून द्यावयाचा करार करून अलाहिदा सनदा सादर केल्या आहेत, त्यास महाल मजकूर वगैरे शिबंदीचा ऐवज सरकारांतून मजुरा पडणार नाहीं. तीनशें रुपये स्वारांस नेमणूक करून दिली आहे. यांतच सर्व महाल निसबतचा खर्च समजून घ्यावा. कलम १.

तीन महालाचा आकार अजमासें जमा धरून दिला असे, तरि इमानें इतबारें चौकशीनें तीन महालांचा आकार करून ऐवज जाजती साधणूक करावी. कमी करूं नये. कलम १.

सरकारचे मजमदार व फडणीस महालोमहालीं आहेत त्यांचे हातें कामकाज लिहिणियाचें माजी अमलदार घेत आहेत त्याप्रमाणें तुम्हीं लिहिणियाचें कामकाज घेत जाणें. कलम १.

येणेप्रमाणें नव कलमें करार केलीं असेत. सदरहू प्रमाणें वर्तणूक करून, फौज चांगली बाळगून चाकरी एकनिष्ठपणें करीत जाणें. महालचा कच्चा हिशेब अखेर सालीं हुजूर आणून समजावीत जाणें म्हणून सनद १.

रसानगी यादी.

१९३—( ७२ ) त्र्यंबकराव शिवदेव यांचे नांवें सनद कीं, तुम्हीं हुजूर विनंती केली कीं, आपलें कर्ज सरकारांत येणें आहे, त्याची सोय करून द्यावी म्हणून; त्याजवरून तुम्हांस कर्जाबद्दल महाल नेमून दिले त्याचा आकार——रुपये.

इ० स० १७६२–६३
**सलास सितैन मया व अलफ**
सबाल १५.

७५००० परगणे काळाबाग येथील हिशेब यथास्थित समजला जाईल, सबब तूर्त ऐवज अजमासें.

५४००० परगणे पाटण केशवरायाचें, सरकार हिस्सा केदारजी शिंदे यांजकडे कमावीस होती ती दूर करून तुम्हांकडे दिली, त्याचा आकार अजमासें रुपये.

१२९०००

193. Trimbakrav Siwadev having asked for the repayment of a loan advanced by him to Government, the pargana of Kalabag (estimated to yield Rs 75,000) and the Government share in pargana Patan Keshavrayache (estimated to yield Rs. 54 000) were made over to him, to be taken back when the loan was paid off. He was directed to submit detailed accounts of the territory to Government.

A D 1762-63.

एकूण दोन महाल मिळोन एक लक्ष एकूणतीस हजार रुपये आकाराचे तूर्त अजमासें तुम्हांकडे नेमून देऊन सनदा अलाहिदा सादर केल्या आहेत. तरि तुम्हीं सदरहू महालाचा अमल आपले जिमे करून घेऊन इमानें इतबारें चौकशीनें हरदूमहालचा हिशेब अखेर सालीं हुजूर आणून समजावीत जाणें. तुमचे कर्जाचा ऐवज फिटल्यावर तुम्हांकडून महाल दूर करून सरकारांत ठेवले जातील. परगणे पाटण येथील ऐवज सालमजकुरीं तुम्हांस फौजेच्या सरंजामास देऊन जमीदारांस अलाहिदा सनदा सादर केल्या होत्या; त्यास हल्लीं परगणे मजकूर फौजेच्या सरंजामाकडून दूर करून तुम्हांस कर्जाचे ऐवजीं दिला असे. तरि परगणे मजकूरचा हिशेब अखेर सालीं सरकार हिशियाचा कच्चा हुजूर आणून समजावणें. पेस्तर सालापासून हरदूमहालाचा हिशेब अखेर सालीं आणून समजावणें. महालचा ऐवज तुमचे कर्जाचा ऐवज फिटे तोंपर्यंत सरकारांतून मजुरा दिला जाईल. कर्जाचा ऐवज वारल्यावर महालचा ऐवज सरकारांत घेतला जाईल. सदरहू महालचा अजमास लेहून दिला आहे, पेस्तर सालीं महालचा तनखा व हाल वसूल इस्तावियाची बेरीज आणून हुजूर समजावणें. त्याप्रमाणें महालाचा बंदोबस्त करून दिला जाईल, म्हणून सनद १.

रसानगी यादी.

## बाळाजी जनार्दन यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

१९४—( १८८ ) राजश्री बाहिरो अनंत यांचे नांवें सनद कीं तुमचे पथकाची

इ० स० १७६३–६४ बोली करून खुद तुम्हांस व स्वारांस व मजमदारांस तैनात सालीना रुपये.

अर्बा सितैन मया व अलफ साबान.

करार

२५००० जातीस तैनात.

५००० बालपर्वेसी अंताजी माणकेश्वर.

१२००० खुद तुम्हांस.

८००० भगवंतराव अनंत.

२५०००

194. A personal and military saranjam for maintaining a body of 2,000 horse, amounting in all to Rs. 6 28500, was granted to Bahiro Anant. The Sirkar of Gwalior was divided equally between Bahiro Anant and Vithalrav Siwadev Umdetulmulukh Bahadar. There is a reference in this sanad to a disturbance by the Rana of Gohad.

A. D. 1763–64

६००००० स्वार २००० दोन हजार बरे माणूस आढळाचे व करोल व भालेकरी व आडहत्यारी, घोडे माणूस धडधडीत बाळगावे. यास तैनात सालीना दर राउतीं रुपये तीनशें प्रमाणें रुपये.
२९०० आबाजी नारायण मजमदार.

———
६२८९००

एकूण सहा लक्ष साडे अठ्ठावीस हजार तैनात सालीना करार केली. यासि सरंजाम बितपशील महाल बेरीज.

रुपये.

१००००० परगणें गंज खासोदें.

२५००० जातीची तैनात.
३५०० मजमदारांस.
३१५०० स्वारांस.

———
१०००००

१३५००० सरकार ग्वालियर, निमें.
१९८९१४ परगणे डेरापूर व परगणें मंगळपूर, प्रांत अंतरवेद.
१९४६८६ प्रांत बुंदेलखंड पैकीं महाल.

८७३२९ परगणे हमीरपूर.
९३९४४ परगणे गडबई.
५३४१७ परगणे नरसीगड पैकीं बेरीज.

———
१९४६८६

———
६२८९००

एकूण सहा लक्ष अठ्ठावीस हजार पांचशें रुपये सरंजाम करार केला असे. सात महालचा अमल इमानें इतबारें करून सदरहूप्रमाणें ऐवज घेऊन फौजेस खर्च करून सरकार चाकरी एकनिष्ठपणें करणें. याखेरीज कलमें.

सरकार ग्वालियर निमें तुम्हांकडे व निमें राजे विठ्ठलराव शिवदेव उमदे-तुलमुलख बहादर याजकडे सरंजाम दिला. त्यास विठ्ठलराव शिवदेव यांचे सरंजामांत निमेची बेरीज रुपये २३०००० दोन लाख तीस हजार रुपये लिहिले; त्यास किल्ला तुम्हांकडे नाहीं, आणि गोहदवाला राणा याचा दंगा आहे, सबब सद-

रहू प्रमाणें जमाबंदी होत नाहीं; याजकरितां एक लक्ष बत्तीस हजार रुपये तुमचे सरंजामांत लिहिले असत. पुढें हिंदुस्थानचा बंदोबस्त होऊन निमे ग्वालियेरची मामलत तुम्हांकडे आहे, ती दोन लक्ष तीस हजार रुपयाचे आकारास आली म्हणजे एक लक्ष पस्तीस हजारांहून जाजती ऐवज होईल त्याचा महाल बुंदेलखंड पैकीं माघारा सरकारांत घेतला जाईल. येणेंप्रमाणें करार

कलम १.

फौजेची गणती सर्वांबरोबर देणें. येणेंप्रमाणें करार कलम १.

तुमचे सरंजामाचा ऐवज सालमजकुरीं फार करून वसुलांत येणार नाहीं, सबब सालमजकुरीं मात्र राजेश्री केदारजी शिंदे व महादजी शिंदे यांजकडून सरकारचे ऐवजीं स्वारींत १००००० रुपये एक लक्ष रुपयांची वरात आलाहिदा लेहून दिली आहे, त्याप्रमाणें मशारनिलेपासून स्वारींत ऐवज घेऊन फौजेस खर्च करणें.

कलम १.

एकूण तीन कलमें करार केलीं असत, तरि सदरहू लिहिण्याप्रमाणें वर्तणूक करणें. म्हणोन मशारनिलेचें नांवें सनद १.

येविशीं जमीदाराचें नांवें कीं, पेशजीचे अमलदाराकडून अमल दूर करून राजश्री बहिरो अनंत यांस सरंजाम फौजेस सालमजकुरापासून करार करून दिला असे, तरि मशारनिलेकडील कमाविसदाराशीं रूजू होऊन अमल सुरळीतपणें देणें, म्हणोन सनद.

१ परगणे गडबई येथील जमीदारास.

१ प्रांत हमीरपूर.

१ तर्फ नरसीगड प्रांत बुंदेलखंड.

२ प्रांत अंतरवेद.

१ परगणे डेरापूर.

१ परगणे मंगळपूर.

२

१ सरकार ग्वालियर निमें.

१ प्रांत गंजखासोदें.

७

चिटणिसी कमावीसदार वर्तमान भावी यांस कीं, तुम्हांकडून अमल दूर करून बहिरो अनंत यांस सरंजाम दिला असे, तरि तुम्हीं दखलगिरी न करणें, म्हणोन पत्रें.

१ गणेश संभाजी कमावीसदार.

१ परगणे हमीरपूर.

१ परगणे गडबई.

१ तर्फ नरसीगड.

३

१ गणेश संभाजी रुजू बाळाजी गोविंद परगणें डेरापूर व मंगळपूर प्रांत अंतरवेद यांस.

२

८

१०

## १ राजकीय

### (ब) इतर माहिती.

#### १२ पटवर्धन.

१९५-(१) कर्यात ऐनापूर येथील निमे अमल मिरज तालुका व निमे अमल उदाजी चव्हाण यांजकडे होता ऐशास मिरज तालुका तुम्हांकडे व चव्हाणाचा अमल सरकारांत घेऊन नागो राम यांजकडे कमावीस सांगितली. त्यास कर्यात मजकुराच्या निमेनिम गांवच्या दोन वांटण्या कराव्या. त्याजपैकीं एक वांटणी तुम्हीं घेणें, एक वांटणीचा अमल नागो राम करतील. याजप्रमाणें सरकारांतून करार करून दिली असे, तरि लिहिल्याप्रमाणें वर्तणूक करणें, म्हणोन गोविंद हरी यांचे नांवें

इ० स० १७६२-६३ सलास सितैन मया व अलफ जिल्काद १५.

सनद १.

रसानगी यादी.

१९६-(२) उदाजी चव्हाण यांजकडील मुकाशियाचा अमल होता, तो सरकारांत घेऊन नागो राम यांसि कमावीस सांगितली असे. त्यास मुकाशियाचा अमल खेरीज बाबती दर सदे रुपये २२॥ साडे बावीस व निमे जकात, याप्रमाणें सरकारांत घ्यावयाचा तह करार केला असे. तरि मशारनिलेशीं रुजू होऊन परगणे मजकूरचा मुकासा व निमे जकातीचा अमल वसूल सुरळीत देणें, म्हणोन जमीदार देशमुख व देशपांडे यांचे नांवें

इ० स० १७६२-६३ सलास सितैन मया व अलफ जिल्काद १५.

सनदा.

---

## POLITICAL MATTERS.

### MATTERS RELATING TO Patwardhans.

195. The amal of karyat Ainapur was divided in equal shares between Govind Hari, the holder of taluka Miraj and Udaji Chavan. Udaji's share having been confiscated Govind Hari was directed to make two equal divisions of the villages comprised in the tarf and to hand over one of them to Government, retaining the other for himself. A kamavisdar, Nago Ram, was appointed to manage the villages falling to the share of Government.

A. D. 1763-64,

196. The mokasa amal, the babti at Rs. $22\frac{1}{2}$ per cent, and half the octroi in parganas Haveli Bijapur, Horti, Indi, Tambe, Halsangi, Jat, and Karajgi, which belonged to Udaji Chavan, was confiscated and entrusted to the management of Nago Ram.

A. D. 1762-63,

१ परगणे हवेली विजापूर.
१ परगणे होर्ती.
१ परगणे इंडी.
१ परगणे तांबें.
१ परगणे हळसंगी.
१ परगणे जत.
१ परगणे करजगी.

---

७

१९७-( ३४ ) गोविंद हरी यांचे नांवें सनद कीं, ठाणें मंगळवेढें पेशजीपासून तुम्हांकडे होतें. त्यास सालमजकुरीं ठाणियांची घालमेल सरकारांतून जाहाली होती; परंतु तुम्ही बहुतां दिवसांचें घरचे हें जाणून, तुम्हांवर कृपाळू होऊन तुम्हांस ठाणें मंगळवेढें साल मजकुरीं राहण्यास दिलें असे, तरि ठाणें मजकुरीं तुम्हीं सुखरूप राहणें, म्हणून मशारनिल्हेस सनद १.

इ. स. १७६२-६३
सलास सितैन
मया व अलफ
सबान ३.

रसानगी यादी.

१९८-( १०२ ) त्र्यंबकराव लक्ष्मण यांचे नांवें सनद कीं, किल्ले मिरज तुम्हांकडून सालमजकुरीं दूर करून राजश्री गोपाळराव गोविंद यांचे तसलमातीस देविला असे, तरि तुम्हीं मशारनिलेच्या हवालीं किल्ला करून कबज घेणें व महालचा अमल मशारनिलेकडे सालमजकुरापासोन दिला असे, तरि मशारनिले महालचा अमल करतील, तुम्हीं दखलगिरी न करणें, म्हणोन सनद १.

इ० स० १७६३-६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
सफर १३

१९९-( ११० ) गोविंद हरी यांजकडे फौजेचे सरंजामाबद्दल पेशजीच्या अमल दारांकडून दूर करून सालमजकुरीं मशारनिलेकडे महाल खेरीज दुमाले गांव वजा करून दरोबस्त अमल.

इ० स० १७६३-६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
रविलाबल ६.

---

197. The thana of Mangalwedhe originally belonged to Govid Hari, but was taken by Government. It was now orderd to be restored to Govind Hari for his residence, in consideration of his long service under Government.

A, D, 1762-63,

198. The fort of Miraj was taken back from Trimbakrav Laxuman and handed over to Gopalrav Govind.

A, D, 1763--64,

199. The pargana of Patshapur and the tarf of Tasgaum, and the villages of Bharatgaum in Poona, Dewar Ashte in Budh, Rahimatpur in Koregaum and 4 others were conferred, as a military saranjam, on Govind Hari.

A, D, 1763-65,

महाल.
१ परगणे पातशापूर.
१ परगणे तासगांव प्रांत मिरज.
—
२

२ जमीदारांस सनदा.
२ चिटणीसी पत्रें.
  १ कमावीसदार तासगांव.
  १ यशवंतराव विठ्ठल पातशापूर.
—
२
—
४

फुटगांव.
१ मौजे भरतगांव प्रांत पुणें.
१ मौजे देवर अष्टें कसबे बूध.
१ रेटरें तर्फ हवेली प्रांत कराड.
१ कसबे रहिमतपूर संमत कोरेगांव प्रांत वाई.
१ मौजे बकोरी प्रांत पुणें.
१ मौजे मळद तर्फ पाटस प्रांत पुणें येथलि मोकासा
१ बरबाई प्रांत कल्याण.
—
७

पत्रें.
७ मोकदमास सदरहूप्रमाणें सनदा.
५ चिटणिसी पत्रें.
  १ शामराव आबाजी रहिमतपूर.

× × × ×

रसानगी यादी. पत्रें १६

२००–( १११ ) परशराम रामचंद्र यांस सरंजामाबद्दल पेशजीचे अमलदाराकडून दूर करून साल मजकुरापासोन मशारनिलेकडे खेरीज दुमाले गांव करून दरोबस्त अमल करार करून दिला असे, म्हणोन पत्रें.

इ. स. १७६३–६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
रविलावल ६.

महाल.
१ परगणे यादवाड.
१ परगणे जमखंडी.
१ परगणे अनवाल
—
३

पत्रें.
३ जमीदारांस सनदा.
३ गोपाळराव गणेश यांस तिन्ही महालचीं चिटणिसी पत्रें.
—
६

फुटगांव.

---

200. The parganas of Yadwad, Jamkhindi and Anwal and the villages of Puntambe, Moshi and 5 others were conferred, as a military saranjam, on Parashuram Ramchandra.

A. D. 1763–64.

१ मौजे मोसी प्रांत पुणें
१ मौजे विठ्ठलपुरी व ढवळपुरी.
परगणे पारनेर.
२ परगणें पाटोदे पैकीं देहे.
१ मौजे सिंगणापूर.
१ मौजे बोधेगांव.
१ मौजे कासळी.
—
३
१ कसबे अष्टें देखील ओतवडें व अक्कलकोट.
१ कसबे पुणतांबें.
—
७

पत्रें.
७ मोकदमांस सनदा.
५ चिटणिशी पत्रें.
१ नारो अपाजी यांस मोसीविशीं.
१ विठ्ठल शिवदेव यांस पाटोदें परगण्याचे तीन गांवांविशीं.
१ नारो बाबाजी यांस विठ्ठलपुरी, ढवळपुरी.
१ गोपाळराव गणेश यांस अष्टेविशीं.
१ बाळाजी केशव यांस पुणतांबें.
—
५
—
१२

रसानगी यादी. पत्रें १८.

२०१—(१४३) पथक दिमत गोविंद हरी यांस फौजेचे बेगमीस सरंजाम पेशजीचे अमलदारांकडून दूर करून सालमजकुरापासोन मशारनिलेकडे करार करून दिला असे. तरि मशारनिलेकडील कमाविसदाराशीं रुजू होऊन अमल सुरळीत वसूल देणें, म्हणोन जमीदारांस सनदा.

इ० स० १७६३-६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
जमादिलावल १२.

ऐवज सालाबादप्रमाणें देणें म्हणोन.

१ कसबे बेहटी येथील मोकदम यांस
२ परगणे रायेर हुबळी.
१ देशमुख देशपांडे यांस.
१ महमद सईदखान तरीन किल्लेदार किल्ले हुबळी यास कीं नजरेचा

—
२
१ परगणे कुंदगोळ देखील सावसी येथील जमीदारास.
१ सरदेसकत गांवचा अमल सुरळीत देणें म्हणोन जमीदारास.

201. A military saranjam of parganas Rayar Hubli, Kundgol &c. was conferred on Govind Hari.

A. D. 1763-64.

१ परगणे कुंदगोळ.
१ परगणे हुबळी.
१ परगणे तडस.
---
३
७ देशमुख व देशपांडे यांस व मोकदमांस सनदा.
---
१३

तेरा सनदा हल्लीं दिल्या असत. या खेरीज पहिला सरंजाम यांस दिला आहे, त्याच्या सनदा पेशजी दिल्याच आहेत, परंतु दखलबाज लेहून ठेविल्या सनदा.

१ प्रांत मिरज देखील ऐनापूरचा निमे अमल देणें म्हणोन जमीदारास.
३ जमीदारास देशमुख व देशपांडे यांस सनदा.
१ तर्फ तासगांव.
१ परगणे करकंब.
१ परगणे मंगळवेढें
---
३
८ मोकदमांस.
१ परगणे शहापूर.
---
१३

तेरा सनदा पेशजी दिल्या आहेत.

२०२—( १४४ ) पथक दिमत परशराम रामचंद्र यांस फौजेचे बेगमीस सरंजाम पेशजीचे अमलदारांकडून दूर करून सालमजकुरापासोन करार करून दिला असे, तरि मशारनिलेकडील कमाविसदाराशीं रुजू होऊन अमल सुरळीत देणें म्हणोन जमीदारांस सनदा.

इ० स० १७६३–६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
जमादिलावल १२.

६ जमीदारांस देशमुख व देशपांडे यांस सनदा.
१ परगणे मुळगुंद.
५ तालुके हरिहर बसवपट्टण येथील जमीदारांस
१ परगणे हरिहर.
१ परगणे बसवपट्टण.
१ तर्फ हालेल ( होनल ? )
१ तर्फ नंदगांव.
१ तर्फ उकड गात्री ( गाजरी ? )
----
५
---
६
३ मोकदमांस सनदा.
१ कसबे इगनहल्ली.
२ परगणे कासेगांव पैकीं देहे.
१ मौजे टाकळी.
१ मौजे गोपाळपूर.
---
२
---
३
---
९

---

202. A military saranjam of paragnas Mulgund, Harihar, Baswapattan was conferred on Parashuram Ramchandra.
A, D, 1763--64,

नऊ सनदा हल्लीं दिल्या असेत.

याखेरीज पहिला सरंजाम दिला आहे, त्याच्या सनदा पेशजी दिल्याच आहेत, परंतु दखलबाज लेहून ठेविल्या असत सनदा.

३ जमीदारांस.
 १ परगणे जमखंडी.
 १ परगणे यादवाड.
 १ परगणे अनवाल.
 ——
 ३

७ मोकदमांस.
——
१०

२०३—( १४९ ) प्रांत मिरज राजश्री गोविंद हरी यांस फौजेचे सरंजामास साल मजकुरापासून करार करून दिला आहे; त्यास परगणे मजकूर पैकीं गांव शिलेदारांकडे सरंजाम आहे, सबब जमावसुद्धां मशारनिलेकडे चाकरी करावयास आज्ञा केली असे, तरि तुम्हीं राउतसुद्धां मशारनिलेकडे चाकरी करणें म्हणोन शिलेदारांस सनदा.

इ० स० १७६३-६४
**अर्बा सितैन**
**मया व अलफ**
जमादिलावल १३.

१ आनंदराव शिंदे.
१ येसाजी बोलेकर.
१ राघोजी भोसले.
१ शहाजी भोसले.
१ जिवाजी शिंदे.
१ महादजी शिंदे.
१ रंगोजी मोहिते.
१ बाळोजी व पोसजी गायकवाड.
१ आनंदराव डुबरे.
१ थबाजी भोसले.
× × × ×
——
१४

चौदा सनदा. रसानगी यादी.

२०४—( १४९ ) गोविंद हरी व परशराम रामचंद्र व निळकंठराव त्रिंबक यांजकडील कलमें करार जालीं तीं रसानगी याद.

इ० स० १७६३-६४
**अर्बा सितैन**
**मया व अलफ**
जमादिलावल १८.

फौज देखील पागा स्वार
४६०० गोविंद हरी.
२४०० परशराम रामचंद्र.
५०० निळकंठराव त्रिंबक स्वार १००० पैकीं.
——
७५००

---

203. The prant of Miraj being given in military saranjam to Govind Hari, the following Silledars holding saranjams in that province were ordered to serve with the troops under him:- Anandrav Sinde, Raghoji Bhosle, Jiwaji Sinde, Mahadji Sinde &c.

A, D, 1763--64.

204. A military saranjam of Rs. 22,50,000 was conferred on Govind Hari, Parashram Ramchandra and Nilkanthrav Trimbak for maintaining a body of 7500 horse. The revenue of the mahals of Laxuman Konher now forcibly enjoyed by Haidar Naik, was also agreed to be paid, on the mahals being taken back from Haidar.

A. D. 1763--64.

( This sanad is in Nana Fadnis handwriting. )

एकूण साडे सात हजार फौजेस सरंजाम दर राउतीं सरासरी सालीना रुपये ३०० तीनशें प्रमाणें देखील पागा बमय शिबंदी वगैरे कलमें विठ्ठलराव शिवदेव उमदे तुल्मुलूख बहाद्दर व नारो शंकर राजे बहाद्दर व निळकंठ महादेव यांस करार करून दिलीं आहेत, त्याप्रमाणें यांकडे सरंजाम लाऊन द्यावा, आकार रुपये २२५०००० बावीस लक्ष पन्नास हजार रुपये सालीना करार देखील पागा कलम १.

जातीस व भाऊबंदाचे व कारकुनाचे तैनातीचे होतील ते पेशजीचे असतील ते मनास आणून करावे. कलम १.

सरंजामांतील ऐवज येईल त्याप्रमाणें राऊत बाळगावे. वरकड सरंजामी पथके गणती देतील त्याप्रमाणें तुमचे पथकाची गणती घेतली जाईल, त्याप्रमाणें तुम्हीं द्यावी. कलम १.

वरकड मातबर सरंजाम्यांप्रमाणें गणती द्यावी. पडलीं घोडीं व बक्षिसाचा शिरस्ता वरकड सरंजाम्यांप्रमाणें.

येणें प्रमाणें सहा कलमें करार केलीं असत.

राजे विठ्ठलराव शिवदेव उमदे तुल्मुलूख बहादर यांस व नारो शंकर राजे बहादर यांस स्वदेशीं व हिंदुस्थानांत सरंजाम लाऊन दिला आहे, त्यास शिबंदी पडली असेल त्या सरासरीप्रमाणें यांची शिबंदी पडली तर उत्तम जहालें. जाजती शिबंदी यांजकडील जाहली तर त्यांस तितका ऐवज सरकारांतून लाऊन द्यावा. कलम १.

लक्ष्मण कोनेर यांजकडील महाल हैदर नाईकांनीं दाबिले आहेत, त्यास तो मुलूख सुटल्यावर लक्ष्मण कोनेर यांणीं आकार लिहून दिला आहे, त्याप्रमाणें दरसाल पांच सालां ऐवज गोपाळराव गोविंद यांस द्यावा. सदरहू प्रमाणें मामलत मशारनिलेनीं न केली तर सरकारांतून विल्हे होईल अगर वाजवी बेरीज जे होईल तेच तुमचे माथां मारूं. कलम १.

निळकंठराव त्रिंबक यांचे एक हजार राऊत यांपैकीं पांचशें राउतांचा सरंजाम नेमून दिलाच आहे, बाकी पांचशें राऊत राहिले त्यांचा सरंजाम पेस्तर सालीं लाऊन द्यावा. कलम १.

(ही सनद नाना फडणिसाचे हातची आहे.)

# १ राजकीय.

## (ब) इतर माहिती.

### १३ सखारामबापू.

२०५—(४९२) किल्ले वंदन राजश्री सखाराम भगवंत यांजकडे दिला असे; तरि मशारनिलेकडील कारकून व लोक येतील त्यांचे हवालीं किल्ला जकीरा सुद्धां करून पावलियाचें कबज घेऊन हुजूर येणें, म्हणून नारो महादेव यांचे नांवें रसानगी यादी. सनदा ३.

इ० स० १७६६–६७
सबा सितैन
मया व अलफ
मोहरम २५.

205. The fort of Wandan was ordered to be made over to Sakharam Bhagwant.

A. D. 1766–67.

# १ राजकीय.

## ( ब ) इतर माहिती.

### १४ घोरपडे.

इ० स० १७६५-६६
सित सितैन
मया व अलफ
जमादिलावल ४.

२०६-( ३९० ) राजश्री मुराररराव घोरपडे सेनापती यांस तुंगभद्रे अलीकडे पन्नास हजार रुपयांचा सरंजाम द्यावा, याप्रमाणें साल गुदस्तां स्वारींत करार झाला आहे; त्यास तालुके बागलकोट पैकीं आनंदराव भिकाजी रास्ते यांजकडे अमल होता, तो त्यांजकडून दूर करून सालमजकुरापासून सरंजाम करार करून दिला असे. मशारनिलेकडील कमाविसदारांशीं रुजू होऊन पेशजीप्रमाणें अमल सुरळीत वसूल देणें, म्हणोन जमीदारांस ———— सनदा.

| | | |
|---|---|---|
| १ | परगणे निडगुदे जमाबंदी इसन्ने | १६५१७। |
| १ | परगणे गिरिसागर अजमासें | ३५०० |
| १ | परगणे कैती | ५९०६। |
| १ | परगणे गिरिसागर रोली | १९३८१। |
| १ | परगणे सिदनाथ | ५८७५ |
| ५ | | ५११७९॥. |

१ येविशीं आनंदराव भिकाजी यांस कीं, सदरहू महाल तुम्हांकडून दूर करून मशारनिलेकडे सरंजाम दिला असे, तरि सदरहू महाल ठाणीं सुद्धां त्यांचे कारकुनांचे स्वाधीन करून कबज घेणें. अमल ते करतील. तुम्हीं दखलगिरी न करणें, म्हणोन.

६

---

# POLITICAL MATTERS.

## MATTERS RELATING TO.

### 14 Ghorpades.

A. D. 1762--66.

206. A saranjam of Rs. 51,179 in taluka Bagalkot on this side of the Tungabhadra was given to Murararav Ghorpade Senapati.

एकावन्न हजार एकशें पावणे ऐशीं रुपये रास्ते यांचे यादीवरून जमाबंदी देखील जकात असे.

रसानगी यादी.

२०७—( ६१६ ) मुरारराव हिंदूराव घोरपडे ममलकत मदार सेनापती यांजकडील पत्रें.

इ० स० १७६६–६७
सबा सितैन
मया व अलफ
मोहरम ४.

५ सेनापतींस पांच लक्षांचा सरंजाम द्यावयाचा करार केला, त्यापैकीं संस्थानचा खंडणीचा ऐवज पेस्तरसालापासून सरंजाम करार करून दिला असे; तरि यांशीं रुजू होऊन खंडणीचा ऐवज देत जाणें, म्हणोन संस्थानिकांस सनदा.

१ संस्थान रायदुर्ग, निसबत तिमपा नाईक.
१ संस्थान पावगड, निसबत व्यंकटपती तिमपा नाईक.
१ संस्थान हुसकोटें खुर्द, निसबत रामापा नाईक.
१ संस्थान रत्नागिरी, निसबत रंगपा राज.
१ संस्थान नीलगड, निसबत वीर तिमपा नाईक.

—

५

सदरहूचा पैका द्यावा. संस्थान घेऊं नये. येणेंप्रमाणें करार.

१ परगणे वज्रकरूर पांच लक्षाचे सरंजामांत करार करून दिलें असे सरकारचा अमल चालत होता, त्याप्रमाणें अमल होणें, म्हणोन जमीदारांस सनद.

१ मौजे गाडबल देखील मजरे डोंबरहळी परगणें कोपल हा गांव पेशजीपासून यांजकडे चालत होता, अलीकडे चारपांच वर्षें चालत नाहीं, त्यास पेशजीप्रमाणें मौजे मजकूर यांजकडे चालवणें म्हणोन, हरी राम व आबाजी विश्वनाथ यांस सनद.

---

207. An assignment of Rs. 5,00 000 was made in favor of Murararav Hindurav Ghorpade Mamlakatmadar Senapati, as saranjam, out of the tribute leviable from the sansthans of Raydurg, Pawagad, Huskote khurd, Ratnagiri and Nilgad.

A. D. 1766--67.

१ तर्फ गोरीबीदरू वगैरे पेटा बाळापूर बुदरूक निसबत महिमानजी शिंदे यांजकडून जागीर रुपये २५००० पंचवीस हजाराची करार करून दिली असे. पेस्तर सालापासून नेमून देणें, म्हणोन महिमानजी शिंदे यांस.

—

८

रसानगी यादी.

२०८—( ५६५ ) मालोजी राजे घोरपडे यांजकडे सरंजाम महाल बितपशील.

इ. स. १७६७–६८
**समान सितैन**
**मया व अलफ**
मोहरम ६.

१ परगणे मुधोळ.
१ परगणे जबगी.
१ परगणे लोकापूर.
१ परगणे धवलेश्वर.
१ परगणे माचनूर.

—

५

एकूण पांच महाल पेशजीपासून आहेत. त्यांची जप्ती सालमजकुरीं सरकारांत केली होती, ते मोकळी हल्लीं केली असे. तर जप्तीमुळें [ वसूल ] घेतला असेल तो माघारा देऊन जप्ती मोकळी करणें म्हणोन पत्रें.

१ नरसिंगराव राम जप्तीवर पाठविले आहेत त्यांस.
१ गोपाळराव गोविंद यांस
१ आनंदराव भिकाजी रास्ते.

---

३

तीन पत्रें दिलीं असेत.

## १ राजकीय.

### ( ब ) इतर माहिती.

#### १५ निंबाळकर.

२०९—( १५८ ) पिराजी नाईक निंबाळकर यांचे नांवें सनद कीं, तुम्हांस जा-

---

## POLITICAL MATTERS.

MATTERS RELATING TO

15 Nimbalkars.

208. The saranjam of Maloji Raje Ghorpade consisting of parganas of Modhol, Jabagi, Lokapur, Dhawaleshwar, and Machnur, which had been this year attached by Government, was ordered to be restored.

A. D. 1767--68.

209. A personal saranjam of Rs. 100,001 and a military saranjam of Ra. 15,00,000 for keeping up a body of Rs. 5000 sowars was conferred on Piraji Naik Nimbalkar.

A. D. 1768--64.

तीस व स्वारांस मिळून तैनात सालीना निवळ रुपये.

इ० स० १७६३-६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
जमादिलाखर १८.

१०००१ खासा जातीस.
१५०००००० फौज स्वार ५००० एकूण दर राउतीं रुपये तीनशेंप्रमाणें देखिल पडलें घोडियांची किंमत यांतच समजोन घ्यावी. येणेंप्रमाणें करार. फौज पांच हजार चांगली बाळगावी. आंत आढळाचे लोक व करोल भालेकरी येणेंप्रमाणें.

१६०००००१

एकूण सोळा लक्ष एक रुपया तैनात यासि सरंजाम महाल तनखा रुपये.

८२६७०६ प्रांत हिंदुस्थान.
- ३९६११९ परगणे काळपी.
- २७९३३६ परगणे कोंच.
- १००००० परगणे उरई.
- ९१२९९ परगणे महमदाबाद.

८२६७०६

८९६००१ स्वदेशीं.
- ६०००० परगणे सांगोलें.
- ४६२५२ परगणे अंबडापूर.
- ४८९१० परगणे शेवळी.
- ४६७४६ परगणे जामखेड.
- ६०००० तर्फ मानूर.
- १०९००० परगणे कांटीपैकीं.
- १४१००० परगणे येगलूर.
- ७९००० परगणे आलमेल मालोजी घोरपडे यांजकडे आहे तें वजा करून
- ७८४२४ परगणे ढोकी.
- १९४६६९ परगणे आलंद.

८९६०००१

१६८२७०७

तपशील.

१६०००००१ तैनात बरहुकूम बेरीज.
८२७०६ जाजती बेरीज.

६२७०६ दुमालेगांव व इनामगांव धर्मादाव जमिनी वगैरे आहेत, त्याऐवजीं मोधम अजमासें सदरहूप्रमाणें ज्यांचें त्यांकडे चालवावें.

२०००० कित्ता जाजती ऐवज होईल तो महालीं अमल बसलियावर सरकारांत द्यावे अजमासें.

८२७०६

१६८२७०७

येणेंप्रमाणें सोळा लक्ष ब्यायशी हजार सातशें सात रुपये तनखा याचा जागिरीचा अमल तुम्हांस सरंजाम दिला असे; तरि महालची लावणी, संचणी चांगली करून अमल करणें, आणि ऐवज जमा करून फौजेस खर्च करीत जाणें. तैनातेशिवाय जाजती बेरीज ब्यायसी हजार सातशें सहा रुपये नेमून दिले आहेत, यांपैकीं सदरहू महालीं इनामगांव व दुमाले व धर्मादाव, वर्षासनें, रोजनदारी वगैरे सुदामत चालत आहे, त्याप्रमाणें ज्यांचें त्यांस पावावें, दिकत करूं नये. त्यांचा ऐवज अजमासें बासष्ट हजार सातशें सहा रुपये वजा करून बाकी ऐवज वीस हजार रुपये अजमासें निघतात ते महालीं अमल सुरू जालियावर सरकारांत देत जावा. सर्व मातबर सरदार आहेत, त्यांजबरोबर चाकरी पडेल ते करीत जावी. फौज पांच हजार चांगली बाळगावी. आंत आढळाचे लोक व करोल, भालेकरी वगैरे चांगले बाळगावे. येणेंप्रमाणें करार करून दिलें असे. सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें म्हणोन

सनद १.

येविशीं जमीदारांचे

नांवें कीं,

जागिरीचा अंमल सरंजाम दिला असे, तरि परगणे मजकुरीं इनामगांव, दुमालेगांव, जमिनी, धर्मादाव, रोजिनदार वगैरे सुदामत चालत आहे, तें खेरीजकरून जागिरीचा अमल दरोबस्त दिला असे. मशारनिलेशीं रुजू होऊन अमल देणें, म्हणून सदरहू महाल १४

१३ दरोबस्त

१ परगणे आलमेलें मालोजी घोरपडे यांजकडे आहेत ते खेरीजकरून.

—
१४

—
१५

रसानगी यादी.

२१०--(४३४) परगणे फलटण दरोबस्त मुधोजी नाईक निंबाळकर यांजकडे होतें, त्यास ते मृत्यु पावले, याकरितां सरकारांत जप्त करून महाद शेट वीरकर यांस कमावीस सांगितली होती; ते हल्लीं त्यांजकडून दूर करून तुम्हांस सांगितली असे, त्याचा करार कलमें.

इ०स० १७६५-६६
खित खितैन
मया व अलफ.
सवाल ९.

---

210 The pargana of Faltan had, on the death of Mudhoji Naik Nimbalkar, been attached and assigned in kamavis to Mahadshet Virkar; it was now given into the management of Abaji Naik Kadras and Ramchandra Mahadev.

A. D. 1763--64.

तूर्त ——— रसद २००००० रुपये.
यासि मुदती.
७५००० अधिक चैत्र अखेर.
७५००० वैशाख अखेर.
५००००आषाढ शुद्ध १५.

२०००००

एकूण दोन लक्ष रुपये करार केले असेत सदरहू मुदतींप्रमाणें सरकारांत भरणा करून पावल्याचे जाब घेणें. कलम १.

इमानेंइतबारें वर्तोन अमल चौकशीनें करणें, कच्चा हिशेब अखेर सालीं हुजूर आणून समजावणें. येणेंप्रमाणें कलम १.

महालच्या कामकाजास तूर्त प्यादे असामी ७५ पाऊणशें यांसि दर माहे दर असामीस रुपये ४ चार प्रमाणें ठेवून काम चालवणें. येणेंप्रमाणें कलम १.

रसदेचा ऐवज फिटे तों मामलत काढूं नये. मामल्याची घालमेली जाली तर रसदेचा ऐवज व्याजसुद्धां सरकारांतून दिल्हा जाईल. येणेंप्रमाणें कलम १.

परगणे मजकूर जागीर व मुकासा, बाबती व सरदेशमुखी, साबोत्रा, कुलबाब कुलकानू शेतें, जमिनी, मळे, इनाम वगैरे कुल जें असेल तें जप्त करून झाडा हुजूर आणून समजावणें. आज्ञा होईल त्याप्रमाणें करणें. तूर्त कुल अमल तुम्हीं करणें. येणेंप्रमाणें कलम १.

रसदेचा ऐवज महालीं फिटे पावे तों व्याज दर माहे दर सद्दे रुपये १८॥ एक रुपया चवळ बिनसूट प्रमाणें करार केला असे. महालचे ऐवजीं उगवून घेणें. कलम १.

खासा स्वारी अखेरसालीं पुण्यास आल्यावर शिबंदी महाल मजकूरची नेमणूक करार करून दिली जाईल. येणेंप्रमाणें कलम १.

तुम्हांकडील कमाविसदार महालीं जाईल, त्याचे बेगमीस अखेर सालापावेतों रुपये १००० एक हजार करार केले असेत. मामलतीच्या मुदत माफिक महालचे ऐवजीं घेणें. कलम १.

बाजेखर्च, तैनात, रोशनाई अगत्या-अगत्य खर्च करणें. जरुराती कार्याकारण पाहून मजुरा दिला जाईल. कलम १.

एकूण नव कलमें येणेंप्रमाणें करार करून दिलीं असेत. सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें, म्हणोन आबाजी नाईक कादरस व रामचंद्र महादेव यांचे नांवें सनद १.

रसानगी यादी.

२११—( ६०८ ) गोविंदराव नाईक निंबाळकर यांचीं मुलें माणसें धरावयासि बाळाजी जगन्नाथ कारकून शिलेदार यांसि पाठविले आहेत. हे मशारनिलेचीं मुलें माणसें धरून आणून किल्ले चंदन येथें अटकेंत ठेवावयासि तुम्हांजवळ आणतील, त्यांस किल्ल्यावर घेऊन,

इ० स० १७६८–६९
तिसा सितैन
मया व अलफ
जिल्काद २०.

211. Balaji Jagannath karkun was sent to arrest the members of the family of Govindrav Naik Nimbalkar.
A. D. 1768--69.

पक्क्या बंदोबस्तानें अटकेंत ठेवून पोटास शिधा शिरस्तेप्रमाणें देणें, म्हणोन शामराव जगजीवन यांचे नांवें सनद १.

परवानगी रूबरू.

२१२—( ६८९ ) नागो राम यांचे नांवें सनद कीं, राजश्री राव रंभाजी जयवंत निंबाळकर व गंगाबाई निंबाळकर यांचा तह सरकारचे विद्यमानें जहाला असतां तहांत अंतर पडलें. सबब जहागिरीची जप्ती केली.

इ० स० १७७०-७१ इहिदे सबैन मया व अलफ जिल्काद ११.

२ राव रंभाजी जयवंत निंबाळकर यांची जागीर.
- १ परगणे हवेली परांडे.
- १ परगणे भूम रफुमिया सुा.
- —
- २

२ महाराव जयवंत निंबाळकर यांची जागीर.
- १ परगणे वरवळ.
- १ परगणे परळी.
- —
- २

६ निसबत निंबाळकर हे तहामध्यें लबाडी करून, मशारनिलेस चढ देऊन गंगाबाईस परळीस नेऊन कैद करविलें, त्यांचे महाल व गांव जप्त.
- १ पो लातूर दरोबस्त जागीर निसबत सखोजी खताल याजकडून तहामुळें व सालगुदस्तांचा व सालमजकूरचा ऐवज सरकारचे बाबतीचा महाराव जयवंत यांजकडे येणें सबब.

२ निसबत अन्याजी कदम परगणे हवेली परंडें ( परांडें ) येथील गांव.
- १ मौजे लोणी.
- १ मौजे हिवरें.
- —
- २

१ लक्ष्मणराव बक्षी यांजकडे मौजे आवटी परगणे हवेली परंडें येथील जागीर.

२ गोविंद मल्हार खिजमतराव यांचे भाऊ यांणीं तहामध्यें लबाडी केली सबब मशारनिलेचे गांवची जागीर.
- १ मौजे मुंगसी परगणे काठी.
- १ मौजे मीरगव्हाण परगणे हवेली परांडा
- —
- २
- —
- ६
- —
- १०

212. Rav Rambhaji Jaywant Nimbalkar having broken the terms agreed upon betwen him and Gangabai Nimbalkar through the agency of Government, the former's jahagir was attached.

A. D. 1670-71.

एकूण दहापैकीं पांच महाल व पांच गांव येथील जागिरीची सरकारांत जप्ती करून कमावीस तुम्हांस सांगितली असे, तरि इमानें इतबारें वर्तोन अमल चौकशीनें करून आकार होईल तो सरकारांत पावता करून जाब घेत जाणें, म्हणोन —————— सनद.

येविशीं जमीदार व मोकदमांचे नांवें सनदा कीं, मशारनिलेशीं रुजू होऊन जागिरीचा वसूल सुरळीत देणें, म्हणोन सनदा.

५ जमीदारांस.

२ निसबत राव रंभाजी जयवंत निंबाळकर.
- १ परगणे हवेली परांडें.
- १ परगणे भूम रफूमिया सु॥

२

२ निसबत महाराव जयवंत निंबाळकर.
- १ परगणे वरवळ.
- १ परगणे परळी.

२

१ परगणे लातूर निसबत सखोजी खताल दिमत मजकूर.

५

१ निसबत अनाजी कदम दिमत मजकूर परगणे हवेली परांडें येथील गांव.
- १ मौजी लोणी.
- १ मौजे हिवरें.

२

दोन गांव येविशीं मोकदमास

१ निसबत लक्ष्मणराव बक्षी दिमत मजकूर यांजकडे आवटी, परगणे हवेली. परांडें, येथील जागीर येविशीं मोकदमास

१ गोविंद मल्हार खिजमतराव दिमतमजकूर यांजकडे दोन गांवची जागीर येविशीं मोकदमास.
- १ मौजे मुंगसी परगणे काठी.
- १ मौजे मीरगव्हाण परगणे हवेली परांडें.

२

९

१०

रसानगी यादी.

इ० स० १७७०–७१
इहिदे सबैन
मया व अलफ
जिल्हेज २०.

२१३—( ६८८ ) खंडेराव नाईक बिन राणोजी नाईक निंबाळकर यांणीं हुजूर कसबे पुणें येथील मुकामीं येऊन विनंती केली कीं सखूबाई शिंदे, आपली मायआजी, यांनीं आमचे तीर्थरूपांचे लग्नासमयीं आपली मातुश्री सौभाग्यवती राजसबाई यांस एक गांव द्यावयाचा संकल्प केला होता; त्याजवर कजबे हातगांव परगणे शेवगांव येथील जागिरीचा अमल सरकारांतून त्यांस इनाम आहे, तो त्यांनीं आपल्यास सालगुदस्तां सन सबैनांत इनाम देऊन पत्रें करून

---

A. D. 1770–71. 213. Khanderav Naik bin Ranoji Naik Nımdalkar's mother was Rajasbai, a daughter of Sakhubai Sindia.

दिलीं आहेत, तीं पाहून स्वामींनीं कृपाळू होऊन सरकारांतून करार करून देऊन भोगवटियास इनाम पत्रें करून दिलीं पाहिजेत म्हणोन; याजवरून मनास आणून सखूबाई शिंदे यांस कसबे मजकूर येथील जागिरीचा अमल सरकारांतून इनाम होता तो त्यांनीं तुम्हांस इनाम देऊन पत्रें करून दिलीं तीं पाहून त्याप्रमाणें सरकारांतून इनाम करार करून देऊन हे सनद सादर केली असे; तरि कसबे मजकूर येथील दरोबस्त अमल पैकीं निमे स्वराज्य खेरीज करून बाकी निमे जागिरीचा अमल दरोबस्त यांस व यांचे पुत्रपौत्रादि वंशपरंपरेनें इनाम चालविणें, प्रतिवर्षी नवीन सनदेचा उजूर न करणें, या सनदेची प्रत लेहून घेऊन हे सनद यांजसी भोगवटियास परतून देणें, म्हणोन

पत्रें व सनदा.

२ सनदा.

१ ताहामोकदम कसबे मजकूर यांस
१ खंडेराव बिन राणोजी नाईक यांचे नांवची.

२

२ चिटणिशीं पत्रें.

१ वर्तमान भावी.
१ जमीदार.

२

# १ राजकीय.

## ( ब ) इतर माहिती.

### १६ डफळे.

### दादासाहेबांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

२१४—( ३०४ ) रामराव डफळे यांचे नांवें सनद कीं, तुम्हांकडे नजरेचे पन्नास हजार रुपये करार केले आहेत, त्याचे वसुलास व्यंकोजी रघुनाथ पाठविले आहेत बरोबर स्वार आहेत त्यास रोजमरा आठवडा.

इ० स० १७६४-६५
खमस सितैन मया व अलफ
साबान १.

७५ हैबतराव दर कोल २९
७५ कृष्णाजी दर कोल २९
९४॥ फतेशान मोतदार २७ दर ३॥ प्रमाणें
७३॥ गोविंदराव गाइकवाड २१ दर ३॥

३१८     ९८

# POLITICAL MATTERS.

## MATTERS RELATING TO.

### 16 Dafle.

214. A nazar of Rs. 50.000 was levied from Ramrav Dafle.

A. D. 1769--70.

एकूण अठ्याणव स्वार यास रोजमरा आठवडा रुपये तीनशें अठराप्रमाणें दरमहा तीन आठवडे देत जाणें म्हणोन सनद १.

# १ राजकीय.

## ( ब ) इतर माहिती.

### १७ कोल्हापूरकर महाराज.

२१५—( ३९ ) श्रीमंत महाराज मातुश्री जिजाबाई साहेब यांचे नांवें पत्र कीं प्रांत हुकेरी राईबाग येथील ठाणीं देखील कागल देह——सुमार.

इ० स० १७६२-६३

सलास सितैन मया व अलफ

साबान १०.

किता—— देह.

१ मौजे इंगळी;
१ मौजे गलदकें ( गें ? )
१ मौजे येलगुडें.
१ मौजे रांगोळी.
१ मौजे अबदुलमटें.
१ मौजे भोसरे वाडी वाकडी.
१ मौजे पटवाड.
१ मौजे दानवाड.
१ मौजे एकसाई.
१ मौजे नेज.
१ मौजे अंकली.

११

# POLITICAL MATTERS.

MATTERS RELATING TO

17 Kolhapurkar Maharaj

215. Maharaj matushri Jijabai saheb promised to pay the Peshwa Rs. 1.00,000, as expenses of troops, in case the latter succeeded in establishing the authority of Jijabai over thana Kagal & 20 other villages. The amount was paid by Shesho Narayan, but the villages were not brought under subjection. A further grant of Rs. 1,00,000 was promised by Shesho Narayan on behalf of Jijabai. Narsingrav Udhav was thereupon sent with an army to establish the authorty of Jijabai over the villages in question. The Peshwa in respectful terms informed Jijabai of this and asked her to pay the additional amount agreed upon when the villages came under her control. She was assured that her thanas and territories would not in future be molested by the Peshwa's army.

A. D. 1762--63.

किता ——————————— देहे. १ कसबे लाटे.
१ मौजे संवजुती. १ मौजे निपाणी ठाणीं सुद्धां.
१ मौजे मुगेवाडी. १ कर्यात कागल ठाणें सुद्धां.
१ मौजे चिंचणी. ——
१ मौजे जलालपूर. १०
१ मौजे मो॰ब.
१ मौजे नसलापूर. ——
१ मौजे पटणगुंडी. २१

एकूण एकवीस गांवचा साल गुदस्ताचा करार रुपये.

२९००० कसबें कागल.
७५००० फुटगांव.
————
१००००० 

एकूण एक लक्ष रुपये फौजेच्या खर्चास साहेबीं द्यावयाचे करार केले, आणि सेवकानें ठाणी बसवून द्यावीं, ऐसा करार जहाला असतां सालगुदस्त सदरहू ठाणीं बसवून दिलीं नाहीं. सालगुदस्तांचा ऐवज लाख रुपयांचा भरणा राजश्री शेषो नारायण यांणीं केला तो फौजेस खर्च झाला. सालगुदस्तां ठाणीं बसलीं नाहींत सबब सालमजकुरीं सालगुदस्तां फौजेच्या खर्चास ऐवज दिला, त्याखेरीज रोजेश्री शेषो नारायण यांचे गुजारतीनें सालमजकुरीं करार रुपये.

२५००० कसबे कागल.
७९००० फुटगांव.
————
१००००० 

एकूण एक लाख रुपये करार केले असेत. ऐशास एकवीस ठाणीं बसवून द्यावयाविशीं, राजेश्री नरसिंगराव उद्धव यांजरोबर फौज देऊन रवाना केले आहेत, ते सदरहू ठाणीं साहेबांचीं बसवून देतील. साहेबी सालमजकुरीं फौजेस खर्चास द्यावयाचा करार केला आहे. त्याचा भरणा मशारनिलेकडे ठाणीं बसल्यावर करून द्यावयास आज्ञा करणार साहेब समर्थ आहेत. पेस्तरसालापासून साहेबांच्या ठाणियांस अगर हरएक तालुक्यासि फौजेचा उपद्रव लागणार नाहीं, म्हणून पत्र १.

रसानगी यादी.

२१६-(४२) राजेश्री नागो आप्पाजी यांस पत्र कीं, श्रीमंत मातुश्री जिजाबाई साहेबां-
इ० स० १७६२-६३. कडे येथून नजर हत्ती एक दिला असे. अंबारी स्वारींत नाहीं.
सलास सितैन त्यास पुण्यांतील अंबारींपैकीं मध्यम प्रतीची अंबारी एक राजश्री
मया व अलफ शेषो नारायण यांचे हवालां करणें; मशारनिले साहेबांकडे हत्ती व
साबान १६.
अंबारी पोहोचवितील. लिहिल्याप्रमाणें अंबारी मशारनिलेस पत्र पावतांच देऊन मशारनिलेची रवानगी जलदीनें करणें, म्हणोन

पत्र १.

२१७-( ४३ ) राजश्री नरसिंहराव उद्धव यांस पत्र कीं, श्रीमंत मातुश्री आई-
इ० स० १७६२-६३ साहेबांकडील कारभार राजश्री शेषो नारायण यांचे विद्यमाने ठरला,
सलास सितैन त्याच्या सनदा पत्रें वगैरे कागद तुम्हांकडे पाठविलेच आहेत;
मया व अलफ त्यास त्या कराराप्रमाणें सर्व कार्य पत्र पावतांच करून देणें. या
साबान १६.
कार्यास राजश्री नरसो यशवंत कारकून व खिजमतगार हुजूरचे पाठविले आहेत. तर यांचे विद्यमानें सर्व ठाणीं कराराप्रमाणें मशारनिलेचे स्वाधीन करणें. या कामास दिरंग लागलियास सरकार कामांत हिसका पडतो. पत्र पावतांच जलद कार्य करून देणें. राजश्री शेषो नारायण यांजकडे ऐवज ठरला आहे, त्यापैकीं मशारनिले कारकून यास रोजमरा देविला असे. वरातेप्रमाणें ऐवज मजुरा देणें, म्हणोन

सनद १.

रसानगी यादी.

२१८-( ४६० ) मातुश्री जिजाबाई साहेब यांजकडे मालवण किल्ल्याचे बेगमीस
इ० स० १७६६-६७ सालमजकुरीं पांच तोफा तालुके विजयदुर्ग निसबत नारो त्रिंबक
सबा सितैन यांजकडून देवविल्या होत्या, त्या पावल्या नाहींत, सबब हल्लीं
मया व अलफ किल्ले मजकूरचे बेगमेसि तोफा सुमारें ७ सात देविल्या असेत, तरि
सफर २९.
पावत्या करून पावल्याचें कबज घेणें म्हणोन विसाजी केशव प्रांत बसई यांस

सनद १.

रसानगी याद.

---

216. An elephant with saddle was ordered to be persented through
A. D. 1762-63. Shesho Narayan to shrimant Jijabai saheb.

217. In accordance with an agreement entered into by the Peshwa
A, D, 1762--63, with Shesho Narayan on behalf of shrimant Aisaheb, Narsingrav Udhav was directed to arrange without loss of time for the handing over of some thanas to her as detailed in other documents

218. Five pieces of cannon were ordered to be supplied to matushri
A. D. 1766--67. Jijabai for use in her fort of Malwan.

२१९–( ६४३ ) पथके राजमंडळ करवीर यांस गोपाळराव गोविंद यांजसमागमें कर्नाटकांत चाकरीस रवाना केले आहेत. ऐशास मुकासबाबेचा ऐवज तुमच्या तालुक्यांत आहे तो नेमणुकेबद्दल हत्पेबंदी-प्रमाणें देणें म्हणोन पत्रें.

इ० स० १७६७–६८
समान सितैन
मया व अलफ
साबान १५.

१ चिंतो हरी व आबाजी विश्वनाथ यांस पत्र.
१ रामचंद्र नारायण यांस पत्र.

२

दोन पत्रें चिटणिसी दिलीं असेत.

२२०–( ७४९ ) श्रीमंत महाराज मातुश्री आईसाहेब करवीरवासी यांस तालुके चिकोडी व मनोली दोन्ही तालुके नजर करून सरकारांत खर्चास ऐवज द्यावयाचा करार मार्फत महादेव शास्त्री व जिवाजी भोसले व आकाजी नेवरे व आप्पाजी शामराव रुपये.

इ० स० १७७२–७३
सलास सबैन
मया व अलफ
जिल्काद २७.

११०००० ऐन.
१००००० अंतस्त.

१२०००००
यांस मुदती
६०००००० तूर्त.
६००००० माघशुद्ध १ पासून आषाढ अखेर पर्यंत सहा महिन्यांत द्यावे.

१२०००००

सदरहू ऐवज द्यावयाचा करार रुपये.
७०००००० होन एलोरी दर ४ प्रमाणें-
५००००० होन धारवाडी सरकारांत द्यावयाचा शिरस्ता आहे त्याप्रमाणें दर ३॥

१२०००००

बारा लक्ष रुपये द्यावयाचा करार केला असे.

219. Some troops of the Karvir Raja were sent for service in the Karnatic with Gopalrav Govind.

A. D. 1767–68.

220. The talukas of Manoli and Chikodi having been presented to shrimant matushri Aisaheb of Karvir, Rs. 12,00,000 were agreed to be paid by her for the expenses of Government.

A. D. 1772–73.

# १ राजकीय.

## [ ब ] इतर माहिती.

### १८ निज़ाम.

२२१—( १५४ ) परगणे वेताळवाडी पैकीं कसबे निजामाबाद वगैरे देहे
इ० स० १७६३-६४ एकवीस एकूण तनखा रुपये ४९७६॥ चार हजार नवशें साडे शा-
अर्बा सितैन हात्तर याचा सरदेशमुखीचा अमल सालगुदस्तां तुम्हांकडून दूर
मया व अलफ करून खान सवा मकान दरगाहा कुलीखान बहादर सालारजंग यांचे
जमादिलाखर २.
कुटुंबास सालगुदस्तां दिला आहे. तेणेंप्रमाणें सालमजकुरीं करार असे. तरि परगणे मजकूरचा सरदेशमुखीचा अमल खान मशारनिले करतील. तुम्हीं सरदेशमुखीचे अमलास मुजाहीम न होणें, म्हणोन सटवोजी जाधवराव यांसि सनद १.

जमीदार परगणे मजकूर यांसि पत्र कीं तुम्हीं रुजू होऊन अमल देणें, म्हणोन १.

दोन पत्रें सरदेशमुखी. २

२२२-( १२९ ) परगणे वाळुंज येथील जागिरीची फडनिशी लक्ष्मण बल्लाळ
इ० स० १७६३-६४ आपटे यांजकडे पेशजीपासोन आहे; त्यास सालगुदस्तां परगणे मज-
अर्बा सितैन कूरची जागीर निजाम अलीस दिली होती, ती सरकारांत घेतली; सबब
मया व अलफ फडनिशी पेशजीप्रमाणें करार केली असे. यांजपासून फडनिशीचें
रबिलाखर १०.
प्रयोजन घेऊन वेतन पेशजीप्रमाणें पावीत जाणें, म्हणून त्रिंबकराव लक्ष्मण कमाविसदार परगणे नेवासें वगैरे महाल यांस सनद १.

रसानगी यादी १.

---

# POLITICAL MATTERS.

MATTERS RELATING TO

The Nizam.

221. The Sardeshmukhi Amal of Kasbe Nizambad & 20 other villages
A. D. 1763--64. in pargana Wetalwadi was given to the wife of Khan Sawa Makan Darga Kulikhan Bahadur Salar Jang.

222. Paragana Walunz had been given in jahagir to Nizam Ali in the
A. D. 1763--64. preceeding year. It was taken back in the current year.

## दादासाहेब यांच्या कीर्दीपैकीं लेखांक २२३-२२४

२२३-( २१२ ) महमद मुरादखान व हिमतखान दिमत नबाब निजाम अलीखान

इ० स० १७६३-६४ अर्बा सितैन मया व अलफ जिल्हेज २.

बहादुर यांसि जागीर सालमजकुरापासोन तनखा रुपये.

५०००० महमद मुरादखान.

५००० हिमतखान सयद गुलाम हुसेनखान लेक यांचे नांवें.

७५७॥=॥। नबाबाकडील दहा लक्षांचे ऐवजीं वजा करून इकडे नेमून दिली सबब.

---

५५७५७॥=॥।

यासि महाल तनखा ——— रुपये.

१०६७७॥=॥। महमद मुरादखान यांचे नांवें रुपये.

२७५५९८-। परगणे एकदुणी.

१६८३२॥=॥ परगणे टांकळी तनखा

२१०१२॥=॥

पैकीं वजा पेशजी करार करून दिल्ही आहे ४१८०, बाकी हल्लीं.

६२८५॥।= परगणे वाळुंजपैकीं.

४९९८॥ रांजणगांव बोरी.

१२८७।= गवळीश्वर.

---

६२८५॥।=

---

५०६७७॥=॥।

५०८० हिमतखान याजकडे मौजे सिलगांव परगणे वाळुंज ——— रुपये.

---

५५७५७॥=॥।

पंचावन्न हजार सातशें साडे सत्तावन रुपये पावणे तीन आणे तनख्याची जागीर करार करून देऊन जागिरीचा अमल वसूल देणें, म्हणोन ——— सनदा.

२ जमीदार महाल २

२ मोकदमांचे नांवें २

---

223. A jahagir of Rs. 50,677 was conferred on Mahomed Muradkhan and another of Rs. 5080 on Himatkhan, both officers of Nawab Nizam Alikhan Bahadur.

A. D. 1763-64.

१ महमद मुरादखान यांचे नांवें आपले दुमाला करून घेऊन जागिरीचा वसूल घेत जाणें, म्हणोन.

६

३ चिटनिसी कमाविसदारांस अमलाची दखलगिरी न करणें, म्हणोन.

९ एकूण नव पत्रें छ. २ रमजान. रसानगी याद.

२२४-( ४२१ ) कमाविस भेटबद्दल नबाब निजाम अली यांणीं शेरजंग याजबरोबर पाठविली, गुजारत सिदोजी पायगुडे खिजमतगार सनगें एकूण ——— रुपये

इ० स० १७६५-६६ सित सितैन मया व अलफ जमादिलाखर १४.

| | |
|---|---|
| २९ चिरा मुकेसी १ | १०० जामेवारी जरी कारचोबी २ दर ५० प्रमाणें रुपये. |
| १९ गोशपेच १ | ४० किमखाप १ |
| २० पटका कारचोबी १ | १०० शाल फर्द २ दर ५० |
| २५ बाजुबंदी कारचोबी १ | ३२९ |
| | ९ |

२२५-( ९८९ ) परगणे राजदेहर येथील जागिरीच अमल सरकारांत आहे, त्यास राजदेहर किल्ला व राजश्री सखाराम भगवंत यास नबाबांनीं वीस हजार रुपयांचे गांव देविले आहेत. ते व दुमाले गांव असतील ते वजा करून बाकी बेरीज राहील त्याचे गांव नबाब निजाम अलीखान बहादर यांजकडे देविले असत; तर सखाराम भगवंत यांचे वीस हजारांचे गांव सनदेप्रमाणें वगैरे दुमाला चालत आहेत, त्याप्रमाणें वजा करून बाकी मोगलाई अमल नबाबाकडील अमीन येतील त्यांचे हवालीं करणें, म्हणोन चिंतामण हरी यांस सनद १.

इ० स० १७६८-६९ तिसा सितैन मया व अलफ जमादिलाखर २८.

---

224. A present of clothes from Nawab Nizam Ali is credited on this date.

A. D. 1765-66.

225. The villages in pargana Raj Deher, excepting the fort of Raj-Deher and villages worth Rs. 20000 granted by the Nawab to Sakharam Bhagwant, were ordered to be made over to Nawab Nizam Alikhan Bahadur.

A. D. 1788-79.

२२६-( ९८९ ) रुकजुत दौले बहादर दिमत निजाम अलीखान यांजकडे
इ० स० १७६८-६९ जागीर सरकारांतून सालमजकुरापासून करार करून दिली त्याचा
तिसा सितैन मया व अलफ जमादिलाखर ३०. तनखा ४३६९६॥-॥. परगणे ढोकी तनखा ८१०००।=॥. पैकीं, रुपये.
वजा दुमाला तनखा

९६८४८=॥. दिगर जागीर.

२६७७।=॥ हैबतराव निंबाळकर यांजकडे मौजे अळणी.

३००६॥. माधवराव सदाशिव यांजकडे मौजे अरणी.

९६८४८=॥.

१७१०७८-॥. किता दुमाले.

४००० धाराशीव शिलेदार यांजकडे गांव.

७०२९।-॥. पागा दारकोजी निंबाळकर तडवळें.

३१९३॥. पागा सटवोजी गावडे मौजे उदलें.

९३४॥. येशवंतराव लक्ष्मण शिलेदार
२३८९॥. निसबत सरलष्कर मौजे कांजळें.

१७१०७८-॥.

२२७९१।-
बाकी तनखा ५८२०९८-॥. पैकीं
वजा स्वराज्य चौथाई तनखा १४५९२॥.। रुपये.
बाकीजागिरीचा तनखा

२७३७९ तर्फ अंतूर परगणे धारूर तनखा रुपये ३६५०० पैकीं वजा स्वराज्य चौथाई तनखा ९१२५ बाकी जागिरीचा तनखा रुपये.

३००० परगणे मलकापूर प्रांत वऱ्हाड येथील किल्ले घोडपेंचे जागिरीचे अमलाचा कमावीस चिंतामण हरी सरसुभेदार प्रांत खानदेश यांजकडे आहे, त्यापैकीं तीन हजार रुपयांचे तनख्याचे गांव नेमून देणें म्हणोन मशारनिले यांस सनद.

७४०३१॥-॥-
पाऊण लक्षाची जागीर द्यावी, याप्रमाणें करार जहाला; त्यास सदरहूप्रमाणें महाल लाऊन दिल्हे असत, येविशीं ——सनदा.

२ जमीदार.
- १ परगणे ढोकी.
- १ तर्फ अंतूर परगणे धारूर.

२

३ कमाविसदारांस.
- १ परगणे ढोकी निसबत आपाजी मुंढे, ठाणें हवालीं करावयाविषयीं.
- १ तर्फ अंतूर, परगणे धारूर, निसबत कृष्णाजी माधवराव, यांस ठाणें हवालीं करणें म्हणोन.
- १ चिंतामण हरी सरसुभेदार, प्रांत खानदेश, यांस तीन हजाराचे गांव नेमून देणें म्हणोन.

३

५ रसानगी यादी.

226. A jahagir of Rs. 74000 was conferred on Rukjut Dowle Bahadur in the service of Nizam Alikhan.
A. D. 1768-69.

२२७-( ६१७ ) नबाब निजाम अलीखान बहादर याजकडे जागिरीचा अमल
इ०स० १७६८-६९ पेस्तर साल सन सबैनापासून करार करून देऊन——————सनदा.
तिसा सितैन परगणे जिंतूर, सरकार पाथरी पैकीं देहे
मया व अलफ
मोहरम २६. तुळजाबाई शिंदी यांस सरकारातून आठ
गांव दिले आहेत, ते खेरीजकरून बाकी जागिरीचे अमलाविषयीं:—

१ महिपतराव प्रल्हाद यांस कीं तुम्हांकडून कमावीस दूर करून पेस्तर साल सन सबैनापासून नबाब निजाम अलीखान बहादर यांजकडे करार करून देऊन हे सनद सादर केली असे, तरि सदरहू आठ गांव खेरीज करून बाकी जागिरीचा अमलं ठाणीं सुद्धां नबाबाकडील अमीन येतील त्यांचे हवालीं करून कबज घेणें.

१ देशमुख व देशपांडे परगणे मजकूर यांस कीं नबाबाकडील अमीन येतील त्यांशीं रूजू होऊन अमल सुरळीत देणें.

---

२

२ परगणे लोणार, येथील जागिरीचा अमल नरसिंगराव जनार्दन धायगुडे यांजकडे सरंजामास होता तो दूर करून——————सनदा.

१ नरसिंगराव जनार्दन यांचे नांवें जागिरीचे अमलाचे ठाण्याविषयीं.

१ जमीदाराचे नांवें.

---

२

२ परगणे थेलकर येथील जागिरीचे अमलाची कमावीस शिवराम विठ्ठल यांजकडून दूर करून——सनदा.

१ शिवराम विठ्ठल यांचे नांवें जागिरीचे अमलाचे ठाण्याविषयीं.

१ जमीदारांस.

---

२

२ कसबे बारव येथील जागिरीची कमावीस कृष्णाजी अनंत यांजकडून दूर करून—————सनदा.

१ कृष्णाजी अनंत यांस.

१ जमीदार.

---

२

---

227. The jahagir amal of pargana Jinthur in Sirkar Pathari pargana
A. D. 1768-69. Bhokare, kasbe Barav, pargana Takli &c worth in all Rs. 3,00,000 was given to Nawab Nizam Alikhan Bahadur,

२ परगणे टाकळी नीलवर्ण येथील जागिरीचा अमल त्रिंबक महिपतराव यांजकडे सरंजामास होता तो जप्त करून देवाजी धोंडदेव यांस कमावीस सांगितली होती ते दूर करून ——— सनदा.

१ देवाजी धोंडदेव यांस ठाण्याविषयीं.

१ जमीदार.

—

२

२ परगणे काठीपैकीं देहे ७ सात येथिल जागिरीचे अमलाची कमावीस सदाशिव महिपत यांजकडे होती ती दूर करून ——— सनदा.

१ सदाशिव महिपतराव यांस ठाण्याविषयीं.

१ जमीदारास.

—

२

२ परगणे मेहेकर पैकीं देहे ५२ बावन येथील जागिरीचे अमलाची कमावीस महिपतराव प्रल्हाद यांजकडून दूर करून ——— सनदा.

१ महिपतराव प्रल्हाद यांस ठाण्याविषयीं.

१ जमीदारास.

—

२

—

१४

एकूण चवदा सनदा रसानगी यादी.

सदरहू महालाचा तनखा बरहुकूम करारी यादी ——— रुपये.

रुपये.

४०३१८।– परगणे जिंतूर तनखा ५२५१३ रुपये पैकीं वजा तुळजाबाई शिंदी यांस सरकारांतून गांव दिले आहेत.

१ मौजे वरूड.
१ मौजे डोंगरतळें.
१ मौजे जरीलज.
१ मौजे माथळें.
१ मौजे सुकली.
१ मौजे दिगरस.

बाकी.

१ मौजे गडद गव्हाण.
१ मौजे भोसी.

—

८

तनखा

१२१९४॥≡

८३९२१।–।· परगणे लोणार.

२५८२०८=।· परगणे थेळकर.

६४४१॥ कसबे बारव.

१५००० परगणे टाकळी नीलवर्ण.

७९६२४॥।· परगणे काठी तनखा ——— रुपये १८०३९९॥≡

पैकीं वजा

७६५४८॥= मकरंद नाईक निंबाळकर देहे १३

३३३२४ जयवंतराव निंबाळकर ७

२०९०२॥– दुमाले सरकार

९४०५८– नरखेड.

३९२७।– बडाकें.

४९५६९- विसाजी कृष्ण.
२११४८= अमृतराव पांढरे.

२०९०२॥-

१३०७७५८=

बाकी तनखा देहे.
२०१३३८= कसबे काठी.
११९६४८= मौजे दोरसाल.
४७६४।= दहीवडी.
२०३८॥।= पिंपळें बुद्रुक
३७५३८- पिंपळें खुर्द.
५६३४।= म्हसळें खुर्द.
८३६॥ इचगांव.

४९६२४।॥.

७८८७४ परगणे मेहेकर पैकीं गांवचा तनखा बरहुकूम यादी महिपतराव प्रल्हाद. रुपये.

३००००७८॥.

सदरहू तिन लक्षांचे महाल सन सबैनापासून दिले असत.

# १ राजकीय.

## (ब) इतर माहिती.

### १९ जंजिऱ्याचा नबाब.

### नारो आपाजीच्या रोजकीर्दीपैकीं.

२२८–( १२३ ) शंकराजी केशव यांचे नांवें जाब कीं जंजिरेकर शामल यांस तहाचे ऐवजीं सिंहीगडचे मुकामींहून सात हजार रुपयांचें सोनें दिलें होतें, त्यास सोनेयास तोटा बहूत पडूं लागला सबब तुम्हीं सोनें हुजूर पाठविलें, आणि शामलास परभारें [ ऐवज ] तिकडे दिला. ऐशियास सदरहू सोनें सात हजाराचें पाठविलें तें सरकारांत जवाहीरखान्याकडे गुजारत जनार्दन गणेश कारकून दिमत मजकूर जमा जालें असे, म्हणोन मशारनिले याचे नांवें जाब १.

इ० स० १७६३–६४ अर्बा सितैन मया व अलफ रबिलावल.

छ. ९ रबिलावल.

# POLITICAL MATTERS.

MATTERS RELATING TO

The Nawab of Janjira.

228. In accordance with a treaty concluded with the Shyama (Siddhi), gold worth Rs. 7000 was sent to him from Sinhagarh.

A. D. 1763–64.

## बाळाजी जनार्दन यांच्या रोजकीर्दींपैकीं.

२२९–( ४१९ ) शामल जंजिरेकर यांजकडील लोक जीवधनचे राजकारणांत सांपडले, त्यांपैकीं किल्ले सिंहीगडीं अटकेस ठेविले होते, त्याची तकरीर जबानी बंदिवान तपसील.

इ० स० १७६५–६६
सित सितैन
मया व अलफ
जमादिलाखर ३०.

रामजी शिंदे वस्ती परगणे नांदगांव. आपण सरकारांत जंजिरेयास चाकर होतों. तेथून सिद्दी अबदुल्ला याजबरोबर किल्ले जीवधन येथें किल्ल्यावर चढावयासि येत असतां मढखोरें येथें आपणास धरून आणिलें. किल्ले सिंहीगडीं पांच असामी अटकेंत होतों. पैकीं एक मेला, बाकी चार असामी आहों. असामी १.

बाबाजी शिंदे वस्ती मौजे भावें तर्फ मांडलें. सदरील रामाजी शिंदे याचे हकीकतीप्रमाणें जबानी. असामी १.

शेख हसन वस्ती कसबे नांदगांव. सदरहूप्रमाणें हकीकत. असामी १.

शेख उस्मान वस्ती कसबे नांदगांव. सदरहूप्रमाणें हकीकत. असामी १.

सदरहू चार असामी सिद्दी अबदुल्ला जंजिरेकर यांजकडील जीवधनींचे राजकारणांत सांपडले ते सिंहीगडीं बंदिवानांत होते; त्यांपैकीं विसाजी केशव यांचे विद्यमानें शामलाकडील रुकुनुद्दीन हसन वकील आला आहे त्याचे हवालां केले असेत. बरहुकूम करारी यादी कलम १. छ. १२ रोज.

२३०–(———) शामल जंजिरेकर यांजकडील तह झाल्याचे करारार्ची कलमें सन सलास सितैनपासून सन सित अखेर चौसालां रुजुवातीमुळें ऐवज निघेल तो व मतगड किल्ला कराराप्रमाणें सरकारांतून दिला जाईल. तहनाम्याप्रमाणें तहनामा जंजिरे तर्फेचा सरकारांत यावा. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

इ० स० १७६६–६७
सबा सितैन
मया व अलफ
मोहरम २३.

---

229. Certain subjects of Janjira implicated in the attack by Siddhi Abdulla on fort Jiwadhan had been arrested & confined in fort Sinhgar, they were now made over to the Shamal at Janjira.

A. D. 1765–66.

230, A treaty was entered into with the Shamal of Janjira, agreeing to pay to him the amount that might be found due for the years A. D. 1762–63 to 1765–66 & the surrender of the fort of Matgad.

A. D. 1766–67.

गणेश राम दातार यांचें पत्र सरकारांत घ्यावें कीं, सरकारचे यादनाम्याप्रमाणें एका अक्षराचा अन्वय न जातां जंजिरेकर यादनामा देतात, ही निशा घेऊन ऐवज देईन. अंतर आल्यास सदरहू जो ऐवज देवीन तो सरकारांत माघारा खुद निसबत देईन. येणेंप्रमाणें करार-

कलम १.

कलमें दोन बरहुकूम यादी.

२३१-(४८८) गणेश राम दातार याजबरोबर हुजूरचा तहनामा देऊन जंजिरां रवाना जहाले आहेत ते जंजिरां जाऊन सरकारचा तहनामा शिक्यानशी जंजिरकरास समजावितील, आणि त्या अन्वयें जंजिराचा तहनामा घेऊन व श्रीहरिहरेश्वरास हुजरून नौबतखाना गेला आहे तो सुरवात जहाला असेल, त्याविशीं जंजिरां पत्र रवाना केलें असे, त्यास नौबतखाना सुरवात जहाल्याचा जाब घेऊन दोन्ही तुम्हांकडे दातार पाठवितील. तो तुम्हीं पाहाणें, आणि मशारनिलेचे लिहिण्यांत निखालस कुसूर याउपरि कांहींच राहिला नाहीं असें येईल, तेव्हां तुम्हांकडे भात नेमणुकेप्रमाणें व ऐवज अनामत येणेंप्रमाणें आहे तो मशारनिले यांचे विद्यमानें जंजिरां हवालीं करून तेथील कबज घेणें व दिवें श्रीवर्धन येथील वसूल ते घेतील त्यांस घेऊं देणें, तुम्हीं दखलगिरी न करणें व जंजिरांहून तहनामा शिक्यानशीं जंजिरकरांचा व नौबत सुरुवात जाहलियाचा जाब तुम्हांकडे येतील ते दोन्हीं हुजूर पाठवून देणें, येथें राजश्री बाळाजी जनार्दन फडणीस पाहातील आणि तो तहनामा व किल्याची दुसरी सनद हुजूरची तुम्हांकडे पाठवून देतील, त्याप्रमाणें तहनामा दातारांचे हवालीं करणें, व सनदेप्रमाणें किल्ला जंजिरां हवालीं करून जाब घेणें. किल्ला त्यांचे स्वाधीन जाल्यावरि दातार हुजूरचा तहनामा जंजिरां देतील व जंजिराचा तहनामा हुजूर पाठवितील; भात न्यावयास जंजिरांहून गलबतें येतील ते समयीं भातास दिरंग न लावणें; भात जलदीनें देत जाणें; म्हणोन गोविंदराव व चिमाजी माणकर प्रांत राजपुरी यांचे नांवें सनद १.

इ० स० १७६६-६७
सबा सितैन मया व अलफ
साबान १३.

रसानगी याद.

---

231 Ganesh Ram Datar was sent to Janjira with a treaty drawn by the Peshwa. A drum was at the same time sent for use at the temple of Shri Hari-Hareshvar, & the fact was communicated to the Janjirkar. Ganesh Ram Datar was directed to obtain a counterpart of the treaty from the Janjirkar & also a letter agreeing to the use of the drum at the temple. Govindrav and Chimnaji Mankar of Rajpuri were directed to inspect the said counterpart and letter and to send them on to Balaji Janardan Fadnis. They were also directed to restore the fort to the Janjirkar, to allow him to recover revenue from Diwe Shrivardhan & to pay him the quantity of paddy & money due.

A. D. 1766-67.

२३२-( ४८९ ) शामल जंजिरेकर यांचा व सरकारचा तह जाहला त्याविशीं सनदा.

इ० स० १७६६-६७
सबा सितैन
मया व अलफ
साबान १८.

किल्ला मतगड जंजिरकरांस द्यावयाचा करार करून हे सनद सादर केली असे, तरि किल्ला हवालीं करून पावलियाचें कबज घेणें. किल्ला सरकारांत सन खमस अबैनांत आला ते समयीं वरती शिलक बरहुकूम झडती प्रांत राजपुरी.

नक्त ——— रुपये २५     कित्ता. ———

| गल्ला चौसेरी मापें कैली खंडी. | | वजनी वजन पक्कें. | | सुमारी. सुमार. | |
|---|---|---|---|---|---|
| ४०।४८= | भात. | | | २०० | गोळ्या शिसें बंदुकी. |
| -।=८२॥≡ | उडीद. | ८।४।१६॥ | तूप. | १ | घण. |
| ८८१.८२ | आवरे. | ८८५॥१६॥ | तेल. | १ | घावडे. |
| ८३॥।२।≡ | मीठ. | ८१८७।६ | दारू. | १ | पहार. |
| ४१८।-।= | | ८१॥७॥३ | | २०३ | |

एकूण नक्त रुपये पंचवीस व एकेताळीस खंडी सव्वातीन पायली निटवें कैली व दीडमण साडेसात शेर तीन टांक वजन पक्के व दोनशें तीन सुमारी येणेंप्रमाणें जकीरा होता त्याचा जाबता अलाहिदा पाठविला असे; त्याप्रमाणें जकीरा हवालीं करून कबज घेणें, म्हणोन बाबाजीराव हवालदार व कारकून किल्ले मतगड यांस सनद १.

शंकराजी केशव व रामाजी महादेव प्रांत कोंकण यांस चिटणिशी पत्र कीं, हवालदारांस ताकीद करून सनदेबरहुकूम किल्ला जकिरेसुद्धां हवालीं करवून जंजिरकरांचा जाब घेणें, म्हणोन सनद १.

२

232. The fort of Matgad was, according to the terms of a treaty entered into with the Janjirkar, orderd to be made over to him.

A. D. 1766-67.

२३३–( ४९० ) जंजिरकराचे तर्फेचे बंदिवान सोडून द्यावे असा करार करून सनदा सादर केल्या असेत, तरि तुम्हांकडे जंजिरकरांचे तर्फेचे बंदिवान असतील त्यांजबरोबर शिपाई देऊन तळ्यास पाठवून देणें, आणि तेथें पावलेयाचा जाब गोविंदराव व चिमाजी माणकर यांचा घेणें, म्हणोन सनदा.

इ० स० १७६६–६७
सबा सितैन
मया व अलफ
साबान १८.

१ दादो उद्धव यांस कीं, तुमचे तालुक्याचे किल्ल्यावरि असतील त्यांस रवाना करणें म्हणोन.

१ नारो त्रिंबक भट यांस कीं, तुमचे तालुक्याचे किल्ल्यावरि असतील त्यांस रवाना करणें म्हणोन.

१ कृष्णाजी जाधव हवालदार व कारकून किल्ले लोहोगड यांस.

१ गोपाळजी शिंदे हवालदार व कारकून किल्ले विसापूर यांस.

१ विसाजी केशव यांस कीं, जंजिरे अर्नाळा येथें असतील त्याविशीं.

१ तालुके अवचितगड निसबत भागोजी बालकवडे यांस.

१ तालुके बिरवाडी निसबत रामचंद्र कृष्ण यांस.

१ रामाजी महादेव यांस कीं जंजिरे सुवर्णदुर्ग येथें व तुम्हांकडील तालुक्यांत असतील त्यांसही रवाना करणें म्हणोन.

१ तालुके अंजनवेल निसबत कृष्णाजी विश्वनाथ यांस.

१ जंजिरे रत्नागिरी निसबत कृष्णाजी हरी यांस.

१०

गोविंदराव व चिमाजी माणकर तालुके प्रांत राजपुरी यांस कीं,

प्रांत मजकूर येथील महाल ११ अकरा यांची पहाणी दुतर्फा सालमजकुरीं करून जमाबंदी ठरेल त्यास दुतर्फा तहनामेयाप्रमाणें चालावें. कलम १.

सन इसन्ने सितैनापासून सन सित सितैन पावेतों सरकारचा व जंजिरकरांकडील दुतर्फा हिशेबाचे रुजुवातीमुळें नक्त वगैरे जी बेरीज ठरेल ती सालमजकुरीं देविली असे. हिशेबामुळें बाकी निघेल ते देणें. कलम १.

कोंकणप्रांतीं किल्लेहाय येथें व वरघाटें जंजिरकरांचे तर्फेचे लोक अटकेंत आहेत ते तुम्हांकडे रवाना केले असेत. ते तुम्हांपाशीं आल्यावरि त्यांची चौकशी करून जंजिरकरांचे तर्फेचे जे असतील ते त्यांचे हवालीं करणें आणि नांव बिनांव पावल्याचें कबज घेणें, व दुमाले तुमचे तालुक्यांत असतील त्यांची चौकशी करून जंजिरा तर्फेचे असतील ते त्यांचे स्वाधीन करून पावलियाचें कबज घेणें. कलम १.

233. The prisoners taken from the Janjirkar were orderd to be made over to him.
A. D. 1766–67.

एकूण तीन कलमें करार करून सनद सादर केली असे, तरि सदरहू प्रमाणें वर्तणूक करणें, म्हणोन सनद १.

रामाजी महादेव यांचे नांवें सनद कीं रुजू शंकराजी केशव व रामाजी महादेव प्रांत कोंकण यांस

प्रांत राजपुरी येथील अकरा महालची पहाणी दुतर्फा साल मजकुरीं करून जमाबंदी ठरेल त्यांस दुतर्फा तहनामेयाप्रमाणें चालावें. कलम १.

सन इसन्ने सितैनापासून सन सित सितैना पावेतों सरकारचा व जंजिरकरांचा दुतर्फा हिशेबाचे रुजुवातीमुळें नक्त व गल्ला जी बेरीज ठरेल ती सालमजकुरीं देविली असे. हिशेबामुळें बाकी निघेल ते देणें. कलम १.

कोंकण प्रांतीं किल्लेहाय येथें जंजिरकरांचे तर्फेचे बंदिवान जागां जागां आहेत, ते तुम्हांकडे रवाना करविले असेत. तुम्हांपाशीं येतील त्यांची चौकशी यथास्थित करून जंजिरकरांचे तर्फेचे असतील ते मात्र त्यांचे हवालीं करून नांव बिनांव कबज घेणें. बाकी राहातील ते कैदेंत ठेवणें. कलम १.

एकूण तीन कलमें करार करून हे सनद सादर केली असे, तरि सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें, म्हणोन सनद १.

एकूण चौदा पैकीं चिटाणिशी एक, सनदा तेरा सदरहूप्रमाणें दिल्या असेत.

रसानगी यादी चार.

२३४–( ४९३ ) तहनामा सरकार–तर्फेकडील व अमारत मर्तबत खान अजम याकूदखान यांजकडील तहनामा. पेशजी दर अमलकी बलगाह कैलासवासी रावसाहेब तहनामा करार होऊन आला होता. त्या अलीकडे दरम्यान रखने जहाले, सबब तहाचीं कलमें दुतर्फा मातबर येऊन जाऊन करार केलीं. सुरू सन सबा सितैन मया व अलफ. तहाचीं कलमें बितपशील.

इ० स० १७६६–६७
**सबा सितैन मया व अलफ**
साबान २९.

---

234. The following are the principal terms of the treaty entered into with Amarat Martabat Khan Ajam Yakutkhan ( the Janjirkar ):—

A. D. 1766–67.

( 1 ) The fort of Matgad which had been given into the possession of the Peshwa to prevent its capture by Tulaji Angria should be restored to Janjira.

किल्ले मतगड अमारतपन्हा तुळाजी आंग्रे सरखेल घेणार अजी सबब ईजानेबांकडे ठेविला होता. तो द्यावा म्हणोन यादनामियांत लिहिलें व वकिलांनीं रदबदल केली, याजवरून अमारतपन्हांचा किल्ला अनामत होता तो बमै-इमारत दिला असे. तैसा असावा. कलम १.

सन इसन्ने सितैनापासून रुजुवात होऊन वरचेवर उडते सालीं ऐवज इकडून तिकडे व तिकडून इकडे देत जावा. कलम १.

तळें घोसाळें येथील धारेयाचा सरकारचा गल्ला सावकारी गलबतावरून रेवदंडा वगैरे जागां जाईल, त्यास हसीलाकरितां अशौकत पन्हांकडून मुजाहिम न व्हावें. तिकडील गल्ला धारियाचा रेवदंडे खाडींतून साहुकारी गलबतें भरून सुदामत प्रमाणें जंजिऱ्यास जाईल, त्यांस सरकारतर्फेनें हसीलाविशीं मुजाहिम होणार नाहीं. कलम १.

दास्तान मांडलें सरकारतर्फेनें इंग्रजांस दिलें आहे. ते तेथील निमे ऐवज अमारत पन्हांनीं जे सालीं इंग्रजांस दिलें ते सालच्या जमाबंदीप्रमाणें ते तर्फेस रुजुवात हिशेबांत दिला जाईल; दास्तान मांडलें इंग्रजांनीं सोडलें तर तेथील अमल तह सुदामत प्रमाणें चालेल. कलम १.

दुतर्फा तहनामा जाला याउपरि रयत वगैरे फरारी जहाले असतील, त्यांस दुतर्फा कौल देऊन ठिकाणच्या ठिकाणीं आणावें. कर्जदार दिवाळखोर यांस दुतर्फाकडून पुस्तपुन्हा करूं नये. कर्जाची उगवणी हप्तेबंदीप्रमाणें करून घेत जावी. कलम १.

---

(2) One half of each of the mahals of Dive & Shrivardhan, the revenues of which had been assigned for the expenses of the above fort, should be made over to Janjira.

(3) The amount due to and by the two contracting powers should be ascertained and paid.

(4) No duty should be demanded by Janjira on account of ships carrying Government revenue in kind levied from Tala & Ghosala; similarly no duty would be levied by the Peshwa on ships passing Revadanda and carrying the Janjira revenue in kind.

(5) The Dastan of Mandle belonged formelry to the Peshwa & the Janjirkar jointly. It having been handed over to the English by the Peshwa, he promised to pay the equivialent of half its revenue to the Janjirkar.

(6) The two contracting Powers should not molest each other's territories

(7) The terms of the treaty of A. D. 1736-37. should be respected.

सरकारतर्फेनें तिकडील तालुकेयांत कोणेविशीं तसदी होणार नाहीं. आहशमतपन्हांकडून सरकार तालुकेयांत तसदी न व्हावी. दुतर्फा हरमाखोर (हरामखोर) इकडील तिकडे व तिकडील इकडे जाऊन फंदफितूरीच्या गोष्टी समजावितील, त्यांस हरगीज न ठेवितां दुतर्फाकडून जिकडील तिकडे पोंहचतें करावें. कलम १.

माहसऱ्या अलीकडे तर्फैनच्या कसुरामुळें सरकारतर्फेनें व मामलेदारांकडून तहनामा पेशजी शिवाय कागदपत्र व कलमबंदीच्या यादी कमपेश केल्या असतील त्या रद्द असेत. कलम १.

बंदी गुलाम व चाकर सरकार व घरचाकर असे इकडील तिकडे व तिकडील इकडे आलेगेलेयास जिकडील तिकडे द्यावे.

कलम १.

प्रांत दिवें व प्रांत श्रीवर्धन हरदू महाल निमे निमे किल्ले मतगडचे तनख्यास अमारत पन्हातर्फेनें सरकारांत दिले होते. ते हरदू महाल निमे निमे एकूण एक महाल आहशमतपन्हातर्फेस दिले असेत. जंजिरेयाचे मुतसिलांत चालोन सदरहू महाल रुजुवातीस सुदामत प्रमाणें यावे. कलम १.

मागील रुजुवातीचा ऐवज तहनामेयाप्रमाणें द्यावा घ्यावा वा ( ? ) लेकीन बुजुर्गा बुजुर्गांही कां दिली घेतली नाहीं ते इमाने खास मालुम. जसे पेशजीचे तहनामेयाबमोजीब सन इसन्ने सितैनापासून साल दरसाल रुजुवात करावयाचा व देणेघेणेयाचा करार जहाला, मागील रुजुवात हर्फखान दूर करावा. कलम १.

वाहीनाचे बैल व टोणगे यांची जकात कदीम करारप्रमाणें दुतर्फाही घेत न जावी.

कलम १.

मुलकाचे दस्तावर रमजानिगाई कदीम तहनामियाप्रमाणें न घ्यावी. कलम १.

बंदर रोहें येथील जकात कुल दरोबस्त देखील उभा मार्ग सुदामत सरकारतर्फेस चालत आहे त्याप्रमाणें चालेल. कलम १.

सरखेल निसबतीचे तालुके सरकारतर्फेस आले, त्यास त्यांचे कारकीर्दीस केळसी लसवी येथील ऐवज मोघम तालुके सुवर्णदुर्गाहून रुपये ३१२५ तीन हजार एकशें पंचवीस जंजिरातर्फेस पावत होते, अलीकडे जाजती रुपये १००० हजार सुवर्णदुर्गाहून पावतात, एकूण रुपये चार हजार एकशें पंचवीस पावतात, त्याप्रमाणें दरसाल पावतील. याउपरि सरखेल तालुक्यास तिकडून तसदी देऊं नये. कलम १.

चांच्या अशौकतपन्हाचे मुतसीलांतील जागां बादरविजारा बंदर करून चोऱ्या करितो. तो करूं न पावे तें करावें.

कलम १.

पेशजी सन सबासलासीनमध्यें दुतर्फा तहनामे जाले असेत, त्यापैकीं कांहीं कलमें या तहनामियांत आलीं, बाकी राहिलीं कलमें पेशजींचे तहनामियाप्रमाणें करार असेत. कलम १.

तर्फैन मुतसील माहलचे वतनदारी वगैरे इनसाफ सुदामत प्रमाणें होत जावे. कलम १.

एकूण सतरा कलमें दुतर्फा तहनामियांस करार केलीं असेत. ते बमोजीब दुतर्फा कडून सुरळीत चालोन मुलकाची आबादी व तर्फैनच्या येखलास हगोनगीची तरकी हुजुरांत आणावी, म्हणोन

तहनामा १.

२३५–(९०८) जंजिरकर यांचा व सरकारचा तह जाला. याजकरितां किल्ले मजकूर जंजिरकरांस द्यावयाचा करार केला असे, तरि किल्ला सरकारांत आला ते समयीं वर जकीरा होता त्याचा जाबता अलाहिदा पाठविला आहे, त्याप्रमाणें जकिरासुद्धां किल्ला जंजिरकरांचे हवालीं करून पावल्याचें कबज घेऊन हुजूर येणें म्हणोन बाबाजीराव मोरे हवालदार व कारकून किल्ले मतगड यांस

इ० स० १७६६–६७
सबा सितैन
मया व अलफ
जिल्काद ३.

सनदा २.

येविशीं चिटाणिशी

पत्रें ३.

१ गोविंदराव माणकर व चिमाजी माणकर यांस.
१ शंकराजी केशव व विसाजी केशव यांस.
१ जयराम त्रिंबक मजमदार मामले तळें प्रांत राजपुरी यांस, जाबत्याप्रमाणें किल्ल्यावरील जकीरा जंजिरकरांकडे देऊन जाकिऱ्याचें कबज घेऊन किल्ला देणें आणि किल्ल्याचेंही कबज घेणें, म्हणोन पत्रांत लिहिलें असे. —

— ५

३

एकूण सनदा दोन व पत्रें तीन परवानगी रूबरू. हवालदार कारकून यांचे नांवें किल्ला द्यावयासि सनदा तीन दिल्या असेत, पैकीं एक पेशजी बार जहाली आहे. बाकी दोन राहिल्या होत्या, त्या हल्लीं दिल्या असेत. जंजिरकरांकडील तहनामा शिक्यानशीं गणेश राम दातार हुजूर घेऊन आले त्या तहनामियांतील मतगडचे कलमांत मात्र थोडीशी दिकत राहिली होती, ते दूर होऊन सरकारचे तहनामियांत कलमांप्रमाणें उगवलें पाहिजे येविशीं मशारनिलेबरोबर जंजिरकरांस पत्र राजेश्री बाळाजी जनार्दन फडणीस यांणीं लिहिलें आहे तें व मतगडचे सदरहू कलमांचा मसुदा असें पाठविलें आहे व एक मसुद्याची नक्कल मशारनिलेजवळही दिली आहे; ऐशियास मसुद्याप्रमाणें मतगडचें कलम उगऊन मोहरेनसीं तहनामा त्यांजकडील गणेश राम घेऊन माघारे तळ्यास आले म्हणजे किल्ला देणें, म्हणोन जयराम त्रिंबक यांचे पत्रांत लिहिलें असे.

---

235. In fulfillment of the terms of a treaty entered into with the Janjirkar, the fort of Matgad was ordered to be surrendered to him;

A. D. 1766–67.

२३६–( ६७४ ) सिद्दी अबदूल रहीम खानजादे जंजिरकर यांजकडील मतालब.

इ० स० १७७०–७१ इहिदे सबैन मया व अलफ साबान १२.

जंजिरकरांचे साडेतीन महाल सरकारांत मतगडाखालीं आहेत, ते खानजादे यांजकडे देविले आहेत, तरि सदरहू साडेतीन महाल मशारनिलेच्या हवालीं करणें. कलम १.

मौजे वरवटणें व मौजे पळस तर्फ नागोठणें या दोन्ही गांवची खोती सालमजकुरीं खानजादे यांजपासून करून सरकार उगवणी करवणें; पेस्तर सालापासून गांव यांजकडे ठेऊं नये. कलम १.

जंजिरकरांचा तह सुदामत सरकार महालीं सालगुदस्त पावेतों चालत आला असेल त्यापैकीं बाकी जकात लम्रटका वगैरे राहिली असेल ते देवणें व पुढें सुदामत चालत आल्याप्रमाणें चालवणें. जंजिरकरांचे महालीं सरकारची बाब जकात लम्रटका वगैरे चालत आलें असेल त्याप्रमाणें त्यांणीं चालवनें. कलम १.

एकूण तीन कलमें करार करून दिलीं असेत; सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें, म्हणोन विसाजी केशव सरसुभा प्रांत कोंकण यांस सनद १.

रसानगी याद.

२३७–( ६७९ ) अजम सिद्दी अबदूल रहीमखान यांस जंजिरकराचे पारपत्यास

इ० स० १७७०–७१ इहिदे सबैन मया व अलफ सवाल ७.

रवाना केलें, मतगड मशारनिलेच्या हवालीं करणें म्हणोन सनद सादर केली असतां तुम्हीं शिबंदेचे तलबेचा कागद मशारनिलेपासून लेहून घेतला म्हणोन हुजूर विदित जहालें; त्याजवरून हें पत्र तुम्हांस सादर केलें असे; तरि पैक्याचा तगादा तूर्त न करणें; पुढें सरकारांतून आज्ञा होईल तसें करणें. म्हणोन गोविंदराव व चिमाजी माणकर यांस चिटणिशी पत्र १.

---

236. The following agreement was entered into with the Siddhi of Janjira:—

A. D. 1770–71.

(1) The $3\frac{1}{2}$ Mahals under the jurisdiction of the fort of Matgad should be made over to the Siddhi.

(2) The Siddhi's dues in Government territory should be paid to him as usual.

(3) The dues belonging to Government in the Siddhi's terri. tory should be paid by him as usual.

237. Siddhi Abdul Rahimkhan was sent to punish the Janjirkar and the fort of Matgad was ordered to be handed over to him.

A. D. 1770–71.

२३८–( ६८९ ) सिद्दी अबदूल रहीम खानजादे राजपुरीस आहेत, त्यांजकडे जंजिऱ्याचे चोरांचे बंदोबस्तानिमित्त गलबतें लहान शिलेपोस ज्यांजवर जंबुरे असतात, तीं सुमारें ५ पांच वसईचे आरमारापैकीं देविलीं असत, तरि खान मशारनिलेकडील कारकून येईल त्याचे हवालीं तसलमात लेहून करणें. गलबतावर दर्यावर्दी व शिपायी ठेवणें ते मशारनिले ठेवतील, तुम्हीं गलबतें मात्र देणें, म्हणोन विसाजी केशव यांचे नांवें सनद १.

इ. स. १७७०–७१
इहिदे सबैन
मया व अलफ
जिल्हेज २२.

परवानगी रूबरू.

२३९–( ७४० ) अबदूल रहीमखान जंजिरकर यांचे कबिले किल्ले मतगडास व लेक किल्ले वसई येथें आहेत, ते सोडून द्यावयाचा करार करून हे सनद सादर केली असे; तरि कबिले व लेक वस्तभावसुद्धां सोडून देणें, म्हणोन विसाजी केशव सरसुभा प्रांत कोंकण यांस सनद १.

इ० स० १७७२–७३
सलास सबैन
मया व अलफ
जमादिलाखर १६.

रसानगी याद.

२४०–( ७९९ ) याकूबखान शामल जंजिरकर यांजकडील ——— सनदा.

किल्ले मतगड देविला असे, तरि तोफा व दारू गोळी वगैरे जुना जकीरा असेल त्यासुद्धां किल्ला हवालां करून कबज घेणें, म्हणोन गोविंदराव व चिमाजी माणकर यांचे नांवें ——— सनद १.

इ० स० १७७२–७३
सलास सबैन
मया व अलफ
सफर १५.

जंजिरकर यांजकडील माहादूरखान वगैरे यांचीं गलबतें व महागिऱ्या कतबे खंडाबाबद घेतले असतील ते माघारे द्यावयाचा करार केला असे; तरि गलबतें सरं-

---

238. Siddhi Abdul Rahim Khanjade being at Rajpuri, five small boats were orderd to be placed at his disposal for suppressing piracy.

A. D. 1770-71

239. An agreement having been made with Abdul Rahimkhan of Janjira to release his wives and sons imprisoned in forts Matgad and Bassein, orders for their release were issued.

A. D. 1772-73.

240. The fort of Matgad was ordered to be made over to Yakubkhan Shamal of Janjira. Any ships or other property taken from Mahadurkhan in the service of the Janjirkar were also ordered to be restored.

A. D. 1772-73.

जामसुद्धां व महागिऱ्या व ऐवज व कतबे तुम्हीं राजपूर सुभ्याकडे घेतले असतील ते रुजुवातीनें ज्यांचे त्यांचे हवालीं करून पावलियाचें कबज घेणें, म्हणोन गोविंदराव व चिमाजी माणकर यांस सनद १.

गोविंदराव व चिमाजी माणकर यांस सनद कीं, किल्ले मतगड तुम्हांकडून आमारत पन्हा याकूबखान जंजिरकर यांस देविला असे, यास किल्याचे वगैरे महालांपैकीं भात वगैरे असेल तें जंजिरकर यांस देविलें असे, तरि देणें. गल्ला तुम्हीं यांजकडे द्याल तो रुजुवातीनें मजुरा देणें, म्हणोन सनद १.

२४१–( ७६२ ) याकूतखान शामल जंजिरकर याचा व सरकारचा तहनामा जहाला त्याविशीं सनदा.

इ० स० १७७२–७३
सलास सबैन
मया व अलफ
सफर ३०.

२. अकरा महाल पैकीं साडेपांच महाल सरकार मुतसील व साडेपांच जंजिरेतर्फेचे मुतसील, त्यास परस्परें अमल सुदामतप्रमाणें असावा. अलीकडे दंग्यामुळें कमाविसदार वगैरे यांचा ऐवज दुतर्फा राहिला असेल तो परस्पर रुजुवातीनें घ्यावा द्यावा; व सालमजकुरापासून सुदामतप्रमाणें सुरळीत दुतर्फा चालावें. रुजुवातीनें कमाविसीचा ऐवज वरचेवर घेत देत जावें. येणेप्रमाणें करार केलें असे, तरि सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें, म्हणोन

१ रामचंद्र कृष्ण, तर्फ बिरवाडी यांस.
१ गोविंदराव व चिमाजी माणकर प्रांत राजपुरी यांस.

—
२

२. सिद्दी अबदुल रहीम खानजादे सन इहिदे सबैनांत मतगडास गेल्यावर दंगियामुळें माहादूरखान वगैरे यांचीं गलबतें व महागिऱ्या व ऐवज कतबे खंडाबद्दल घेतले असतील ते हल्लीं माघारे द्यावयाचा करार केला असे; तरि गलबतें सरंजामसुद्धां व महागिऱ्या व ऐवज व कतबे घेतले असतील ते रुजुवातीनें ज्यांचे त्यांस हवालीं करून पावलियाचीं कबजें घेणें, म्हणोन सनदा.

---

241. A treaty was concluded with Yakutkhan Shamal by which it was agreed that out of 11 Mahals, $5\frac{1}{2}$ were to belong to the Peshwa and $5\frac{1}{2}$ to Shamal, and that each should manage his own portion as before.

A. D. 1762–63.

१ आनंदराव शिंदे तालुके जंजिरे रेवदंडा यांस.
१ रामचंद्र कृष्ण तालुके बिरवाडी यांस.
--
२
—
४

चार सनदा दिल्या असेत. रसानगी यादी.

# १ राजकीय

## ( ब ) इतर माहिती.

### २० हैदरअली व टिपू.

इ० स० १७६४-६५
खमस सितैन
मया व अलफ
साबान २४.

२४३—( ३०३ ) बदल कमावीस भेट सनगें बाबद खोजे नुरुद्दीन वकील दिमत हैदरअलीकडील सनगें——————रुपये.

४९० राजश्री दादांस, गुजारत बाळोजी कटका खिजमतगार.

७५ चिराबादली १
१५० जामेवारे जरी करचोबी
७५ ७५
——— ———
१५० २
१०० किमखाप
९० शाल फर्द
७५ पटका कारचोबी.
——— ———
४९० ६

---

# POLITICAL MATTERS.

## MATTERS RELATING TO

### 20. Haidar Ali and Tipu.

A. D. 1764-65

242. A present of clothes to Raghobadada and to the Peshwa worth Rs. 900 was received from Khoje Nuruddin, agent of Haidar Ali.

४५० राजश्री रायाकडे, गुजारत तुकोजी चिंचवडा खिजमतगार.
६० चिराबादली.
१६० जामेवारे जरी.
८० ८०
———
१६० २
८० किमखाप १
७५ वोढणी जरी १
७५ पटका अहमदाबादी १
———
४५० ६
———
९०० १२

२४२—( ३४० ) हैदरअली खान यांचे नांवें जाब लेहून दिला कीं, तुम्हांकडे सालमजकूरचे खंडणीचा ऐवज येणें, त्यापैकीं तूर्तच्या हप्त्यापैकीं साहुकारांनीं हवाला घेतला, त्याचा भरणा गुजारत साहुकार जमा.

इ० स० १७६४-६५ **खमस सितैन मया व अलफ** जिल्हेज १३.

३७५००० गुजारत वीरशेट कोळेगर हजर हवाला गुदचीनशेट.
३३६९७३॥। जमा पोतां छ. २१ जिल्काद होन.
२७२६०७॥। होन हैदरी वगैरे ६४१४ दर ४।
८१४३ सनगिरी १९१६ दर ४।
३५७०० धारवाडी १०२० दर ३॥
५११३॥ सबदनअली १४६१ दर ३॥
३९३७॥ पुतळी तोळे २२५ दर १७॥
११४७२ दुर्गी २८६८ दर ४
———
३३६९७३॥।
३८०२६।· रद कर्ज गुजारत लक्ष्मण अपाजी वरात छ. १४ सवाल.
———
३७५०००

243. Rs. 1,400,000 were recevied from Haidar Ali Khan on account of the current year's tribute.

A. D. 1764-65

१०२५००० गुजारत लालदास वल्लभदास हस्तें हवाला भरणा
गुजारत सेवकराम रुपये.
६१५४९९॥• जमा पोतां छ. २१ जिल्काद होन नाणें.
५०२७६६॥• हैदरी ११८२९८ दर४।
२६७७५ सनागिरी ६३०० दर ४।
५९९८६ नागरपट्टणी १५९९६ दर ३॥
२९९६८ दुर्गी १४९२ दर ४
६१५४९९॥•
४०९५०४॥• रदकर्ज गुजारत साहुकार
१०६२५० गुजारत आबाजी नाईक कादरस वगैरे. साहुकार छ. ६ सवाल.
१००००० गुजारत महादशेट वीरकर छ. ६ सवाल.
२०३२५४॥• गुजारत लक्ष्मण आपाजी छ. १४ सवाल.
४०९५०४॥•
१०२५०००
१४०००००

येणेंप्रमाणें चवदा लक्ष रुपये सरकारांत जमा जाले. खंडणीचे ऐवजीं मजुरा असत, म्हणोन जाब लेहून दिले जाब २.

२४४-( ५१९ ) हैदरअली खान यांजकडे ठाणीं देविलीं असेत, तरि जंगी जकीरा सुद्धां मशारनिलेकडील कारकून येतील त्यांच्या स्वाधीन ठाणीं करून पावल्याचें कबज घेणें, म्हणून कमाविसदारांस सनदा.

इ० स० १७६६-६७
सबा सितैन मया व अलफ
जिल्हेज ९.

२ परगणे देवनहल्लीविशीं
१ कसबे मजकुराविशीं नारो त्रिंबक कारकून शिलेदार यांस.
१ ठाणें कुंदाणाविशीं महिमानजी शिंदे यांस सनद.
२

244. The thanas of Dewanhali and Kundana in paragana Dewanhali, Chik-Balapur, fort Nandigad, fort Ganeshgad, Sidagatta & others in paragana Chik-Balapur, & the thanas in pargana Kolhar were ordered to be surrendred to Haidar Ali Khan.

A. D. 1766-67.

१ परगणे चिक बाळापूर निसबत चिमणाजी रामचंद्र यांस.

१ कसबे मजकूर.

१ किल्ले नंदीगड.

१ किल्ले गणेशगड.

१ ठाणें सिदगटा वगैरे जीं असतील तीं.

---

४

२ परगणें कोल्हाराविशीं——

१ गोपाळराव गोविंदराव यांस.

१ रामचंद्र त्रिंबक यांस कीं, परगणे मजकूर-पैकीं तुम्हांकडे ठाणीं असतील तीं सोडून देणें म्हणोन.

---

२

१ मुरारराव घोरपडे यांस गुंडीबिंडा वगैरे तुमच्या पेशजीच्या तालुक्या-शिवाय सिरे, मदगिरी, थोरलें बाळा-पूर, हुसकोटें या सरकार तालुक्यांशि-वाय जीं असतील तीं सोडून देणें म्हणोन सनद.

---

६

एकूण सा सनदा दिल्या असेत. परवानगी रूबरू.

२४५–( ५४२ ) किल्ले बंकापूर हैदरनाईक यांजपासून सरकारांत घेतला, तेव्हां भात किल्यांत होतें, तें दर होनास तेरा पायलीप्रमाणें पैका देऊन घेतलें आहे. हल्लीं त्या प्रांतीं भात दर रुपयास तेरा पायली धारण अदमासें आहे. शिलकेचें भात जुनें होऊन कुजतें म्हणून तुम्हीं हुजूर विदित केलें. ऐशियास शिलकेस भात असेल, तें दर रुपयास आठ पायलीप्रमाणें शिबंदीस रोजमुरियांत देऊन त्या रुपयांचा दुसरा गल्ला जोरी वगैरे उपयोगी जिन्नस खरेदी करून किल्यांत जाकिऱ्यास ठेवणें, म्हणोन चिंतो हरी व आबाजी विश्वनाथ यांचे नांवें सनद १. रसानगी यादी.

इ० स० १७६७–६८
**समान सितैन मया व अलफ**
साबान ११.

२४६–( ५९० ) तुम्हांकडे सन खमस सितैनांत खंडणीचा ऐवज करार केला, त्यापैकीं लालदास वल्लभदास साहुकार यांणीं सवाअठरा लक्ष रुपयांचा हवाला घेतला होता, त्यापैकीं सवाचवदा लक्ष रुपये पेशजी सरकारांत पावले, त्याचे जाब अलाहिदा दिले आहेत, बाकी ऐवज राहिला त्याचा भरणा सरकारांत गुजारत सेवकराम गुमास्ता दिमत

इ० स० १७६७–६८
**समान सितैन मया व अलफ**
रमजान २१.

---

245. There is an allusion to the capture of fort Bankapur from Haidar Naik.

Y. D. 1767–68.

246. A tribute of Rs 18,25,000 had been imposed on Nawab Haidar Ali A. D. 1764–65: out of this amount Rs. 14,25,000 had previously been received by Government. The remaining sum was received at this time & the Nawab was informed accordingly.

A. D. 1767–68.

मशारनिले रुपये ४००००० एकूण चार लक्ष रुपये सरकारांत जमा असेत, म्हणोन जबाब हैदर अलीखान बहादर यांचे नांवें जाब १.

२४७–( ९८६ ) हैदर नाईक यांचे नांवें जाब लिहून दिला कीं, तुम्हांकडे खंडणीचा ऐवज इस्तकबिल सन सितसितैन तागाईत सन तिसा साल मजकूर चौसाला करार केला, त्यापैकीं जमा सरकारांत —— रुपये

इ० स० १७६८–६९
तिसा सितैन
मया व अलफ
जमादिलाखर १२.

२९५०००० सन सित व सन सबा दुसाला खंडणी स्वारींत सन सबांत करार केली ते रुपये ३१०००००, पैकीं वजा सूट पायमली मोंगल सन सबापैकीं रुपये १५००००, बाकी जमा रुपये.

१५५०००० गुजारत महादशेट वीरकर सन सितचे रुपये.

१४००००० सन सबाचे सूट दीड लक्ष वजा होऊन बाकी राहिले ते जमा हवाला सावकार —— रुपये.

९५०००० गुजारत वल्लभ सुंदर.

४५०००० गुजारत बाळाजी नाईक भिडे.

१४०००००

२९५००००

५०००० सन समान सितैनचे खंडणीपैकीं हवाला गुजारत बाळाजी नाईक भिडे —— रुपये.

३००००००

एकूण तीस लक्ष रुपये सदरहूप्रमाणें सरकारांत जमा जाले असेत, म्हणोन जाब १.

२४८–( ६२० ) हैदरनाईक यांणीं कर्नाटक प्रांतें कांहीं गडबड करावी, हा विचार आरंभिला आहे, म्हणोन हुजूर विदित जाहालें. ऐशास मदगिरी व चेन-रायदुर्ग हे किल्ले त्याचे सरदेवरील आहेत, तेथें पक्का बंदोबस्त असिला पाहिजे. याजकरितां कर्नाटक प्यादे किल्ल्यांत आहेत ते दूर करवून देशचे माणूस किल्ल्यांत ठेवावयास देविले त्याच्या सनदा बितपशील.

इ० स० १७६९–७०
सबैन
मया व अलफ.
सफर २९.

---

247. The receipt of Rs. 30,00,000 from Haidar Naik on account of tribute for the years A. D. 1765–66 to 1768–69 was aknowledged.

A. D. 1768–69.

248. Government being informed that Haidar Naik was about to attack the Karnntic, reinforcements were sent to the forts of Madgiri and Chen-Rayadurga on the frontier.

A. D. 1769–76.

१ राजश्री नारायणराव बल्लाळ यांजकडून तालुके धारवाड वगैरे महालपैकीं असामी बितपशील.

२०० किल्ले मदगिरी निसबत लक्ष्मण बल्लाळ यांजकडे.
१०० किल्ले चेन-रायदुर्ग निसबत चिमणाजी रामचंद्र यांजकडे.

३००

एकूण तीनशें माणूस देविलें असे, तरि तालुके मजकुरीं प्रस्तुत माणूस आहे, त्यांपैकीं तुमची भरती होऊन जाजती माणूस असेल तें व आणखी तीनशांचे भरतीचें लागेल तें नवें ठेवून सदरहूप्रमाणें दोन्ही किल्ल्यास रवाना करणें, म्हणोन सनद.

१ मुकुंदराव श्रीपत तालुके सिरें यांचे नांवें सनद कीं, असामी येणेंप्रमाणें बितपशील.

१०० किल्ले चेनरायदुर्ग निसबत चिमणाजी रामचंद्र.
२०० किल्ले मदगिरी निसबत लक्ष्मण बल्लाळ.

३००

तीनशें असामी देवविले असेत, तरि सदरहूप्रमाणें पाठवून देणें, आणि सदरहू तीनशें माणूस दोहों किल्यास जाईल त्याचे मुबदला तुम्हीं दुसरे माणूस ठेवणें म्हणोन सनद.

२ सदरहू माणूस पाठविलें आहे हें किल्यावर घेऊन तद्देशी कानडें माणूस असेल तें दूर करणें म्हणोन सनदा.

१ लक्ष्मण बल्लाळ तालुके मदगिरी.
१ चिमणाजी रामचंद्र किल्ले चेन-रायदुर्ग यांचे नांवें.

२

४

चार सनदा दिल्या असेत. परवानगी रूबरू.

इ० स० १७६९-७०
सबैन
मया व अलफ
रमजान ९.

२४९-( ६४९ ) सालमजकुरीं हैदरनाइकाचा बिघाड आहे, व सरकारचे तालुक्याजवळ खुद्द फौज सहवर्तमान येऊन राहिला आहे, सबब किल्ले धारवाड व किल्ले बंकापूर येथील भरतीस पांचशें लोक ठेवण्याचा करार केला असे, तरि हशमाचे शिरस्तेप्रमाणें सदरहू पांचशें माणूस ठेवणें, म्हणोन चिरंजीव राजेश्री नारायणराव बल्लाळ यांस सनद १.

रसानगी याद.

---

A. D. 1769-70.

249. Haidar Naik, who was then on bad terms with Government, having encamped with his army on the border of Government territory, Narayanrav Ballal was directed to make an addition of 500 men to the garrisons of forts Dharwar and Bankapur,

२५०-( ६६१ ) सरदारखान, हैदरनाईक यांजकडील ठाणें निजगल येथून धरून आणिला आहे, त्यास किल्ले चाकण येथें अटकेंत ठेवावयासि पाई बेडी घालून पाठविला आहे; यास किल्ल्यांत अटकेंत बहूत चौकी पहारियाचा बंदोबस्त करून ठेवून पाई बेडी तशी असो देणें, आणि पोटास शिधा दररोज वजन पक्कें.

इ० स० १७७०-७१
इहिदे सबैन
मया व अलफ
रबिलावल ४.

ooll- तांदूळ बारीक सडीक.
oo।९ कणीक.
ooo९ दाळ.
ooo९ तूप.
oooिll साखर.

oo१o१३ll

एकूण एक शेर साडे तेरा छटाक वजन देवविलें असे; तरि सदरहूप्रमाणें दररोज सिधा, याखेरीज सुपारी, पानें व हिंग, जिरेंमिरें व चौकीमुळें रात्रीस तेल लागेल तें व तमाखू वगैरे किरकोळ लागेल तें देत जाणें. व याजखेरीज मशारनिलेचा पोरगा एक आहे, त्यास किल्यांत घेऊन, याजवळ ठेवून पोटास शिरस्तेप्रमाणें शेर देत जाणें, म्हणोन नारायणराव कृष्ण यांचे नांवें सनद १.

२५१-( ६८० ) बाळापूरकर किल्लेदार दिमत हैदर नाईक असामी.

इ० स० १७७०-७१
इहिदे सबैन
मया व अलफ
सवाल १२.

२ खासे.
२ माणसें चाकरीचीं.
४

एकूण चार असामी किल्ले हडसर तालुके शिवनेर येथें अटकेंत ठेवावयास पाठविले असेत, तरि किल्ले मजकुरीं पक्या बंदोबस्तानें अटकेंत ठेवून पोटास सिधा दोन असामींचा उत्तम प्रत व दोन असामींचा मध्यम प्रत व शाकभाजी येणेंप्रमाणें देविलें असे, तरि हुजूर अखेरसालपर्यंत बेगमी करून दिली असे, पुढें देत जाणें, म्हणोन उधो विरेश्वर यांस सनद १.

रसानगी यादी.

---

250. Sardarkhan, a follower of Haidar Naik, having been captured at thana Nijgal was sent to be confined in fort Chakan.
A. D. 1770-71.

251. The officers of the fort of Balapur and Yogindrarav, both in the service of Haidar Naik, were sent to be confined in the forts of Hadsar and Kuvari respectively.
A. D. 1770-71.

योगींद्रराव दिमत हैदर नाईक ———— असामी.

१ योगींद्रराव.
१ मशारनिलेचा पुत्र.
१ ब्राम्हण चाकरीचा.

३

एकूण तीन असामी किल्ले कुवारी येथें अटकेंत ठेवावयास पाठविले असेत; तरि किल्ले मजकुरीं पक्या बंदोबस्तानें अटकेंत ठेवून पोटास सिधा दोन असामींचा उत्तम प्रत व एक ब्राह्मण चाकरीचा यास मध्यम प्रती व शाकभाजी येणेंप्रमाणें देविलें असे, तरि हुजूर अखेर सालपर्यंत बेगमी करून दिली आहे, पुढें देत जाणें, म्हणोन आनंदराव भिकाजी यांस सनद १.

रसानगी याद.

२५२–( ७६७ ) सुभांणा ब्राह्मण व त्याजबरोबरील मर्या जासूद हे हैदर नायकाकडील फितुरी किल्ले सिंहगड येथें अटकेंत ठेवावयाबद्दल पाठविले आहेत, तरि पक्के बंदोबस्तानें अटकेंत ठेवून पोटास सुभांणास शिधा मध्यम प्रत व जासुदास शेर शिरस्तेप्रमाणें देत जाणें, म्हणोन शिवराम रघुनाथ यांचे नांवें सनद १.

इ० स० १७७२–७३
सलास सबैन
मया व अलफ
मोहरम १८.

परवानगी रूबरू. छ० १८ मोहरम.

# १ राजकीय

## ( ब ) इतर माहिती.

### २१ दिल्लीचा बादशाहा.

### दादासाहेब यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

२५३–( २१५ ) शहा अबदाली यांस बहुमान हत्ती दोन पाठवावयाचा करार आहे, त्यास येथून पाठवावयास सोई पडत नाहीं, त्यास बापूजी महादेव वकील अबदालीकडील राजकारण पडल्यास तुम्हांकडे येतील त्यांस हत्ती नग दोन देऊन यांची रवानगी शाहाकडे करणें. वस्त्रें

इ० स० १७६३–६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
जिल्हेज २.

---

252. Subhanna, a Brahman, and Marya, a messenger with him, in the service of Haidar Naik, were sent to be imprisoned in fort Sinhgarh.

A. D. 1772–73.

# POLITICAL MATTERS.

## MATTERS RELATIMG TO

### 21. The Emperor of Dehli.

253. Two elephants had to be sent to Shah Abdali as a mark of honour: as it was not coveninent to send them from Poona, Malharji Holkar was ordered to send 2 elephants, with a vakil Bapuji Mahadev, to the Shah: the clothes of honour were sent from Poona.

A. D. 1763–64.

येथून दिलींच आहेत. हत्ती नग तुम्हीं देऊन रवानगी करणें, व दिल्ली वगैरे वकीलीचें कामकाज यांचे हातून पूर्ववतप्रमाणें घेत जाणें, म्हणून मल्हारजी होळकर यांचे नांवें
सनद १. छ २ जिल्काद.
रसानगी यादी.

# १ राजकीय

## ( ब ) इतर माहिती.

### २२ युरोपांतील राष्ट्रें.

### ( अ ) इंग्रज.

सरसुभे प्रांत कोंकण यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

इ० स० १७६४-६५.
खमस सितैन मया व अलफ
सफर २.

२५४-( ३३ ) छ. २ सफर सदाशिव नारायण प्रांत मजकूर यांस सनद कीं, इंग्रजाचे कोंपिनीचे तरांडें ग्याली ब्रसराईहून मुंबईस जात असतां रेवदंड्याचे बाऱ्यावर रात्रीं तुफान जालें, मुंबईचें बंदर न आटोपे, सबब रेवदंड्याचे बंदरीं दोस्तीची जागा जाणोन आले; तुफानाचे सबबेनें कलबी काठी उतरली व गावी परबान जायां जालें, परंतु सलाबत बंदर सही जाहलें, त्यास तुम्हीं अटकाव केला, हें वर्तमान मुंबईस जनराल यास कळतांच मेस्त्र रामसी इंग्रज वसईस पाठविले. तहनामा पेशजी कैलासवासी आपासाहेबांचे वेळेस इंग्रजांचा व सरकारतर्फेचा जाहला आहे, त्यांत चवदा कलमें दुतर्फा चालावयाचीं आहेत, त्यांत हें कलम आहे कीं, परबान गावी वगैरे मोड

---

# POLITICAL MATTERS.

MATTERS RELATING TO
## 22. Nations in Europe.

A. D. 1764-65.

254. A ship belonging to the English having been overtaken by storm while on its way from Basra to Bombay, took refuge in the harbour of Revdanda. It was attached by the Government officer of that place. This was contrary to the treaty entered into with the English by Appasaheb, according to whcih if any English ship was overtaken by a storm and completely wrecked on any Goverment shore, the goods in it were to be divided equally between Government and the English, but in case it was merely damaged, it was to be repaired and sent to Bombay. The ship in the present instance with its cargo was therefore ordered to be made over to the English.

जाल्यास सामानसुमान देऊन तयार करून द्यावें आणि मुंबईस रवाना करावें. जर तरांडें वाऱ्यावादळानें जरबेंत येऊन खारें पाणी होऊन फुटोन बंदरीं लागलें, तरि निमे माल इंग्रजास द्यावा व निमे सरकारांत द्यावा. याप्रमाणें कलम उगवलें आहे. कलम पहातां हें तरांडें खारें पाणी लागोन शिकस्त जालें नाहीं, मोड मात्र जाली. तेव्हां तहनाम्याप्रमाणें देणें जरूर. त्यावरून हें पत्र सादर केलें असे, तरि जराबाजरा माल बमै ग्याली इंग्रजाकडील भले माणूस येतील त्यांचे स्वाधीन अंबाजी नाईक पाठविले आहेत त्यांचे विद्यमानें करून, कबज घेऊन, सरसुभां पाठवून देणें, म्हणोन सनद १.

२५५-( ३७८ ) इंग्रजाकडील तरांडें डिगोसी बंगाल्यास जात होतें. तें मौजे पालशेत तर्फ गुहागर तालुके अंजनवेल येथें नस्तावर बुडालें. त्याचा माल कांहीं सांपडला तो तुम्हीं ठेविला आहे. त्यास इंग्रजाचें तरांडें बुडालें सांपडेल त्याचा माल निमे इंग्रजास द्यावा निमे सरकारांत द्यावा याजप्रमाणें करार आहे. त्यास नक्त रुपये दोनशें पासष्ट सांपडले आहेत, त्यांपैकीं निमे सरकारचे व निमे इंग्रजास द्यावे. त्यास

इ० स० १७६५-६६
सित सितैन
मया व अलफ.
राबिलाखर १.

इंग्रजाकडील वकील यांणीं हुजूर विनंती केली कीं, सरकारतर्फेचे निमेचा ऐवज माफ करून आम्हांस द्यावा; त्याजवरून निमे सरकारतर्फेचे रुपये १३२॥ एकशें साडेबत्तीस इंग्रजास माफ केले असेत, तरि सदरहू दोनशें पासष्ट रुपये सरकार सुद्धां इंग्रजास देऊन पावलियाचें कबज घेणें, म्हणोन कृष्णाजी विश्वनाथ यांस सनद १.

परवानगी राजश्री राव, रसानगी रामाजी मल्हार चिटणीस.

---

255. A ship belonging to the English while on its way to Bengal, was wrecked at Palset in tarf Guhagar in taluka Anjanwel, and cash amounting to Rs. 265 was recovered from it. According to the agreement existing between Government & the English one half of the property so recovered was to be taken by Government and the other half was to be restored to the English. The agent for the English having, however, asked for the remission of the Government share, the whole amount was ordered to be paid.

A. D. 1765-66.

२५६–( ३९१ ) शंकराजी केशव यांचे नांवें सनद कीं, इंग्रेज मुंबईकर याजकडील मुंबईचे व सुरतेचे साहुकारांचीं वगैरे तरांडीं सरकारचे अरमाराशीं रुजू असावीं ते न जालीं, सबब तालुके तालुक्यास दस्त जालीं. इंग्रेजांनीं हुजूर कलमवार विदित केलें. त्यास मनास आणितां आजपर्यंत दुतर्फा तहनाम्याप्रमाणें चालावें तें न होतां कांहीं कंपेश होत गेले, ते दूर दुतर्फा होऊन साहुकारांस तसदी न पोहचतां व तहनाम्यास अंतर दुतर्फा न होतां पुढें सुरळीत चालावें व इंग्रेजचा स्नेह सरकारांत फार दिवसाचा तो पुढें निखालस चालावा. इंग्रजानें त्यांजकडील सोळा कलमें मागील त्याची याद आली तिचा फडशा त्याजकडील राजश्री रामाजी यादव आले त्यांचे विद्यमानें करून ऐवज द्यावयाचा करार केला रुपये:–

इ० स० १७६५–६६
सित सितैन
मया व अलफ
जमादिलावल ४.

१७७९४॥ सरकारांत तालुके तालुक्यास जमा जाला तो.
१३१२१।= तफावत व खोटीमुळें सावकार गरीब लोक नातवान यांचें नुकसान जाहलें यास्तव रयांत सरकारचे कलमांचा फडशा होणार व पुढें निखालस चालणार सबब.

३०९१५॥।=

एकूण तीस हजार नऊशें पावणे सोळा रुपये चवल देविले असेत, तरि सरकारचे कलमांचा फडशा जहाल्यानंतर रामाजी यादव यांचे गुजारतीनें ऐवज पावता करून कबज घेणें. याखेरीज बतेले सुमार ५ पांच तालुके तालुक्यास आहेत. ते माल खेरीजकरून कठडे बमेय सरंजाम असेल त्याप्रमाणें सरकारचे कलमांचा फडशा न जाहल्या अलीकडेच पावते करून कबज घेणें, म्हणोन

सनद १.

रसानगी याद.

---

256. Ships belonging to merchants from Bombay and Surat under the jurisdiction of the English, which refused to submit to the authority of the Government Navy, were detained at several talukas. The English complained to the Peshwa about this. It was found that the treaty entered into with the English was not strictly observed on either side. In order that the treaty might be respected in future by both the powers & that the friendly relations, so long existing with the English might be continued, the Peshwa directed that Rs. 30,915 should be paid to compensate the merchants for the loss they had suffered by the attachment of their property and by the detention of their ships.

A. D. 1765–66.

दादासाहेबांच्या रोजकीर्दीपैकीं

२५७-( ४२६ ) छ २० रोज जमा कमावीस भेट गुजारत सखाराम नाईक वकील दिमत इंग्रज. मोहर दिली. शिक्का नाणें १. एकूण रुपये.

इ० स० १७६५-६६
सित सितैन
मया अलफ
साबान १.

आरमार निसबत आनंदराव धुळप सुभा तालुके
विजयदुर्ग यांच्या दफातेपैकीं.

२५८-( ३७ ) छ मजकूर नारो त्रिंबक यांसि पत्र कीं, इंग्रजातर्फेचा मालवणाकडील सदाशिव नारायण यांजकडून साळसी माहालीं कांहीं उपद्रव जाहला, सबब त्यास तालुके मजकूर येथें ठेवला आहे तो सोडून द्यावा, व साळसी माहालांत मालवण तर्फेचा हिस्सा येणें तो मुरळीत देवावा म्हणोन जंजिरे सिंधुदुर्ग येथून इंग्रजानें पत्र सरसुभां पाठविलें; त्यास तूर्त तो स्नेहभावावर नजर देऊन कारकून देविला असे, तरि सोडून इंग्रजांचे हवालीं करणें, व साळसी माहालांत मालवणचा हिसा सुदामत पासून चालत आला आहे त्याप्रमाणें मालवणाकडे पाववीत जाणें. मालवणाकडून महालांत उपद्रव होणार नाहीं. इंग्रजांचा व सरकारचा घरोबा, सबब सोडणें लागला. तरि सदरहू लिहिल्याप्रमाणें करणें, म्हणोन पत्र १.

इ० स० १७६५-६६
सित सितैन
मया व अलफ
जिल्काद ११.

२५९-( ५४१ ) माणकजी निंबाजी व रंगाजी रामशेट साहुकार मुंबईकर यांची गुराब तिगस्ता जंजिरे रेवदंडा येथें तुफान जालें, येऊन लागली, ते सरकारांत ठेविली आहे; त्यास हल्लीं मुंबईहून मेस्तर याष्टीन कौन्सिलदार हुजूर आले आहेत. त्यांजकडील कलमाचा फडशा हुजूर होईल.

इ० स० १७६७-६८
समान सितैन
मया व अलफ
साबान ६.

---

257. One mohor is credited on this day as received as a present from Sakharam Naik, agent of the English.

A. D. 1765-69.

258. Sadashiva Narayan, a servant of the English in Malwan, having created a disturbance in mahal Salsi had been imprisoned. At the request of the English, contained in their letter from fort Sindhudurg to the sarsubha and in view of the friendly relations existing between them and Government, the man was ordered to be released. It was further directed that the usual share of the revenues of Salsi belonging to the English should be sent to Malwan.

A. D. 1765-66.

259. Two years previously a ship belonging to Manakji Nimbaji and Rangaji Ramshet, merchants of Bombay, met with a hurricane and drifted into the harbour of Rewadanda. It was kept by Government. Mr. Austin, conncillor of Bombay, came to Poona about this time and a settlement (in regard to some points of dispute) was being made with him. Visaji Keshav was directed to restore the ship to its owner.

A. D. 1767-68.

गुराब माल सुध्दां सरकारांत आली आहे ती माघारीं देविली असे, तरि सावकार मजकूर तुम्हांकडे येतील त्यांचे स्वाधीन करून पावलियाचें कबज घेणें, म्हणोन विसाजी केशव यांस

सनद १.

रसानगी रामजी मल्हार कारकून निसबत चिटणीस.

२६०-( ५४६ ) मेस्तर मासन सिनोर इंग्रज मुंबईकर याजकडील वकील हुजूर आले आहेत, त्यांणीं घोडीं रास ५ पांच किंमत रुपये ५२० पांचशें वसि रुपयांस पुण्यांत खरेदी केलीं आहेत, त्याचे जकातीचा आकार होईल तो इंग्रजांचे नांवें पर-दरबार खर्च लेहून यांस जकातीचा तगादा न करणें, म्हणोन विसाजी बाबाजी कमाविसदार जकात प्रांत पुणें व जुन्नर यांचे नांवें

इ० स० १७६७-६८
**समान सितैन**
**मया व अलफ**
सवाल ८.

सनद १.

परवानगी रूबरू.

२६१-( ६९७ ) त्रिंबक नारायण तालुके अमदाबाद यांचे नांवें सनद कीं, भडोचकरांचा व इंग्रजांचा बिघाड आहे. याजमुळें इंग्रजानें खंबाईतकरांस शिबंदी ठेवावयासि लिहिलें, त्याजवरून तो शिबंदी अमदाबाद प्रांतीं ठेवीत आहे. व तळोद्याचा किल्ला इंग्रजानें घेऊन खंबाईतकरापासून रुपये घेऊन त्यास दिला, तेथें खंबाईतकर स्वार प्यादे ठेवीत आहे. तेथून किल्ले घोगें भावनगर सरकार तालुक्याचे जवळ आहे, तेथें उपद्रव देत आहे. याजमुळें घोग्यास जाजती शिबंदी ठेवावी लागली या-

इ० स० १७७१-७२
**इसन्ने सबैन**
**मया व अलफ**
जमादिलावल १८.

---

260. **Sanad** to the following effect to the Kamavisdar of octroi of prant Poona and Junnar; an agent of Mr. Mason Senior of Bombay has come to the hujur; he has purchased at Poona 5 horses for Rs. 520. No octroi should be levied from him on account of the transaction. The amount due should be debited in the name of the English under the head of expenses on account of foreign Powers.

A. D. 1767-68.

261. Trimbak Narayen, officer of Ahmadabad, represented that ill-feeling had arisen between the authorities of Broach and the English, that the fort of Taloda had been taken by the English and made over to the Khambayatkar on payment of money, that the Khambayatkar had commenced to keep sowars and peons at the fort and that this was a souree of annoyance to the fort of Ghoge in Bhawnagar, and requested permission to keep additional forces at Ghoge. His request was granted, and he was directed to remain in hi charge and to communicate to Government from time to time the result of the quarrel between the Broachkar and the English.

A. D. 1771-72.

विषयीं आज्ञा जहाली पाहिजे, व विठ्ठलराव मोरेश्वर यांसि रसदेचे भरणियास पाठविले आहेत ते भरणा करतील म्हणोन तुम्हीं लिहिलें तें सविस्तर कळलें; ऐशियासि इंग्रज व भडोचकर यांचा परस्पर कलह लागल्याचा मजकूर कसकसा होतो, तो वरचेवर लेहून पाठवीत जाणें. घोग्यास खंबाईतकरांचा उपद्रव लागत आहे ऐसें असल्यास कार्योकारण जाजती शिबंदी नेमणूकीशिवाय ठेवून बंदोबस्त करणें. महालाचे वहिवाटीचा हिशेब जलदीनें आकारून पाठविणें. रसदेचा भरणा विठ्ठलराव मोरेश्वर यांजपासून करून घेतला जाईल. तुम्हीं हुजूर न येणें. महालाचे बंदोबस्तास तेथें राहणें, म्हणोन सनद १.

इ० स० १७७१-७२
इसन्ने सबैन
मया व अलफ
जमादिलावल २७.

२६२-( ७०० ) टॉम इंग्रज, मराठा गारदी, दिमत रामजी वणजारा, यास जानकी कुणबीण गंगापुरास बाटली ती मौजे पिंपळगांव येथें पळून आली होती ती यास बक्षीस देविली असे, तरि सदरहू एक कुणबीण याचे हवालीं करून बक्षीस खर्च लिहिणें म्हणोन, रामचंद्र नारायण यांचे नांवें सनद १.

रसानगी यादी.

इ० स० १७७२-७३
सलास सबैन
मया व अलफ
सफर २६.

२६३-( —— ) मुंबईहून जिन्नस खरेदी करून आणावयाचा आहे, याजकरितां पिराजी भिलारा खिजमतगार तुम्हांकडे पाठविला आहे, याजबरोबर इंग्रजी दस्तुराच्या दोन यादी अलाहिदा पाठविल्या आहेत, त्याज-प्रमाणें जिन्नस तुम्हीं एक कारकून दुभाषा मुंबईस पाठवून यादी-प्रमाणें जिन्नस चौकशीनें चांगला पाहून खरेदी खिजमतगार मशारनिले याचे गुजारतीनें करून पाठवून देणें. जिन्नसास पैका लागेल तो प्रांत साष्टीपैकीं देऊन हुजूर जिन्नसवार यादी लिहून पाठविणें, त्याप्रमाणें मजुरा पडेल, म्हणोन आनंदराव राम यांचे नांवें सनद १.

रसानगी विसाजी राम बर्वे बरहुकूम चिठी.

---

A. D. 1771-72.

262. An order was given to hand over a female servant named Janaki who had been converted, to an Englsish soldier, named Tom, in the service of Ramaji Vanjara, and to debit the transaction as a present.

A. D. 1772-73.

263. Some articles being required by the Peshwa from Bombay, Anandrav Ram of Salsette was asked to send a karkun knowing two languages to Bombay to purchase the same.

२६४--( ७७२ ) इंग्रज मुंबईकर याणें आरमारची वगैरे तयारी केली आहे, मोहीम गुजराथची म्हणून आवई घातली आहे, परंतु काय मसलत करणार हें कळत नाहीं, म्हणून हुजूर विदित जहालें; ऐशियासि साष्टी वगैरे नाजूक जागे येथें लोकांची भरती कमी आहे. त्यास नाजूक नाजूक जागे असतील तेथें लोकांची भरती कमी असल्यास जरुराती पाहून साष्टी वगैरे जागां बंदोबस्तास लागल्यास तूर्त चारशें माणूस पावेतों नवे ठेवून बंदोबस्त करणें, आणि कोणा जागां भरतीस जाजती माणूस किती पाहिजे त्याची चौकशी करून हुजूर लेहून पाठविणें, म्हणून त्र्यंबक विनायक यांसि सनद १.

इ० स० १७७३-७४
अर्बा सबैन
मया व अलफ
जमादिलाखर २२.

रसानगी याद.

# १ राजकीय.

## ( ब ) इतर माहिती.

## २२ युरोपांतील राष्ट्रें.

## ( ब ) इतर.

२६५-( ४८४ ) येसाजी राम यांचे नांवें सनद कीं, जाहोली पंचमहाल व तर्फ अंत्रूज मामले फोंडा तालुके मर्दनगड येथील अमल गोवेंकर फिरंगी यांजकडे होता, तो सरकारांत जप्त करून तुम्हांस जप्ती सांगितली असे; तरि इमानेंइतबारें वर्तोन अमल चौकशीनें करून आकार होईल तो सरकारांत पावता करून जाब घेणें, त्याप्रमाणें मजुरा पडेल. कलमें मामलतसंबंधें:—

इ० स० १७६६-६७
सबा सितैन
मया व अलफ
रजब १२.

---

264. Information having been received that the Englsish of Bombay were equipping a fleet under the pretext of attacking Gujerat, orders were issued to strenthen the garrisons at Salsette and other places.

A. D. 1773-74.

# POLITICAL MATTERS.

MATTERS RELATING TO

22. European powers other than the English.

265. The Portuguese of Goa had been asked to give up the fort of Mardangad after having it repaired, and also Jaholi Panchmahal and tarf Antruj in Mamle Fonda. Esaji Ram was directed in case the Portuguese failed to surrender the fort and territory, to attach the same, entertaining such force as might be necessary. He was further told that wantandars and others assisting Government in this matter would be duly rewarded.

A. D. 1766-67.

मर्दनगड किल्ला मोडला आहे, तो बांधून द्यावा व महालचा अमल पेशजी-प्रमाणें सरकारांत द्यावा म्हणोन फिरंगी यास पत्रें सरकारचीं दिलीं आहेत, त्या-प्रमाणें जहाल्यास उत्तम; न जहालें तरि शिबंदी ठेवून सरकारकाम करावें असें जालें तरि इनामेंइतबारें वर्तोन चौकशीनें खर्च करून महाल व किल्ला हस्तगत जहालियावरि तुमचा पैका फिटे तों मामलतीची घालमेल होणार नाहीं. फिरं-ग्याकडून कोणी बोलावयास आला आणि त्यांत सरकारकाम होतें असें असल्यास तुम्हांस इतल्ला देऊन केलें जाईल. तुम्हीं एकनिष्ठेनें वर्तोन सरकारकाम करणें. कदाचित् मामलत काढणें जालें तरि तुमचा पैका देऊन काढली जाईल. येणें-प्रमाणें करार. कलम १.

जप्तीचे कामास हशमी पथकें राम सावंत भिरवडीकर व साळसकर दोन्ही पथकें मिळोन सातशें माणूस ठेवावें, म्हणोन विनंती केली; त्यास राजकारणाचा प्रकार काम व्हावयाचा जसजसा दिसेल त्या-प्रमाणें यांचे लोक सातशांपैकीं उपयोगी तेवढे ठेवून तैनात तेथील शिरस्तेप्रमाणें करून कामकाज घेत जाणें, येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

मामल्यांत वतनदार आहेत, त्यांचीं वतनें सरकारकाम जहालियावरि चाल-विलीं जातील; त्यांत कामकाजाचा वतन-दार सरकार कामास उपयोगीं पडेल त्या-ची एकादी रजबदल जाजती वतनी शें-दोनशें रुपयांपर्यंत करार करून दिली जाईल, येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

तालुक्याचे राजकारणविषयीं सरदा-रांस व भले लोकांस व ब्राह्मण वगैरे यांस सरकारकाम जहालें तरि कष्ट मेहनत पा-हून श्रमानरूप बक्षीस तुम्ही द्यावयाचा करार कराल तो हुजूर आणून समजावणें, मनास आणून देणें तें दिलें जाईल, येणें-प्रमाणें करार. कलम १.

राम सावंत यांस मर्दनगडचें काम फत्ते जहाल्यावरि हशमी शिरस्तेप्रमाणें पालखी करार करून दिली जाईल, येणें-प्रमाणें करार. कलम १.

सन इसन्ने व सलास दुसाला सावंत व साळसकर दोनी पथकांची चाकरी हो-ऊन पंधरा हजार तीनशें तेहतीस रुपये राहिले म्हणोन समजाविलें, त्यास मागील पैका सदरहूप्रमाणें समजाविला तो देणें पुरवत नाहीं. मर्दनगडचे राजकारणांत मन घालून एकनिष्ठपणें सेवा करून सरकार-काम करून दाखवावें, कार्य जहाल्यावरि तुम्हीं विनंती करावी, बक्षीसदाखल देणें तें दिलें जाईल, येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

एकूण सा कलमें करार केलीं असेत. सदरहूप्रमाणें वर्तत जाणें, म्हणोन —— सनदा २.

नारो त्रिंबक तालुके विजयदुर्ग यांचे नांवें सनद कीं, मर्दनगडचें राजकारण मशार-निलेस सांगितलें असे, त्यास तिकडील माहितगार राम सावंत भिरवडीकर यासि नेमिलें

असे, तरि त्यांजकडे पाठवणें. मसलतीस लोक पाहिजे त्यांस साळसी प्रांतापैकीं मसलतीचे उपयोगीं पडेल तें माणूस घेऊन जातील त्यास नेऊं देणें. विजयदुर्ग तालुक्यांत भिरवडीकर व साळसकर यांचें शंभर माणूस आहे त्यापैकीं असामी पंधरा राम सावंत नेतील त्यांजबरोबर देणें, म्हणोन

सनद १.

—

३

—

जमीदारास अमल सुरळीत देणें म्हणोन चिटणिसी———पत्रें २

१ जावली ( जाहोली ) पंचमहाल.

१ तर्फ अंतू ( त्रू ) ज.

—

२

—

५

रसानगी यादी.

सदरहू सा कलमांच्या दोन सनदा दिल्या, त्यापैकीं भिरवडीकर व साळसकर या पथकांचीं तीन कलमें आहेत, त्यांची सनद वेगळी व बाकीचे कलमांची सनद वेगळी असे.

इ० स० १७७१–७२ इसन्ने सबैन मया व अलफ जिल्हेज २१.

२६६–( ७२६ ) कमावीस भेट राजश्री राव यांस, बदल फिरंगी गोवेंकर यांणीं पाठविली ते जमा, गुजारत चापाजी टिळेकर खिजमतगार, सफेत सनगें दोन दर १०० प्रमाणें रुपये २००.

इ० स० १७७२–७३ सलास सबैन मया व अलफ जमादिलावल ८.

२६७–( ७३९ ) फिरंग्याची सरई सालगुदस्तां तुम्हीं आरमाराकडे धरून आणिली आहे, त्याजवर कपितान फिरंगी व त्याचे लेक दोन याप्रमाणें सांपडले ते कैदेंत ठेविले आहेत, ते सोडावें म्हणोन पाद्री फ्रेल्थाद्र माजरदेस यांणीं हुजूर अर्ज केला; त्यास कपितानास ठेवून कांहीं विशेष लाभ आहे असें नाहीं हें जाणून सोडावयाचा करार केला असे; तरि कपितानास लेकसुधां पाद्रीकडील माणूस येईल त्याचे हवालीं करणें, म्हणोन आनंदराव धुळप यांस बरहुकूम सनद लष्कर

सनद १.

---

A. D. 1772–73. 266. Clothes worth Rs. 200 were sent as a present to the Peshwa by the Portuguese Government of Goa.

A. D. 1770–71. 267. A boat belonging to the Firingi had in the preceding year been seized by Anandrav Dhulap of the navy, and the captain and his two sons were kept in confinement. At the request of a Padre they were ordered to be released and made over to him.

२६८-( ७४३ ) तालुके रत्नागिरी येथील बाऱ्यावर फिरंगी यांचें आरमार येऊन राहिलें आहे, त्यास किल्लयाचे बंदर-किनाराचे भरतीस जदीद माणूस नेमणूकेशिवाय जरुराती कार्याकारण लागेल तें चौकशीनें ठेवून बंदोबस्त करणें, म्हणोन महिपतराव कृष्ण यांचे नांवें सनद १. रसानगी याद.

इ० स० १७७२-७३
सलास सबैन
मया व अलफ
रमजान २०.

# १ राजकीय

## ( ब ) इतर माहिती.

### २३. लहान लहान संस्थानें.

२६९-( ८ ) संस्थान जवार येथील कोळ्यांनीं सन तिसांत मलई करून सरकारचा मुलुख खराब केला, त्यावरून कोळ्याचें पारपत्य करून ठाणें सरकारांत घेऊन बंदोबस्त केला; त्यावरून हालीं मोहनकुंवर राणी हुजूर येवून कितेक आपली एकनिष्ठा दर्शविली, त्यावरून राणीचे मांडीवर कुंवर बसवून नांवास मात्र धणी करून दिला, आणि संस्थानावर स्थापना करून सरकारतर्फेनें तुम्हांस कुलअखत्यार संस्थानचा सांगितला असे; तरि इमानेंइतबारें वर्तोन सरकारसेवा एकनिष्ठेनें करून, सरकार आज्ञेशिवाय काडीमात्र वर्तणूक न

इ० स० १७६२-६३
सलास सितैन
मया व अलफ
रबिलाखर ३.

---

268. Portuguese warships having anchored near the forts in taluka Ratnagiri, the garrison at the said ports and at this fort of Ratnagiri were ordered to be strengthened.

A. D. 1772-73.

# POLITICAL MATTERS.

## MATTERS RELATING TO

### 23. Minor States.

269. Sanad to Rudraji Vishwanath—the Kolis of sansthan Jawar having raised a rebellion in A. D. 1758-59 and devastated a portion of the Govesnment's territory, they were duly punished and the thanah was attached. Rani Mohan Kuvar lately came to the Hurjur and manifested in various ways her loyalty to Government. She was therefore permitted to adopt a son & the adopted son has been installed on the gadi; he is however to be merely a nominal ruler. The whole management of the sansthan is entrusted to you on behalf of Government. Serve honestly and loyally and do nothing without the sanction of Government. Keep the state well under control and see that the Kolis respect the orders of Government. You should arrange these matters by residing in the sansthan yourself.

A. D. 1772-73.

करावी. या गोष्टींचा कल राखून संस्थान सरकारचे लगामीं राखावें. हें काम त्या स्थळीं राहून करणें. येथील आज्ञेंत सर्व कोळी वर्तत ऐसें करणें, म्हणोन रुद्राजी विश्वनाथ यांचे नांवें सनद १.

रसानगी याद.

२७०-( ९ ) विसाजी केशव प्रांत वसई यांचे नांवें सनद कीं, रुद्राजी विश्वनाथ यांसि संस्थान जव्हार येथील कुलअखत्यार सांगोन तैनात सालीना

इ० स० १७६२-६३

सलास सितैन

मया व अलफ

रबिलाखर ३.

नक्त ———— रुपये. कापड ———— आंख.

| | |
|---|---|
| १८०० खाशास. | ४०० खाशास. |
| १००० जातीस. | २५० रावतास दर २५ |
| ८०० पालखीस. | ६५० |
| १८०० | |

२००० स्वार १० दर २०० प्रमाणें.

तीन हजार आठशें नक्त व साडे सहाशें आंख कापड तैनात. पैकीं नालबंदी वगैरे

नालबंदी.

नक्त. कापड आंख.

४००

४९० खासा व पालखी.

३०० जातीस.

१९० पालखी.

४९०

७५० राऊत

१०

१२००

बाराशें नक्त, चारशें आंख कापड, आश्विन मासीं पावते करणें. कलम १

रोजमरा ——— दुमाही ——— रुपये.

१५० दुमाही देखील पालखी.

१२० स्वार १० एकूण आठवडे दरमहा ३ प्रमाणें दुमाही ६ दर २० प्रमाणें रुपये.

२७०

दोनशें सत्तर रुपये दुमाही देत जावे. कलम १.

पालखीस सामान एकसाला नक्त दीडशें एकसाला देणें. रुपये १५० कलम १.

तीन कलमें येणेंप्रमाणें करार केलीं असेत, तर प्रांत वसई येथील ऐवजीं तैनात पावीत जाणें, म्हणोन

सनद १.

---

270. The salary of Rudraji Vishwanath, who was appointed administrator of the sansthan of Jawar was fixed at Rs. 1800 in cash ( including Rs. 800 on account of palanquin ) and Rs. 400 worth of clothes.

A. D. 1762-63.

## बाळाजी जनार्दन यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

२७१-( १७३ ) राजश्री दुर्जनसिंग राजे मांडवीकर यांचे सरंजामाची कुल जप्ती सरकारांत करून तुम्हांस कमावीस सांगितली असे, तरि इमानेंइतबारें वर्तोन अमल चौकशीनें करणें. तुमचे मोइनीची वगैरे नेमणूक:—

इ० स० १७६३-६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
रजब.

खुद्द तुमची मोईन किल्ले दौलताबादेकडे होती त्याप्रमाणें रुपये.

१६१० नक्त ——————— रुपये.

७०० जातीस.
११० दिवट्या अफ्तगिरा.
८०० पालखी.

-----

१६१०

८० कापड आंख २००
अडीच पटाप्रमाणें.

-----

१६९०

एकूण सोळाशें नवद रुपये करार केले असेत. कलम १.

हशम लोक कारकून व खासबारदार व पटेकरी व जासूद वगैरे तुमचे खास पथकाच्या असामी ५२ बावन्न तुम्हांबरोबर करार करून दिल्या असेत, त्यास कदीम तैनात दौलताबादेस होती त्याप्रमाणें करार करून दिली असे; तरि चाकरी घेऊन रोजमरा पेशजीप्रमाणें देत जाणें, त्याची पैवस्तागिरीची तेरीख तुम्हांपासीं आहेतच. करार असे. कलम १.

तुमचे स्वार २५ पंचवीस आहेत त्यांस कापडसुद्धां सालिना मोईन निवळ बिनबटा दर राउतीं रुपयें २०० प्रमाणें रुपये ५००० पांच हजार रुपये सालिना निवळ करार करून दिले असेत, तरि घोडे माणूस धडधडीत करोल वगैरे बाळगावें. बारामाही चाकरी करावी. कलम १.

नरसी भान खुद्द दिमतदार यास तैनात दरमहा रुपये सत्तावीस बारमाही चाकरी, दसमाही कबज, तुमचे खास पथकाकडे करार केलें असे. चाकरी घेऊन रोजमरा देत जाणें. कलम १.

एकूण चार कलमें करार करून दिलीं असेत, तरि जप्तीचा आकार होईल त्यापैकीं रोजमरा देत जाणें व तुम्हीं आपले तैनातपैकीं रोजमरा घेत जाणें. जप्तीचे ऐवजीं मजुरा पडेल, म्हणोन उधो वीरेश्वर यांचे नांवें सनद १.

येविशीं सनदा.

---

271. The saranjam of Durjansing of Mandwi was ordered to be attached and Udho Vireshwar was appointed to manage the sansthan, on a salary of Rs. 1690 a year. Durjansing was informed that the sansthan would be restored after arrears of Nazar due from him were paid.

A. D. 1763–94.

राजे दुर्जेसिंग मांडवीकर यांस कीं, तुम्हांकडील महालचा अमल व ठाणीं जाकिरा-सुद्धां मशारनिलेचे हवालीं करून पावलियाचें कबज घेणें; हुजूर येऊन नजरेच्या ऐवजाचा फडशा जहाल्यानंतर जप्ती मोकळी करणें ते केली जाईल, म्हणोन सनद १.

जमीदारांस, यांशीं रुजू होऊन अमल सुरळीत वसूल देणें, म्हणोन सनदा २.

१ परगणे मांडवी यांस.

१ परगणे पवाडी प्रांत वसईपैकीं गांव द्यावा.

—

२

अमल सुरळीत देणें म्हणोन. — ४

रसानगी याद, छ २३ रजब.

२७२–( २०७ ) सोमशेखर नाईक संस्थान हरपनहल्ली यांचे नांवें कौल लिहून दिला कीं, संस्थान मजकूर येथील साल गुदस्त व साल मजकूरचे खंडणीविशीं आज्ञा केली, त्यावरून मलापा नाईक वकील संस्थान मजकूर व व्यंकटराव मल्हार सरकारचे वकील या उभयतांस तुम्हीं पाठविलें, त्यांणीं हुजूर येऊन सविस्तर तुमचें एकनिष्ठेचें वर्तमान सांगितलें, व रामचंद्र बाबाजी यांणीं लिहिलें त्याजवरून विदित जहालें; त्यास तुम्हांवारि कृपाळू होऊन तुमचे संस्थानास सालगुदस्त हैदर नाईक यांणीं मुलुकाची खराबी केली, त्यावरून सालगुदस्तची खंडणी तुम्हांस माफ करून सालमजकूर सन अर्बा सितैनची खंडणी करार रुपये १५०००० दीड लक्ष देखील सिन्याची पेशकसी व दरबार खर्चसुद्धां करार केली असे. यासि तपशील:—

इ० स० १७६३–६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
जिल्हेज २.

१००००० सरकारांत द्यावे.

५०००० छ. ८ जिल्हेज, हरपनहल्लीस द्यावे.

५०००० छ. १९ जिल्हेज, साहुकारी निशा करून द्यावी.

१००००० 

---

272. Tribute was due from Somshekhar Naik of sansthan Harpanhalli for two years, The sansthan having been attched and plundered during the preceding year by Haidar Naik, the tribute for that year was remitted. The tribute for the current year was fixed at Rs. 150,000. It was stipulated that of this amount Rs. 100000 should be paid in cash, and that in lieu of remainder Somshekhar should personally serve the Peshwa with 300 sowars and 4000 sepoys.

A. D. 1763-64.

५०००० तुम्हीं खासा स्वारीसमागमें तीनशें स्वार व चार हजार प्यादे यां-
निशीं चाकरीस यावयाचा करार केला आहे, सबब खर्चास वगैरे द्याव-
याचा करार केला आहे ते घ्यावे. कराराप्रमाणें चाकरीस आल्यास
मजुरा पडतील.

---

१५००००

एकूण दीड लक्ष रुपये. पैकीं एक लक्ष रुपये सरकारांत द्यावयाचे त्याचे होन हरपन-हल्ली सालाबाद शिरस्तेप्रमाणें दर होनास रुपये ३।।।= पावणे चार चवल प्रमाणें मुदतीस ऐवज पावता करून कबज घेणें; व पन्नास हजार रुपये कराराप्रमाणें तुम्हीं घेणें. सदरहू केल्या कराराप्रमाणें तुम्हीं वर्तल्यास मुलुकास जाजती उपसर्ग लागणार नाहीं. खातरजमा असों देणें, म्हणोन

सनद १.
रसानगी यादी.

२७३-( २१७ ) रामापा नाईक हाडे, संस्थान बल्हारी, यांस कौल लिहून दिला कीं, खासा स्वारी फौजसहवर्तमान या प्रांतीं जाहली, याजकरितां विसाजी नारायण व तुम्हांकडील श्रीनिवास विठ्ठल वकील यांणीं हुजूर येऊन तुमची एकनिष्ठता सांगोन रदबदल केली; त्याजवरून संस्थानची नातवानी चित्तांत आणून, तुमच्या एकनिष्ठेवर नजर देऊन, जीवनमाफीक इस्तक बिल सन सलास तागाईत सन अर्बा सितैन दुसाला खंडणी रुपये २०००० वीस हजार करार केले असेत, तरि सदरहू ऐवज इस्तक बिल छ. ९ जिल्हेजपासून एक महिन्यानें सरकारांत भरणा करून जाब घेणें. याखेरीज

इ० स० १७६४-६५
**खमस सितैन मया व अलफ**
जिल्हेज १२.

कलमें:—

राजश्री सखाराम भगवंत यांस नजर रुपये १००० एक हजार रुपये करार केले असेत, तरि खंडणीच्या ऐवजाबरोबर पावते करून जाब घेणें. ———— कलम १.

---

273. Kaul to Ramappa Naik Hade, sansthan Ballhari:—The Peshwa having come in person to this province, Visaji Narayan and your agent Shrinivas Vithal represented your loyalty to the Peshwa and interceded on your behalf. Having regard to the poverty of your sansthan, the amount of tribute leviable from you on account of the past two years, is fixed at Rs. 20,000. You should further pay Rs. 1000 as nazar to Sakharam Bhagwant and one khandi of gunpowder and half a khandi of lead to Government. Rest assured that, if you pay as above, you will not be molested any further.

A. D. 1764-65.

जंगी सामान वजन पक्कें.

१ दारू.

॥. शिसें.

---

१॥.

दीड खंडी वजन पक्कें क्षेपनिक्षेप सरकारांत पावतें करून जाब घेणें. कलम १.
येणेंप्रमाणें दोन कलमें करार करून दिलीं असेत. तरि कराराप्रमाणें ऐवज व जिन्नस सरकारांत वसूल देऊन एकनिष्ठेनें वर्तल्यास कराराप्रमाणें निभावेल, जाजती उपसर्ग लागणार नाहीं. खातरजमा राखणें, म्हणोन कौल १.

रसानगी यादी.

इ० स० १७६४–६५
**खमस सितैन मया व अलफ**
मोहरम १७.

२७४–( २३१ ) चेनराज दलवाई संस्थान विद्यानगर यांचे नांवें कौल कीं, तुम्हांकडील रंगोपंत हणमंतराव यांणीं हुजूर येऊन विनंती केली कीं, सालाबाद खंडणी चाळीस हजार रुपये सरकारांत द्यावयाचा करार आहे त्यांस सालमजकुरीं संस्थानांत ताकत नाहीं, याजकरितां संस्थानिकांवर रयात करून सालमजकूरची खंडणी करार केली पाहिजे म्हणोन, त्याजवरून तुम्हीं सरकारांत साल दरसाल एकनिष्ठेनें रुजू आहां हें जाणून व तुमचे नातवानीवर नजर देऊन सालमजकुरीं रयात करून खंडणी करार ——— रुपये.

१२००० ऐन खंडणी.
५००० सखाराम भगवंत यासि.

---

१७०००

यासि हसेबंदी.
८००० आषाढ अखेर.
९००० श्रावण अखेर.

---

१७०००

एकूण सतरा हजार रुपये करार केले असेत. सदरहूप्रमाणें ऐवज दोन महिन्यांत सरकारांत पावता करून जाब घेणें. सालमजकूरचे खंडणीचा जाजती आजार लागणार नाहीं. मागील सन सलास व सन अर्बा दुसाला खंडणी सरकारचे तहाप्रमाणें तुम्हांकडे राहिली

---

A. D. 1764–65.

274. Chenraj Dalwai of sansthan Vidyanagar represented that owing to the poverty of his sansthan he was unable to pay the amount of tribute previously fixed at Rs. 40,000, and prayed that the amount might be reduced. The tribute was fixed at Rs. 17,000, Rs. 12,000 being paid to Government and Rs. 5000 to Sakharam Bhagwant.

आहे, त्यास तीर्थरूप कैलासवासी नाना यांणीं तुम्हांस तह करून दिला आहे तो सरकारांत आणून दाखवणें, म्हणजे मागील दुसाला खंडणीचा फडशा करून दिला जाईल, म्हणोन संस्थानियांचे नांवें कौल १.

रसानगी यादी.

२७५-( २९६ ) सोम भूपाल संस्थान गदवाळ यांचे नांवें पत्र कीं, होरवळी गांव तुम्हांकडील कर्नोळकर नबाबानें घेऊन तुम्हांस उपद्रव केला आहे, त्यास सदरहू गांवचें ठाणें नारो रायाजी दिमत रामचंद्र गणेश यांजकडे द्यावयाविशीं कर्नोलकरास पत्र लिहिलें आहे, त्यास तुम्ही सदरहू गांवाखालील आठ गांव तुम्हांकडे आहेत ते मशारनिलेकडे देविले असेत, यांचे स्वाधीन करणें, म्हणोन चिटणिसी पत्र १.

इ० स० १७६४-६५
खमस सितैन
मया व अलफ
रविलाखर २६.

सदरहू गांव दिल्यानें तुम्हांस उपद्रव लागणार नाहीं म्हणोन लिहिलें असे.

२७६-( २७३ ) रंगापा नाईक संस्थान कनकगिरी यांचे नांवें कौल लिहून दिला कीं, खासा स्वारी या प्रांतें जाहली त्यावरून तुम्हांस खंडणीविशीं आज्ञा केली, त्यावरून तुम्हीं राजश्री तुळोजी अनंत यांस हुजूर पाठविलें, त्यांणीं तुमचा एकनिष्ठेचा प्रकार कितेक विदित केला व विसाजी नारायण यांणीं विनंती केली, त्यावरून उभयतांचे विद्यमानें सन सलास सितैन व सन अर्बा सितैन दुसाला खंडणी करार रुपये.

इ० स० १७६४-६५
खमस सितैन
मया व अलफ
जमादिलोवल २५.

---

275. A letter to Soma Bhupal of sansthan Gadwal :—The Nawab of Karnol has taken your village of Horwali and is troubling you. The Nawab has been directed to restore the thana Horwali to Naro Rayaji in the employ of Ramchandra Ganesh. You should also hand over to him the eight villages which are under the jurisdiction of the said thana. If you do so, you will be saved from further trouble.

A. D. 1764-65.

276. The tribute to be levied from Rangappa Naik of sansthan Kanakgiri on account of 2 years, was fixed at Rs. 16000. Rangapa was told that if he remained loyal to Government and assisted the mamlatdar of Kopal, whenever it might be necessary, he would not be subjected to futher levy.

A. D. 1794-65.

१३००० ऐन संस्थान मजकूर.

१२००० ऐन खंडणी.

१००० राजश्री सखारामपंत यांचे.

१३०००

३००० कसबे तावलगिरें व खालील दोन खेडीं मिळोन.

१६०००

एकूण सोळा हजार रुपये करार केले असेत, सरकारांत ऐवजाचा भरणा करून जाब घेणें. तुम्हीं सर्व प्रकारें सरकारांत रुजू असावें. कोपलकर मामलेदारास ज्या समयीं कामकाज पडेल त्या समयीं रुजू राहून साहित्य करीत जाणें. सदरहूप्रमाणें वर्तल्यास जाजती आजार लागणार नाहीं, कौल असे, म्हणोन——कौल १.

रसानगी यादी करारी.

इ० स० १७६४–६५
खमस सितैन
मया व अलफ
जमादिलाखर १७.

२७७–( २८९ ) तिमपा नाईक संस्थान रायदुर्ग यांचे नांवें सनद कीं, संस्थानची सन सलासपासोन तिसाला ख़ंडणी होणें त्याविशीं सरकारांतून आज्ञा जाली, त्यावरून तुम्हीं रामराव सुभराव यांस हुजूर पाठविलें, त्यांणीं तुमचे एकनिष्ठपणाची व संस्थानचे नातवानीची विनंती केली. सलास अर्बा दुसालाची खंडणी हैदर नाईक यांणीं घेतली, यामुळें संस्थान खराब जहालें, परंतु आपण सरकारांत रुजू आहों, तरि कृपा करून दुसाला मागील खंडणी माफ करून सालमजकूरची जीवन-मवाफिक करार करून द्यावी, त्याप्रमाणें उगवणी देऊं म्हणोन; त्यावरून मनास आणून तुम्ही एकनिष्ठपणें रुजू आहां हें जाणून सालमजकूर सन खमसची खंडणी करार——रुपये.

---

A. D. 1764–65.

277. Tribute for 3 years due from Timappa Naik of sansthan Raydurg was in arrears. He represented that tribute for 2 years was levied from him by Haidar Naik, and requested that the amount due for that period might be remitted. His request was complied with. The tribute for the current year was fixed at Rs. 43,000–Rs. 40,000 tribute proper and Rs. 3000 darbarkharch.

४०००१ ऐन.
३००० दरबारखर्च.

४३००१

यासि मुदती.

२१५०० पौष शुद्ध दशमी.
२१५०१ माघ शुद्ध दशमी.

४३००१

एकूण त्रेताळीस हजार एक रुपया करार करून दिला असे, तरि सदरहू दोन मुदती-प्रमाणें क्षेपनिक्षेप ऐवज सरकारांत पावता करून पावल्याचे जाब घेणें, तेणेंप्रमाणें मजुरा पडेल. याखेरीज कलमें.

सलास अर्बा दुसाला खंडणी हैदर नाईक याणें घेतली, सबब सरकारांतून माफ केली असे. कलम १.

पेशजी संस्थानची खंडणी होऊन ऐवज ज्यास देविला आहे त्याप्रमाणें त्यांस पावता करणें. कलम १.

खंडणीचे ऐवजाचे होन पेशजीच्या दराप्रमाणें सालमजकुरीं भरणा करणें. कलम. १

संस्थानाच्या ब्राह्मणांस सालाबाद खंडणीसमयीं धर्मादाव पावत असेल त्याची असल सनद आणून दाखवणें, पाहून आज्ञा करणें ते केली जाईल. कलम १.

सालाबाद नजर सिरे असें कौलांत लिहित असल्यास, सालमजकुरीं करार. सालाबाद नसल्यास तें आलादें कलम १. येणेंप्रमाणें.

येणेंप्रमाणें पांच कलमें करार केलीं असेत. सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें, म्हणोन खंडणी कौल ——— १.

रसानगी यादी.

इ० स० १७६४-६५
खमस सितैन मया व अलफ
रजब ९.

२७८-( २९९ ) संस्थान गदवाल निसबत राजे सोम भूपालराव बहादर यांचे नांवें कौल लिहून दिला कीं, राजश्री माधवराव रत्नाकर यांणीं विनंती-पत्र पाठविलें, व तुम्ही सरकारांत एकनिष्ठेनें वर्तणूक करितां, म्हणोन एकनिष्ठेवर नजर देऊन संस्थानाकडे खंडणीचा ऐवज करार रुपये. येणेंप्रमाणें

---

A. D. 1764-65.

278. Tribute of Rs. 25000 for the current year, Rs. 20000 tribute proper and Rs. 5000 as secret money to Sakharam Bhagwant, in addittion to Rs. 25,000 on account of arears were ordered to be recovered from Raje Soma Bhupalrav Bahadar of sansthan Gadwal.

२९००० सालमजकुरींचा खंडणी करार रुपये.
२०००० ऐन खंडणी.
५००० अंतस्थ राजश्री सखाराम भगवंत.

२९०००

२५००१ चार पांच सालें संस्थानाकडील ऐवज सरकारांत आला नाहीं, सबब साले सालाची बाकी कांहीं राहिली असेल ती व कांहीं खंडणी सुद्धां अजमासें. रुपये.
२०००१ ऐन खंडणी.
९००० अंतस्थ राजश्री सखाराम भगवंत.

२९००१

५०००१

एकूण पन्नास हजार एक रुपया खंडणीचा ऐवज करार केला असे तारि, सदरहू ऐवजाचा वसूल सरकारांत देऊन सुखरूप रहाणें, म्हणोन कौल १.

रसानगी यादी.

इ० स० १७६४–६५
खमस सितैन मया व अलफ
जिल्काद ६.

२७९–( ३१७ ) हणमपा नाईक हाडे वजारत पन्हा संस्थान बलारी यांचें नांवें कौल कीं, संस्थान मजकूरची खंडणी श्रीनिवास विठ्ठल व कांतराऊ रामचंद्र वकील संस्थान मजकूर यांचे मार्फतीनें तुमचे एकनिष्ठतेवर व संस्थानचे नातवानीवर नजर देऊन खंडणी साल मजकूर रुपये.
३०००१ ऐन खंडणी साल मजुकूर.

---

A. D. 1764–65.

279. The tribute to be levied from Hanmappa Naik Hade Wajarat Panha of sansthan Bellary was fixed at Rs. 50,000 as below:—

Rs. 30,000 tribute for one year.
Rs. 5,000 nazar for succeeding to the sansthan in place of Ramappa Naik Hade deceased.
Rs. 15,000 nazar for being allowed to retain Emenoor and five other villages, taken from the sansthan of Anegondi.

५००० रामापा नाईक हाडे मृत्यु पावले, संस्थानचा अधिकार तुम्हांस जहाला, त्याप्रमाणें सरकारांतून करार केला सबब नजर.

१६००० संस्थान आनेगोंदी येथील मौजे येमेनूर वगैरे गांव ६ तुम्हीं घेतले आहेत, त्याप्रमाणें सरकारांतून तुम्हांकडे करार केले सबब नजर.

६०००१

यांसि हप्ते बंदी.

२६००१ तूर्त छ. १० जिल्कादीं द्यावे. येणेंप्रमाणें करार.

२५००० साहुकारी निशा करावी.

१ सिनापा नाईक.

१ बटमकर.

१ बिदापा नाईक जखाते.

एकूण तिघेजण यांणीं जामीन होऊन पत्र लेहून दिलें आहे. मुदती.

१२६०० छ. ६ जिल्हेज.

१२६०० छ. ६ मोहरम.

२६०००

५०००१

एकूण पन्नास हजार एक रुपये करार करून दिले असत. सदरहू मुदतीप्रमाणें सरकारांत भरणा करून पावल्याचे जाब घेणें; तेणेंप्रमाणें खंडणीचे ऐवजीं मजुरा असत. याखेरीज कलमें:—

खंडणीचा ऐवज सालाबादच्या निरखाप्रमाणें होनांचा ऐवज सरकारांत घेतला जाईल. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

संस्थान मजकुरीं वैदिक ब्राह्मण आहेत त्यांजपासून खंडणी घेऊं नये. येणेंप्रमाणें करार. १.

सन इसन्नेचे खंडणीस विसाजी नारायण यांची निशा होती, त्याचा ऐवज संस्थानाकडे बाकी राहिला आहे, त्याची निशा करून पावती आणून देणें. येणेंप्रमाणें. कलम १.

येणेप्रमाणें तीन कलमें करार करून दिलीं असत. सदरहू लिहिल्याप्रमाणें वर्तणूक करणें. सरकारांत एकनिष्ठपणें रुजू रहाणें, म्हणोन लिहून दिला ———— कौल १.

रसानगी यादी.

२८०-( ३१९ ) संस्थान सिरगोपें ऊर्फ लोचनगुंड निसबत विरूपाक्ष गौडा-यांचे नांवें कौल लिहून दिला कीं, संस्थान मजकूर बमय सोमलापूर येथील साल मजकूरची खंडणी करार मारुफात जिवाजी नरसिंह वकील साल मजकूर ———— ————रुपये:—

इ० स० १७६४-६५
खमस सितैन
मया व अलफ
जिल्काद २६.

१७५०१ तूर्त.

१७५०० एक महिन्यानें पावत अशी साहुकारी निशा करून द्यावी.

३५००१

एकूण पसतीस हजार एक रुपया सदरहू मुदतीप्रमाणें करार केला असे, तरि सालाबादप्रमाणें सदरहू ऐवजाचा भरणा करून पावल्याचा जाब घेणें; तेणेंप्रमाणें मजुरा पडेल. याखेरीज कोणे गोष्टीचा उपद्रव लागणार नाहीं, अभय असे, म्हणोन —कौल १.

रसानगी यादी.

## दादासाहेबांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

२८१-( ३३६ ) सोम भूपाळ संस्थान गदवाल यांस पत्र कीं, तुम्हीं पत्र पाठविलें तें पावलें. सविस्तर एकनिष्ठेतचा अर्थ राजश्री व्यंकाजी आरके यांनीं विनंती केला. ऐशियास तुमचे वडील राजाराव हमेशा सरकारांत रुजूच राहत गेले. तुम्हीं दूरंदेशी चित्तांत न आणतां कार्यवादूपणावर नजर ठेवून आज पावेतों टाळाटाळ केली, हें उत्तम न केलें; याजमुळें त्या संस्थानावर नेकनजर नवती. इतक्यांत श्रीयात्रेहून राजश्री कृष्णराव बापूजी पारसनीस आले त्यांणीं तुमचे निष्ठेचा व संस्थानावर कसाला पडत गेला याचा अर्थ व पुढें सर्व प्रकारें सरकारांत रुजू रहावें हा प्रकार विनंती केला व तुम्हांकडून वकील पत्रें वस्त्रें घेऊन आले, त्यावरून जो सरकाराशीं रुजू त्याजवर कृपाच

इ० स० १७६४-६५
खमस सितैन
मया व अलफ
जिल्हेज १३.

---

280. Tribute amounting to Rs. 35,000 was imposed on Virupaksha Gouda of sansthan Sirgope alias Lochangund

A. D. 1764-65.

281. Soma Bhupal of sansthan Gadwal was imformed that his father Rajarav had always been loyal to Governmet and that he was ill-advised in deferring the payment of the tribute for 4 years. The amount was now fixed at Rs. 75,000.

A. D. 1764-65.

होत गेली. चार सालें सरकारची मामलत न चुकली, संस्थानावर कसाला पडला, सबब तुमचे एकनिष्ठतेवर नजर देऊन रयातीनें जीवनमवाफीक खंडणी व्यंकाजी आरके यांचे विद्यमानें करार —————————————————— रुपये:—

१५००० सन इसन्ने सितैन.
१५००० सन सलास सितैन.
१५००० सन अर्बा सितैन.
२०००० सन खमस सितैन.

६५०००
१०००० दरबार खर्च चौसालां मिळोन.

७५०००

एकूण पाऊण लक्ष रुपये ऐन खंडणी व दरबारी खर्च मिळोन करार करून मशारनिले यांची रवानगी केली. तर सदरहू ऐवज सरकारांत पावता करून, पावलियाचा जाब घेऊन ज्या गोष्टीनें संस्थानचें कल्याण व पुढें उपसर्ग कोणेविशीं न लागेल तें करणें. रयातीनें खंडणी केलियाप्रमाणें ऐवजाचा भरणा सत्वर जहाल्यास सदरहूप्रमाणें खंडणीचा करार असे. यांत अंतर पडल्यास हे खंडणी मंजूर नाहीं. उपरांतीक जसा प्रकार दृष्टीस पडेल तसें केलें जाईल, म्हणोन छ. १२ रजब.

२८२–( ४४१ ) पाम नाईक पीड नाईक बहिरी संस्थान सुरापूर, यांचे नांवें जाब लिहून दिला कीं, तुम्हांकडे संस्थान मजकूर येथील साल गुदस्तचे खंडणीचा ऐवज येणें त्यापैकीं सरकारांत भरणा.

इ० स० १७६५–६६
सित सितैन मया व अलफ
जमादिलाखर १.

७८७५।≡ जमा पोतां.

| | |
|---|---|
| १९२१ नक्त. | २२५ उटकूर. |
| १६९६ इटावा. | |
| | १९२१ |

---

282. Tribute of Rs. 19,901 was received from Pam Naik Pid Naik of sansthan Surapur.
A. D. 1765–66.

३२३२।≡ सोनें वजन तोळे
२०८॥-॥ दर १५॥
प्रमाणें रुपये.
१०९५। मोहरा नाणें ७७ दर
१६०७॥= होन नाणें ४०२
१२५८८= एलोरी नाणें ३०५
दर ४८=
२८ चेनापटण ७ दर
४ प्रमाणें रुपये
२४ अच्युतराई ६ दर
४ प्रमाणें रुपये
२२७॥ धारवाडी नाणें ६५
दर ३॥ प्रमाणें रुपये
२० दुर्गी नाणें ५ दर
४ प्रमाणें
४२ सावनुरी १२ दर
३॥ प्रमाणें रुपये
८ सनागिरी २ दर ४

१९८= पुतळी वजन तोळे १८= दर १७
७८७५।≡ प्रमाणें रुपये
११९८ जमा जामदारखाना सनगें रुपये
एकूण सवादुपट एकूण ४९७७।
८२८ गुजारत राघो नीलकंठ वकील
छ० १ जमादिलाखर जमा परभारे
रुपये.
३५ लाडलपा दिवाण संस्थान मजकूर
यांस वस्त्राबद्दल रुपये
१४० भाडेंखर्च खंडणीचे ऐवजांत
कापड घेतलें त्यास भाडें बैल सर
७ एकूण रुपये
३० प्यादे दिमत संस्थान मजकूर
यांस पोटास रुपये
६०० राघोजी निळकंठ वकील सरकार
यास रोजमरे एकूण रुपये
२३ जासूदजथे लिंगोजी नाईक यास
रोजमरे दीड माही २ दोन

१६०७॥= ४०२ ८२८

१९९०१।≡

एकूण एकूणीस हजार नऊशें सवा रुपया तीन आणे राघो नीळकंठ व नरसिंगराव नारायण यांचे गुजारतीनें सदरहूप्रमाणें सरकारांत जमा जहाले असेत. तुम्हांस खंडणीचे ऐवजीं मजुरा पडतील. खंडणीपैकीं बाकी ऐवज राहिला आहे तो झाडियानिशीं पत्रदर्शनीं पाठवून देणें, म्हणोन
जाब १.

२८३– ( ४१३ ) पाम नाईक पीड नाईक बहिरी संस्थान सुरापूर, यांचे नांवें सनद कीं, संस्थान मजकूर येथील साल मजकूरची खंडणी करार.

इ० स० १७६५–६६
**सित सितैन**
**मया व अलफ**
जमादिलाखर. २

रुपये.
५०००० ऐन खंडणी.
५००० दरबारखर्च.

५५०००

283. The tribute to be levied from Pam Naik Pid Naik Bahiri for the current year was fixed at Rs. 55,000.
A. D. 1765-66.

तपशील.

३०००० नक्त द्यावे.

२५००० कापड दुपटीचे किमतींचें सरकारांत द्यावें.

---

५५०००

एकूण पंचावन हजार रुपये सदरहूप्रमाणें करार करून हें पत्र तुम्हांस सादर केलें असे, तरि अखेर साल पावेतों ऐवजाचा भरणा सरकारांत करून पावलियाचा जाब घेणें. याखेरीज, सालगुदस्ताचे खंडणीची बाकी राहिली आहे ते पत्र पावतांच झाडियानशीं हुजूर पाठवून देणें, म्हणोन मशारनिलेस सनद १.

रसानगी यादी.

२८४- ( ४४४ ) बाजीराव आपाजी यांचे नांवें सनद कीं, उदेसिंग संस्थान वसदे हे स्वारीबरोबर होते, मुलेंमाणसें संस्थानीं होतीं, त्यास जोरावरसिंग याणें सुरतेहून कुमक आणून संस्थान मजकूर लुटलें, यामुळें मुलेंमाणसें परागंदा जाहालीं, सबब तूर्त पोटखर्चास दरमहा रुपये १०० शंभर देविले असेत. तालुके धोडपपैकीं देत जाणें, पुढें संस्थान मजकूर मशारनिलेचें स्वाधीन जाहल्यावर उगवून घेणें, म्हणोन मशारनिलेचे नांवें सनद.

इ० स० १७६५-६६
सित सितैन
मया व अलफ
जिल्हेज २५.

रसानगी यादी.

## दादासाहेब यांच्या रोजकीर्दीपैकीं. लेखांक २८५-२८६.

२८५- ( ४४७ ) तुम्हांकडे खंडणीपैकीं जिनसाबद्दल लाख रुपये येणें, त्याचे वसुलास बाळाजी पांडुरंग कारकून शिलेदार पाठविले आहेत, तरि सदरहू लाख रुपयांचा भरणा मशारनिले यांजकडे करून कबज घेणें, म्हणून राव छत्रजित संस्थान दतियाचे नांवें सनद १.

इ० स० १७६५-६६
सित सितैन
मया व अलफ
जिल्हेज ९.

रसानगी बाळाजी पांडुरंग.

---

284. While Udesing of sansthan Wasde was with the camp of the Peshwa, Joravarsing obtained help from Surat and pillaged the sansthan. Udesing was granted a monthly allowance of Rs. 100 pending the restoration to him of his sansthan.

A. D. 1765-65.

285. Balaji Pandurang Karkun was deputed to recover Rs. 1,00,000 due from Chhatrajit of sansthan Datiya on account of tribute.

A. D. 1765-66.

२८६–( ४५० ) संस्थान वोडसें निसबत हटेसिंग यांचें नांवें जाब लेहून दिले.

इ० स० १७६५–६६
सित सितैन
मया व अलफ
जिल्हेज ११.

संस्थान मजकूर येथील खंडणी मल्हारजी होळकर यांचे विद्यमानें जहाली त्यापैकीं भरणा:—

८०००० कित्ता जाब. रुपये.

५०००० जवाहीर व रुपये व हत्यारें.

२५९०० जवाहीर व रुपये मिळोन.
२४१०० जडाव हत्यारें दागिनें एकूण
५००००

३०००० हत्ती व घोडा व उंटें मिळोन किंमत रुपये.

२३००० हत्ती नग ४ एकूण.
४२०० घोडी रास २३
२८०० उंट नफर १४
३००००

८००००

३०००० प्रत जाब हवाला सिदापा शेट यांणीं घेतला आहे, सरकारांत भरणा अद्याप जहाला नाहीं, परंतु सदरहू जाब शेट मजकूर यांचे हवालीं केला असे. सदरहू ऐवज वसूल जाहलियावर जाब द्यावा, नाहीं तरि माघारा आणून द्यावा. याप्रमाणें करार असे. रुपये.

२०००० ऐन खंडणीपैकीं.
१०००० दरबारखर्चाबद्दल करार केले ते रुपये.
३००००

११००००

एकूण एक लक्ष दहा हजार रुपये सिदापा शेट वीरकर यांचे गुजारतीनें सरकारांत जमा जाहले असेत, म्हणोन——————————जाब २.

रसानगी यादी.

---

286. Tribute of Rs. 1,10,000 was received from Hatesing of sansthan Wodse.

A. D. 1765-66.

२८७-( ४६६ ) संस्थान सुरापूर निसबत पाम नाईक बहिरी यांचे नांवें खंडणी कौल कीं, सालगुदस्तां सन सित सितैनांत पंचावन्न हजार रुपये खंडणी तुम्हांकडे करार करून कौल पाठविला, त्याचे मजकुराविशीं तुम्हीं तिमाजी मलेगीर वकील यांस हुजूर पुणियास पाठविलें, त्यांणीं कितेक नातवानीचा मजकूर विदित केला; त्याजवरून संस्थानावर नजर देऊन पंचावन्न हजार पैकीं सूट रुपये १५००० पंधरा हजार रुपये देऊन बाकी मुकरार खंडणी करार रुपये ४०००१ चाळीस हजार एक रुपया, यास बयान रुपये.

इ० स० १७६६-६७
सबा सितैन
मया व अलफ
रबिलाखर २१.

२०००१ ऐन नक्त.
२०००० कापड विसाजी कृष्ण यांचे स्वारींत घेतलें त्या शिरस्तेप्रमाणें.

---

४०००१

एकूण चाळीस हजार एक रुपया कार्तिक शुद्ध प्रतिपदेस ऐवज द्यावा. याप्रमाणें करार करून तिमाजी मलेगिरी यांजपासून करार लेहून घेऊन मशारनिलेस रवाना केले असे; तरि सदरहू चाळीस हजार एक रुपया ऐवज मुदतीबरहुकूम नक्त व कापड राघो निळकंठ यांजबरोबर हुजूर पुणेयास पाठवून देणें; याखेरीज कलमाची याद अलाहिदा लेहून पाठविली आहे, त्याप्रमाणें वर्तणूक करणें, व सन खमस सितैनचे खंडणीपैकीं ऐवज बाकी राहिला आहे. तो झाडेयानिशीं याच ऐवजाबरोबर हुजूर पाठवणें आणि पावल्याचा जाब घेणें, म्हणोन

कौल १.

रसानगी यादी.

याशिवाय मशारनिलेकडील वकिलाजवळ याद लेहून दिली त्याचीं कलमें.

आनंदराव भिकाजी रास्ते यांजकडील कमाविसदार आनंदराव निंबाजी यांची वस्तभाव जुंजांत व ठाण्यांत जी गेली असेल ती मशारनिलेनीं शफतपूर्वक विल्हे करावी. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

---

287. The tribute leviable from Pam Naik Bahiri of sansthan Surapur was at his request reduced to Rs. 40,001. It was at the same time stipulated that Pam Naik should restore to Anandrao Nimbaji, a Kamavisdar of Anandrao Bhikaji Raste, all property taken from him in battle, and to abstain from giving any tronble till the conclusion of a treaty.

A. D. 1766-67.

सरकार तालुक्यास चिठीचपाटी करून हरएकविशीं तह होय तो पावेतों उपद्रव करूं नये. तह जाहालियावर तहाप्रमाणें वर्तणूक करावी. जाजती वर्तणूक करूं नये. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

सालमजकूर सन सबाची खंडणी होणें व रास्त्यांकडील वगैरे तालुक्याचा तह होणें त्याबद्दल संस्थानांतून मातबर वकील, सरकारचे चाळीस हजार एक रुपया येणें, त्याजबरोबर पाठवून द्यावा. व संस्थानचे उमळी गांव वगैरे यांच्या पातशाही फर्मान वगैरे सनदा असतील त्या पाठवून द्याव्या, त्या पाहून माघाऱ्या पाठवून दिल्या जातील व करारमदार होणें ते होऊन बंदोबस्त करून दिल्हा जाईल. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

एकूण तीन कलमें करार केलीं असेत. सदरहू लिहिल्याप्रमाणें संस्थानांतून वर्त्तणुकेंत आणावें.

इ० स० १७६६–६७
सबा सितैन
मया व अलफ
रबिलाखर २९.

२८८–( ४७१ ) आनंदराव धुलप यांचे नांवें सनद कीं, साल गुदस्तां हेट प्रांतीं सरकारची स्वारी गेली तेव्हां अली राजा संस्थान कन्हानूर यांणीं सरकारचा स्नेह संपादावा या अर्थें सरकारांत भेट हत्ती नग १ एक व भला माणूस तुम्हांकडे पाठविला, त्यास बहुमान वस्त्रें हत्यारें पाठविलीं त्यांस वगैरे खर्च जाला तो रुपये.

१०० राजास व कारभाऱ्यास वस्त्रें पाठविलीं त्यांची किंमत.

७५ हत्यारें निमचे दोन एकूण.

२५ हत्ती आरमारावर चढवावा त्यास त्याजकडून लोक आले होते त्यांस पोस्ताबद्दल इनाम.

———

२००

एकूण दोनशें रुपये तुम्हांकडील आरमाराचे बेगमीस सालमजकुरीं ऐवज दिला आहे त्यापैकीं घेणें, म्हणोन

सनद १.

रसानगी यादी.

---

A. D. 766-67.

288. In the previous year the Peshwa had gone to the province of Het and then Ali Raja of sansthan Kanhanur had sent him a present of an elephant. Anandrav Dhulap in charge of the fleet was given credit for the following expenditure:—clothes sent to the Raja and his Karbhari worth Rs. 100 and cash to the men who assisted in getting the elephant on board.

२८९-( ७४६ ) पतंगशाहा राजे संस्थान जवार यांचे नांवें सनद कीं, जवारचा

| | | |
|---|---|---|
| | | तालुका अदमासें आकार —— रुपये. |
| इ० स० १७६६-६७ सबा सितन मया व अलफ जमादिलाखर ४. | ३००० | परगणे देहरजें जकातसुद्धां. |
| | ८०० | परगणे गंजाड जकातसुद्धां. |
| | २०० | परगणे तळवडें. |
| | ३००० | जवार हवेली व सातगांव जकातसुद्धां. |
| | ७००० | |

सात हजार रुपये आकार कमावीससुद्धां अदमासें आहे. ऐशास संस्थान प्राचीन, याचें चालवणें जरूर, यास्तव तीर्थरूप कैलासवासी संस्थानची स्थापना करीत आले. कृष्णशाहा दुर्बुद्धीस प्रवर्तोन सरकार तालुक्यास उपद्रव करूं लागले, तेव्हां सन सलासांत त्यांजकडील संस्थान दूर करून मोहनकुवर राणी यांणीं तुम्हांस बोटींत घेतलें, यास्तव तुम्हांस करार करून स्थापना केली. त्या उपरि कृष्णशहा सरकारांत येऊन पदरीं पडले तेव्हां अन्याय बक्षीस करून फिरोन स्थापना त्यांची केली. त्याजवर दोन वर्षें कराराप्रमाणें वर्तले. गुदस्तां लबाडी करूं लागले यास्तव वसई सुभांहून संस्थान मजकुरीं लोक पाठविले. तेथें आंतचे आंत कटकट होऊन कृष्णशहा मारले गेले. हल्लीं मोहनकुवर राणी यांणीं हुजूर मुकाम पुणेयाचे मुकामीं येऊन विनंती केली कीं, कृष्णशहा कर्मानरूप फळ पावला, ऐशास पतंगशहाची स्थापना पूर्वीची सरकारचे हातची आहे त्याप्रमाणें हल्लीं करावी,

---

289. Krishna Shaha Raja of sansthan Jawar having become hostile to government and pillaged some Government villages in

A. D. 1766-67. A. D. 1762-63, the sansthan had been conferred on Patang Shaha, the adopted son of Krishna Shaha's queen, Rani Mohon Kuvar. Krishna Shaha subsequently submitted to Government and received a free pardon. He was then re-installed on the throne. Two years afterwards he again commenced to act treacherously, and a force was sent against him from Bassein. He was, however, murdered by his own followers. Mohon Kuvar then prayed for the installation of Patang Shaha in her husband's place. The prayer was granted. Patang Shaha was informed that his retinue should not exceed 10 or 20 men, that he should continue loyal to Government, that certain Government officers were appointed for service in the thana of Jawar, that intelligence regarding any disturbance should be furnished to Government, and that Rs 1.000 should be paid as nazar.

आज्ञेप्रमाणें वर्तणूक करूं म्हणोन; त्याजवरून संस्थान सरकारचें, तुमची स्थापना करून तुमचें चालविणें जरूर जाणोन, संस्थानसुद्धां सदरहू तालुका सात हजारांचा अदमासें सुदामतप्रमाणें तुमचे स्वाधीन केला असे. तितक्यांत आपला व कोळी नाईखवाडी व खास जिलिबीचे दहा वीस माणूस मात्र ठेवावे, त्यांचा खर्चवेंच संभाळून संस्थान हुशार राखावें, जाजती शिबंदी ठेवूं नये. जवारचे ठाण्यांत सरकारतर्फेचे लोक व कारकून व देवजी अवधूतराव यांस ठेविले आहेत. त्यांची नेमणूक अजमासें सात हजार आठशें रुपये सरकारांतून वसई सुभ्याकडे सालमजकुरीं करून दिली आहे. तुम्ही एकनिष्ठ आहां तों लोक तुमचे विचारें वर्ततील. तुमचे निसबतचा कारभार देवजी अवधूतराव यांस सांगितला आहे. ते तुमचे आज्ञेंत वर्तणूक करतील. तुमची एकनिष्ठता सरकारांत असावी. यांत अंतर पडल्यास संस्थान दूर होईल. कोते अंदेशी कोळी लबाड असतील त्यांची सक्ती तुम्हीं करूं नये, त्यांचें पारपत्य सरकारतर्फेनें होईल. तुम्हांस बखेड्याचें वर्तमान असल्यास सरकारांत कळविलें नाहीं तर तो दोष तुम्हांकडे. लहान मोठें वर्तमान वरचेवर वसई सुभ्याकडे लिहीत जाणें. सदरहू तालुका तुम्हांस दरोबस्त दिला आहे, त्याप्रमाणें दरसाल सरकारांत नजर रुपये १००० एक हजार करार केले असत, तरि याचा वसूल दरसाल वसई सुभ्याकडे देऊन जाब घेत जाणें, म्हणोन सनद १.

विसाजी केशव प्रांत वसई यांस सदरहू अन्वयें सनद १.

२

रसानगी यादी.

इ० स० १७६६।६७ सबा सितैन मया व अलफ जमादिलाखर ९.

२९०–( ४७८ ) संस्थान चंदेरी येथील राजाकडे सरकारचा नजरेचा ऐवज तीस हजार रुपये घ्यावयाचा दरसाल करार आहे; त्यास राजे यांणीं सालमजकूर पैकीं सदरहू रुपये ३०००० तीस हजार रुपयांचे गांव लावून दिले आहेत. ते हल्लीं तुम्हांस सालमजकुरापासून फौजेचे सरंजामास करार करून दिला असे; तरि सदरहू गांव तीस हजार ऐवज तुम्हीं फौजेचे सरंजामाबद्दल घेऊन सरकार चाकरी करीत जाणें, म्हणोन धोंडो दत्तात्रय याचे नांवें. सनद १.

येविशीं सनदा, पत्रें ४.

१ जमीदार संस्थान मजकूर यांस कीं, मशारनिलेकडील कमाविसदाराशीं रुजू होऊन गांवचा अमल सुरळींत देत जाणें म्हणून, सनद.

---

A. D. 1766-67. 290. Certain territory was surrendered by the Raja of sansthan Chanderi in lieu of his annual tribute of Rs. 30,000.

१ संस्थान मजकूर येथील राजे यांस कीं, सदरहू तीस हजार रुपयांचा नजरेचा ऐवज मशारनिलेस देविला असे, तरि देत जावा, म्हणून पत्र चिटाणिसी.

२ चिटाणिसी पत्रें.

१ तीर्थरूप राजश्री दादासाहेब यांस कीं, संस्थान मजकूर येथील राजास आपलें पत्र देऊन सदरहू अमल मशारनिलेकडे देवावा म्हणून पत्र.

१ चिंतो विठ्ठल यांस कीं, तुम्हीं तीर्थरूपांस विनंती करून सदरहू अमल मशारनिलेकडे देवणें म्हणोन पत्र.

——
२
——
४

९.

रसानगी यादी.

## दादासाहेब यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

२९१-(४८१) गजेसिंग यांणीं तुम्हांशीं कितीक प्रकारें लबाडी केली, व यांचे तीर्थरूप पाहाडासिंग यांणीं पूर्वी करार करून पैका न दिला, सबब यांचें पारिपत्य करणें जरूर. त्यास गुमानसिंग बुंदेले सरकारांत एकनिष्ठेनें वर्तत आले, त्यांस जगतराज यांणीं युवराज्य दिलें, त्याप्रमाणें गणमुक्तेश्वरीं सरकारांतूनही करार केलें; त्यांचे सर्व प्रकारें अगत्य, सबब गजेसिंग व मानसिंग यांजकडील जैतपूर व कुलपाडठोरिया हीं दोन्ही ठाणीं गुमानसिंग यांजकडे देविलीं असत; तरि मशारनिले व तुम्हीं मिळोन ठाण्यावर जरब देऊन सदरहू ठाणीं गुमानसिंगांचे स्वाधीन करणें. सदरहूचा अमल बसवून ध्यावा, सबब गुमानसिंग यांजकडे नजराणा करार

इ० स० १७६६।६७
सबा सितैन मया व अलफ
जमादिलाखर ८.

रुपये:—

५०००० मोर्चे सुरू होतील ते समयीं सावकारी निशा करून घ्यावे.

---

291. Gajesing having on various occasions acted treacherously, the thanas of Jaitpur and Kul Pad Thoria belonging to him and Mansing were ordered to be captured and made over to Gumansing Bundele, who had been accepted as heir to his throne by Jagatraj and whose loyalty to Government was well known. A nazar of Rs. 5,25,000 was ordered to be levied from him.

A. D. 1766-67.

१००००० ठाणीं हस्तगत होतांच निशा करून घ्यावे.
३५०००० हप्तेबंदी एकसालांत.

———————

५०००००
२६००० दरबारखर्च मुत्सद्दी.

———————

५२६०००

एकूण सवापांच लक्ष रुपये. सदरहूप्रमाणें नजर करार केली असे, तारि याची निशा सावकारी करून घेणें, अगर मुलकाची सोय तुमची असल्यास मुलूख लाऊन घेणें. सारांश तुमचे त्यांचे विचारें ऐवजाचा निकाल करून घेणें, म्हणोन बाळाजी गोविंद प्रांत बुंदेलखंड वगैरे महाल यांचे नांवें सनद १.

रसानगी यादी.

२९२-( ४८२ ) करार नामा संस्थान उदेपूर. संस्थान मजकुराकडे सरकारचा ऐवज येणें रुपये:—

इ० स० १७६६।६७
**सबा सितैन**
**मया व अलफ**
जमादिलाखर १३.

११८०२२१॥. बाकी कारकीर्द गोविंद कृष्ण, ताहा सालगुदस्त सन सित सितैन अखेरसाल पावेतों, बरहुकूम दस्ताऐवज श्री राणाजी, रुपये:—

१०८२९८१॥. बरहुकूम हिशेब, रुजुवात चिमणलाल मुनसी.
९७२४० बरहुकूम खत मशारनिले यांसि बजिन्नस घराऊ दिले आहेत, त्यांत सरकारचा ऐवज रोजीना व स्वारांबरहुकूम. जबानी गोविंद कृष्ण.

———————

११८०२२१॥.

१७००००० खंडणी विद्यमान कैलासवासी मल्हारजी होळकर यांणीं सन खमस सितैनात खंडणी करार केली २५००००० रुपये पैकीं वजा सरदारांस ऐवज देविला रुपये

---

292. The amount of tribute leviable from sansthan Udepur was Rs 30,30,221; of this Rs. 4,00,000 were remitted, and the remainder was ordered to be paid in instalments. Out of this Rs. 5,00,000 were to be paid to Holkar and Rs. 3,00,000 to Sindia.

A. D. 1766-67.

५००००० होळकर पांच लक्ष नेमिले त्यास मशारनिलेस आदा जहाला असेल तो ऐवज सदरहू पांच लक्षांत वजा घालून बाकी द्यावा. येणेंप्रमाणें सदरहू पांच लक्ष.

३००००० महादजी शिंदे यांस आदा जहाला तितकाच ऐवज नेमिला असे. तीन लक्ष.

८०००००

बाकी सरकारचा ऐवज खंडणी बद्दल रुपये.

१५०००० पट्या बरहुकूम दरसालचा ऐवज पैकीं सालमजकूरची बेरीज खेरीज शहापुराकडून रुपये

३०३०२२१॥.

पैकीं वजा मागील बाकी संस्थानकडे भारी राहिली, व होळकर यांणीं खंडणीही जरब केली, इतकी ताकत राहिली नाहीं, त्यास जो ऐवज करार ठरेल त्याचा वसूलही केल्या कराराप्रमाणें द्यावा लागेल, यास्तव निभावणी जहाली पाहिजे, म्हणोन सुटीविषयीं चिमणलाल मुनसी यांणीं रदबदल केली त्याजवरून सूट रुपये ४०००००.

बाकी संस्थानकडे ऐवज रुपये

२६,३०,२२१॥.

सवीस लक्ष तीस हजार दोनशें साडेएकवीस रुपये. यांसि हप्तेबंदी येणेंप्रमाणें, रुपये

११००००० सालमजकूर सनसबा श्रावण शुद्ध १ तागायत सन समानचा श्रावण मासपावेतों रुपये.

३००००० आश्विन अखेर.

३००००० पौष मासीं.

३००००० चैत्र मासीं.

२००००० आषाढ मासीं.

११०००००

५३०२२१॥. सन समान सितैन अवलसाल तागायत अखेरसाल पावेतों.

२००००० कार्तिक मासीं.

२३०२२१॥ फाल्गुन मासीं.

१००००० ज्येष्ठ अखेरसाल.

५३०२२१॥

५००००० सन तिसा सितैन अवलसाल तागायत अखेरसाल पावेतों.
१५०००० कार्तिक मासीं.
२५०००० फाल्गुन मासीं.
१००००० ज्येष्ठमास अखेरसाल.

५०००००

५००००० सन सबैन अवलसाल तागायत अखेरसाल पावेतों रुपये

१५०००० कार्तिक मासीं.
२५०००० फाल्गुन मासीं.
१००००० ज्येष्ठ मासीं अखेरसाल.

५०००००

२६३३२२१॥.

एकूण सवीस लक्ष तीस हजार दोनशें साडेएकवीस रुपये यांचे सालमजकूर सन सबा सितैन तागायत सन सबैन पावेतों चार सालां चार हप्ते सदरहूप्रमाणें ठरले असेत; याची किस्तबंदी सालासालांत महिनेवार वसुलाची ठरली आहे त्याप्रमाणें सालाचेसालांत वसूल क्षेपनिक्षेप सरकारचे कमाविसदार रघुनाथ सदाशिव यांजकडे देत जाणें. अंतर होऊं नये. याखेरीज

कलमें:—

पट्याचे दीड लक्ष रुपये दरसालचे नेहमीं संस्थान मजकूराकडे येणें, पैकीं सालमजकूर सन सबा सितैनचे दीड लक्ष रुपये सदरहू बेरजेंत आले असेत. पेस्तर सन समान सितैनापासोन सालेसाल सदरहू दीड लक्ष रुपये कराराप्रमाणें सरकारचे कमाविसदाराकडे देत जावे, अंतर होऊं नये. येणेंप्रमाणें कलम १.

महादाजी शिंदे यांस तीन लक्ष रुपये देविले आहेत, त्यास मशारनिलेस अलाहिदा पत्र सादर जाहालें आहे. त्यास नेमणूकेपेक्षां जाजती ऐवज घेणार नाहीं. तुम्हींही देऊं नये. येणेंप्रमाणें कलम १.

पट्याची बाकी व खंडणी मिळोन एकंदर ऐवजाची किस्तबंदी जाहाली आहे, त्याप्रमाणें तुम्हांकडून ऐवज क्षेपनिक्षेप वसुलांत येत जावा. सरकारांतून किस्तबंदीप्रमाणें निभावणी होईल. वरकड सर्व प्रकारें तुम्हीं सरकार लक्षानें हमेशा असावें. तुम्हांस सरकारचे वचन असे. निभावणीही होईल. येणेंप्रमाणें कलम १.

ऐवजाचे हप्ते ठरले आहेत, याप्रमाणें क्षेप-निक्षेप वसूल व्हावा ऐसा करार ठरावून संस्थानास चार लक्ष रुपये सूट दिली आहे. त्यास कराराप्रमाणें वसूल देत गेल्यास सुटीचा ऐवज मजुरा पडेल. अंतर होऊं लागेल तरि सूट मजुरा पडणार नाहीं. येणें प्रमाणें कलम १.

मालराव होळकर यांस पांच लक्ष रुपये नेमून दिले आहेत. त्यास मशारनिलेस अलाहिदा पत्र सादर जालें आहे, त्यास नेमणूकेपेक्षां जास्ती ऐवज घेणार नाहींत तुम्हींही देऊं नये. येणेप्रमाणें कलम १.

गोविंद कृष्ण यांची वरात व आणखी लोकांच्या वराता होणें, त्या कमाविसदारांकडे मुदतीप्रमाणें ऐवज पावत गेल्यास कमाविसदारांवर होतील. ऐवजास तफावत होत गेल्यास परभाऱ्या वराता गोविंद कृष्ण वगैरे हुजुरून होतील. येणेंप्रमाणें कलम १.

तुम्हीं सर्व प्रकारें हमेशा सरकार लक्षानें असोन प्रस्तुत कारभार ठरला आहे याप्रमाणें अमलांत यावा. सरकारांत कोणाचें ही ऐकणार नाहीं, व तुमचे राज्यास सरकारतर्फेनें अपाय होणार नाहीं. येणेंप्रमाणें कलम १.

येणेंप्रमाणें सात कलमें करार जहालीं आहेत. तरि सदरहू लिहिल्याप्रमाणें वर्तणूक करावी. येणेंप्रमाणें करारनामा लिहून दिला असे. १.

सनदा २.

किंवा

१ मालराव होळकर यांस कीं, तुम्हांस खंडणीपैकीं रुपये ५००००० पांच लक्ष सरकारांतून देविले असेत, तरि सदरहू ऐवज व तुमच्या बुब्याबद्दल संस्थानाकडे ऐवज येणें तो एकूण एकंदर ऐवजाची किस्तबंदी सन सबा सितैन तागायत सन सबैनपर्यंत चार सालांत करून देऊन ऐवजाची उगवणी करून घेणें. सरकारचेही ऐवजाची किस्तबंदी याप्रमाणेंच केली आहे, तर जाजती आजार न लागतां ऐवजाची उगवणी करून घेणें, म्हणोन.

१ केदारजी शिंदे व महादजी शिंदे यांस सनद कीं, तुम्हीं संस्थान मजकूरपैकीं रुपये ३००००० तीन लक्ष घेतलेत, तो ऐवज तुम्हांस देविला असे, तरि तीन लक्षाशिवाय जाजती ऐवज संस्थानाकडे न मागणें, म्हणोन. रसानगी यादी.

---

३

---

२

२९३--( ४८३ ) करारनामा छत्रजित राजे संस्थान दातिया यांस लेहून दिला कीं,
इ० स० १७६६।७७
सबा सितैन
मया व अलफ
जमादिलाखर १७.
तुम्हीं पांच हजार प्यादे व दोन हजार स्वारांनिशीं सरकारांत चाकरी करून दाखविल्यास येणेंप्रमाणें करार कलमें.

तुम्हांकडे घोडीं उंटें लोकांची आलीं असतील ते लोक स्वारीसमागमें येतील, त्यांस लष्करांत उपद्रव लागणार नाहीं. येणेंप्रमाणें कलम १.

मातबर सरंजामानें बेहेटेस यावें, मोर्चे लाऊन जलदीनें बेहेट फत्ते करावी. रतनगड देखील घ्यावा. खालील तालुका लाख रुपये पावेतों असल्यास गढ्या व तालुके देखील नानकार करून दिल्हे जातील. तुम्हीं एकनिष्ठेनें हमेशा वर्तावें. खासा स्वारी हिंदुस्थानांत येईल तेव्हां व सरकार फौजा येतील तेव्हां चाकरीस समागमें असावें. येणेंप्रमाणें कलम १.

खंडणी तुम्हांकडे करार जहाली आहे, त्यास तुमची नातवानी जाणोन रुपये २००००० दोन लक्ष सूट दिली असे. तरि तुम्हीं सर्व प्रकारें हमेशा सरकारांत निष्ठेनें असणें. येणेंप्रमाणें कलम १.

तुमचा मान सन्मान पहिल्यापासोन सरकारांतून चालत आला आहे, त्याप्रमाणें चालेल. येणेंप्रमाणें कलम १.

तुमचें नातवानीवर नजर देऊन व सरकार चाकरी सांगितली ती जलद करून दाखवितां म्हणोन, दोन लक्ष रुपये सूट दिली असे, तरि सांगितली चाकरी जलद करणें. बेहेटेस मोर्चे बसवून तुम्हीं हुजूर दर्शनास येणें. येणेंप्रमाणें कलम १.

येणेंप्रमाणें पांच कलमें करार करून दिलीं असत, तरि सदरीं लिहिल्याप्रमाणें वर्तणूक करणें, म्हणोन लेहून दिला करारनामा १.

रसानगी याद.

२९४-( ४९४ ) कृष्णापा नाईक संस्थान देवदुर्ग यांस कौल लिहून दिला कीं, खासा स्वारी या प्रांतें जहाली, सबब संस्थान मजकूर येथील खंडणी करार रुपये.
इ० स० १७६६।६७
सबा सितैन
मया व अलफ
साबान २५.

५०००१ ऐन सरकार.
५००० अंतस्थ राजश्री सखाराम भगवंत.

५५००१ तपशील.

293. Raja Chhatrajit of sansthan Datiya was informed that he should serve Government with 5,000 footmen and 2000 sowars, that he should at once besiege Behete and capture it, as well as the fort of Ratangad; that if he did so, territory worth
A. D. 1766-67.

[ see peg 271 ]

२०००१ सालमजकूरची खंडणी.
३५००० सालेसालची बाकी राहिली असेल त्याऐवजीं

———

५५००१
एकूण पंचावन्न हजार एक रुपया करार केले आहेत,
यांस मुदती रुपये.
१५००१ तूर्त
४०००० हवाला माहादशेट वीरकर
७५०० छ. २० साबान.
७५०० छ. २८ साबान.
२५००० छ. १२ सवाल.

———

४००००

———

५५००१

एकूण पंचावन हजार एक रुपया सदरहू मुदतीबमोजीब करार केले असेत. सरकारांत भरणा करून पावल्याचा जाब घेणें. याउपरि जाजती आजार लागणार नाहीं, अभय असे, म्हणोन कौल १.

२९५–( ४९५ ) तिमया नाईक संस्थान गलग यांस कौल लिहून दिला कीं, खासा स्वारी या प्रांतें जहाली, सबब संस्थान मजकूर येथील साल मजकूरचा खंडणी करार रुपये:—

इ० स० १७६६।६७
सबा सितैन मया व अलफ साबान २५.

३००१ ऐन खंडणी
३०० सखाराम भगवंत यांचे अंतस्थ.

———

३३०१

---

Rs. 100,000 would be made over to him, and that Rs. 2,00,000 of arrears of tribute due from him would be remitted.

294. The tribute leviable from Krishnappa Naik of sansthan Devadurga in which the Peshwa was encamped was fixed at Rs. 55,001

A. D. 1766–67.

295. Similarly the tribute leviable from Timaya Naik of sansthan Galag was fixed at Rs. 3001.

A. D. 1766-67.

एकूण तीन हजार तीनशें एक रुपया करार केले असेत. तूर्त सरकारांत पावते करून जाब घेणें. जाजती आजार लागणार नाहीं, अभय असे, म्हणोन कौल १.

२९६.--( ४९९ ) चेनराज दलवाई संस्थान अनेगोंदी उर्फ विद्यानगर यांस कौल लिहून दिला कीं, खासा स्वारी या प्रांतें जाहली, सबब तुम्हांकडून रामा जेठी व भिकाजी चंदो हुजूर आले, त्यांणीं संस्थानच्या नातवानीचा अर्थ निवेदन केला, व लछा जेठी यांणीं बहुत रदबदली केली, त्याजवरून संस्थान मजकुरावर नजर देऊन सालमजकूरची खंडणी रुपये.

इ० स० १७६६।६७
सबा सितैन
मया व अलफ
साबान २६.

२३००१ ऐन सरकार.
२००० अंतस्थ राजश्री सखाराम भगवंत.

२५००१

एकूण पंचवीस हजार एक रुपया, यासि मुदती रुपयेः—

१२५०१ तूर्त पंधरा रमजानीं.
१२५०० एक महिन्यानें.

२५००१

येणेंप्रमाणें पंचवीस हजार एक रुपया सदरहू मुदतीबमोजीब करार केले असेत. तरि क्षेपनिक्षेप मुदतीप्रमाणें भरणा करून पावल्याचा जाब घेणें. याउपरि जाजती आजार लागणार नाहीं, अभय असे, म्हणोन कौल १.

२९७---( ५०६ ) तिमया नाईक संस्थान रायदुर्ग यांस कौल लिहून दिला कीं, खासा स्वारी या प्रांतें जहाली, सबब संस्थान मजकूर येथलि सालमजकूरची खंडणी रुपये ४०००१ चाळीस हजार एक रुपया करार केला, यांसि मुदती रुपये.

इ० स० १७६६।३७
सबा सितैन
मया अलफ
सवाल ७.

२०००१ तूर्त चहूं दिवशीं द्यावे.
२०००० एक महिन्यानें द्यावे.

४०००१

---

296. The tribute leviable from Chenraj Dalwai of sansthan Anegondi alias Vidyanagar was fixed at Rs. 25,001.
A. D. 1766-67.

297. A tribute of Rs. 40,001 was imposed on Timaya Naik of sansthan Rayadurga.
A. D 1766-67.

एकूण चाळीस हजार एक रुपया सदरहू मुदतीबमोजीब भरणा सरकारांत करून पावल्याचा जाब घेणें. या उपरि जाजती उपसर्ग लागणार नाहीं. अभय असे, म्हणोन संस्थानिकास कौल १.

रसानगी याद.

२९८--( ५११ ) तालुके सिरें येथील संस्थानिकांस कौल लिहून दिले कीं, खासा स्वारी या प्रांतें जहाली, सबब तुम्हांस खंडणीविशीं आज्ञा केली, त्याजवरून तुम्हीं वकील हुजूर पाठविले. त्यांणीं संस्थानचे नातवानीचा व एकनिष्ठपणाचा अर्थ विदित केला. त्यावरून संस्थानांवर नजर देऊन सालमजकूरची खंडणी देखील पेशकसी सिरें मिळोन खंडणी करार केली असे; तरि मुदतीप्रमाणें सरकारांत ऐवजाचा भरणा करून पावलियाचे जाब घेणें, आणि सुखरूप राहणें. जाजती उपसर्ग लागणार नाहीं. अभय असे, म्हणोन कौल १.

इ० स० १७६६।६७
सबा सितैन
मया व अलफ
जिल्काद ७.

१ संस्थान नीलगड निसबत वीर तिमंणा नाईक खंडणी रुपये ७२५१

यांसि मुदती ———— रुपये.

३६५१ माघ वद्य चतुर्दशी.
३६०० फाल्गुन वद्य चतुर्दशी.
———
७२५१

१ संस्थान रत्नागिरी निसबत रंगापा नाईक खंडणी रुपये:—

३००० ऐन खंडणी.
१००० नजर चंद्रगिरी व भस्मगी रुपये
———
४०००

मुदती ———— रुपये.

२००० फाल्गुन शुद्ध दशमी.
२००० चैत्र शुद्ध दशमी
———
४०००

---

298. Tributes were imposed as follows on the sansthaniks of taluka Sire, the Peshwa having marched into the province:—

A. D. 1766–67.

Sansthan Nilgad under Vir Timanna Naik, Rs. 7251.
Sansthan Ratnagiri under Rangappa Naik, Rs. 4000.
Sansthan Huskot under Ramappa Naik, Rs. 1500.
Sansthan Pawagad under Venkatpati Timappa Naik, Rs. 2000.
Sansthan Koratgire under Rana Bhairav Gouda, Rs. 4500.

१ संस्थान हुनकोटें निसबत रामापा नाईक खंडणी रुपये दीड हजार यासि मुदती — १५०० रुपये.

७५० तूर्त
७५० चैत्र शुद्ध नवमी

----

१५००

१ संस्थान पावगड निसबत वेंकटपती तिमपा नाईक खंडणी रुपये २००० दोन हजार, यांसि मुदती — रुपये.

१००० तूर्त
१००० चैत्र वद्य द्वितीया

----

२०००

१ संस्थान कोरटगिरे निसबत रणभैरव गौडा खंडणी — रुपये:—

३००० ऐन खंडणी सालाबादप्रमाणें.
१५०० नजर खासा स्वारी जहाली सबब.

----

४५००

तपसील मुदती.

२००० तूर्त.
१००० फाल्गुन शुद्ध १५
१५०० चैत्र शुद्ध १५

----

४५००

----

५

येणेंप्रमाणें पांच कौल दिले असेत.

रसानगी यादी.

२९९-( ५१२ ) संस्थान हरपनहल्ली निसबत वीर बसापा नाईक यांचे नांवें कौल लेहून दिला कीं, संस्थान मजकूरचे खंडणीविशीं तुम्हांस आज्ञा केली, त्यावरून तुम्हीं व्यंकटराव मल्हार वकील सरकार व व्यंकाजी अंबाजी व ओंकार चिंतामणि वकील संस्थान मजकूर यांस हुजूर पाठविले, त्यांणीं तुमचे एकनिष्ठतेचा व संस्थान मजकूरचे हकीकतीचा सविस्तर मजकूर विदित केला. त्यास तुमचे एकनिष्ठेवर व संस्थानावर नजर देऊन सालमजकूरचे खंडणीचा करार

इ० स० १७६६।६७
सबा सितैन
मया व अलफ
जिल्काद १०.

रुपये.

१५०००१ ऐन खंडणी देखील पेशकसी सिरे व दरबार-खर्च — रुपये.

७५००० सोमशेखर नाईक तुमचे तीर्थरूप मृत्यु पावले त्यास तुम्हांस टिका दिला, सबब पटकाणकी नजर सालमजकूर रुपये.

२२५००१

यांसि मुदती.

१००००१ तूर्त चैत्र वद्य सप्तमीपर्यंत.
४५००० वैशाख शुद्ध पौर्णिमा.
४०००० ज्येष्ठ शुद्ध पौर्णिमा.
४०००० ज्येष्ठ अखेर.

२२५००१

---

299. Tribute amounting to Rs. 2,25,001 was imposed on Vir Basappa Naik of sansthan Harpanhalli. The following stipulations were made:—

A. D. 1767–68.

( 1 ) the village of Mad halli, which had been given to the Chitradurgakar by Haidarkhan was to be restored to Vir Basappa if it had been illegally taken from him;
( 2 ) the villages of Tubgiri, Guddehal, Mahade pur and Budehal, taken by the Chitradurgakar, were to be restored to Vir Basappa, if the Chitradurgakar had no right to them;
( 3 ) Vir Basappa should assist Government with his forces and should supply provisions and ammunition: Government would protect him against attacks from Haidar;
( 4 ) the tribute should be annually paid before the Dasara holiday.

एकूण दोन लक्ष पंचवीस हजार एक रुपया खंडणी करार केली असे. सदरहूच्या मुदती तूर्त चैत्र वद्य सप्तमीपावेतों एक लक्ष एक रुपया, वैशाख शुद्ध पौर्णिमा पंचेताळीस हजार, ज्येष्ठ शुद्ध पौर्णिमा चाळीस हजार व ज्येष्ठ अखेर चाळीस हजार, या मुदतीप्रमाणें क्षेपनिक्षेप ऐवज सरकारांत पावता करून पावलियाचे जाब घेणें. त्याप्रमाणें मजुरा पडतील. याखेरीज —————————— कलमें.

नाणें खंडणीच्या ऐवजाचें दरसाल घ्यावयाचा शिरस्ता आहे त्याप्रमाणें सालमजकुरीं घेतलें जाईल. कलम १.

राजश्री मुरारराव घोरपडे यांची नेमणूक नेहमीं सालाबादची आहे त्याप्रमाणें देणें, त्यांचा जाजती उपद्रव लागणार नाहीं. येणेंप्रमाणें कलम १.

संस्थानास कोणेविशीं जाजती उपद्रव लागणार नाहीं. स्वारी माघारी जातेसमयीं संस्थानचे मुलकांतून जाणार नाहीं. या प्रांतें फौज राहील त्याचा उपद्रव लागणार नाहीं. येणेंप्रमाणें कलम १.

पेस्तर सालची खंडणी दसरियास व्हावी, खासा स्वारी पुण्यांत आहे तों खंडणी करार करून ऐवज सरकारांत पावता करावा. येणेंप्रमाणें कलम १.

सालमजकूरचे खंडणीचा ऐवज मुदतीप्रमाणें सरकारांत क्षेपनिक्षेप भरणा करावा. मुदतीहून जाजती दिवस लागलियास कार्यास येणार नाहीं. येणेंप्रमाणें कलम १.

मौजे मादेहळी हैदरखान यांणीं घेऊन चित्रदुर्गकरास दिली आहे. त्यास सालमजकूरीं खंडणी जाली. गैरवाजवी घेतली असल्यास मनास आणून सोडून देविली जाईल. कलम १.

तुबगिरी व गुडेहाल व महादेवपूर व बुदेहाल चार गांव सालमजकुरीं चित्रदुर्गकरांनीं घेतले आहेत, ते गैरवाजवी घेतले असलियास मनास आणून सोडून देविले जातील. येणेंप्रमाणें कलम १.

सरकारची फौज छावणीस राहील त्याजपाशीं हंगामसीर चाकरीस यावें. रस्त पोंहचवावी. लढाईचें सामान बाण, दारू वगैरे लागेल तें द्यावें. स्वार प्यादेसुद्धां चाकरी करावी फक्त लढाईचें सामान सरकारांत येईल तें खंडणीचे ऐवजांत मजुरा पडेल. स्वार प्यादे चाकरीस येतील त्यांस खर्चास रोजमरा शिरस्तेप्रमाणें पावेल येणेंप्रमाणें कलम १.

हैदर नाइकाकडील उपद्रव कोणेविशीं संस्थानास लागणार नाहीं. येणेंप्रमाणें कलम १.

येणें प्रमाणें नऊ कलमें करार केलीं असेत. सदरहू लिहिलेप्रमाणें वर्तणूक करणें. मुलख आबादान करून सुखरूप रहाणें. जाजती कोणेविशीं उपद्रव लागणार नाहीं, म्हणोन संस्थानिकाचे नांवें कौल १.

रसानगी यादी.

३०० ( ५५२ )---तुकोजी होळकर व महादजी शिंदे यांचे नांवें सनद कीं, त्रिंबक राम फडणीस सुभा कालपी यांणीं हुजूर विनंती केली कीं, राजे बुंदेले यांचीं कामें सरकारांतून करून देऊन त्याजपासोन ऐवज घ्यावा, त्यास कलमें बितपशिलः–

इ० स० १७६७।६८
समान सितैन
मया व अलफ
जिल्काद ८.

राजे हिंदुपत यांजकडे सरकारचीं कलमें.

१ हिरे खाणींचा आकार इस्तकबिल सन इसन्ने सितैन तागाईत सबा सितैन पर्यंत दरसाल अजमासें रुपये ४००००
चाळीस हजारप्रमाणें रुपये २४००००
दोन लक्ष चाळीस हजार येणें आहेत ते.
कलम.

१ गणेश संभाजिकडून पठाणास दोविले १००००० एक लक्ष ते. कलम.

१ हटयास मोर्चे लाविले त्यासमयीं जानोजी भोसले यांस फौजयुद्धां नेणें प्राप्त जहालें, तेव्हां भोसल्यांस दिले ते रुपये ३६०००० तीन लक्ष साठ हजार दिले ते रुपये.

---

300. At the instance of Trimbak Ram Fadnis of Kalpi Tukoji Holkar and Mahadji Sindia were directed to assist Raja Bundele on the following terms:--

A. D. 1767-68.

( 1 ) The Raja Hindupat should pay ( a ) Rs. 2,400,00 due to Government on account of diamond mines from A. D. 1761-62 to 1766-67 at the rate of Rs. 40,000 a year, ( b ) Rs 100,000 paid to the Pathan by Ganesh Sambhaji, ( c ) Rs 3,60000 paid to Janoji Bhosle whose assistance Government was compelled to solicit at the seige of Hatta and ( d ) Rs. 100,000 received from the Government karkuns at Panne and Chhatrapur.

( 2 ) It had previously been agreed upon by the Raja and Raghunathrav Dada, that the latter should recover from the former Jaitapur, Toria and other places of Sawai Raje Khumansing and Gumansing which had been usurped by Gajsing and Mansing sons of Pahadsing, and that for this service the Raja should pay a nazar of Rs. 6,25000: the conquest had not, however, been effected owing to Raghoba Dada's return: the Sindia & the Holkar should now aid in establishing the authority of the Raja over the province and levy from him the nazar agreed upon.

( 3 ) Raje Khutesing, a prisoner of Raje Hindupat, should be released & one third of his territory of R. 9,00,000 or a substantial nazar should be taken for Government; the Sindia & the Holkar were promised a sum of Rs. 5,00,000 out of the above amounts when realized.

१ सरकारचे कारकुनापासून वगैरे पण्णें व छत्रपूर येथें घेतलेत ते अजमासें रुपये १००००० एक लक्ष रुपये.

४ ८०००००.

एकूण चार कलमांचे आठ लक्ष रुपये वाजवी येणे आहेत. त्यास जरब देऊन मातबर खंडणी करणें आणि ऐवजाची निशा घेणें. कलम १.

राजे खतेसिंग यास हिंदुपतीनें कैद केलें आहे, त्यास सोडवून नव लक्षांची जागा त्यांची आहे त्यापैकीं तिसरा हिसा सरकारांत जागा घेणें, अथवा नजर मातबर ठरावून घेणें आणि निशा घणें. कलम १.

सवाई राजे गुमानसिंग व खुमानसिंग यांची जागा किल्ले जैतपूर व ठाणें टोरिया वगैरे जागा पाहाडसिंग याचे पुत्र गजसिंग व मानसिंग यांणीं दाबिली आहे, त्यास दोन्ही ठाण्यांत वगैरे जागांत आपला अमल बसवून द्यावा, आणि सरकारची नजर सवासहा लक्ष रुपये द्यावे म्हणोन हिंदुस्थानांत तीर्थस्वरूप राजेश्री दादासाहेबांचे स्वारींत राजे यांजकडील वकिलांनी त्रिंबक राम यांचे विद्यमानें करार केला होता. त्यास स्वारी पेशजी आली सबब काम राहिलें. त्यास हल्लीं तुम्हां उभयतांस आज्ञा केली असे, तरि तुम्हीं फौजेसुद्धां जाऊन राजाचे जाग्यांत वगैरे अमल बसवून देणें, आणि सरकारच्या नजरेचा ऐवज रुपये

२००००० जैतपूरास दाखल होतांच घेणें.

४२५००० ठाण्यांत व जाग्यांत अमल बसवून दिल्यावर एक वर्षांत तीन किस्तींनें घेणें.

६२५०००

येणेंप्रमाणें सवासालक्ष रुपये नजराण्याचे घेणें. कलम १.

एकूण तीन कलमें सदरहू प्रमाणें लिहिलीं आहेत. याप्रमाणें तुम्हीं सरकारचे काम करून दिलियावर तुम्हां उभयतांस ऐवज द्यावयाचा करार रुपये.

२००००० गुमानसिंग व खुमानसिंग यांजपैकीं रुपये.
३००००० हिंदुपत व खतेसिंग याजकडील ऐवज करार होईल त्यापैकीं.

५०००००

येणेंप्रमाणें पांच लक्ष रुपये तुम्हांस द्यावयाचा करार केला असे. तरि पैका एकंदर वसूल होईल त्यापैकीं पांच लक्षांची हिसेरसीद तुम्हीं घेणें. सारींच कलमें लिहिल्याप्रमाणें वसुलांत आलीं तर कराराप्रमाणें पांच लक्ष रुपये तुम्हीं घेऊन बाकी ऐवज सरकारांत पावता करणें, म्हणोन —————— सनद १.

गुमानसिंग व खुमानसिंग बुंदेले यांस कीं, जैतपूर व टोरिया वगैरे येथें तुमचा अमल बसवून द्यावा याबद्दल तुकोजी होळकर व महादजी शिंदे यांस आज्ञा केली असे, ते अमल बसऊन देतील. तुम्हांकडे नजर करार रुपये १२५००० सवासा लाख रुपये केले आहेत ते त्रिंबक राम यांचे मारफतीनें जातीनें सरकारांत भरणा करणें, म्हणोन सनदा २/३

रसानगी याद.

३०१–( ९६२ ) दुर्जनसिंग राजे मांडवीकर यांचे नांवें सनद कीं, खासा स्वारी सालमजकुरीं देशीं राहिली, सबब तुम्हांकडील स्वारांची चाकरी महकूब करून ऐवज द्यावयाचा करार केला. विद्यमान ईश्वरदास व नवरोजी अध्यारू दिमत मशारनिले रुपये.

इ० स० १७६७।६८ समान सितैन मया व अलफ जिल्हेज १३.

१०००० ज्येष्ठ अखेर.
१०००० आश्विन अखेर सन तिसा.
१०००१ माघ शुद्ध १ सन तिसा.

तीस हजार एक रुपाया करार केला असे, तरि मुदतीप्रमाणें ऐवज हुजूर पुण्यास पावता करणें. ईश्वरदासांस तुम्हांकडे पाठविले आहेत व अध्यारू येथें ठेविले आहेत, तरि ऐवज जलदीनें पाठवणें, म्हणोन. सनद १.

रसानगी यादी.

३०२–( ६०५ ) संस्थान गदवाल येथील सालमजकूरचे खंडणीविशीं नारायणदास वल्लभ सुंदर यांणीं तुमचे तर्फेनें हुजूर पुण्याचे मुक्कामीं विनंती केली कीं, संस्थान नातवानीस आलें आहे, त्यास जीवनमाफक खंडणी करार केली पाहिजे म्हणोन; त्याजवरून संस्थानावर नजर देऊन सालमजकूरची खंडणी संस्थानचे महाल बितपसील:—

इ० स० १७६८।६९ तिसा सितैन मया व अलफ सवाल २२.

१ परगणें ऐंज.
१ परगणे दरूर.

---

301. The Peshwa having gone on no expedition in the current year the services of the sowars to be furnished by Raje Durjansing of Mandvi were not required and he was directed to pay instead Rs. 30,001.

A. D, 1767-68.

302. On the representation of Narayandas Wallabha Sundar, the nazar to be levied from sansthan Gadwal was fixed at Rs. 25,000 & the Raja of the sansthan, Som Bhupal, was informed accordingly.

A. D. 1768-69.

१ तर्फ चांगपूर.
१ परगणे राजोली.

---

४

एकूण चार महाल मिळोन खंडणी रुपये २५००० पंचवीस हजार रुपये करार केले असेत, तरि सदरहू ऐवजाचा भरणा सरकारांत करून पावलियाचा जाब घेणें, जाजती आजार लागणार नाहीं. अभय असे, म्हणून सोमभूपाळ संस्थान मजकूर यांचे नांवे कौल. रसानगी यादी.

इ० स० १७६९।७० सबैन मया व अलफ जमादिलावल ९.

३०३–( ६२९ ) संस्थान बुंदी निसबत रावराजा उमेदसिंग संस्थान मजकूर येथील खंडणी विद्यमान गोसावी विठ्ठल रावजी व मनसाराम मिश्र वकील करार रुपये.

९०००० ऐन खंडणी सालाबादप्रमाणें सरकार हिशाचा ऐवज
४०००१ नजर एकसाला.

---

१३०००१

यासि मुदती, रुपये.
४४००१ कार्तिक अखेर.
४३००० माघ अखेर.
४३००० ज्येष्ठ अखेर.

---

१३०००१

येणेंप्रमाणें एक लक्ष तीस हजार एक रुपया सदरहू वाइद्याप्रमाणें सावकारी निशा संस्थानास सरकार वकील आपाजी राम पोहोंचल्यावर पंधरा दिवसांनीं करून द्यावी. सदरहू ऐवज उज्जनीस द्यावा. येणेंप्रमाणें करार. याशिवाय कलमें:—

---

A. D. 1769–70.

303. Tribute of Rs. 90,000 and a nazar of Rs. 40,000 for one year was imposed on Rav Raje Umedsing of sansthan Bundi. It was stipulated that he should be loyal and seek no alliance with other powers. It was also agreed that he should send his agent every year to fix the amount of tribute leviable by Government.

सरकारचे ऐवज दरसालचा इस्तकबिल सन तिसा खमसेन तागाइत सन तिसा सितैन अकरा सालां येणें, त्यास सदरहू ऐवजीं शिंदे होळकर यांजकडे वसूल पावत गेला आहे असें म्हणतात; त्यास सरकारचे वकिलाचे रुजुवातीनें सरदारांकडे वसूल पावला असेल तो रुजू करून द्यावा; रुजुवातीमुळें ऐवज वसूल पावला असेल तो मजुरा देऊन बाकी ऐवज राहील त्याची हसेबंदी पांच सालां करून साल ब सालचे खंडणीबराबर दरसाल देत जावा. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

ऐन खंडणी दरसालची नव्वद हजार वकिलाचे जबानीवरून केली असे; याखेरीज जाजती सरदाराचे विद्यमानें खंडणीचा ऐवज करार होत असेल त्याप्रमाणें द्यावा. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

होळकरांकडील नेणव्याचा कमाविसदार सदाशिव गोपाळ यास तुम्हांकडील फौज जाऊन लुटला. त्याची वस्तभाव लुटली गेली आहे ती जराबाजरा भरून द्यावी. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

नेणव्याचे मुबदला होळकर शिंदे यांचे विद्यमानें गांव दिले आहेत व कारबार संबंधी परगणे वगैरे सरकारांत दिले आहेत, ते कराराप्रमाणें ठाणींसुद्धां चालवावे. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

साल दरसाल सरकारचे ऐवजाखेरीज होळकर शिंदे यांस साल दरसाल देत असल्यास सालमजकुरापासून सरकारचे खंडणीशिवाय देत जावें. एक साला दुसाला जरब देऊन घेत असल्यास हल्लीं न द्यावें. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

मल्हारजी होळकर यांचे विद्यमानें नजरेचा ऐवज करार जहाला होता त्यापैकीं बाकी राहिली असेल ती खंडणीचे बाकीबद्दल सदरहू पांच सालां हसेबंदी करून त्याप्रमाणें द्यावी. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

सरकारांत रुजू राहून एकनिष्ठेनें वर्तणूक करावी. फंदफितूर व दुसरेयाची कुमक करून सरकारचा बिघाड, हें करूं नये. संस्थानास सरकारतर्फेनें कमाविसदार जाईल त्याशीं रुजू राहून दरसाल वकील अवलसालीं हुजूर पाठवून खंडणीचा करार ठराऊन घेऊन त्याप्रमाणें वसूल देत जावा. यांत अंतर करूं नये. सदरहूप्रमाणें वर्तणूक जहाल्यास केल्या कराराप्रमाणें सरकारांतून निभावणी होईल. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

एकूण आठ कलमें करार केलीं असेत. याप्रमाणें वर्तणूक करणें, म्हणोन

करारनामा १.

येविशीं रावराजा उमेदसिंग संस्थान बुंदी यांस सनद कीं, संस्थान मजकूर येथील साल मजकूरचे खंडणीचा ऐवज करार केला, त्याचा करारनामा अलाहिदा आहे; त्याचे ऐवजाचे वसुलास आपाजी राम पाठविले आहेत. यांस मुदती बरहुकूम ऐवज उज्ज-

नीस पावता करणें आणि जाब घेणें. केल्या कराराप्रमाणें वर्तणूक केल्यास उपद्रव लागणार नाहीं, म्हणोन सनद १

रसानगी यादी. २.

३०४-( ६२६ ) संस्थान कोटें निसबत महाराव गुमानसिंग संस्थान मजकूर येथील सालमजकूरची खंडणी, विद्यमान गोसावी विठ्ठलरायजी, करार रुपयेः—

इ० स० १७६९।७० सबैन मया व अलफ जमादिलावल ९.

२९०००१ ऐन खंडणी सालाबादप्रमाणें रुपये.
 २०००० १ पैकीं वजा सरकारांत रुजू आहेत,
 सबब एकसालां सूट १००००,
 बाकी निसबत सरदार.
१००००० नजर एकसालां निसबत सरकार.
५०००० मागील बाकी तागायत सन तिसा पावेतों संस्थानाकडे येणें त्यापैकीं तूर्त घ्यावयाचे करार.

४४०००१

यांसि मुदती, रुपये.
१९०००१ कार्तिक अखेर.
१५०००० माघ अखेर.
१४०००० ज्येष्ठ अखेर.

४४०००१

येणेंप्रमाणें चार लक्ष चाळीस हजार एक रुपया सदरहू वाइद्याप्रमाणें सावकारी निशा संस्थानास सरकारचे वकील आपाजी राम पोंहचल्यावर पंधरा दिवसांनीं उज्जनीस द्यावी, येणेंप्रमाणें करार. याशिवाय कलमेंः—

सालाबाद खंडणीचा ऐवज पेशजीचे कराराप्रमाणें तागायत सन तिसा साल गुदस्त पावेतों संस्थानाकडे उभयतां सरदारांचे रुजुवातीनें बाकी येणें ठरेल, तो दरसाल एक लक्ष रुपयेप्रमाणें खंडणीबरोबर सरकारांत वसूल देत जाणें. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

---

304. A tribute of Rs. 2,90,001 and a nazar of Rs. 1,00,000 was imposed on Maharav Gumansing of sansthan Kote. It was stipulated that he should be loyal to Government and that he should send, if called upon to do so, reinforcement as before for campaigns in Upper India.

A. D. 1769–70.

पेशजी संस्थानाकडे सरदारांचे विद्यमानें नजरेचा ऐवज करार होऊन त्याची बाकी राहिली असेल ती व सालाबाद खंडणीची बाकी एकंदर ऐवज ठरेल तो अलाहिदा कलम लिहिलें आहे, त्याप्रमाणें दरसाल लाख रुपये देत जाणें. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

पेशजी खंडणी तीन लक्ष रुपये आहेत म्हणोन सांगितलें, त्याजवरून सदरहूप्रमाणें करार केला असे. यापेक्षां एकसालां दुसालां जरब देऊन घेत असल्यास हल्लीं न द्यावे. येणेंप्रमाणें कलम १.

सरकारांत रुजू राहून एकनिष्ठपणें वर्तणूक करावी. फंदफितूर व दुसरेयाची कुमक करून सरकारचा बिघाड, हें करूं नये. संस्थानास सरदारांचे तर्फेनें कमाविसदार जातील त्यांशीं रुजू राहून दरसाल वकील अवलसालीं हुजूर पाठवून खंडणीचा करार ठरावून घेऊन त्याप्रमाणें वसूल कमाविसदाराकडे देत जावा. यांत अंतर करूं नये. कलम १.

सदरहू प्रमाणें वर्तणूक जहाल्यास केल्या कराराप्रमाणें सरकारांतून निभावणी होईल. याप्रमाणें करार. कलम १.

सरकारांत हिंदुस्थानचे मसलतीस फौज कुमकेस प्रयोजन लागल्यास पेशजीपासून संस्थानची कुमक येत आहे, त्याप्रमाणें हल्लीं सरदारांस प्रयोजन लागल्यास कुमक बोलावतील, त्याप्रमाणें फौज पाठवून कुमक करीत जावी. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

एकूण पांच कलमें करार केलीं असेत, याप्रमाणें वर्तणूक करणें, म्हणोन
करारनामा १.

येविशीं महाराव गुमानसिंग संस्थान कोटें यांस सनद कीं, संस्थान मजकूर येथील सालमजकूरचे खंडणीचा ऐवज करार केला, त्याचा करारनामा अलाहिदा आहे. त्याचे ऐवजाचे वसुलास आपाजी राम पाठविले आहेत, त्यास मुदतीबरहुकूम ऐवज उज्जनीस पावता करणें, आणि जाब घेणें; केल्या कराराप्रमाणें वर्तणूक केल्यास उपद्रव लागणार नाहीं, म्हणोन सनद १.

२

रसानगी याद.

३०५-(६२७) कमळाकर भास्कर कमाविसदार शहर बराणपूर यांचें नांवें पत्र कीं, शहर मजकुरीं जयसिंगपुरा आहे, तेथील अमल जयनगरकर राजे यांजकडे आहे. त्यास शहर मजकुरीं मशारनिलेची खाजगत हवेली आहे, त्या हवेलींत कोणी गृहस्थ राहिला आहे तो निघत नाहीं, दिकत करतो. त्यास जो वाड्यांत राहिला असेल त्यास ताकीद करून हवेली मोकळी

इ० स० १७६९।७०.
सबैन
मया व अलफ
जमादिलावल १४.

---

305. One suburb of Baranpur, called Jayasingpura, belonged to the Raja of Jayanagar. It was ordered to be continued to him.

A. D. 1769–70

करून देवणें. यांचे निसबतीनें पुरा मजकुरीं जो आहे तो ज्यास ठेवणें त्यास ठेवतील व पुण्याचें कामकाज व बाग व जमीन वगैरे सुदामत चालत असेल त्याप्रमाणें चालवणें, म्हणोन पत्र १.

३०६–( ६२८ ) करारनामा महाराजाधिराज श्रीसवाई पृथ्वीसिंगजी संस्थान जयनगर विद्यमान मनोरथराम व सुरतरामसी व ब्राह्मपोता व सैदखुबुलाशा. कलमें:—

इ० स० १७६९।७०
सबैन
मया व अलफ
जमादिलाखर ९.

परगणे रामपुरा आपली व तुकोजी होळकर यांची भेट जहाल्यावरि त्यांचे रजावंदीनें आम्हांस द्यावा, अगर हर कोणी मातबर पाठवून त्यास लेहून रजावंदी करावी. आम्हीं स्नेहाचा अनुभाव दाखविल्यावरि परगणे मजकूर आम्हांस द्यावा. दिल्यावरि अलाहिदा हजार फौजेनिशीं बिनखर्ची चाकरी करावी. अथवा परगणे मजकूरचे तनख्याप्रमाणें वसुला-बमोजीब आणखी परगणा मुबदला देऊं. दुसरा परगणा मुबदला दिल्यावरि दहा हजार फौज चाकरीस येणार नाहीं. आम्ही आपणाशीं स्नेहवृद्धि दिवसेंदिवस अधिक करावी. आमची फौज आपले फौजेस सामील व्हावी. जो मित्र आमचा तो मित्र आपला व आमचा शत्रु तो आपला [ शत्रु. ] हिंदुस्थान प्रांतीं जो मनसुबा पडेल तो एके विचारें करावा. आमची फौज जितकी येईल त्याचे हजिरीप्रमाणें आम्हांस ठाव द्यावा. परमुलुकचा तह जाट-

---

306. The following agreement was entered into with Maharajadhiraj Sawai Prithwisingji of sansthan Jayanagar;—

A. D. 1769–70.

( 1 ) The pargana of Rampura should, if agreed to by the saranjamdar in whose possession it was, be given to Sawai Prithwisingji, who should in return either surrender other suitable territory to Government or place at the disposal of Government an army of 10,000 men.

( 2 ) Out of the arrears due from the Raja, Rs. 8,00,000 should be remitted.

( 3 ) The Raja's troops, numbering about 25 to 30 thousand men, should join the Government army in Upper India. If they did so, he should get a share of any territory conquered from the Jats &c. (with the exception of territory belonging to the Emperor or previously acquired by Government ) in proportion to the army sent by him to the field.

सुद्धां वगैरे येणेंप्रमाणें आम्हीं वर्तावें; अनुभव आपणांस आल्यावरि परगणे मजकूर आम्हांस द्यावा. याचा दर जबाब सरदार हुजूर होते ते समयीं तुम्हांकडील मातबर कोणी येऊन हा प्रकार बोलण्यांत आलाच नाहीं. असो, प्रस्तुत तुम्हांकडील त्रिवर्ग मशारनिले हुजूर येऊन तुम्हांकडील कितेक मजकूर विदित केला व रामपुऱ्याविशींही अर्ज केला, त्यास रामपुरा सरदारांकडे सरंजाम आहे यास्तव सरदार हुजूर आलियावरि त्यांस पुसोन त्यांची रजावंदी जालिया रामपुऱ्याचे मुबदला तनखा वसूलबमोजीब तुम्हांपासून सरकार उपयोगी महाल घेऊन रामपुरा द्यावा, अथवा रामपुरा तुम्हांस देऊन त्याचे ऐवजीं दहा हजार फौजेनिशीं तुमचे फौजेनें सरकारचे सरंजाम्यांप्रमाणें चाकरी करावी. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

आम्हांकडे आपली बाकी पेशजीबद्दल मारफत होळकर व शिंदे आहे, त्यापैकीं आम्हांस आठ लाख रुपये सूट द्यावी. बाकी हिशेबीं राहील तो ऐवज इस्तकबिल सन सबैन तागाईत सन सलास सबैन चार सालांत वारून देऊं. मुदतीस चार सा महिने अधिक लागले तरि व्याज देऊं. ज्याजकडे आपण ऐवज देवितील त्याजकडे पावता करूं. याचा दर जबाब सरकार व होळकर व शिंदे यांचे हिशेबाचे रुईनें तुम्हांकडे बाकी निघेल त्यापैकीं तुम्हांस सूट दिली रुपये ८००००० आठ लक्ष सूट दिली असे, बाकी ऐवज राहील तो इस्तकबिल सन सबैन तागाईत सन सलास सबैन चार वर्षांत क्षेपनिक्षेप सालाचे सालांत देत जावा. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

तुम्हांकडील मातबर फौज पंचवीस तीस हजार हिंदुस्थानचे सरदारांस सामील होऊन त्या फौजेचे स्वरूपानरूप सरकार कामकाज जहाल्यास जाटाकडील वगैरे मुलूख सुटेल त्यापैकीं पातशाही मुलूख व पेशजी सरकारचा मुलूख वजा होऊन फक्त नवा मुलूख जो मिळेल त्यापैकीं तुमचे फौजेचे चाकरी बमोजीब तुम्हांस हिसा दिला जाईल. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

एकूण तीन कलमें सदरहूप्रमाणें करार करून दिली असेत, म्हणोन करारनामा लिहून दिला असे. १.

रसानगी यादी.

इ० स० १७६९।७० सबैन मया व अलफ जमादिलाखर ९.

३०७–( ६२९ ) महादाजी शिंदे यांचे नांवें सनद कीं, शहर उज्जनी येथें जयसिंगपुरा आहे तेथील अमल सवाई पृथ्वीसिंग संस्थान जयनगर यांजकडे चालत नाहीं म्हणोन त्यांजकडील वकील मनोरथराम व सुरतरामसी व ब्राह्मपोता व सैद खुबुलाशा यांणीं हुजूर विदित

---

307. The suburb called a Jayasingpura in Ujjin which belonged to Prithvising was ordered to be continued to him.

A. D. 1799–70.

केलें, त्याजवरून शहर मजकूरचे जयसिंगपुऱ्याचा अमल यांजकडे दिला असे, तरि सदरहू पुऱ्याचा अमल संस्थानाकडे चालविणें, म्हणोन सनद १.

रसानगी याद.

इ० स० १७६९।७० सबैन मया व अलफ जमादिलाखर २३.

३०८–( ६३३ ) गोपाळ गोविंद यांस मध्यस्थी संबंधें इस्तक बिल सन अर्बा-सितैन तागाईत सन समानासितैनपर्यंत पांच सालां मिळकत जाली ते सरकारांत समजाविली अजमासें —————— रुपये.

३२५०० संस्थान चित्रदुर्ग रुपये ४८०००, पैकीं वजा संस्थानिकाकडील वकील व संस्थानिक वगैरे मिळोन रुपये १००००, बाकी ३८०००, पैकीं वजा तोटा ५५००, बाकी.

९००० संस्थान हरपनहल्ली १३०००, पैकीं खर्च २०००, बाकी ११०००, वजा तोटा २०००, बाकी.

३९५० संस्थान लोचनगुड (गुंड?) रुपये ६००० पैकीं वजा
७५० खर्च.
१३०० तोटा.
———
२०५०
बाकी.

४९०० संस्थान बेल्हारी रुपये ७०००, पैकीं वजा
१३०० खर्च.
१२०० तोटा.

---

308. Gopalrav Govind represented to Government that during the preceding five years he had collected in the capacity of agent Rs. 1,01,450 from the sansthans of Chitradurg, Harpanhalli, Lochengood, Bellary, Kanakgiri, Gadwal, Karnol and from Davlatrav Ghorpade and Mudholkar. His salary at Rs. 20,000 a year, amounted to Rs. 1,00,000 and the extra Rs. 1450 was thrown in the whole amount paid to him. He was directed in future to give account of his agency and to receive Rs. 20,000 a year out of the amount collected by him.

A. D. 1799–70.

बाकी रुपये.

२००० संस्थान कनकगिरी ३०००, पैकीं वजा
तोटा व खर्च १०००, बाकी.

१३००० कित्ता सन सबा व समान.

५००० दौलतराव घोरपडे.

२००० मुधोळकर.

१०००० गदवाल वगैरे अजमासें.

१७०००

पैकीं वजा.

१००० खर्च.

३००० तोटा.

४०००

बाकी——————————————————रुपये.

५००० संस्थान कर्नोल रुपये ६२०० पैकीं वजा तोटा व खर्च मिळोन
१२००, बाकी.

३१५०० कित्ता किरकोळी पांच सालां अजमासें तोटा व खर्च खेरीज
करून बाकी निवळ——————————रुपये.

१०१४५०

एकूण एक लक्ष साडे चौदाशें इस्तकबिल सन अर्बा तागाईत सन समान पर्यंत पांच सालां दरसालां वीस हजारप्रमाणें एक लक्ष होतात, जाजती साडेचौदाशें राहिले त्यासुध्दां सदरहू एक लक्ष साडेचौदाशें रुपये बक्षीस केले असेत. साल गुदस्त सन तिसा सितैनापासून मध्यस्थीसंबंधें जी मिळकत होईल ती सरकारांत समजवावी, त्यापैकीं वीस हजार रुपये दरसाल मशारनिलेस द्यावे, बाकी ऐवज सरकारांत ध्यावा. येणेंप्रमाणें करार. रसानगी याद.

इ० स० १७७०।७१
इहिदे सबैन
मया व अलफ
रबिलाखर १२.

३०९-( ६६६ ) रामगीर गोसावी सौदागर यांणीं हुजूर विदित केलें कीं आपण आपली मालमालियतसुध्दां खंदारास येऊन राहिलों. नृपतसिंग राजे यांणीं आपला मारा करून जबरदस्तीनें मालमालियत नेली. त्याजवर आपण नबाबाकडे फियाद जालों तेथें आपली दाद दिली नाहीं. तरि येविशीं ताकीद होऊन आपली मालमालियत देविली

---

A. D. 1770-71.

309. Ramgir Gosavi, a merchant, complained that while he was residing at Kandhar, Narpatsing Raje forcibly took away his property and that though he appealed to the Nawab he could get no redress. Dhondo Ram was directed to repre-

पाहिजे, म्हणोन; त्याजवरून हें पत्र तुम्हांस सादर केलें असे. तरि गोसावी मजकुराची वस्तभाव खंदारकर यांणीं नेली आहे, याजकरितां तुम्हीं नबाबास सांगोन खंदारकरांस ताकीद करऊन गोसांवी याची मालमालियेत जी गेली असेल ते याची यास देवणें आणि सरकारची चौथाई सरकारांत घेऊन हुजूर लेहून पाठवणें म्हणोन, धोंडो राम यांस चिटणिशी

पत्र १.

३१०–( ६९३ ) प्रिथीसिंग राजे बुंदेले यांचा सरंजाम बुंदेलखंडांत आहे.
इ० स० १७७१।७२ त्यापैकीं चौथाई सरकारांत घ्यावी असा करार. त्यास राजे सर्वप्रकारें
इसन्ने सबैन सरकारांत रुजू हें जाणून पूर्वीं कैलासवासी नानासाहेब यांणीं चौ-
मया व अलफ
रबिलाखर १८. थाई पैकीं एकवीस हजार रुपये माफ करून बाकी घेत जावे याप्रमाणें करार करून गोविंद बल्लाळ यांस सनद सादर जाली, त्याप्रमाणें त्यांणीं चालविलें. अलीकडे सहा वर्षे जहालीं बाळाजी गोविंद झाडून चौथाईचा ऐवज सरकारांत घेतात, व नवे चौतीस गांव दाबिले आहेत; त्यास पूर्ववत्प्रमाणें एकवीस हजार रुपये माफ करावे, व नवे गांव दाबिले आहेत ते सोडावेत म्हणोन राजाकडील धरणीधर वकील आले आहेत त्यांणीं हुजूर विदित केलें; ऐशियास येविशींचा प्रकार मनास आणतां प्रिथीसिंग पूर्वींपासून पदरचे, एकनिष्ठेनें वर्तणूक करतात, व चाकरीचुकरी पडेल ती करीत आले, व पुढेंही करावयास उमेदवार, हें जाणून पूर्वीं तीर्थरूप कैलासवासी नानासाहेब यांणीं चौथाईपैकीं रुपये २१००० एकवीस हजार रुपये माफ केले होते त्याप्रमाणें सालमजकुरापासून माफ करून तुम्हांस सनद सादर केली असे. तरि चौथाई पैकीं एकवीस हजार रुपये यांस माफ करून यांचे नांवें खर्च लिहीत जाणें, बाकी ऐवज सरकारांत घेत जाणें. नवे गांव चौतीस यांचे दाबिले आहेत ते सोडून देणें. कराराशिवाय यांजकडील तालुक्यास कोणेविशीं उपद्रव न करणें, म्हणोन बाळाजी गोविंद यांस सनद १.

---

sent the matter to the Nawab and to induce him to issue orders for the restoration of the Gosavi's property. Dhondo Ram was further directed to recover for Government a fourth of the property restored.

310. It had been agreed during the reign of the preceding Peshwa
A. D. 1771–72. that out of the saranjam of Prithvising Raje Bundele in Bundelkhand, one fourth should be surrendered by him to Government. Out of this one fourth Rs. 21,000 were remitted to him. The remission was now discontinued by Balaji Govind, who, in addition, usurped 34 villages belonging to the Raja. Dharnidhar, an agent of the Raja, having represented the matter to the Peshwa, the remission previously granted was ordered to be continued and the usurped villages were ordered be to restored.

प्रिथीसिंग राजे यांस सनद सदरहू अन्वयें एकवीस हजार रुपये माफ केले असेत, ते घेऊन बाकी सरकारांत देत जाणें, आणि सरकारांत एकनिष्ठेनें राहून चाकरी पूर्ववत्प्रमाणें करीत जाणें. कोणेविशीं सरकारचे अमलदार उपद्रव करणार नाहींत. खातरजमा असों देणे, म्हणोन

सनद १.

---

२

रसानगी याद.

३११—( ७३२ ) चिमणाजी दलपतराव संस्थान पेठ यांचे नांवें सनद कीं,

इ० स० १७७२–७३ सलास सबैन मया व अलफ रबिलावल १३.

तुम्हीं सन सबैनांत हुजूर येऊन करार केला कीं, आपण सरकारचे चाकरीस अंतर करणार नाहीं, आज्ञा होईल त्याप्रमाणें एकनिष्ठेनें वर्तत जाऊं. याप्रमाणें करार केला असतां सालगुदस्तां कर्नाटकांत तुमची चाकरीची नेमणूक राजश्री विसाजी केशव यांजबरोबर जाण्याची करून तुम्हांस पत्रें देऊन स्वार व जासूद पाठविले असतां त्यांशीं बेकैद करून चाकरीस नेमणुकेप्रमाणें न गेलां, याप्रमाणें सरकारचे आज्ञेचें लक्ष धरिलें नाहीं, व तुमचे भाऊ पर्वतसिंग हे तुमचे निमेचे विभागी असतां संस्थानचा अमल तुम्हींच केला. याप्रमाणें गैरराहा वर्तणूक केली, सबब तुम्हांकडील किल्ले खैराई हा किल्ला सरकारांत ठेवावयाचा करार करून पांडुरंग कृष्ण यांस पाठविले असेत, तरि मशारनिलेचे हवालीं किल्ला जकिरासुद्धां करून कबज घेणें; किल्याचे सरंजामास ऐवज पाहिजे त्यास संस्थान मजकुराकडे सरंजाम आहे त्यापैकीं परगणे हरसूल येथील सरंजाम लाऊन घ्यावयाची आज्ञा मशारनिलेस केली आहे, त्याप्रमाणें किल्याचे बेगमी पुरता सरंजाम सरकारांत नेमून घेऊन बाकी राहिल्यास संस्थानाची तुम्हां उभयतांस समभागें मशारनिले वांटणी करून देतील, त्याप्रमाणें घेऊन सरकारांत एकनिष्ठेनें वर्तणूक करीत जाऊन सुखरूप राहाणें, म्हणोन

सनद १.

रसानगी यादी.

---

311. Chimnaji Dalpatrav of sansthan Peth had agreed to serve Government when required. He, however, failed to comply with the orders of Government directing him to accompany Visaji Keshav in the Karnatic campaign of the preceding year. He also failed to give half his sansthan to his brother Parwatsing. He was therefore directed to surrender his fort of Khairai together with certain villages in Paragana Harsul, yielding a revenue sufficient for the maintenance of the fort, and to allow Pandurang Krishna to divide the remianing sansthan between himself and his brother.

A. D. 1772-73.

३१२—( ७३४ ) चलपतिराय दलवाई संस्थान विद्यानगर यांचे नांवें सनद
इ० स० १७७२-७३ कीं, संस्थानाकडील खंडणीचा ऐवज पेशजी तालुके धारवाड वगैरे
सलास सबैन महाल निसबत नारायणराव व्यंकटेश यांजकडे देविला होता, त्या-
मया व अलफ पैकीं बाकी संस्थानाकडे राहिली ते तालुके मजकूरचे हिशेबीं बाकी
जमादिलावल ७. ओढत आहे, रुपये ३११२० एकतीस हजार एकशें वीस रुपये हल्ली तालुके मजकुराकडे देविले असेत, तरि पत्रदर्शनीं सदरहू ऐवज देऊन जाब घेणें, म्हणोन सनद १.

सदाशिव नारायण यांचे नांवें सनद कीं, संस्थान सोंधें येथील खंडणीचा ऐवज पेशजीं तालुके धारवाड वगैरे महाल निसबत नारायणराव व्यंकटेश यांजकडे देविला होता, त्यावेळीं तुमचे तीर्थरूप नारो राम यांणीं पन्नास हजार रुपयांचा हवाला घेऊन कतबा दिला आहे, त्यापैकीं बाकी राहिली आहे. रुपये २६५८० सवीस हजार पांचशें ऐशी रुपये तालुके मजकूरचे हिशेबीं बाकी निघाली आहे. त्यास सदरहू ऐवज व्याजसुद्धां हल्लीं तालुके मजकुराकडे देविला असे, तरि पत्र दर्शनीं वसूल देणें, म्हणून सनद १.

२

परवानगी रूबरू.

३१३-( ७४१ ) हरिसिंग राजे बुंदेले प्रिती ( थी ? ) सिंग यांचे पुत्र. प्रिती (थी ?)
इ० स० १७७२-७३ सिंग मृत्यू पावले, सबब त्यांचे नांवें सरकारांतून टिका, वस्त्रें पाठविलीं,
सलास सबैन सबब सरकारची नजर रुपये २५००० पंचवीस हजार रुपये करार
मया व अलफ केले आहेत, त्यास सरकारचें पत्र गढा कोट्यास पोंहचतांच दोन महि-
जमादिलाखर २१. न्यांनीं ऐवज पावे अशी निशा करून घेऊन सदरहू रुपये हुजूर पाठवून देणें, म्हणोन बाळाजी गोविंद यांस

सनद १.

रसानगी याद.

---

312. Chalpatirai Dalwai of sansthan Vidyanagar was asked to
A. D. 1772-78, send the arrears of tribute due from his sansthan, viz, Rupees 31120.

313 Pritising Raje Bundele having died, his son was allowed
A, D. 1772-70. to succeed, and a nazar of Rs. 25,000 was levied from him.

३१४-( ७५४ ) सोमशेखर नाईक राहासापा नाईक संस्थान हरपनहल्ली यांचे नांवें कौल कीं, व्यंकाजी आबाजी वकील संस्थान मजकूर व व्यंकटराव मल्हार वकील सरकार यांणीं सालमजकूर व पेस्तरसालचे खंडणीविशीं हुजूर पुणियास येऊन विनंती केली, त्याजवरून संस्थानचे नातवानीवर नजर देऊन सालमजकूरची खंडणी व पेस्तरसाल सन अर्बा सबैन एकूण दुसालां खंडणी देखील पेशकसी सिरे व दरबारखर्चसुद्धां ———————— रुपये.

इ० स० १७७२--७३
सलास सबैन
मया व अलफ
जिल्हज ११.

१९०००१ सालमजकुरीं सन सलास सबैनची खंडणी रुपये.

७५००१ वकील संस्थानास पावल्यावर विसां दिवसांनीं निमे.

७९००० निमे राहिले ते.

३७५०० वैशाख अखेर.

३७९०० ज्येष्ठ अखेर.

———

७९०००

———

१५०००१

१५०००१ पेस्तरसाल सन अर्बा सबैनची खंडणी पैकीं निमे ऐवज स्वारी जहाल्यास तूर्त द्यावा, देशीं राहिल्यास पौष अखेर द्यावा. बाकी निमे दोन हप्तेयांनीं सालमजकुराप्रमाणें द्यावा, येणेंप्रमाणें करार.

———

३००००२

---

314. Tribute of Rs 1,50,001 was imposed on Soma Shekhar Naik Rahasappa of Harapanhali and the following stipulations were made:—

A. D' 1773-73.

(1) The Government army when marching into the Karnatic should not disturb the territory of the sansthan.

(2) The territory should be protected by Government against attacks from Haidarkhan.

(3) On arrival of the Government army in the Karnatic, the Raja should personally join it at the head of a detachment of 1000 foot soldiers and serve for 5 or 7 or at the most 8 months. If the soldiers of other sansthans were given any allowance by Government, the same allowance would be given to his soldiers.

एकूण तीन लक्ष दोन रुपये पैकीं सालमजकूरची खंडणी दीड लक्ष एक रुपया व पेस्तरसालची खंडणी दीड लक्ष एक रुपया येणेंप्रमाणें दुसालां खंडणी करार केली असे. सदरहू ऐवजाचे होन हरपनहल्ली दर ३।।।= पावणेचार रुपये चवल प्रमाणें सालाबादचे शिरस्तेबरहुकूम सरकारांत भरणा करणें. सदरहू मुदतीप्रमाणें सालाचे सालांत खंडणीचा ऐवज लक्ष्मेश्वरास लक्ष्मण हरी दिमत वामनराव गोविंद यांजवळ भरणा करावा. करारांत अंतर करूं नये, येणेप्रमाणें करार केला असे. सदरहूप्रमाणें भरणाकरून जाब घेणें. याशिवाय जाजती आजार लागणार नाहीं, अभय असे. बाखेरीज कलमें:—

सरकारच्या फौजा कर्नाटकांत गेल्यावर संस्थानचे मुलकास उपद्रव लाऊं नये. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

खंडणी करार केल्याप्रमाणें ऐवज मुदती बरहुकूम क्षेपनिक्षेप देत जावा, अंतर जहाल्यास सरकारांतून पारपत्य केलें जाईल. कलम १.

हैदरखानाचा उपद्रव संस्थान मजकुरास लागों देऊं नये. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

सरकारची फौज कर्नाटकांत गेल्यावर एक हजार प्यादे व एक कर्ता खासा समागमें यावा. पांच सात निदान आठ महिने चाकरी करावी. वरकड संस्थानचे प्यादे येतील त्यांस पोटास दिलें तर तुम्हांस दिलें जाईल. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

एकूण चार कलमें सदरहू लिहिल्याप्रमाणें करार असेत, म्हणोन —— कौल १.

येविशीं लक्ष्मण हरी दिमत वामनराव गोविंद यांचें नांवें पत्र कीं, सदरहू सालमजकूरचे खंडणीचा ऐवज कराराप्रमाणें वसूल घेऊन पुणियास पोंहचवावा. रुपये

७५००१ चैत्र शुद्ध पंचमीपासून विसां दिवसांनीं मशारनिलेजवळ पोंहचवावा, येणेंप्रमाणें करार असे.

३७५०० वैशाख अखेर.

३५१३१।।। ज्येष्ठअखेर ३७५०० रुपये, पैकीं वजा वराता सालाबादी २३६८।, बाकी.

७२६११।।।

येणेंप्रमाणें ऐवज पोंहोचता करावा, म्हणोन लिहिलें पत्र १.

रसानगी यादी.

# १ राजकीय.

## ( क ) देशांतील बंडें.

### १ तोतया.

३१५—( ३२९ ) मौजे जयनगर परगणे सुलतानपूर येथें तोतया निर्माण
इ० स० १७६४–६५ जाला आहे; ऐशियास तेथील बंदोबस्त नारो कृष्ण यांजकडे सांगि-
खमस सितैन तला आहे, त्यास किल्ले जातचे लोक मशारनिलेकडे सदरहूप्रमाणें
मया व अलफ कामकाज लागल्यास एक कारकून बरोबर देऊन रोजमरियाची
जिल्हेज १३.
बेगमी करून लोक सत्वर रवाना मशारनिलेकडे करणें. मशारनिले तुम्हांस लेहून पाठवि-
तील ते क्षणीं लोक पाठवून देणें, म्हणोन छ. १४ नगर किल्लेहाय यांचे नांवें सनदा.

| | | |
|---|---|---|
| १ | बाळाजी बाबूराव, असामी | १००. |
| १ | आप्पाजी हरी, असामी. | १००. |
| १ | शेटयाजी ऐतोळे, | १००. |
| १ | राजाराम गोविंद, असामी | २९. |
| ४ | | ३२९ |

रसानगी याद.

३१६—( ३३१ ) मौजे जयनगर परगणे सुलतानपूर येथें तोतया निर्माण करून
इ० स० १७६४–६५ गोसांवी यांणीं खून करून खानदेश प्रांतीं मुलुकाची खराबी कारितात,
खमस सितैन त्यांचे पारिपत्य करून बंदोबस्त करावा याची तुम्हांस आज्ञा केली
मया व अलफ असे. त्यास मसलत संबंधें कलमें:—
जिल्हेज १३.

# POLITICAL MATTERS.

## RISINGS IN THE COUNTRY.

### 1. A Pretender.

315. A pretender having appeared in Jayanagar in pargana Sultanpur, certain Sardars were directed to send assistance to
A. D. 1764–64. Naro Krishna who was entrusted with the duty of putting him down.

316. Some Gosavis having set up a pretender in Jayanagar of pargana Sultanpur were disturbing the country. Naro
A. D. 1764–64. Krishna was directed to put them down. He was told to entertain new troops for the purpose, if the Saranjamdars who had been directed to send him assistance, failed to do so, and to recover the cost rateably from the Saranjamdars in question.

स्वारीमुळें शिबंदी लोक त्यास हुजुरून पथक नेमून दिली आहे. सरंजामी महाल सरदारांकडे आहे, त्यांजकडून मदत करविली आहे. त्यांजकडून कुमक येईल. ऐसी जमियेत करून पारपत्य करणें. शिबंदी व दारूगोळी यांस खर्च लागेल त्यापैकीं सरंजामी यांचें महालावर वांटणी बसेल, ते त्याजकडील कमाविसदारांचें विद्यमानें उगवून कामाचा अजमास पाहून बाकीची शिबंदीखर्च बशर्थ काम कार्याकारण मजुरा पडेल. कलम १.

स्वारीमुळें तैनाती पथकें चाकरीस हुजूरचीं आहेत, त्यांजला नालबंदीपैकीं वराता व रोजमुरा नेमून दिला आहे. त्यास परगणे मजकुरीं महालकरी यांजकडे हसेबंदीचा ऐवज येणें, त्या ऐवजीं घेऊन खर्च करणें. सरकारचे सनदेप्रमाणें मजुरा पडेल. कलम १.

सरंजामी यांजकडील कुमक न आली तर तुम्हीं फौज व प्यादे कार्याकारण ठेवून त्याचा ऐवज दामाशाईप्रमाणें त्यांजकडील कमाविसदारापासून उगवून घेणें. कलम १.

एकूण तीन कलमें करार करून दिलीं असत, सदरहू प्रमाणें वर्तणूक करीत जाणें. छ. १४ जमादिलाखर, नारो कृष्ण यांचे नांवें

सनद १.

रसानगी याद.

## दादासाहेब यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

३१७–( ३३७ ) चक्रोजी कदम बांडे यांजकडे महालानिहाय प्रांत खानदेश
इ० स० १७६४–६५ येथील मोकासा महाल बितपसील.

खमस सितैन
मया व अलफ
जिल्हेज १३.

१ परगणे नंदुरबार.
१ परगणे सुलतानपूर.

२

एकूण दोन महालांचा मुकासा होता, त्यास मशारनिले तोतयांत मिळोन संस्थान सरकारांत जप्त करून जप्तीची कमावीस तुम्हांस सांगितली असे, तरि सदरहू महालचा अमल करून ऐवज सरकारांत पावता करणें, व मशारनिलेचें घर व माणसें जेथें असतील त्यांची जप्तीकरणें, म्हणोन छ. १३ रजब. सनदा

१ नारो कृष्ण.
१ जमीदार परगणे नंदुरबार यांचे नांवें.

---

317. Chakroji Kadam Bande having joined the pretender, his
A. D. 1764-65. Mokasa in parganas Nandurbar and Sultanpur and his property and family were ordered to be attached.

१ जमीदार परगणे सुलतानपूर यांस.

—

३

रसानगी यादी.

३१८–( ३८८ ) सुखनिधान तोतया कनोजा ब्राह्मण किल्ले कुरंगेवर अटकेस ठेवावयास तुम्हांकडे पाठवीत आहों, तरि याचे पायांत बिडी आहे, त्याप्रमाणेंच किल्ल्यावर बहूत खबरदारीनें अटकेस ठेवून पोटास शेर दररोज देत जाणें, म्हणोन विसाजी केशव यांस सनद १.

इ० स० १७६५–६६ सित सितैन मया व अलफ जमादिलावल ३.

रुजू किल्ले घनगड निसबत नारो त्रिंबक यांस सनद दिली आहे.

३१९–( ४५२ ) तोतयाचे खुळांतील ब्राह्मण——असामी.

इ० स० १७६६।६७ सबा सितैन मया व अलफ मोहरम २५.

१ शिवराम दीक्षित लेले.
१ शामराव हरी पुणतांबेकर.
१ विसाजी बल्लाळ गद्रे.
१ पांडुरंग गोविंद दातीर याचे पायांत बिडी घालून ठेवावे
१ विश्वनाथभट आठवले.
१ विठोबा निसबत शिवराम दीक्षित लेले.

—

६

एकूण सहा असामीस दर एक किल्यावर पक्या बंदोबस्तानें अटकेस ठेवून पोटास देत जाणें, म्हणोन शंकराजी केशव प्रांत कोंकण यांचें नांवें सनद.

रसानगी, लक्ष्मण आपाजी एकबोटे कारकून शिलेदार.

३२०–( ५३७ ) सुखनिधान तोतया कनोजा ब्राह्मण किल्ले घनगडावर अटकेस आहे, तो किल्ले सोलापूरावर अटकेस ठेवण्याकरितां किल्लेमजकुराहून आणावयास हुजुरून महादाजी चिंतामण कारकून यांस मोगल लोक देऊन पाठविले आहेत, तरि तोतया मजकुर किल्यावरून उतरून मशारनिलेचे स्वाधीन करणें, म्हणोन नारो त्रिंबक यांस सनद १.

इ० स० १७६७।६८ समान सितैन मया व अलफ रजब ८.

परवानगी रूबरू.

---

318. Sukhnidhan, the pretender, a Kanojya Brahmin by caste, was sent to fort Kurang to be inprisoned there in chains, and given food every day.
A. D, 1764-65.

319. Six Brahmins who had supported the cause of the pretender were sent to Shankaraji Keshav to be imprisoned.
A. D. 1767–69.

320. Sukhnidhan, the pretender, who was imprisonsd at fort Ghangad was ordered to be sent to fort Sholapur.
A. D. 1737--68.

इ० स० १७६८।६९ तिसा सितैन मया व अलफ साबान ३०.

३२१–( ५९७ ) सुखनिधान तोतया कनोजा ब्राह्मण किल्ले अहमदनगरास अटकेस होता, तो किल्ले दौलताबादेस अटकेस ठेवावा याकरितां तुह्मांकडे वेंकाजी राम कारकून याजबरोबर पाठविला आहे. पक्क्या बंदोबस्तानें अटकेस ठेवून पोटास शेर दररोज देत जाणें. तुह्मांजवळ पोहोंचल्याचें उत्तर पाठविणें व किल्ले मजकुरीं तुळाजी आंगरे अटकेस आहेत त्यास पुरंदरावरि अटकेस ठेवावया करितां वेंकाजी राम कारकून याजबरोबर रवाना करणें. हुजूर पुण्यास आल्यावरि किल्ले मजकुरीं पाठविला जाईल. चौकी पाहाऱ्यास तुह्मीं किल्ले मजकुराहून पंचवीस माणूस हुजूर पोहोंचवावयाकरितां समागमें देणें व एक कारकून देणें, ह्मणोन धोंडो महादेव यांस.

सनद १.

परवानगी रूबरू.

महादाजी नारायण यांचे नांवें सनद कीं, वेंकाजी राम कारकून यासमागमें राऊत वगैरे देऊन पाठविले आहेत. हे तुह्मांजवळ पोहोचल्यावरि पन्नास माणूस व एक कारकून तुम्हीं किल्ले मजकुराहून देऊन तोतयास रवाना करणें, ह्मणोन सनद १.

---

२.

इ० स० १७६९।७० सबैन मया व अलफ रजब ६.

परवानगी रूबरू.

३२२–( ६३८ )नारो त्रिंबक यांचे नांवें सनद कीं, महादाजी नारायण करंबेळकर याणें काशी जिवाजी फडके याजपासून एक हजार रुपयांच्या पुतळ्या घेऊन किल्ले अमदानगरचा व तोतयाचा फितूर करीत होता, सबब किल्यावर ठेवावयासि तुह्मांकडे पाठविले आहेत असामीः—

१ महादाजी नारायण करंबेळकर यास किल्ले विसापुरावर.

१ काशी जिवाजी फडके यास किल्ले लोहगडावर.

---

२

---

A. D. 1768–69.

321. Sukha-nidhan, the pretender, who was in confinement at fort Ahmadnagar was ordered to be sent to fort Davlatabad, and Tulaji Angria who was in confinement at fort Davlatabad was ordered to be sent to fort Purandhar.

A. D. 1769--60,

322. Mahadaji Narayan Karambelkar who had got Rs. 1000 from Kasi Jiwaji Phadke, and had been plotting for the escape of the pretender from the fort of Ahmadnagar was arrested together with Kasi Tulaji. Both men were ordered to be imprisoned. This order was sent with Moro Hari, a Karkun under Ramshastri.

एकूण दोन असामी पाठविल्या आहेत, यांच्या पाईं बिड्या घालून पक्या बंदोबस्तानें सदरहू किल्यावर ठेवणें, आणि पोटास सिधा मध्यम प्रतीचा देत जाणें, म्हणून सनद १.
रसानगी, मोरो हरी कारकून निसबत रामशास्त्री, बरहुकूम यादी.

# १. राजकीय.

## ( क ) देशांतील बंडें.

### २. भिल्ल व कोळी.

३२३–( ५३ ) बहिरजी बलकवडे यांस सनद कीं, सुभा कावनई येथील लोकांपैकीं शंभर असामी दूर करणें ह्मणून बेहड्यांत नेमणूक करून कलम लिहिलें आहे. त्यास सांप्रत मोगलाची गडबड व कोळ्यांचा दंगा जहाला आहे, तर तूर्त लोक दूर न करणें, गडबड वारलियावर दूर करणें, ह्मणोन सनद १.

इ० स० १७६२।६३ सलास सितैन मया व अलफ साबान.

रसानगी दादो उद्धव दिवाण सुभा मजकूर.

### नारो आपाजीच्या रोजकीर्दीपैकीं.

३२४–( १२२ अ ) नारो त्रिंबक जिल्हा मावळ यांचें नांवें सनद कीं, तुह्मांकडे किल्ले राजमाची कोळ्यांचा दंगा फार झाला, याकरितां हुजरून लोक रवाना असामी हशम पैकीं:—

इ० स० १७६३।६४. अर्बा सितैन मया व अलफ रबिलावल.

| | असामी. | ऐन. | पोरगे. | घोडीं. |
|---|---|---|---|---|
| दिमत गोविंद जगन्नाथ | ९० | ७९ | १० | १ |
| दिमत माधवराव खानविलकर | ४२ | ३६ | ६ | ० |

---

# POLITICAL MATTERS.

## RISINGS IN THE COUNTRY.

### 2. Bhils & Kolis.

323. An order had previously been issued to reduce the force at Subha Kawanai by 100 men. Owing, however, to a disturbance created by the Mogals, and an insurrection of the Kolis, the orders were held in abeyance.

A, D. 1762--63.

324. A serious disturbance having been caused by the Kolis, a party of 157 men was sent to assist Naro Trimbak of zilla Mawal.

A. D. 1763--64.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| दिमत माधवराव कानो | ३५ | ३२ | ३ | ० |
| दिमत कृष्णाजी महादेव | ९ | ६ | ३ | ० |
| गणेश राम पैकीं | ३ | ३ | ० | ० |
| वासुदेव राम कारकून निसबत कृष्णाजी महादेव | १ | १ | ० | ० |
| | १८० | १५७ | २२ | १ |

एकूण असामी एकशें ऐशी तुह्मांकडे पाठविले आहेत. यांची नेमणूक नांवनिशीवार आलाहिदा पाठविली आहे, त्याप्रमाणें हजिरी घेऊन चाकरी देणें. सदरहू लोकांचें कामकाज राजश्री गोविंद राम यांचें हातें घेत जाणें, ह्मणोन छ. २१ रबिलावल सनद १.

इ० स० १७६४।६५ खमस सितैन मया व अल्लफ जमादिलावल

३२५–( २७९ ) व्यंकट रामशास्त्री यांचें नांवें सनद कीं, परगणे धरगांव व परगणे कसराबाद व मंडलेश्वर येथें भिल्लांचा व गोसावी यांचा व बजाजी मतकर याचा उपद्रव फार लागतो, येणेंकडून सरकार नुकसानी फार होते, मुलकाची आबादानी होत नाहीं; यास्तव पारपत्य भिल्ल व गोसावी व मतकर यांचें जाल्यास मुलुक आबाद होऊन सरकार किफायत होईल म्हणून तुम्हीं सांगितलें; त्याजवरून तुम्हांस पारपत्य करावयास सांगितलें असे, तरि दहा हजार वीसहजार पंचवीस हजार रुपयेपर्यंत शिबंदीस एकसाल खर्च करून, शिबंदी ठेवून, गोसावी व भिल्ल व मतकर यांचे पारपत्य उत्तम प्रकारें करून सरकार लक्ष करून राहाणें. मतकराचे महालपैकीं सदरहू पंचवीस हजार रुपये उगवणी करून सरकारांत घ्यावी, परंतु शिबंदी ठेऊन पारपत्य उत्तम प्रकारें करावें. शिबंदीचा अखत्यार तुम्हांवरच आहे. जसें जाणाल तसे खर्च करणें; मजुरा पडेल, म्हणून सनद १.

रसानगी याद. छ. ७ जमादिलावल.

---

A. D. 1764-65.

325. Vyankat Ramshastri informed Government, that owing to the ravages of Bhils, Gosavis and Bajaji Matkar, the parganas of Dhargaum, Kasarabad and Mandaleshwar did not prosper, and that Government was put to considerable loss. He was authorized to entertain the necessary troops and to crush the maraunders and was allowed to levy from the Matkar's territory a sum not exceeding Rs. 25,000 for the purpose.

३२६-( ३२८ ) लहुबाराव कोळी याणें पूर्वीं चोरी करून सांप्रत मुलकांत दंगा करितो, याचे बंदोबस्ताविशीं तुम्हीं विनंती केली, त्यावरून कलमें:--

इ० स० १७६४।६५
खमस सितैन
मया व अलफ
जिल्हेज १३.

कामाची सोई होऊन बंदोबस्त तुमचे हातून होय असें असल्यास पन्नास माणूस चाकर सरासरी सहा रुपयांचे शेऱ्याचे ठेऊन कोळ्यांचें पारिपत्य करणें. काम जाल्यास मुदतमाफिक कामगिरीप्रमाणें पैका सरकारांतून देविला जाईल. येणेंप्रमाणें कलम १.

ज्याचे हातें कामाचा बंदोबस्त होऊन येईल, त्यास माणसाचा करीणा पाहून श्रम साहस मनास आणून ऊर्जित केलें जाईल. कलम १.

कोळी मजकुराची बातमी राखोन शिरच्छेद करून आणावा अगर दस्त करून विसाजी केशव यांजकडे आणून हजीर करावा. हाजीर केल्यास बक्षिस कडीं सुमार

२ सोन्याचीं कडीं.
१० रुप्याचीं कडीं.
१२

एकूण बारा कडीं सदरहू लिहिलेप्रमाणें काम जाल्यास दिलीं जातील. कोंकणचे शिरस्तेप्रमाणें बक्षीस कडीं देविलीं जातील. कलम १.

एकूण तीन कलमें करार करून दिलीं असेत. बशर्त काम लिहिल्याप्रमाणें करणें, म्हणोन सदाशिव सोमनाथ याचे नांवें सनद छ. ७ जमादिलाखर.

रसानगी याद.

## दादासाहेब यांच्या कीर्दीपैकीं, लेखांक ३२७-२८.

३२७-( ३३५ ) रामाजी महादेव यांचें नांवें सनद कीं, किल्ले जीवधन सालगुदस्तां कोळ्यांनीं घेतला होता. तो कोळ्यांपासून घेऊन तुमचे स्वाधीन केला. ते समयीं किल्ले मजकूर पैकीं एक तोफ धोंडो केशव यांणीं नेली आहे. ती हल्लीं किल्ले मजकुराकडे देविली असे, तरि पावती करून पावल्याचें कबज घेणें, म्हणोन छ. २७ रबिलाखर सनद १.

इ० स० १७६४।६५
खमस सितैन
मया व अलफ
जिल्हेज १३.

रसानगी यादी.

---

326. Lhubarav Koli committed thefts and caused disturbance in the country. Sadashiv Somnath was authorized to entertain 50 extra men, on Rs. 6 each a month, to punish him. A reward of 2 golden bracelets and 10 silver bracelets was offered to whoever would either bring his head or produce him alive before Visaji Keshav.

A. D. 1765-65.

327. Fort Jiwadhan which had in the previous year been captured by the Kolis was now taken back from them.

A D. 1764-65.

३२८-( ४१९ ) कोळी यांणीं बदफैली केली होती, त्याजकरितां त्यांचीं मुलें-
इ० स० १७६५।६६ माणसें कैद करून ठेविलीं होतीं; त्यास हल्लीं कोळी सरकारांत रुजू
सित सितैन जाले, सबब मुलेंमाणसें सोडलीं असेत, तरि त्यांजपासून जामीन
मया व अलफ घेऊन सोडून देणें म्हणोन चिटणिशी पत्रें:—
जमादिलाखर ७.

१ रामाजी महादेव यांस कीं,

१ आबाजी पाटील भोईकर याची बायको साष्टीस आहे तीं सोडून देणें.

२ नावजी शिरका व रामजी डागल्या यांच्या बायका कल्याणांत आहेत त्या सोडून देणें.

—

३

१ विसाजी केशव यांस कीं, धावजी वेखंड्या कोळी याचीं मुलेंमाणसें वसईस कैद करून ठेविलीं आहेत तीं सोडून देणें म्हणोन.

१ दुर्गाजी शिंदे नामजाद किल्ले माहुली यांस कीं, माणकोजी भालिंगा कोळी याची लेक सोडून देणें म्हणून.

—

३

३२९-( ५०१ ) कोळ्यांचे मलईत कोळी वगैरे मिळोन होते, त्यांस चौकशीबद्दल
इ. स. १७६६।६७ हुजूर आणिले होते त्यांची चौकशी करून पाठविले आहेत म्हणोन.
सबा सितैन
मया व अलफ १ रामाजी महादेव यांचे नांवें कीं कल्याणास कैदेंत होते ते
रमजान १४. हूजूर आणिले होते असामी बितपसील:—

---

328. Certain Kolis having misconducted themselves, their wives
A. D. 1765-66. and children were being kept in prison. The Kolis having surrendered to Government, their families were ordered to be released on security being furnished.

329. Certain Kolis being implicated in the conspiracy at Ratnagiri
A. D. 1766-67. and Knrang were tried, and a fine amounting to Rs. 2,400 was imposed on three of them. One man was released, the offence not having been proved against him. Sureties for good behaviour were ordered to be taken from all these persons.

२ रायाजी भालिंगा व धर्मोजी भालिंगा वस्ती कसबे कोठिंबें तर्फ नसरापूर हे हरदूजण रतनगड व कुरंग येथील फितुरांत होते, सबब गुन्हेगारी रुपये २००० दोन हजार करार केले असेत. याचा ऐवज वाजवी ज्याकडे कर्ज येणें असेल तो वसूल घेऊन राहिले ऐवजास जामीन घेऊन त्यांपासून ऐवज वसूल घेणें.

१ नावजी शिरका वस्ती कल्याण हा रायाजी भालिंगा याजबरोबर रतनगडच्या फितुरांत होता, सबब गुन्हेगारी रुपये ३०० तीनशें करार केले असेत. वसूल घेणें. याचा अपराध लिहिल्यापेक्षां जाजती तुम्हांस [ वाटत ] असल्यास कैदेंत किल्ल्यावर ठेवून पोठास शेर देणें.

१ खंडू लांध्या वस्ती मौजे मांदेवाडी हा मलईंत होता सबब गुन्हेगारी रुपये १०० करार केले असेत. वसूल घेणें.

---

४

तीन रुजू चार असामी यांजकडे दोन हजार चारशें रुपये गुन्हेगारी करार करून पाठविलें असे, तरि ऐवज वसूल घेऊन हुजूर पाठविणें; फिरोन बदफैली करूं नये, येविशींचे जामीन वतनदार चांगले घेऊन पैकीं तीन असामी सोडून देणें.

नावनिशी प्रोा नावजी शिरका याजकडे लिहिल्यापेक्षां जाजती अपराध असल्यास कैदेंत ठेवणें; नाहीं तर यासहि सोडणें म्हणोन. सनद १.

१ येशवंतराव शिवाजी मामले कोहज यांस सनद कीं, आपाजी धान्या कोळी वस्ती मौजे आबचें तर्फ मजकूर हा कोळ्यांचे मलईंत होता म्हणोन लहुजी कोळी याणे सांगितलें होतें; त्यास चौकशी करितां मलईंत होता असा पत्ता लागत नाहीं. याजकरितां व नादार आहे सबब पाठविला आहे. त्याजपासून हाजीर-जामीन बदफैलीविशीं घेऊन सोडून देणें, म्हणोन सनद १.

१ दुर्गोजी शिंदे नामजाद किल्ले माहुली यांस सनद कीं, शेख घुडण वस्ती मौजे खर्डी तर्फ मजकूर याची चौकशी करून गुन्हेगारी रुपये १५० दीडशें करार केले असेत, आणि बाजी गोविंद मजमदार तर्फ मजकूर यांजबरोबर तुम्हांकडे पाठविला असे; याजपासून सदरहू रुपयांचा वसूल घेऊन हुजूर पाठविणें. बदफैलीविशी वतनदार जामीन घेऊन सोडून देणें, म्हणोन सनद १.

---

३

एकूण तीन सनदा दिल्या.

रसानगी याद.

३३०—( ५१० ) प्रांत खानदेश येथें भिल्लांचा वगैरे दंगा आहे, याजकरितां
इ० स० १७६६।६७ राऊत असामी १०० शंभर असामी रोजमरियावर अखेरसालपर्यंत
**सबा सितैन मया व अलफ** ठेवून हजिरी गैरहजिरी बरहुकूम प्रांत मजकूर येथील सुभाचे हिशेबीं
जिल्काद २१. सदरहू शंभर राउतांचा रोजमरा खर्च लिहिणें, मजुरा पडेल, म्हणोन
चिंतामण हरी सरसुभेदार यांस सनद १.

रसानगी रूबरू.

३३१–( ६५८ ) किल्ले कुकुडमुंडें याचे डोंगरांत वोहरजागा आहे, तेथें दित्या
इ० स० १७६९।७० भील रहातो, त्यानें किल्याचे डोंगरी पांच गांव जाळिले व हल्लीं कि-
**सबैन मया व अलफ** ल्याचे गांवीं उपद्रव करून गांव उजाड केले, व नवापूर व भामेर येथें
मोहरम ९. धाडी घालतो, त्याजवळ शिलेदार व प्यादे चाकरीस आहेत म्हणोन
हुजूर विदित जालें; त्याजवरून त्याची घरें कृष्णाजी विश्वनाथ कमाविसदार तर्फ कुकुडमुंडें यांचे विद्यमानें जप्त करून वस्तभाव मशारनिलेचे हवाली करणें. ते हुजूर पाठवितील. तुम्हीं मुलेंमाणसें अटकेंत ठेवणें, म्हणोन सनदा.

१ धोंडो बल्लाळ कमाविसदार परगणे सुलतानपूर दिमत तुकोजी होळकर परगणे मजकूर पैकीं चाकरीस आहेत ते.

१९ मौजे परी.

१२ गोविंदराव कदम स्वार.

३ सटवाजी वाघ शिलेदार.

४ रखमाजी इंगळे स्वार.

---

१९

---

330. There being a disturbance of the Bhils in Khandesh, the sar-
A. D. 1766–67. subhedar Chintaman Hari was ordered to entertain an additional force of 100 sowars.

331. Ditya Bhil, residing in the hills of Kukudmunde, burnt 5
A. D. 1769–70 villages and caused disturbance in several others in the neighbourhood. The houses and property of horsemen and soldiers in his service were ordered to be attached, and their families were ordered to be imprisoned.

८ मौजे कुढावंत येथील बापूजी पवार वगैरे शिलेदार.
१८ कसबे कोढवलेकर[?] तुकोपंत वगैरे स्वार.
२५ किरकोळ प्यादे फुटकळ गांवगन्नावार आहेत.
४९ कसबे तळोदें येथील भिल्लाशीं भाऊपणा करून गांवात जागा देतात व त्यास खर्चास रुपये व कापड व दारूगोळी देतात ते.
१९ स्वार.
३० प्यादे.

४९

११९ एकशें एकोणीस असामी आहेत त्याविशीं सनद.

१ माधवराव कदम यांस कीं, तोरखेडकर व रनाळेकर चाकरीस आहेत ते.
२५ सटवाजी कदम तोरखेडकर स्वार.
८ रनाळेकर स्वार.
१९ प्यादे रनाळेकर व तोरखेडकर.

५२

बावन चाकर आहेत त्याविशीं सनद.

१ माधवराव रघुनाथ कमाविसदार परगणे नंदुरबार दिमत तुकाजी होळकर परगणे मजकूरपैकीं चाकरीस आहेत ते असामी.
६ मौजे थालेकर स्वार.
५ खंडेराव पवार भालेरकर स्वार.
४ सटवाजी कदम.
६ मौजे उंबरडेकर स्वार.
६ नंदुरबार कसब्यांतील स्वार.
४३ प्यादे.
२० कसबे मजकूर पैकीं.
२३ गांवगन्नावार.

४३

७०

सत्तर असामी आहेत त्याविशीं सनद.

३

एकूण तीन सनदा दिल्या असेत.

३३२–( ६४८ ) भांगरे व बांबले व बोकड कोळी यांस दोन गांव दिल्याखेरीज
इ० स० १७६९।७० कोळ्यांचा बंदोबस्त होत नाहीं, ह्मणोन तुम्हीं हुजूर विदित केलें. त्यास
सबैन मया यांणीं निखालस आज्ञेप्रमाणें चाकरी करावी, बखेड्यांत कोण्हाचे पडों
व अलफ नये, सबब यांस गांव चारशें रुपये जमाबंदीचा तालुके शिवनेर पैकीं
साबान १७. देऊन कोळी यांचें नांवें खर्च लिहीत जाणें, म्हणोन उद्धो वीरेश्वर यांचे नांवें सनद १.

रसानगी यादी.

३३३–( ७१४ ) परगणें मजकुरीं भिल्लांचा दंगा जहाला आहे, त्याचे बंदोबस्ता-
इ० स० १७७१।७२ करितां जाजती शिबंदी ठेवावी लागते, म्हणोन तुम्हीं विनंतीपत्रीं
इसन्ने सबैन लिहिलें, त्यास भिल्लांचे दंगियाचा मजकूर तुम्हीं सरसुभास समजावणें.
मया व अलफ दंग्यामुळें जाजती शिबंदी अगत्याअगत्य ठेवावी असें जहाल्यास सर-
सवाल ९. सुभाचे विद्यमानें शिबंदी ठेवून परगणे मजकूरचा बंदोबस्त करणें म्हणोन, विसाजी हरी कमाविसदार परगणें भामेर यांस सनद १.

## १. राजकीय.

### ( क ) देशांतील बंडे.

#### ३. इतर.

३३४–( ४५७ ) मल्हार जगजीवन यांचें नांवें सनद की, शहर बऱ्हाणपूर येथील
इ० स० १७६६।६७ त्रिंबक नारायण यांजकडील ———————— कलमें.
सबा सितैन
मया व अलफ
सफर २७.

---

## POLITICAL MATTERS.

### RISINGS IN THE COUNTRY.

#### 3. Other Risings.

332. Two villages worth Rs. 400 or Rs. 500 were ordered to be
A. D. 1769-70. conferred on 3 Koli families viz Bhangre, Bable and Bokad on condition that they accepted service under Government and refrained from disturbing the country.

333. The Bhils having created disturbances, the Kamavisdar of
A, D. 1771-72. Bhamer was permittted to entertain additional sibandi with the approval of the sarsubha.

334. Certain shiledars and Jamatdars who had joined the rebellion
A. D. 1766-67. set on foot by Naro Krishna, having fought against the Government forces, Malhar Jagjiwan was directed to attach their horses and to make them over to Trimbak Narayan to whom the thana of Barhanpur, when taken back, was ordered to be restored.

नारो कृष्ण यांजकडलि तह होऊन ठाणें हस्तगत जाहलें म्हणजे ठाण्यांतील जकीरा वगैरे याची मोजदाद करून ठाणें जकीरासुद्धां त्रिंबक नारायण यांचे स्वाधीन करणें. कलम १.

नारो कृष्ण याचे फितुरांत शिलेदार व प्याद्यांचें जमातदार असे मिळोन सरकारचे फौजेशीं झुंजोन सरकार नुकसानी केली, सबब ठाणें हस्तगत जहालियावर दरोबस्त शिलेदार व जमातदार यांचीं घोडीं सरकारांत लाऊन पागा त्रिंबक नारायण यांचें हवालीं करून बाजे लोक यांचे रोजमरेयाची खर्चाची नेमणूक करून देणें, व शहर मजकुरीं हत्ती एक शिलेदारांचा आहे, तोही सरकारांत लावून मशारनिलेचे हवालीं करणें. येणेंप्रमाणें कलम १.

एकूण दोन कलमें करार केलीं असत, तरि सदरहू लिहिल्याप्रमाणें करणें, म्हणोन

सनद १.

रसानगी यादी.

३३५-( ४५८ ) जमीदार व शेटे महाजन व साहुकार व रयान शहर बऱ्हाणपूर यांचे नांवें पत्र कीं, तुह्मी नारो कृष्ण याचे घालमेलीमुळें परागंदा जहालां ह्मणोन हुजूर विदित जहालें,त्याजवरून हें अभयपत्र तुम्हांस सादर केलें असे. तरि तुम्हीं शहर मजकुरीं आबाद होऊन उदीम व्यवसाय करीत जाऊन वाजवी सरकारचा महसूल देऊन सुखरूप राहाणें, तुह्मांस कोणेविशीं जाजती उपसर्ग होणार नाहीं, ह्मणोन

इ० स० १७६६।६७
**सबा सितैन मया व अलफ**
सफर २७.

सनद १.

रसानगी यादी.

३३६-( ४५९ ) अंबादास बल्लाळ व धोंडी जोशी व गणेश केशव वगैरे निसबत नारो कृष्ण यांचीं घरें जप्त करावयास तुम्हांस पाठविलें आहे, त्यास नारो कृष्ण, मल्हार जगजीवन यांशीं रुजू जहाले, सबब मशारनिले-कडील कारकुनांचीं घरें जप्त केलीं आहेत, तीं मोकळीं केलीं असत; तरि याउपरि जप्ती मोकळी करणें, आणि वस्तवानी जप्त केली आहे तिची मोजदाद

इ० स० १७६६।६७
**सबा सितैन मया व अलफ**
सफर २८.

---

335. The Jamidars and Merchants of Barhanpur who had left the town on account of the disturbances created by Naro Krishna, were asked to return to the town and to resume their respective occupations without fear.

A. D. 1766-67.

336. Naro Krishna having surrenderd to Malhar Jagjiwan, the attachment placed on the houses and other property of his Karkuns was ordered to be removed.

A, D. 1766-67.

करून ज्याची त्याचे हवालीं करणें, आणि तुम्हीं हूजूर येणें, म्हणोन गंगाधर दाजी कारकन शिलेदार यास चिटणिशी पत्र———————————————————१.

# राजकीय.

## २. लष्करी खातें.

### (अ) फौज.

इ०स० १७६२।६३
सलास सितैन मया व अलफ
जिल्कादं. १५

३३७–( ३ ) परगणे अथणी वगैरे महाल तालुका राजश्री उदाजी चव्हाण यांची मामलत तुम्हांस सांगोन पागापथकसुद्धां महालांत ठेविलें आहे. त्याची बेगमी अवल सालमजकुरापासून पागा दीडमाही रोजमरा रुपये:—

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १३७४ | बारगीर | ९० | पागा | |
| ५८५ | बाजे लोक | ८३ | ·।१ | हरभरे. |
| ३७७ | खासदार | ७३ | ·।१ | बाजरी. |
| २३३६ | | २४६ | ·॥२ | |

हत्ती ४ एकूण

| वजन पक्कें | |
|---|---|
| ८२॥. | तांदूळ मोठे सडीक. |
| ८८४ | तूप. |
| ८८६ | गूळ. |
| ८८२ | मीठ. |
| ८८२ | मसाला. |
| ४२।॥४ | |

एकूण दोनशें शेताळीस असामींस दोनहजार तीनशें छत्तीस रुपये पेशजी हूजुरून करार करून दिले आहेत, त्याजप्रमाणें सदरहू दीडमाहीं रोजमुरा दोन महिन्यांनीं घेत जाणें. कलम १.

पागेस चंदी व हत्तीस रतीब मिळोन दररोज गल्ला कैली मापें.—

---

A. D. 1762-63.

337. In the orders issued to Nago Ram in regard to the army kept in pargana Athni the following instructions appear;—

( 1 ) The grain ration fixed for horses, camels and elephants should be drawn for all the days of the month excepting the 2 Ekadashi days;

( 2 ) The grain ration should be reduced by half at the end of Ashadha, when green grass is available.

( 3 ) The horses and camels should be given ghee during the monsoon.

एकूण बारामण केली व वजन पावणेतीन मण चार शेर दररोज करार करून दिलें असे. महिन्याच्या दोन एकादशी वजा करून घेत जाणें. चंदी ओलें गवत होई तोंपर्यंत आषाढ अखेरपावेतों बारा मण भरचंदी घेणें. पुढें निमचंदी घेणें. हत्तीचा रतीब पावणेतीन मण चार शेर प्रमाणें घेत जाणें. कलम १.

घोडीं रास २ व नौबतीचा उंट १ एकूण रतीब दररोज वजन पक्कें.

॥॥३ कणीक.
॥॥१॥ तूप.
॥॥॥· गूळ.
॥॥॥४॥ मिरी.

एकूण पांच शेर साडेचार टांक दररोज. महिन्याच्या दोन एकादशी वजा करून घेत जाणें. कलम १.

शिलेदार तूर्त मुलुकाचे लावणी जमाबंदी व रखवालीमुळें महालीं पथकस्वार ३१६ एकूण अठवडा रोजमुरा रुपये ९०० नवशें रुपये पेशजीच करार करून दिले आहेत, त्याजप्रमाणें महिन्याचे दोन रोजमरे प्रमाणें देत जाणें. कलम १.

शिलेदार बारगीर नेहमीं ठेविले, सबब रवानगीचें प्रयोजन नाहीं; किरकोळ खर्चास हजार निदान दोन हजार रुपयेपर्यंत लागले तरी खर्च करणें; मजुरा पडतील. कलम १.

पर्जन्यकाळामुळें घोडीं उंटे यांसि हत्तीचा मसाला कधींबधीं चारावा लागेल, सबब बजन पक्के॥२ दोन मण मसाला खरीदी करून खर्च करणें; सदरहूचा पैका होईल तो मजुरा दिला जाईल. कलम १.

घोडीं उंटें यांसि पर्जन्यकाळीं चारावयासि दररोज तूप वजन पक्के ॥१ मण प्रमाणें एकमाही वजन पक्के खंडी १॥ दीडखंडी तूप चौकशीनें घोडीं उटें यांसि चारणें. कलम १.

पागेचे लागवडास आजमासें मोघम पुढें स्वारीचे तयारीसुद्धां रुपये २००० दोन हजार करार करून दिले असेत, घेऊन खर्च करणें. कलम १.

एकूण आठ कलमें करार करून दिलीं असेत. परगणे अथणी वगैरे महालपैकीं चौकशीनें खर्च करणें, म्हणून नागो राम यांचें नांवें सनद १.

रसानगी यादी.

३३८—(१२) त्रिंबकराव शिवदेव यांचे नांवें सनद कीं, तुमचें पथक, स्वार ३००० तीन हजार, करार करून तैनातजाबता करार करून दिला आहे, त्यास सरंजाम पेशजीचे कमाविसदाराकडून मामलत दूर करून तुम्हांकडे सरंजाम महाल बितपशील सालमजकुरीं:—

इ० स० १७६२।६३
सलास सितैन मया व अलफ
रबिलाखर ४.

---

338. Trimbakrav Sivdev was granted the Saranjam of Sirkar Bijagad alias Khargon and other territory, for the keeping of a detachment of 3,000 sowars. He was instructed to pay out of the revenues, the Sibandis and other usual charges, as also

A. D. 1762–63.

१ सरकार बिज्यागड उर्फ खरगोण खेरीज परगणे सनावद.

१ सरकार हांडें.

१ परगणे भेलसें.

१ परगणे भावरासें वगैरे तालुके.

१ परगणे गंजबसोदें देखील सुभे.

१ परगणे पाटण सुभे केशवरायाचें, होळकर शिंदे यांचा हिसा वजा करून सरकार हिसा.

१ परगणे शेंदूरणी, प्रांत खानदेश, खेरीज मोकासा.

१ परगणे कुंभारी खेरीज दुमालेगांव व बाबती सरदेशमुखी दिगर जागीर व कसर मिळोन सरकार अमल.

१ मौजे वडगांव तर्फ पाबळ, प्रांत जुन्नर.

—

९

येणेंप्रमाणें आठ महाल व एक गांव फौजेचे बेगमीस तुम्हांकडे सरंजाम करार करून दिला असे. या सरंजामाचे उमेदीवर कराराप्रमाणें फौज ठेवून सेवा करणें. सदरहू सरंजामाचे माहलचा आकार कमाविसीचे रीतीनें खंड फुरोई देखील कुल पडलें पान इमानेंइतबारें जमा करून, हिशेब सरकारांत समजावून, महालची शिबंदी व महालमजकूर नेहमींखर्च सालाबादची नेमणूक आहे त्याप्रमाणे चौकशीनें खर्च करणें; बाकी राहिला ऐवज त्यापैकीं कराराप्रमाणें फौजेचे बेगमीस ऐवज घेणें. बाकी ऐवज राहील तो सरकारांत पावता करणें. या खेरीज

कलमें

---

the salary of the sowars, and to remit the remainder with an account to Government. He was further informed, that in case the whole amount expended by him as Nalbandi ( advance payments to soldiers ) was not realized from the revenue of the Saranjam, the balance would be repaid to him with interest by Government. Government also promised to pay him the amount of the salary given to sowars which could not be met from the Saranjam revenue. He was further directed to recover any amount that, after inquiry with the Jamidars, might be found to be due from the province, and to remit it to Government.

तीन हजार फौजेस सरंजामी महाल सदरहूप्रमाणें नेमून दिले आहेत. त्यास सालमजकुरीं तुम्ही नालबंदीस ऐवज कर्ज घेऊन खर्च कराल, त्यास महालपैकीं ऐवज उगवला नाहीं तर व्याजसुद्धां सरकारांतून तुम्हांस दिला जाईल. येणेंप्रमाणें
कलम १.

स्वार गणतीस लागतील त्यास रोजमरा वरकड फौजेप्रमाणें पावेल. येणेंप्रमाणें
कलम १.

तीन हजार फौजेनिशीं चाकरी जहाली, आणि महालांत ऐवज उगवला नाहीं, तरि गणती बरहुकूम कबज होईल तो ऐवज तुम्हांस सरकारांतून दिला जाईल. येणेंप्रमाणें
कलम १.

सदरहू महाल यांनीं कमाविसदाराचे कारकीर्दीची बाकी जमीदाराचे रुजुवातीनें असेल ते वसूल करून ऐवज सरकारांत पावता करणें.
कलम १.

येणेंप्रमाणें चार कलमें करार करून दिलीं असेत. सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें, आणि परगणे मजकूरची आबादी राखणें, म्हणोन मशारनिलेचे नांवें
सनद १.

रसानगी यादी.

३३९—( ३० ) माधवराव कदम बांडे यांसि सालमजकुरीं फौजेच्या सरंजामास महाल पेशजीच्या जमीदारांकडून दूर करून सालमजकुरीं दिला असे, तरि तुम्हीं मशारनिलेकडील कमाविसदारांस रुजू होऊन महालचा वसूल सुरळीत देणें, म्हणोन
सनदा.

इ० स० १७६२।६३
**सलास सितैन**
**यया व अलफ**
साबान २.

रसानगी यादी.

१ परगणे सावली प्रांत गुजराथ दरोबस्त अमल देखील जकात देणें, म्हणून जमीदारांस.

१ परगणे नवापूर प्रांत गुजराथ येथिल जमीदारांस सनद कीं, परगणे मजकूरचा अमल जागीर व बाबती व सरदेशमुखी खेरीज मुकासा करून देखील जकातीचा अमल वसूल सुरळीत देणें, म्हणून
सनदा.

—
२

339. A saranjam in paragana Sawli in Prant Gujrath and in paragana Nawapur of Khandesh was given to Madhavrav Kadam Bande for the maintenance of troops.

A. D. 1762–63.

३४०—( ७८ ) मोकदम मौजे कळंबी प्रांत मिरज यांचें नांवें सनद कीं, मौजे
इ० स० १७६२।६३ मजकूर हा गांव हुजुरून मोकासा दरोबस्त राजनाक वल्लद काळनाक
सलास सितैन याजकडे पेशजीपासून आहे, त्यास राजनाक मजकूर हुजूर चाकरी करतो,
मया व अलफ याजकरितां पेशजीप्रमाणें करार करून देऊन हें आज्ञापत्र सादर केलें
जिल्काद १०.
असे; तरि मौजे मजकूरचा मोकाशियाचा दरोबस्त अमल मशारनिलेकडे सुरळीत देणें, म्हणोन
सनद १.

रसानगी यादी.

त्रिंबकराव लक्ष्मण यांस पत्र कीं, मौजे मजकूरची जप्ती मोकळी करणें, म्हणोन
चिटणीसी
१
—
२

३४१—( ८१ ) माहिपतराव कवडे यांचें नांवें सनद कीं, तुम्हांस सालमजकुरीं
इ० स० १७६२।६३ पासून फौज ठेवावेयासि आज्ञा केली आहे, त्याचा करार. स्वारः—
सलास सितैन २००० खुद्द तुमची नेमणूक.
मया व अलफ
जिल्काद २१. १२०० कदीम.
५० पागा सरकार.

---

340. The village of Kalambi in prant Miraj was assigned in
A. D. 1762--63. saranjam to Rajnak walad Kalnak.

341. Mahipatrav Kavde was directed to entertain 2500 horse, and
A. D. 1762--63. a Saranjam of Rs. 6,25,000 was given to him for the purpose, that is at the rate of Rs. 250 per sowar. His personal allowance was fixed at Rs. 25,000 as follows;—

| Rs. | |
|---|---|
| 6,000 | pay. |
| 12,000 | family expense, food &c. |
| 2,000 | for 2 Palanquins. |
| 4,000 | expenses of feeding 4 elephants. |
| 1,000 | pay of his attendants. |
| 25,000 | |

A sum of Rs. 18,750 was also allowed for the yearly pay of the following establishment among others:—

३०० खास पथक.
८५० शिलेदार.

———

१२००
८०० जदीद पेस्तर सालापासून ठेवावे.

———

२०००

५०० आवजी कवडे बिन आनंदराव कवडे
३०० कदीम.
२०० जदीद पेस्तर सालापासून.

———

५००

———

२५००

एकूण अडीच हजार स्वारांस कुल पडलें पान मोईन सालीना निवळ बारमाही दर स्वारास रुपये २५० अडीचशें प्रमाणें आकार रुपये:

६२५००० ऐन आकार स्वारांचा.

२५००० खुद्द तुम्हांस मोईन सालीना कुल शागीर्दपेशा व संसार सर्वखर्च मिळोन बारमाही.
६००० खाशास तैनात.
१२००० घरखर्च संसारिक.
२००० पालख्या २.
४००० हत्तीस खर्च हत्ती नग ४
१००० शागीर्दपेशा.

———

२५०००

---

Rs.
5,000 Raghunath Hari
5,000 Khasnis.
950 Fadnis.
400 Sabnis.
500 Daftardar.
400 Chitnis.
250 Parasnis.
300 Jamdar
400 Potnis.

५००० आवजी कवडे बिन आनंदराव कवडे मोईन सालीना कुल शागीर्दपेशा व संसारखर्च मिळोन.

३००० कदीम.
२००० जाजती.

५०००

१८७५० सरदारीच्या डौलास नेहमीं कारकून व दिवाण आहेत, त्यांस मोईन सालिना रुपये:——

५००० हरी दामोदर दिवाण यांचे पुत्र रघुनाथ हरी

१००० खुद.
१००० पालखीस मोईन सालीना.

२०००

५००० अंबाजी देवजी खासनीस.
९५० गंगाधर येशवंत फडणीस.

६०० कदीम.
३५० जाजती.

९५०

५०० नारो दादाजी.
४०० बापूजी तुकदेव, सबनीस.
३५० राघो केशव.
३५० बावाजी राम, दफ्तरदार.
४०० दादो मल्हार, चिटणीस.
२५० पारसनीस.
३०० जामदार.
३०० रामराव जाधव.
३०० बाजी विठ्ठल.
४०० राघो कृष्ण पोतनीस.
२००० दादो आंबाजी जदीद सालमजकुरापासून.
२५० कृष्णराव गोविंद न्याहरखानी.

१६७५०

२००० निसबत आवजी कवडे.

१००० रघुनाथ हरी दिवाण.
५०० अंबाजी देवजी.
३०० गंगाधर येशवंत फडणीस.
२०० राघो कृष्ण पोतनीस.

२०००

१८७५०

तपशील.
कदीम.
जाजती सालमजकूरापासून

६,७३,७५०

एकूण सहा लक्ष त्र्याहात्तर हजार साडेसातशें रुपये मोईन सालीना करार केली असे, बाकी सरंजाम माहाल ऐकूण आकार तनखा रुपये:——

*  *  *  *  *  *  *  *

एकूण सहा लक्ष त्र्याहातर हजार सातशें पन्नास रुपये सरंजाम सदरहूप्रमाणें नेमून दिला असे, तरि तुम्हीं सदरहूप्रमाणें सरंजाम आपले दुमाला करून घेऊन फौज चांगली बाळगून चाकरी एकनिष्ठपणें करीत जाणें. सरंजाम संबंधें कलमें येणेंप्रमाणें करार:—

तुम्हांस अडीच हजार फौज ठेवावयासि आज्ञा केली आहे, त्याजप्रमाणें फौज अडीच हजार चांगली ठेवून फौजेची हजिरी गणती सरकारांत द्यावी. अखेरसालीं गणतीबद्दल कबज घेऊन, ऐवजीं ऐवज वजा मिळोन, जाजती ऐवज राहील तो सरकारांत द्यावा. येणें प्रमाणें करार. कलम १.

परगणे उमरखेड येथील मुकाशाबद्दल व इमारतीबद्दल व अंबाजी देवजबिद्दल जमेस सत्तावीस हजार पांचशें रुपये वजा दिले आहेत, त्यास अखेरसालीं परगणे मजकूरचा हिशेब हुजूर आणून समजावणें; हिशेबामुळें सदरहू ऐवजमुकाशाबद्दल वगैरे नेमणूक होईल त्याप्रमाणें पेस्तरसालापासून सरकारांत कच्चया हिशेबाच्या आकाराप्रमाणें ऐवज द्यावा. कलम १,

तुम्हांकडे पेशजीपासून जुना सरंजाम आहे, त्यास तेथील आकार पेशजीपासून खेरीज महालमजकूर बेरीज तुमच्या आद्यास येत आहे, त्याप्रमाणें हल्लीं खेरीज महालमजकूर सरंजाम जुना आहे त्याचा आकार आ ंत धरिला जाईल. कलम १.

पेस्तर सालापासून मोगलाई महाल सरंजाम दिला आहे, त्याचा तनखा महालवार लागला आहे. त्यास तुम्हीं कस्त मेहनत करून महालची लावणी करून मानपान [मिळे] ती साधणूक करून दाखवावी; कमी आणूं नये. कलम १.

महालोमहालीं दुमालेगांव व इनाम व धर्मदाव व वर्षासनें वगैरे पेशजीपासून चालत आलें असेल त्याचा जुना भोगवटा मनास आणून सरकार सनदेचा उजूर न धरितां त्याचा त्याजकडे चालवावा. बोभाट हुजूर येऊं न द्यावा. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

सालमजकुरीं तुम्हांस पेस्तर सालापासून सरंजाम महाल दिले आहेत, त्यास महालमजकुर व शिबंदी वगैरे खर्च अलाहिदा सरकारांतून मजुरा पडणार नाहीं. अडीचशें रुपये स्वारास नेमणूक करून दिली आहे, त्यांतच शिबंदी महालमजकूर कुल पडलें पान देखील जुंझांत घोडें पडलें तें समजून घ्यावें. अलाहिदा मजुरा पडणार नाहीं. कलम १.

तुम्हांस सरंजाम महाल दिले आहेत, त्यास महालचा कच्चा हिशेब इमानें इतबारें हुजूर आणून द्यावा. चौकशीमुळें आफ्त फितूर मातबर जहाला, तरि मुलूख शिरस्तेप्रमाणें मजुरा पडेल. कलम १.

सन सलासचा मुकासबाबेचा ऐवज परगणे उमरखेड व इमारतीबद्दल व वेतन अंबाजी देवजी बाकी ऐवज तुम्हांकडे येणें; त्यास अखेरसालीं परगणे मजकूरचा हिशेब कच्चा मनास आणून हिशेबामुळें जो ऐवज होईल तो तुमच्या पथकाकडे मखलासीप्रमाणें देविला जाईल. कलम १.

एकूण कलमें आठ करार करून दिलीं असत. सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करून साहेबचाकरी एकनिष्ठपणें करीत जाणें, म्हणोन सनद १.

रसानगी यादी.

३४२–( १०० ) गणेश विठ्ठल यांचे नांवें सनद कीं. माधवराव नरसी दिमत पागा हुजूर, निजामअलीच्या लढाईत जखमी जाहले, सबब किल्ले अमदानगर येथें रवाना केले असेत. बराबरि पागेचीं घोडीं व उंटें आहेत, त्यांस दाणा वैरणची बेगमी.

इ० स० १७६३।६४ अर्बा सितैन मया व अलफ सफर ७.

चंदी दररोज केली मार.

८३८१॥ घोडी रास ३०

८। उंट नफर ३

८३।१॥

एकूण कैली सवातीन मण दीडपायली. पैकीं निमे हरभरे निमे बाजरी प्रमाणें सनदपैवस्तगिरीपासून जोंपर्यंत राहतील तोंपर्यंत देत जाणें. ———कलम १.

वैरणांस कुरण नेमून दणें. गवत कापून आणितील. ———कलम १.

एकूण सदरहूप्रमाणें दोन कलमें करार करून दिलीं असेत, याप्रमाणें देत जाणें व मशारनिलेस जागा चांगली राहावयास देऊन लाकूडफाटें हरएक साहित्य करून देत जाणें, म्हणोन

सनद १.

रसानगी राजश्री राव, रसानगी बुमपा मदेदार.

३४३–( १०१ ) बालघेणें जखमी नजीक राक्षसभुवन येथील निजामअलीचे लढाइत जखमी व ठार जाहले त्यांस खर्चास. रसादगी यादी. रुपये.

इ. स. १७६३।६४ अर्बा सितन मया व अलफ सफर ११.

---

342. Madhavrav Narsi of the Huzur cavalry having been wounded in a battle with Nizam Ali was sent to Ahmednagar fort for treatment.

A. D. 1763-64.

343. In the Rawasudgi portion of this day's diary, various items are debited on account of grants to officers and men wounded in the battle fought with Nizam Ali near Rakshasbhuwan and on account of the funeral expenses of men killed. The list includes men of all castes–Marathas, Brahmans, Mohomedans, and Rajputs. The wounds are described as caused by swords, bullets, arrows, stones &c.

A D. 1663--64.

४८० पागा हुजूर निसबत माधवराव रामचंद्र.

३४० बारगीर.

१५ राजाराम चव्हाण जखम तरवारेची बाहुल्यावर भारी सबब, रुपये.

१५ राघोजी डफळे जखम भाल्याची गळ्याजवळ.

१० मलजी घोगरे जखम तरवारेची उजव्या मनगटास व तरवारेचे वारानें पागोटें तुटलें.

१० शेख जैनुद्दीन जखम तरवारेची उजव्या पायास पोटरीवर, रुपये.

१० काशिबा कटके घोडा अंगावर पडला सबब.

१० लक्ष्मणराव बडवे जखम दगडाची डावे हातास.

२५ जावजी जगथाप जखमा गोळीच्या दोहीं तळाथास लागोन पार जाहाल्या सबब. रुपये.

६० बहिरजी घाटगे जखमा भारी, रुपये.

६ तरवारेच्या.

१ कानावर.

३ डावे हातावर

१ उजवे हातावर

१ गळ्याजवळ.

१ भाल्याची डावे कुशीस.

---

७

एकूण रुपये.

१० इमामखान म्हसवडकर जखम बाणाची डावे पायाच्या गुडघ्यास सबब. रुपये.

१०० बच्याजी महादेव जखम तरवारेची उजव्या बाहुल्यावर. रुपये.

७५ शिवजी टाल गोळी लागोन ठार जहाले सबब.

| | |
|---|---|
| ३४० | ११ |

१४० शिलेदार.

२५ नथेखान जखम तरवारेची उजवे हातावर कोंपराजवळ व मशारनिलेच्या घोड्यास जखम गोळीची मागील उजव्या पायास घोट्याजवळ.

१ असामी.

१ रास.

---

२

एकूण रुपये.

५८ हाजी आरब जखम भाल्याची गळ्याजवळ हाड फोडून पार जाहाली व तरवारेची डाव्या हातावर व बोटास जखमा भारी.

१५ हुसेनखान म्हसवडकर जखम झाल्याची डावे हातास, रुपये.

५० बाळोजी पवार संभाजी मोरे यांचे ऐवजीं जखमा तरवारेच्या भारी पांच व घोडी लढाईंत राहिली.

——

१४० — ५

तपशील.

४ असामी.

१ घोडी.

——

५

——

४८० — १६

६४ निसबत सूर्याजी अदमणे.

५० बाबूराव गरूड जखम तरवारेची-मणगटास हाड फोडून थोडासा लग राहिला आहे. जखम भारी सबब, रुपये.

१४ घोडीं जखम जहाली सबब रुपये.

७ जोत्याजी घोरपडे यांचे घोड्यास जखम झाल्याची उरांत लागली सबब.

७ सखोजी डाहाळे घोडीस जखम तरवारेची उजव्या कानावर लागली सबब, रुपये.

| | |
|---|---|
| १४ | २ |

६४ १ असामी २ रास

४७ मोगल दिमत हुसेनीबेग.

१५ बाजी अली जमादार हत्तीनें सोंड पाठीवर मारली जखम भारी सबब, रुपये.

१५ आगा महमद वल्लद ईनुसबेग जखम तरवारेची डावे कानावर, रुपये.

१० बडीलाखबेग वल्लद फाजलबेग जखम तरवारेची पाठीस.

७ अलादादखान घोड्यास जखमा तरवारेची उजव्या गु[ड]घ्यास लागली सबब, रुपये.

——

४७ असामी. रास.

३ १

——

४

——

५९१ असामी. रास.

१९ ४

——

२३

एकूण पांचशें एक्यांणव रुपये परगणे बीड वगैरे निसबत हैबतराव निंबाळकर यांजकडे बाबती सरदेशमुखीचा ऐवज सालगुदस्तांचा येणें, त्यापैकीं महादशेट वीरकर यांणीं हवाला घेतला आहे त्यापैकीं देविले———————————————————————रुपये.

बदलदेणें पागा दिमत रामजी पवार यांजकडील जखमी निजामअलीचे लढाईंत जखमी जहाले, त्यांस खर्चास, रसानगी यादी. रुपये.

१४७ पागामजकुरी बारगिरांस.

६० नारायणसिंग बारगीर जखमा ५ भारी जखम भाल्याची.

६० भवानसिंग बारगीर जखमा तरवारेच्या भारी ५.

१५ अमृतराव शितोळे जखम दगडाची.

१२ हुसेनभाई बारगीर दगडाची जखम.

---

१४७

७० शिलेदार.

३० गंगाजी नवले जखमा तरवारेच्या ६ भारी.

१० भागोजी पतंगराव जखम तरवारेची.

५ गोविंदराव नवले जखम बाणाची.

१० येशवंतराव रोडे जखमा तरवारेच्या भारी.

५ संभाजी मोरे जखम तरवारेची.

१० धनसिंग रजपूत जखम तरवारेची.

---

७०

---

२१७

एकूण दोनशें सतरा रुपये परगणे बीड वगैरे निसबत हैबतराव निंबाळकर यांजकडे सालगुदस्ताचे सरदेशमुखीबद्दल ऐवज येणें, त्याचा हवाला महादशेट वीरकर यांणीं घेतला,त्यांपैकीं देविले.

बदलदेणें देवाजी नारायण तालुके शिवनेर निजामअलीचे लढाईंत ठार जहाले, त्यांच्या हस्ती ( अस्थि ) महिपती ब्राह्मण याजबरोबर देऊन शिवनेरीस रवाना केल्या, सबब ब्राह्मणास खर्चास. परवानगी राजश्री दादा, रसानगी लक्ष्मण अपाजी, रुपये २५.

एकूण पंचवीस रुपये तालुके शिवनेर पैकीं रामचंद्र नारायण निसबत देवाजी नारायण यांजकडून देविले.

बदलदेणें रायाजी नाईक पिसाळ दिमत खंडेराव जाधव यांस निजामअलीचे लढाईंत जखम लागून ठार जहाले, त्यास क्रियेस. रसानगी यादी. ——————— रुपये. ७५

एकूण पाऊणशें रुपये परगणे बीड वगैरे निसबत हैबतराव निंबाळकर यांजकडे बाबती सरदेशमुखीचा ऐवज सालगुदस्ताचा येणें,त्यापैकीं हवाला महादशेट वीरकर यांणीं घेतला आहे, त्यापैकीं देविले.

शेख अजम शिलेदार कुडचीकर निजामअलीचे लढाईंत जखमी होते ते मयत जहाले. सबब खर्चास पाठविले. राजश्री राव रूबरू.——————रुपये १००.

एकूण शंभर रुपये परगणे बीड वगैरे निसबत हैबतराव निंबाळकर यांजकडे बाबती सरदेशमुखीचा सालगुदस्तांचा ऐवज येणें, त्यापैकीं हवाला महादशेट वीरकर यांणीं घेतला आहे, त्यापैकीं देविला.

३४४—( १०३ ) अपाजीराव व बाबूराव व धारराव पाटणकर यांचे नांवें सनद कीं, जोत्याजीराव पाटणकर यांणीं पेशजी सरकारांतून नालबंदी घेऊन मोंगलाईत गेले. त्यांचे पुत्र रवळोजीराव पाटणकर हुजूर चाकरीस आले तेव्हां नालबंदीचा ऐवज माघारा द्यावा. त्यास सन इसन्नेंत तीर्थरूप नाना कैलासवासी यांणीं नालबंदीच्या ऐवजाचा करार मदार करून पंधरा हजार रुपये तैनातेंत वजा करून द्यावे याप्रमाणें करार केला, त्यास तुम्हीं हजीरजामीन होऊन कतबा दिला जे चाकरीस हजीर करून देऊं, अथवा नालबंदीचे रुपये ठरावल्याप्रमाणें माघारे देऊं; त्यास रवळोजीराव पाटणकर यांणीं सरकारांत चाकरी केली. कराराप्रमाणें रुपये सरकारांत गुंता नाहीं. तुमचा कतबा सरकारांत आहे त्यास दफ्तर येथें नाहीं, कतबा आहे तो रद असे. तुम्हांकडे रवळोजीराव याजविशीं लांज्या लागणार नाहीं, म्हणोन पत्र १.

इ० स० १७६३।६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
सफर १५.

रसानगी यादी.

३४५–( १२५ अ ) राजश्री रामचंद्र जाधवराव सेनापति यांसि सालमजकुरापासून फौजेचे बेगमीस जागिरीचा अमल सालमजकुरापासून सरंजाम करार करून दिला असे, तरि मशारनिलेकडील कमाविसदारांशीं रुजू होऊन परगणे मजकूरचे जागिरीचा अमल सुरळीत देणें, म्हणोन जमीदारांचे नांवें——————सनदा.

इ० स० १७६३।६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
रबिलाखर १४.

---

344. Jotyajirav Patankar after receiving an advance for Military purposes from Government, went over to the Mogals. His son Ravlojirav Patankar subsequently offered himself for service under the late Peshwa. His offer was accepted, and it was settled that in repayment of advance made to his father, a deduction of Rs. 15,000 should be made from the Tainat payable to him. Appajirav, Baburav & Dharrav Patankar stood security for the performance of service on these terms by Ravlojirao. Ravlojirao having acted up to these terms, the sureties were released from their engagement.

A. D. 1763–64.

345. Eight Parganas worth Rs. 15,42,337 were conferred as Military Saranjam on Ramchandra Jadhavrav Senapati.

A. D. 1763–64.

१ परगणे भालकी.
१ परगणे निलंगें.
१ परगणे कल्याण ( णी ) देखील किल्ला.
१ परगणे प्रामदरूर.
१ परगणे चिटकापें.
१ परगणे कलबर्गें.
१ परगणे चोळी.

तनखा १५,४२,३३७

१ परगणे एकेहल्ली सुभे बेदर श्रीनिवासराव गोपाळ व नारायणराव जयराम व श्रीपतराव लालाजी दिमत मशारनिले यांसि-बेगमीस ४००००.

८

एकूण आठ सनदा दिल्या असेत.

३४६-( १२८ अ ) मीरखान टोके यांचे नांवें सनद कीं तुम्हांस जातीस व फौजेस तैनात सालिना.——————————रुपये.

इ० स० १७६३।६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
रबिलाखर २४.

२५००० तुम्हांस जातीस व हत्तीस व पालखीदेखील शागीर्दपेशा मिळोन.

३००० कारकुनांस——————रुपये.

१००० दाजी बाळकृष्ण.
१००० गंगाधर शामजी.
१००० आनंदराव कोंडाजी.

३०००

२१२४१२॥. राऊत खासे माणूस व करोल व भालेकरी व आडहत्यारी; सामान चांगलें, घोडे माणूस धडधडीत बाळगावें, त्यास तैनात———रुपये.

२१२४०० स्वार ७०८ दर ३००.
१२॥ जाजती.

२१२४१२॥.

२४०४१२॥.

---

346. Mirkhan Toke was granted a military saranjam of Rs. 2,12,412 for maintaining a body of 708 horse.

A. D. 1763-64.

एकूण दोन लक्ष चाळीस हजार चारशें साडेबारा रुपये; पैकीं खुद तुम्हांस पंचवीस हजार व कारकून असामी तीन यांस तीन हजार व स्वार सातशें आठ यांस दोन लक्ष बारा हजार चारशें साडेबारा रुपये, येणेंप्रमाणें तैनात सालीना करार केली असे. यासि सरंजाम बितपशील.

५१६८२ स्वदेशीं जाहागीर व बाबती सरदेशमुखी खेरीज मुकासा करून रुपये.

४४००० परगणे डांगरी प्रांत खानदेश.

१००० जकात परगणे डांगरी.

६२८२ प्रांत खानदेश पैकीं देहे

३००० मौजे खरडें, परगणे वाखारी--निसबत कारकून.

४०० मौजे कापशी व मौजे भिलवडी, परगणे वाखारी.

४२५ मौजे मौला, परगणे चोपडें.

३७५ मौजे भावडें, परगणे वाखारी.

८२ मौजे वैजापूर, परगणे चोपडें.

२००० मौजे मेहुणें, परगणे निंबाईत.

६२८२

४०० मौजे वाहेगांव साल, परगणे चांदवड प्रांत गंगाथडी.

५१६८२

१८८७३०॥ प्रांत अहीरवाडा बेरीज रुपये २७४७३०॥. पैकीं वजा दादूखान टोके यांजकडे सरंजाम महाल दिले त्याचे रुपये ८६०००, बाकी देखील जकातसुद्धां अमल रुपये १८८७३०॥ यासि माहाल:—

१ परगणे रणोद.

१ परगणे तुंबन.

१ परगणे कचनार.

३

२४०४१२॥.

एकूण दोन लक्ष चाळीस हजार चारशें साडेबारा रुपये; पैकीं स्वदेशीं एकावन हजार साहाशे ब्या[य]शीं रुपये, प्रांत अहीरवाडा पैकीं एक लक्ष अठ्या [य]शीं हजार सातशें

साडेतीस रुपये, येणेंप्रमाणें सरंजाम करार करून दिला असे, तरि सदरहूप्रमाणें अमल चौकशीनें करून फौजेस, खर्च करून, इमानेंइतबारें वर्तोन सरकारचाकरी एकनिष्ठपणें करीत जाणें, म्हणून

सनद १.
रसानगी यादी.

३४७--( १२९ ) दादूखान टोके यांचे नांवें सनद कीं, तुम्हांस जातीस व फौजेस

इ० स० १७६३।६४ तैनात सालीना ———————— रुपये.

अर्बा सितैन
मया व अलफ
रबिलाखर २४.

१५००० तुम्हांस जातीस व पालखी व शागीर्दपेशा मिळोन ——— रुपये.

२००० रामचंद्र हरी कारकून यांस.

९०००० स्वार खासेमाणूस व करोल व भालेकरी व आडहत्यारी सामान चांगलें, घोडे माणूस धडधडीत बाळगावें, असामी ३००, एकूण दर ३०० प्रमाणें तैनात.

———

१०७०००

एकूण एक लक्ष सात हजार रुपये, पैकीं खुद्द तुम्हांस पंधरा हजार व कारकुनास दोन हजार व स्वार तीनशें यांस नवद हजार येणेंप्रमाणें तैनात सालीना करार केली असे.

यासि सरंजाम बितपशील ———————— रुपये.

२१००० स्वदेशीं अमल जाहगीर व बाबती व सरदेशमुखी खेरीज मुकासा करून रुपये.

३००० मौजे अहीरगांव, परगणे वण, प्रांत गंगथडी.

१८००० परगणे गाळणा पैकीं देहे १० दहा.

एकूण ———————— रुपये.

२००० निसबत कारकुनास.

१६००० किता.

———

१८०००

———

२१०००

---

347. Dadukhan Toke was granted a military saranjam of Rs.90,000 for maintaining a body of 300 horse.

A. D. 1763-54

८६००० प्रांत अहीरवाडा पैकीं महाल दरोबस्त अमल देखील जकातसुद्धां रुपये.

१ परगणे पछोंर.

१ परगणे आपसाबाद पिंपरी.

१ परगणे भयापूर.

---

३

---

१०७०००

एकूण एक लक्ष सात हजार रुपये, पैकीं स्वदेशीं एकवीस हजार, व प्रांत अहीरवाडा पैकीं माहाल तीन एकूण शाहा [ य ] सी हजार, येणेंप्रमाणें सरंजाम करार करून दिला असे. सदरहूप्रमाणें अमल चौकशीनें करून, फौजेस रुपये खर्च करून, इमानेंइतबारें वर्तोन सरकार-चाकरी एकनिष्ठपणें करीत जाणें, म्हणोन सनद १.

रसानगी यादी.

३४८—( १४६ ) नरसिंगराव जनार्दन धायगुडे पथके यांचे नांवें सनद कीं,

इ० स० १७६३।६४ **अर्बा सितैन मया व अलफ** जमादिलावल १४.

तुमची बोली सालमजकुरापासून करार केली, स्वार २००० दोन हजार स्वार करार केले, त्यास स्वार खासे माणूस आढळाचे व करोल व भालेकरी व आडहत्यारी घोडे माणूस धडधडीत बाळगावे. यांस तैनात देखील तुम्हांस जातीससुद्धां दर राऊतीं सालीना रुपये ३०० तीनशें प्रमाणें आकार रुपये ६००००० साहा लक्ष रुपये तैनात सालीना करार केली असे. यासि सरंजाम जाहागिरीचा अमल महाल बितपशील तनखा रुपये.

११५००० परगणे इंडी.

६८००० परगणे तांबें.

५०००० परगणे हलसंगी.

६१९२९ परगणे शेलगांव.

६८४८८ परगणे सारवडे.

१९२१११ परगणे गुंजोटी.

---

348. A military saranjam of Rs. 6,00,000 was conferred on Narsingrav Janardan Dhaygude for keeping up a body of 2000 horse.

A. D. 1763–64.

९४२४॥ कसबे घाटनांदूर.
२५०० परगणे शिरोळ देशीं देहे.
१५०० मौजे भादें तनखा रुपये.
१३१४।.
हाल वसूल. ———————— रुपये.
१००० मौजे भावेडें तनखा रुपये ७५४॥.
हाल वसूल ———————— रुपये.

------

२५००

६२४२२ तालुका अथणी पैकीं.
४२१४० परगणे ममदापूर.
२०२८२ परगणे कोल्हार.

६२४२२

------

६२९८७४-॥-
तपशील.
६००००० ऐन तैनात बरहुकूम बेरीज ——— रुपये.
२९८७४।. जाजती सदरहू महालांतून दुमालेगांव व धर्मादाव वर्षासनें वगैरे आहेत ते सुदामत चालत आलें असेल त्याप्रमाणें चालवावें.
समेत अजमास ———————— रुपये.

------

६२९८७४॥.

एकूण सहा लक्ष एकूणतीस हजार आठशें साडेचौऱ्याहत्तर रुपये तनखा याचा जहा-
गिरीचा अमल तुम्हांस दिला असे, तरि महालची व गांवची लावणी संचणी चांगली करून
अमल करणें, आणि ऐवज जमा करून फौजेस खर्च करीत जाऊन सरकारचाकरी एकनिष्ठ-
पणें करीत जाणें. तैनातेशिवाय जाजती बेरीज एकूणतीस हजार आठशें साडेचौऱ्याहत्तर
रुपये नेमून दिले आहेत. यापैकीं सदरहू महालांत इनामगांव व दुमालेगांव व धर्मादाव, वर्षा-
सनें व रोजिंदार वगैरे सुदामत चालत आहे त्याप्रमाणें ज्याचें त्यास चालवावें, दिकत करूं
नये; त्याचा ऐवज होईल तो वजा करून बाकी ऐवज निघेल तो महालीं अमल सुरू झालि-
यावर सरकारांत देत जाणें, म्हणोन नांवाची

सनद १.

रसानगी यादी.

३४९–( १५७ ) कृष्णाजी विश्वनाथ तालुके विजेदुर्ग यांचे नांवें सनद कीं, सरकारांत जेजालांचें वगैरे प्रयोजन असे, तरि तालुके मजकूर पैकीं सुमारी —— सुमार.

इ० स० १७६३।६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
जमादिलाखर १२.

५० जेजाला.
२५ सुत्रनाळा.
१५० गरनाळी गोळे पोकळ पंचरसी.
२ तोफा.
  १ प्रत सातशेर गोळ्याची.
  १ प्रत आठशेर गोळ्याची.
  ——
  २
——
२२७

एकूण दोनशें सत्तावीस सुमारी जिन्नस हुजूर तोफखान्याकडे पाठवून पावल्याचें कबज घेणें, म्हणून

सनद १.

रसानगी यादी.

३५०–( १७१ ) शिवचंद व पेमसिंग व मोहनसिंग व हिरामण व भोपत बेलदार यांणीं हुजूर येऊन अर्ज केला कीं लुगरे बेलदार यांची पालें मेळवून परमुलकांत लूटलुबाड करून साहेबांच्या लष्करांत सुखरूप राहणे-विशीं कौल दिला पाहिजे म्हणोन; त्याजवरून बराय अर्ज खातरेस आणून तुम्हांस सरकारांतून नवी ढाल देऊन लष्करांत येऊन राहावयाची आज्ञा केली असे;

इ० स० १७६३।६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
रजब २५.

---

349. Krishnaji Vishvanath of taluka Vijayadurga was ordered to send to the Huzur 50 muskets, 25 sutranalas, 150 hollow cannon balls, one cannon for 7-seer balls, one for 8-seer balls.

A. D. 1763-64.

350. Siwachand, Pemsing, Mohansing, Hiraman and Bhopat Beldar represented that if permission were given them to plunder and spoil in foreign territories and to reside without molestation in the Peshwa's camp, they would collect some Lugare Beldar families for the purpose, and prayed that a Kowl to that effect might be issued. Their prayer was granted on the following conditions;—

A. D. 1763-64.

( 1 ) That they would pay to Government R. 5 for each tent;
( 2 ) That they would give up to Government any elephants, palanquins, drums or flags obtained by them in their raids.

तरि तुम्ही सारे बेलदार मिळोन जीं पालें होतील त्या दरपालास पांच रुपयेप्रमाणें सरकारांत ध्यावयाचा करार केला असे, त्याप्रमाणें मुलुकगिरींत सरकारांत देऊन सुखरूप राहाणें. याखेरीज हत्ती पालख्या व नगारा निशाणें तुम्हांस लुटींत सांपडेल तें सरकारांत देत जाणें. उपरांत तुह्मांस बहुमान देणें तो सरकारांतून दिला जाईल. सदरहू करारामप्रमाणें वर्तणूक करणें. जाजती आजार लागणार नाहीं, म्हणून मशारनिले यांचे नांवें अभयपत्र १.

रसानगी यादी.

३५१–( १९८ ) त्र्यंबकराव ढमढेरे यांचे नांवें सदन कीं, लष्करांत तुमचे गोटांत पेंढारी यांचीं पालें सुमार ५० पन्नास राहावयाची आज्ञा केली असे, तरि पन्नास पालें तुम्हीं आणून ठेवणें, जाजती आणिलीं तरि दर पालीं रुपये ३ तीन प्रमाणें अगर जशी लूट मिळेल त्याअजमासें पालपट्टी घेतली जाईल, म्हणोन सनद १.

इ० स० १७६३।६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
सवाल १७

रसानगी यादी.

३५२–( २२५ ) बाळाजी गोविंद यांचें नांवें सनद कीं, राजश्री पिराजी नाईक निंबाळकर यांसि सालगुदस्तां सरंजाम माहाल दिले बितपशील:—

इ० स० १७६४।६५
खमस सितैन
मया व अलफ
मोहरम १९

१ परगणे कालपी. १ परगणे कोंच.
१ परगणे उरई. १ परगणे महमदाबाज.

—

४

एकूण चार महाल दिले आहेत, त्यास मशारनिले हुजूर चाकरीस न आले, सबब सदरहू महाल सरकारांत ठेवून तुम्हांस कमावीस सांगितली असे, तरि इमानें इतबारें चौकशीनें अमल करून ऐवज सरकारांत पावता करणें, म्हणून सनद १.

---

351. Trimbakrav Dhamdhere was permitted to keep in his camp 50 Pindhari families and was informed that in case more Pindharis were admitted a tax called Palpatti would be levied at the rate of Rs. 3 per tent or according to the loot taken.

A. D. 1763-64.

352. Piraji Naik Nimbalkar having failed to perform service at the Huzur, his saranjam, consisting of parganas Kalpi, Urai Koch and Mamdabad was attached.

A. D. 1764-65.

परवानगी राजश्री दादा; रसानगी त्र्यंबक राम जोशी.

३५३–( २४५ ) त्र्यंबकराव लक्ष्मण कमाविसदार परगणे नेवासें वगैरे महाल यांस सनद कीं, कृष्णाजी निकम शिलेदार निसबत कृष्णराव बळवंत हे खासा स्वारीची छावणी जाहाली असतां न पुसतां उठोन गेले; याजकरितां मशारनिलेकडे मौजे दिघी परगणे मजकूर येथील मोकासा व बाबतीचा अमल आहे, याखेरीज जमीन इनाम आहे, ते सरकारांत जप्त करून तुम्हांस कमावीस सांगितली असे; तरि मोकासा व बाबतीचा अमल वइनाम जमीन असेल ते जप्त करून आकार होईल तो सरकारचे हिशेबीं जमा करणें, म्हणोन

इ० स० १७६४।६५
खमस सितैन
मया व अलफ
रविलावल ११.

सनद १.

रसानगी यादी

३५४–( २५७ ) संताजी आटोळे धुरंधर समशेरबहाद्दर यांजकडे मुकासे महाल वगैरे पेशजीपासून सरंजाम जाहे, त्यास ते मृत्यु पावले, त्यांचे पुत्र सुभानजी आटोळे धुरंधर समशेरबहाद्दर यांजकडे पेशजीप्रमाणें फौजेचे बेगमीस सरंजाम करार करून दिला असे, तरि मशारनिलेशीं रुजू होऊन परगणे मजकूरचे मुकाशाचा अमल सुदामत प्रमाणें सुरळीत देणें, म्हणोन सनदा, पत्रें.

इ० स० १७६४।६५
खमस सितैन
मया व अलफ
रबिलाखर २६.

१० जमीदारांस सनदा देखील जकात.

१ परगणे जालनापूर.
१ परगणे आंबडापुर.
१ परगणे मेहेकर निमे.
१ परगणे सिरपूर निमे.
१ परगणें जाफराबाद.
१ परगणे साकरखेडलें.
१ परगणे देऊळघाट.
१ परगणे रांजणी.
१ परगणे चिखली.
१ परगणे कोथळी.

---

१०

* * * *

---

353. Krishnaji Nikam, a shilledar under Krishnarav Balvant, went away without permission, while the army was encamped at some place. His Mokasa and Babti amals, as well as his Inam land was ordered to be attached.

A. D. 1764–65.

354. Santaji Atole Durandhar Samsher Bahandar having died, his military Saranjam was transferred to his son Subhanji.

A. D. 1764–65.

३५५-( २५८ ) सुभानजी आटोळे धुरंधर समशेरबहाद्दर यांचें नांवें सनद कीं, तुमचे तीर्थरूप संताजी आटोळे मृत्यु पावले, त्यांचा सरंजाम तुम्हांकडे करार करून दिल्हा, सबब पेशजीच्या असाम्या करार केल्या असेत, तरि ज्याचें त्याजवळून कामकाज घेऊन सुदामत सरंजाम व वेतन असेल त्याप्रमाणें पाववीत जाणें, म्हणोन सनदा.

इ० स० १७६४।६५
खमस सितैन
मया व अलफ
रबिलाखर २७.

१ सदाशिव यशवंतराव यास दिवाणगिरी, शिकेनिसी व जमेनिशी-विशीं सरंजाम असेल तोच चालवणें, ह्मणोन.

१ केसो मल्हार मजमुदार यांस मजमुविशीं सरंजाम असेल त्या प्रमाणें चालवणें, ह्मणोन.

१ माणकोजी बाजी यास फडनिशी डौलाची विशीं सुदामतप्रमाणें वेतन व गांव असेल तें चालवणें, ह्मणोन.

१ नारो माणकेश्वर चिटणीस यांस चिटणिशीविशीं सरंजाम गांव असतील ते चालवणें, ह्मणोन.

---

४

रसानगी यादी.

३५६-( २९४ ) कडक-बिजली तोफ कसबे विजापूर येथें आहे ती पुण्यास न्यावयाकरितां हुजुरून हरी लक्ष्मण कारकून रवाना केले आहेत. त्यास तोफेस लाग लागवड लोखंडी, नाडे सुती वगैरे सरंजाम लागेल तो देऊन तोफ खालीं उतरून बहूत माफजतीनें पुण्यास रवाना करणें, ह्मणोन रामचंद्र नागनाथ कमाविसदार परगणे हवेली विजापूर यांस सनद १.

इ० स० १७६४।६५
खमस सितैन
मया व अलफ
रजब ४.

परवानगी जाहिर.

---

355. The offices of Diwan, Majmudar, Fadnis and Chitnis, attached to the above Saranjam were ordered to be continued to the persons holding the same at their existing salaries.

A. D. 764-65

356. A cannon called कडक बिजली (sharp lightening) lying at Vijapur was ordered to be brought to Poona.

A. D. 1764-65.

## दादासाहेबांच्या रोज कीर्दीपैकीं.

३५७–( ३१२ ) विसाजी केशव यांसि पत्र कीं, सरकारांत तोफेच्या गोळ्यांचें

इ० स० १७६४।६५ खमस सितैन मया व अलफ रमजान १.

प्रयोजन आहे, त्यास रत्नोजी आगरवाले व पालणजी पारसी यांजपासून तीस हजार गोळे घ्यावयाचा करार केला आहे. त्यास मशारनिलेनीं मुंबईहून तीस हजार गोळे सरकारांत जसे ज्या वजनाचे पाहिजेत तसे निवडून द्यावे; गोळ्यांचें माप कल्याणचे बंदरीं व्यावें. याप्रमाणें करार करून किंमत नफासुद्धां दर हंडरवटास रुपये १९ एकोणीस प्रमाणें किंमत सरकारांतून द्यावी. आणि जे गोळे सरकारांत देतील त्याचा ऐवज सदरहू किंमतीप्रमाणें घ्यावा, याप्रमाणें करार केला आहे: तरि गोळ्यांचें माप घ्यावयास तुम्हीं कल्याणास शहाणा चौकस कारकून पाठवून देणें. गोळे घ्यावयाची यादी आलाहिदा पाठविली आहे, याप्रमाणें गोळ्यांचें माप चौकशीनें घेऊन त्यांचे वजनाची किंमत आकार करून वजनाचें माप व सुमारीचें किंमत आकारून पाठवून देणें, त्याप्रमाणें मशारनिले ऐवज देतील. सदरहू गोळ्यांचे ऐवजीं अठरा हजार रुपये केसो-गोविंद यांजकडून घ्यावयाविशीं अलाहिदा पत्र मशारनिलेस सादर केलें आहे. तरि तुम्हीं अठरा हजार रुपयांचा माल पदरीं पडल्यावर केसो गोविंद यांस पत्र देणें, म्हणजे अठरा हजार रुपये देतील; तरि सदरहूप्रमाणें करणें, म्हणोन.

सनद १.

छ. २० रमजान. रसानगी यादी.

३५८–( ३२५ ) आनंदराव भिकाजी यांस सनद कीं, तुम्हां समागमें सरकारच्या

इ० स० १७६४।६५ खमस सितैन मया व अलफ जिल्हेज ६.

तोफा आहेत. त्यापैकीं जय व फत्तेमुबरख दोन्ही तोफा राजश्री गोपाळराव गोविंद यांच्या स्वारीकडे देविल्या आहेत, देणें. बाकी जयवंती व ज्वालाभवानी दोन्ही तोफा हुजूर पाठवून देणें, म्हणोन सनद १.

---

357. Cannon-balls being required by Government, it was agreed with Ratnoji Agarwale and Palanji Parsi that they should supply from Bombay 30,000 balls at the rate of Rs. 19 per cwt. The balls were to be delivered at port Kalyan, and Visaji Keshav was directed to depute a karkun to take their delivery.

A. D. 1764–65.

358. Two cannons named Jaya and Fate-Mubarak were given to Gopalrao Govind and two named Jayawanti and Jwala-Bhawani were brought to the Huzur.

A. D. 1764–65.

३५९-( ३४८ ) शिलेदार महादजी गोविंद यांजकडे चाकरीस राहून नालबंदी

इ० स० १७६५।६६ घेतली आणि चाकरीस न गेले व मशारनिलेचे कह्यांतही वर्तले नाहीं
सित सितैन [ त ], सबब त्यांचीं घरें जप्त करावयाचा करार करून सनदा सादर केल्या
मया व अलफ असेत; तरि घरें जप्त करून ठेवणें, म्हणोन सनदा.
मोहरम २.

रसानगी

१ वेंकाजी माणकेश्वर यांचे नांवें शिलेदारांचीं घरें.

१ आनंदराव फाळके वस्ती पाडळीनजीक जरंडा येथें आहे.

१ राघो देवजी धायगुडे वस्ती मौजे शिराळें नजीक घाट सालपें.

१ राघो केशव निसबत अली बहादूर वस्ती निंब नजीक सातारा.

३ वस्ती तडवळें प्रांत वाई.

१ खानाजी जाधव.
१ बावाजी भोइटे.
१ जयाजी भोइटे.

३

२ वस्ती कणेरखेड प्रांत वाई नजीक रहिमतपूर.

१ मानाजी शिंदे साबाजी शिंदे यांचा नातू.
१ हणगोजी शिंदे.

२

८

आठ आसामींचीं घरें जप्त करून ठेवणें म्हणून, सदरहू असामी हुजूर पाठवणें. सनद.

१ गणेश विठ्ठल यास कीं रघोजी गाढवे शिलेदार वस्ती नजीक कडें याचें घर जप्त करणें, म्हणोन सनद १.

१ राजाराम गोविंद यांस कीं शिदोजी दखलकर शिलेदार वस्ती दौड नजीक वीर-वाल्हें याचें घर जप्त करणें, म्हणोन सनद.

३

तीनि सनदा दिल्या आहेत.

---

359. Certain Siledars after receiving advances absented themselves
A. D. 1765-66. Their houses were ordered to be attached.

## दादासाहेबांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

३६०—( ३५३ ) राजश्री बाळाराम जोशी यांचे नांवें सनद कीं, भिखनखान यांजकडे तोफा द्यावयाचा करार करून हें पत्र सादर केलें असे, तरि तुम्हांस पाउणशें तोफा अशेरपैकीं तयार करावयास सांगितल्या आहेत, त्यांपैकीं मशारनिलेकडे तोफा चांगल्या, आंतून साफ, कानें चांगले, अशा सुमार १५ पंधरा, पैकीं थोर सरासरी चार शेर गोळ्याच्या सुमार ७, व लहान सरासरी एक शेर गोळ्याच्या सुमारी ८, येणेंप्रमाणें मशारनिलेकडील कारकून आला आहे, त्याचे हवालीं गाडे संदुखांसुद्धां करून पावलियाचे कबज घेणें. कारकून आपले परीक्षेनें तोफा पाहून घेईल त्याच देणें, म्हणोन पत्र १.

इ० स० १७६५।६६
सित सितैन
मया व अलफ
मोहरम १९.

सख्याजी आयतोळे यांसि सदरहूप्रमाणें पत्र १.

—
२

रसानगी यादी. छ. ९ मोहरम.

३६१—( ३६७ ) शंकराजी केशव यांचे नांवें सनद कीं, देवशेटी कासार यास साल-गुदस्त नागोठण्यास गरनाळेचे गोळे वोतावयासि पाठविला होता, त्यास त्याणें गोळे पंधरा तयार करून हुजूर आणिले; त्याजवरून आणखी गोळे वोतावयाची आज्ञा करून देवशेटीस नागोठण्यास रवाना केला आहे, त्याचीं कलमें.

इ० स० १७६५।६६
सित सितैन
मया व अलफ
रविलावल ६.

देवशेटीसुद्धां कारीगार असामी.
६ गुदस्तां असामी होत्या त्या.
४ जदीद हल्लीं असामी.
—
१०

एकूण दहा असामींस अडशेरी, गुदस्त साहा असामींस पावत होती, त्या शिरस्तेप्रमाणें हल्लीं सदरहू दहा असामींस अडशेरी तेथें काम चाले तोंपर्यंत देविली असे, तरि सनद पैवस्तगिरीपासून कारखाना चालेल तेथपावेतों देत जाणें. कलम १.

नागोठणें येथील कारखान्यांत गोळ्यांचे उपयोगी जिन्नस असेल तो लागेल तितका देणें. शेटीकडे देवणें. कलम १.

---

360. Balaram Joshi was directed to hand over to a karkun sent for the purpose 15 out of the 75 cannons which he had been ordered to make for Bhikankhan at fort Asher.
A. D. 1765-66.

361. Devaset Kasar was sent to Nagotane to cast cannon-balls, and orders were issued to give him and 9 other persons who had gone there to help him, the usual monthly grain allowance for their subsistence.
A. D. 1765-66.

एकूण दोन कलमे करार करून दिलीं असत, तरि सदरहूप्रमाणें करणें, म्हणोन सनद १. रसानगी यादी. दोन.

३६२—( ३६९ ) दिमत भिकनखान स्वारी राजश्री दादा यांस सनद कीं, तुम्हांकडे सरकारचा तोफखाना आहे, त्याची पोतनिशी मुरारराव यादव यांस सांगोन वेतन सालीना रुपये १५० दीडशें करार केले असत, तरि यांजपासून पोतनिशीचें कामकाज घेऊन सदरहू दीडशें रुपये वेतन पावीत जाणें, म्हणोन सनद १. रसानगी चिठी.

इ० स० १७६५।६६
सित सितैन
मया व अलफ
रविलावल ८.

३६३–( ३७३ ) गोपाळराव गोविंद यांचें नांवें सनद कीं, मोरो खंडेराव कारकून शिलेदार यांस तुम्हांकडून फौजेची गणती घ्यावयास हुजूरून पाठविले आहेत, त्यांजबरोबर जासूद जथे लिंगोजी नाईक यांजकडील पाठविले आहेत, यांस रोजमरा दीडमाही रुपये

इ० स० १७६५–६६
सित सितैन
मया व अलफ
रबिलावल २२.

६ कासोजी आवजी यास हुजूर छ. १० रविलावलीं रोजमरा पावला.
६ कासोजी गंगाजी यास छ. १६ रबिलावलीं पावला.

---

१२

एकूण बारा रुपये रोजमरा दीडमाही देविला असे तरि हुजूर रोजमुरा दिल्याच्या वर तेरखा लिहिल्या आहेत, त्या तेरखेपासून तुम्हांजवळ राहातील तोंपर्यंत सदरहू बारा रुपये रोजमरा दीड महिन्यानें देत जावे, म्हणोन सनद १.

३६४–( ३८४ ) रामचंद्र काशी यांस तुमचे पथकाची बक्षीगिरी सांगोन तैनात सालीना जातीस रुपये ३००० पालखी तैनात १०००
एकूण चार हजार सालीना करार केले असत.

इ० स १७६५।६६
सित सितैन
मया व अलफ
रबिलाखर ८.

---

362. Murararav Yadav was appointed Potnis of the Govt artillery under Bhikankhan on an annual salary of Rs. 150.
A. D. 1765–66.

363. Moro Khanderav Karkun was deputed to take muster of the forces under Gopalrav Govind.
A. D. 1765–66

364. Ramchandra Kasi was appointed to the office of paymaster of the battalion under Khanderav Powar on an annual salary of Rs. 3,000 for himself and Rs. 1,000 for a palanquin.
A D. 1765–66.

यांजपासून बक्षीगिरिचें प्रयोजन घेऊन वेतन सरंजाम पैकीं पावीत जाणें, म्हणोन खंडेराव पवार यांस सनद १.

रसानगी याद.

## दादासाहेब यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

३६५–( ४०६ ) केसो गोविंद यांचें नांवें सनद कीं, बाणांचा कारखाना राजश्री बाळा खंडेराव यांजकडे नाशिकांत घालण्यास आज्ञा केली आहे, त्यास बाणास सरंजाम सरकारांतून द्यावयाची सोय न पडे, यास्तव मशारनिलेकडे बाणांचा इजारा दर बाणास रुपये ५ प्रमाणें दरमहा मशारनिलेनीं बाण २७० दोनशें सत्तर तयार करून द्यावे, आणि सरकारांतून साडे तेराशें रुपये द्यावे ऐसा करार आहे. तरि मशारनिले २७० बाण एक महिना तयार केल्यास सदरहू साडे तेराशें रुपये दरमहाचे दरमहा छ. १ जमादिलाखर पासून देत जाणें, यासंबंधी कारखान्याकडे बाणाच्या कामास बाभळीचीं लांकडें लागतील त्यांची किंमत तुम्हीं व राजश्री शिवाजी बल्लाळ यांणीं खंडून लाकडें मशारनिलेकडे द्यावीं. लांकडाचा पैका चौकशी करून तुम्हीं देत जाणें. पेशजी बाण मशारनिलेकडे आहेत, त्या मासल्याप्रमाणें बाण तयार करून मशारनिलेनीं दिल्यास पांच रुपयेप्रमाणें मजुरा पडतील. मासल्यास कमी जाल्यास पांच रुपयाचे शेरेयास कमी पैका पावेल. येणेंप्रमाणें करार मशारनिलेशीं करून सदरहूप्रमाणें ऐवज दरमहाचा दरमहा देविला असे, म्हणोन सनद १.

इ० स० १७६५।६६
सित सितैन
मया व अलफ
जमादिलावल २९.

रसानगी यादी. छ. २९ जमादिलावल.

## बाळाजी जनार्दन यांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

३६६—( ४२३ ) दिमत तोफखाना मौजे आंबेगव्हाण तर्फ वोतूर प्रांत जुन्नर येथें गरनाळ्याचे गोळ्यांचा कारखाना घातला आहे, त्यास त्याचे बेगमी बद्दल साळीचा कोंडा कैली खंडी ५० पन्नास खंडी देविला असे, तरि तालुके शिवनेरीपैकीं मौजे मजकुरीं पोंहचाऊन देणें, म्हणोन, रामचंद्र नारायण तालुके मजकूर यांस छ. २८ रोज. सनद १.

इ० स० १७६५।६६
सित सितैन
मया व अलफ
रजब २९.

रसानगी यादी.

---

365. A contract was entered into with Bala Khanderav to make at his rocket-factory in Nasik 270 rockets a month for Government at Rs. 5 per rocket.

A. D. 1765-66.

366. A cannon-ball factory was established at Ambegavan near Otur in Prant Junnar.

A. D. 1765-56

३६७–( ४४० ) बाबूजी नाईक जोशी यांजकडील पागेंत बारामतीस वळू घोडा निळा विश्राम आहे, तो गोविंदराव पराड पागा यांजकडे एक महिना देविला असे; तरि सदरहू घोडा मशारनिलेकडील पागेस देणें, म्हणोन नारो राम व कृष्णाजी नारायण यांचे नांवें सनद १.

इ० स० १७६५।६६ सित सितैन मया व अलफ जिल्काद ७.

३६८–( ४७३ ) आनंदराव भिकाजी कमाविसदार परगणे बागडकोट यांचे नांवें सनद कीं, सरकारांत दारूचें प्रयोजन आहे, याजकरितां बागडकोट येथें दारूचा कारखाना घालून नवी दारू खंडी ५० पन्नास जलदीनें तयार करून ठेवणें. सदरहू दारूस ऐवज लागेल तो परगणे मजकूर येथील बाकीचे ऐवजीं खर्च करून चौकशीनें दारू किफायतवार पडे असें करणें, म्हणोन सनद १.

इ० स० १७६६।६७ सबा सितैन मया व अलफ जमादिलावल २५.

रसानगी यादी.

३६९–( ५१७ ) मीर रजाअलीखान बहादूर यांस फौजेचे बेगमीस व किल्ले गुरूमकोंडा येथील शिबंदी वगैरे मिळून सालीना नेमणूक. रसानगी यादी.

इ० स० १७६६।६७ सबा सितैन मया व अलफ मोहरम २४.

१८१५०० राऊत साडेपांचशें स्वार
५०० ऐन स्वार
५० दुवस्वा स्वार यांस दरसदे १० प्रमाणें रुपये–प्रमाणें

५५० स्वार.

दर रावतीं शेरा दरमाहे रुपये ३० प्रमाणें एक माही १६५०० एकूण रुपये.
आकरमाही

---

357. A stallion in the squadron of Babuji Naik Joshi at Baramati was ordered to be sent for one month to the squadron of Gavindrav Parad.

A. D. 1766-67.

368. A gunpowder factory was opened at Bagadkot.

A. D. 1766-67.

369. A military saranjam worth Rs. 7,66,500 was assigned to Mir-Raja Ali Khan Bahadur for keeping a force of 550 sowars, 2.000 gardis, and sibandis for fort Gurumkonda.

A. D. 1766-67.

३३०००० गारदी असामी २००० यांस दरमाहे दर
असामीस रुपये १५ प्रमाणें दरमाहे रुपये
३०००० एकूण आकरमाही आकार रुपये.
५०००० खासा व भाई बिरादर यांसि सालीना नेमणूक, रुपये.
३८००० खासा मशारनिलेस
१२००० भाई बिरादर

———

५००००

५००० नगारखाना बारमाही नेमणूक रुपये.
२००००० शिबंदी अमली महालची किल्ले गुरूमकोंडा
एकूण रुपये.
५०००० किल्ले गुरूमकोंडा.
१५०००० अमली महाल बितपशील.

———

२०००००

———

७६६५००

एकूण सात लक्ष सासष्ट हजार पांचशें रुपयेस ऐवजाची नेमणूक सरंजाम महालानिहाय बितपशील

७९८५०० प्रांत कडपें येथील महाल.

एकूण सात लक्ष अठ्याणव हजार पांचशें रुपये. पैकीं सरंजामाची बेरीज सात लक्ष साहसष्ट हजार पांचशें व सरकारी बेरिज बतीस हजार हा ऐवज सरकारांत द्यावा, याप्रमाणें बोलून चालून करार केला असे. सदरहूप्रमाणें वर्तावें, येणेंप्रमाणें करार करून अमली सदरहू महालास सनदा १६ लिहून दिल्या असत. याखेरीज करारयादींत कलमें जालीं आहेत. बरहुकूम यादी करारांची.

सदरहू महालच्या बेरजा व शिबंदीच्या बेरजा मीर रजा यांणीं सांगितल्याप्रमाणें लिहिल्या आहेत; त्यास चौकशीमुळें जाजती ऐवज जहाला, तरि सरकारांत द्यावा, मीर रजानीं इमानें वर्तोन कुल कच्चें पडलें पान हिशेब समजवावा. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

सदरहू सरंजामाशिवाय कडपें तालुक्यांपैकीं परगणे पाकतुर्ती हा परगणा राहिला आहे, तेथील अमल मीरांनीं बसवून, ऐवज आकारून, जो ऐवज होईल तो सरकारांत अविच्छिन्न पावता करावा, अंतर करूं नये. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

चाकरी एकनिष्ठपणें उमेदीनें करावी, महालचे कारभारांत तफावत न करितां इतबार वाढवावा, खावंदांची मर्जी दिवसेंदिवस पसंद करीत जावी, असें वर्तल्यास उत्तम आहे. वर्तणुकेनुरूप धणीही कृपा करतील. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

कराराप्रमाणें राऊत व गाडदी चांगले बाळगून सरकार शिरस्तेप्रमाणें हजिरी गणती देत जावी. राउतांत व गाडद्यांत नोकर होईल तो कबजांत वजा पडेल. जिकडे चाकरीस पाठवावें तिकडे बेउजूर जाऊन, मन घालून चाकरी करावी. यास अंतर करूं नये. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

तूर्त हालीमाजीमुळें व गडबडीमुळें मीरांचे इतबारावर बेरजा लिहिल्या आहेत, त्यास पुढें साल दरसाल लावणी करून जाजती बेरीज आकारावी, त्याप्रमाणें सरंजामाचा ऐवज कराराप्रमाणें जाऊन बाकी ऐवज राहील तो क्षेपनिक्षेप सरकारांत देत जावा. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

पुढें तनखेझाडा तपशीलवार आणोन सदरहू महाल समजवावा. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

पेस्तर साल सन समान व सन तिसा सितैन दुसाला सरंजामाचा हिशेब मीर रजास मागूं नये, सरकारांत येऊन पदरीं पडिलें व लुटले नागवले सबब दोहो सालांची कसर होईल ते मीरावर नजर देऊन माफ केली असे. दोन सालांपुढें कच्चा हिशेब समजवावा. पाहून बंदोबस्त करून दिला जाईल. सरंजामाशिवाय बत्तीस हजार रुपये राममूर्तींचा ऐवज पेस्तरसालापासून क्षेपनिक्षेप सरकारांत द्यावा. येणेंप्रमाणें करार. कलम १.

येणेंप्रमाणें कलमें सदरहूप्रमाणें करार करून सरंजाम दिला असे.

३७०–( ६५१ ) हुजूर पुणियास नव्या तोफा करावयाचा कारखाना घातला आहे, त्यास चोंडसीं मातीचीं पाहिजेत, त्यास मौजे वडवली प्रांत साष्टी येथील माती चांगली असल्यास उत्तम, तेथें नसल्यास दुसरें ज्या गांवीं माती उत्तम असेल तेथें कारखाना घालून चोंडसीं सुमार १००० एक हजार पत्र पावतांच चांगल्या कारीगराकडून फरमासी करऊन बेगारीनें हुजूर पुण्यास पोंहचावणें, म्हणोन रामाजी महादेव यांस सनद १.

इ० स० १७६९।७०
**सबैन मया व अलफ**
सवाल १८.

परवानी रूबरू.

---

370. A new cannon manufactory was under constrcution at Poona.

A. D. 1769–70

३७१–( ६६३ ) जमातदार दिमत गाडदी व शीख यांचे नांवें कौल कीं, सरका-
इ० स० १७७०।७१. रांत नवे लोकांचें प्रयोजन आहे याजकरितां तुम्हांस माणूस आणावयास
इहिदे सबैन आज्ञा केली असे, तरि चांगले माणूस घेऊन येणें. वाईट माणूस आण-
मया व अलफ ल्यास दूर होईल. तरि चांगले मर्द माणूस आणणें. कराराप्रमाणें सर-
रबिलावल १५. कारांत चाकर ठेवले जातील, म्हणोन लिहून दिले कौल बितपशील:—

१ सुमेरसिंग जमातदार गाडदी यांचे नावें कीं, चारशें असामी गाडदी यांस शेरा, दरमहा दर असामीस बारा तेरा रुपये निवळ बारमाही चाकरी, दसमाही कबज, याप्रमाणें द्यावयाचें करून माणूस घेऊन येणें, म्हणोन सदरहू अन्वयें कौल.

१ अलीमर्दानखान जमातदार गाडदी यांचे नांवे कीं, चारशें असामी गाडदी यांस शेरा दरमहा दर असामीस रुपये सोळा याचे होन शिरस्तेप्रमाणें द्यावयाचा करार करून बंदुकेशिवाय माणूस आणूं नये, चांगले माणूस घेऊन यावे, म्हणोन सदरहू अन्वयें कौल १.

१ शेरसिंग शीख दिमत शीख यांचें नावें कीं, नवे लोक येणें-प्रमाणें

२ जमातदार यासि दरमहा दर असामीस रुपये २५ पंचवीस प्रमाणें नक्त.

१९८ शिपाई असामी यास शेरा दर बारा रुपये प्रमाणें.

———

२००

येणेंप्रमाणें दोनशें माणूस निखालस शीख चांगले घेऊन येणें म्हणोन कौल.

———

३

येणेंप्रमाणें तीन कौल दिले. रसानगी यादी.

---

371. Orders were issued to Jamatdar Sumersing, Ali Mardankhan
A. D. 1770-71, and Shersing Sikh to recruit soldiers required by Government on pay varying from Rs. 12 to 16 a month. Shersing was told to get 200 pure Sikhs.

**३७२**—( ६६४ ) आपाजी गणेश तालुके अमदाबाद यांचे नांवें सनद कीं, सरकारांत लोकांचे प्रयोजन असे तरि नवे जदीद माणूस चांगले पाहून येणेंप्रमाणें बितपशील असामी:—

इ० स० १७७०।७१
**इहिदे सबैन मया व अलफ**
रबिलावल ५.

४०० आरब चांगले, पोर व म्हातारे नाहींत असे, चांगले दाखल्याचे, शेरा दर पंधरा सोळा रुपये.

१०० हबशी चांगले मर्द माणूस धडधडीत दर असामीस शेरा पंधरा रुपयेप्रमाणें.

१००० सिद्दी निवळ, दुसरे जातीचे ठेऊं नयेत, शेरा दर पंधरा सोळा रुपयेप्रमाणें.

———

१५००

येणेंप्रमाणें दीड हजार माणूस आणविलें असे. तरि हुजुरून देवीसिंग जमातदार यासि लोक पहावयासि पाठविलें असे. तरि तुम्हीं लोक ठेवाल ते यांचे मारफतीनें चांगले ठेवणें, आडहत्यारी माणूस न ठेवणें. शेरा सोळा रुपये अगर जरूरीस सत्रा निवळ करणें; परंतु माणूस चांगले जमातदारापासून जामीन घेऊन लोक ठेवल्यावर एकमहा खर्चास देऊन हुजूर रवाना करणें. लोकांचे जामिनाचा बंदोबस्त चांगला करून घेऊन भाद्रपद अखेर लोक हुजूर येऊन पोहोंचत ऐशी रवानगी करणें, म्हणोन सनद १.

रसानगी यादी.

**३७३**-( ६७८ ) मीराखान व हसनखान मुलतानी उर्फ पेंढारी यांणीं हुजूर येऊन अर्ज केला कीं, आपण जमावसुद्धां लष्करांत येतों आपले पोट भरून पालपट्टी शिरस्तेप्रमाणें देऊं म्हणून अर्ज केला, तो बराय अर्ज खातरेस आणून लष्करांत यावयाची आज्ञा केली असे, तरि आपले जमावसुद्धां लष्करांत येऊन पागा दिमत गणेश गंगाधर यांचे गोटाजवळ राहाणें. पालपट्टी शिरस्त्याप्रमाणें

इ० स० १७७०।७१
**इहिदे सबैन मया व अलफ**
रमजान ७.

---

372. Similar orders were issued to the officer of Ahmedabad to enlist Arabs, Habshis, and Shiddhis on salaries of Rs. 15 or 16 a month.

A. D. 1770--71.

373. Mirakhan and Hasankhan Multani alias Pindhari asked permission to reside in the Peshwa's camp with their followers, saying that they would earn their own livelihood and pay the usual tent-tax. Their prayer was granted, and they were directed to reside near the encampment of the horse under Ganesh Gangadhar.

A. D. 1770--71.

सरकारांत देणें, आणि सुखरूप राहाणें, जाजती उपसर्ग लागणार नाहीं, अभय असे, म्हणोन

कौल १.

रसानगी यादी.

३७४–( ७०७ ) शंकरराव नरसी लेले खासा व बंधू माधवराव नरसी शिलेदार

इ० स० १७७१।७२ इसन्नें सबैन मया व आलफ रमजान १९.

स्वारांसुद्धां असामी २६ सन सबैनांत कर्नाटकचे स्वारींत ठाणें चिकनाइकनहल्ली येथें चाकरीस ठेविले होते, त्यांस हैदरखानानें अटकेस ठेविले आहेत; त्यास मशारनिलेकडे मौजे खमलापूर परगणे तेरदळ हा गांव बद्दल मुशाहिरा नालबंदीचे ऐवजीं पेशजीपासून आहे, त्यास हे कैदेंतून सुटत तों पावेतों गांवचा आकार मशारनिलेचे कुटुंबास अन्नवस्त्राचे बेगमीस दिला असे. याप्रमाणें यादीवर करार जाला असे.

कलम १.

## ( ब ) आरमार.

## नारो आपाजीच्या रोजकीर्दीपैकीं.

३७५—( १०७ ) सदाशिव रघुनाथ जोग यांची असामी हुजुरून आरमाराकडे

इ० स० १७६३।६४ अर्बा सितैन मया व अलफ सफर.

होती, त्यास सालगुदस्त यांचे तीर्थरूपास बरें वाटत नव्हतें सबब घरीं राहिले, त्यावरून सालगुस्तांचें वेतन पावलें नाहीं, तरि मशारनिलेची सामाही गैरहजिरी सालगुदस्तांची जाहली ती बक्षीस केली असे; तरि सालगुदस्तांचें वेतन राहिलें असेल तें पावतें करणें, व सालमजकुरीं चाकरी घेऊन पेशजी प्रमाणें नेमणूक पावती करीत जाणें. पेशजी चाकरी ज्याप्रमाणें मशारानिलेपासून घेत असाल त्याप्रमाणें सालमजकुरीं घेत जाणें, म्हणोन आनंदराव धुळप यांस

सनद १.

छ. २३ सफर, रसानगी यादी.

---

374. Shankararav Narsi Lele and his brother. with 24 sowars,

A. D. 1771--72.

who had been kept to guard the thana of Chikana Ekhan Halli during the campaign in the Karnatik in A. D. 1769–70. were attacked by Haidarkhan and were carried off prisoners. The revenue of the village which had been assigned to them for the support of their troop, was, during their confinment, ordered to be paid to their families.

## (b) NAVY.

375. Sadashiv Raghnuath Jog, an official in the Navy, was absent

A. D. 1763-64.

from duty for 6 months owing to his father's illness. The absence was condoned and full pay was allowed.

३७६—( १६२ ) बाबत देणें सुभा आरमार निसबत राजश्री आनंदराव धुळप
इ० स० १७६३।६४ यांजकडे आरमाराचे बेगमीबद्दल. रसानगीयादी.

अर्बा सितैन
मया व अलफ
रजब ११.

सवदाल महाल दरोबस्त आरमाराकडे आहे, व तर्फ मजकूरचे जकातीचा ऐवज सरसुभांहून आरमाराच्या वेहळ्यांत नेमून दिला आहे, त्याप्रमाणें हल्लीं करार करून दिला असे, तरि जकातीचा अमल यांजकडे चालविणें. कलम १.

आरमाराच्या उपयोगी लाकडें साहली वगैरे रायवळ लागतील तीं तोडून देणें. कलम १.

गलबतें तुम्हांकडून आरमारचे प्रयोजनिक स्वारीच्या उपयोगी आहेत तीं.

१ गलबत अलीमदत.
१ गलबत वारू.
—
२

ऐकूण दोन गलबतें देविलीं असत. आरमाराकडे देणें.————कलम १.

वजन वजनी.——————खंडी.

५ दारू वजन पक्कें.
१० माडी वजन खरें.
—
१५

पंधरा खंडी वजन.

मीठ कैली बारुळें मापें खंडी १०० कैली खंडी शंभर.

झांपसुमारी ३०,००० तीस हजार सुमारी.

दालदी महालवाडा साखरी नाटे तर्फ राजापूर व दालदी परगणे साखरी मिठगावणें कर्यात मजकूर आरमाराकडे दरोबस्त दिले आहेत. त्याचा दस्त शिफा वगैरे वेठबेगार अरमाराकडे घेतील, तुम्हीं त्यांजकडे चालवणें. कलम १.

येणेंप्रमाणें सात कलमें करार करून वसईच्या मुकामाहून पेशजी शंकराजी केशव यांनीं नारो त्रिंबक यांस सनद सादर केली होती, त्याप्रमाणें हल्लीं करार करून तुह्मांकडून आरमाराकडे देविलीं असत. तालुके विजेदुर्ग पैकीं देणें, ह्मणून कृष्णाजी विश्वनाथ यांस सनद १.

---

376. Mahal Sawadal and 2 others were assigned for the expenses of the Navy under Anandrav Dhulap. Permission was
A. D, 1763-64. granted to cut wood required for the Navy, and two additional ships of war named Ali Madat and Waru were made over to him.

## दादासाहेबांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

३७७—( २५९ ) आनंदराव धुळप यांचें नांवें सनद कीं, सुभा आरमार येथील मजमू दादाजी गोविंद यांजकडे आहे, त्यास मशारनिलेनीं आपले तर्फेनें नारो बल्लाळ यांस गुमस्तगिरीवर पेशजी ठेविलें होते, त्यांस हल्लीं दूर करून हे आपले तर्फेनें ठेवतील त्यांचें हातें मजमूचें कामकाज घेत जाणें, म्हणून सनद १. रसानगीयाद.

इ० स० १७६४।६५ खमस सितैन मया व अलफ रविलाखर ४.

३७८—( ३८३ ) अनाजी नाईक बोरकर यांस तालुके रत्नागिरी येथें पांच गलबतें त्यांची सरदारी तुम्हीं सांगितली आहे, त्याप्रमाणें हुजूरून करार करून देऊन सनद सादर केली असे. तरि पांच गलबतांची सरदारीची चाकरी यांचें हातून घेऊन तालुके मजकुरीं वेतन केलें असेल त्या प्रमाणें पावीत जाणें, ह्मणोन मोरोजी शिंदे नामजाद तालुके मजकूर यांस सनद १. रसानगी यादी.

इ० स० १७६५।६६ सित सितैन मया व अलफ रबिलाखर ७.

३७९–( ३९५ ) आनंदराव धुळप यास सनद कीं, सुभा आरमार येथील बंदोबस्त एकहाती जरूर जहाला पाहिजे. सरदारीचा बंदोबस्त तुम्हांकडे आहे, परंतु कारभाराचा बंदोबस्त एकहाती नाहीं. दर्यामध्यें टोपीकरांची बदनजर; तेव्हां गहाळ माणूस दूर होऊन चांगल्या माणसाची जंगजोड होऊन शिलशिला शिलेपोस असावा. आरमार जर्जर जहालें आहे, त्याची मरामत झाडून जाहली पाहिजे. पेशजी बाळाजी हरी यांस अमीनी सांगोन पाठविले आहेत. ते गैरमाहित; हें काम माहितगार मातबर इतबारियाखेरीज होणार नाहीं. हें जाणोन राजश्री

इ०स० १७६५।६६ सित सितैन मया व अलफ जमादिलाव ३१५.

---

377. The office of Mujmu in the Navy belonged to Dadaji Govind and was held by his deputy Naro Ballal. Naro was removed from the office, and permission was given to Dadaji to appoint another person in his place.

A. D, 1764-65.

378. Anaji Naik Borkar was appointed to the command of 5 ships of war at Ratnagiri.

A. D. 1765-66.

379. Order to Anandrav Dhulap–itis necessary to have the control of the navy in one hand. You have the supreme command. There is no competent man to manage the details. The Europeans ( topikar ) are hostile at sea and we must have a really good man for the management of the navy. Our ships are in bad condition and must be repaired thoroughly. Balaji Hari the present Amin, is inexperienced, so in his place Jagannath Narayan a man of great experience is sent to manage the affairs of the navy under your command.

A. D. 1765-66.

जगन्नाथ नारायण यांस आरमारचा यक्त्यार कारभाराचा देऊन पाठविले आहेत. तरि तुम्हीं हे एकविचारें राहून कारभार मशारनिले यांचे हातून घेणें; आरमारचे दरकदार बाळाजी हरी वगैरे यांणीं मशारनिलेचे आज्ञेंत वर्तत जावें. राजश्री नारो त्रिंबक यांचे निसबतीस आरमार सालमजकुरापासून नेमणूक केली आहे, म्हणोन सनद सादर मशारनिले बरोबर जाहली आहे, ते करारच आहे. परंतु यक्त्यार त्यांजकडे कारभाराचा नाहीं. तोडमोड सर्व मशारनिलेकडे आहे म्हणोन, सनद १. रसानगी यादी.

३८०–( ३९६ ) आनंदराव धुळप यांस सनद कीं, जगन्नाथ नारायण यांस सुभा आरमार येथील कारभार सांगोन पाठविलें आहे. त्यास तैनात सालीना रुपयेः—

इ० स० १७६५।६६
**सित सितैन मया व अलफ.**
जमादिलावल १५.

११०० खासा.
१००० नक्त.
१०० कापड आंख २५० एकूण अर्डाच पट्टा प्रमाणें.
———
११००

२३१ पोरगे व दिवट्या व अफ्तागिरा मिळोन असामी ३, एकूण रुपये.

१२३ आचारी व पाणक्या असामी २ एकूण रुपये.

२२॥ तेल दिवटीस.

१९० घोडीं व तट्टू व चरवेदार मिळोन —— रुपये.
१३५ दाण्याबद्दल.
५५ चरवेदार असामी १ दरमहा तैनात रुपये ५ प्रमाणें आकरमाही आकार रुपये.
———
१९०

३३३॥ भोजनखर्च वगैरे मिळोन.
———
२०००

---

380. His salary was fixed at Rs. 2,000 a year.

A. D. 1765–66.

एकूण दोन हजार रुपये तैनात सालीना सिंहगडाकडे नेमणूक होती त्याप्रमाणें अवलसालापासून आरमाराकडे नेमणूक करार करून दिली असे: तरि सदरहू तैनात पाववीत जाणें. सालमजकूरपैकीं किल्ले सिंहगड पैकीं आदा जाहाला असेल, तो जमा धरून यांचे नांवें खर्च लिहिणें. बाकी राहिली तैनात ती पावती करणें. याखेरीज मशारनिलेचे निसबतीचे कारकुनास तैनात सालीना रुपये.

२०० पांडुरंग संभाजी.
२०० हरी बल्लाळ.

४००

एकूण दोन असामी कारकुनांच्या लिहिण्यास तैनात सालीना चारशें रुपये किल्ले सिंहगडाकडे नेमणूक होती ते दूर करून आरमाराकडे नेमणूक केली असे; तरि जुने कारकून सदरहू तैनातीचे दूर करून सदरहू असामी त्यां ऐवजीं ठेवणें, आणि चाकरी घेणें. वेतन दूर असामी कराल त्यांचें वेतन चारशें नसेल, साडेतीनशें, पावणेचारशें, सवातीनशें होईल तितकेंच यांस करणें, आणि लिहिण्याचें काम सांगोन वेतन पाववीत जाणें. ऐवज मुबदला असाम्या सुभा कराल त्याप्रमाणें हुजूर करार होतील. सदरहू असामींस अवलसालापासून वेतन देणें. सालमजकुरापैकीं किल्ले सिंहगड पैकीं आदा जहाला असेल तो जमा धरून यांचे नांवें खर्च लिहिणें. बाकी राहिलें वेतन पावतें करणें, ह्मणोन सनद १. रसानगी यादी.

## सुभा आरमार निसबत आनंदराव धुळप यांच्या दफाते पैकीं.

३८१-( ३५ ) छ. ९ जिल्काद पत्र कीं, बाळाजी हरी यांस तुह्मांकडील आरमाराची अमीनी हुजरून सांगोन पेशजी तुह्मांकडे पाठविले आहेत, त्यास अमीन संबंधें वगैरे कामकाजाचा कानूजाबता बितपशील कलमें:—

इ०स० १७६५।६६
**सित सितैन मया व अलफ**
जिल्काद ९.

१ फडनिशी व कारखानिशीची कीर्द एक रोज तयार करून मजमदाराची एकुणात जाहल्यानंतर अमीनांनीं रुजू करावें. उपरांत तुम्हीं शिक्का करून दफ्तरीं कीर्दी देणें. कलम.

१ बंदरची हजिरी होईल ते रोजचेरोज तयार करून हशमनिसाची एकुणात अमीनाचें रुजू करून उपरांत त्याजवर मोर्तब करावें. कलम.

---

381. Balaji Hari was appointed Amin of the navy under Dhulap and his duties were defined as follows;—
A. D. 1765-66.

(1) The daily account sheet, prepared by the Fadnis and Karkhanis and totalled by Mujumdar, should be signed by the Amin.
(2) The daily muster roll totalled by the Hashamnis should be signed by the Amin;
(3) Orders regarding leave and return from leave should not be acted upon unless signed by the Amin;

१ रजेस लोक जातील व रजेपैकीं येतील त्यांची आधीं याद लिहून त्याजवर अमीनाची मखलासी होईल त्याप्रमाणें जाऊं देणें. येतील त्यांस गेल्याची तेरीख लाऊन जमा धरावें. सदरहू रोजचेरोज जातील येतील ते लिहीत जावे किर्दीस. कलम.

१ महिन्याची हजिरी हशमनीस घेतात ते अमीनाचे रोज रुकार होतील त्याची एकुणात करीत जावी. एकंदर हजिरी जाहल्यानंतर आकारून एकुणात करून तेरीख निशाण रुजू जाहल्यावर शिक्का करून दफ्तरीं द्यावी. कलम.

१ जदीद लोकांची तैनात ते अमीनानीं करून एकुणात बांधोन हशमनिसाकडे याद द्यावी, त्याप्रमाणें त्यांणीं तैनातजाबता करून एकुणात करून तेरीख निशाण अमीनाचें रुजू जाहल्यानंतर तुम्हीं शिक्का करावा. कलम.

१ दरकदार यांणीं सर्वांनीं सदरेस प्रातःकाळीं येऊन कामकाज चालवावें, जो न ये त्याचें काम अमीनांनीं चालवावें. दर्यावर्दी शिपाई लोक यांची समजावीस करणें ते हशमनिसानीं अमीनाचे रूबरू करावी. वांटणी करणें ते सदरेस सर्वांचे रूबरू करावी. कीर्दीस रोजचे रोज उगवावें.

१ खरेदी फरोक्त करणें तें अमीनांनीं कारकुनांचे इतल्यानें करीत जावें, त्याचा जमाखर्च कीर्दीस रोजचेरोज करीत जावा. कलम.

१ जगन्नाथ नारायण व अमीन मशारनिले व तुम्हीं असे एकचित्तेंकरून कारभार करावा, सर्वांनीं त्रिवर्गाचे आज्ञेंत चालावें. कारभारी यांणीं सरदारी बोज राखोन कर्तव्य तें करावें. कलम.

१ अमीन पुण्यास जातील त्यांचे तर्फेचा कारकून कारभारास नेहमीं ठेवतील त्यास कदीम कारकुनांपैकीं एक दूर करून त्याची तैनात त्यास करावी. कलम.

१ अवलसालीं लोकांची तमाम पाहाणी अमीनांनीं करून उत्तम मध्यम कनिष्ठ प्रती निवडून हुजूर आणावी. कलम.

१०

एकूण दहा कलमें सदरहू लिहिल्याअन्वयें वर्तणूक करणें, म्हणोन पत्र.

---

(4) The list of new recruits should bear the Amin's signature.

(5) all the Darakdars should assemble in the morniug for their duties; should any one be absent, his duty should be performed by the Amin; payment to sailors should be made in the presence of all and brought to account every day;

(6) All sales and purchases should be made by the Amin in consultation with the karkuns;

(7) The Amin should make an inspection of the seamen at the beginning of the year and shonld report their efficieucy to the Huzur.

३८२—( ५२८ ) सालगुदस्तां सुभा आरमार येथील लोकांनीं हैदरअली याचे आरमारचे लढाईत कामकाज चांगलें केलें सबब एकसाला बक्षीस.

इ० स० १७६७।६८
**समान सितैन मया व अलफ**
रबिलाखर.

रुपये.

७५० किता सरदार लोकांस.
 ३०० दामाजी नाईक कुवेसकर.
 २५० शिवाजीराव सुर्वे.
 २०० विठोजी नाईक बांवकर.
 ७५०
५०० बाळाजी हरी फडणीस.
३००० शिपाई लोक व सारंग वगैरे लोकांस मोघम. सदरहूची वांटणी बाळाजी हरी फडणीस यांणीं माणूस व चाकरी पाहून करावी, आणि नांवनिशीवार याद बांटणीची विसाजी केशव यांस समजवावी.

४२५०

एकूण साडेबेचाळीसशें रुपये देविले असेत, तरि आरमाराचे शिलकेपैकीं देणें, म्हणोन आनंदराव धुळप यांसि, छ. ६ रबिलाखर, सनद १. रसानगी यादी.

## ( क ) किल्ले.

३८३—( १० ) किल्ले सातारा येथें आहेत त्यांस दामोदर महादेव निसबत त्रिंबकराव विश्वनाथ यांचें शरीर अशक्त जाहलें, कृष्णास्नानास जाववत नाहीं, सबब इजाफा रुपये

इ० स० १७६२।६३
**सलास सितैन मया व अलफ**
रबिलाखर ४.

 ४ घोडीस दाण्याबद्दल.
 ३ पोरगे यास तैनांत.
 ७

---

382. The officers and men of the navy having done good service in the naval war with Haidar Ali in the preceding year, were granted rewards amounting a to Rs. 4,250.

A, D. 1767-68.

## ( c ) FORTS.

383. Damodar Mahadev employed at fort Satara having become weak and unable to walk to the Krishna for his daily ablution, was given an increment of Rs. 7 in his pay per month viz. Rs. 4 for the keep of a mare and Rs. 3 for the pay of a servant.

A. D. 1762-63.

एकूण सात रुपये छ. १ रविलाखरापासून करार केले असेत, दसमाही शिरस्ते-प्रमाणें किल्ले मजकुरीं पाववीत जाणें. १.

एणेप्रमाणें गंगाजीराव खानविलकर नामजाद किल्ले सातारा यांस सनदा २. रसानगी यादी.

इ० स० १७६२।६३ सलास सितैन मया व अलफ रजब १.

३८४—( १५ ) विठ्ठलराव विश्वनाथ यांसि सनद कीं, सालमजकुरीं तुम्हांकडे किल्ले चंदनगड व किल्ले वंदनगड येथील तालुका सालमजकुरापासून तुम्हांस सांगितला, त्यास नेमणूक खर्चाची बितपशील:—रुपये.

३६० भोजनखर्च ब्राह्मण दररोज असामी ५ पांच प्रमाणें दरमहा रुपये ३० एकूण बारमाही.

१३५ बरहुकूम मुशाहिरा सरसाल.

७५ आचारी १.

६० ब्राह्मण आसामी १.

१३५ २

२१६ कित्ता असामी यांसि सरसाल नेमणूक.

६० दिवट्या १.

७२ आफ्तागिरा १.

६० पोरगा १.

२४ दिवटीस तेल दरमहा २ रुपये प्रमाणें.

२१६

७११

एकूण सातशें अकरा रुपये सालीना मोईन करार करून दिली असे. छ. १ रजब पासून अखेरसालपर्यंत सदरहू ऐवज बारमाही नेमणूक करून दिली आहे, याचे वांटणी-प्रमाणें दरमहाचा दरमहा अखेरसालपर्यंत खर्च करणें. तुमची तैनात जाहली नाहीं, व दोन्ही किल्यांचा कारभार कुल तुम्हांकडे यक्तियारीनें दिला असे, तरि तुम्हीं कारभारांत तफावत सरकार नुकसानी न करितां अखेरसालीं कच्चा हिशेब आणून समजावणें. पेस्तर

---

A. D, 1762--73.

384. Vithalrav Vishwanath was entrusted with the management of the forts of Chandangad and Vandangad, and was allowed a sum of Rs. 711 annually on account of the expenses of his personal establishment–cooks, torch-beares &c. He was directed to manage the charge without loss to Government and was informed that his own remuneration would be fixed at the end af the year on his submitting detailed accounts to Government.

तैनात करून दिली जाईल. तूर्त सदरहूप्रमाणें खर्चाची नेमणूक करून दिली असे, याप्रमाणें दरमहाचा दरमहा खर्च करणें, म्हणोन सनद १. रसानगी यादी.

इ० स० १७६२।६३ सलास सितैन मया व अलफ रजब १४.

३८५—( २१ ) मोरोजी शिंदे नामजाद तालुके रत्नागिरी यांस पत्र कीं, राजश्री दामाजी आपाजी यांची जंजिरे मजकूर येथील दप्तरदारीची असामी पेशजी पासून आहे, त्यास हल्ली लटकी दिकत घेऊन असामीचें कामकाज यांचे हातें घेत नाहीं म्हणून विदित जहालें; त्यांस पेशजीप्रमाणें असामी मशारनिलेची करार करून पत्र सादर केलें असे, तरि तुम्हीं यांचे हातें लिहिण्याचें प्रयोजन घेऊन पेशजीचे सनदेप्रमाणें वेतन पावीत जाणें, म्हणून पत्र १. रसानगी याद १.

इ० स० १७६२।६३ सलास सितैन मया व अलफ साबान १६.

३८६—( ४१ ) हवालदार व कारकून किल्ले त्रिंबक यांचे नावें सनद कीं, किल्ले मजकुरीं शिलकी गल्ला आहे, तो नवाजुना जाहला पाहिजे, त्यास किल्यावर लोक हशमी वगैरे आहेत, त्यांस अडिशेरी रोजमरा नक्त वांटणी कराल ते समयीं दर असामीस दोन रुपयेप्रमाणें गल्ला देऊन बाकी रोजमरा नक्त देत जाणें, म्हणून सनद १.

पोहोंच राजश्री दादा, रसानगी केसो गोविंद नगरकर.

इ० स० १७६३।६४ अर्बा सितैन मया व अलफ मोहरम २१.

३८७—( ९५ ) किल्ले बहुला येथील नेमणूक सालमजकूरची इस्तकबिल अवल-साल तागायत अखेरसाल करार निसबत लक्ष्मण आपाजी, रुपये.

५७७५ लोक आढाव व बरकंदाज चांगले कसबी पाहून विश्वासूक जामीन घेऊन ठेवावे. असामी ७५ एकूण

---

385. The office of daftadar of fort Ratnagiri belonged to Damaji Appaji. The officer in charge of taluka Ratnagiri, Moroji Sinde, however, on some pretext refused to accept service from him. Moroji was directed to continue the office to Damaji according to his sanad.

A. D. 1762-63.

386. There being a large balance of old grain in store at the fort of Trimbak, the havaldar and karkun in charge were directed to give to each man employed in the fort, in payment of his salary, two rupees, worth of grain in kind and the rest in cash.

A, D. 1762-63.

387. The entertainment of the following force and establishment at fort Bahula was sanctioned:—

A, D.1763--64.

Rs. 5775 pay for 11 months of 75 musketeers. Skilled and honest men to be entertained, and sureties to be taken from them.

दरमहा दरअसामीस तैनात रुपये ७ सातप्रमाणें एकमाही आकार ५२५ पांचशें पंचवीस, एकूण आकरमाही कबज, रूपये.

६५० कारकून नेहमीं.

२५० लक्ष्मण आपाजी सुभेदार.

२०० त्रिंबक यमाजी फडणीस.

२०० रामचंद्र गणेश सबनीस.

६५०

२५० किल्ले निसबतीस दरकदार.

१२५ शिवाजी पैठणकर हवालदार यास मोईन सालीना.

१२५ सोनाजी सानप सरनोबत मोईन सालीना.

२५०

एकूण दोन असामींस मोईन अजमासें देखील कबिल्याची अडिशेरी कुल पडलें पान यांतच, देखील कापड.

१००० किल्ले मजकूरची इमारत पडझड अगर नवीच करणें, दास्तानांस घरें वगैरे नवीं बांधणें याचा हिशेब अखेरसालीं कच्चा समजावीत जावा; सदरहू ऐवज मोघम नेमणूक करून दिली असे, यांत चौकशी करून खर्च करावा. जाजती करूं नये. यांतच कमी चौकशीनें होतां होईल तेथवर करावा. इमारतीचें काम चांगलें करावें. वाईट करूं नये.

७६७५

एकूण सात हजार सहाशें पंचाहत्तर रुपये नेमणूक यासि सरंजाम गांव.

एकूण आकार————————रुपये.

६००० किल्ले मजकुराकडे पेशजी-पासून सरंजाम आहे, त्याची चौकशी राजश्री त्रिंबकराव विश्वनाथ यांणीं करून आकार केला आहे, त्याप्रमाणें हल्लीं

किल्ले मजकुराकडे बेरीज गांव

| आकार | रुपये. |
|---|---|
| ६५१ | मौजे बहुलें. |
| ६२५ | मौजे गवळणें. |
| ४७५ | मौजे नांदूर. |
| ५६१ | मौजे गोंडेगांव. |

११२५ मौजे तुरवी.
४७५ मौजे असवली.
१९७५ मौजे वडगांव.
४५१ मौजे मानूर.

६३३८ ८

एकूण आठगांवचा आकार साहा हजार तीनशें अडतीस रुपये दरोबस्त जागीर बाबती सरदेशमुखी मुकाशीसुद्धां आकार त्यास मुकाशाचा अमल फूट अमलदार यांजकडे आहे, त्याची बेरीज दरसदे रुपये ५ प्रमाणें अजमासें आकार रुपये ३३८, बाकी निवळ बेरीज जमा ——————————रुपये. ९०००

३००० परगणे नाशिक निसबत त्रिंबक सूर्याजी याजकडे कमावीस गांव होते ते त्यांजकडून दूर करून सालमजकूरापासून किल्ले मजकुराकडे सरंजाम दिले, त्याचा आकार अजमासें बेरीज--रुपये.

७०० मौजे अंबाड बुद्रूक.
५०० मौजे वणभरवाडी.
१३०० मौजे पिंपळगांव खाई.
५०० मौजे होळी.

३००० ४

एकूण नेमणूक किल्याची सात हजार साहाशें पंचाहत्तर रुपये यासि ऐवज नव-हजार जमा देणें, किल्ल्याचे नदारद फाजील किल्ले यांजकडे शिलक सव्वातेराशें रुपये राहिली

---

Rs. 650 pay of karkuns—
250 Subhedar.
200 Fadnis.
200 Sabnis.

Rs. 250 darakdars ( including ration for families &c. )—
125 Hawaldar.
125 Sirnobat.

Rs. 1000 Expenditure on repairs to the fort or additions to the store-rooms ( detailed account of the expenditure to be furnished at the end of the year).

Villages estimated to yield Rs. 9000 were assigned for the expenses of the fort The officer was told to extend cultivation in the villages and increase the revenue as far as possible. It was further directed that detailed accounts of the Villages should be furnished at the end of the year, that a muster should be kept of the men in the fort, that they should not be paid their full pay till the end of the year, that no pay should be allowed for periods of absence, that service should be taken only from persons named in the nominal roll bearing the Government seal and signature, that no substitute should be permitted to serve and that the fort should be well guarded. The entertainment of

असे, त्यास गांवगन्नाची जमा हाल वसूलची लिहून दिली आहे, त्यास किल्लानिसबत सरंजाम गांव दिले आहेत, लावणीजुंपणी यथास्थित करून हाल वसुलापेक्षां जाजती जमा साधणूक करावी. अखेरसालीं गांवचा कच्चा हिशेब हुजूर आणून दाखवावा. किल्ले मजकुरीं लोकांची नेमणूक केली आहे, त्याची हजिरी गैरहजिरी राखीत जावी. आकरमाही कबज झाडून देऊं नये, अखेरसालीं हिशेब करून गैरहजिरी वजा करून नवेद द्यावे. लोक मुबदला ठेऊं नये[त.] जे लोक ठेवावे त्यांचा तैनातजाबता हुजूरचा शिक्यानिशीं करून घ्यावा. येणेप्रमाणें नेमणूक दिली असे. सदरहूप्रमाणें खर्च चौकशीनें करून, जमा जाजती साधणूक करून किल्ल्याचा चौकीपहारा अलंगनौबत शिरस्तेप्रमाणें करीत जाणें. याखेरीज किल्ले मजकुरीं देवाची जत्रा व नंदादीप वगैरे रोशनाई सरबत्ती व कुत्रीं किल्ल्यावर आहेत, त्यांस पेशजीपासून नेमणूक चालत असेल, त्याप्रमाणें खर्च करणें. मजुरा पडेल. बाजेलोक दिवट्या, कोठवळा हलालखोर जे कार्याकारण लागेल ते ठेवून किल्ल्याचा बंदोबस्त करणें व कुणबिणींस अडशेरी पेशजीची नेमणूक असेल त्याप्रमाणें दरमहाचा दरमहा सवंग जो जिन्नस असेल तो अडिशेरी देत जाणें, दिवट्या व कोठवळा वगैरे सदरहू शिबंदींत ठेवावे. जाजती ठेवूं नये. किल्ले मजकूरची नेमणूक ऐनजिन्नस वगैरे पेशजी पासून आहे, त्यांपैकीं देवस्थानाची पूर्ववत् प्रमाणें चालवावी, त्याखेरीज नेमणूक कार्याकारण चौकशीनें चालवावी, येणेप्रमाणें नेमणूक करून दिलें असे. १. रसानगी यादी.

३८८--( १२७ अ ) किल्ले दौलताबाद निसबत उधो वीरेश्वर यांजकडे किल्ल्याचे

इ० स० १७६३।६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
रबिलाखर १९.
बांचे नांवें

भरतीस माणूस पाहिजे, त्यास किल्ले अमदानगर पैकीं शिपाई लोक असामी ३०० तीनशें असामी समागमें शहाणा माणूस देऊन सनद दाखल होतांच किल्ल्याकडे रवानगी करणें, म्हणोन गणेश विठ्ठल सनद १.

परवानगी, राजश्री दादा; रसानगी, बाजी माणकेश्वर
कमाविसदार कसबे खेड.

---

scavengers, torchbearers &c. as might be necessary was also permitted, and sanction was accorded to the usnal expenditure on account of the fair, oil for lighting a lamp before the deity, food for the dogs in the fort and grain allowance to the female servants.

388. Some men were required to make up the full complement of the force at fort Daulatabad. It was ordered that 300 sepoys from fort Ahmednagar should be sent in charge of an intelligent officer to the former fort.

A. D. 1763-64.

## नारो आपाजींच्या रोजकीर्दीपैकीं.

३८९–( १३३ ) कृष्णराव बापूजी यांचे नांवें सनद कीं, किल्ले चाकण सरकारांतून तुमचे निसबतीस दिला आहे. तेथील शिबंदीचे वगैरे खर्चाचे नेमणुकेप्रमाणें बेगमी हुजुरून करून द्यावी, त्यास सरकारांत ऐवजाची वोढ यामुळें तुम्हांस कर्ज घेऊन शिबंदीचा वगैरे खर्च करावयाची आज्ञा केली असे. कर्ज घेऊन खर्च करणें. तो ऐवज कसबे चाकण येथील पेस्तरसालचे ऐवजीं देविला असे. बितपशील रुपये.

इ. स. १७६३।६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
रबिलाखर २५.

इस्तकबिल छ. १६ साबान सन सलास तागायत छ. १६ रबिलावल सन मजकूर सातमाही खर्च पैकीं रुपये ३००० तीन हजार रुपये भाद्रपद वद्य ४ शके १६८५ पासून मिती करार. यासि व्याज दरमाहे दरसदे रुपाया १ एकोत्रा सरकारशिरस्तेप्रमाणें करार केले असे. व्याजसुद्धां ऐवज घेणें. ज्या मुदतीस मुद्दल ऐवज पावेल त्या मिती पावेतों व्याजाचा हिशेब होईल. इस्तकबिल छ. १७ रबिलावल सन मजकूर तागायत अखेरसाल साडेआठमाही बरहुकूम नेमणूक बेहडा रुपये ३००० तीन हजार रुपये कर्ज घेऊन दरमहा खर्च करीत जाणें. मुदत-मवाफिक व्याज दरसदे रुपया १ एकोत्रा सरकारशिरस्तेप्रमाणें बिनसूट करार केलें असे. व्याजास मित्या शिबंदीचे दरमाहाचे खर्चाप्रमाणें लागतील त्या मित्त्यांपासून ऐवज पावे तों व्याजाचा हिशेब होईल.

एकूण सहा हजार रूपये देविले असेत. कसबे मजकूर येथील पेस्तरसालचे ऐवज व्याजसुद्धां घेणें, मजुरा पडतील. म्हणोन छ. १६ रबिलाखर.

सनद १

रसानगी याद.

३९०–( १६१ ) किल्ले लोहगड किल्ले विसापूर येथील बंदोबस्त पेशजीपासून तुम्हांकडे आहे, त्याप्रमाणें हलीं करार करून देऊन हे सनद तुम्हांस सादर केली असे. तरि इमानेंइतबारें वर्तोन, अमल चौकशीनें करून सदरहू दोन्ही किल्ल्यांचा चौकीपहारा व अलंगनौबतीचा बंदोबस्त यथास्थित करणें. अमल संबंधें कलमें:—

इ. स. १७६३।६४
अर्बा सितैन
मया व अलफ
जमादिलाखर २८.

---

389. Fort Chakan was put under the command of Krishnarav Bapuji. He was informed that as Government was in want of funds, he should raise a loan for the expenses at the fort and repay it with interest from the next year's revenue of the village of Chakan.

A. D. 1765-65

390. The Sirnobat of fort Lohagad, Moroji Sinde, did not serve in person at the fort, nor did he send a fit substitute to carry on the duties. Dulbaji More Khasbardar was there-

A. D. 1765-66

किल्ले लोहगडची सरनौबती पेशजी-पासून मोरोजी शिंदे यांची आहे, त्यास त्यांजकडील चाकरीवर कोणी खबरदार हुशार सावध उपयोगी माणूस राहात नाहीं, सबब सरनौबतीची चाकरी यथास्थित होत नाहीं, याजकरितां मुतालकीवर हुजरून दुलबाजी मोरे खासबारदार यांस पाठविले आहेत, तरि यांजपासून सरनौबतीची चाकरी घेऊन यांस वेतन जिवधन किल्यास पावत होतें, त्याप्रमाणें करार केलें असे; तरि किल्ले मजकुरीं पावीत जाणें, व यांजपासून जामीन चांगला इतबारी घेऊन कतबा घेऊन हुजूर पाठवणें. मोरोजी शिंदे यांची तैनात सरनौबतीची कदीम आहे त्यापैकीं निमे सूट घालून बाकी निमे वेतन इतलाख मशारनिले पुरातन सरकारचे चाकर सबब देत जाणें. कलम १

किल्ले विसापूर येथील मावजी हांडे हवालदार व शेट्याजी भगत सरनौबत यांजकडून हवाला व सरनौबती दूर केली असे, तरि त्यांस हुजूर पाठविणें. हल्लीं मकाजीराव येरूणकर यांसि हवाला व वाघोजी शिंदे यांस सरनौबती करार करून द्यावी. इमानेंइतबारें चाकरी करतील म्हणोन तुम्हीं विनंती केली, त्याजवरून सदरहूप्रमाणें करार केलें असे, तरि मशारनिले यांस किल्यास पाठवून बंदोबस्त करणें. कलम १.

किल्ले विसापूर येथील मकाजीराव येरूणकर यांस हवाला व वाघोजी शिंदे यांस सरनौबती करार करून पाठविले आहेत. तरि यांस वेतन पेशजीचे कराराप्रमाणें पावीत जाणें, व उभयतांपासून जामीन चांगले इतबारीनें घेऊन कतबा घेऊन हुजूर पाठवणें. कलम १.

येणेंप्रमाणें तीन कलमें करार केलीं असेत, तरि सदरहू लिहिल्याप्रमाणें वर्तणूक करणें, म्हणोन नारो त्रिंबक यांचे नावें सनद १. रसानगी याद.

३९१—( १६५ ) गणेश विठ्ठल तालुके अमदानगर यांचे नावें सनद कीं, किल्ले मजकूर येथील लोकांनीं सालगुदस्तां मोगल नगरास आला ते समयीं चाकरी उत्तम केली, सबब सालमजकुरीं लोकांस इजाफा दरमाहे — रुपये.

इ० स० १७६५।६६
**अर्बा सितैन मया व अलफ**
रजब १२.

---

fore sent to act as **Sirnobat** at the fort, and orders were issued to take from him a sufficient surety and to send the security bond to the **Huzur**. **Half** the remuneration of the office was in consideration of Moroji's former service allowed to be continued to him.

The hawaldar and sirnobat of fort Visapur were called to the Huzur and other persons were appointed in their places.

391. Some men employed at fort Ahmednagar were rewarded with an increase to their salaries for excellent service during the Mogal invasion in the preceding year.

A. D. 1765–66.

१५॥ शाई शिरस्ता.
५॥ त्रिंबकराव धावडे.
१० घनश्याम हजरी.

१५॥

२३।॰ दसमाही शिरस्ता.
४।॰ इंद्र सावंत.
३ गिरधर.
२ देवीसिंग.
२ हरजी साळे.
१ परसोजी वागमारे.
१ जीवनसिंग.
२ घासीराम.
२ नाथूराम.
२ अमरसिंग.
२ लालमण.
२ भवानसिंग.

२३।.

१२॥॰ आकरमाही.
६ जान मार्फत लाडूभाई.
२॥ हुमसराये.
४ गोलंदाज
असामी एकूण ३.

१२॥॰

५१।॰

एकूण सवाएकावन रुपये शिरस्तेप्रमाणें छ. १५ रजबपासून करार केले असे [त], तरि यांजपासून चाकरी घेऊन सदरहूप्रमाणें किल्ले मजकूर येथील ऐवजीं पावीत जाणें, म्हणोन मशारनिले यांचे नांवें

सनद १. रसानगी यादी.

३९२—(१७०) अवचितगड तालुक्यांत हबशियानें दंगा फार करून जागां
इ० स० १७६३।६४ जागां थारे करून मुलकास उपद्रव करितो, यास्तव किल्ले पोपेरी व
अर्बा सितैन किल्ले सोनगिरी हे दोन किल्ले नवे बसाहात करावयाविशीं आज्ञा राम-
मया व अलफ चंद्र कृष्ण यांस केली आहे, हल्लीं तेथील कुल कारभार तुम्हांस सांगि-
रजब २१. तला असे, तरि सदरहू दोही किल्ल्यांपैकीं पन्नास माणूस खालीं उतरोन रात्रदिवस डोंगर फिरोन, हबशाकडील चोर सांपडलियास पारपत्य करणें; या कामास आळस एकंदर न करणें, म्हणोन केसो रघुनाथ यांस

सनद १. रसानगी याद.

---

392. The Habshi was causing disturbance in the taluka of Ava-
A. D. 1765–66 chitgad. The forts of Songiri and Poperi were therefore ordered to be garrisoned. It was directed that 50 men from these forts should search in the hills around for the Habshi's men and that in case any were found, they should be duly punished.

३९३—( १७६ ) त्रिंबकराव लक्ष्मण यांस पत्र कीं, बाळोजी करोळ यांस किल्ले
इ० स० १७६३।६४ दौलताबाद येथील हवाला सांगोन पाठविले आहेत. तरि यांस महा-
अर्बा सितैन कोटांत ठेवून देवगिरी व महाकोट व काळाकोट तीहीं जागांचा बंदोबस्त
मया व अलफ कैदकानू यथास्थित यांचें हातून घेत जाणें. यांजपासून जामीन हुजूर
साबान २.
घेतला असे, म्हणोन पत्र १. रसानगी यादी.

३९४—( १९३ ) नारो कृष्ण बर्वे यांस किल्लेहायचा बंदोबस्त सांगितला असे,
इ० स० १७६६।६७ तर लोकांची हजिरी घेतील व मोजदादी करितील व खर्चाचा वगैरे
अर्बा सितैन बंदोबस्त करितील त्याप्रमाणें वर्तणूक करणें, म्हणोन सनदा.
मया व अलफ
रमजान २६.

१ किल्ले मोल्हेर निसबत बाळाजी बाबूराव.
१ किल्ले अशेर निसबत शटवाजी आईतोळे.
१ किल्ले कुकडमुंढें निसबत कृष्णाजी विश्वनाथ यांस.
१ तालुके धोडप वगैरे निसबत आपाजी हरी यांस.

---

४

रसानगी यादी.

## दादासाहेबांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

३९५—( २१० ) राजाराम गोविंद तालुके पट्टा यांचे नावें सनद कीं, सोनजी
इ० स० १७६६।६७ कोलता हवालदार किल्ले पट्टा यासि किल्ल्याची हवा मानत नाहीं. बरें
अर्बा सितैन वांटेनासें झालें, सबब हुजूर आणविला असे. तरि किल्ल्याखालें उतरोन
मया व अलफ हुजूर येऊं देणें. मागाहून किल्ल्यास हवालदार दुसरा नेमून दिला
जिल्हेज २.
जाईल तों पावेतों सरनौबत यांचे हातून रसानगी, परवानगी व अलंगनौबत व चौकी-

---

393. Balaji Karol was appointed hawaldar at fort Daulatabad and was ordered to reside in Maha Kot.
A. D. 1763-64

394. Naro Krishna Barwe was appointed an inspector of forts, and the officers of forts Molher, Asher and Kukudmunde, and of taluka Dhodap, were directed to allow him to muster the forces and check the deadstock.
A. D. 1766-67.

395. The climate of Patta did not agree with Sonji Kolta, the hawaldar of the fort, and he became ill. Rajaram Govind officer of taluka Patta, was directed to allow the havildar to come to the Huzur and to let the Sirnobat carry on his duties till a permanent successor was appointed.
A, D. 1766-67.

पहारा यांच्या बंदोबस्ताचें कामकाज घेत जाणें, म्हणोन छ. १२ सवाल सनद १.
रसानगी याद.

इ० स० १७६४।६५ खमस सितैन मया व अलफ मोहरम २५.

३९६---( २३२ ) लक्ष्मणराव बाबर यांस किल्ले वैराटगड येथील सरनौबती पेशजी होती, त्यास कैलासवासी मातुश्री ताराऊसाहेब यांचे दंग्यांत हे हुजूर येऊन रुजू जाले याकरितां यांची सरनौबती दूर झाली आहे ते पेशजीप्रमाणें यांजकडे करार करून दिली असे; तरि किल्ले मजकुरीं सरनौबतीचा कामकाज कानूकायदे पूर्ववत् प्रमाणें मशारनिलेचे हातून घेत जाणें, म्हणोन वेंकाजी माणकेश्वर यांस
सनद १. रसानगी चिठी.

इ० स० १७६४।६५ खमस सितैन मया व अलफ मोहरम २८.

३९७---( २२६ ) लक्ष्मण आपाजी यांचे नांवें सनद कीं, किल्ले बहुला येथें सालगुदस्तां नाजूक खर्चाची नेमणूक नव्हती. त्यास नाजूक खर्च जाहला तो इस्तकबिल छ. २३ मोहरम तागाईत छ. ३० जिल्काद मुदत माहे १०८ एकूण असामी २ एकूण.

नक्त रुपये.
५० रोख.
२५ म्हैस सर १.
६४।= कापड.
    १९।= लुगडीं २
    १८।।।· चोळ्या.
    १५।।।=।। न्याहाली उशी.
    १।=।। वासनें.
    ·।- झोळणा.

१ चवाळें.
४।। कुणबिणीस.
    ३ लुगडें १.
    १।। खादी १.
    ४।। २
३ जोट १.
६४।=

396. Laxmanrav Babar formerly held the office of sirnobat at fort Vairatgad. During the disturbance caused by Matushri Tarau-saheb he joined the Peshwa, and the office. which he had lost was now restored to him.

A. D, 1765-66.

397. No provision had been made for expenses on account of petty supplies at fort Bahula, the expenses actually incurred on that account, viz Rs. 231-3-0 besides grain, was therefore sanctioned.

A. D. 1765-66.

२८।॰ भांडीं.

·।।।=॥ वाटी १ व जांब १.

वजन ׳׳॥·

·॥· तबक.

·।=॥· जांब ׳׳।·

२२।।।=॥· प्रत वजन.

׳׳१। कासांडी.

׳׳१׳९ पितळी.

׳׳=।=॥ घागर.

׳׳=।।।=॥ परात.

׳׳׳।।।· तांब्या.

׳׳।९ पळी पितळी.

׳׳१॥९ तपेलें.

׳।२।·

दर सेरीं १।।।=

रुपये.

३׳॰॥ तांब्या कल्याणी.

वजन ׳׳१।९

·।॰ पंचपाळें १.

२८।॰

६३॥ किरकोळ जिन्नस पानें सुपारी व जिरें मिरें व तूप वगैरे.

२३१׳=

गल्ला कैली.

׳३॥१।।। गहूं.

׳३॥१ तांदुळ बारीक सडीक.

׳=׳।।। दाल तुरी.

॰।।।·॥= दाल हरभरे.

׳।=॥= मीठ.

׳׳१ जोरी.

׳׳॥· उडीद.

·।१।= बाजरी.

·।।।=׳१।·

वजनी वजन पक्के.

׳।४॥. तूप.

׳१।।।'५॥९ तेल.

׳।׳।।।९ गूळ.

׳׳१।।।९ चिंच.

׳׳।।।· चंदन.

׳׳׳७॥ सूत.

׳׳।१'५।।। कात.

׳׳३ हळद.

׳२।।।'५׳१४।·

एकूण नक्त दोनशें एकतीस रुपये तीन आणे व गल्ला कैली सतरा मण सवापायली व वजन पक्के पावणेतीन मण पांच शेर सवाचवदा टांक येणेंप्रमाणें नाजूक खर्च जाहला तो किल्ले मजकूर ऐवजीं देविला असे, खर्च लिहिणें. मजुरापडेल, म्हणून सनद १.

रसानगी यादी.

## दादासाहेबांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

३९८–( २४१ ) वेंकाजी माणकेश्वर यांचे नांवे सनद कीं, राणोजी शिंदे किल्ले सातारा यांसि शिक्का मोर्तब नवे तयार करून देविलें असे, तरि शिक्यांत नांव 'श्रीरघुनाथ चरणीं तत्पर राणोजी शिंदे निरंतर' या प्रमाणें कोरून शिक्का मोर्तब तयार करून देणें, म्हणोन सनद १. रसानगी यादी.

इ० स० १७६४।६५ खमस सितैन मया व अलफ रबिलावल १६.

३९९–( ३५१ ) गणेश विठ्ठल तालुके अमदानगर यांचें नांवें सनद कीं, किल्ले अमदानगर येथील चौकशीस दादो उद्धव यांस पाठविलें होतें. ते समयीं किल्ले मजकूरचे कोठीची मोजदाद केली, तेव्हां गल्ला हरजिन्नस वगैरे नासका जिन्नस पुढें राहिल्यास उपयोगीं पडणार नाहीं, तो फरोक्त करून पैका उभारावा, म्हणोन तुमचे व मशारनिलेचे विचारें जहालें होतें; त्यास नारायणजी नाईक हवालदार किल्ले मजकूरचा हा विकूं देत नाहीं, अडथळा करतो, म्हणून तुम्हीं हुजूर विदित केलें, त्याजवरून हवालदार यास अलाहिदा पत्र सादर केलें असे; तरि गल्ला वगैरे जिन्नस नासला असेल, पुढें राहिल्यास उपयोगीं पडणार नाहीं, असा तुमचे व दादो उद्धव यांचे विचारें जहाला असेल तो हलीं तेथील दरकदारांचे इतल्यानें फरोक्त करून, ऐवज जमा करून त्या ऐवजाचा नवा जिन्नस खरेदी करून ठेवणें, अथवा ऐवज जमा करून ठेवणें, ह्मणोन सनद १. रसानगी यादी.

इ० स० १७६५।६६ सित सितैन मया व अलफ मोहरम १२.

४००–( ३५५ ) किल्ले चावंड येथिल हवाला बाबाजीराव राणे यांजकडे होता, तो त्यांजकडून दूर करून जिवाजी वाळुंज यांस सांगोन पाठविलें असे; तरि यांस किल्ल्यावर घेऊन हवालदारीची चाकरी घेत जाणें. यांस रोजमरा वगैरे द्यावयाची नेमणूक कलमें:—

इ० स० १७६५।६६ सित सितैन मया व अलफ. सफर ८.

---

398. A new seal was supplied to Ranoji Sinde of fort Satara. The inscription was "Ranoji Sinde always ready at the feet of shri Raghunath."

A. D. 1769–70

399. Dado Udhav was sent to inspect fort Ahmednagar. He found that some grain in the store was getting spoilt, and it was settled between him and Ganesh Vithal, the fort officer, that it should be sold and replaced. The hawaldar, however, objected to this course. He was directed to withdraw his objections, and the suggestion o the inspector was ordered to be carried into effect.

A. D. 1770–71.

400. The office of hawaldar of fort Chawand was given to Jivaji Walunj on a monthly salary of Rs.15 with an allowance of Rs. 15 for a torch-bearer (Rs. 5), a boy ( Rs. $4\frac{1}{2}$ ) and an aftagira ( Rs. $5\frac{1}{2}$ ). The former hawaldar was directed to hand over the fort to Jivaji to take his receipt and repair to the Huzur.

A. D. 1765–66.

तैनात दरमहा रुपये.
१५ खुद जातीस.
१५ कित्ता.
५ दिवट्या.
४॥पोरगा.
५॥अफ्तागिरा.

१५

३०

तीस रुपये दर महा तैनात करार केली असे. तैनातबरहुकूम रोजमरा दीडमाही करार केला असे, देत जाणें. अखेरसालीं हिशेब करून बारमाही चाकरी आकरमाही कबज हिशेबामुळें होईल तें देणें. दिवटीस तेल तुम्हांकडे आणखी किल्ले आहेत, तेथील हवालदारास पावत असेल, त्याप्रमाणें यांस देत जाणें.

कलम १.

आफ्तागिराचे सामानास रुपये १५ पंधरा रुपये करार केले आहेत. सालमजकूरचे बेहेड्यांत एकसाली खर्चांत करार होतील. त्याप्रमाणें पावते करणें.

कलम १.

एकूण तीन कलमें करार केलीं असत, तरि सदरहू लिहिल्याप्रमाणें वर्तणूक करणें, म्हणोन रामचंद्र नारायण यांचे नांवें सनद.

४०१–( ३५७ ) किल्ले अमदानगर येथील हवाला नारायणजी फो ( को? ) लते यांस होता, तो त्यांजकडून दूर करून रामजी वणजारे यांस किल्ले मजकूरचा हवाला सांगून पाठविले आहेत. त्यास त्याचीं ——— कलमें.

इ० स० १७६५।६६
**सित सितैन मया व अलफ.**
सफर २०.

खासा व पोरगे तैनात सालीना रुपये.
३०० खुद.
१५० पोरगे असामी.
१ अफ्तागिरा.
१ दिवट्या.
१ पोरगा.

३

४५०

एकूण तीन असामींस तैनात सालीना.

---

401. A new havaldar was appointed to fort Ahmednagar on an annual salary of Rs. 300 with allowance of Rs. 150 for an aftagira, a torch-bearer and a boy. He was permitted to appoint 60 men of his own choosing in place of 60 men already in service.

A. D. 1765–66.

एकूण साडेचारशें तैनात सालीना पावीत जाणें. —————— कलम १.

नवें अफ्तागीर सरंजामसुद्धां वीस रुपयांत तयार करून देणें. सदरहू वीस रुपये एकसाल बेहेड्यांत नेमून दिले जातील. कलम १.

तैनातशिवाय यांस सिधा पेशजी हरजी वाघमारे यांस सिधा पावत होता, त्याप्रमाणें त्यांस देत जाणें. कलम १.

पहिले लोक किल्ले मजकुरीं आहेत, त्यापैकीं साठ असामी दूर करून त्यांचे मुबदला नवे जदीद लोक साठ असामी रामजी वणजारे यांचे दिमतीस करार करून ठेवणें. त्यांस तैनात दरमहा दर असामीस रुपये ७ प्रमाणें तैनात, बारमाही चाकरी, दसमाही कबज, रोजमरा व नबदे किल्ले मजकूरचे शिरस्तेप्रमाणें हजिरी गैरहजिरी मनास आणून कबज करून पाववीत जाणें. कलम १.

दिवटीस तेल खेरीज गस्त पेशजीचे बेहेड्यांस नेमणूक पहिले हवालदारास आहे, त्याप्रमाणें देत जाणें. कलम १.

एकूण पांच कलमें करार केलीं असत; तरि सदरहूप्रमाणें करणें, म्हणून गणेश विठ्ठल यांस

सनद १.

येविशीं माजी हवालदारांस सनदा कीं, किल्ला यांचे हवालां करून हुजूर येणें कबज घेऊन, म्हणोन ——————

सनदा $\frac{३}{४}$

रसानगी यादी.

४०२–(३६३) बाबूराव ढमाले हवालदार व कारकून किल्ले सोलापूर यांचे नांवें सनद कीं, किल्ले मजकूर येथील सबनिशी बाळाजी अनंत यांजकडे होती, त्यास ते मृत्यु पावले, सबब मशारनिलेचे पुत्र आबाजी बल्लाळ यांचे नांवें सबनिशी पेशजीप्रमाणें करार केली असे, तरि यांस मोईन सालीना पेशजीप्रमाणें.

इ०स० १७६५।६६
सित सितैन
मया व अलफ
रबिलावल २.

नक्त —————— रुपये.

| | |
|---|---|
| २०० | खासा |
| ५५ | दिवट्या असामी |
| २५५ | |

कापड आंख. ७५

---

402. Balaji Anant Sabnis of fort Sholapur having died, his son was appointed to succeed him on a personal salary of Rs. 200 and clothes worth Rs. 75 a year with an allowance of Rs. 55 a year for a torch-bearer.

A. D. 1765–66.

एकूण दोनशें पंचावन रुपये व पाऊणशें आंख मोईन पेशर्जाप्रमाणें करार केली असे, तरि मशारनिलेपासून सबनिशीचें कामकाज घेत जाऊन सदरहूप्रमाणें मोईन पावीत जाणें, म्हणोन ——— सनद १.

सदरहूविशीं बाबूराव सदाशिव यांचें नांवें चिटणिशी पत्र १.

रसानगी याद. २

४०३—( ३७० ) सेनाधारी व सेनालेखक किल्ले पुरंदर यांचे नांवें सनद कीं, किल्ले-

इ. स. १७६५।६६ सित सितैन मया व अलफ रबिलावल९.

मजकूर येथील सर्व बंदोबस्त रामचंद्र त्रिंबक यांस सांगोन व म्हसाजी बल्लाळ यांस हवाला व बहिरजी काळे यांस सरनौबती सांगोन पाठविले असत, तरि यांशीं रुजू होऊन पहिल्यापासून हवालदाराचे कैदकानूंत चालत आलां आहां, त्याप्रमाणें यांशीं वर्तणूक करीत जाणें, म्हणोन सनद १.

रसानगी यादी.

यासि जामीन संताजी मगर खिजमतगार वस्ती कसबे पुणें यास घेतला असे. रामचंद्र त्रिंबक दिमत किल्ले पुरंदर यांचे नांवें सनदा कीं, किल्ले मजकूर येथील हवाला व सरनौबती सांगोन हुजूरून पाठविले आहेत, त्यांजपासून कामकाज ज्याचें त्याजपासून घेत जाणें, म्हणोन सनदा.

म्हसाजी बल्लाळ यांस हवाला सांगितला त्याचीं कलमें.

नक्त तैनात दरमहा रुपये.
१४ खुद.
५॥ कदीम.
८॥जाजती.
———
१४
१५ पोर्गा, दिवट्या, आफ्तागिरा आसामी ३.
दर असामीस रुपये ५ प्रमाणें रुपये.
———
२९

एकूण चार असामीस एकुणतीस रुपये दरमहा तैनात शिरस्त्याप्रमाणें करार केली असे; तरि रोजमरा दीडमाही तैनातेप्रमाणें एकूणतीस रुपये किल्ले मजकुरीं देत जाणें. जें बाद राहील त्यास अखेरसालीं हिशेब करून देत जाणें. कलम १.

दिवटीस तेल तैनात शिवाय दररोज वजन ८८८९पक्के अदपाव तेल दररोज किल्ले मजकूर कोठीपैकीं देत जाणें. कलम १.

दिवट्या करार करून दिला आहे त्याजपासून गस्तीची चाकरी घेणें. कलम १.

---

403. Bahirji Kale was appointed Sir-nobat of fort Purandhar on a

A. D. 1765--66.

salary of Rs. 15 per month with an allowance of Rs, 15 a month for a torch-bearer a boy and an Aftagira at Rs. 5 each. And Mhasaji Ballal was appointed hawaldar of the same fort on

एकूण तीन कलमें करार करून दिलीं असत, तरि सनद-पैवस्तगिरीपासून सदरहू-प्रमाणें करणें, म्हणोन सनद १.

बहिरजी काळे यास सरनौबती सांगितली त्याचीं कलमें.

नक्त तैनात दरमहा रुपये.

१५ खुद्द.

७॥ कदीम.

७॥ जाजती.

१५

१५ पोर्गा दिवट्या व अफ्तागिरा असामी ३.

एकूण दर असामी रुपये ५ प्रमाणें रुपये ——— नक्त. तैनात दरमहा.

एकूण चार असामीस तीस रुपये दरमहा तैनात शिरस्ताप्रमाणें करार केली असे, तरि रोजमरा दीडमाही तैनात प्रमाणें तीस रुपये किल्ले मजकुरीं देत जाणें. जें बाद राहील त्यास अखेरसालीं हिशेब करून देत जाणें. कलम १

दिवटीस तेल दररोज वजन पक्के ८८८९, अदपाव तेल दररोज किल्ले मजकूरचे कोठीपैकीं देत जाणें. कलम १.

एकूण दोन कलमें करार करून दिलीं असेत, तरि सनद. पैवस्तगिरीपासून सदर-प्रमाणें, करणें म्हणोन सनद १.

रसानगी यादी दोन.

४०४–( ३७१ ) किल्ले कोहोज येथील हवाला कृष्णाजी जाधव यांजकडे होता, तो त्यांजकडून दूर करून बहिरजी बिन बावाजी अपटराव यांस सांगोन पाठविले आहेत. त्यास त्याचीं कलमें.

इ०स० १७६५।६६
**सित सितैन**
**मया व अलफ**
रबिलावल १६.

मशारनिलेस पेशजी राजमाचीकडे शाई शिरस्ता तैनात अठरा रुपये होते, ते दूर करून हलीं मोईन सालीना खेरीज शिरस्ता नक्त रुपये २५०, कापड आंख ७५, अडीचशें रुपये व पाऊणशें आंख करार केले असेत, तरि पावीत जाणें. येणें-प्रमाणें कलम १.

---

a salary of Rs. 14 per month with an allowance of Rs. 15 for a torch-bearer, a boy and an aftagira. Orders to this effect were issued to Senadhari and Senalekhak at fort Purandhar.

404. Bahirji bin Bawaji Apatrao was appointed hawaldar of fort Kohoj. The place being unhealthy he was permitted to absent himself from the fort for one month in a year, keeping an honest and competent substitute to act for him. He was allowed a monthly allowance of $1\frac{1}{2}$ maunds of rice in addition to his salary so long as his family resided in the fort.

A. D. 1765--66.

मशारनिलेचा कबिला किल्ल्यावर जों-पर्यंत असेल तोंपावेतों दरमहा भात कैली दाड ४१॥ मण देविलें असे, तरि मुदतमवाफिक देत जाणें. येणेंप्रमाणें कलम १.

किल्ले मजकूरचें पाणी वाईट यास्तव सालामध्यें एक महिना वजा मुबदला चांगला विश्वासू शहाणा माणूस ठेवतील त्यास ठेऊन, रजा देणें. ते गैरहजिरी न करणें. येणेंप्रमाणें कलम १.

मशारनिलेस शिक्कामोर्तब किल्ले मजकूरच्या शिरस्तेप्रमाणें यांच्या नांवाचें करून देणें. सदरहू पैका मामले मजकूर पैकीं मशारनिलेच्या पथकाकडे अर्जबाब खर्च लिहिणें. येणेंप्रमाणें कलम १.

दिवट्यास दरमाहे रुपये ३ तीन करार केले असेत, तरि बारमाही चाकरी, दसमासी कबज, येणेंप्रमाणें पाववीत जाणें. कलम १.

दिवटीस तेल दरमहा वजन पक्कें ४८३॥। पावणेचार शेर करार केलें असे, तरि तिसा एकूणतीस रोज वजा करून सदरहूप्रमाणें दरमहा तेल देत जाणें. कलम १.

माजी हवालदाराचे जमावाचे माणूस दहा आहेत, व आणखी किल्ल्यापैकीं नौकर माणूस दहा, एकूण वीस असामींस दूर करून यांचे जमावाचे वीस असामी करार केले असेत; तरि यांपैकीं पंधरा असामीचें पथक वसईकडे आहे, त्यांची नेमणूकजाबता वसईहून येईल त्याप्रमाणें व पांच असामी जदीद करार करणें; त्यांस तैनाता पथकशिरस्त्याचे अजमासें करणें; एकूण वीस असामी यांचे निसबतीचे यांस रोजमरा अडिशेरी तेथील शिरस्ते-प्रमाणें चाकरीबमोजीब देत जाणें. येणें-प्रमाणें कलम १.

किल्ल्याचे लोकांस खेरीजतैनात अडिशेरी द्यावयाचा शिरस्ता आहे, त्याप्रमाणें माजी हवालदारांस पावत असेल त्या बमोजीब हल्लींच्या हवालदारांस खेरीजतैनात अडिशेरी देत जाणें. येणें प्रमाणें कलम १.

एकूण आठ कलमें करार करून दिलीं असेत, तरि सदरहू लिहिल्याप्रमाणें करणें, म्हणोन मामले कोहोज निसबत येशवंत शिवाजी यांचे नांवें ——— सनद १.

कृष्णाजी जाधव माजी हवालदार यांचे नांवें सनदा कीं, तुम्हांकडून हवाला दूर करून बहिरजी बिन बाबाजी अपटराव यांस सांगोन पाठविले आहेत. तरि यांस किल्ल्यावर घेऊन दरवाजाच्या व कोठीच्या वगैरे किल्ल्या कुलपें असतील तीं यांचे हवालां करून, हवाल्याची कैदकानू यांस समजावून, माहितगारी करून देऊन, किल्ला यांचे हवालां करून, पावलियाचे कबज घेऊन तुम्हीं राजमाचीस जाणें, म्हणोन सनदा २.

सेनाधारी व सेनालेखक किल्ले मजकूर यांस सनद कीं, तुम्हीं यांचे रजातलबेंत वर्तोन चौकीपहारा अलंगनौबत बंदोबस्तीनें करीत जाणें, म्हणोन सनद १.

५

४०५-( ३९९ ) लक्ष्मण बाबाजी दातार यास किल्ले अमदानगर येथील हजिरी
इ०स० १७६५।६६ सांगितली आहे. त्यास तैनात सालीना:—
सित सितैन
मया व अलफ
जमादिलावल १६.

| नक्त रुपये. | | कापड आंख | |
|---|---|---|---|
| १५० | कदीम. | ५० | कदीम. |
| ५० | जाजती सालमजकुरापासून. | १० | जाजती सालमजकूर. |
| २०० | | ६० | |

एकूण दोनशें रुपये व साठ आंख पैकीं कदीम दीडशें रुपये व पन्नास आंख व जाजती सालमजकुरापासोन पन्नास रुपये व दहा आंख करार करून दिले असेत, याजपासून हजीरनिशीचें कामकाज घेऊन वेतन पावीत जाणें, ह्मणोन गणेश विठ्ठल किल्ले नगर यांस

सनद १.

रसानगी यादी.

## दादासाहेबांच्या रोजकीर्दीपैकीं.

४०६-( ४२७ ) बाळाजी बाबूराव किल्ले मुल्हेर यांसि पत्र कीं, किल्ले मजकूर येथें
इ०स० १७६५।६६ प्राचीन राजे प्रतापशहा व हीरशहा यांचे कारभारी यांची हवेली आहे,
सित सितैन तींत भूमगर्भी द्रव्य आहे; ऐशियास राजश्री राघो अनंत कारकून सर-
मया व अलफ. कारांतून पाठविला आहे, हे स्थळ दाखवितील, त्याची पुर्ती ( त्याचा
साबान १. पुरता ) शोध करून, द्रव्य काढून, तीन हिसे सरकारांत हुजूर पाठवणें. चौथाई कारभारी मजकुराचे वंश यांस सरकारांतून माफ असे. राघो अनंत यांचे हवालीं करणें, म्हणोन मशारनिलेचे नांवें पत्र. रसानगी यादी. छ. ४ साबान.

---

405. Laxman Babaji Datar was appointed mustering clerk at fort
A. D. 1765--66 Ahmednagar on an annual salary of Rs. 200.

406. It was represented that there was treasure hidden under-
A. D. 1765--66. ground in the house of the Karbhari of the old Kings Pratapshaha and Hirshaha at fort Mulher. Ragho Anant Karkun was sent to the place with instructions to Balaji Baburao to make search for the treasure and to send three fourths of any thing found to Government, the remaining fourth being given to the heirs of the Karbhari.

४०७–( ४८५ ) शहर बऱ्हाणपूर येथील पातशाही किल्ला तापीस महापूर येऊन बुरूज जाया झाले आहेत, याची दागदोजी जहाली पाहिजे; त्यास दागदोजीचें काम शहरचे रयतेकडून करून बंदोबस्त करणें. कार्याकारण जरूर पाहून पैका लागला तर सात आठशें रुपयेपर्यंत लावणें, आणि किल्ल्याची मजबुदी करणें, म्हणोन त्रिंबक नारायण कमाविसदार शहर बऱ्हाणपूर यांस सनद १.

इ०स० १७६६।६७
सबा सितैन
मया व अलफ.
रजब २३.

रसानगी चिठी.

४०८–( ६०४ ) किल्ले भोपतगड, नजीक जवार, निसबत शंकराजी केशव यांजकडे आहे, त्या किल्ल्याची इमारत सालगुदस्तां सरकारांतून बांधली आहे; ऐशास पूर्वीं किल्ला सरकारांतून वसविला नाहीं; त्यास हा किल्ला लोक ठेवून राहिल्यानें जव्हार व कोळवण येथिल बंदोबस्ताचे उपयोगी, आणि किल्ला ठेवण्यायोग्य असला तर तुम्हीं एक शहाणा माणूस पाठवून, चौकशी करून, जर प्रयोजनी असला तरि शिबंदी कांहीं जवारचे नेमणूकपैकीं व कांहीं वसईपैकीं देऊन व जकीरा व दारूगोळीची बेगमी करून बंदोबस्ती करणें; अगर फारच नाजूक, राखावयासि उपयोगी न पडे, आण जवार व कोळवणास दबावासही कार्याचा नसला, तर पुर्ती चौकशी करून पाडून टाकणें, म्हणोन विसाजी केशव यांस सनद १

इ०स० १७६८।६९
तिसा सितैन
मया व अलफ.
सवाल छ ९.

शंकराजी केशव यांस सनद कीं, किल्ले भोपतगड तुम्हांकडे सालमजकुरीं दिल्हा आहे, त्यास किल्ला जकीरासुद्धां मशारनिलेचे हवालीं करून कबज घेणें, म्हणोन १

२

रसानगी याद.

---

407. The bastions of the fort of Baranpur had been damaged by the floods of the Tapti. Trimbak Narayan Kamavisdar was ordered to get them repaired by the towns-people spending upto Rs. 700 or 800, if necessary.

A. D, 1766-67.

408. Visaji Keshav was directed to ascertain if the fort of Bhopatgad near Jawar was worth keeping up and whether its maintenance was desirable for the protection of Jawar and the Koli tract. If the fort was necessary, arrangements were ordered to be made for garrisoning it. If not, it was ordered to be dismantled.

A. D. 1768-69.

४०९–( ६४५ ) बाबाजीराव राणे हवालदार किल्ले चावंड यांचा वृद्धापकाळ जहाला, यास्तव नेहमीं किल्यावर सर्दीत राहावत नाहीं. मशारनिले बहूत दिवसांचे चाकर, खबरदार, सबब आठमाही किल्यावर राहून बंदोवस्त करावा, व पर्जन्यकाळीं चारमाही किल्याखालीं पेठेंत राहून किल्यावर जाऊन येऊन बंदोवस्त करीत जावा. मशारनिले पेठेंत राहतील त्यांचे ऐवजीं चारमाही पर्जन्यकाळीं रामाजीराव राणे मशारनिल्हेचे पुत्र किल्यावर राहून कामकाज करतील; त्यांचे हातून किल्याचे हवाल्याचें कामकाज घेत जाणें, म्हणोन उधोजी वीरेश्वर यांस

इ०स० १७६९।७०
सबैन मया व अलफ.
साबान १२.

सनद १.

रसानगी यादी.

४१०–( ६८२ ) तालुके पट्टा निसबत बाळकृष्ण केशव यांचे नांवें सनद कीं, तालुके मजकूरचे हिशेबीं शिलकी दागिने आहेत, त्यापैकीं नाकारे उपयोगी नाहीं [ त ] ते वगैरे यांचीं कलमें.

इ०स० १७७०।७१
इहिदे सबैन मया व अलफ.
सवाल २३.

सोक्ता खर्च लिहावयाचे फाटके व कुचके दागिने सुमारें.

३१ कापडी दागिने यांचे चिथडे रोशनाईबद्दल वजन जमेस धरून शिलकेस ठेवावे.
 २ सुताडे.
 २ जाजमें.
 २ पडदे.
 २५ पोतीं दारूचीं.
 ——
 ३१

६ हरजिनसी.
 १ पेटारा वेळवी कांबीचा.
 ५ वासिंगें परदेशी यांचीं.
 ——
 ६

४२ चर्मी.
 २० तोस्रानें.
 १८ केळे दारूचे.
 ३ ढाला.
 १ भाता तिरांचा.
 ——
 ४२

५७ किता.

409. Babaji Rav Rane hawaldar of fort Chawand was old and unable to live in the cold climate of the fort the whole year round; being an able and experienced servant of Government, he was permitted to reside during the monsoon in the town below and to keep his son for duty in the fort during that period.

A. D. 1769--70.

410. Orders were issued regarding the writing off of unserviceable dead stock articles at fort Patta and for the sale of others.

A. D. 1770--71

६ लांकडी दागिने.
२ पेट्या.
२ अधोल्या.
१ शेर.
१ खुळखुळा.
—
६

३ गोण्या तरटी.
—
५७
—
८८

फरोक्त करावयाचे दागिने सुमारं.

२५ मध्यम उणाखी जीर्ण झाले आहेत.
१ मखमल तुकडा हात १
१ पडदा छिटी.
८ वोढण्या परदेशी यांच्या.
१ झगा सुर्सी देवीचा
१ काचोळी देवीची.
६ पातळें.
६ शालू.
१ आंगडें अवरंगजेबीचें.
—
२५

२० कनिष्ठ कवळ फाटकें.
२ चोळ्या.
२ वोढण्या.
१ टोपी जराची.
२ सोंवळीं तुकडे.
१ आंगडें शालूचें.
१ परकर मुर्लाचा.
१ मशरूचा तुकडा.
१ लहंगा कलंदरी.
१ गाशा सखलादी.
१ कोर जराची.
१ चोळणा हमरूचा.
१ तार जराची.
१ झूल बैलाची.
१ चांदणी.
१ पातळ.
२ झोळणे.
—
२०
—
४५

एकूण अठ्या (य) शी दागिने जे जर्जर झाले, उपयोगी नाहींत, सबब सोक्ता खर्च लिहिणें. कलम १.

एकूण पंचेचाळीस दागिने चवकशीनें फरोक्त करून किंमत होईल ते हिशेबीं जमा धरणें. कलम १.

एकूण दोन कलमें लिहिलीं आहेत, सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें. म्हणून मशारनिलेचे नांवें

सनद १

रसानगी यादी २

**पहिला भाग समाप्त.**

# थोरले माधवराव पेशवे यांची रोजनिशी, भाग १ ला,

## ह्यांतील अपरिचित शब्दांचा कोश.

| पृष्ठ | ओळ | | शब्द अर्थ |
|---|---|---|---|
| ६५ | १८ | | अजकदीम=कदीम काळापासून, फार दिवसांपासून. |
| १४७ | ३ | | अजदेहे=एकंदर गांव. |
| ६५ | १९ | | अजिसबब=ह्याकारणास्तव, याकारितां. |
| ६६ | १ | | अफराद=परिचारक, नौकर. |
| २२२ | १ | डावीकडची | अमारतपन्हा=आमिरांचे प्रतिपालक ( एक पदवी ). |
| २२१ | १८ | | अमारतमर्तबत=अमीराच्या पदवीचे. |
| ६ | १५ | | अलाहिदा=निराळी. |
| ४८ | १२ | डावीकडची | अहद=पासून ( तहद=पर्यंत ). |
| २९ | १४ | | आजार=तसदी, त्रास. |
| ३१९ | २५ | | आडहत्यारी=खंजीर वगैरे बाळगणारे, बंदूक व तरवार यांशिवाय दुसरीं हत्यारें वापरणारे. |
| ३४६ | १७ | | आढाव=कमी दर्जाचें हत्यार बाळगणारा. |
| १४६ | १३ | | आदागैरादा=दिलेलें व शिल्लक राहिलेलें ( गैरआदा=देवविल्यापैकीं शेष राहिलेलें. ) |
| ३५३ | २१ | | अलंग-नौबत ( अलम्+नौबत=निशाण+डंका )=डंकानिशाण. |
| ३५१ | २२ | | इजाफा=अधिक दिलेलें, बढती. |
| १३७ | ३ | | इतल्ला=माहिती, अनुमती. |
| ३५१ | १६ | डावीकडची | इतलाख=ठरलेली कायम नेमणूक. |
| ६५ | १८ | | इनायत=देणगी, दान. |
| ६५ | २१ | | इस्तकबिल=पासून. |
| २२३ | २६ | डावीकडची | ईजानेखास (ईजानेवास )=आपल्या आत्म्यास, खुद्द आपणांस. |
| २२२ | २ | डावीकडची | ईजानेबां-कडे ( ईजानिब् )=आपणाकडे, इकडे. |
| १२२ | ९ | डावीकडची | उडतेसालीं=एकवर्षाआड. |
| ११५ | ४ | | उलफा=न शिजविलेलें. |
| १५३ | २ | | एखत्यारी ( अखत्यारी)=पूर्ण अधिकार. |
| ३१ | ७ | | अंगारकाशिरस्ता=अंगारक म्हणजे आंगरे, त्यांची वहिवाट. |
| ६५ | १६ | | आंके सरकारींहून=ह्या सरकाराकडून. |
| २२२ | १४ | डावीकडची | आंशौकतपन्हा=प्रतिष्ठापालक, थोरपणा राखणारे ( एक पदवी ). |
| २२३ | २ | डावीकडची | आंहशमतपन्हा=सेवकांचा आश्रय (एक पदवी ). |
| २३८ | १९ | | कठडे=पाण्याचे तुषार आंत येऊं नयेत म्हणून गलबताच्या बाजूस लावि-लेल्या फळ्या. |
| २२३ | १२ | डावीकडची | कमपेश=कमजास्त, फिरवलेल्या. |
| २३६ | १४ | | कलवी ( कलंबी )=लहान शीड. |
| २१२ | १३ | | कारचोबी=कशिदा काढलेला. |
| १५९ | १० | उजवीकडची | किर्डे ( किरटा )=बारीक, लहान खडे. |

## भाग पहिला ह्यांतील अपरिचित शब्दांचा कोश.

| पृष्ठ | ओळ | शब्द | अर्थ |
|---|---|---|---|
| ४९ | १६ | किफायत-सर्फेवार | पुऱ्या फायद्यानें, पुष्कळ फायद्यानें. |
| २२८ | १९ | किमखाप | किनखाप. |
| २९ | १३ | कीर्द-महामुरी ( लागवड+पुरी ) | उत्तम प्रकारची लागवड. |
| ६ | १३ | कुल ( कुल् ) | सर्व. |
| १४६ | १ | कुल डौलाची ( दुवल=दौलत याचें अनेकवचन ) | सर्व दौलतीची, त्यांच्या दिमतीस असलेल्या सर्व मुलखाची. |
| ३६४ | २० उजवीकडची | केळे ( केळा ) | दारू ठेवण्याचा मातीचा चंबू. |
| २३ | ६ | कोटापारचा | एक प्रकारचें कापड. |
| २३६ | १४ | गावी | डोलकाठीच्या शेंड्याला परवान बांधण्यासाठीं पाडलेलें भोंक. |
| २४० | १ | गुराब | एक प्रकारचें जहाज. |
| २१२ | १२ | गोशपेच | कानपट्टी. |
| ३५ | १४ | चकनामा | चतुःसीमा-पत्रक. |
| २२८ | १४ | चिरा | बादली पागोटें, मंदील. |
| १४३ | २९ उजवीकडची | जकीरा | साठविलेलें सामानसुमान. |
| २४५ | २ | जदीद | नवीन, नुकताच ठेवलेला. |
| ६६ | ७ | जानतनिशान ( दियानत-निशाण ) | सच्चेपणाचें निशाण, खूण. |
| १५७ | २८ | जाफरखानी ( जाफरानी ? ) | जाफरखानानें तयार केलेलें कापड ? केशरी रंगाचें कापड ? |
| २२८ | १५ | जामेवार | झग्याकरितां कापड, झगा. |
| ६५ | १८ | जारी | चालू. |
| ३२४ | २ | जेजाला | लांबनळीची बंदूक. |
| ३४० | १७ | जंगजोड ( जंगजूट ) | सर्व प्रकारें तयारी. |
| ३२० | ६ | डांगरी | टेकाडांचा मुलूख, डांगण. |
| २१७ | ३ | तकरीर | हकीकत, वांका. |
| ११५ | ७ | तजावजा | अफरातफर, इकडेतिकडे जाणें. |
| २२४ | २ | तरकी ( तरक्की ) | प्रगती, वृद्धी. |
| ३ | २८ | तरफदार | तर्फ म्ह० परगण्याचा भाग, त्याचा ताबा आहे ज्याकडे असा कामगार. |
| ३१५ | २१ डावीकडची | तलाथास | तळहातास. |
| ७७ | १२ डावीकडची | तहवेल | अठरा कारखाने; सरकारी कोठी किंवा भांडार. |
| १५७ | २७ | तिवट | पागोटें. |
| १७ | १३ | दखलबाज | नोंदपूर्वक, नोंद करून. |
| ३५ | १३ | दसकत | हस्ताक्षर, सही. |
| १९ | ६ डावीकडची | दस्तक | परवाना, पास. |
| ३३९ | १६ उजवीकडची | दस्तशिफा | गलबताचे तळास राळ वगैरे लावणें. |
| ५ | ६ | दिगरजागीर | दुसरी, इतर जागीर; दुसऱ्याची जागीर. |
| १८ | १० | दिमत | ताबा, अधिकार. |
| २२९ | २४ | दुर्गी ( तुर्गी ) | एका प्रकारचे होन. |
| २४७ | १५ उजवीकडची | धडधडीत | धडधाकट. |
| ३४८ | १६ | नदारद | न दिलेलें, शेष राहिलेलें. |

## भाग पहिला ह्यांतील अपरिचित शब्दांचा कोश.

| पृष्ठ | ओळ | | शब्द = अर्थ |
|---|---|---|---|
| १८ | ७ | डावीकडची | नफर=संख्या, नग. ( नफर शब्द उंटासंबंधें योजतात, बैलांसंबंधें ‘ सर ’ योजतात त्याप्रमाणें. ). |
| ३५८ | ४ | उजवीकडची | नवदे ( नेवाद )=दरमहा पगारापैकीं कापून ठेविलेली रक्कम. |
| ३४९ | ५ | . | नवदे ( नेवाद )=बाकी, देणें राहिलेली रक्कम. |
| २४९ | १६ | | नातवानी=गरीबी, लाचारी. |
| २७० | १२ | डावीकडची | नानकार=रयतेला किंवा जमीनदाराला निर्वाहासाठीं दिलेला ऐवज ( सरकार धान्यावर शेंकडा ५ किंवा १० ). |
| ६ | ११ | | नितम=नेहमींचा, निरंतरचा, नित्य. |
| १४२ | १० | उजवीबाजू | निशा=खातरी. |
| ६५ | १८ | | नौदिगर=( नो–दिगर )= नवीन, निराळी. |
| ६६ | १८ | | नौदिगर-सुरत=निराळी तऱ्हा, भलती वागणूक. |
| १८२ | ९ | | पडिलें पान=सर्व कांहीं, यच्चयावत्. |
| २३६ | १४ | | परबान=शीड ज्यास शिवलेलें असतें तो वांसा. |
| २२२ | १५ | उजवीकडची | पुस्तपन्हा=मदत. |
| १३ | ७ | | पेशजी=पूर्वी, पूर्ववत्. |
| २४८ | १९ | | पेशकसी=सरकारास नजर. |
| ६५ | २४ | | पेशीन=पूर्वीच्या. |
| ५९ | ८ | | पैवस्तगीरीपासून=पावल्यापासून, दाखल झाल्यापासून. |
| २ | ३ | | प्यादा=पायाचा शिपायी. |
| ३३ | १३ | उजवीकडची | फरमास=आज्ञा, हुकूम. |
| १५९ | ८ | डावीकडची | ब॥=बरहुकूम. |
| ४७ | १५ | | बदफैली=वाईट काम, विरुद्ध कर्म. |
| ३७ | ७ | | बमय, बमै=सुद्धां, सहित. |
| २२२ | ६ | डावीकडची | बमैइमारत=इमारतींसुद्धां. |
| १२ | १ | | बमोजीब=प्रमाणें. |
| १५ | १८ | | बयान=हकीकत, तपशील. |
| ३३७ | २१ | | बराय=खुद्द, प्रत्यक्ष. |
| ४२ | १८ | | बलकुबळ=संकटाची वेळ, प्रसंग. |
| ६५ | २१ | | बहाल=परत दिलेलें. |
| २२३ | २० | उजवी बाजू | बादरविजारा ( येथें “ बंदरकिनारां ” असा शब्द पाहिजे ) |
| २२३ | २० | | बंदर करून=गलबत नांगरून. |
| २२८ | १४ | | बादली=सोनेरी किंवा रुपेरी जरतारीचें. |
| ३२५ | ५ | डावीकडची | बाहुल्यावर,=बाहुट्यावर, खांद्यावर. |
| २२३ | २५ | | बुजर्गीबुजर्गीहीं=थोर आधिकाराला योग्य अशांनीं, वाडवडिलांनीं. |
| ६५ | १७ | | बुजरुगांपासून=वडिलांपासून, थोरले अधिकाऱ्यांपासून. |
| १५८ | ६ | उजवीकडची | भले=कीर्तिमान्, प्रतिष्ठित. |
| ६५ | २१ | | मअरूज ( मआरूज=मारूज=मीदारद )=विनंती, अर्ज. |
| १३ | २ | | मजमू=हिशेबनिशी. मजमूदारानें “ मर्तबसूद ” असे शब्द लिहिल्याशिवाय हिशेब किंवा पत्र मंजूर होत नसे. |

# भाग पहिला ह्यांतील अपरिचित शब्दांचा कोश.

| पृष्ठ | ओळ | शब्द | अर्थ |
|---|---|---|---|
| ८ | १२ डावीकडची | मजुरा=वजा, कमी. | |
| २३ | ६ | मण्यारी=बांगड्या, काचेचे मणी विकणारा; त्याचा धंदा. | |
| १४८ | १७ | मदनाईक (मध्यनायक)=(माळेच्या) मधलें रत्न, मणी (पाच हिरा वगैरे). | |
| १५९ | १६ डावीकडची | मदनाईक बदामी=मधला मणी बदामाच्या आकाराचा. | |
| २४५ | ९ | मलई ( मल्लई ).=दांडगाई | |
| १३ | ३ | मशारनिले=पूर्वोक्त, उपरिनिर्दिष्ट. | |
| १५७ | २९ | महसुदी=तलम पण घट्ट विणीचें कापड( महामुदी ). | |
| ५४ | १६ | महानाड=महाजनासारखा एक वतनदार. | |
| २२१ | २२ | मातवर=विश्वासू. | |
| ६५ | २४ | माने=मना करणारा. | |
| ६५ | २४ | मानेमुजाईम=विरुद्ध, अडथळा करणारा. | |
| ११८ | १७ | माफजतीनें=सुरक्षितपणें, काळजीनें, तजविजीनें. | |
| २२३ | ९ डावीकडची | माहसरा=वेढा. | |
| १५९ | ६ डावीकडची | मिनेगार ( मिनाकार )=मिन्याचा. | |
| २१२ | ११ | मुकेसी=सोन्याच्या टिकल्यांचे. | |
| २१० | १० | मुजाहीम=विरुद्ध, अडथळा करणारे. | |
| २२३ | २२ डावीकडची | मुतसिलांत=शेजारीं, ताब्यांत. | |
| ६५ | १९ | मोकूफ ( महकूब )=बंद. | |
| ३४ | २३ | मोझ्या ( मवज्जह )=योग्यता. | |
| २३ | ६ | मोहतसदी ( मोहतसवी )=वजनामापांची तपासनिशी. | |
| २२४ | २ | येखलास=मनाची शुद्धता, मनःशुद्धी. | |
| २२१ | २१ | रखने=भांडणें, वाद. | |
| ६६ | ९ | रखने-सुरत ( रखने=तंटा, भांडण. सुरत=तऱ्हा, चेहरा )=तंट्याची तऱ्हा, भांडण्याचें कारण. | |
| २२२ | ४ डावीकडची | रदबदल=विनंती, प्रार्थना. | |
| २२३ | ४ उजवी बाजू | रमजानिगाई=रमजान महिन्यांत उपास न करण्याबद्दल दंड, कर, (?) | |
| ४२ | ६ | रयात ( रिआयत)=कृपा, क्षमा. | |
| २३८ | १३ | रयात=देणगी, देणें. | |
| ३०५ | १२ | रयान ( रयानी )=रयत लोक, कुळें. | |
| ८ | ३ उजवीकडची | रसद=कमावीसदारानें तिजोरींत भरावयाचा ऐवज, वसूल. | |
| ३५ | ३ | रुका=पांच किंवा दहा बिघ्यांचें क्षेत्र. | |
| २२३ | ३० डावीकडची | रुजवात हर्फेखान( रुजुवाते हर्फेखान )=खानानाचे पूर्वीचे शब्द, म्हणणें. | |
| ११ | १२ | रुजू होऊन=सन्मुख, दाखल होऊन. | |
| ३२ | ९ | रुसूम=हक्क, शेकडावळ देणें. ( देशमूख वगैरेचें ). | |
| ६० | १२ डावीकडची | लब=निरोप वगैरे काम. | |
| १५९ | ११ | लांझा=लफडा, वांधा. | |
| १५९ | ७ डावीकडची | शहत=तपशील. | |

| पृष्ठ | ओळ | शब्द अर्थ |
|---|---|---|
| २ | ३ | शिबंदी=किल्ल्याच्या रक्षणार्थ ठेविलेले शिपायी लोक. |
| १३७ | २ | शिलाशिला=संबंध. |
| २४ | १० | सईभानें ( सैप, सैपानें )=युक्तीनें. |
| ६५ | २३ | सनद असनाद=सनदा वगैरे. |
| २४४ | १९ | सरई=जहाजाचा एक प्रकार. |
| ३ | २९ | सरसालें=उभ्या वर्षांत, सरसालांत. |
| १२७ | २० | सानक=जेवणाचें ताट ( परत घ्यावयाचें नाहीं असें खावयास दिलेलें ). |
| ६६ | २२ | साबीकसनदनातीक ( साबिक=पूर्वीची.नातिक=योग्य.)=पूर्वीची योग्य सनद. |
| ३४४ | ११ | सारंग=खलाशी. |
| २२२ | १ उजवीकडची | सुदामत ( मुदामत ? )=नेहमीं; नेहमीची वहिवाट. |
| ३२४ | ५ | सुत्रनाळा ( षुतर-नाळ )=उंटावरील तोफ, जंबुरा. |
| ६५ | १९ | सुरत=चेहरा, तऱ्हा. |
| ३६५ | २३ उजवीकडची | सोक्ता ( सूख्त=जळलेले )=जळलेलें, खराब झालें म्हणून. |
| ३२ | ९ | हक्क=वाजवी, योग्य. |
| २२४ | २ | हगोनगी (इगोनगी, येगानगी )=ऐक्य, एकी. |
| २२३ | ६ डावीकडची | हरगीज=बिलकूल, अगदीं. |
| ९३ | २१ | हाल=सध्यांचा, आतांचा. |
| ३३५ | १ उजवीकडची | हालीमाजी=अमलाचा बदल, राजक्रांती. |
| २२४ | २ | हुजुरांत ( जहुरांत )=प्रकाशांत, स्पष्टतेंत. |
| ४९ | १० | हंगामा=गवगवा, दंगा. |
| ८ | ६ व ७ डावीबाजू | क्षेपनिक्षेप=खात्रीनें, कांहीं झालें तरी, ताबडतोब. |

# थोरले माधवराव पेशवे यांची रोजनिशी, भाग २ रा,

## ह्यांतील अपरिचित शब्दांचा कोश.

| पृष्ठ | ओळ | | शब्द अर्थ |
|---|---|---|---|
| ४४ | २६ | | अयाळ व बाळपरवेसी=पोरके मुलांच्या निर्वाहास दिलेली रक्कम. |
| २८४ | १२ | | अवल, दुम, सिम=पहिली, दुसरी व तिसरी. |
| ३४१ | ५ | | अर्ह=योग्य. |
| ७५ | ३१ | | आफत ( आफ्त )=नुकसानी. |
| २८६ | १६ | उजवीकडची | आठरा खूम=सर्व जाती. |
| १४३ | १२ | उजवीकडची | आवधरण, अवक्षारण=विधिविशेष; तो शिष्यत्व प्राप्तीसाठीं करतात. |
| ९५ | १८ | | आंगारक, अंगारक=आंगरे. |
| १९६ | १९ | | इनाम-इकराम=इनाम वगैरे देणग्या. |
| १५२ | २३ | | ईबन ( बिन )=मुलगा |
| १५६ | ३४ | डावीकडची | उदी=उदाची राख, अंगारा. |
| ७० | ८ | | उभा मार्ग=हमरस्ता, राजमार्ग. |
| १४६ | ६ | | एकशी=सर्व मिळून केलेली, एकच. |
| ३८६ | ११ | | कबाला ( कौल, कवाला )=खरेदीपत्र. |
| १३५ | २१ | डावीकडची | करिणा ( करीणा )=लिहून दिलेली हकीकत. |
| ४ | १४ | उजवीकडची | कारसाई=झांप, गवत वगैरे शाकारणीचें सामान. |
| १३९ | ३ | | कालकल्ला=पुढें मागें, कालें करून. |
| १३८ | १७ | | काहील=निरुत्तर |
| १४२ | ९ | | कीर्द=लागवड. |
| ७ | १३ | | कीर्दसार=लागवडीस लायक. |
| ९७ | २५ | | कुलारग ( कुळारग )=कुटुंबवार वांटणी. |
| ४ | ८ | | कुळारगवार=कुळवार. |
| १७२ | १४ | | कुंजावरी=कोपऱ्यावर. |
| १७९ | २२ | | क्रिया=शपथ. |
| १०६ | ८ | | खिजमत ( खिदमत )=चाकरी, काम. |
| ८२ | २९ | | खुटवा=बंदरांत गलबत नांगरल्याबद्दल कर घेत असतात तो खुटवा. |
| २३४ | १ | डावीकडची | खुम ( खुंब )=जात. |
| १२२ | ४ | | गयाळीं=सोडलेलीं, टाकून दिलेलीं. |
| ६५ | १७ | | गुन्हेगारी=वादांत हरला त्यानें द्यावयाचा दंड. |
| ५ | १७ | | गुंजावीस=चुकी, कसूर. |
| १६१ | ११ | उजवीकडची | गोल्या=मातीचें लहान भांडें, लहान मडकें. |
| १३९ | ११ | | गोही ( ग्वाही )=साक्षी. |
| १४८ | २६ | | गंजी-कोटी ( अरकाटगंजीकोटी )=जिंजी-अरकाटकडील रुपये. |
| ३९ | ३ | | चरसा=कातडें. |
| ४७ | ६ | उजवीकडची | चुडावोंडा ( चूड व ओंडा यांचा समाहार ) चुडी, ओंडे वगैरे |
| १९४ | १९ | | जराबाजरा=बारीकसारीक सामानसुमान. |

| पृष्ठ | ओळ | शब्द अर्थ |
|---|---|---|
| ३ | १७ | जरीब=जमीन-मोजणी. |
| १ | २१ | जलेल=वाजवी पेक्षां जास्ती, सक्त. |
| ७० | ९ | जूप (?) |
| १४२ | ४ | ठिकाण=घर व त्या भोंवतालची जमीन. |
| ८५ | २३ डजवीकडची | ठोक ( थोक )=ठळक, किरकोळ नव्हे असें. |
| २८५ | १२ डावीकडची | डांका=मेलेल्या माणसाचे प्राण परत आणण्याचा विधी बारावे दिवशीं करतात तो. |
| ६५ | ५ | डवी=दस्तुरीच्या, उताराच्या ऐवजाची पेटी. |
| १२६ | १ | डौल=मुलूख, दौलत. |
| १४८ | ९ | ढालाईत=ढाल बाळगणारा शिपाई, चोपदार, हुजऱ्या. |
| ११० | २० | तगीरी, तहगिरी=( कामावरून ) काढणें, दूर करणें. |
| ४४ | ३२ उजवीकडची | तर्फात=अफरातफर. |
| २५४ | ९ उजवीकडची | तरळीखोर=गांवचा कामगार माहार. |
| २५१ | १९ | तारकस=( तार काढणारा ) कलावतू तयार करणारा. |
| १०९ | १४ | तालीक=नक्कल. |
| १३९ | ८ | तालुका=संबंध, काम. |
| ४५ | ११ मधली<br>७ उजवी | तसरे ( तसर )=ऐन जिन्नस वसुलाबद्दल ठरविलेली नक्त रक्कम. |
| ५३ | ७ उजवीकडची | तश्रीफाखर्च ( तसरीफखर्च )=वस्त्रें बक्षीस देण्याचा खर्च. |
| १६४ | १२ | तोडा=मोहोर. |
| १९६ | ५ | थळ=ठिकाण. |
| ७० | ७ | थळभरीत=मालाच्या खरेदीची जागा; अशा जागीं खरेदी मालावर घेतलेली पट्टी. |
| १७० | ७ | थळमोड=मालाच्या विक्रीची जागा; अशा जागीं विकलेल्या मालावर घेतलेली पट्टी. |
| ३० | २० | दंडयेपणाची ( दंडियेपणाची )=दंडिया=बाजाराच्या बंदोबस्तास नेमलेला एक लहान कामगार, प्यादा. |
| ८१<br>८३ | २२<br>४ | *दरुणीमहाल=अंतःपुर, राणीवसा. |
| ९६ | ९ | दस्तक=परवाना. |
| १४५ | ७ | दहक=एकदशांश, शेंकडा दहा. |
| १५९ | १८ उजवीकडची | दादीया ( दादिया )=दादला, नवरा. |
| ९३ | ३ | दामाशाई=प्रमाणभाग, हिसेरसीद. |
| १ | ८ | दिवाण-दस्त=सरकारी देणें. |
| ८३ | ६ | *देवढी ( देवडी )=वाडा, राणीसाहेब. |
| ७० | २१ | दुवल=आणा, चार पैसे. |
| १५० | १ | देसगत ( देसकत )=देशमुखी. |
| १६६ | २२ | द्वाही=मनाई, प्रतिबंध ( शपथपूर्वक ). |
| १३५ | १ उजवीकडची | द्वाही-दुराही=नको म्हणणें, आणाशपथा घालणें. |

* साताऱ्यास महाराजांच्या राण्यांकडे तांदूळ जात असत असें दिसतें. बाळाजी बाजीराव पेशवे यांची रोजनिशी, भाग १, पृष्ठ ३११ पाहावें.

## भाग दुसरा ह्यांतील अपरिचित शब्दांचा कोश.

| पृष्ठ | ओळ | शब्द | अर्थ |
|---|---|---|---|
| ९४ | १६ | धटी ( धट्टी ) | बायकांचें नेसण्याचें रेशमी वस्त्र. |
| ७१ | १८ | नकास | गुरेंढोरें विकत घेणारापासून घेतलेली बाजारदस्तुरी, जकात. |
| १०२ | २१ | नवदिगर ( नवें+दुसरें ) | बदल, देण्याविषयीं तक्रार. |
| १८८ | १३ डावीकडची | नवादे=नेबाद | पगारापैकीं दरमाहा कापून ठेविलेली रक्कम. ( ही मागाहून द्यावयाची. ) |
| ७ | १४ | नाकीर्दसार | लागवडीस नालायक. |
| ४६ | ८ उजवीकडची | नातवान | गरीब, निर्धन. |
| २८१ | २७ | नेबाद | पगारापैकीं दर महिन्यास थोडी रक्कम सरकारांत ठेवितात ती. |
| १४२ | ५ | नेमावणी | नोंदणी. |
| २५१ | ७ | पटोळे | पट्ट म्हणजे कापड तें तयार करणारे, विणकर वगैरे लोक. |
| ३५७ | १७ | पाठवळण ( पाठपलाणें ) | नवरा मुलगा आपले सासूस लुगडेंचोळी देतो त्याला विनोदानें पाठपलाणें म्हणतात. |
| ७० | ८ | पानसरा ( पाणसरा ) | जकात खात्यांतील एक वंशपरंपरेचा कामगार. |
| २८३ | २५ | पायीं कस्ता | पायीं जाऊन, पायांनीं कष्ट करून, ओवंड्यानें. |
| ११२ | २ उजवीकडची | पाल ( पाळ ) | ( कराची, पट्टीची, ) सूट, माफी. |
| ८७ | २७ | पांडिये | पुढारी. |
| १३५ | ३१ | पांढर | गांवकरी, गांवजमात. |
| २८५ | १९ डावीकडची | पांती ( पाती ) | विभाग, वांटा. |
| १३३ | ९ | पुरसीस | सवाल करून घेतलेला जबाब, चौकशी. |
| १५३ | २ | पोटाखालीं जाणें | ओळ्या होऊन जाणें; विधवेनें दुसरा नवरा केला असतां त्याजकडे तिजबरोबर पहिल्या नवऱ्यापासून झालेल्या मुलांनीं जाणें. |
| ३४७ | २७ | पंखे झुबी | कानांतील एक दागिना. |
| १०९ | २० | फरजंद | मुलगा. |
| १३५ | १८ डावीकडची | बगाड | एका खांबास फिरतें वहाल घालून त्यास लोखंडाचा आकडा बसवितात त्यास गळ म्हणतात. त्यानें पाठीच्या स्नायूंस टोंचून मनुष्यास गरगर फिरविणें. ( असें एखाद्या देवस्थानापुढें नवस फेडण्यासाठीं करीत असत. हल्लीं हा कष्टमय विधी बंद केला आहे. ) |
| २८६ | ८ उजवीकडची | बजाज | कापडविक्या, कापडाचा व्यापरी. |
| १७२ | १४ | बमय | सुद्धां, सहित. |
| ७१ | १४ | बयान | तपशील. |
| ११० | २१ | बहाली | ( कामावर ) ठेवणें. |
| ७० | ८ | बाजारबसका | बाजारांतील दुकानांवरचा कर. |
| १०६ | १५ | बापूरजदा ( बापुरझदा ) | वंशपरंपरा. |
| ४४ | १९ उजवीकडची | बांधेकरी | एका गांवांत राहून दुसऱ्या गांवांतील जमीन लावणारा, ज्यास राहात्या गावांत वतन जमीन नाहीं, असा माणूस. |
| १०६ | १४ | बिदाती ( बिदात ) | नवीन ? |
| १७५ | २४ | बिनाखी | काळजीपूर्वक केलेली चौकशी. |
| १०६ | १४ | बिलाहरकत | बिनहरकत. |

## भाग दुसरा ह्यांतील अपरिचित शब्दांचा कोश.

| पृष्ठ | ओळ | | शब्द | अर्थ |
|---|---|---|---|---|
| १८२ | १६ | | वैतनमाल ( वेहतनमाल )=बेवारसी मिळकत ( ही वारसाच्या अभावीं सरकारकडे जावयाची ). | |
| ३५३ | १७ | | बोजवार=एक प्रकारचा भाजींत घालण्याचा मसाला. | |
| २२७ | १८ | उजवीकडची | बंदरा ( बदरा )=थैला, पिशवी. | |
| ६८ | ९ | डावीकडची | भुसार=धान्याचे व्यापारी, धान्याचे उदमी लोक. | |
| ४५ | १४ | डावीकडची | भोरपकर=भोरपकिल्याचे किल्लेदार, सचिव. | |
| २३५ | १९ | डावीकडची | भंगेरा=भांग तयार करून विकणारा. | |
| ४४ | ७ | उजवीकडची | सक्तसर=गांवांतील जुना वतनदार, जुने वतनदारांचा एक प्रकार. | |
| ४४ | १८ | | मखलासी ( मखलसी )=तपासणी. | |
| १५२ | १२ | | मवसर=ऐपत; सवड. | |
| १५२ | १६ | | मसाला=सरकारानें बोलाविलेल्या इसमापासून घेतलेली दस्तुरी, खर्च. | |
| १०६ | १३ | | महजब ( मजहब )=धर्म. | |
| ९४ | २० | | मादवान=घोडी. | |
| ३०१ | १९ | | माफजतीनें=जपून, काळजीनें, तजविजीनें. | |
| १८२ | १५ | | मालमवेशी=माल-मिळकत. | |
| ४४ | २७ | डावीकडची | मालुमाती ( मालुमती )=खोटे. | |
| १०६ | ८ | | मुफतीगिरी=ठराव किंवा निकाल देण्याची कामगिरी, न्यायाधिशी. | |
| १६३ | २३ | | मुदई ( मुद्दई )=मुद्दा दाखविणारा; फिर्यादी. | |
| ७० | ९ | | मोगलाई=कर-विशेष ( मोंगलांनीं बसविलेला ); मोंगलांचे हिश्शाची रक्कम. | |
| १०६ | ८ | | मोतसबी ( मोहतसबी )=फडणिशी, हिशेबनिशी. | |
| १३९ | २२ | | यजितखत=अजितपत्र, हरल्याबद्दलचा लेख. | |
| १११ | ११ | | रजातलबेंत=आज्ञेंत, हुकुमांत. | |
| ७९ | १५ | | रजावंदीनें ( रजावंतीनें )=राजीखुषीनें, जबरदस्ती केल्या शिवाय, आपल्या खुषीनें | |
| ४५ | १२ | डावीकडची | रयात=माफी | |
| ८७ | २७ | | रयान ( रयानी )=रयत. | |
| ३०५ | ५ | | रवेसीनें=रीतीनें. | |
| १८० | ५ | | रव्याचें दिव्य=रवा म्हणजे धातूचा तुकडा, तो उकळी फुटलेल्या तेलांतून हातानें बाहेर काढण्याचें दिव्य. | |
| ४७ | १० | उजवीकडची | राबता महार=गावचें सरकारी काम करणारा माहार. | |
| ७० | ९ | | रिताड=माल टाकून रित्या झालेल्या गाड्या, बैल, तट्टें वगैरे. | |
| २ | २ | | रुईनें=नेहमींच्या शिरस्त्याप्रमाणें, रीतीनें. | |
| १९५ | २७ | | रुईरयात( रुरयात )=पक्षपात. | |
| १२७ | ९ | | रुजू सुरु=बरोबर आहेत कीं नाहींत हें पाहून. | |
| १४६ | १६ | | रुरयात=भीड, पक्षपात. | |
| ४६ | २ | उजवीकडची | रेंद=सऱ्याचा म्हणजे ताडी-माडीचा मक्ता. | |
| १०८ | २८ | | रंगरेज=रंगारी. | |
| १०९ | २० | | लुथफी ( लुत्फी )=दिलेला. | |
| ३९ | ९ | | लोहकर=लोकर | |
| २७२ | २२ | डावीकडची | लंगर=फकिरास वाटावयाचा शिधा. | |

| पृष्ठ | ओळ | | शब्द अर्थ |
|---|---|---|---|
| २४७ | १३ | | लांझा=लढा, भानगड. |
| १२० | ३ | | वजनकशी=वजनांच्या तपासनिसाचें काम. |
| ११२ | १ | उजवीकडची | वणम्हैस=म्हसीबद्दल वनचराईचा आकार. |
| ३५६ | १६ | | वरधावा=नवरीचा भाऊ ( किंवा दुसरे कोणी ) वरास आणायाला जातो तो. |
| ९७ | २१ | | वसवसा=भय, धास्ती. |
| २३ | १७ | | वहीत=लागवड असलेली. |
| १७० | २१ | | वाजपूस=तपास, चौकशी. |
| ३४१ | ८ | | वानवळा ( वानोळा )=वानगी ( पहिल्या पिकाची ) घेण्याचा हक्क. |
| ८७ | १५ | | वारपार ( वारगीपारगीनें ) आळीपाळीनें; नेहमीं. |
| १४२ | १८ | | विल्हेकरणें=निकालास लावणें. |
| ४६ | १० | डावीकडची | वेठवा=वेठ. |
| ९५ | १८ | | शामल ( श्यामल=काळा )=जंजिऱ्याचा सिद्दी, नवाब. |
| ६८ | १० | डावीकडची | शिंगासिंगोटी ( शिंगशिंगोटी )=गुराढोरांवरील पट्टी. |
| १७० | २१ | | शिलकावण=तगाद्यास पाठविलेल्या शिपायानें जबरीनें आपणाकरितां घेतलेली रक्कम; मुदतींत काम न केल्याबद्दल दररोज द्यावयाचा दंड. |
| १७९ | २१ | | शिवधडे=शीमधडे=शींवधडे=शिंवेच्या शेजारगांवचे लोक. |
| ९१ | १९ | | शेल्याबद्दल=बक्षिसाबद्दल, नजरेबद्दल. |
| १०६ | ८ | | सकालात ( सकायत )=पुरवठा करणें ? पाण्याचा पुरवठा ? |
| १७० | २१ | | सडीसाक्ष ( सडसाक्ष )=मुखजबानीचा पुरावा. |
| १३५ | ३१ | | समाकूळ=सर्व, समस्त. |
| ४६ | २ | उजवीकडची | सरा=ताडी, माडी, ( दारू ). |
| ३५ | १२ | | सरीक ( षरीक )=भागीदार, वांटेकरी. |
| २८६ | १२ | उजवीकडची | सलतनगार=चामडें कमविणार ? |
| १६१ | २ | उजवीकडची | साइली, सायली=सायाच्या लाकडाचीं, सागली. |
| १८६ | १२ | उजवीकडची | सागळ=बकऱ्याचें कातडें. |
| १०६ | ९ | | सानी=दुसरा. |
| ८७ | २८ | | सायर ( सायरबाब )=जकात, जकातीचा ऐवज. |
| ७५ | ९ | | सुदामत ( मुदामत=नित्यता )=बिनहरकत; नेहमीची वहिवाट. |
| १०९ | २५ | | हक्कआदाव=हक्करसूम=मानपान वगैरेंचे हक्क. |
| ११३ | १३ | | हक्कवेरा=हक्क. |
| २७८ | १ | | हद्दमहदूद=हद्दीबिद्दी. |
| ६५ | १७ | | हरकी=वादांत जिंकला त्यानें आपल्या आनंदामध्यें दिलेली देणगी, नजर. |
| ७५ | २७ | | हरदू=दोन्ही. |
| ७६ | २२ | उजवीकडची | हिमाईत=थोराचा आश्रय. |
| १७९ | २० | | हिंदाणें ( हिंदणें )=खुणा. |